

हार्दिक शुभकामनाओ सहित



- वर्धमान-मार्केट - दुकानों-आफिसों, तीन रोड का जक्शन प्लॉट नम्बर-76 सेक्टर-87 वाशी न्यू बम्बई
- वर्धमान-पेलेस - रहने के लिये प्लॉट, प्लॉट न 48 सेक्टर-17 वाशी, न्यू बम्बई
- वर्धमान-पार्क - रहने के लिये प्लॉट प्लॉट नम्बर 49 सेक्टर-17 वाशी, न्यू बम्बई
- गुप्तेश्वर - रहने के लिये प्लॉट प्लॉट नम्बर 14 सेक्टर-4 वाशी, न्यू बम्बई
- निर्माण पार्क - रहने के लिये प्लॉट पप हाउस राजमाता जीजा बाई रोड अन्धेरी। (इस्ट)
- निर्माण नगर - रहने के लिये प्लॉट रेल्वे स्टेशन से तीन मिनट पर नाला सोपारा (वेस्ट)

वुकिंग साइट एवम् आफिस श्रेष्ठ बांधकाम के निर्माता

वर्धमान ग्रुप एवं निर्माण ग्रुप

इन्जिनियर्स एव बिल्डर्स

40-41, विशाल प्रॉपिंग सेंटर, मर एम वी रोड (अन्धेरी कुर्ली रोड) अन्धेरी (इस्ट)

बम्बई-400-069

फोन -6347804, 6323625, 6329917

ओनर्स:-हसमुख राय वी मेहता

फोन -585948

लक्ष्मीचन्द्र एस वर्धन

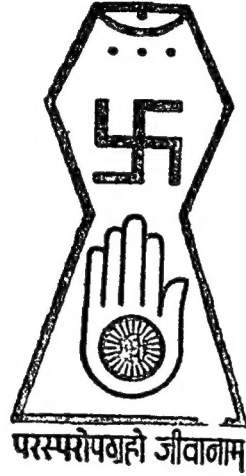
फोन -632 9373

अमृत ए. जैन

फोन-8282238

अहम्

श्री समग्र जैन चातुर्मास सूची 1986



अ.भा. समग्र जैन सम्प्रदायों (श्वे. मूर्तिपूजक, श्वे. स्थानकवासी, श्वे. तेरापंथी एवं दिगम्बर सम्प्रदाय) के पूज्य मुनिराजों एवं महासत्तियोंजी म.सा. के चातुर्मासों का वृहद् सूची पत्र

प्रेरक

आगम अनुयोग प्रवर्तक, पं. रत्न श्री कन्हैयालालजी म.सा. "कमल"

निर्देशक

❖ सरधरा रत्न. प्रवर्तक श्री रूपचन्दजी म.सा. "रजत"

❖ सफल वक्ता श्री अजित मुनिजी म.सा. "निर्मल"

❖ सेवा रसिक श्री विनय मुनिजी म.सा. 'वागीस'

❖ श्वे. मूर्तिपूजक तपागच्छ आचार्य श्री देवेन्द्र सागरसूरीश्वरजी म.सा. के सुशिष्य--
सेवाभावी श्री हर्षसागरजी म.सा.

संयोजक-संपादक

बाबूलाल जैन "उज्ज्वल"

बंबई

□ प्रकाशक

ज० भा० समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्

105, तिरुपति अपार्टमेंट, आकुली ग्राम राट नं 1,

कादिबली (पूर्व) बम्बई-400 101

फोन नं 681278

□ प्राप्ति स्थान

1 श्री बाबू लाल जैन 'उज्ज्वल' (संयोजक)

पना-उपरावन

(केवन पत्र में पोस्ट द्वारा)

2 श्री अमृत लाल कावडिया (सत्री)

यू गजुमणी ट्रामपाट वारपोरेशन

टानन भवन, 14 बर्नार्ड राट,

बम्बई-400003 (महा)

फोन 328969-347709

3 श्री मुग्ना लाल लोडा 'मनन' (महामंत्री)

बीर प्रिंटिंग प्रेस, मुराना मार्केट के पास

पानी मारवाड (राज) 306401

4 श्री ज्ञान राज मेहता C A

जी आर मेहता एण्ड ब

80 एच यु राट, बैंगलोर-560002 (कर्नाटक)

फोन 225819-224898

5 श्री बाबू लाल पोरवाल (जैन) (प्रतिनिधि)

26-B-राधा नगर, इन्दौर-452002 (म.प्र.)

6 श्री एस लालचंद जगमार

80 जायडप्पा नायकन स्ट्रीट

फोन-32695

माहूकारपेट, मद्रास 600079 (T N) 31252

7 जैन प्रकाश कार्यालय एच श्वे मूर्ति

जैन कान्फेस बार्मान्य, गोडी जी

विलिट्टा, पायघुनी बम्बई में भी उपलब्ध

नोट सम्पूर्ण स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय के मन-मनियों ने चातुर्मास सूची का दा रणा में छपा बड़ा चाट
उक्त सभी जगहा में नि शुल्क प्राप्त कर सकने हैं। चाट का स्थानकों के दरवाज पर अवश्य चिपकावें।

□ आवरण पृष्ठ छायाकार श्री दत्तात्रय वैशम्पायन-इंदौर

श्री जोशी आट, भाई-दर-बम्बई

□ मूल्य प्रचारार्थ अल्प मूल्य दस रुपये (10/-) (चाटें नि शुल्क)

□ प्रकाशन वष अष्टम्

□ वीर सम्पत् 2512 □ विरम सम्पत् 2043 (गुजगती 2042) □ ईस्वी सन् 1986

□ मद्रक नईदुनिया प्रिन्टरी,

60/1 बाबू लालचंद छजलानी मार्ग, इंदौर-452 009 (म.प्र.)

फोन नं 61400

सादर

समर्पण...



समग्र जैन सम्प्रदायो (श्वे० मुर्तिपूजक, श्वे० स्थानकवासी, श्वे० तेरापथी एवं दिगम्बर सम्प्रदाय) के सभी प्रातः स्मरणीय, पूजनीय कुल 120 आचार्यों के पवित्र पावन चरण कमलो में सविनय सादर समर्पित—

है एक प्रभु के अनुयायी, सब एक धर्म की शाखाएं ।
महावीर प्रभु के चरणों में, टिक रही सभी की आशाएं ॥ 1 ॥
मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापंथी और दिगम्बर ।
जैन धर्म ही सबसे बढकर, बोल रहा जग में अम्बर ॥ 2 ॥
तीजे पदधारी आचारज, जिन धर्म की शान बढाते हैं ।
आचार्य एक सो बीस गुणी, भविजन को मार्ग दिखाते हैं ॥ 3 ॥
है प्रथम बार समग्र जैन, सूची यह चातुर्मासो की ।
आगयी प्रकाशित होकर अब, आशिष मिले मुनिराजों की ॥ 4 ॥
छत्तीस गुणो के धारक जो, जितने भी गुणी आचारज हैं ।
“उज्ज्वल” करता कर कमलो में, “अठम्” पुष्प समर्पित है ॥ 5 ॥

— विनित —

सुखलाल कोठारी

अध्यक्ष



बाबूलाल जैन “उज्ज्वल”

सम्पादक-संयोजक

एवं परिषद के सभी सदस्य गण

आभार

प्रदर्शन

- उन सभी पूज्य मुनिराजों/महासतियोंजी म सा का जिन्होंने हमें हर तरह का सहयोग प्रदान किया है।
- उन सभी महानुभावों, श्री सघों का जिन्होंने सकलन सामग्री, मुद्राव, अभिमान आदि भेजकर हमें सहयोग प्रदान किया है।
- वम्बई, मद्रास, वेगलीर, इन्दौर पाली आदि स्थानों के उन सभी दानवीर महानुभावों का जिन्होंने परिपद के प्रमुख स्तम्भ, संरक्षण आजीवन मदस्य बनने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर परिपद की आर्थिक नींव सुदृढ़ बनाने में पूरा पूरा हार्दिक सहयोग प्रदान किया है। जिनके आर्थिक सहयोग से यह कार्य सफल हो पाया है।
- उन सभी दानवीर विज्ञापनदाताओं का जिनके अर्थ सहयोग से ही यह कार्य सफल हो पाया है।
- परिपद के सभी पदाधिकारियों, मदस्यों, परामर्श सलाहकारों, प्रतिनिधियों, एवं सहयोगी कार्यकर्ताओं का जिन्होंने हर तरह का तन मन धन का सहयोग परिपद को सहर्ष प्रदान किया जिनके हार्दिक सहयोग से ही यह काम इतना सफल हो पाया है।
- उन सभी पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादकों का जिन्होंने इस कार्य के लिए हर तरह का पूरा सहयोग हमें प्रदान किया है।
- नईदुनिया प्रिन्टरी, इन्दौर के व्यवस्थापकों एवं उनके सहयोगियों का जिन्होंने यह कठिन कार्य निरन्तर चौथे वर्ष भी अल्प समय में पूरा करके हमें दिया है।

आपके आभारी
परिपद के सभी सदस्यगण

अनुक्रमणिका

क्र सं	विवरण	पृष्ठ संख्या
भाग प्रथम		
1.	सादर समर्पण	3
2.	आभार प्रदर्शन	4
3.	आशीर्वचन शुभसन्देश	9
4.	कार्य कारिणी सदस्यो का जीवन परिचय	29
5	समग्र जैन सम्प्रदाय तालिकाएं	85
6.	कार्य कारिणी सदस्य सूची	95
7.	आय व्यय का लेखा	96
8	प्रकाशकीय	97
9	सम्पादकीय	101
10	आभार	107
11.	राज्यवार चातुर्मास तालिका	108
12.	परिपद शाखा कार्यालय	109
13	परिपद के बढ़ते कदम	110
14	समग्र जैन समुदाय एक विनम्र अपील	111
15.	गांवो-शहरो का अकरादि क्रम	113

भाग द्वितीय

इ.वे. स्थानकवासी सम्प्रदाय

श्रमण संघ समुदाय

16	आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषि जी म सा.	1
17	उपाध्याय श्री पुष्कर मुनिजी म सा.	9
18.	उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म सा	13
19	मेवाड संघ गिरो, प्रवर्तक श्री अम्बालाल जी म सा.	20

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
20	अनुयाय प्रवक्तृ श्री क. पैयालानजी म. मा. 'कमल'	
21	उत्तर भारतीय प्रवक्तृ श्री ए.म.च.जी म. मा.	22
22	म. मा. प्रवक्तृ श्री माहनानजी म. मा.	23
23	म. मा. प्रवक्तृ श्री ए.म.च.जी म. मा.	13
24	ए. म. च. श्री उमेशमुनिजी म. मा. 'अणु'	35
25	शशि केशरी श्री मि.मी.नजी म. मा. 'शरणागती'	37
26	मुवाकवि श्री रिनयमुनिजी म. मा. 'भीम'	41
27	भ्रमण मधव 'अय मन मनीया'	45
		47

स्वतंत्र सम्प्रदाय

28	टनिहाम मातण्ड आचार्य था हम्मीमनजी म. मा.	49
29	आचार्य श्री जीनमनजी म. मा.	52
30	ममना विभूति आचार्य श्री नानानानजी म. मा.	55
31	गच्छाधिपति तपस्वीराज श्री चपानानजी म. मा.	66
32	उपाध्याय था अमर मनिजी म. मा.	75
33	जागुबकि प्रवक्तृ श्री माहनानजी म. मा.	77
34	प्रमिड बनना श्री मन्माननजी म. मा.	79
35	तपस्वी रान श्री नानच.जी म. मा.	81
36	स्वतंत्र सम्प्रदाय क. अय मन मनीया	91

बृहद् गुजरात सम्प्रदाय

37	श्री गाडन माटा प. र. सम्प्रदाय	99
38	श्री निम्बरी माटा प. र. सम्प्रदाय	98
39	श्री दम्पिपुरी सम्प्रदाय	108
40	श्री निम्बरी गावान राधवी सम्प्रदाय	113
41	श्री आठ बाटी वच्छ माटा प. र. सम्प्रदाय	117
42	श्री आठ बाटी वच्छ छाटा प. र. सम्प्रदाय	121
43	श्री वसमत सम्प्रदाय	124
44	श्री बाटाट सम्प्रदाय	126

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
45.	श्रीगोडल सघाणी सम्प्रदाय	128
46.	श्री वरवाला सम्प्रदाय	130
47.	श्री सायला सम्प्रदाय	132
48	वृहद् गुजरात सम्प्रदाय अन्य संत मतीयों	132

भाग तृतीय

श्वे. तेरापंथी सम्प्रदाय

49	श्री श्वे तेरापंथी सम्प्रदाय	139
50	श्री श्वे. नवतेरापंथी सम्प्रदाय	152

भाग चतुर्थ

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय

तपागच्छ समुदाय

51	आचार्य श्री विजय प्रेम सूरिग्वर जी म मा का समुदाय	155
52.	आचार्य श्री नेमी सूरिग्वर जी म सा का समुदाय	166
53.	आचार्य श्री आनन्दसागरसूरिग्वर जी म मा का समुदाय	174
54	पन्यास श्री धर्म विजय जी म सा (डेहलावाला)	185
55.	आचार्य श्री विजय वल्लभ सूरिग्वर जी म मा	191
56.	आचार्य श्री बुद्धि सागर सूरिग्वर जी म सा	197
57.	आचार्य श्री विजय निती सूरिग्वर जी म सा	201
58	आचार्य श्री लब्धि सूरिग्वर जी म सा	209
59	आचार्य श्री विजय भक्ति सूरिग्वर जी म मा	211
60.	आचार्य श्री कनक सूरिग्वर जी म मा (वागड वाले)	215
61.	आचार्य श्री मोहन सूरिग्वर जी म मा का समुदाय	219
62.	आचार्य श्री विजय केशर सूरिग्वर जी म मा का समुदाय	224
63	श्री मोहनलालजी म मा का समुदाय	228
64	आचार्य श्री विजय सिद्धि सूरिग्वरजी म मा (बापजी) का समुदाय	230
65	आचार्य श्री विजय भद्र सूरिग्वरजी म मा का समुदाय	231

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
66	श्री अचल गच्छ समुदाय	211
67	श्री चरतर गच्छ समुदाय	241
68	श्री पाश्र्वचंद्र गच्छ समुदाय	255
69	श्री विमल गच्छ समुदाय	259
70	श्री त्रिस्तुती गच्छ समुदाय	265
71	अथ समुदाय	267
72	अथ सत मनोरथ	269

भाग-पंचम दिगम्बर सम्प्रदाय

73 आ दिगम्बर सम्प्रदाय

भाग-षष्ठम् अन्य जानकारीयाँ

271

71	स्थानकवासी जैन पत्र पत्रिका	281
72	अथ जन पत्र पत्रिका	289
76	स्थानकवासी जैन आध्यात्मिक सूची	293
77	स्थानकवासी जैन धार्मिक परिभाषा वाट सूची	275
78	स्थानकवासी जैन छात्रावास सूची	297
79	गिरि सा छात्र संस्था जैन वासी सम्प्रदाय	299
80	राजस्थान के दिगम्बर जैन अभिषेक भवन	301
81	मयूर जैन आचार्य उपाध्याय पद्मान गणि प्रवक्तृ सूची	303
82	स्था जैन सम्प्रदाय के वर्तमान आचार्य नातिका	311
83	राजस्थान के सम्प्रदाय आचार्य और प्रमुख जन नातिका	312
84	स्थानकवासी जैन नई शैली सूची	313
85	नगरपाली सम्प्रदाय नई शैली सूची	315
86	स्थानकवासी जैन वाट धर्म सूची	317
87	श्री तेरापरी सम्प्रदाय वाट धर्म सूची	318
88	वाटुमातनचा 1995 साल अभिषेक	319
89	वाटुमातनचा 1995 साल अभिषेक	321
90	आचार्य का विशेष जानकारीयाँ	323
91	प्रस्तावना	335
92	जनम माया	336
93	एक नव-म	341

94 विज्ञान

भाग-सप्तम

दक्षिण भारत श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन उपाश्रय-भवन निर्माण समिति, मद्रास-600 007



卐 शुभ-सूचना 卐

यह सूचित करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि हमारी समिति के ट्रस्टियों का पावन लक्ष्य है कि मद्रास शहर से बैंगलौर तक नेशनल हाईवे रोड़ पर लगभग 10-12 कि मी की दूरी पर जगह-जगह जैन साधना एवं सेवागृह का निर्माण शीघ्रातिशीघ्र हो । हमारे पूज्य साधु-साध्वियों एवं श्रावक-श्राविकाओं को विहार प्रवास में इससे लाभ मिल सकता है । इन भवनों का उपयोग धार्मिक एवं सेवा के कार्यों में होगा ।

अत्यन्त प्रसन्नता की बात है कि समिति द्वारा खरीदी हुई भूमि पर प्रथम नवनिर्मित जैन साधना एवं सेवागृह का उद्घाटन समारोह सुक्रवारछत्रम् ग्राम में शुक्रवार 16 मई 1986 को सम्पन्न हुआ है । सभी जैन साधना एवं सेवागृह का पूर्ण निर्माण एवं संचालन का भार हमारी समिति का होगा ।

निर्माणाधीन उपाश्रयों में 16×12 साइज के दो कमरे एवं 15×7 साइज का एक वरामदा होगा । इसके अलावा 10×10 साइज का कार्यालय के लिए कमरा, अलग स्नानघर व शौचालय तथा साधु-साध्वियों के परठने हेतु 8×8 साइज का खुली छत वाला कमरा होगा ।

उपरोक्त निर्माण कार्य के लिए रकम की अत्यंत आवश्यकता है। आप में मह्याग की प्रथा है। आप प्रपना मह्याग इस प्रकार दे सकते हैं—

51000/ या इसमें अधिक डोनेशन देने वाले का नाम जिलालख में उपाध्य के मुख्य द्वार पर (उपाध्य भवन निर्माण के मुख्य दानदाता के रूप में) होगा।

15000/ या इसमें अधिक डोनेशन देने वाले का नाम जिलालख में कमर के द्वार पर (कमरा निर्माण के दानदाता के रूप में) होगा।

2500/ डोनेशन देने वाले का नाम जिलालख में उपाध्य निर्माण में दानदाताओं की श्रेणी में आयगा।

5000/, 7500/-, 10000/ या इसमें अधिक डोनेशन देने वालों के नाम प्रथम दो, तीन और चार उपाध्यों पर अलग अलग एक एक नाम दानदाताओं की श्रेणी में आयगा।

आप महानुभावों में विनम्र निवेदन है कि उपरोक्त भागीरथ काय में मह्याग देकर पुण्यापाजन करें।

सपक मूल

दक्षिण भारत रवे स्या जन

उपाध्य भवन निर्माण समिति

मन्टरा आफिस

मुगत हाउस, 18 रामानुज अय्यर स्ट्रीट

माहकारपठ मद्रास 600079 (तमिलनाडू)

भक्तिय

(सुरेन्द्र एम मेहता)

अध्यक्ष

(एस कृष्णचंद चोरडिया)

सचिव

नोट—सभी श्रीमधों, महानुभावों से नम्र निवेदन है कि अपने अपने श्रमों में सभी जन स्थानों, उपाध्यों, सदस्यों एवं धार्मिक स्थलों के दरवाजे के ऊपर जन प्रतीक एवं रंगीन चंडा अवश्य लगाने की कृपा कराव ताकि आने वाले महानुभावों का द्वार में ही मालूम पड़ जाये कि यहाँ कोई जन धार्मिक स्थल है। भाइयों और ग्रहियों यह तो आप देखते ही हैं कि हर जाति के धर्म स्थलों के दरवाजे पर उनके धर्म का चिह्न या झण्डा लगा रहना है तो फिर हम जन होकर हमारे जन धार्मिक स्थलों पर जन प्रतीक व चण्डा लगाने में कीनती विषय महसूस करते हैं। आप सभी महानुभावों श्रीमधों से नम्र निवेदन है कि ऐसा जन प्रतीक एवं पचरंगी चंडा अवश्य लगाने की कृपा करें।

विनित—सुरेन्द्र एम मेहता

मद्रास



पारंपरिक और आधुनिक

समग्र जैन सम्प्रदायों के सभी पूज्य मुनिराजों एवं महासतीयोजी म.सा आदि ठाणाओं का 1986
वर्ष का चातुर्मास ज्ञान, दशन, चरित्र एवं तप की आराधना से सांत्वनासमय
वातावरण में सम्पन्न होने की मंगल कामना करते हुए

हार्दिक शुभकामनाओं सहित---



जगन्नाथ लक्ष्मीनारायण जैन

मु.गम्भीरा पोस्ट धमुण खूद,
वाया एव जिला-सवाई माधोपुर (राज.) 322001

शुभेच्छुक :-

लड्डूलाल धर्मचन्द्र जैन

चौथ का वरवाडा-322702

जिला सवाई माधोपुर (राज.)

फोन न. 27 P. P.

बाबूलाल जैन "उज्ज्वल"

संयोजक-अ.भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई

105, तिरुपती अपार्टमेंटम्, आकुर्ली क्रॉस रोड नं 1,

कादिवली (पूर्व) बम्बई-400101 (महा.)

फोन न : 681278

卐

बोम्बे जनरल स्टोर्स

प्रो. बाबूलाल सौभाग्यमल जैन

जिव मन्दिर, दुकान न. 3, टोक रोड, स्टेशन, ब्रजरिया,

सवाई माधोपुर-322001 (राज.)

हार्दिक शुभकामनाओ सहित -

ज्ञानचन्द धर्मचन्द बेताला

मोटर फाइनेन्सियर्स

ए टी रोड, गौहाटी-781001 (आसाम)

ग्राम "मगनबाणी" फोन आफिस-27247 निवास-28157



जनरल मोटर फाइनेस कंपनी

ए टी रोड, गौहाटी-781001 (आसाम)



कंवरलाल धर्मचंद बेताला

बेताला निवास

टोकाबाडी, गौहाटी-781001 (आसाम)



मम्यापत्र-

कंवरलाल बेताला

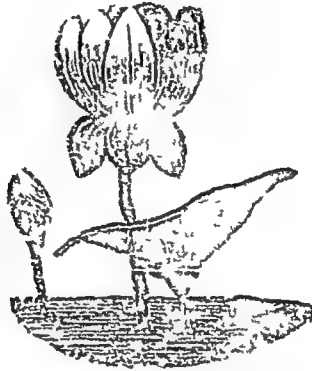
उपाध्यक्ष-न भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद, बम्बई

डेह (नागौर-राजस्थान)

युग की आवाज—

संवत्सरी एक हो

हार्दिक शुभकामनाओं सहित



सुखलाल कोठारी

अध्यक्ष—अ० भा० समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्, बम्बई

नूतन फर्नाचर मार्ट

3 रा रोड, रेल्वे स्टेशन के सामने, बस स्टेण्ड के पास,

खार रोड (वेस्ट) (W. Rly)

बम्बई—400052 (महा०)

फोन नं.—आफिस 533919 निवास 542996

ममग्र जैन मातृ-माध्वी वर्म गुण्यो में
सगठन एकता महकारी भावना जाग्रत हो
यह हमारी हार्दिक शुभकामना स्वीकार हो ।

वीर प्रिंटिंग प्रेस

पाली जिले का एक मात्र
आकषक व कलात्मक छपाई का प्रसिद्ध केन्द्र
(राजस्थान सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
मुराना मार्गट के पास, पाली-मारवाड, 306401 (राजस्थान)
फोन नं. आफिस 20386

सम्बन्धित कम

जैन एण्ड सस
वेपल, ग्रेगनस, काडस, लिफाफे के भाव विज्ञेता
मुराणा मार्गट, पाली मारवाड
(राज०)

लोढा कृषि फार्म
शेखावत फार्म
जामपुर राड, पाली-मारवाड
(राज०)

सुरेन्द्र कुमार लोढा
जिलाध्यक्ष
पाली जिला युवक कांग्रेस (आड)
(विज्ञान प्रकाश) पाली-मारवाड (राजस्थान)

हार्दिक शुभ कामनाओं सहित

मुन्नालाल लोढा, "मनन"
महामंत्री
अ. भा. ममग्र जैन चातुर्मास सूची
प्रकाशन परिपद, बम्बई-400101
अध्यक्ष
भारत जैन महामण्डल, शाखा-पाली
प्रमुख श्री वधमान तथा जैन धार्मिक सभ
चातुर्मास समिति, पाली (मारवाड)

निवास-44 लोढा भवन, सोजतोया वास, पाली-मारवाड (राज०)

॥ जय गुरु मधुकर ॥

स्व. श्रमण संघीय युवाचार्य बहुश्रुत पं. रत्न पूज्य गुरुदेव श्री 1008 श्री मधुकर मुनि जी म.सा.
के अंतेवासी युवा हृदय सम्राट श्री विनय मुनि जी म.सा. "भीम" आदि ठाणाओ का उज्जैन एवं
काश्मिर प्रचारिका विदुषी रत्न महा श्री उमराव कुँवरजी म.सा. "अर्चना" आदि ठाणाओ
का खाचरोद मे इस वर्ष 1986 का चातुर्मासहर्षो ल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य,
तप की प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत सफल बने ऐसी शुभ मंगल कामनाएं करते हुए—

With Best Compliments From :

Jethmal Chordia

Partner

Mahaveer Drug House

No 45, 4th Cross, Gandhinagar,
Bangalore 560 009
(Karnataka)

Phone : Off. 71507
74002
Res. 70053
Gram : PITHERJI

ध्यान के कारण आराम का सुख अनुभव होता है,
भख के कारण भोजन का स्वाद अनुभव होता है,
मृत्यु की विभीषिका के कारण जीवन का सुख प्रतीत होता है,
अधकार के कारण प्रकाश की महत्ता लगती है,

With best compliments from

DUGAR GROUP COMPANIES

Head Office

"DUGAR HOUSE" 7, Peddu Noicken St, Kondithop,
MADRAS-600 001 (T N)

BRANCHES

Raja St, Gudur 524 101 Nellore Dt (A P)
805 Mount Road (Opp LIC Bldg)
MADRAS 600 006 Phone 86888

B Nemichand Dugar & Sons
Factory GNT Road TADA 524 101
Sulurpet, Nellore Dt (A P)

B Nemichand Soncar
Prakash Industrial Corporation
Factory Kovalam 603 112 Chengleput Dt (T N)

N Dugar & Company
Dugar Finance and Investments
Vermiculite Product Private Limited
Regd Office DUGAR House 123, Marshall's Road,
Egmore MADRAS 600 008
Phone 89677 Grams VERMICULITE

Dugar Investment Limited
Regd Office 805, Mount Road, (Opp LIC Bldg)
MADRAS 600 002
Phone 87888 Grams DUG FINANCE

With best compliments from :



SARDARMAL MUNOT
NAVARATH S. JAIN

613. Maker Chambers-V, 221, Nariman Point,
BOMBAY-400 021

Tel No. : OFFICE : 230680 ' 244921
233998 * 232374

RESI : 8224532 * 8281070
8225487 * 8282661

आगम अनुयोग प्रवर्ता, आगम "ताका", प रत्न, परम श्रदेय, परम उपासी
 मुनि श्री कहेया नाल जी म ना "कमन" आदि ठाणा 2 एवं महानवीयाजी
 श्री दिव्य प्रभा जी म ना , श्री मुक्तिप्रभा जी म ना आदि ठाणा 10 ता घानेन
 (गुजान) में डग उपे ता चातुर्मास मानमय
 मोक्षानमन प्रतावरण में मष्पन
 होने की मंगन रामना रग्ने
 हृण-

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

कृष्णकांत एच० मेहता

प्रमुख ट्रस्टी • वर्धमान बाल निकेतन, आबू पर्वत (राज०)

8, मोरा, 2 माला, एल० डी० रपारेल मार्ग,

हिंगिग गार्डन के पास

यम्बई—400006 (महा)

फोन न 8125864
 8223211

भाग—प्रथम

- * आशीर्वचन
- * शुभ सन्देश
- * अन्य जानकारियाँ
- * सारिणियाँ एवं तालिकाएँ

ઘર વિહોણાને ઘર નું ઘર...

નરોડા, ઓઢવ,
નારણપુરામાં
તૈયાર...

- ટેનામેન્ટસ
- ફ્લેટ્સ
- દુકાનો

વધુ વિગત માટે ફોન કરો -



● પાર્શ્વનાથ કન્સ્ટ્રક્શન પ્રા. લિ.

૫૦, હરસિદ્ધ ચેમ્બર્સ, આશ્રમ રોડ, અમદાવાદ-૩૮૦ ૦૧૪ ફોન ૪૪૬૬૪૭

● પાર્શ્વનાથ શોપીંગ સેન્ટર

પદમાવતીનગરની સામે, નરોડા, અમદાવાદ ફોન ૮૨૭૩૨૪

● અંબિકાનગર

જી આર્થ ડી સી ચાણીની ટાકી સામે, ઓઢવ, અમદાવાદ ફોન ૮૮૭૩૨૫ - ૮૮૭૩૨૭

CARE ART

आशीर्वचन

आचार्य सच्चाट जैन दिवाकर श्री आनन्द ऋषिजी म.सा.

(पूना)

यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि आप इस वर्ष समग्र जैन समुदाय की चातुर्मास सूची प्रकाशित कर रहे हैं। आपका यह कार्य जैन एकता को जोड़ने की कड़ी का कार्य करेगी। आपकी यह सूची भविष्य में एक सच्चा जैन सिद्ध होगा। इस कार्य से सभी को काफी लाभ हो रहा है। आप चतुर्विध सघ की जो सेवा कर रहे हैं वह प्रशंसनीय है। आपका यह कार्य उत्तरोत्तर आगे बढ़ता रहे यही मेरी हार्दिक शुभ कामना है।

सुविशाल गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय रामचन्द्र सूरेश्वर जी म.सा.

(लालबाग-बम्बई)

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि आप जैन एकता रूप के कार्य के लिए इस वर्ष समग्र जैन समुदाय के चारों समुदायों की चातुर्मास सूची प्रकाशित कर रहे हैं। आप अपने कार्य में सफल बने समाज की सेवा करते रहे मेरी बहुत २ शुभकामनाएँ आपके साथ हैं।

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय मेरुप्रभ सूरेश्वरजी म.सा.

(पायधुनी-बम्बई)

यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि आप इस वर्ष समग्र जैन समुदाय के चारों सम्प्रदायों की चातुर्मास सूची प्रकाशित कर रहे हैं। आपका कार्य भविष्य में जैन इतिहास का कार्य करेगा। आपके कार्य को सफलता मिलती रहे यही मेरी शुभकामना है।

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्र सागर सूरेश्वर जी म.सा.

गोडीजी देरासर, पायधुनी (बम्बई)

आपने इस वर्ष समग्र जैन समुदाय की चातुर्मास सूची प्रकाशित करने का जो कार्य हाथ में लिया है वह बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। आप जिस तरह स्थानकवासी समुदायों की सूचियाँ विगत 7 वर्षों से प्रकाशित करते आ रहे हैं। अब उसी तरह की सूची सभी समुदायों की प्रकाशित होगी जिससे समग्र जैन समुदाय लाभान्वित होगी

आचार्य प्रवर श्री विजय अरिहंत सिद्ध सूरेश्वर जी म.सा.

(अहमदाबाद)

आपका प्रयास अति प्रशंसनीय है। इससे समाज को काफी लाभ पहुँचेगा। आप अपने प्रयास में उत्तमि कर रहे यही हार्दिक शुभकामनाएँ।

युग प्रधान आचार्य प्रवर श्री तुलसीजी म.सा.

(लाड़नू)

ममग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन का कार्य जानकारी की दृष्टि से बहुत सुन्दर है। हमारी मंगलकामना ।

छांभात सम्प्रदाय के आचार्य प्रवर श्री कांती ऋषि जी म.सा.

(दादर-बम्बई)

आप विगत 7 वर्षों में स्थानकवामी सूची प्रकाशित करने थे और अब उस वर्ष ममग्र जैन समुदाय की सूची के कार्य को हाथ में लिया है यह कार्य बहुत ही परिश्रमी है। इससे समाज काफी लाभ उठा सकेगा। आप इस कार्य में उत्तरोत्तर आगे बढ़ते रहे। यही हमारी मंगल कामनाएँ हैं।

आठ फीटि कच्छ मोटा पक्ष के आचार्य प्रवर श्री छोटालालजी महा. सा.

(तलवाणा)

“आप ममस्त जैन समाज के सत सतियों की चातुर्मास सूची प्रकट कर रहे हैं यह जानकारी प्रसन्नता हुई। आपके इस भागीरथ कार्य को सफलता मिले यही शुभकामनाएँ हैं।”

परजाला सम्प्रदाय के आचार्य प्रवर श्री चम्पक मुनि जी म.सा.

(अहमदाबाद)

एक ही लगन, एक ही लक्ष्य, एक ही धुन में ममग्र जैन समाज के सत सतियों के चातुर्मास सूची जैसा भागीरथ कार्य आपने सफलता पूर्वक संपन्न किया। विश्व के सभी गोप-प्रेमियों के लिए यह पुस्तिका एक अमूल्यनिधि समान बन गई। परिश्रम सफल हुआ। हमारी मंगल कामना ।

बरियापुरी सम्प्रदाय के आचार्य प्रवर श्री शांतीलाल जी म.सा.

(अहमदाबाद)

आपका प्रयास प्रशंसनीय है, हमारी बहुत २ शुभकामनाएँ।

राजस्थान केशरी उपाध्याय श्री पुष्कर मुनि जी म.सा.

(पाली-भारवाड़)

बालूलाल जैन एक तेजस्वी और प्रतिभा सम्पन्न युवक हैं। उन्होंने अपनी प्रबल प्रतिभा से उत्प्रेरित होकर इस वर्ष ममग्र जैन समुदाय की चातुर्मास सूची का मंगलमय कार्य प्रारम्भ किया। यह कार्य प्रारम्भ करते समय वामन रूप में था। पर धीरे-धीरे विराट् रूप को धारण कर रहा है। अब यह चातुर्मास सूची न होकर अनेक चिन्तनीय सामग्री का सङ्कलन है। अन्य कुछ सज्जनों ने प्रस्तुत सूची की नकल करना तो प्रारम्भ किया, परन्तु वह नकल, नकल रूप में ही रही। उन नकलों में वे विशेषताएँ नहीं आ पायीं जो विज्ञेयताएँ प्रस्तुत सूची ग्रन्थ में हैं।

प्रबन्धन केशरी उपाध्याय श्री केवल मुनि जी म.सा.

(उज्जैन)

आप अपनी तेजस्वी प्रतिभा से प्रस्तुत कार्य में सदा आगे बढ़ते रहे और जैन समाज को नित नूतन सामग्री देंगे यही मंगल मनीषा है।

उत्कल केसरी, उपाध्याय श्री मनोहर मुनि जी मसा

(मालेरकादता)

आपन अथन प्रयास स्वरूप य पत्रिका एतिहासिक रूप त रहा है। आप मुनि भाव व साम्प्रदायिकता से ऊपर उठकर इस महत् कार्य में सम्मिलित रह रहे हैं। आपका प्रयास सार्वत्रिक व प्रशंसनीय है। आज तक इस 'रचनात्मक' कार्य का अभाव था जिसकी पूर्ति आप कर रहे हैं। य पत्रिका अन्तर विचित्र व अमूल्य है आपका हा आपका पुरपाथ सफल हो उसने लिए हार्दिक मंगल भावना व शुभ कामनाएं।

उपाध्याय श्री बिराल मुनिजी मसा

(दिल्ली)

आप जो सूची प्रकाशित कर रहे हैं वह सिर्फ चातुर्मास सूची ही नहीं जन इतिहास गावित होगी। आप अपने कार्य में निरंतर आगे बढ़ते रहें वहीं मंगल कामना है।

मेवाड़ तथ शिरोमणि प्रवक्तृ श्री अम्बालाल जी मसा

(भादसोडा)

इस महान कार्य के लिए हमारी बहुत शुभ मंगल कामनाएं।

उत्तर भारतीय प्रवक्तृ भण्डारी श्रीपदम चन्दजी मसा

(चण्डीगढ़)

आपके सम्पादन की जितनी प्रशंसा की जाय वह कम ही रहेगी। आपका यह कार्य उत्तरात्तर आगे बढ़ता रहे शासन की सेवा बनती रहे यही मंगल कामना है।

मेवाड़ केसरी प्रवक्तृ श्री मोहनलाल जी मसा

(किसानगढ़)

आपका यह कार्य अति उत्तम है। आप अपना कार्य में उत्तमतर आगे बढ़ते रहें यही मंगल कामना है।

प्रवक्तृ, मुलेच्छक श्री उमेश मुनि जी मसा "अणु"

(मेधनगर)

आपका यह नागौरध प्रयास सफलता के चरण चूम आर आप इसी प्रकार प्रतिफल अपने मूर्तदेवी नदम उत्पत्ति की आर वृद्धि करत हुए जिन नामों की आर य रिमाये चार चार उगाय आर प्रभू से रही मंगल कामना है।

मरघरा भूषण प्रवक्तृ श्री रमेश मुनिजी मसा

(सवाईमाधोपुर)

आपन पत्र से यह ज्ञात हुआ कि आप जन समाज एवम् न प्रीति स्वरूप समग्र जन मुनिया (श्व स्था श्व तरापी, श्व मूर्तिपूजक, एन एम्बर सम्प्रदाय) की चानुमासा की प्रति प्रकाशित कर रहे हैं। यह एक प्रगतिशील स्लापनीय प्रयास है।

आपन कार्य में सूची पत्र प्रारम्भ किया है न त यज्ञाजि आपका पुरपाथ प्रसन्न बढ़ता गया है प्रीतिप तर्पनीकरण हुआ है, इस वर्ष में निषेधा का समय जन चानुमासा की प्रति के लिए मेरी ओर न भ्रमनामा है।

उपप्रवर्तक, कविरत्न श्री चन्दन मुनि जी म.सा. (पजावी)

(मण्डी गिदड़वाहा)

बाबूलाल जैन 'उज्ज्वल' के,
चाहे कितना कठिन कार्य हो,

साहस का क्या कहना है ॥ 1 ॥
करके ही बस रहना है ॥

सात साल तक रहे छागते,
बप आठवे नया कार्यक्रम,

स्थानकवागी सब चामाम ॥ 2 ॥
लिया हाथ में है मोरलाग ॥

स्थानकवागी, नेगपयी,
सब के गन्त मती है लगभग,

नया दिगम्बर ज्वेताम्बर ॥ 3 ॥
दस हजार के जो भीतर ॥

उनके सारे चामासों का,
देखो प्यारे पाठक ! पढ़कर,

जो भी लेखा-जोखा है ॥ 4 ॥
कितना सुन्दर-चोखा है ॥

किसी युवक या सस्था ने जो,
अनर्थक धर्म से 'उज्ज्वलजी' ने,

कार्य नहीं बन पाया है ॥ 5 ॥
करके वह दिखलाया है ॥

महावीर के जैन सब की,
कितना प्यारा ! कितना न्याय !

शाखाएँ जो मोटी चार ॥ 6 ॥
गया पिरोया उनका हार ॥

ऊपर से खरबूजे-से ये,
अन्दर से बन एक इन्हो को,

चारों चाहे दिखें अलग ॥ 7 ॥
करना है जगमग-जगमग ॥

जैन ऐक्य का कितना उत्तम,
किया गया है पेश देख लो,

कितना ऊँचा प्यारा भाव ॥ 8 ॥
जिसका कोई नहीं जवाब ॥

जिन्हें नहीं हम आर कही भी,
नई निराली शिक्षा वाली,

प्यारे पाठक ! पाने है ॥ 9 ॥
उममे कितनी बातें है ॥

भेदभाव से खेद-भाव से,
नव्य भव्य इतिहास डमे फिर,

शब्द-शब्द है जिमका मुक्त ॥ 10 ॥
क्यों न कहना है उपयुक्त ॥

करी प्रकाशित सूची जिसने,
साधुवाद न बयोकर उसको,

रिपद बोम्बे की रास्ताज ॥ 11 ॥
1 साग जैन समाज ॥

"चन्दन मुनि" पजावी जिसका,
करे कामना अमर रहे यह,

इवाहा' नगर निवास ॥ 12 ॥
सूची चातुर्मास ॥

उपप्रवर्तक श्री सुमति प्रकाशजी म.सा.

(दिल्ली)

श्री बाबूलाल जी जैन 'उज्ज्वल' में जैन गम
नीय है। यदि ऐसी ही भावना वाले कुछ कर्मठ युवक
ला सकते हैं। इस कार्य के लिए हमारी बहुत २ मग

गुठन की जो ललक है वह प्रगम-
ने समाज में बहुत बड़ी क्रान्ति

माहित्य वाचस्पति, माहित्य शिक्षण मन्त्रिय श्री देवेन्द्र मुनि जी म मा (पाणी-माखडा)

यह जो प्रेम निम्न हो वह अनमोल होती है। धन प्राप्त करने की प्रथा का मर्म प्रेम ही है प्रेम ही प्रथा का आधार है नाथ प्रभु ने धन में प्रेम ही प्रथा का प्रतीक माना है वह अनमोल प्रेम ही प्रथा का प्रतीक है।

भ्रमण तपाय वरिष्ठ डॉ. गिब मुनिजी म मा (पुता)

प्रायः प्रथम प्रज्ञातिथिः । अग्रे म मी प्रायः शुक्लमेव कर्म निवृत्तं उदतिः की प्रा-
यः प्रज्ञातिथिः । अग्रे म मी प्रायः शुक्लमेव कर्म निवृत्तं उदतिः की प्रा-

महात्मार सप्तशतिका श्री जीवन मुनि जा भया (रतनाम)

आप इन वर्ष हमें जन सम्प्रदाय से जो सेवा प्रदानित कर रहे हैं वह एक गहरा भविष्य
में अनिर्गम्य रूप सिद्ध होकर जा रहा है। मैं बहुत ही अभ्युत्साहित हूँ।

व्याख्यान वाचस्पति श्री सुदशननाथनी म मा (गिरमा)

[illegible]

गायन निधि था रामनिवास जी म मा (इन्दौर)

ॐ पूर्वा का तमस जन तमान सा त्वं श्रुतं तदा ताप ना भो काट धनिज्याकिन नयी
गणा। धाय रिगन धाय पुन त् तदी मत् तनसामना त्।

अमल मपीय मनाहका थी महेंद्र मुनि जी म मा कमल (चिरानगड)

यः शान्तः प्रमाता इह सि त्त स्य द्वाय नमस्य त्वं यमात्रं नः चानुमातुं श्रुत्वा निशान्तः
यः ॥ जन गन्ता इतु आगमि त्वा यः इह निष्ठा इह यः प्रगतीय इह । आगता यः प्रयत्न
भविष्य म नमात्रं इह त्वि वर्यान् इति तात् ।

ਗਾਥਾ ਸੰਪ੍ਰਦਾਏ ਦੇ ਬਾਪੀਸੰਪ੍ਰਦਾਏ ਦੇ ਗਿਰੀਸ਼ ਮੁਨਿ ਜੀ ਸਥਾ (ਜੰਮ-ਕਾਸ਼ਮੀਰ)

[illegible]

व्याख्यान वाचस्पति श्री गणेश मुनि जी म.सा. शास्त्री

(उदयपुर)

सूची चातुर्मास की, जब पाई इस बार ।
देख देख कर छा गया, मन में मोद अपार ।
मन में मोद अपार, यह धन्य आपका काम ।
जैन जगत में आपका, हो उज्ज्वल 'उज्ज्वल' नाम
मुनि गणेश कविगय, आप से इतना कहना ।
सूची चातुर्मास की, निकालते हरदम रहना ॥

सूची देखी तो मिला, हमें बहुत मन्तोष ।
पृष्ठ पलट कर पा गये, वैभवशाली कोष ।
वैभव शाली कोष, यहाँ कौन कहा देखा ।
सिमटा है पुस्तक में, सबका लेखा-जोखा ।
मुनि गणेश कविगय, बड़े-बड़े मूर्धन्य ।
सूची पाकर हाथ में, कहते परिपद धन्य ॥

मधुर व्याख्यानी श्री दिनेश मुनिजी म. सा "जै शि.वि."

(पाली-मारवाड़)

आपके द्वारा सयोजित चातुर्मास सूची पिछले कई वर्षों से देख रहा हूँ। आप हर वर्ष इसमें नई-नई जानकारीयाँ देकर इसको बहुत ही उपयोगी बनाते जा रहे हैं। यह एक महान कार्य आप कर रहे हैं भविष्य में यह इतिहास का कार्य करेगा आपकी कुशल बुद्धि का इस में सर्वत्र उपयोग हुआ है। आप जैसे समाज सेवा युवक नित्य नयी जानकारी देते रहे। जिसमें समाज को नई-नई जानकारी मिल सके।

श्री जिनेन्द्र मुनिजी म.सा. 'काव्यतीर्थ'

(उदयपुर)

सूची चातुर्मास की, निर्माता को धन्य ॥
एतद् परिधम आपसा, कौन करेगा अन्य ॥
कौन कहाँ यह देखकर, मन ने पाया तोष ॥
सचमुच में यह बन गया, जैन जगत का कोष ॥
नाम पते के साथ में, विविध भरा है ज्ञान ॥
सूची सचमुच खींचती, विज्ञ जनों का ध्यान ॥
सूची चातुर्मास की, की "उज्ज्वल" तैयार ॥
देते साधुवाद हम, तुमको वारम्बार ॥
सयोजक उज्ज्वल बने, होवे अनुपम काम ॥
जैन जगत में आपका, 'मुनि जिनेन्द्र' हो नाम ॥

लिम्बड़ी मोटा पक्ष सम्प्रदाय के श्री भास्कर मुनिजी म.सा.

(सुबई-फच्छ)

ममग्र जैन समाज के चातुर्मास सूची प्रकाशित कर आपने विश्वरे हुए मोतियों को माला में पिरो दिये हैं। मेरी शुभकामनाएँ ।

प्रयत्न प्रसारक कवि श्री पुनर मुनि जी म मा 'वचन'

(शेमती)

मम मा वा जगाम तूचो व्यजे,
 मम मम मा श्री गुरुदेव वा ।
 विरिज नाविसा निरुप पण्डित पण्डित
 श्रवण जन मा मा मम मम मा मा ॥

प्रयत्न भूषण, कवि श्रीविजय मुनिजी म मा (मवाई माधोपुर)

ननाम नमाम म म म म म म म म ।
 निरुपही इति ध्यानी, यम माय उह माय ॥ १ ॥
 जन मम मा म प्रवीर जन ध्यानी धम ।
 मम मम मम मम मम मम मम ॥ २ ॥
 नानागी म म म विरिजिपण्डित म मम ।
 मम मम मम मम मम मम मम ॥ ३ ॥
 विरिज मम मम मम मम मम मम ।
 मम मम मम मम मम मम मम ॥ ४ ॥
 मम मम मम मम मम मम मम ।
 मम मम मम मम मम मम मम ॥ ५ ॥



सन्देश

‘निजी सचिव
उर्वरक राज्य मंत्री, भारत
नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई, 1986



प्रिय श्री जैन,

कुवर नटवर्गमह, केंद्रीय उर्वरक राज्य मंत्री को प्रेषित आपका पत्र दिनांक 12-7-86 प्राप्त हुआ, धन्यवाद । यह जानकारी प्रसन्नता हुई कि इस वर्ष 20 जुलाई, 1986 से प्रारम्भ होने वाले चातुर्मास के अवसर पर आप सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एक पुस्तक का प्रकाशन करने जा रहे हैं जिसमें चातुर्मास का पूरा विवरण तथा जैन समाज की गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी प्रकाशित की जाएगी ।

पुस्तक के सफल प्रकाशन हेतु मंत्री जी की ओर से शुभकामनाएँ स्वीकार करें ।

साभिवादन,

आपका
(सहायक)

कल्याण राज्य मंत्री, भारत
नई दिल्ली-110001
28 जुलाई, 1986



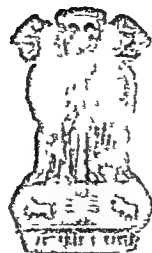
प्रिय श्री बाबूलाल जैन,

मुझे यह जानकारी हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि आप “समग्र जैन चातुर्मास” पुस्तक का प्रकाशन करने जा रहा है जिसमें जैन पूज्य आचार्यों साधु और साध्वियों के चातुर्मास पर प्रकाश डाला जा रहा है । जब-जब भी राष्ट्र को किसी कठिन परिस्थिति से गुजरना पड़ा तब-तब साधु समाज ने राष्ट्र को सही दिशा निर्देश दिया । इस मराह्तीय प्रकाशन के लिए मेरी शुभ-कामनाएँ ।

भवदीया,

(राजेंद्र कुमारी जाजपेयी)

Mool Chand Daga (M.P.)
Chairman
Committee on Subordinate Legislation
Lok Sabha



140 Parliament House
New Delhi-110001
Dated 17-7-1986

आप जो काम कर रहे हैं, उसके लिए आपको बधाई। समग्र जैन चातुर्मास सूची बनाने में सभी जैन भाइयों को यह सुविधा हो जायेगी कि कौन-कौन साधु-साध्वी कहा-कहा हैं और लोग उनके दर्जन और प्रवचनों से लाभ भी उठा सकेंगे। आपका यह कार्य अत्यन्त सराहनीय है। इसमें जैन भाइयों में आपस में आना-जाना भी रहेगा और जैन भाई साधु और साध्वियों के उद्देश्यों से लाभान्वित होंगे।

मैं आपके इस कार्य की हृदय से सफलता के लिए ईश्वर से कामना करता हूँ और अपनी शुभकामनाएँ अर्पित करता हूँ।

समस्त शुभकामनाओं के साथ,

आपका,
(मूलचंद डागा)

मंत्री

वित्त, नियोजन, उद्योग और विधि विभाग
महाराष्ट्र शासन मंत्रालय,
मुंबई 400032
दिनांक 28 जुलाई, 1986

आप पूज्य जैन आचार्य और साधु-साध्वियों के चातुर्मास गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए एक पुस्तक प्रकाशित करने जा रहे हैं, गुनकर बड़ी प्रशंसा हुई।

भारत की धार्मिक तथा सांस्कृतिक विरासत की जो उज्ज्वल परम्परा है, उसमें जैन धर्म का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आज दुनिया में मानव-मानव के प्रति, देश-देश के प्रति और प्रात-प्रात के प्रति जो विनाश साहस फैल रहा है उसे रोकने के लिए जैन धर्म का विशाल तत्त्वज्ञान ही उपयोगी हो सकता है। जैन धर्म ने मानवता का महान संदेश नारे विजय को दिया है। जिसमें कई साल पहले विश्व के बड़े साहित्यकार वर्नाट जे जी प्रभावित हुए थे।

आपकी पुस्तक जनसाधारण में दया, ज्ञान, मानवता की ज्योति का प्रकाश फैलाएगी यह मुझे आशा है।

मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

(सुशीलकुमार शर्मा)

डाक्टर जी,
सत्यसत्य
साक्यभा



32 माना बा,
नद दिली 110001
21 7 86

भा बाबुलान जन, "उज्जवल"

आपका पत्र दिनांक 12 7-86 का प्राप्त हुआ। आप एक पुस्तिका का प्रकाशन कर रहे हैं, जिसमें सभी जैन आचार्यों, साधुओं और साध्वियों का चातुर्मास का विवरण, हास्य, जान कर प्रशंसा है। आपका यह प्रयास सराहनीय है। हमें धार्मिक व्यक्तियों का चातुर्मास में अपने आचार्यों के पास धर्म लाभ के लिए जाने में सुविधा रहेगी।

शुभकामनाओं के साथ,

आपका,
(डाक्टर जी)

बसंतराय पाटल
राज्यपाल, राजस्थान



राज भवन, जयपुर
दिनांक जुलाई 26, 1986

मुझे यह जानकारी प्रमदना हुई कि आप भा आप जन चातुर्मास की प्रकाशन परिषद चम्बद द्वारा प्रकाशित की जानकारी के लिए सभी जैन आचार्यों, साधुओं और साध्वियों के चातुर्मास विवरण में मुझे एक पुस्तक प्रकाशित की जा रही है।

प्रकाशन की सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएँ

(बसंतराय पाटल)

राज्यमंत्री, निर्वाचन, पुनर्वास एवं भाषायी अल्पसंख्यक

जयपुर राजस्थान

22 जुलाई, 86

प्रिय श्री जैन,

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि पूज्य जैन आचार्य और साधु साध्वियों का चातुर्मास दिनांक 20 जुलाई से आरम्भ होने जा रहा है और इस उपलक्ष्य में आप एक पुस्तक का प्रकाशन कर रहे हैं जिसमें सभी जैन पूज्य आचार्यों एवं साधु साध्वियों के चातुर्मास का पूरा विवरण एवं समग्र जैन समाज की गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी प्रकाशित की जाएगी।

यह एक प्रच्छा प्रयास है और मैं इस पुस्तक की सफलता की कामना करता हूँ एवं आपको बधाई देता हूँ।

आपका,

(बामोदारदास आचार्य)

उपमंत्री, राजस्व

जयपुर, राजस्थान

2 अगस्त, 1986

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि समग्र जैन चातुर्मास सूची नामक एक पुस्तक का प्रकाशन चातुर्मास अवसर पर प्रकाशित किया जा रहा है। आशा है यह पुस्तक जैन सम्प्रदाय के लिए अति उपयोगी सिद्ध होगी।

मैं पुस्तक के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

(धीला काका)

राज्यमंत्री, नागरिक सुरक्षा व होमगार्ड

जयपुर राजस्थान

जयपुर, दिनांक ' 22-7-86

प्रिय श्री जैन साहब,

आपका दिनांक 12-7-86 का पत्र प्राप्त हुआ।

यह जानकर हर्ष हुआ कि 20 जुलाई, 1986 में चातुर्मास के अवसर पर आप एक पुस्तक का प्रकाशन कर रहे हैं, जिसमें सभी जैन पूज्य आचार्यों, साधुओं और साध्वियों के चातुर्मास का पूरा विवरण एवं समग्र जैन समाज की गतिविधि की सम्पूर्ण जानकारी का समावेश होगा। मैं इस प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएँ भेजता हूँ एवं आशा करता हूँ कि यह पाठकगणों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगा।

भवदीय

(मूलचंद सीणा)

राज्यमंत्री, महाराष्ट्र का ग्रामीण व गांधीजी विभाग

जयपुर, राजस्थान
जयपुर, दिनांक 24.7.86

प्रिय श्री राजूलाल जी

मुझे यह जानकारी हासिल प्रशिक्षण है कि परम पूज्य जन आचार्य तथा गांधीजी का चानुमाय आपकी महाराष्ट्र में दिनांक 20 जुलाई 1986 में शुरू हो रहा है। जन आधुनिक व नवभारत में जीवन में योग्य जीवन में प्रशिक्षण व है है और ज्ञान प्राप्त करने रहे है। आप व हम भाविक युग में आधुनिक प्रशिक्षण का प्रशिक्षण महान है और यह प्रशिक्षण नगर-निर्माण के पुनर् का पुनर् = कि व 4 माह की वृत्ति अर्थात् नव पूज्य आचार्य व गांधीजी व अमन तथा प्रशिक्षण का ज्ञान व ज्ञान प्राप्त व अपने जीवन का सुखमय बना करने।

जन गांधीजी व चानुमाय नव जन समाज की सम्पूर्ण जानकारी जन आचार्य का बन है व जन अपने प्रशिक्षण पर आप द्वारा पुस्तक का प्रशिक्षण किया जाना एवं प्राप्त करने का प्रशिक्षण व है। आपकी परिपूर्ण द्वारा ज्ञान प्रशिक्षण प्रसार है व प्रिय व यह प्रशिक्षण में आपका आचार्य बनने का प्राप्त है। यही भगवत् जिनके स्व में प्राप्त है।

सप्रम

आचार्य,

(राजस्थान नगर)

(दत्ता नलायदे)

महानगरपालिका मभाग महानगरपालिका भाग, मुद्रा 400001

मन्त्रालय मन्त्र, अ-य 1

दि 26 जून, 1986

अभिनेता भारतीय मन्त्रालय परिसर

आचार्य भाग्यदाय ज्ञानव्यापक जन चानुमाय पूर्वी प्रशिक्षण परिषद" विद्यमान चानुमायामिनि 20 जून 1986 गजी चानुमाय मन्त्रालय प्रशिक्षण प्रशिक्षण आगे है ज्ञान ज्ञान ज्ञान ज्ञान भाविकाना अभिनेता उपरुक्त उक्त राज्य मन्त्र मन्त्र नाली परिषद या ज्ञान प्रशिक्षण माया हासिल जुनैछा

(दत्ता नलायदे)

मन्त्रालय

મોરારજી વેમાડે

મુખ્ય મંત્રી, ગુજરાત સરકાર

ગોળીયાળા મેમ્બર મુખ્ય મંત્રી

નવદેહી-૧૧૦૦૧૬

તારીખ ૧૮-૭-૧૯૮૬

શ્રી શ્રી બાબુલાલ જૈન

આજના તારીખ ૧૮-૭-૮૬ ના પત્ર જવા મિલ્યા. જે ને મુજબ પ્રતિજ્ઞા કરી છે કે ઉપર
લિખે મેળે મુજબના મેમ્બર છે.

મુ.જ.

મોરારજી વેમાડે

J.K. Jain
Ex Member of Parliament (Rajya Sabha)
Secretary
Congress(I) Party in Parliament

16 Park Area,
New Delhi-110016
Dated July 18, 1986

Dear Shri Babu Lal Jain,

I thank you for your letter of 12th July, 1986

I am glad to learn that you propose to bring out a volume on the occasion of Chaturmas of Jain Acharyas and saints beginning from 29th July this year.

Chaturmas by Acharyas and Saints has a special significance inasmuch as it affords an opportunity to them to preach the ideals and messages of religion in earnest, tolerance, peace, non-violence and universal love.

I hope you would try to incorporate useful and inspiring material in the proposed volume.

I send my good wishes for the success of your venture.

With kind regards,

Yours sincerely,

J K Jain

Bhiku Ram Jain
Ex Member of Parliament

49, Rajpur Road,
DELHI-110054
21st July, 16

Dear, Shri Babulal,

I am in receipt of your letter dated 12th July, 86 wherefrom I learn about your publishing a book containing a list of Pujya Sadhus & Sadhvis with places of their 'Chaturmas' etc. I regret I could not reply to you earlier because of my being sick & in the hospital for an operation.

While I appreciate for your venture I only wish to say that with their 'Tap' 'Tapasvina' & 'Sadhna' the Jain Sadhu has created a very high goodwill among the people not necessarily Jains. Even in the present era a Jain Sadhu or a Sadhvi is known for a very high philosophy of 'Dharma' both about the Jains & all others. They not only preach but practice it on themselves which creates confidence & reverence. Whenever I have gone people for all walks of life has a high praise for the Jain monks.

I am sure therefore that the information you want to impart through the proposed publication will benefit many to enable them to go & have 'Darshan' of the various saints & Gurus to take advantage of their sermons,

Yours Sincerely
Bhiku Ram Jain

अश्व कुमार जन

गो 47 गुनमाट्ट पस
नट दिल्ली 110049
दि 25 7 86

प्रिय नम्र

पत्र मिला, जन आशयों मागुया और माधिका का पूरा निवरण प्रस्तुति कर रहा है
यह जानकर प्रसन्नता में।

यह पुस्तक समाज के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। भगो जुन सामानागें स्वीकार की
गमें।

मागका
अश्व कुमार जी

मंगल कामना

डा. महेन्द्र सागर प्रचंडिया
"जैन शोध अकादमी"

मंगल बलश फोन : 6486
394, सर्वोदय नगर, आगरा रोड,
अलीगढ़ (उप्र)
दिनांक 30-6-86

प्रिय भाई श्री 'उज्ज्वलजी'

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आप एक समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशित कर रहे हैं। इतने बड़े साधु संघ, इतने बड़े समुदाय का लेखा-जोखा साधारण अधवा आदमी के द्वारा रखना प्रायः संभव नहीं है। यह दर्शनार्थियों के लिए पत्र-व्यवहार एवं समाज की गतिविधियों की जानकारी का भण्डार है। इस प्रकार सूची के प्रकाशन की आवश्यकता अतिशय है। आप इसमें पूर्णतः सफल हों मेरी अनंत मंगल कामनाएँ और भावनाएँ आपके साथ हैं।

आपका
महेन्द्र सागर प्रचंडिया

डॉ निजामुद्दीन

हिन्दी विभाग के प्रधान
इस्लामिया कॉलेज,
थीनगर (कान्पुर) 190002
ता 23-7-86

श्री बाबूलालजी "उज्ज्वल"

जैनाचार्यों, मुनियों का वर्षावाम या चातुर्मास जैनधर्म की ज्ञानाचार-प्रचार की मौलिक परम्परा है। इस परम्परा को व्यापकता प्रदान करने के लिए अ.भा. स्थानकवासी जैन परिषद् (बम्बई) ने जो चातुर्मास-सूची प्रकाशित करने की योजना बनाई है वह प्रशंसनीय है। वह 'चातुर्मास की डायरेक्टरी' का कार्य करेगी। उससे समस्त भारत में जैनाचार्यों-साधु-साध्वियों द्वारा किये जाने वाले गाँव-नगर सभी स्थानों के चातुर्मास की विशद सूचना प्रकाशित होगी। यह जन-कल्याण का बड़ा कार्य है। इसके द्वारा धर्म-प्रचार का समग्र चित्र प्रस्तुत किया जा सकेगा। आप चातुर्मास का विस्तृत विवरण प्रकाशित करने की योजना में सफल हों इस पर मेरी शुभकामनाएँ स्वीकार करें।

आपका
डॉ. निजामुद्दीन

श्री विलरधर जी शाम्भो, गम्पादक आमगरिम

(सुधियाना)

सापत् यहाँ प्रयाग जन समाज के लिए गीत गाता है। यह जन मस्तिष्क के मेनिहासिक पक्ष का सुदृढ़ साधन है। सापत्ने अध्यात्म की जिज्ञासा भी प्रजना की ताय वह समता होती। सापत् प्रयाग की अफवाह के लिए मात्र सामना करना है।

श्री कणाग जन

(दिल्ली)

घ्राय एव यत्तु तस्य च तस्मात् रीतिरनुमानं तुल्य प्रमाणित कृतं जा रह है। अथा
ममस्त जेत समाज म गन्ता रीति नयी नह जानू हायी घन धापनी शुम्भक 'अत गन्ता'
रा प्रतीति ह। असागी भग्न कामनाए स्थितिार व।

—पारममल चण्डालिया

(संलग्न)

तु मया च तस्य च

उस वष आपन पत्रण जन गावु गाधिया की गावुमीन सूची प्रकाशित कउन का महय पण निणय निया ह। तन मसाम न कि आपनस या जवामी प्रयाय प्रनातीन सय धावुनगीन है। आप धपने शुभ प्रयासा म जतान धाय उडन गुग पफवाा प्राप्न कउन रह, यही मेरी इतिव शभवामना है।

मोहिन्दर मिह्र जन

(गणपतिनाम नमः)

(हंगी हिमाल वान)

दिल्ली

म उस पुस्तक की जगह पाना है मने उदा प्रसन्न होता है। हर समय देखने के लिए पुस्तक पर जाती है। मने सभी सन मतिमा व ज्ञान उस पुस्तक में घर बढ ही हो जान है। आपन फाटो में हो लाना न कि आपन मा में समान व प्रति ज्ञान कर शिवा की बढी उमों है। आपन निम्न आप उढने रहे उही ज्ञान न मने काममा है।

सौभाग्यमल पामेबा।

(मदसौर)

प्राप्त एवं सभी महान् वातवायुओं समान की उपलब्धता है यह समाज का प्रथम
 मूल है। आपका मन मात्र व निष्ठा बहुत से मायावादी देता है।

मोहनदास सहाय

(बगलौर)

आप ज्ञान का समग्र ज्ञान समुदाय की इसी प्रशिक्षित कर रहे हो यह स्पष्ट हो खुशियों की बात है। हमारे समाज काफी लाभ उठाया। आपका प्रयास निरंतर प्रयत्न है यही मेरी शुभ कामनाएँ।

नवरत्नमल जैन श्री युत् बाबूलालजी, बड़ा गजब का काम । चौथका बरवाड़ा (राज.)
 सूची चातुर्मास की, कर दी यहाँ निर्माण ॥ 1 ॥ जन-जन अभिनन्दन,
 जन्म हुआ गभीरा ग्राम में, राजस्थान है मूल प्रान्त ।
 है होनहार ये जैन सितारे, चेहरा जिनका सौम्य शान्त ॥ 2 ॥
 जगन्नाथ के नन्द जिन्होंने, इतिहास रचा अद्भुत के साथ ।
 चातुर्मास सूची अब बन गई, सभी सम्प्रदायों की आज ॥ 3 ॥
 चाहे हो स्थाकवासी, मन्दिर मार्गी तेरापथ ।
 चातुर्मास जहाँ पर हो गये, इसमें देखो वहाँ का पंथ ॥ 4 ॥
 गुरुहस्ती को फिर वन्दन "नवरत्न" करे इनका अभिनन्दन ।
 पीपाडगहर का चातुर्मास सफल हो ॥ 5 ॥
 छाये वहाँ आनन्द ।

हरकचन्द पालरेचा, अध्यक्ष

श्री वर्धमान जैन स्वाध्याय संघ-ममदडी

आपने चातुर्मास सूची प्रकाशित करने का जो महान् बीड़ा अपने कंधों पर उठाया है, वह वास्तव में मर्यादनीय कदम है। ऐसे जटिल एवं धर्मसाध्य कार्य को पूर्ण करना महान् दुष्कर है, किन्तु आपने अपनी तीक्ष्ण बुद्धि के द्वारा इस कार्य को सम्पादित किया है, वह प्रशस्तता का विषय है। आप अपने कार्य को प्रतिपल-प्रतिक्षण अनवरत वृद्धिगत कर रहे, जिनेश्वर प्रभु से यही मंगल-मनीषा ।

दीपक भाई देसाई, राजकोट

आप समग्र जैन समाज चातुर्मास सूची को प्रकाशित करने का भागीरथ कर रहे हैं। आपका यह कार्य निर्विघ्न सम्पन्न हो ऐसी शुभकामना है।

फूलचन्द जैन भ्राता (लुधियाना)

आप हर वर्ष चातुर्मास सूची प्रकाशित कर जैन समाज को जो सेवा कर रहे हैं वह मर्यादनीय है। आपकी जितनी प्रयत्ना की जाय उतनी ही कम है।

संपादक "जैन दर्पण"

(जयपुर)

बी. कुमार मिश्र

आपकी परिषद् समस्त जैन माधु माधवी के चातुर्मास के ग्रन्थों को पुस्तिका के रूप में प्रकाशित कर रहे हैं। यह उपयोगी और समन्वय का कार्य है। हमारी शुभ कामनाएँ आपसे साथ हैं।

मोतीलाल बाफना

(गुजरात)

सम्पादक "दिवाकर दिप्ती"

उन वर्ष आपकी संस्था ने जो चातुर्मास सूची निकाली वह बहुत ही सुन्दर कार्य है। श्री 'उज्ज्वल' जी का प्रयत्न मर्यादनीय है।

भी जगकरण ज्ञाना

(दोह)

आपन मन में जन जगता न निग दं निगडा ह प्रशनीय ह ए प्रयन निश्चित स स
एक हार तो निरुद्ध ज्ञान म भक्ति म वरदान सिद्ध हाण हमारी मंगल कामना ।

भी विजय कुमारजी जन

(भवानी पट्टन उडिसा)

आपना यह काय मचमुच मंगलनीय है । हमारी हार्तिन जगकामनाएँ ।

लेखक-एस जयामह छाजेड "रत्ने"

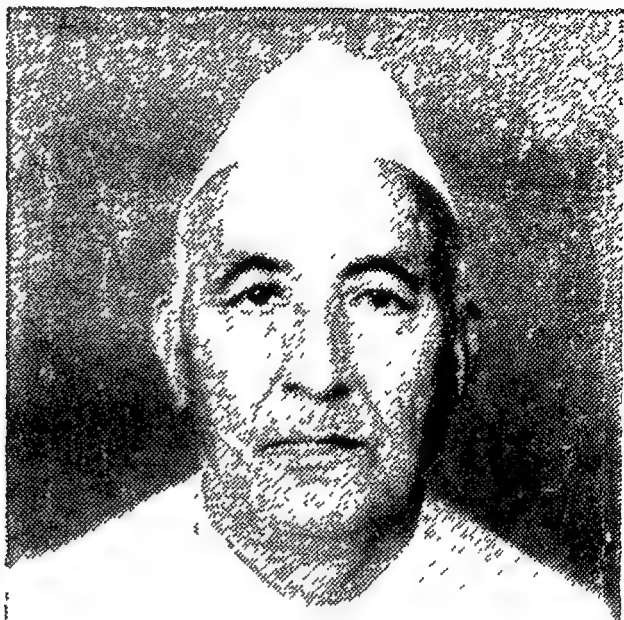
समदडी

मन उन्नीस मा छियायी उन्नी न चौमामा को ।
मूची भय प्रशानति है यह मार मार उपायामा की ॥1॥
उत्तम धार तो नर म तेर उसरो जय आचोपान पया ।
धरतीका रक्त ही हमारा, हृदय रमा नर खिच उडा ॥2॥
मान वष म नर नर यह अन्त रमान नर निवृत्तामा है ।
आन शिष्ट्या विज जनों न पानर उम रगया है ॥3॥
लखन जाने गायना = महामनी है मनागाल ।
श्रीर अक्षय = गुणलालजी प्रर मनि कहैयाता ॥4॥
जन जगन की लिय विमनि गण्डमन कहलावे है ।
धमण सध नायक आनर जो जन जन का जा भात है ॥5॥
आशीर्वाद उही का नेकर, आनर उक्त जाने है ।
भागीरथ प्रयाग नर गामच, 'उज्जल' नाम रमान है ॥6॥
विजान रहा पहा तामाग, विररण माग रमम है ।
श्रीर अनन्य बानों ना भी, निष्कल जो इमम है ॥7॥
अनितर जिन ही न या का, इमम मग परा है राध ।
गाननाल जन की मरमच, मूचरन श्रीर गहरी आ ॥8॥
पुष्पारथ प्ररल = विजाना, अति दुःसाहम मय है काम ।
फिर भी रमम सयाव जी, नर रह है प्रयन ताम ॥9॥
अनपम एक उपवन है यह ती, महन रह है उमम पूत ।
जन निहाम रम अंधराज का, नर तो फिर मे मभी वरल ॥10॥
मूची व श्रुष्ट प्रशानति नर जो अन अभिमान स्वीकार कर ।
धमण मध गौरव गरिमा म 'रत्ने' तार रानता तया नर ॥11॥

उसने अज्ञाना की गई स्थापना म पूज्य मुनिप्राजा की आर म 278 रा, पूज्य महामतिमा
तो मगा की मार न 123 रा एर प्रिय रम प्रमी म्यान तासा रा मार ६८3 रा प्राप्त हुए
ह जिहान अगनी २ मंगलकामनाएँ शुभ रत्न, गुणर आदि भिजनाएँ ह समवाभाव, स्थानाभाव
ने तापन गभी का कहा रमान नहीं = पाया है । अन गभी का में हृदय म उह २ क्षमा
तापना हगा एर गभी रा उत = आना प्रयन रगता हारा आता रगता हैं नि भविष्य मे भी
आपनी मार ना हार्तिन महारा नर रग्य रमा आगा ने पाध ।

सम्पादन

कार्यकारिणी के सदस्यगण—



श्री सुखलाल कोठारी
(बम्बई)

अध्यक्ष

जीवन परिचय

आपका जन्म अजमेर जिला मे व्यावर के पास टोडी ग्राम मे हुआ। आप वचपन मे ही बम्बई आगये। आप अभी फर्नीचर का कार्य कर रहे है। कई धार्मिक और सामाजिक संस्थाओ मे आप काफी सक्रिय भाग लेते रहते है। भारत जैन महामण्डल के आप प्रतिनिधि, एव पंजाब जैन भ्रातृ सभा के सदस्य है। सभी साधु साधवियो की सेवा करने मे आप हमेशा आगे रहते है। आपने अपनी जन्म भूमि टोडी ग्राम मे जो हाडवे रोड पर स्थित है ठंडे पानी की प्याऊ भी बनवाई है। आप बहुत ही खुश हसमुख है। चहरे पर कभी उदासी आती ही नहीं। आपके प्रयत्नो से ही श्री व म्था जैन थावक सघ, खार की स्थापना हुई है जिसके आप अध्यक्ष है। आप कई संस्थाओ को उदार भाव के आर्थिक सहायता भी देते ही रहते है। सभी जैनो की—एक-संवत्सरी एकीकरण के लिए भी आप काफी कार्य कर रहे है।

आप विगत आठ वर्षों मे परिषद् के संस्थापक एव अध्यक्ष पद पर सुशोभित है। श्री परिषद् को आपका काफी योगदान रहता है। वर्ष परिषद् की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनाने हेतु आप इस वर्ष दक्षिण प्रवास के ट्यूर पर गये थे। इसीलिए आज यह परिषद् इतनी उन्नति कर पायी है। आपकी इच्छानुसार इस वर्ष चारो सम्प्रदाय की सूची परिषद् के द्वारा प्रकाशित की गयी है।

सम्पर्क सूत्र : नूतन फर्नीचर मार्ट

37 गेड, रेल्वे स्टेशन के सामने, खार गेड-(वेस्ट) बम्बई-400052

फोन ऑफिस 533919

निवास 542906



श्री कँवरलाल बेताला (गौहाटी)

उपाध्यक्ष
जीवन परिचय

इह (नागौर) निचामी मठ पुनचन्जी एव धीमती गजाबाद उताला के यहा 62 वष पूर्व आनन्दायी समय आया और उहे पुत्र रूप की प्राप्ति हुई। हानहार सुंदर मुपुव का नाम कवरलाल रखा गया। शिभा समाज सेवा में अपनी अजित की गड संपत्ति का अंश महप समपण करने वाल श्री बेतालाजी जन समाज उस जगन के कवरलाल उन सबे तना सपूण भारत के जन समाज में इस रूप में प्रख्यात बन गए।

चायकाल में व्यवसाय एवं सहाधा में प्रतिभा एवं महज अज्ञान हान में उतालाजी बढते गए और इसी रूप में उन्होंने अपना अजन समाज को मुक्त हस्त में वितरित किया एवं प्रगति चरणों पर खूब आग जट।

आप स्व युवावाय जीजी के अनन भक्त हैं। अपनी जन्म भूमि इह नागौर (गज) एवं उह सभाओं में आपन काफी धामिन राय दिया है मात्र माध्वियों को सेवा में आप काफी निरचम्प्य नत रहते हैं।

आप मानववासा जन सघ गौहाटी, आगम प्रकाशन समिति आवर, एवं मुनि हजारगेल प्रज्ञान समिति आवर के अध्यक्ष हैं। भारत जन महामन्दन बम्बट के सम्भव धामाम प्राल के सभाजन माग्वाही सम्मेलन गौहाटी महिला राप में कोपाध्यक्ष हैं। आप विगत छ वर्षों में अना समग्र जन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद बम्बट के सम्म्य, फिर मवी और वतमान में उपाध्यक्ष एवं प्रमुख स्तम्भ हैं।

सम्पक सूत्र श्री ज्ञानचन्द धमचन्द बेताला

मोटर फाटनमियम, गटी गड

गौहाटी (आमाम) 781001

फोन आफिस 27247 ग्राम ममलवाणी
निचाम 28157

श्री चुन्नीलाल एच. मेहता (बम्बई)

उपाध्यक्ष

जीवन परिचय



आपका जन्म 31 जुलाई 1926 को सोजत (राज) में हुआ। आपने अपना व्यापार बम्बई, वेलगाँव एव अहमदाबाद से आरम्भ किया। तथा अथक मेहनत एव ईमानदारी से बहुत कम समय में आपने थोक व्यापारियों में अपनी एक पहिचान बना ली। आप अपनी दानशीलता एव मानव प्रेम के लिए विख्यात हैं। आप कई सस्थाओं को लाखों रुपये का दान दे चुके हैं। आपके आफिस में रोजाना सुबह से शाम तक दीन दुखियारे, रोगियों, असहाय वृद्ध, नेत्रहीन व्यक्तियों की लाइन लगी रहती है जिनको आप मुक्त हाथों से दान देते रहते हैं। आप समता विभूति आचार्य प्रवर श्री नानालालजी मसा के प्रमुख भक्तों में से एक हैं। पूज्य गुरुदेव का बोरीवली-बम्बई का 1984 चातुर्मास कराने में आपका काफी योगदान रहा। आप वर्तमान में साधुमार्गी जैन सच बम्बई एव अभा साधुमार्गी जैन सच के अध्यक्ष हैं। इनके अलावा आप लगभग 65 में भी अधिक धार्मिक, सामाजिक शैक्षणिक, राजनैतिक आदि सस्थाओं में किसी न किसी पद पर आसीन हैं। आप अभी विल्डर्स एव कपडे का कार्य करते हैं। आप सच्चे कांग्रेसी नेता भी हैं।

आपका कई श्री सघों द्वारा सार्वजनिक अभिनन्दन भी हुआ है आपके मेहता हाउस कार्यालय में जब भी कोई प्रवेश करता है तो सर्वप्रथम अभिनन्दनो, फोटुओं, एलबम्सो, विज्ञापनों आदि का अम्बार भण्डार दिखायी देता है। कई धार्मिक-सामाजिक, राजनैतिक सस्थाओं द्वारा दिये गये अभिनन्दन एव प्रशस्ती पत्र सामग्री सज-धज कर अवश्य दिखायी देगी।

आप भी विगत दो वर्षों में परिषद के उपाध्यक्ष एव प्रमुख स्तम्भ बने हुए हैं।

सम्पर्क सूत्र : श्री चुन्नीलाल एच. मेहता,

मेहता हाउस, 3रा माला

भारतीय विद्या भवन के सामने 36, पडिना रमाबाई मार्ग, चाँपाटी, बम्बई-400007

फोन आफिस 8224504-8225326

निवास 8225383-8220044



श्री एस लालचन्द वागमार (मद्रास)

उपाध्यक्ष
जीवन परिचय

आपका जन्म राजस्थान में हुआ। आप उत्पन्न से उदास मद्रास आ गये और अपना व्यवसाय फाटन में का व्यापार आरम्भ कर लिया। आप हमसे अधिक मिलनसार व्यक्ति हैं। समाज सेवा करने में आप हमेशा आगे रहते हैं। आप धार्मिक-सामाजिक और शैक्षणिक समस्याओं में किसी न किसी रूप में जुटते हैं। सभी प्रमुख मातृ भाषियों की आप मन्त्री भवन में सेवा करते रहते हैं। फट धार्मिक सामाजिक, शैक्षणिक आदि समस्याओं का आप मुक्त हाथों से सहयोग देने रहते हैं। आप हमेशा स्वयंसेवा की सेवा में ही उद्योगित रहते हैं।

आपका इस रूप परिचय का उपाध्यक्ष एवं प्रमुख स्तम्भ उजागर किया है।

सम्पर्क सूत्र एस लालचन्द वागमार, फाइनेंसियल
80 आइप्पा नाटन स्ट्रीट, माहारा पट,
मद्रास 600079 (तमिलनाडु)
फोन ऑफिस 32605
फोन निवास 31202

श्री मुन्नालाल लोढा 'मनन' (पाली-मारवाड़)

महामन्त्री
जीवन परिचय



श्रीमान मुन्नालाल लोढा का जन्म पाली मारवाड़ में आज से लगभग 71 वर्ष पूर्व थावण सुदी 11 मौन एकादशी को हुआ इसीलिए आपका नाम मुन्नालाल रखा गया। आप धार्मिक ग्रंथों एवं व्यावहारिक बातों का बारीकी से अध्ययन कर उसका निष्कर्ष निकालने में काफी माहिर हैं। अतः आपके नाम के आगे जो, 'मनन' पदवी है वह यथा नाम यथा गुण के साथ उपयुक्त ठहरती है। आप पाली में कई वर्षों से प्रिंटिंग का कार्य करते हैं। अब आपने वृद्धावस्था के कारण व्यापार बहुत कम करके धार्मिक प्रवृत्तियों में काफी रस लेने लगे हैं। आपकी श्रमण सघ के प्रति काफी श्रद्धा है। साधु-साध्वियों, श्रावक-श्राविकाओं के आचार विचार में किसी तरह की गिरावट नहीं आवे यह प्रयत्न आप हमेशा करते रहते हैं। कई पत्र-पत्रिकाओं में आपके लेख प्रायः कर आते रहते हैं। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक सघ चातुर्मास समिति पाली के आप प्रमुख हैं।

भारत जैन महामंडल पाली शाखा के आप अध्यक्ष हैं। चातुर्मास सूची के प्रकाशन कार्य के लिए आप हमेशा साहस बढ़ाते रहते हैं। आपके द्वारा हर वर्ष पाली-मारवाड़ से विज्ञापन एकत्रित किये जाते रहे हैं आप विगत सात वर्षों से अभा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिपद बम्बई के पहले सदस्य, फिर मंत्री एवं वर्तमान में महामंत्री के पद पर कार्य कर रहे हैं। आप परिपद के प्रमुख स्तम्भों में से एक हैं।

सम्पर्क सूत्र : वीर प्रिंटिंग प्रेस,
सुराना मार्केट के पास,
पाली-मारवाड़ (राज) 306401
फोन नं. आफिस 30388



श्री अमृतलाल कावडिया (वर्म्बर्ड)

मन्त्री
जीवन परिचय

आपका जन्म पाला जिन में मानले मारगाड में हुआ। आप स्व श्रीमान पुष्पराजजी मा कावडिया के ज्येष्ठ पुत्र हैं। आपका उद्भव में ठामगाट का व्यापार आरम्भ किया। ममप्र राजस्थान गुजरात में आपका उद्भव जगत् आरम्भ है। आप अभी 'य' राजमणी ठामगाट कापों के डायरेक्टर हैं और मितनमार महननी उ प्रसन्न मंदा स्वभाव के धनी हैं। आपकी धर्मण मध के प्रति काफी प्रेमा है आप भारत जन महामण्डल एवं आमवात समाज वर्म्बर्ड के भी सम्मेल्य हैं। एवं लगभग 15 धर्म्य संस्थाओं के भी आप किसी न किसी रूप पर आसीन हैं। आपका आपन पूज्य पिताजी स्व श्री पुष्पराज जी मा कावडिया की स्मृति में हम वष श्री उधमान महावीर चन्द्र पर आगम अनुयाय प्रवर्तक प रत्न श्री कल्याणलालजी म मा की नशाय में लगभग 200 धावर धाविगाधों की चत्ती नय एवं आली का कायकम आपकी आर में सम्पन्न हुआ है।

आप विगत आठ वर्षों में परिष्कार, संस्थापक एवं मन्त्री एवं पर नायक रह रहे हैं। और इन वष प्रमुख स्तम्भ उभरे हैं। आपका परिश्रम व योगदान सही परिष्कार आग बढ़नी चली जा रही है।

सम्पर्क सूत्र 'य' राजमणी ठामगाट कापों
द्विज भवन 14 कर्नाट राड,
वर्म्बर्ड-400003 (महाराष्ट्र)
फोन आरम्भ-328969, 347709



श्री जेठमल चौरडिया (बैंगलौर)

मन्त्री

जीवन परिचय

वाणी मे मधुरता, स्वभाव में नम्रता, हृदय मे उदारता एव व्यवहार मे कुशलता आदि गुणो से ओत प्रोत सेठ श्री जेठमल जी चौरडिया बैंगलौर के जाने-माने सुप्रसिद्ध युवक रत्न है।

मारवाड मे नोखा चन्दावता निवासी श्रीमान गणेशमलजी सा चौरडिया के दस सुपुत्रो मे श्री जेठमल जी सा सातवे सुपुत्र है धार्मिक व सामाजिक कार्यों मे अभिरूचि रखने वाले है। आप शुरू से ही होनहार, परिश्रमी एव उत्साही है आपने सन् 1964 मे "महावीर ड्रग हाऊस" नाम से बंगलौर मे औषधि-वितरण का कार्य शुरू किया आज महावीर ड्रग हाऊस का समस्त कर्नाटक मे प्रथम स्थान है। बैंगलौर मे जेठमल सा की बड़ी अच्छी प्रतिष्ठा है। आपने पिता श्री की स्मृति मे बैंगलौर मे स्थानक निर्माण मे सर्वाधिक सहयोग प्रदान किया है। समाज सेवा धार्मिक, उत्सवो आदि कार्यों मे दान प्रदान करने मे आप सदैव अग्रसर रहते है।

आपने अपने पिता श्री की स्मृति मे मेडता रोड मे देशी औषधालय का निर्माण करवाया, तथा नोखा चोंदावतो मे अपने कृषि फार्म के बाहर पशुओं के पानी पीने की व्यवस्था सदा के लिए बना रखी है।

आपका परिवार पू. स्वामीजी श्री जोरावर मलजी मसा का परम भक्त रहा है। आप पर स्व स्वामी जी श्री हजारीमल जी मसा की भी अत्यन्त कृपा व वात्सल्य इस परिवार पर रही। तथा जैसी ही कृपा स्व. श्री ब्रजलाल जी मसा एव युवाचार्य स्व श्री मधुकरमुनिजी मसा की रही है। पू गुरुदेवो से सम्बन्धित ऐसा कोई आयोजन नहीं जिसमे इस परिवार के मदस्य उपस्थित न रहते हो।

स्व युवाचार्य श्री जी की विहार यात्रा, धर्मयात्रा एव साहित्य यात्रा मे तन-मन-धन से सहयोग दिया। आप उदार हृदय वाले साहित्य व सस्कृति प्रेमी है।

आप भी इस वर्ष परिपद् के प्रमुख स्तम्भ एव मन्त्री बने है।

सम्पर्क सूत्र :

M/s. Mahavir Drug House, Mahavir Mansion

No 45, 4th Cross, Gandhi Nagar, Bangalore-560009

Tel N. Off. : 71507-74002

Resi. : 70053



श्री प्रतापभाई चाँदीवाले

(वम्बई)

बापाश्रम

जीवन परिचय

आप चाँदी वाले के नाम से उम्मेद से प्रसिद्ध हैं। सभी राजस्थान उम्मेद में रहते हैं, जो अभी वहीं लीभाएँ होती हैं ता चाँदी का नागियन व चाँदी का घड़ा आप ही मप्पार करत हैं। आप हममुख, मन्की लगन, मन्की अट्टा महवनी के उनी हैं। आप उग्र तपस्वी भी हैं। लगानार 15 वर्षों से माम खमण करत आये हैं इस वष भी आपन 16वाँ माम खमण सारम्भ कर लिया है। माम खमण में मरम उनी विशेषता आपमे यह उन्नी है कि उपवास के 25 26 व दिन भी आप उनी दिन चर्चा में लग रहते हैं, जमा निय करत हैं, आप की जवरी बाजार में प्रताप उग्र चाँदी वाला के नाम से प्रसिद्ध हुनान है। सभी सम्प्रदायों के मन-मनियों के प्रति आपकी प्रगाट उदा है।

आप का प्रामिद सामाजिक, शारीरिक सम्शान्ता में किसी न किसी रूप में जुट हुए हैं एव उग्र हृदय में शान आर्ति महवाय भी प्रदान करत रहते हैं

आप विगत तीन वर्षों में परिष्कार के सोपाध्यक्ष एवं आजीवन सम्म्य है।

सम्पर्क सूत्र मेसम प्रताप ब्रह्म चाँदी वाला

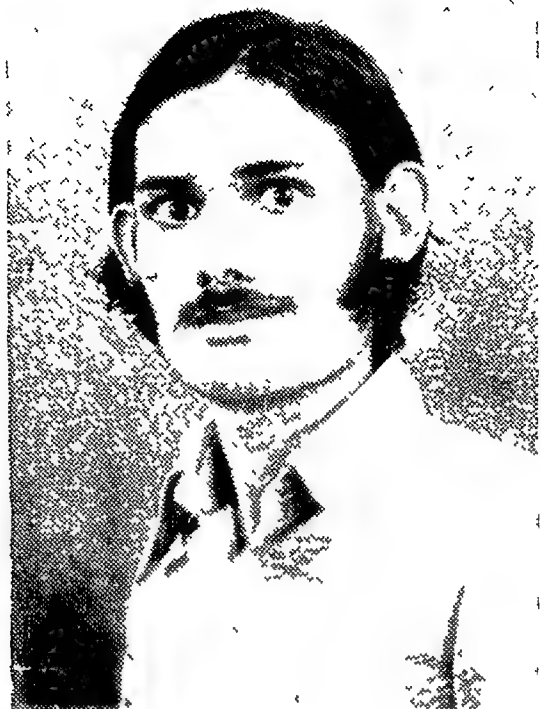
जवरी बाजार, उम्बई 400007 (महाराष्ट्र)

फोन आर्य 330833 324066

निशाम 8228511 8121491

श्री बाबूलाल जैन “उज्ज्वल” (बम्बई)

संयोजक-सम्पादक
जीवन परिचय



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त में सवाई माधोपुर के पास गभीरा ग्राम में सन 1952 में हुआ। आप श्रीमान जगन्नाथजी जैन—“उज्ज्वल घोल गोत्र”—पोरवाल जैन के द्वितीय सुपुत्र हैं। पढाई पूर्ण करने के बाद आप जयपुर श्रीसच के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध जौहरी श्रीमान इन्द्रचन्दजी सा हीरावत के यहाँ सर्विस करने जयपुर आ गये वहाँ से आपका ट्रांसफर उनकी बम्बई आफिस में कर दिया गया वहाँ 7 वर्ष सर्विस करने के बाद आपने अपना स्वतन्त्र धन्धा आरम्भ कर लिया। आगम अनुयोग प्रवर्तक प रत्न श्री कन्हैयालालजी म सा ‘कमल’ के 1979 खार बम्बई चातुर्मास में उनकी प्रेरणा से इस चातुर्मास सूची एवं चार्ट का बीज बोया जो आज विशाल वक्ष की तरह सारे देश में फैला हुआ है। एवं इस वर्ष समग्र जैन समुदाय की चातुर्मास सूची एवं चार्ट का प्रकाशित किया है। जिससे आज समग्र जैन समाज काफी लाभ उठा रहा है। यह सब आपकी तीव्र बुद्धि एवं बुद्धिमत्ता का ही फल है कि आप विगत आठ वर्षों से निरन्तर एक से बढ़कर एक हृदयस्पर्शी जानकारीयों, तालिकाएँ, सारिणीयाँ आदि सूची में देकर पाठकों को मंत्र मुग्ध कर देते हैं। सूची का सम्पूर्ण सारा कार्य आप ही करते हैं। आप काफी मेहनती, दृढधर्मी, धर्म परायण, कुशल कार्यकर्ता, सच्चे समाज सेवक, धर्म प्रेमी प्रवृत्ति के होनहार नवयुवक हैं। वचन से ही आपका झुकाव धर्म की ओर रहा है। सभी सत-सतियों की सेवा करने में आप अपने आपको धन्य मानते हैं।

आपके इस समाज सेवा के कार्य को महत्व देकर लगभग 42 स्थानों के श्री सघों ने आपको प्रमस्ति-पत्र एवं शाले आदि भेंटकर आपका मार्वाजनिक हादिक अभिनन्दन भी किया है।

समग्र जैन समाज की एकता एवं संगठन के लिए आप हमेशा प्रयत्नशील रहते हैं। और इसलिए इस वर्ष आपने समग्र जैन समुदाय के साधु-माधवियों के चातुर्मासों की सूची एवं चार्ट प्रकाशित किया है। और यही कारण है कि इस चातुर्मास सूची में कहीं पर भी साम्प्रदायिकता की वृत्ति नहीं झलकने दी है।

आप विगत 8 वर्षों से परिपद के प्रमुख संस्थापक, प्रमुख स्तम्भ, संयोजक एवं सम्पादक हैं।

सम्पर्क सूत्र : बाबूलाल जैन “उज्ज्वल”

105, तिरुपती अपार्टमेंट्स, आकूली कास रोड न 1,
कादिवली (पूर्व) बम्बई-400101 (महाराष्ट्र)

फोन 681278



श्री आर प्रसन्नचन्द्र चौरडिया (मद्रास)

मलाहकार
जीवन परिचय

आपका जन्म राजस्थान में हुआ। आप अब श्रीमान् रत्नचन्द्रजी का बड़ा सुपुत्र हैं। आप हमेशा बापों में सद्गुणों का स्वभाव में नज़र आते हैं। धार्मिक, सामाजिक, श्रमणिक प्रान्त में प्रवृत्तियों में आप हमेशा रुचि रखते हैं। मद्रास की प्रायः सभी धार्मिक सामाजिक प्रान्तों में स्वास्थ्य सम्प्रदायों में आप किसी न किसी पद में जुड़े हुए हैं। आप उनका मान्यता में आपका नाम भी मजबूत करते हैं वे खाली लोटकर या निगम हाकर बापों नहीं आते हैं। आप बहुभाषी मिननमार मन्त्रे कमठ नवयुवक कायकता हैं। समाज सेवा करने में आप काफी रुचि रखते हैं। अभी आप मद्रास में फाटने में ही जाय रहते हैं। आप यथा नाम यथा गुण के धारण के लिए हमेशा मुन्नाहट की रहने वाले तनहाइर कमठ नवयुवक कायकता हैं।

आप भी हमें आप परिचित न प्रमुख मन्त्र एवं मलाहकार उताये गये हैं।

मद्रास सूत्र

M s R Prasannchand Chordia
52, Kalathi Pillay Street
Sowcarpet —Madras 600079 (T N)
Tel No Off —34643
Res —31470

श्री भोपालचन्द पगारिया (बैंगलौर)

सलाहकार
जीवन परिचय

आप भी मूलतः राजस्थान के ही निवासी हैं। सन् 1950 के लगभग आप बैंगलौर आ गये और स्वतन्त्र व्यापार आरम्भ कर दिया। आज आप एस भोपालचन्द फर्म के डायरेक्टर हैं। आप मृदुभाषी हसमुख प्रवृत्ति के होनहार व्यक्ति हैं। चिकपेट में पगारिया मार्केट आपने ही बनाया है। जहाँ आपका निवास स्थान भी है। सभी सम्प्रदायों के पूज्य साधु-साध्वियों की आप बहुत ही रुचि एवं दिलचस्पी से सच्ची सेवा करते रहते हैं। स्वधर्मी बंधुओं के आतिथ्य सत्कार में आप अग्रणी रहते हैं। आप प्रसिद्ध दानवीर भी हैं। अभी आप इलेक्ट्रिकल्स सामान के निर्माता एवं गवर्नमेंट को सप्लाई करने वाले विक्रेता कान्ट्रैक्टर हैं। आप शुरू से ही होनहार परिश्रमी एवं उत्साही युवक हैं। बैंगलौर की जितनी भी धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्यक सस्थाएँ हैं उनमें किसी न किसी पद से आप जुड़े हुए हैं। लाइस क्लब इंटरनेशनल की सस्था से भी आप जुड़े हुए हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद के प्रमुख स्तम्भ एवं सलाहकार बनाये गये हैं।

सम्पर्क सूत्र :

M/s. S. Bhopalchand
9 B.V.K. Iyengar Street,
New Road Bangalore-5600 23 (Karnatka)
Tel. No. Off. 71533
Res. 29475



श्री ज्ञानराज मेहता (बैंगलूर)

महाह्वार
जीवन परिचय

आपका जन्म राजस्थान में पानी मारवा में हुआ। जहाँ से आप रंगरौर आये। अभी आप एडवोकेट एण्ड टैन कम्पन (C A) का कार्य करते हैं। आप मृदुभाषी, प्रगल्भ, ज्ञानदायक, परिश्रमी एवं उत्साही वायवर्ता हैं। आप थोड़ी बच्चा जन शायद मध, विरूपट रंगरौर में विगत ९ वर्षों से मंत्री पद पर रहते हुए श्री मध का कुशल संचालन करते आये हैं। रंगरौर का कोई कामा-उक्ति नहीं होगा जो आपका नहीं जानता होगा। सभी सम्प्रदायों के पूज्य मानुषों के प्रति श्रद्धा एवं शक्ति आपको एक प्रति आपसी शक्ति है। यथा नाम यथा गुण यथा शक्ति के आपका काफी ज्ञान भी है। रंगरौर में राज भी धर्म-सामाजिक, शिष्ट, शिष्ट एवं विचार सगुण्टी शक्ति का किसी भी तरह का कोई शक्तिमान होगा है तो आप उहा अवश्य उपस्थित रहते हैं। स्थानस्थानी सम्प्रदाय के शक्तिमान सत सतिया में आपका काफी अच्छा परिचय है। आप स्पष्ट बोलते, शक्ति एवं निर्भीक लेखक भी हैं। जन धर्म में आपकी शक्ति शक्ति है।

आप भी परिश्रम एवं विगत छ वर्षों से महाह्वार एवं शक्तिमान सम्प्रदाय हैं।

सम्पर्क सूत्र

M/s G R Mehta & Co Advocate
80 Avenue Road 1st Floor
Bangalore 560002 (Karnatka)
Tel No Off 225819
Res 224898

श्री चन्द्रकान्तभाई भणसाली (बम्बई)

सदस्य

जीवन परिचय

आपका जन्म गुजरात प्रान्त मे पालनपुर मे हुआ। आप वहाँ से बम्बई आ गये और जवाहरात का व्यापार आरभ किया। आप बहुत ही शात स्वभावी, हसमुख, मृदुभाषी व कर्मठ कार्यकर्ता हैं। कई वर्षों तक आप श्री वस्था जैन थावक सघ शान्ताकूझ के भी सदस्य रह चुके हैं। आप बहुत ही शात स्वभावी, मृदुभाषी, मिलनसार होनहार परिश्रमी एवं उत्साही कार्यकर्ता हैं। कई धार्मिक सामाजिक शैक्षणिक स्वास्थ्य की संस्थाओं मे किसी न किसी पद से जुड़े हुए हैं।

आप सभी सम्प्रदायों के साधु-साधवियों की बहुत ही श्रद्धा के साथ सेवा करते रहे हैं। आप श्री वर्धमान महावीर वाल निकेतन आवू पर्वत के भी प्रमुख ट्रस्टी हैं।

आप भी परिपद के इस वर्ष प्रमुख स्तम्भ सदस्य बने हैं।

सम्पर्क सूत्र श्री चन्द्रकांत भाई भणसाली
1002 प्रसाद चैम्बर्स, ओपेरा हाउस,
बम्बई-400004 (महा.)
फोन नं 361532

श्री कृष्णकांत भाई एच. मेहता (बम्बई)

सम्पन्न

जीवन परिचय

आपका जन्म गुजरात प्रांत में पालनपुर में हुआ था। वहाँ से फिर आप उमरट आ गये और अपना जहाजरान का स्वतंत्र ग्राहक आरम्भ किया। आगम अनुयाय प्रवक्त थे। नईया लालजी म मा १९३० बालकेश्वर चानुर्मास में उनकी प्रणाम से ही जामिन प्रवृत्तियों की आप आपका लगाव उठा। आप सभी सत-सतियों की काफी निलचस्पी में गया कर अपने आपका अहाम्य मानते हैं। आप पवन पर भी वज्रमान जाल निरतन की स्थापना में आपका पूरा सहयोग रहा है। आप हमें प्रमुख ट्रस्टी भी हैं।

आपके सहायकों में ही गन वप अभय तनीया के पारन आप पवन पर सम्पन्न हुए थे। आप पूज्य श्री 'रमन' मुनिजी म मा १ अन्तर्गत भवत हैं।

आप भी विगत दो वर्षों में परिपूर्ण न सम्पन्न एक प्रमुख मन्त्र हैं।

सम्पन्न सून श्री कृष्णकांत भाई एच मेहता

८, सींग, २ माला, एल डी स्पायल माग,

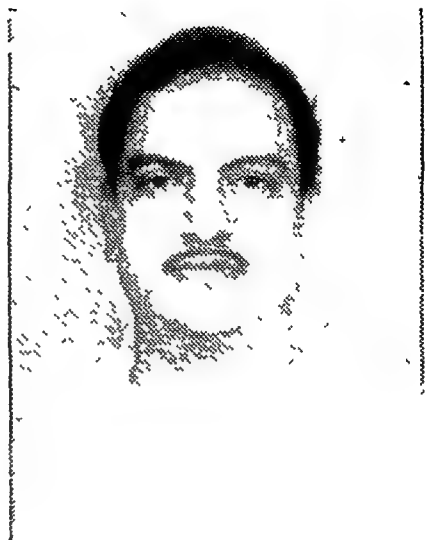
हमिंग गाडन के पास, जालकेश्वर

बम्बई 400006 फोन नं ८१२५८६४, ८२२३२११

श्री पन्नालाल सुराना (मद्रास)

सदस्य

जीवन परिचय



आप राजस्थान में कलावना (बिलाडा) निवासी श्रीमान तेजराजजी सुराना के सुपुत्र हैं।

आपका जन्म तमिलनाडु प्रान्त के कावेरी पाक्कम ग्राम में सन 1944 को हुआ। आप अभी मद्रास में "सुराना टायर्स" एव फायनेस का व्यापार करते हैं। आप बहुत ही मृदुभाषी शांत स्वभाव के होनहार, मिलन स्वभावी, कुशल-कर्मठ कार्यकर्ता हैं। मद्रास में जितनी भी धार्मिक सामाजिक शैक्षणिक स्वास्थ्य की संस्थाएँ हैं उनमें आप किसी न किसी पद से अवश्य जुड़े हुए हैं। आपकी जैनधर्म के प्रति काफी के श्रद्धा है। सभी सम्प्रदायों के साधु-साधवियों की एव धार्मिक वातावरण में आप सबसे आगे हैं। बहुत ही श्रद्धा के साथ सेवा करते रहते हैं। आप सभी संस्थाओं को मुक्तकंठ से आर्थिक सहयोग भी देते रहते हैं। आप मद्रास के होनहार कुशल-कर्मठ कार्यकर्ता हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के संरक्षण सदस्य बने हैं।

सम्पर्क सूत्र:-

Shri Tejraj Pannalal Surana,
M/s. Surana Tyres, Surana Castle,
27, Kanadda Mudali Street Sowcarpet.
Madras-600079 (T.N.)



श्री सुरेन्द्रभाई एम मेहता (मद्रास)

पद्म

जीवन परिचय

आप बहुत पुत्रगत व निरामा है यह क्यों व मद्रास में है ? आप में आत्मागत का साथ रहने हैं। मद्रास में आपका जो प्रमाण में प्रमुख स्थान है। आप धार्मिक प्रवृत्ति व प्रवृत्ति हैं। सभी सत्यमयों का साथ रहने व साथ रहने रहने हैं। मद्रास में नितन भी यह कार्यमयों का आगमन जाना है नम आपकी प्रवृत्ति प्रमुख रहने हैं। आप पुत्रगती जो समाज मद्रास के मुख्य गुरु प्रमुख भी हैं। समाज में आपका काफी प्रभाव है। आप व सभी उद्योग आर मद्रास व जीव में 10-15 जन उद्योग प्रदाने का साथ रहने में निराम है नम मद्रास का विचार रहने हुए नम रहने रहने। आप काफी अधिकमो समाजी साधना हैं। आप ज्ञान स्वभावी मनुष्यी एवं समस्त साधना हैं।

आप भी हम वप परिचय व सम्मान सम्म्य जन हैं।

सम्पक सूत्र श्री सुरेन्द्रभाई एम मेहता

५० म बापालान एम सम्मनी उवलम

29 जन राजार मद्रास 600003 (नमिलनाड)

फोन न श्राम 564397

निराम 564398

श्री एन. ताराचन्द दुगड़ मद्रास (तमिलनाडू)

सदस्य

जीवन परिचय



आपका जन्म मद्रास में 28-10-43 को हुआ। आपका व्यापार बैंकिंग, मार्टनिंग उद्योग-धंधे का है। आप दक्षिण भारत की जानी-मानी फाइनेंसियल कम्पनी मेसर्स दुगड़ इन्वेस्टमेंट्स प्रा लि, के डायरेक्टर हैं। आप काफी सक्रिय कार्यकर्ता हैं। मद्रास की कई धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक संस्थाओं में लगभग 62 पदों पर कार्य कर रहे हैं। श्री व स्था जैन श्रावक संघ, कोण्डीतोप के आप अध्यक्ष हैं। सभी सम्प्रदायों के संत-संतियों की सेवा आप काफी दिलचस्पी से करते रहते हैं। आप काफी उदार दान-दाता भी हैं। धार्मिक आयोजनों में आप सेवा करने में सबसे आगे तत्पर रहते हैं।

आप भी परिपद के विगत पाँच वर्षों से सदस्य एवं प्रमुख स्तम्भ हैं।

सम्पर्क सूत्र:-

M/s Dugar Investments Limited

Regd. Office : 805, Mount Road, (Opp. L.I.C. Bldg.)

Madras-600 002 Phone 87888 Grams : DUG FINANCE

श्री पुखराजजी लुंकड़ (बम्बई)

सदस्य
जीवन परिचय



मूलत जलगाँव निवासी श्री पी एस लुंकड़ बम्बई में अपनी उदारता, मिलनसारिता और सौजन्यता से केवल व्यापार उद्योग में ही नहीं बल्कि सार्वजनिक क्षेत्र में भी जाने-माने व्यक्तित्व हैं। भारत जैन महामण्डल के प्रधानमंत्री, अ भा स्थानकवासी जैन काफ़ेस, दिल्ली के उपाध्यक्ष एवं देशभर की धार्मिक, सामाजिक अनेक संस्थाओं में आप पदाधिकारी हैं। सुपर 8 एमएम प्रोजेक्टर्स तथा प्रोसीसी 16 सुपर आर्ट फिल्म आपके उद्योग हैं। पी एस लुंकड़ चेरिटेबल ट्रस्ट और दूसरे ट्रस्टों के द्वारा सेवाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

आप भी इस वर्ष परिपद् के संरक्षण सदस्य बनाये गये हैं।

सम्पर्क सूत्र:—

M/s. P,D.R. Vedeotronics 99, Old Prabha Devi Road, Bombay-400026
Tel. No. 4226424—4226536—4223565 Factory—681681

श्री नेमनाथ जैन, (इन्दौर)

सदस्य
जीवन परिचय



आपका जन्म 54 वर्ष पूर्व रावल पिण्डी में हुआ। आप वहाँ से इन्दौर आ गये। इजी-नियरिंग, इलेक्ट्रिकल्स, मेकेनिक चायलर की शिक्षा ग्रहण करने के बाद आपने अपना स्वतन्त्र व्यापार आरम्भ किया। आज आप प्रसिद्ध उद्योगपतियों में गिने जाते हैं। आपने कुशल प्रबंध संचालन के रूप में “प्रेस्टीज उद्योग समूह” को मध्य प्रदेश के ख्यातनाम उद्योग समूह की पक्ति में महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। प्रेस्टीज उद्योग के अन्तर्गत निम्नलिखित कई उद्योग समूह हैं जिनमें गैस सिलिण्डर, सोयाबीन, सात्वेंट, स्टील, टी वी, साबुन, तेल आदि संस्थाओं में आप किसी न किसी पद पर आसीन हैं।

आपको 1984 में “उद्योग पत्र” पुरस्कार भी उपराष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया गया है। आपकी सभी साधु-साध्वियों के प्रति काफी गहरी श्रद्धा है। आप धार्मिक प्रवृत्ति के हसमुख मिलन-सार व्यक्ति हैं।

आप भी विगत दो वर्षों से परिषद के संरक्षण सदस्य हैं।

सम्पर्क सूत्र:—श्री प्रेस्टीज फूड्स लिमिटेड,

33, जावरा कम्पाउण्ड, एम.वाई रोड, इन्दौर-452002 (म.प्र.)



श्री जी. कन्हैयालाल साहूकार अरकोणम् (तमिलनाडू)

मदस्य

जीवन पञ्चिष्य

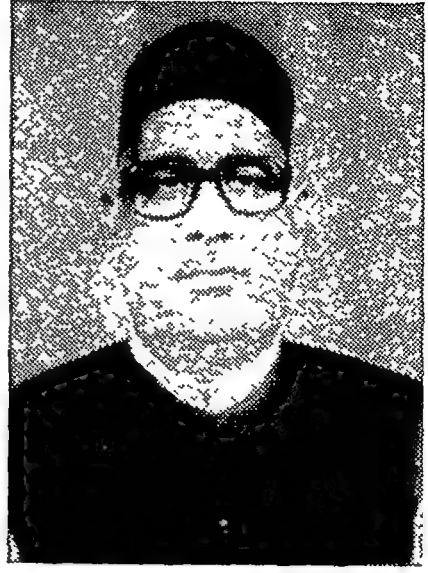
आपका जन्म गन्तमान में जगन्नाथ साहूकार हुआ। आप 10 वर्ष की आयु में ही अग्रजानम या गुरु तब 25 वर्ष की आयु में ही स्वतंत्र व्यापार आरम्भ कर लिया। अग्रजानम का जन श्लाक आपकी ही उपायता का प्रतीक है। आप स्व. मन्त्र केवरी जी से मा. गुरु प्रवक्तृ या स्वतन्त्रजी से मा. गुरु प्रवक्तृ हैं। आप एक भक्तान्ता हैं जिसमें न किसी रूप में जुड़ हुए हैं। स्व. मन्त्र केवरी जी से मा. गुरु चतुर्मास में आपका घर गया का लाभ लिया आपकी इच्छा है कि पण्डित के द्वारा स्वतंत्र निर्माण जन मध्यस्थता का एक साप्ताहिक पत्र निकाला जाए।

आप जिन दो बातों में पण्डित के मन्त्र हैं।

सम्पर्क सूत्र श्री कन्हैयालाल साहूकार,
76 गान्धारी स्ट्रीट,
अरकोणम्-631001
एन ए डिस्ट्रीक्ट (तमिलनाडू)
फोन 396

श्री फूलचन्द जैन-(पोरवाल) [इन्दौर]

सदस्य
जीवन परिचय



आपका जन्म सवाई माधोपुर के पास भूरी पहाड़ी ग्राम मे सन् 1926 मे हुआ। आप सन् 1938 मे इन्दौर आये थे, और मिठाई नमकीन का व्यवसाय प्रारभ किया। अपने समाज मे जितनी भी धार्मिक और शैक्षणिक सस्थाएँ है उनमे आप कही न कही जुडे हुए है। आप धार्मिक एव पारमार्थिक विचार धारा के व्यक्ति है। आप श्री वर्धमान-स्थानकवासी जैन श्रावक सघ इन्दौर के ट्रस्टी है। कोई भी समारोह या आयोजन होता है तो उसमे आप अवश्य सम्मिलित होते ही है। आपका समाज मे काफी प्रभाव है। बाहर गाँव के दर्शनार्थियो की काफी दिलचस्पी से सेवा करते है।

आपभी विगत दो वर्षों से परिषद के सदस्य एव आजीवन सदस्य बने है।

सम्पर्क सूत्र : श्री पार्श्वनाथ सेव भण्डार,
130, जवाहर मार्ग, इन्दौर-452002
फोन न 22284



श्री मोफत राज मुणोत [वम्बई]

मदम्य

जीवन परिचय

आपका जन्म 1 अक्टूबर 1944 का राजस्थान प्रांत में भागनाड में जापुर जिले के पोपाट सिटी में हुआ। आपका नाम उस में ही आपका कमिटेशन का नाम उम्बई से आरम्भ किया और विद्या तक फटा गया, आप उस में प्रति भी काफी आश्चर्य है। कई मामिले में मामाजिन मन्त्राओं में आप काफी मन्त्रिय है आप आचार्य श्री हम्मीमन जी महागज माह्य के अनन्य भक्त हैं। आप सम्यग ज्ञान प्रचारक मण्डल के सहायक हैं तथा श्रीमन्त्राज उम्बई के अध्यक्ष हैं।

आप भी हम वप परिषद में सम्मिलित हैं तथा हम वप पर स्थानस्थानी जन चातुर्मासि सूची चार का प्रकाशन भी आपका द्वारा ही हुआ है।

सम्पर्क सूत्र श्री मोफत राज मुणोत

91 कल्पवृक्ष, 27 बी जी गैर माग,

गानेश्वर, उम्बई-400006

फा 244123 8125205

श्री संचालाल बाफना [औरंगाबाद]

सदस्य

जीवन परिचय



आपका जन्म महाराष्ट्र में धुलिया जिले के फागनागाँव में 9-7-1919 को हुआ। आपने पढाई पूर्ण करने के बाद स्वतंत्र व्यापार आरम्भ कर दिया अभी आप बाफना ग्रुप ऑफ इण्डस्ट्रीज के डायरेक्टर हैं। धार्मिक -सामाजिक, शैक्षणिक, राजनैतिक कई संस्थाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष मंत्री, परामर्शदात्री सदस्य आदि किसी न किसी पद से अवश्य जुड़े हुए हैं। अ.भा.श्वे. स्थानक-वासी जैन कांग्रेस के आप विगत 5 वर्षों से अध्यक्ष पद का कार्य भार सभाले हुए हैं। आप मृदुभाषी मिलनसार कर्मठ कार्यकर्ता हैं। आप समाज की काफी सेवा कर रहे हैं।

आपका समाज में काफी वर्चस्व है। आप सभी संस्थाओं को दान भी देते रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद के आजीवन सदस्य बने हैं।

सम्पर्क सूत्र : श्री संचालाल बाफना

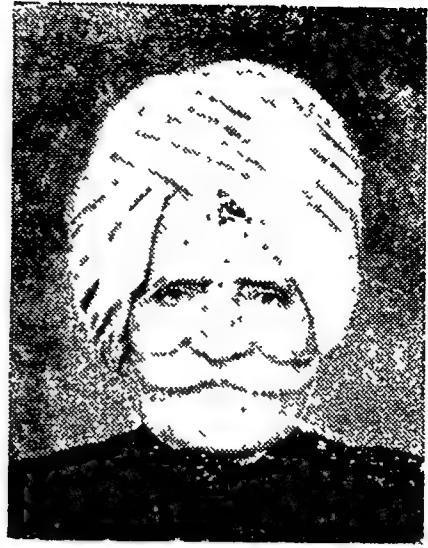
श्री कैलाश मोटर्स, जालनारोड,

औरंगाबाद-431001 (महा)

फोन नं - 8529, 8314, 4692, 4384, 4222 8527

स्व. श्री प्रेमराज जी कामदार बैंगलौर

संक्षिप्त जीवन परिचय



कामदार सा समाज के लब्ध, प्रतिष्ठित, वयोवृद्ध, अनुभवी गहरे जीवन दर्शी एवं कुशल कार्यकर्ता थे। धर्म के दृढ़ सतम्भ समाज गौरव सदा मुस्कराते रहने वाले गुणशाली, विवेक, धैर्य, शान्ति और सतोष के धनी श्री मरूधर केशरजी के विश्वासी और अति निकट के आदर्श श्रावक थे। आपके व्यक्तित्व का निर्माण ही माधुर्य और सौजन्य के अनन्त मधुमय से हुआ था। तीन-तीन ठिकानों की कामदारी में भी उन्होंने अपनी पवित्रता और निर्मलता को सर्वांगीण रूप से उज्ज्वल बनाये रखकर यशस्वी और कीर्तिमय जीवन जीए। राजस्थान के जैन सभ्यता संस्कृति के और प्राचीन आदर्श परम्पराओं की छत्र छाया में और उनके यशस्वी जीवन के प्रताप से समाज में, व्यवसाय में, साधु-सत्तों में और मित्र मण्डली में सम्माननीय स्थान प्राप्त किया। आपके सुपुत्रों में श्री मीटालालजी एवं श्री नेमीचंद जी कामदार अभी बैंगलौर में ही रहते हैं।

आपके सुपुत्र इस वर्ष परिपक्व के संरक्षण एवं सदस्य बने हैं।

सम्पर्क सूत्र:--

M/s M M Textile Corporation
5/6, B V.K Iyengar Road
Opp. Abhinay Theatre
Bangalore-560053



सेठ सा. श्री सरदारमल मुणोत
(रियावाले) बम्बई

प्रमत्तं मनसि गच्छत्य

जीवन परिचय

आपकी जन्म मंथन 14-2 म गजस्थान म कुचामन मिटी म दृष्टा आप मठ मा धी
रुप 1 ना मणाल गिरा- 1 न पुत्र हैं। वहां म आप मवा 2001 म चमई पा गये।
2 1 म गुपुत्र एव 2 पुत्रिया हैं। सभी निष्क व काय म राखत हैं। आपके पांच
पुत्र-रत्नमन्त मन् श्री नवरत्न, श्री कुन्तमन्त, श्री रणमन्त एव श्री नरगज हैं। एव
10 पात्र भी हैं। आपका मरण 20 वर्षों पुत्रि श्री रवि जन श्री आरिन्दव फारनल
म पठाई व रहा ह। आपका पूरा परिवार ग्रामिण प्रवृत्ति म मगन ह हरेक धार्मिक कार्यों
म आप समस्त व्यस्त रहा ह। आपकी स्त्री श्री कुचामन मिटी म स्कूल, रॉयल, धनताल,
ग- 1 म आपका पूरा परिवार सहयोग प्रदान किया ह। आपका परिवार मार्वाड म
1 म 1 म आप म वा विद्यालय 2। प्राचीन काल म नाकुटी मार्वाड के टाई घर
म आपका गिनती म पिता जाना आ रहा है। प्राचीन काल मे भी राजा महा
म आपका स्थापन प्रदान करते आए हैं।

८। नीं वा यय परिपट ने प्रमख स्तन एय मन्स्य रा हैं ।

सम्पत् सुद श्री नवरत्नमत्त एस जन

613, मकर चैत्रस न 5

221, र्गमन पाठ

उम्बरे-400 021

फोन आफिस 230680 244921, निवास-8224532, 8225487

श्री हंसमुखभाई वी. मेहता (बम्बई)

सदस्य

जीवन परिचय



आप मूलतः गुजरात के रहने वाले हैं। कई वर्षों से बम्बई में ही रहते हैं। अभी आप बम्बई की जानी-पहचानी बिल्डर्स कम्पनी वर्धमान बिल्डर्स एव निर्वाण ग्रुप बिल्डर्स के भागीदार हैं। आपकी बचपन से ही धार्मिक कार्यों में काफी रुचि रही है। आप कई धार्मिक सामाजिक, शैक्षणिक संस्थाओं में किसी न किसी पद से जुड़े हुए हैं। सभी सम्प्रदाय के साधु-साध्वियों के प्रति आपकी काफी श्रद्धा है। आप बहुत ही विनम्र प्रकृति के होनहार कर्मठ कार्यकर्ता हैं। समाज के सभी कार्यों में मुक्त कंठ से आर्थिक सहयोग भी देते रहते हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सदस्य एवं आजीवन सदस्य हैं।

सम्पर्क सूत्र : श्री हंसमुखभाई वी. मेहता

वर्धमान ग्रुप, 40-41 विशाल शॉपिंग सेंटर, सर एम वी. रोड

अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई-400069

फोन 585948-6347804



श्री सुगालचंद जैन (मद्रास)

मध्य

जीवन परिचय

आपका जन्म राजस्थान में माजरा के पास मियार गांव में आज से 42 वर्ष पूर्व श्रीमान नथमनजी सा जैन के यहां हुआ। आप वहां से मद्रास आए एवं लाटरी का कार्य प्रारंभ किया। अभी आप कई राज्यों की लाटरी के स्टैंडिस्ट व गजट का कार्य करते हैं। आप मटुभापी, मुठाल, हंसमुख चेहरा, हानहार, कमठ, नवयुवक हैं। आप बहुत ही गतवीर मठ हैं। अभी तक आप लगभग 30 लाख रुपये का तान विभिन्न सम्प्रदायों का कर चुके हैं। रोड आपका यहां से खाली हाथ नहीं आता है। आप मुन्न कठ से महत्त्व सभी को कुछ न कुछ महायना अवश्य कर रहे हैं। सभी मन-मनियों के प्रति आपको प्रगाढ़ मन्त्रों का दया है। आनिध्य सेवा भी काफी रुचि में करते हैं। मद्रास की कठ धार्मिक सामाजिक, ज्ञानिज स्वास्थ्य सम्प्रदायों से आप किसी न किसी पर से जुटे हुए हैं।

सम्पर्क सूत्र सुगाल लाटरी एजेंसी

170, ट्रोपली रन हाट गड, मद्रास 600005 (नमिलनाटु)

फोन आफिस 845694 841066

निवास 842771

श्री माणकचन्द सांखला [अजमेर]

जीवन परिचय



आपका जन्म राजस्थान मे अजमेर जिले मे जेठाना ग्राम मे हुआ। वहाँ से आप अजमेर आ गये और आपके सुपुत्र श्री रतनलालजी सा एव श्री कमलचंदजी सा आदि अभी बम्बई मे जवाहरात का व्यापार करते है। आप धार्मिक प्रवृत्तियो मे अच्छी रुचि रखते है। समय-समय पर धार्मिक एव सामाजिक कार्यों मे सहयोग दिया ही करते है। आप आचार्य श्री नानालालजी स सा. के परम भक्त है। चातुर्मास काल मे आचार्यश्री जी की ही सेवा मे अधिकांश समय बिताते है। आपका हरा-भरा पूरा परिवार है। आप सभी धार्मिक सामाजिक कार्यों मे बहुत ही दिलचस्पी से भाग लेते रहते है।

आप भी इस वर्ष परिपद् के प्रमुख स्तंभ बने है।

सम्पर्क सूत्र:—श्री माणकचन्द रतनलाल सांखला

मु पो अजमेर (राज)-305001



श्री सुरेशकुमार तालेरा

[पूना]

आजीवन सदस्य

जीवन परिचय

आपका जन्म महाराष्ट्र प्रांत में पूना में सन 1948 को हुआ। पढ़ाई करने के बाद आप हाटल व्यापार में मग्न हो गए आज सम्पूर्ण पूना शहर में हाटल व्यवसाय में आपका नाम अग्रणी है। आप धार्मिक प्रवृत्ति के व्यवहार कुशल नवयुवक हैं। कई धार्मिक, शैक्षणिक, सामाजिक स्वास्थ्य सस्त्राओं में किसी न किसी पद में जुड़े हुए हैं। समाज के हर स्तर में आगे रहते हैं। सत मतिओं की काफी रूचि में सबा करत रहते हैं। आप पूना जमीन के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद के आजीवन सदस्य बन लें।

सम्पर्क सूत्र मेसर्स तालेरा होटलीयर्स प्रा लि 13, मिलमन गार्डन, मातीलाल तालेरा मार्ग,
पूना 411001 (महाराष्ट्र) फोन 61414-61616

श्री भैरवलाल गोटावत (बैंगलौर)

सदस्य

जीवन परिचय

आप मूलतः सोजत सिटी के रहत वाले हैं वहां से आप बैंगलौर आ गये अभी आप बैंगलौर में सिल्क माडिमी का व्यापार करत हैं। श्री व. स्था. जन. श्रावक संघ बैंगलौर के आप वनमान में अध्यक्ष हैं। आप बहुत ही मृदुभाषी शांत, स्वभावी मृदुभाषी प्रवृत्ति के हैं। आतिथ्य सेवा भी काफी रूचि से करते हैं। आपका समाज में काफी बचस्व है। कोई भी कार्य समाज में होता है वहां आपकी उपस्थिति अनिवार्य रहती है। सभी समस्याओं को दान भी देते रहते हैं। सभी सतियों के प्रति आपकी काफी अगाध श्रद्धा है।

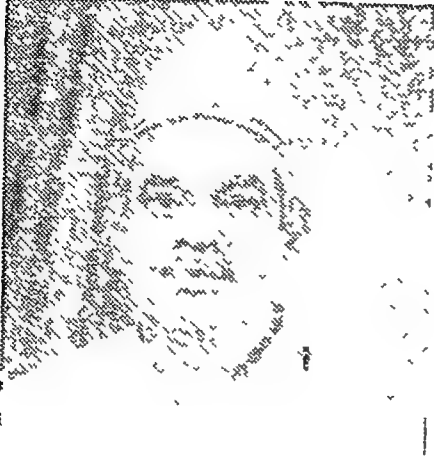
आप समाज के कमठ कार्य कर्ता हैं।

आपभी इस वर्ष परिषद के संरक्षण सदस्य बन लें।

सम्पर्क सूत्र श्री भैरवलाल गोटावत

मेसर्स गोटावत मिक्स एम्पोरियम, राजा मार्केट

चिक्पेट नास, बैंगलूर-560053 (कर्नाटक)



श्री बद्रीलाल जैन [पोरवाल] (इन्दौर)

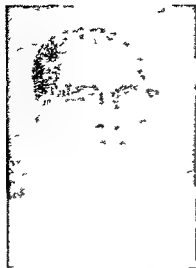
आजीवन सदस्य
संक्षिप्त जीवन परिचय

आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के सवाई माधोपुर जिले के अन्तर्गत रावल ग्राम मे संवत् 1990 मे हुआ । आपके पिताजी का नाम श्री कवर लालजी जैन पोरवाल है। सन् 1951 मे आप इन्दौर आये और नमकीन का व्यवसाय प्रारभ किया। आप सन् 1969 से 1973 तक श्री श्वेताम्बर जैन पदमावती पोरवाल सघ इन्दौर के अध्यक्ष पदपर भी रह चुके है। आपने पोरवाल भवन इन्दौर के कार्य मे एक कमरे का भी निर्वाण अपनी ओर से करवाया है। समाज के हर कार्यक्रम मे आप अग्रणी रहते है। आपके अध्यक्ष पद के कार्यकाल मे सामूहिक विवाह के कार्यक्रम बडे सफल रहे। समाज की जितनी भी धार्मिक सामाजिक सस्थाएँ है उनमे आप किसी न किसी पद से जुडे हुए है। आप श्री वस्था. जैन श्रावक संघ इन्दौर के ट्रस्टी भी है। आपका भी समाज मे काफी वर्चस्व है। आप मृदुभाषी, व्यवहार कुशल, और मिलन सार व्यक्ति है।

आप भी इस वर्ष परिषद के आजीवन सदस्य बने है।

सम्पर्क सूत्र : मेसर्स पोरवाल सेव भण्डार

1/2, शीतलामाता बाजार, गोरा कुंड चौराहा,
इन्दौर-452002 (म.प्र.) फोन - 32103



श्री मांगीलाल कोठारी [इन्दौर]

जीवन सदस्य

जीवन परिचय

आपका जन्म मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के पास ग्राम धाटिया में श्रीमान अजय राजजी कोठारी के यहां सन् 1974 में हुआ। शिक्षण सन् 1933 में पूर्ण करने के बाद आप सन् 1933 में इन्दौर आ गये और अपना स्वतंत्र व्यापार प्रिंटिंग प्रेस का आरम्भ किया। आज आप रीगल इण्डस्ट्रीज के मालिक हैं। लिफाफे स्टेशनरी सामान कब आदि के व्यवसाय में आप सम्पूर्ण में प्रभुत्व प्राप्त नाम कमा रहे हैं।

आप बहुत ही ज्ञान सरोवर स्वभाव के कर्मठ कार्यरत हैं। समाज के हर कार्य में आप हमेशा आगे रहते हैं। सभी सम्प्रदायों के मत मनियां की आप बहुत ही रुचि एवं श्रद्धा से सेवा कर अपने आगमों को मानते हैं।

आप भा. उ. म. जग. परिषद् के आजीवन सदस्य हैं।

सम्पर्क सूत्र मैतस रीगल इण्डस्ट्रीज

37/1, नाथ राजमाहल्ला इन्दौर 452002 (म.प्र.)

फोन 36534

श्री राजेन्द्र ए. जैन (बम्बई)

आजीवन सदस्य
जीवन परिचय



मूलतः रतलाम एवं वर्तमान में बम्बई में रहने वाले उत्साही, कर्मठ, सेवाभावी कार्यकर्ता श्री राजेन्द्र जैन भारत जैन महामण्डल की केन्द्रीय कार्यसमिति के सदस्य हैं। कई ट्रस्टों एवं धार्मिक संस्थाओं से जुड़े हुए श्री जैन इस्टेट एजेंट एवं फायनेन्स व्यापार से जुड़े हुए हैं। उदार, सरल और सबके सुख-दुःख में साथ निभाने वाले श्री राजेन्द्र जैन समाज के कर्मठ व्यक्ति हैं।
आप भी परिपद के इस वर्ष आजीवन सदस्य बने हैं।

सम्पर्क सूत्र : श्री राजेन्द्र ए. जैन

907, एरेकेडीया, नरीमन पॉइंट, बम्बई-400 021

फोन : 233368-4308036

श्री सम्पतराज खारीवाल

(मद्रास)

आजीवन सदस्य
जीवन परिचय

आप मूलतः राजस्थान प्रान्त में पाली मारवाड के रहने वाले हैं। वहाँ से आप मद्रास आ गये और इलेक्ट्रिक सामान का व्यापार आरम्भ किया। अभी आपकी मद्राम में तीन दुकान हैं। आप का भाद व्यापार का काम एक साज करत है। सभी कार्यों में काफी रुचि से भाग लेते रहते हैं।

आप भी परिपत्रक में इस रूप में आजीवन सदस्य बन ह। विस्तृत विवरण व फोटो की प्रतीक्षा में)

सम्पर्क सूत्र मेसर्स लक्ष्मी इलेक्ट्रिक स्टोर्स
नताजी सुभाषचन्द्र जोस भाग,
साहूकार पठ मद्राम 600079 (तमिलनाडु)

श्रीमान पारसमल बागरेचा

(बैंगलौर)

आजीवन सदस्य

जीवन परिचय

आप मूलतः राजस्थान के निवासी हैं। वहाँ से आप बैंगलौर आ गये वहाँ पर स्टील वस्तुओं का व्यापार आरम्भ किया। आज चिकपेट में आपकी वस्तुओं की सबसे बड़ी एवं विश्वसनीय पुर्गानी दुकान है। आप बहुत ही मृदुभाषी आतः स्वभावी एवं सुलभ हुए विचारों के होनहार बमर्द भायकता हैं। आप धार्मिक सामाजिक कार्यों में बहुत ही दिलचस्पी से भाग लेते रहते हैं।

आप भी इस रूप में परिपत्रक में आजीवन सदस्य बन ह।

सम्पर्क सूत्र

Parasmal Bagrecha

Shah Bhuthaji, Misrimal & Sons Stenless Stell Merchant

No 169, Avenue Road, Bangalore-560002 (Karnatka)

Tel No off 76320 71568 Res 366534

श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ ट्रस्ट (रजि.) (अशोक नगर, शूले, बैंगलौर)

आजीवन सदस्य
एक संक्षिप्त परिचय

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ (ट्रस्ट) शूले अशोकनगर बैंगलौर की स्थापना आज से 50 वर्ष पूर्व स्व. सेठ सा. श्री छगनमलजी सा. मूथा ने अपने सम्माननीय साथियों के सानिध्य में की। अशोक नगर में दो स्थानक हैं एक सत सतियों के चातुर्मास होते हैं तो दूसरे में समाज के मांगलिक एवं समाजोत्थान के कार्यक्रम सम्पन्न होते हैं। पास के धर्मशाला एवं पुस्तकालय एवं धार्मिक पाठशाला भी हैं। यहाँ पर कर्नाटक केशरी स्व. श्री गणेशीलाल जी म. सा., श्री धर्मेश मुनि जी म. सा. महासती जी श्री आनन्द कुँवरजी म. सा., महासती जी श्री मैना सुन्दरी जी म. सा., आदि सत सतियों का भी चातुर्मास सम्पन्न हुऐ हैं। दक्षिण भारत में विचरण करने वाले साधु-साधवियाँ यहाँ जरूर पधारते रहते हैं।

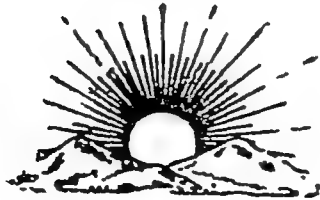
आज सेठ सा. श्रीमान् छगनलालजी सा. हमारे बीच में नहीं हैं परन्तु उनकी अन्तर भावना और उनके उध्दासन आज भी इन इमारतों में प्रतिध्वनित हो रहे हैं।

यह संघ भी इस वर्ष परिपद् का आजीवन सदस्य बना है।

श्री सम्पत राज मरलेचा
अध्यक्ष

श्री शान्तीलाल चौपडा
मंत्री

सम्पर्क सूत्र:-श्री सम्पत राज मरलेचा, अध्यक्ष
न 6, पुलियार कोयल स्ट्रीट,
अशोक नगर, शूले, बैंगलौर-560025 (कर्नाटक)





स्व० श्री मोहनलालजी
मेडतावाला
(पाली-मारवाड)
जीवन परिचय

आपका सुपुत्र श्रीमान भवरलाल जी मेडतावाला इस वष—परिपत्रक का जीवन सन्त्य वन
है। (विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा में)

सम्पर्क सूत्र श्री मेडतिया बूध भण्डार
खोड का वाम के ग्राहक शनिश्चर मंदिर के सामने उस स्टण्ड गड
पाली-मारवाड (राज)-306401

श्री मोहनलाल वोहरा
(बैंगलौर)

आजीवन मध्म
जीवन परिचय

आप मूलतः राजस्थान प्रांत में फूलिया कला के निवासी हैं। वहां से आप बैंगलौर प्रा
गये और अन्युमीनियम का स्वतंत्र व्यापार आरम्भ कर दिया। आप प्रेम कबल्स के डायरेक्टर
श्रीमान् गणपतलालजी वोहरा के छोटे भाता हैं। अभी आप ममम माहने अन्युमीनियम प्रा लि
के टायरेक्टर हैं। स्वभाव के शान्त मृदुभाषी व्यवहार कुशलता के आप धनी हैं। धार्मिक कार्यों
में सत्त्व अग्रणी रहते हैं।

आप भी इस वष परिपत्रक के आजीवन सन्त्य वन हैं। विस्तृत परिचय एवं फाटा की
प्रतीक्षा में)

सम्पर्क सूत्र मेसर्स मोहन अल्युमीनियम प्रा लि
4 पी रोड गड, गाजीनगर,
जगलार-560024 (कर्नाटक)

श्री बाबूलाल मेघराज मेहता (सादडी मारवाड़-मद्रास)

आजीवन सदस्य

जीवन परिचय

आप स्व श्री मेघराजजी सा सादडी वालो के सुपुत्र है। अभी आप मद्रास मे खाली बोटलो का व्यापार करते है। मेसर्स हिन्द बोटल स्टोर्स के नाम से सम्पूर्ण मद्रास में प्रसिद्ध है। स्व श्रीमान् मेघराज जी का गत वर्ष स्वर्गवास हो जाने के बाद परिवार का सारा बोझ आपके ही कंधो पर आ पडा है। आप उनके ही आदर्शों पर चलने को तैयार हो रहे है। आप मृदु-भाषी सरल प्रकृति के मेहनती कर्मठ कार्यकर्ता है। सभी धार्मिक सामाजिक प्रवृत्तियो मे दिलचस्पी से भाग लेते रहते है। विस्तृत विवरण एव फोटो की प्रतीक्षा मे

आप भी इस वर्ष परिषद के आजीवन सदस्य बने है।

सम्पर्क सूत्र : हिन्द बोटल स्टोर्स

115, नाइनप्पा नाइक स्ट्रीट, पी टी.

मद्रास-600003 (तमिलनाडु)

फोन न कार्यालय 31227 निवास 38906



स्व. श्रीमती तुलसीबाई कोठारी (खार-बम्बई) जीवन परिचय

आप परिपद के अद्यतन श्रीमान मुखलालजी मा कोठारी की धर्मपत्नी थी। आप 55 वर्ष की अल्पायु में मिनान 6-1-1982 का अपना पीछा भरापूरा परिवार छोड़कर स्वर्ग पयारी हैं। आपके दो पुत्र छगोलचन्द एवं श्री प्रकाशचन्द एवं तीन सुपुत्रिया श्रीमती मनोरमाबाई, शोभाबाई एवं ललिताबाई हैं। आप व्यवहार कुशल, सेवाभावी एवं धार्मिक प्रवृत्तियों, मानु-माधियों के दर्शन करने, व्याख्यान वाणी सुनने आदि का बड़ा ही शौक था। आपका आगम अनुयोग प्रवक्तृ श्री कहैयालालजी मसा के प्रति इतना भक्ति भाव था कि बीमारी में वहीं नहीं जा सकती थी उस हालत में पूज्य मुनिश्री न उनके शिष्य श्री विनय मुनिजी मसा को आपके बहा मगलीन मुनवाने हेतु सायन में खार भज थे। आप अभी हमारे बीच में नहीं हैं। परंतु आपका स्नेह प्यार वाणी की मृदुलता आज भी हमारे बीच में आपकी याद दिलाती रहती है।

आपके सुपुत्र भी इस वर्ष परिपद के आजीवन सदस्य बने हैं।

सम्पर्क सूत्र -- श्री नूतन कर्नाचर भाई

3 रा रोड, रेलवे स्टेशन के सामने,

खार राड (वेस्ट) बम्बई-400052

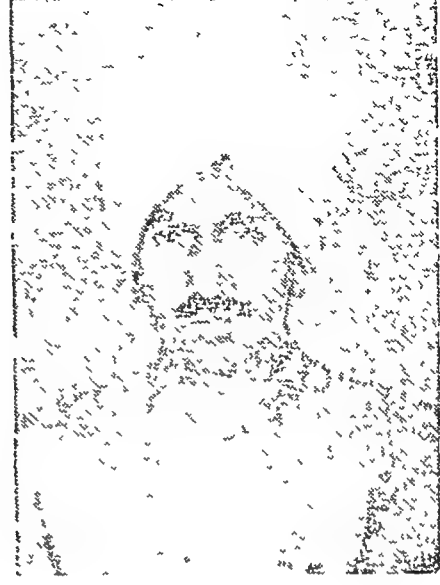
फोन आफिस 533992

निवास 542996

श्री हस्तीमल मुणोत
(सिकन्दराबाद)

परामर्श सलाहकार सदस्य

जीवन परिचय



आपका जन्म राजस्थान प्रान्त के पाली जिले में हुआ है। आप बचपन से ही सिकन्दरा-
बाद में व्यापार के लिए आये। आज आपका व्यवसाय सिकन्दराबाद में ज्वैलरी, फाइनेन्स आदि
का है। आप विगत पच्चीस वर्षों से पैरो से जूते, चप्पल नहीं पहनते हैं, रात्रि भोजन पानी का
का त्याग करते, दिन में गर्म धोवन पानी का सेवन करते हैं, व खुले मुँह नहीं बोलते हैं।
आपका नाम समग्र जैन समाज में काफी लोकप्रिय है। श्रमण संघ की ज्वलंत समस्याओं को सुलझाने
में आप काफी परिश्रम करते हैं। कहीं भी कोई समारोह, जन्म जयन्ती, तपोत्सव विमोचन या
कोई भी धार्मिक आयोजन हो वहाँ आप अवश्य शामिल होते ही हैं। श्री व स्था जैन श्रावक
संघ, सिकन्दराबाद के आप विगत कई वर्षों से अध्यक्ष पद पर हैं।

आप विगत आठ वर्षों से परिषद् के परामर्श सलाहकार सहयोगी सदस्य हैं।

सम्पर्क सूत्र : श्री हस्तीमल मुणोत

7-2-832 पोट मार्केट, सिकन्दराबाद-500003 (आन्ध्रप्रदेश)



श्री मोतीलाल सुराना (इन्दौर)

परामर्श महाहार मन्मथ

जीवन परिचय

यदि आप सम्पूर्ण भारतीय गुणों के दर्शन एवं ही व्यक्ति में एवं भाव करना चाहते हैं तो आपको इन्दौर नगर एक ममाल में श्री मोतीलाल सुराना के जीवन का निहारना होगा। मादा जीवन उच्च विचारों का मान्य रूप श्री सुरानाजी में कई विशेषताओं के अद्भुत आगमन में हुआ है। आपका सामान्य एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में विगत अर्ध शताब्दी पूर्व से जो सेवा का कीर्तिमान स्थापित किया है वह ममाल में वनों के लिए निश्चित ही आनन्द व प्रेरणास्पद है।

रामपुरा श्री सुरानाजी की जन्मदिना है, ता इन्दौर आपकी कमभूमि ही है। आपका जन्म 21 जून, 1916 का हुआ।

सामान्य स्नायु आपका जीवन का अंग बन गया है।

लेखनी के धनी श्री सुरानाजी समय समय पर रचित वानायाँ एवं लघु जोध कथाओं के माध्यम से जन माध्याम की चारित्रिक एवं आध्यात्मिक ज्ञान की दिशा में प्रगति करते रहते हैं। हम भावनाओं में आत प्रान्त अतः हजारों से भी अधिक शिक्षाप्रद बोध कथाएँ देश की विभिन्न जन पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित व प्रगमित हो चुकी हैं। गायक्या की 16 पुस्तकें अभी तक प्रकाशित हो चुकी हैं।

मना और परंपरा आपका जीवन का प्रमुख लक्ष्य रहा है।

आप उन्नत ही मूल स्वभाव वाले, निर्गमिनी किन्तु स्वाभिमानी, मृदुभापी, मारपूण वालने वाले और अतिथि प्रेमी हैं।

आप भी विगत पांच वर्षों में परिपद परामर्श महयोगी मन्मथ के रूप में काफी कार्य कर रहे हैं।

सम्पर्क सूत्र श्री मोतीलाल सुराना

17/3, यू.प.लामिया, टेली-452302 (म.प्र.)

फोन नं. 38868

श्री महासुखभाई जे. देसाई (बम्बई)

परामर्श सलाहकार सदस्य

जीवन परिचय



आप कई वर्षों से अभा श्वे स्था जैन काफेन्स द्वारा प्रकाशित जैन प्रकाश पत्र के आप सम्पादक हैं। दशाश्री माली पाक्षिक के भी आप भूतपूर्व मानद संपादक रह चुके हैं। आप 82 वर्ष की उम्र में भी काफी उमंग, उत्साह कड़ी मेहनत के साथ कार्य करने के अलावा जयपुर की विश्व विख्यात प्रसिद्ध जौहरी फर्म श्री खेलशकर दुर्लभजी की बम्बई पेढी को सभालते हैं। आप श्री वृहद् बम्बई व स्था जैन महासंघ के मानद मंत्री एवं अभा श्वे स्था जैन काफेन्स के भी मानद मंत्री भी हैं इनके अलावा भी कई धार्मिक संस्थाओं से आप जुड़े हुए हैं। समग्र भारत के जैन समाज के आप जाने-पहचाने सम्पादकों में से एक हैं। कई संस्थाओं की ओर से आपका अभिनन्दन भी हो चुका है। आप धार्मिक प्रवृत्तियों में काफी रूचि रखते हैं।

आप भी विगत दो वर्षों से परिषद के परामर्श सलाहकार सदस्य हैं।

सम्पर्क सूत्र : श्री महासुखभाई जे. देसाई

अभा. श्वे स्था जैन काफेन्स,

त्रिभुवन भुवन, 3 माला,

1, विजय वल्लभ चौक,

पायधुनी, बम्बई-400003 (महाराष्ट्र)

परिषद् के सहयोगी कार्यकर्ता



श्री बाबूलाल जैन (पारवाल) [कुण्डेरावाला-इन्दौर]

मध्यप्रदेश शाखा प्रतिनिधि

जीवन परिचय

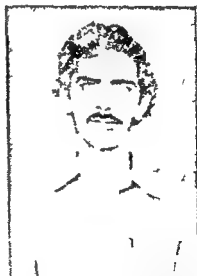
आपका जन्म राजस्थान प्रांत में मवाड़ मांझपुर निवासी एक कुण्डेरावाला में हुआ। आप जीमान रणगीमल जी पारवाल का ज्येष्ठ सुपुत्र हैं। आप उच्च शिक्षा प्राप्त की है और 12 वर्षों में नमस्तेन का स्नान किया है। आप धार्मिक प्रवृत्ति के उद्भासित नवयुवक हैं। विगत 7 वर्षों में पशुपति में स्नातकोत्तर प्राप्त है। आप पारवाल समाज दण्ड जयपुर की प्रतिनिधि हैं एवं विगत 2 वर्षों में इस परिषद् की मध्यप्रदेश शाखा की प्रतिनिधि एवं सहयोगी कार्यकर्ता हैं।

सम्पर्क सूत्र बाबूलाल पारवाल (जन) 6-वीं राजमार्ग, इंदौर-462002 (म.प्र.)

श्री गीतम चन्द ओस्तवाल [वैंगलौर]

सहयोगी कार्यकर्ता

जीवन परिचय



आप भोपालगढ़ वाले गीतमचन्दजी ओस्तवाल के नाम से समाज में जाने जाते हैं। आपका जन्म भोपालगढ़ (राज.) में हुआ वहां से आप बंगलौर आ गये। आप धार्मिक सामाजिक कार्य के क्षेत्रों में अग्रसर रहते हैं। यहाँ आप जन रत्न युवक मया मध भोपालगढ़ के आप महापत्नी हैं। एवं कई संस्थाओं से जुड़े हुए हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के कार्यकर्ता सहयोगी सदस्य बन हैं।

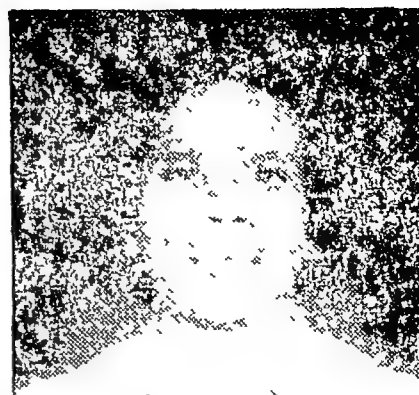
सम्पर्क सूत्र—श्री गीतमचन्द ओस्तवाल

136 तिममारही राड, अप्पारही पालयम, इंदिरा नगर, बंगलौर 560038 (कर्नाटक)

श्री दिनेश कुमार जैन [सवाई माधोपुर]

सहयोगी कार्यकर्ता

जीवन परिचय



आप सवाई माधोपुर निवासी श्री मोतीलालजी जैन हलवाई के सुपुत्र हैं। आपका जन्म 3 सितम्बर 1966 में हुआ। आप अभी दुकान पर ही बैठते हैं। धार्मिक कार्यों में काफी रुचि रखते हैं। इस वर्ष आपने परिषद की सूचियों के लेखन का कार्य काफी दिलचस्पी से किया है। आप होनहार नवयुवक कार्यकर्ता हैं। समाज में कुछ कार्य कर दिखाने की भावना है। आप श्री महावीर क्लब सवाई माधोपुर के कार्यालय मंत्री भी हैं।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सहयोगी कार्यकर्ता बने हैं।

सम्पर्क सूत्र:--दिनेशकुमार जैन S/o श्री मोतीलाल जैन हलवाई

पुराना खण्डार रोड,

सवाई माधोपुर (राज) - 322021

श्री प्रकाशचंद पटवा(अध्यापक)

[बैंगलौर]

सहयोगी कार्यकर्ता

जीवन परिचय

आप बैंगलौर में धार्मिक स्कूल के अध्यापक हैं। आप पहले कर्नाटक जैन स्वास्थ्याय सघ के सयोजक थे। धार्मिक कार्यों में बड़ी दिलचस्पी से भाग लेते रहते हैं। आप धर्म के प्रति काफी श्रद्धावान हैं। मृदुभाषी कर्मठ कार्यकर्ता, परिश्रमी, होनहार नवयुवक हैं। आपने भी परिषद के लिए विज्ञापन आदि एकत्रित करने में काफी सहयोग प्रदान किया है।

आप भी इस वर्ष परिषद् के सहयोगी कार्यकर्ता बने हैं।

श्री नवरत्नमल जैन [चौथ का वरवाडा]

सहयोगी कार्यकर्ता
जीवन परिचय



ज्ञान प्रतिभा रानी—श्री नवरत्नमल जैन का जन्म राजस्थान राज्य के मवाड सांगी-पुर जिले में चौथ का वरवाडा में 2 फरवरी, 1965 का हुआ। आप कवि अष्ट श्रीमान गोविंद रामजी जैन रत्नितान सुपुत्र हैं। आपने वीए ध्यानम परीक्षा में सम्पूर्ण राजस्थान र अन्तर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। आप कम्बुन में एमए करने हुए श्री मध्यप्रदेश स्वाध्याय मण्डल इन्दौर में प्रथम पद पर राज्यकर्ता हैं। आप सुवि शाली, होनहार र मठ नवयुवक कार्यकर्ता हैं। इस वष आपने मूचियों र लखन काय में काफी योगदान दिया है।

आप भी इस वष परिषद के सहयोगी कार्यकर्ता बने हैं।

सम्पर्क सूत्र श्री नवरत्नमल जैन C/o श्री गोविंदराम नवलक्षितोर जन
मु.पा चौथ का वरवाडा 322702 तिला मवाई भाधापुर (राजस्थान)



श्री प्रवीणभाई एच. शाह [गोरेगांव-बम्बई]

सहयोगी कार्यकर्ता
जीवन परिचय

आपका जन्म 1930 में बम्बई में हुआ। अभी आप बम्बई में मारिगाव में रहते हैं। एव जाली ज्ञान का कार्य करने हैं। आप धार्मिक सामाजिक कार्यों में बड़ी दिलचस्पी में रवि रखते हैं। स्वभावात् सम्प्रदाय के आचार प्रवर्धन की कानिष्पिजी में आप श्री नवीन कृषिजी में आप के आप अनन्य भक्त हैं। जहाँ की प्रस्था में आपने परिषद के लिए विज्ञापन एकत्रित करने का कार्य आरम्भ किया।

आप भी इस वष परिषद के सहयोगी कार्यकर्ता बने हैं।

सम्पर्क सूत्र—श्री प्रवीणभाई एच. शाह 118/17 जवाहर नगर
रोड न 8, बैंक आफ बडोदा के बाज में, गोरगाव (वेस्ट) बंबई

अ. भा. स्थानकवासी जैन सम्प्रदायें तालिका 1986

(1) श्रमण संघ,

क्र.सं	आज्ञा प्रदाता का नाम	चातुर्मास स्थल	संत	संतियाँजी	कुल ठाणा	श्रमण संघ में प्रतिशत
1.	आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषिजी म.सा.	40	30	142	172	19%
2.	उपाध्याय राज. केशरी श्री पुष्कर मुनिजी म.सा.	14	10	54	64	7%
3.	उपाध्याय प्रवचन केशरी श्री केवल मुनिजी म.सा.	36	51	60	111	12%
4.	मेवाड़ संघ शिरोमणि प्रवर्तक श्री अम्बालालजी म. सा.	6	9	11	20	2%
5.	अनुयोग प्रवर्तक श्री कन्हैयालालजी म.सा. 'कमल'	4	5	1	6	1%
6.	उत्तर भारतीय प्रवर्तक श्री पदमचन्द जी म.सा. 'भण्डारी'	73	90	222	312	34%
7.	मेवाड़ केशरी प्रवर्तक श्री मोहनलालजी म.सा.	7	4	29	33	3%
8.	मरु.रत्न प्रवर्तक श्री रुपचन्दजी म.सा 'रजत'	8	8	24	32	3%
9.	प.रत्न प्रवर्तक श्री उमेशमुनिजी म.सा. 'अणु'	19	13	60	73	8%
10.	दक्षिण केशरी श्री मिश्रीमलजी म.सा. 'खट्टरधारी'	20	7	39	46	5%
11.	पुवाकवि श्री विनय मुनिजी म.सा. 'भीम'	8	2	30	32	3%
	अन्य संत-संतियाँजी	19	16	9	25	3%
कुल		254	245	681	926	100%

(2) स्वतन्त्र सम्प्रदायें

क्र.सं	नाम सम्प्रदायें	चातुर्मास स्थल	संत	संतियाँजी	कुल ठाणा	स्वतन्त्र सम्प्रदाय में प्रतिशत
12.	आचार्य प्रवर श्री हस्तीमलजी म.सा.	9	16	35	51	7%
13.	आचार्य प्रवर श्री जीतमलजी म.सा.	11	7	31	38	5%
14.	आचार्य प्रवर श्री नानालालजी म.सा.	52	46	204	250	34%
15.	तपस्वीराज श्री चम्पालालजी म.सा.	51	38	227	265	36%
16.	उपाध्याय कवि श्री अमर मुनिजी म.सा.	9	17	7	24	3%
17.	आमुकवि प्रवर्तक श्री सोहनलालजी म.सा.	4	4	17	21	3%
18.	प्रसिद्ध वक्ता श्री गुदगनलालजी म.सा.	6	27	—	27	4%
19.	तपस्वी रत्न श्री नानचन्दजी म.सा.	8	5	19	24	3%
	अन्य संत-संतियाँजी	25	21	15	36	5%
कुल		175	181	5	736	100%

बृहद् गुजरात सम्प्रदायें

क्र.सं.	नाम सम्प्रदायें	घातुर्मास म्यत	सन	मनिषाजी	कुल ठाणा	बृहद् गुजरात सम्प्रदाय में प्रतिशत
20	श्री गाहन मोटा पन् सप्रदाय	66	18	242	260	26%
21	श्री लिम्बडी मोटा पन् सप्रदाय	55	18	204	222	23%
22	श्री दरियापुरी सप्रदाय	27	14	106	120	12%
23	श्री लिम्बडी गोपाल (मधवी) सप्रदाय	14	9	88	97	10%
24	श्री कच्छ आठ काटी मोटा पन् सप्रदाय	21	11	71	85	9%
25	श्री कच्छ आठ काटी नाना पन् सप्रदाय	14	22	31	53	5%
26	श्री क्षमात सप्रदाय	8	11	33	44	4%
27	श्री बोटाद सप्रदाय	7	4	36	40	4%
28	श्री गोहल सधाणी सप्रदाय	7	1	30	31	3%
29	श्री वरवाला सप्रदाय	6	6	11	17	2%
30	श्री सामला सप्रदाय	1	2	—	2	—
	अथ सत-सतिषाजी	7	8	8	16	2%
	कुल	233	127	860	987	100%



अ.भा. श्वे. मूर्तिपूजक जैन सम्प्रदायों की तालिका 1986

(1) तपागच्छ समुदाय

(1) तपागच्छ समुदाय		आज्ञा प्रदाता का नाम	चातुर्मास स्थल	संत	सतियाँजी	कुल ठाणा प्रतिशत (%)	तपागच्छ में	
क्रमांक	समुदाय का नाम							
1.	श्री विजय प्रेम सूरिस्वरजी म.सा.	आचार्य श्री विजय रामचन्द्र सूरिस्वरजी म.सा.	134	409	398	807	16%	
2.	श्री विजयनेमी सूरिस्वरजी म.सा.	" श्री विजय मेरु प्रभ सूरिस्वरजी म.सा.	111	166	335	501	10%	
3.	श्री आनंद सागर सूरिस्वरजी म.सा.	" श्री विजय देवेन्द्र सागर सूरिस्वरजी म.सा.	133	115	573	688	14%	
4.	श्री धर्म विजयजी म.सा. (डेहलावाले)	" श्री विजयराम सूरिस्वरजी म.सा.	62	41	201	242	5%	
5.	श्री विजयवल्लभ सूरिस्वरजी म.सा.	" श्री विजय इंद्रदित्त सूरिस्वरजी म.सा.	69	62	189	251	5%	
6.	श्री वृद्धिसागर सूरिस्वरजी म.सा.	" श्री विजय सुबोध सागर सूरिस्वरजी म.सा.	38	57	93	150	3%	
7.	श्री विजयनीति सूरिस्वरजी म.सा.	" श्री विजय अरिहत प्रभसूरिस्वरजी म.सा.	90	60	320	380	8%	
8.	श्री लब्धि सूरिस्वरजी म.सा.	" श्री विजय विक्रम सूरिस्वरजी म.सा.	37	56	143	199	4%	
9.	श्री विजयभक्ति सूरिस्वरजी म.सा.	" श्री विजय प्रेम सूरिस्वरजी म.सा.	55	60	163	223	5%	
10.	श्री विजय कनक सूरिस्वरजी म.सा. (वागडवाला)	" श्री विजय कलापूर्ण सूरिस्वरजी म.सा.	65	28	451	479	10%	
11.	श्री विजय मोहन सूरिस्वरजी म.सा.	" श्री विजय यशोदेव सूरिस्वरजी म.सा.	55	40	179	219	5%	
12.	श्री विजय केशर सूरिस्वरजी म.सा.	" श्री विजय भुवन सूरिस्वरजी म.सा.	43	19	155	174	4%	
13.	श्री मोहनलालजी म.सा.	" श्री चितानन्द सूरिस्वरजी म.सा.	18	18	40	58	1%	
14.	श्री विजय सिद्धि सूरिस्वरजी म.सा.	" श्री विजय भद्रकर सूरिस्वरजी म.सा.	10	25	300	325	7%	
15.	श्री भद्र सूरिस्वरजी म.सा.	" श्री ऊँ कार सूरिस्वरजी म.सा.	40	23	140	163	3%	
कुल योग				960	1179	3680	4859	100%

क्र. संख्या	समुदाय का नाम	आजा प्रदाता का नाम	चातुर्मास स्वल्प	सत	सतीयाजी	कुल ठाणा
(2)	अचलगच्छ समुदाय अचलगच्छ समुदाय—	आचार्य श्री गुणसागर सूरिस्वरजी म सा	83	40	184	224
(3)	श्री खरतरगच्छ समुदाय खरतरगच्छ समुदाय	आचार्य श्री जिन उदय सागरजी म सा	65	19	193	212
(4)	श्री पार्श्वचन्द्रगच्छ समुदाय— पार्श्वचन्द्रगच्छ समुदाय	परत श्री रामचन्द्रजी म सा	23	11	67	78
(5)	श्री विमलगच्छ समुदाय— विमलगच्छ समुदाय	आचार्य श्री रवि विमल सरोस्वरजी म सा	10	11	65	76
(6)	श्री त्रिस्तुती गच्छ समुदाय— त्रिस्तुती गच्छ समुदाय	आचार्य श्री विजय हर्षेन्द्र सरोस्वर जी म सा	18	35	86	121
(7)	अन्य गच्छ समुदाय—		23	35	85	113

अ. भा. स्थानकवासी जैन सम्प्रदायो की कुल सक्षिप्त तालिका

क्र स	सम्प्रदाय	1986 के जायुर्मास				तीनों सम्प्रदाय राप्रतिपत्त 1986	1985 पुल ठाणा मुल ठाणा	1981 पुल ठाणा मुल ठाणा	1983 पुल ठाणा मुल ठाणा	1982 पुल ठाणा मुल ठाणा	1981 पुल ठाणा मुल ठाणा
		पुल स्वल	पुल सेत	पुल सतिया	पुल ठाणा						
1	श्रमण सय	254	245	681	926	35%	916	965	915	915	912
2	स्वतन्त्र सम्प्रदाय	175	181	555	736	28%	769	692	639	611	561
3	वृहद् गुजरात सम्प्रदाय	231	127	860	987	37%	970	941	891	951	817
	कुल याग	662	553	2096	2649	100%	2655	2598	2482	2380	2290

अ. भा. श्वे. मूर्तिपूजक जैन सम्प्रदायों की कुल संक्षिप्त तालिका 1986

क्र.सं	समुदाय का नाम	चातुर्मास स्थल	सन्त	सतियाँजी	कुल ठाणा	मूर्तिपूजक समुदाय में प्रतिशत
1.	श्री तपागच्छ समुदाय	960	1179	3680	4859	85%
2.	श्री अचलगच्छ समुदाय	83	40	184	224	4%
3.	श्री खतरगच्छ समुदाय	65	19	193	212	4%
4.	श्री पार्श्वचन्द्रगच्छ समुदाय	23	11	67	78	1%
5.	श्री विमलगच्छ समुदाय	10	11	65	76	1%
6.	त्रिस्तुती गच्छ समुदाय	18	35	86	121	2%
7.	अन्य समुदाय	23	35	85	120	3%
कुल योग		1182	1330	4360	5690	100%

अ.भा. श्वेताम्बर तेरापंथ संप्रदायों की संक्षिप्त तालिका 1986

क्र.सं.	समुदाय	चातुर्मास स्थल	श्रमण	श्रमणियाँ	कुल ठाणा	समुदाय प्रतिशत
1.	श्री श्वे. तेरापंथ समुदाय	129	152	547	699	97%
2.	श्री श्वे. नवतेरापंथ समुदाय	5	8	14	22	3%
कुल--		134	160	561	721	100%

अ. भा. विगम्बर सम्प्रदाय के चातुर्मास की संक्षिप्त तालिका 1986

क्र. सख्या	सम्प्रदाय का नाम	चातुर्मास स्थल	सत	सतियाजी	कुल ठाणा
1	दिगम्बर सम्प्रदाय	62	118	18	366
	कुल योग	62	118	18	166

नोट—दिगम्बर सम्प्रदाय की पूरी सूची प्राप्त नहीं हो सकी अतः जितनी हमें जानकारी मिली उतनी ही दी जा रही है अथवा ये पूरी सूची प्राप्त होना पर
पूरी जानकारी देना प्रयत्न किया जाएगा।

—सम्पादक

अ. भा. समग्र जैन सम्प्रदाय के सत-सतियों की कुल सख्या 1986

क्र.सं.	जैन सम्प्रदाय का नाम	चातुर्मास स्थल	सत	सतियाजी	कुल ठाणा	अनुमानित कुल योग	समग्र जैन सम्प्रदाय में प्रतिशत
1	श्वे. मुक्तिपूजा जैन सम्प्रदाय	1182	1330	4360	5690	5700	61%
2	श्वे. स्वामिन्काशी जैन सम्प्रदाय	662	553	2096	2649	2660	29%
3	श्वे. तेरापदी जैन सम्प्रदाय	131	160	561	721	725	7%
4	विगम्बर जैन सम्प्रदाय	62	318	18	166	100	1%
	कुल योग—	2040	2661	7065	9126	9185	100%

अ. भा. श्वे. स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय पद तालिका 1986

सम्प्रदाये	आचार्य	युवाचार्य	उपाध्याय	प्रवर्तक	सचिव	उप प्रवर्तक	प्रवर्तिनी	उप प्रवर्तिनी
श्रमण संघ	1	—	4	8	4	11	—	21
स्वतन्त्र सम्प्रदायें	3	—	2	2	—	—	—	1
वृहद् गुजरात सम्प्रदाये	5	—	—	—	—	—	—	—
कुल	9	—	6	10	4	11	—	22

नोट—विस्तृत जानकारी अन्यत्र पढे ।

अ. भा. श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन सम्प्रदाय पद तालिका 1986

समुदाय	आचार्य	युवाचार्य	उपाध्याय	पन्यास	गणि	प्रवर्तक	उप प्रवर्तक	प्रवर्तिनी	उप प्रवर्तिनी
तपागच्छ समुदाय	89	—	6	51	27	3	—	9	—
अचलगच्छ "	2	—	—	—	—	—	—	1	—
खरतरगच्छ "	1	—	—	—	—	—	—	1	—
विमलगच्छ "	1	—	—	—	—	—	—	—	—
त्रिस्तुतीगच्छ "	2	—	—	—	—	—	—	—	—
पार्श्वचन्द्रगच्छ "	—	—	—	—	—	—	—	1	—
अन्यगच्छ सम्प्रदायें	2	—	—	—	—	—	—	—	—
कुल—	97	—	6	51	27	3	—	12	—

नोट—आचार्यों को छोड़कर यह संख्या अधिक भी हो सकती है पूर्ण जानकारी प्राप्त नहि होने के कारण जितनी जानकारी हम प्राप्त कर सके उतनी यहाँ दी गयी है । विस्तृत जानकारी अन्यत्र पढे ।

अ भा समग्र जैन सम्प्रदाय तालिका 1986

सम्प्रदायें	आचार्य	युवाचार्य	उपाध्याय	पयास	गणि	प्रवक्त	उप प्रवक्त	प्रवर्तिनी	उप प्रवर्तिनी
श्वे मूर्तीपूजक सम्प्रदाय	97	—	6	51	27	3	—	12	—
श्वे स्थानकवासी सम्प्रदाय	9	—	11	—	—	10	11	—	22
श्वे तैरापयी सम्प्रदाय	1	1	—	—	—	—	—	1	—
दिगम्बर सम्प्रदाय	13	—	पूरी सूची प्राप्त नहीं हो सकी				—	—	—
कुल —	120	1	12	51	27	13	11	13	22

नोट—श्री श्वे मूर्तीपूजक सम्प्रदाय एवं श्री दिगम्बर सम्प्रदाय में आचार्यों को छोड़कर यह सख्या अधिक भी हो सकती है हमें पूरी जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी अतः पाठक गण सुधार कर पढ़ें। भविष्य में सही जानकारी देने का प्रयत्न किया जा सकेगा। विस्तृत जानकारियाँ अगले दी गयी है वहाँ पढ़ें।

—सम्पादक

७२

स्थानकवासी जैन समुदाय के साधु साध्वियों के बड़े-बड़े शहरों की चातुर्मासी की तालिका

शहरों के नाम	चातुर्मास स्थल	सत	सतीया	कुल ठाणा
बम्बई	28	11	145	156
अहमदाबाद	20	21	61	88
दिल्ली	23	28	83	111
राजकोट	14	—	56	56
इंदौर	9	12	23	35
जाधपुर	14	18	52	70
मद्रास	3	4	10	14
भारत में कुल	662	553	2096	2649

नोट—अय सम्प्रदायों की पूरी सूची प्राप्त नहीं होने से हम उनकी सूची नहीं दे पाये क्षमा करें।

—सम्पादक

अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई

कार्यकारिणी सदस्य 1986

(1)	श्री मुखलाल कोठारी	बम्बई	अध्यक्ष
(2)	श्री कँवरलाल बेताला	गीहाटी	उपाध्यक्ष
(3)	श्री चुन्नीलाल एच. मेहता	बम्बई	उपाध्यक्ष
(4)	श्री एस. लालचंद बागमार	मद्रास	उपाध्यक्ष
(5)	श्री मुन्नालाल लोढा 'मनन'	पाली-मारवाड़	महामंत्री
(6)	श्री अमृतलाल कावड़िया	बम्बई	मंत्री
(7)	श्री जेठमल चौरड़िया	बैंगलीर	मंत्री
(8)	श्री प्रताप भाई चांदी वाले	बम्बई	कोषाध्यक्ष
(9)	श्री बाबूलाल जैन 'उज्जवल'	बम्बई	संयोजक
(10)	श्री आर. प्रसन्नचंद चौरड़िया	मद्रास	सलाहकार
(11)	श्री भोपालचंद पगारिया	बैंगलीर	सलाहकार
(12)	श्री ज्ञानराज मेहता	बैंगलीर	सलाहकार
(13)	श्री चन्द्रकान्त भाई भणसाली	बम्बई	सदस्य
(14)	श्री कृष्णकान्त भाई एच. मेहता	बम्बई	सदस्य
(15)	श्री पन्नालाल सुराना	मद्रास	सदस्य
(16)	श्री सुरेन्द्र भाई मेहता	मद्रास	सदस्य
(17)	श्री एन. ताराचंद दुगड़	मद्रास	सदस्य
(18)	श्री नूपराज शादीलाल जैन	बम्बई	सदस्य
(19)	श्री पुखराज लुकड	बम्बई	सदस्य
(20)	श्री बजरंगलाल जैन 'सरफ'	बम्बई	सदस्य
(21)	श्री नेमनाथ जैन	इन्दौर	सदस्य
(22)	श्री जी. कन्हैयालाल साहूकार	अरकोनम	सदस्य
(23)	श्री फूलचंद जैन 'पोरवाल'	इन्दौर	सदस्य
(24)	श्री मोफतराज मृणोत (पिपाड)	बम्बई	सदस्य
(25)	श्री संचालाल बाफना	औरंगाबाद	सदस्य
(26)	श्री किशनलाल फूलचन्द लुणिया	बैंगलीर	सदस्य
(27)	श्री मीठालाल कामदार	बैंगलीर	सदस्य
(28)	श्री भँवरलाल गोटावन	बैंगलीर	सदस्य
(29)	श्री हंसमुख भाई बी. मेहता	बम्बई	सदस्य
(30)	श्री मुगाचंद जैन	मद्रास	सदस्य
(31)	श्री माणकचन्द सांखला	अजमेर	सदस्य

५४

THE JAIN SOCIETY



परिषद् के परामर्शदाता सहयोगी सदस्य

(1) श्री हस्तीमल गुणोन	मिराबाद	वरिष्ठ परामर्शक
(2) श्री मोतीलाल गुराम	इंदौर	" "
(3) श्री महासुत्र भाई जे इमाई	बम्बई	" "
(4) श्री पन्नीरचन्द मेहता	इंदौर	" "
(5) श्री हस्तीमल चंदावत	इंदौर	" "
(6) श्री चन्दनमल चांद	बम्बई	" "
(7) श्री नगीन भाई नावगीवर	बम्बई	" "

परिषद् के सहयोगी कार्यकर्ता सदस्य

(1) श्री बामूलाल पारवाल (जैन)	इंदौर	कार्यकर्ता (प्रतिनिधि)
(2) श्री जेठमल टागा	पानी मारवाट	"
(3) श्री दिनेशबुसार जैन	मवाई माधोगुज	"
(4) श्री गीतमचन्द आंस्तराल	बैंगलोर	"
(5) श्री प्रकाशचन्द पटवा 'अध्यापक'	"	"
(6) श्री नवरत्नमल जैन	चौप का बगलाटा	"
(7) श्री प्रवीण भाई एच चाह	बम्बई	"

चातुर्मास उपलक्ष में प्राप्त सहयोग

1 श्री एम एम जैन मधा, लागावाल	500/-
2 श्री व स्वा जैन श्रावक मध, रायचूर	101/-
3 श्री मीरमचन्द जगराज जैन बगलोर	51/-
	<hr/>
	652/-

नोट—उपस्थित महानुभावा ने हमें जो यह हार्दिक सहयोग भिजवाया है उसने निज परिषद् आपका बहुत 2 आभार प्रगट करती है। इन आभिव महयोग का हमने विज्ञापन रूप में दे दिया है। यानी जिन्होंने हमें महायत्ना रूप में सहयोग प्रदान किया है उनका विज्ञापन भी हमने दिया है। अब हम सभी श्री मधा, दानदालाजी महानुभावा से नम्र निवेदन करते हैं कि परिषद् का कार्य सुचारु रूप में चलाने के लिए आप परिषद् की भी महयोग जरूर करने की कृपा करावें। यदि रचिते—नम्र जैन समुदाय के लगभग 10,000 माधु-भाषिया एवं ममा की सभी गतिविधियों की सहा जानकारी देना वहाँ एवमात्र मन्था है तब अमाप्रदायिकता में काय दिया जाता है। का परिषद् की सहयोग करना नभूलें।

—सम्पादक

प्रमुख स्तम्भ सदस्य

1. श्री सुखलाल कोठारी	बम्बई	8. श्री चन्द्रकान्त भाई भणसाली	बम्बई
2. श्री कंवरलाल बेताला	गुवाहाटी	9. श्री आर. प्रसन्नचन्द्र चौरङ्गिया	मद्रास
3. श्री मुन्नालाल लोढा "मनन"	पाली मारवाड़	10. श्री एन ताराचन्द दुगड़	मद्रास
4. श्री अमृतलाल कावड़िया	बम्बई	11. श्री एस. लालचन्द बागमर	मद्रास
5. श्री जेठमल चौरङ्गिया	बैंगलोर	12. श्री कृष्णकान्त भाई एच. मेहता	बम्बई
6. श्री भोपालचन्द पगारिया	बैंगलोर	13. श्री माणकचन्द साखला	अजमेर
7. श्री चुन्नीलाल एच. मेहता	बम्बई		

संरक्षण सदस्य

1. श्री फूलचन्द लुणिया	बैंगलोर	5. श्री पन्नालाल सुराना	मद्रास
2. श्री मीठालाल कामदार	बैंगलोर	6. श्री मुरेन्द्र भाई मेहता	मद्रास
3. श्री भंवरलाल गोटावत	बैंगलोर	7. श्री नेमनाथ जैन	इन्दौर
4. श्री चन्दनमल बोहरा	बैंगलोर		

आजीवन सदस्य

1. श्री नृपराजजी जैन	बम्बई	17. श्री सुगलचन्द जैन	मद्रास
2. श्री पुखराज लुकड़	बम्बई	18. श्री प्रतापभाई चादीवाले	बम्बई
3. श्री हंसमुख भाई वी मेहता	बम्बई	19. श्री जी. कन्हैयालाल साहूकार	अरकोनम
4. श्री संचालाल बाफना	औरंगाबाद	20. श्री मागीलाल कोठारी	इन्दौर
5. श्री बजरगलाल जैन सराफ	सवाई माधोपुर	21. श्री मेडतिया दूध भण्डार	पाली मारवाड़
6. श्री पारसमल बम्ब (शूले)	बैंगलोर	22. श्री वर्धमान पापड़ भण्डार	पाली मारवाड़
7. श्री सोहनलाल सिपानी	बैंगलोर	23. श्री जैन उद्योग पापड़ भण्डार	पाली मारवाड़
8. श्री जे. स्था. जैन मध (शूले)	बैंगलोर	24. श्री चम्पालाल कर्नावट (रीड वाले)	बम्बई
9. श्री भवरलाल मियाल	बैंगलोर	25. श्री सुरेशकुमार तालेरा	पूना
10. श्री पारसमल बागरेचा	बैंगलोर	26. श्री राजेन्द्रकुमार जैन	बम्बई
11. श्री ज्ञानराज मेहता	बैंगलोर	27. श्रीमती तीजीबाई सुराना	खार-बम्बई
12. श्री बाबूलाल मेघराज मेहता (सादड़ी) मद्राम		28. श्री फूलचन्द जैन (पोरवाल)	इन्दौर
13. श्री शान्तीलाल चांधरी	मद्राम	29. श्री बन्नीलाल जैन (पोरवाल)	इन्दौर
14. श्री उमरावमल सुराना	मद्राम	30. श्री चन्दनलाल बोहरा	बैंगलोर
15. श्री सम्पतराज खारीवाल	मद्रास	31. श्री व.स्था जैन श्रावक संघ-खार	बम्बई
16. श्री महावीरचन्द श्री श्रीमान	मद्रास		

चातुर्मासि सूक्ष्म 1985 का आय-व्यय का सेवा वियोग

यन्त्रदे, गुणसास कोठारी प्रतापभाई चांदीयाले बाबूलाल जैन "उज्जवल"
 20-1-1986 जयश कापाट्यम मयातन-मयापन

प्रकाशकीय

अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची 1986 की पुस्तिका आपके सन्मुख प्रस्तुत करते हुए परम प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। यह चातुर्मास सूची का अष्टम् पुष्प है।

हम गत 7 वर्षों से सिर्फ स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय की ही चातुर्मास सूची एव चार्ट प्रकाशित करते आये हैं जिसमें सम्पूर्ण भारतवर्ष के सभी स्थानकवासी जैन सम्प्रदायों के सत् सतियों एव समाज की सभी गतिविधियों की सही एव पूर्ण जानकारी का सही निर्देशन अक्षाम्प्रदायिकता से कार्य किया जाता रहा है।

समग्र जैन चातुर्मास सूची -परिपद के सभी सदस्यों एव समग्र जैन सम्प्रदायों के कई मुनिराजों महासतियोंजी म.सा., उन्माहों कार्यकर्ताओं, धर्मप्रेमी महानुभावों का अति आग्रह भरा अनुरोध रहा कि जैन एकता एव संगठन के उद्देश्य का लक्ष्य रखकर समग्र जैन सम्प्रदाय के पूज्य मुनिराजों एव महासतियोंजी म.सा. का चातुर्मास सूची आप ही तैयार कर क्योंकि आप विगत 7 वर्षों से स्थानकवासी सम्प्रदाय का सूचा बहुत ही व्यवस्थित ढंग से प्रकाशित करते आ रहे हैं। यह कार्य बहुत ही कठिन परिश्रम माध्यम रहा था। कारण जब एक तरफ हमारी आर्थिक स्थिति पहले से ही ख़राब चल रहा है। हर वर्ष जबदस्त घाटा उठाना पड़ रहा है तथा दूसरा यह कि जब हमें एक सम्प्रदाय के कार्य में ही उतनी ज्यादा कठिनाईयाँ उठाना पड़ रहा है तो चारों सम्प्रदायों की सूचा निकालने में तो काम और भी ज़ोरूना हो जावेगा। फिर भी जैन एकता के लक्ष्य एव सभी स्वधर्मी महानुभावों के अत्यधिक आग्रह को ध्यान में रखते हुए समग्र जैन सम्प्रदाय का चातुर्मास सूची प्रकाशित करने बावत माच में ही विज्ञप्ति जारी कर दी और तभी में तज गति से कार्य आरम्भ कर दिया गया। प्रिय महानुभावों आज आपको सूचित करते हुए अत्यन्त प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि आज हमारा यह स्वप्न पूर्ण रूप से साकार हुआ है। हमारा पहला प्रयास था कि हम एक बार स्थानकवासी सम्प्रदाय की चातुर्मास सूची प्रकाशित कर और वह हम विगत 7 वर्षों से निरन्तर पूर्ण करते आ रहे हैं। हमारा दूसरा प्रयास यह कि हम कुछ आगे बढ़ें और एक बार समग्र जैन सम्प्रदाय की सूची प्रकाशित करें और वह भी इस वर्ष समग्र जैन सम्प्रदायों की चातुर्मास सूची प्रकाशित करने का सफल हुआ है।

विगत 7 वर्षों से स्थानकवासी चातुर्मास सूची का सकलन सम्पादन कार्य परिपद के सयोजक कुशल, कर्मठ कार्यकर्ता, समाज सेवक, जन श्रृंगार, धर्म प्रेमी बंधु श्रीमान् बाबू लाल जी जैन 'उज्ज्वल' बम्बई ही करते आ रहे हैं। इस वर्ष जब हमने उनके सन्मुख यह प्रस्ताव रखा कि इस वर्ष सभी का आग्रह है कि समग्र जैन सम्प्रदायों की सूची परिपद द्वारा प्रकाशित की जाय तो वे एक दम तैयार हो गये, सच्चे समाज सेवक जो ठहरे। समाज सेवा करने का जिनके जीवन का प्रमुख अंग जो बन गया है। वे कहने लगे कि आप सभी एव समाज का आग्रह है तो मैं जिन शासन सेवा हेतु इस कार्य को भी पूरा करने की पूरी कोशिश करूंगा और उन्होंने तभी से यह कार्य आरम्भ भी कर दिया। आपने अल्प अवधि में समाज सेवा का लक्ष्य ध्यान से रखकर यह कुशल कार्य कुशल परिश्रम से पूर्ण कर दिखाया है। कई श्री संघों, मुनिराजों, महासतियोंजी म.सा., कई महानुभावों से चातुर्मास सूचियाँ एकत्रित करना, पत्र व्यवहार करना, सकलन, प्रेस कापी, इन्दीर प्रेस में रहकर प्रूफ रीडिंग करना चार्ट एव पुस्तकों को पोस्ट करना, चार्ट छपाना

आदि मन उबन वान भारीय बाप आपन आन व्यापार म स समय विवाहकर निस्थाप भाव
म आनधर्मिन स्य न सन्नी गमान गता ता सय ध्यान म रखकर बटी उमानदारी स पर
निभाता ह ।

अखिल भारतवर्षीय नाम -हमारा चातुर्मास पूजा के सत्ता सौ जो प्रमुख बात भी चातुर्मास
निर्देशिका निबान्त आ रह ह परन्तु व निर हिन्दी भाषी शानकामी सम्प्रदाय की ही सूची
निबानते न आर प्रमाण के आ तागत ह अखिल भारतवर्षीय, यह जना जामा नहीं द रहा ह
तमान ता गुमराह कर रह ह । व निश्चित ह कि हमारी ही सूची अखिल म सत्ता
जन उन्निहाम आदिन ज्ञानी आर शरीरी पीटी जय जनरी सूची दखी ता पहल ता व कहा कि
यह भी अखिल भारतवर्षीय ह किन्तु पर अन्त म गता ता आनराम ही जन महिना के
पहला प्रथम यह उद्देश कि जया उम रवन गुजगन प्रान्त म रहने गुजगन सम्प्रदायी न जन मनिया का
अन्तिव ही नहा जा । सम्प्रदाय उम जन गी ही नहीं आर व भ्रम म पड़ जाण्य । क्या सूचा
जन उन्निहाम एम विज्ञा ताणा न प्रमाण न आर अखिल भारतवर्षीय की ज्ञान हिन्दी भाषी
शब्द लगान म क्या हिचकिचात ह । सत्ता सान समाज मे गया नहीं ग्य रह ह ।

भारत म तमत्र जन सम्प्रदाय व तातु माधिरया की पूष एव प्रमाणिक जानकरिया इन
बाग यही एक सत्ता ह । उम सत्ता अविशयानि नहा ह । यत्न सूची भविष्य म सत्ता जन
उन्निहाम आगिन ज्ञानी । यत्न सत्ता सत्ता यह तात आपन ज्ञान म तमत्र पूष ताता चाहती हा
ता उम सत्ता उन्नी सत्ता सत्ता भा तमत्र न । हम सत्ता एमत्र नहीं हाता । हमारा सक्ष्य
वा कि समाज म एम आदेश प्रमुख करना आर उह उम सत्ता ६ वर्षी न निम्न करने आ
रह ह ।

आधिक सबद -

हम सत्ता नान वर्षी न जयम्न घाटा उद्धान चल आ रह ह । हमारी आधिक स्थिति
मुदुद नहा हम न बाधजद भी हमन उम उप तमा जन चातुर्मास सूची प्रकाशित करने की
निर्णय निकाल दा या, ताता था अष्ट काम हमारा आर रहत न । हमन सत्ता के अत म नभी
का निरासन एव भिन्ना स्थि य । लकिन जिननी हम उम्मा की आमा न विपरीत ही
निवासन प्रान्त ता । सोचा अत्र क्या कर । परिणत न अक्षय म्ममत्री एव सयाज आदि तीना नाय-
कता अधिप भारन न दानवीरा की नारी मन्त्रिम बगलार आदि स्थानी पर गय आर वना पर
जिननी उम्मीद लख गये ने जना ता नहीं फिर भी कुछ आधिक सहयोग अवश्य प्राप्त करने
म गफन हा ह ।

आपका सूचित करने म परम प्रमथता हा रही ह कि आज भी समाज म एम एम दान
वीर महानुभाव ह जिहा हमारे उम काय का महा मूर्तानन कर मुक्त हाथा स हम अच्छी
गन्या म विनाशन एव आनित गहवाग प्रदान किया है । जननी उदालन ही हम द्य वष भी यत्
स्मरिना गात्र का लगभग 450 न अधिव पृष्ठा की जन स्तिहाम ग्रथ स्यी ममत्र जन चातुर्मास
सूची पुस्तिका आपन सामुख पत्र कर रह ह । यना पूज्य म ता, थी सधा, नभी महानुभाव न
तम निवन्त ह कि चातुर्मास न उल य म हम परिपद का भी फन ही ना पाया हा सही
कुछ न कुछ नहया अग्य भिजवान की टपा त्राव ताकि परिणत की आधिक स्थिति मुदुद
इन और हम आपका आन म आन नहा कर ता ।

अन गनी ममथी म्मागाना, दानदानाया आर निज्ञाताताया ने हम बहुत-बहुत
प्राप्ती ह ।

देरी का संकट टला नहीं:-

हमने समग्र जैन समाज की चातुर्मास सूची प्रकाशित करने के लिए अप्रैल में ही विज्ञप्ति प्रकाशित कर दी थी कि सभी सम्प्रदायों के पूज्य सन-गतियों जी म सा अपने चातुर्मासों की सूचियां ज्येष्ठ सुदी 15 तक तो अवश्य भिजवा ही देंगे। हमारे पास स्थानकवासी सम्प्रदायों की सूचियां चातुर्मास लगने तक प्रायः करके आ गयी थी एवं बाकी की अन्य सम्प्रदायों की सूचियां चातुर्मास प्रारंभ होने के 20-25 दिन तक भी प्राप्त नहीं हुईं फिर भी येन-केन प्रकारेण हमने जितनी बनी उतनी पूर्ण कोशिश कर अधिक से अधिक सूचियां प्राप्त करने की पूरी कोशिश की है। यह बहुत ही खुशी की बात है कि समाज का इस ओर ध्यान तो आकर्षित हुआ है। लेकिन हमारी यह सूची सिर्फ स्थानकवासी सम्प्रदाय की सूची होकर समग्र जैन सम्प्रदाय की सूची है जब तक सम्पूर्ण सूचियां हमें प्राप्त नहीं हो जाती तब तक हम आगे कुछ भी नहीं कर सकते न तालिकाएँ सारिणियां ही बना सकते न प्रतिशत (टकावारी%) ही निकाला जा सकता है, इन ही आगे की छपाई ही आरंभ कर सकते हैं कारण विभाग क्रमांक के अनुसार सूची छपती है। ड़धर प्रेस कापी करने प्रेस में छपाने का कार्य करना पड़ता है तो उधर सभी जगहों से पत्र आने शुरू हो जाते हैं कि चातुर्मास सूची व चार्ट छप गया हो तो हमें भी भिजवावे।

अतः सभी पूज्य मुनिराजो महासतियों जी म सा. से निवेदन है कि वे भविष्य में अपने चातुर्मासों की घोषणा ज्येष्ठ सुदी 15 तक तो अवश्य करके सूचना हमें भिजवाने की कृपा करावें। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि आप हमें अपने चातुर्मासों की सूचनाएँ चातुर्मास के 25 दिन पहले भी यदि देते हैं तो हम शीघ्र से शीघ्र सूची आपके सम्मुख पेश कर सकेंगे। आपके चातुर्मासों में यदि कुछ फेर-फार चातुर्मास समय तक होता हो तो उस क्षेत्र की सूचनाएँ अलग से पत्र द्वारा सूचित कर देंगे हम उसमें सुधार कर लेवेंगे। हमारे पास सूचियां ही चातुर्मास प्रारंभ होने के 20-25 दिन बाद प्राप्त होती हो तो क्या प्रेस कापी व छपाने में टाइम नहीं लगता। फिर हम आपको पुस्तक कहा से जल्दी दे सकेंगे। आशा है आप इस ओर अवश्य ध्यान देने की कृपा करेंगे।

चातुर्मास चार्ट—हम विगत दो वर्षों से स्थानकवासी सम्प्रदाय का चातुर्मास सूची का बड़ा चार्ट प्रकाशित करते आ रहे हैं। जो स्थानकों के दरवाजे पर चिपकाने एवं दर्शनार्थियों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ है। जिसकी कई महानुभावों ने मुक्त कंठों से काफी प्रशंसा की है। हमारे पास मैकडों महानुभावों के पत्र आये हैं एवं आग्रह किया है कि स्थानकवासी सम्प्रदाय का चार्ट तो चालू रखें उसके साथ-साथ मूर्तिपूजक सम्प्रदाय का भी ऐसा ही चार्ट प्रकाशित करें। उनके आग्रह को मान देकर चातुर्मास सूची के अलावा स्थानकवासी सम्प्रदाय का बड़ा चार्ट खूबसूरत दो रंगों में प्रकाशित किया है। मूर्तिपूजक सम्प्रदाय का भी चार्ट निकालने का विचार था परन्तु आर्थिक स्थिति एवं समयाभाव के कारण इस वर्ष प्रकाशित करने में हम अममर्थ हैं भविष्य में सूचियां जल्दी आएँगी और आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रही तो भविष्य में प्रकाशित करने की कोशिश करेंगे। स्थानकवासी सम्प्रदाय के चातुर्मास चार्ट की पूरी आर्थिक सहायता श्री सम्यग्ज्ञान प्रचारक मण्डल के उपाध्यक्ष पिपाड निवासी हाल बम्बई के दानवीर श्री मोफतराज जी मा मुणोन की ओर से उतिहाम मार्ण्ड सामायिक स्वाध्याय के प्रणेता आचार्य प्रवर श्री हस्तीमलजी म सा आदि ठाणाओ के पिपाड निटी चातुर्मास 1986 के मंगलमय सौल्लामपूर्ण वातावरण में पूर्ण होने की मंगलकामनाएँ करते हुए हुई। हम परिपद के सभी सदस्य श्रीमान् मोफतराजजी मा मुणोन के बहुत 2 आभारी हैं जिन्होंने हमें इस आर्थिक संकट की घड़ी में भी यह सहाय देकर हमारा माहन बढ़ाया है। जो श्री मंव या महानुभाव ऐसा ही चार्ट अपनी-अपनी सम्प्रदायों का चार्ट

भविष्य में अपनी ओर से प्रकाशित करना चाहें वे सभी से ही परिपक्व से सम्पर्क स्थापित करने की इच्छा करें। जिससे अपने पत्र आवेगा उनकी स्वीकृति प्रदान कर दी जावेगी। भविष्य में स्थानकारी सम्प्रदाय एवं मूर्तिपूजक सम्प्रदाय का चातुर्मास चाट हिन्दी एवं गुजराती भाषा में भी प्रकाशित करने का विचार है जो सभी से स्वीकृति हेतु पत्र व्यवहार करने की इच्छा करावे।

छपाई का कठिन कार्य -

चातुर्मास मुद्रितार्थ एनप्रिन्ट करने का काम उनकी प्रसन्नता करना और छापने का बहुत बड़ा कार्य रहता है। मैगजीन मासिक के 450 में अधिक पृष्ठों की पुस्तक एवं इनके 12 चाट का मुद्रण करना हर किसी के काम की बात नहीं है। पहली बात तो यह है कि कोई प्रिंट बनाने की नहीं करेगा यदि किसी का काम भी ऐसा है या काम का नकारा रहता है। उनकी बड़ी पुस्तक का छापने का लिए वे कम से कम 2 मास का समय तो मांगते हैं। जब तक कि चातुर्मास का 90% समय भी निकल जाता है। प्रथम अनुयोग प्रकाश पत्र की कहानीजाल जी में मा कमल के निर्देश पर श्री मद्रास प्रिन्टिंग प्रेस का मालिक मण्डल का अधिव प्रयोग में यह उनका बड़ा कार्य बन नील वर्णों में सम्पन्न होता आया है। और उस पर भी मैगजीन मासिक 450 पृष्ठों का मुद्रण कायम समय में करवा दिया है। जिसकी हम स्वप्न में भी उम्मीद नहीं करते थे कि 450 पृष्ठों का मुद्रण कायम से लिए 11 दिनों में ही मुद्रित करके दे देंगे। यह सब माला मण्डल की धार्मिक भावना का ही फल है कि उन्होंने समाज सेवा का कार्य ध्यान में रखकर समग्र जन समाज की एक धर्म्य का मुद्रित कर प्रकाशित किया है। अब हम सभी उनका हृदय में बहुत 2 आभारी हैं।

नि शुद्ध भेंट - गन तीन चपा में लगाना चाहते हैं बावजूद चातुर्मास पूर्वी में इन वर्ष मासिक व पष्ठ सन्ध्या बड़ा जान में एक बागज छपाई मजदूरी आदि के भार बहुत बढ़ जाने से तागत खर्च तो बहुत ज्यादा आया है फिर भी सर्वसाधारण का ध्यान रख कर मैगजीन मासिक की 450 में अधिक पृष्ठों की पुस्तक का मूल्य सिर्फ 10/- ही रखा गया है। समग्र जन सम्प्रदायों के सभी मुख्य मन अनियों की मना की जहाँ वे चातुर्मास में विराजमान हैं परिपक्व की ओर से एक एक प्रति एक श्रीमान भोपलगरजी का मणोल की ओर का चाट की एक एक प्रति निशुद्ध भेंट स्वल्प प्रमाण की जा रही है। स्थानक भवन पर विचरने पर दर्शनार्थी बंध यह चाट पुस्तक प्राप्ति स्थानों में नि गच भावा सकते हैं।

श्री जयलाल जी जैन का अथक सम्पूण वाचन में गणित चातुर्मास पूर्वी का प्रकाशन की माधन एवं सफल माननी है और सभी सहयोगियों के प्रति कृतज्ञता आभार प्रगट करनी है।

अतः मैं हम सभी का यह 2 आभार प्रगट करत हूँ सभी से यही आशा करत हूँ कि भविष्य में भी आप सभी तरह का हर प्रकार का हार्दिक सम्पूण हम प्रदान करत रहने की इच्छा करते रहेंगे।

— श्री आशा का भाव—

आपके—

मुन्नालाल लाला
प्रधान

कैरन्ता जना
उपाध्यक्ष

मुन्नालाल लाला 'मनन'
महामंत्री

सम्पादकीय

अखिल भार्गवर्षीय समग्र जैन चानुर्मास सूची 1986 का अष्टम पुष्प आपके मन्मुख प्रस्तुत करने हुए परम मन्त्रोप का अनुभव कर रहा हूँ।

गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी धर्म प्रेमी बंधुओं परिषद के सदस्यों, स्नेहीजनों का आग्रह रहा कि इस बार समग्र जैन सम्प्रदायों की चानुर्मास सूची प्रकाशित होनी चाहिए। मेरे लिए स्थानकवासी सम्प्रदाय की सूची का ही इतना कार्य रहता है कि मैं जितनी चाहूँ उतनी जानकारीयाँ समयाभाव और स्थानाभाव के कारण उसमें नहीं दे सकता हूँ फिर चारों सम्प्रदायों की सूची का कार्य तो चाँगुना तो मान कर ही चले फिर भी जैन एकता के लक्ष्य एवं समाज सेवा के लक्ष्य को ध्यान में रखकर मुझे सभी को स्वीकृति देनी ही पड़ी और तब से ही यह कार्य हाथ में लेना पड़ा। सभी महयोगी कार्यकर्ताओं ने मेरा काफी सहस्र बढ़ाया और आज परम प्रसन्नता की बात है कि यह इतना बड़ा श्रमूल्य ग्रंथ आपके हाथों में है।

इस वर्ष समग्र जैन चानुर्मास सूची के प्रकाशन बावत मार्च में ही विज्ञप्ति जारी कर दी थी। इस वर्ष समग्र जैन सम्प्रदायों की सूची होने के कारण सूचियाँ एकत्रित करने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। स्थानकवासी सम्प्रदायों को तो चानुर्मास सूची की जानकारी मालूम है और उन्होंने तो सूचियाँ चानुर्मास प्रारम्भ तक प्रायः कर सभी ने भिजवा दी थी लेकिन अन्य सम्प्रदायों की खासकर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय की सूचियाँ एकत्रित करना टेढ़ी खीर साबित हो रहा थी, तेरापंथी सम्प्रदाय तो एक ही आचार्य की नेत्राय में हैं सो उनकी तो सूची समय पर प्राप्त हो गयी। मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के बारे में तो मुझे बिल्कुल भी ज्ञान नहीं था वह मेरे लिए पहली कक्षा बराबर था कितने आचार्य, कौन बड़ा छोटा, गणि पन्यास क्या होने हैं, सूरेश्वरजी कितने लगाया जाता है आदि 2 बातों का मुझे बिल्कुल भी ज्ञान नहीं था। समग्र जैन सूची की तो सूचना जारी कर दी लेकिन जानकारीयाँ शून्य, फिर क्या करना? मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के कई आचार्य उपाध्याय प्रवर्तक आदि म.मा. बम्बई विराजते हैं। वहाँ कई मुनिराजों के पास गया उनसे सूची बावत बातचीत की तो कोई कहता हमें तो हमारी सम्प्रदाय के बारे में ही ज्ञान नहीं है पूरे समाज की हम क्या बतावे, किसी ने क्या तो किसी ने क्या जवाब दिया आखिर में हिम्मत हार ही रहा था कि चलता चलता नाम सुनते-सुनते गोडीजीजी मंदिर पहुँच गया वहाँ तपागच्छ सागर समुदाय के आचार्य प्रधर श्री देवेन्द्रसागर सूरेश्वरजी म मा एवं उनके शिष्य श्री हर्षसागरजी म मा विराजमान थे उनसे भी मैंने यही प्रश्न पूछा और कहा कि मुझे सूचियाँ एकत्रित करने में सहयोग करे तो मैं समग्र जैन सम्प्रदाय की सूची निकाल सकता हूँ। उन्होंने मेरी अर्जी स्वीकार कर कहा कि मूर्तिपूजक सम्प्रदाय की सूचियाँ मैं एकत्रित कर लूँगा। आप तो बाकी का कार्य करते रहे फिर क्या था वे भी कार्य में जुट गये मैं भी मेरे बाकी कार्य में जुट गया। और आज आपको सूचित करने हुए अति प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि प्रायः कर एक दो गच्छ सम्प्रदाय को छोड़कर बाकी सभी सम्प्रदायों की सूचियाँ सही समय पर प्राप्त हो गयी जिसकी मुझे आशा नहीं थी कि उतनी जल्दी प्रथम बार ही पूरी सूचियाँ प्राप्त हो जावेगी। यह भी बहुत ही खुशी की

जान है कि उस छोटे समाज एवं मत मनीषियों का ध्यान तो आकर्षित हुआ है। यदि इसी तरह न मनीषी न पक्षियों मितता रहना तो समाज का आ-आपस का ज्ञान-आपसी ने गा-आपस का सम्बन्ध ही कागिण नहीं।

यह भी बात ध्यान में रखनी चाहिए कि "आपसी ज्ञान-आपसी ने ज्ञान पर नहीं न नहीं एवं जो आपसी ज्ञान-आपसी ने नहीं न प्रमुख गा-आपसी गया है।

अपनी बात जो आपसी एवं नयी ज्ञान-आपसी है वह उस प्रकार है--

- उस वय समग्र जन चानुमोम सूची होने व कारण पहले स्थान-आपसी सम्प्रदाय का दिया गया है कारण ज्ञान-आपसी सम्प्रदायों की सूचियाँ भर नाम चानुमोम प्रारम्भ तक प्रायः व-मनी सम्प्रदायों की आ गयी थी अतः जो आ गयी उनका ना प्रसारित करने के लिए प्रथम भाग ज्ञान-आपसी का आ गये सभी मत नित्य व ठाण-आपसी नाम सभी सूचियाँ म-आपसी उनमें मनी ठाण-आपसी के नाम पता माधन आदि दिए गए हैं।
- उसमें बात तरापर एवं नये तरापर सम्प्रदाय का क्रम लिया गया है कारण उनकी सूची भी समय पर आ गयी लेकिन सभी ठाण-आपसी की सूची बाद में आयी तब तक सूचियाँ का मुद्रण भी हो चुका था अतः प्रमुख मिया-आपसी का नाम ठाण-आपसी व पता दिया गया है माधन प्रायः स्थान-आपसी सम्प्रदायों का नाम, जहरा म है वहीं उनका है अतः समयाभाव न नहीं है उनके भविष्य में देने की पूरी कोशिश की जा सकती है।
- मूर्तिपूजक सम्प्रदाय की सूचियाँ पूरी नहीं आने के कारण तरापर सम्प्रदाय में जिन जिन सम्प्रदायों की सूचियाँ पहले आ गयीं उनको पहले के लिया आये जिन सम्प्रदायों की सूचियाँ नये में आयीं उनका क्रम एक के बाद एक लेना दिया है। हो सकता है छोट पहले आ गये छोट बाद में लेकिन समयाभाव में जो पहले आयें उसे पहले के लिया दूसरी बात किसी किसी सूची में ठाण-आपसी की सूची भी नहीं दी है जोड़ देने में बड़ी दिक्कत हुई फिर भी कागिण यही रही है कि सभी ठाण-आपसी की सूची भी जावे। सम्प्रदाय सूत्र व माधन भी हम नहीं मिते अतः मूर्तिपूजक सम्प्रदाय की सूची में किसी भी तरह की चोट नहीं हुई है तो मरा पहला प्रथम समय कर समा कर अब एवं भविष्य में सभी ज्ञान-आपसी भिन्न-आपसी की उपा करण।
- उन वयों की तरह उस वय भी समग्र जन सम्प्रदायों की नित्य-आपसी, माधन-आपसी एवं आपसी ज्ञान-आपसी का प्रतिगत में (द्वितीय १०%) में लिखा गया है ताकि आमानी में पता चल सके कि समाज न श्रमण श्रमणों सम्प्रदाय की नित्य-आपसी की क्या इतिहास है न अतः।
- उस वय तक नया सम्प्रदाय आरम्भ किया है और वह स्थान-आपसी सम्प्रदाय में ही गा-आपसी दिया गया है कारण कि आपसी सम्प्रदायों की वय वयों का नाम मरे नाम उपलब्ध नहीं है वह यह है कि आपसी सम्प्रदाय का अध्याय नहीं हुआ अतः पर उस ज्ञान है वह एवं मत मनी पुनः-आपसी नित्य दी गयी है जिसमें माधन पर वह कि कितने मत मनीया बड़े या छोट या चिट में नाम ही नहीं आया। आशा है वह नया सम्प्रदाय ना मरा जहाँ तब अनुमान है मनी को वय ही अतः नया होगा। मूर्तिपूजक सम्प्रदाय, तरापरों सम्प्रदाय व ज्ञान-आपसी सम्प्रदाय में भी वह अध्याय भविष्य में प्रसारित करने का विचार है अतः सभी सम्प्रदायों

के मुनिराजो, महासतियोजी म सा, श्री सचौ से निवेदन है कि वे अपनी सूचियाँ बराबर सही करके ही भेजने की कृपा करें।

- ० सभी सम्प्रदायों की गांव, शहरों की अनुक्रमणिका दी गयी है वह राज्यवार दी गयी है यानी जो गांव आपको देखना हो तो पहले उसका प्रान्त मालूम करे फिर उसी प्रान्त में अमुक-अमुक पृष्ठ पर गांव, शहर की पृष्ठ सख्या मिलेगी।
- ० सभी सम्प्रदायों के चातुर्मासों का सम्पर्क सूत्र यातायात के साधन देने का प्रयत्न किया गया है।
- ० सभी सम्प्रदायों की सत मतियों की तालिकाएं दी गयी हैं जिसमें मालूम पड़ जावे कि किस किस सम्प्रदाय में कितने चातुर्मास सत सतीयां कुल ठाणा व प्रतिशत (टकावारी%) क्या क्या है।
- ० सभी सम्प्रदायों में कितने 2 आचार्य, उपाध्याय, पन्थास, गणि, प्रवर्तक प्रवर्तिनीयां आदि कितने कितने हैं एवं उनका कितना प्रतिशत है। इसकी भी तालिका दी गयी है।
- ० बड़े-बड़े शहरों में किस-किस सम्प्रदाय के कितने-कितने सत मतियां हैं। इसकी भी तालिका दी गयी है।
- ० समग्र जैन सम्प्रदाय के कुल कितने सत सतीयां हैं एवं उनका क्या प्रतिशत है। उसकी भी तालिका दी गयी है।
- ० स्थानकवासी सम्प्रदाय में किम-किस राज्य में किस-किस उप सम्प्रदाय में कितने-कितने सत गनीया हैं। एवं उनका क्या प्रतिशत है इसकी भी एक तालिका दी गई है। अन्य सम्प्रदायों की भी ऐसी तालिका देने का विचार था लेकिन उन सम्प्रदायों की पूरी जानकारीयां उपलब्ध नहीं होने के कारण यहाँ इस वर्ष नहीं दे पाया हूँ अतः क्षमा करें। आप सभी सम्प्रदायों भविष्य में अपनी पूर्ण सूची भिजवाने की कृपा करावे।
- ० सभी कार्यकारिणी के सदस्यों प्रमुख स्तम्भ सदस्यों संरक्षण सदस्यों, आजीवन सदस्यों के फोटों, जीवन परिचय, एवं सम्पर्क सूत्र दिया गया है। जिनका फोटो प्राप्त नहीं हो सके उनका निर्फ जीवन परिचय व सम्पर्क सूत्र ही दिया गया है। भविष्य में सभी का फोटो देने का पूरा ध्यान रखा जावेगा।
- ० इस वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाय में जिनकी भी पत्र-पत्रिकाएं प्रकाशित होती हैं उनकी सूची दी गयी है। जिस तरह स्थानकवासी सूची दी है। वैसी ही सूची अलग-अलग सम्प्रदायों की देने का विचार था लेकिन पूर्ण एवं सही जानकारीयां मालूम नहीं होने के कारण यहाँ सिर्फ नाम पना ही दिया गया है। सभी पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादकों से तम्र निवेदन है कि वे अपने अपने पत्र की अवलोकनार्थ व अलग-अलग सम्प्रदायों की सूचीयां बनाने वास्त एक एक प्रति हमें अवश्य भिजवाने की कृपा करावे ताकि हम भविष्य में अलग-अलग सम्प्रदायों की अलग-अलग सूचीयां व तालिकाएं दे सके।
- ० उपाध्याय सचो, धार्मिक परीक्षा बोर्डों, छात्रावासों, आदि की सूचीयां निर्फ स्थानकवासी सम्प्रदाय की ही हम दे पाये हैं कारण अन्य सम्प्रदायों की हमें जानकारीयां मालूम नहीं

इसके संकलन कार्य में जिनवाणी, आत्मरश्मि सत्यगदर्शन, अमर भारती, जैन मोरभ, स्थानकवासी जैन, जैन जागृति, श्रमण, सुधर्म प्रवचन, मुधर्मा, धर्म ज्योति, जीन की भेरी, तपोधन, जन प्रकाश (हिन्दी एवं गुजराती) श्रमणोपासक, जैन ज्योति, जैन क्रान्ति, जैन रामाज, मुनिघोष, रामता युवा सन्देश, दिवाकर दिल्ली, जेनाम्बर जैन, जैन, धर्म लाग, जैन मित्र, जैन राजद, श्रमण भारती, आदि अनेक पत्र-पत्रिकाओं के माननीय सम्पादकों का भी मुझे विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी काफी हार्दिक सहयोग प्राप्त हुआ है कि उनके हार्दिक सहयोग के बिना यह कार्य मुश्किल था अतः उन सभी पत्र-पत्रिकाओं के माननीय सम्पादकों का भी मैं हृदय से बहुत-बहुत आभारी हूँ ।

मेरे इस कार्य के गुरु से ही प्रेरक आगम अनुयोग प्रवर्तक प. रत्न श्री कन्हैयालाल जी म. सा. रहे हैं । आगे आज भी हैं । आपकी छत्र छाया में ही यह कार्य इस वर्ष भी पूर्ण हो पाया है । आज मैं जो कुछ भी कर पाया हूँ वह सब आपके ही आशीर्वाद का ही फल है मैं आपके इस महान् उपकार को कभी भी नहीं भूल सकता । अतः पूज्य गुरुदेव आपका भी मैं बहुत-बहुत आभारी हूँ ।

इस वर्ष समग्र जैन चानुर्मास सूची का सम्पूर्ण निर्देशन मरुगर रत्न प्रवर्तक श्री रूपचन्द्रजी म. सा., सफलवक्ता श्री अजीतमुनिजी म. सा. निर्मल, सेवा भावी श्री विनय मुनिजी म. सा. "वागीश" एवं मूर्तिपूजक तपागच्छ सम्प्रदाय के आचार्य श्री देवेन्द्र सागर गुरीश्वरजी म. सा. के सुगुण्य सेवाभावी श्री हपसागरजी म. सा. के द्वारा आप सभी की छत्र छाया में ही पूर्ण हुआ है । अतः आप चारों पूज्य मुनिगणों का भी मैं बहुत बहुत आभारी हूँ ।

गायन निधी प. रत्न श्री रामनिवागजी म. सा., मधुर व्याख्यात्री श्री कमल मुनिजी म. सा., उपप्रवक्त कवि रत्न कवि सम्राट श्री चन्द्रनमुनिजी म. सा. (पजावी) खमान सम्प्रदाय के श्री नवीन ऋषिजी म. सा. मूर्ति पूजक तपागच्छाधिपति आचार्य श्री रामचन्द्र गुरीश्वरजी म. सा. के सुगुण्य, आचार्य श्री मेरुप्रभ गुरीश्वरजी म. सा. के सुगुण्य आदि पूज्य मुनिवरों का भी मुझे इस वर्ष भी लेखन कार्य में बहुत ही ज्यादा योग प्राप्त हुआ है अतः आप सभी का मैं बहुत ही ज्यादा आभारी हूँ ।

कवि हृदय सम्राट श्री चन्द्रनमलजी चाद बम्बई, श्री गोनमचन्द्रजी ओस्तवाल, बंगलार, श्री प्रकाशचन्द्रजी पटवा बंगलार, श्री जेटमलजी डागा पाली, श्री प्रवीण भाई मेहता, गोरंगाव बम्बई, श्री महासुख भाई देसाई, श्री नगीन भाई वाडवीकर बम्बई, श्री महेन्द्रभाई सेठ भावनगर, श्रीदोलतमिहजी जैन दिल्ली, श्री दिनेशचन्द्रजी जैन सर्वाई माधोपुर आदि सभी महानुभावों के हार्दिक सहयोग से ही यह कार्य इतना जल्दी पूर्ण हो पाया है । अतः आप सभी का भी हृदय में बहुत बहुत आभारी हूँ ।

श्रीमान फकीरचन्द्रजी सा. मेहता, श्री मोतीलालजी मुगना, श्री नेमनाथजी जैन, श्री ज्ञानिलालजी मारु, श्री हस्तीमलजी झेलावन, श्री पीरलालजी जैन, श्री नवरत्नमलजी जैन, श्री बाबूलालजी गोरवाल आदि स्वधर्मी बंधुओं का इस वर्ष भी इन्दौर में काफी सहयोग प्राप्त हुआ । महावीर भवन, सेवा मदन, मुद्रित फंड जैन धर्मशाला में 20 दिन रहकर मैंने यह कार्य पूर्ण किया अतः इन्दौर श्रीमन् एवं आप सभी महानुभावों का मैं बहुत बहुत आभारी हूँ ।

इन सूची में किसी प्रकार का साम्प्रदायिक भेदभाव नहीं रखा गया है सभी के नाम समान भाव में दिये गये हैं । इन सूची का मुख्य उद्देश्य यही है कि समाज को यही संत सतीशों की सच्चा

एव निर्निर्दिष्टता का ता ज्ञानकारी प्राप्त हो पाय । किन्तु मय चातुर्मास्य म साक्षात्कार ह एव मुमुक्षु भावा म स्मिन्तो स्मिन्तो प्राप्ति ट्ट न कि बिना नह तागत त पसा का प्रपयन क अध्यापना करत ।

तदुक्तिया प्रिन्टि उदाहर क सवालक व्यवस्थापक था हायसालता ता सागर, था अजयनी ता छलानी, श्री धानियाली ता था मद्रासुमाजी ता डगी एव सवालक मण्डन आदि का भी म अक्षरीचा भी कि हुताह विद्वान तमान स्ति एव चातुर्मास्य का तय ज्ञान म 'अक्षर' 100 त अक्षिक पृष्ठा का यह प्र जनी मुता तातागता, मद्यप, तुद छात्र कय हम अक्षर का चा 3 उप भी ति 11 ता म हा मुद्रित कय त्ति ह ए प्रयन त ही य प्रदान ए एव म प्रमुन ट्टा ए अक्षर आपरा ती बहुत मुन आभारी ह ।

ता काय म दिना नह सी राट तवत छन म, सखन तर म गह ली हा, नाम विखन मे हूट ता हा, नाम नीच आ ता हा, या तिग अय नह ती राट अय तवती ए ली हा ता म चतुर्गि था मय त थमा चाहता ह ।

अन म प्रर अन्याय प्रयन प अन मुनिधा उद्देश्यातागता म या 'अक्षर' निर्देशक मण्डन अन प्रयन ता एवचर्चा म ना अन सफरता थी अजीतमुनिजी म त ता रविन श्री विनयमुनिजी म त, गीत मय मय भाव थी ह्यमाती म ना आदि त ती तम अक्षर पुन मुनिताग मय महासतागता म म तभी थी मय तनी स्वर्गी मयानुभावा, तभी निचापन गताया तभा पत्र पत्रिकाया परिपत्र त उमाती रागवताथी त्ति त मभी पुनर्विचरता तभी प्रयनका स्तिपा एम प्रमागथा नटुनिधा प्रिन्टि त सवालक मण्डन आदि का भी मुन ए आभारी = जिज्ञान मन ह प्रका ता मयता प्रयन किता ए मय आया रगता हें ति अविष्य म ना मुन त्ति नह का पुन मयता प्रयन अन त्तय ।

म अतनयन पूवक आप तभी का मय चतुर्गि ता मय का भी मुन ए आभार प्रयन रगता ह ।

उसा आशा क सा ।

मद्रास 20 अगस्त 1956

आपरा

रात्रुसाल जन 'उगधन'
मयाजक-मपावक

आर्थिक सहयोग आभार

- मद्रास-बैंगलूर बम्बई-इन्दौर के उन सभी महानुभावों का जिन्होंने परिषद् के प्रमुख स्तंभ संरक्षण आजीवन सदस्य बनकर परिषद् की आर्थिक नींव सुदृढ़ बनाने में अपना हार्दिक सहयोग प्रदान किया है। अतः आप सभी का भी परिषद् बहुत-बहुत आभार मानती है।
- परिषद् के महामंत्री श्री मुन्ना लाल लोढा 'मनन' के प्रयत्नों द्वारा पाली मारवाड (गज.) में परिषद् को बहुत अच्छी सख्या में विज्ञापन प्राप्त हुए हैं। अतः आपका एवं पाली-मारवाड निवासियों का परिषद् बहुत-बहुत आभार मानती है।
- परिषद् के अध्यक्ष श्री मुख्तार कोठारी बम्बई के प्रयत्नों से बम्बई में भी काफी विज्ञापन प्राप्त हुए हैं। अतः आपका भी परिषद् बहुत-बहुत आभार मानती है।
- परिषद् के सदस्य श्री जेठमल डागा-पाली-मारवाड के प्रयत्नों में भी रत्नलाम एवं पाली-मारवाड में परिषद् को काफी सख्या में विज्ञापन प्राप्त हुए हैं। अतः आपका एवं रत्नलाम पाली-मारवाड निवासियों का भी परिषद् बहुत-बहुत आभार मानती है।
- परिषद् के संयोजक श्री बाबूलाल जी जैन 'उज्ज्वल' बम्बई के प्रयासों द्वारा भी परिषद् को काफी विज्ञापन प्राप्त हुए हैं। अतः आपका एवं सभी विज्ञापन दाताओं का भी परिषद् बहुत-बहुत आभार मानती है।
- श्री बाबूलाल जी पोरवाल (जैन) इन्दौर वालों के प्रयत्नों से भी इन्दौर में काफी विज्ञापन प्राप्त हुए हैं। अतः आपका एवं इन्दौर निवासियों का भी परिषद् बहुत-बहुत आभार मानती है।
- परिषद् के मलाहकार श्रीमान् ज्ञानराज जी मेहता बंगलूर के प्रयत्नों से भी काफी विज्ञापन प्राप्त हुए हैं। अतः आपका भी परिषद् बहुत-बहुत आभार मानती है।

आगम अनुयोग प्रवर्तक पं. रत्न श्री कन्हैयालाल जी म.सा. "कमल" द्वारा सम्पादित

प्रायश्चित्त-पत्र

नि शुल्क प्राप्त करें

आत्म जेष्ठि के लिए प्रायश्चित्त तप अति आवश्यक है, अतः प्रायश्चित्त विषयक नामान्य जानकारी के लिए अनुयोग प्रवर्तक मुनि पं. रत्न श्री कन्हैयालाल जी म.सा. "कमल" द्वारा सम्पादित प्रायश्चित्त पत्र नि शुल्क प्राप्त करें। यह पत्र सभी जैन मुनियों तथा महामनियों जी म.सा. के लिए मदा माय रक्खने योग्य है।

प्राप्ति स्थल : बाबूलाल जैन "उज्ज्वल"

105, निम्पनि आगर्दमेदम, आकली बोन रोड नं. 1, दादीवली (पूर्व), बम्बई-400101 (महाराष्ट्र)

ग्राम	धर्म गण				स्वतन्त्र सम्प्रदाय				युद्ध गुजरात सम्प्रदाय				गुप्त मत-मतिया			
	स्त्री	पुरुष	गण	मतिया	गुप्त	स्थान	पुरुष	मतिया	गुप्त	स्थान	पुरुष	मतिया	गुप्त	स्थान	पुरुष	मतिया
राजस्थान	50	63	112	205	91	90	127	115	—	—	—	—	111	151	167	620
मध्यप्रदेश	31	36	94	110	29	24	86	110	1	—	—	—	64	60	181	213
गुजरात	3	2	12	11	3	1	8	9	190	106	666	772	136	109	686	795
महाराष्ट्र	71	47	175	222	16	11	70	54	31	14	150	161	120	75	195	170
पंजाब	32	36	66	102	1	2	—	2	—	—	—	—	43	38	66	104
दिल्ली	22	27	55	112	9	16	1	—	—	—	—	—	20	29	11	59
उड़ीसा	—	—	—	—	1	—	1	1	2	—	5	5	3	—	9	9
हरियाणा	17	16	59	77	5	15	3	21	1	—	1	1	23	11	63	97
गोवा	1	—	16	16	6	1	21	25	2	1	5	9	12	8	17	11
आसाम	1	1	—	1	—	—	—	—	—	—	—	—	1	1	—	1
उ. प्रदेश	5	2	11	17	5	8	8	16	—	—	—	—	10	10	21	51
आ. प्रदेश	2	—	1	1	—	—	—	—	1	—	—	—	3	—	11	11
नमिलना	1	—	15	15	1	—	22	27	1	—	6	6	9	—	11	11
बिहार	1	6	—	6	2	1	1	8	2	1	5	6	7	11	9	20
चण्डीगढ़	1	6	—	6	—	—	—	—	—	—	—	—	1	6	—	6
पंजाब	1	3	—	3	—	—	—	—	1	—	9	9	2	—	17	12
जम्मू-काश्मीर	—	—	—	—	—	—	—	—	1	2	—	2	1	2	—	2
कुल	251	245	661	926	173	181	555	716	231	127	560	987	662	553	2096	2619

अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्-बम्बई

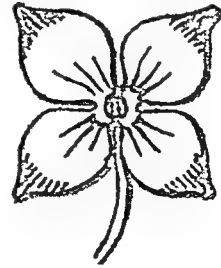
परिषद् के शाखा कार्यालय एवं प्रतिनिधी मण्डल

प्रधान कार्यालय:—अ भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्

संयोजक—श्री बाबूलाल जैन “उज्ज्वल”

105, तिरुपति अपार्टमेंट्स, आकुर्ली क्रोस रोड न. 1

कादीवली (पूर्व) बम्बई-400101 फोन न 681278

शाखाएँ	प्रतिनिधि
(1) पाली-मारवाड़ (राज.) श्री मुन्नालाल लोढा “मनन” मुराना मार्केट के पास, पाली-मारवाड़ (राज) 306401	1. श्री बाबूलाल पोरवाल (जैन) 26/बी, राधानगर, इन्दौर-452001 (म प्र)
(2) बैंगलौर (कर्नाटक) श्री ज्ञान राज मेहता ‘वकील’ c/o जी आर मेहता एण्ड क, 80, एवेन्यू रोड, 1 माला, बंगलौर-560002 (कर्नाटक)	2. श्री जेठमल डागा पाली-मारवाड़ (राज) 3. श्री प्रकाशचन्द पटवा (अध्यापक) बैंगलौर (कर्नाटक)
(3) मद्रास (तमिलनाडू) श्री एस लालचंद बागमार फाइनैन्सियर्स, 80, ओयडप्पा स्ट्रीट, साहूकार पेठ, मद्रास-600079 (कर्नाटक)	4. श्री गौतम चन्द ओस्तवाल बैंगलौर (कर्नाटक) 5. श्री प्रवीण भाई एच शाह गोरेगाँव-बम्बई (महा)
(4) गौहाटी (आसाम) श्री कँवर लाल वेताला श्री ज्ञानचंद धर्मचंद वेताला मोटर फाइनैन्सर्स, ए टी रोड, गौहाटी (आसाम) 781001	

नोट—शाखा कार्यालय एवं प्रतिनिधि के इच्छुक महानुभाव परिषद् के प्रधान कार्यालय से सम्पर्क करें।

पिपद
पिपद क मभी सदस्यगण

समग्र जैन समुदाय से एक विनम्र अपील

आपको हमारा यह अष्टम वर्ष का समग्र जैन चातुर्मास सूची का प्रयास कैसा लगा ? यह तो आपको विदित ही है कि हम विगत 7 वर्षों से सिर्फ स्थानकवासी सम्प्रदाय की ही चातुर्मास सूची एव चार्ट का प्रकाशन निरन्तर करते आये हैं। जैन समन्वय एकता वर्ष के उपलक्ष में सभी महानुभावों शुभ चित्तको के अनुरोध से हमने समग्र जैन सूची का कार्य हाथ में लिया। यह कार्य हमारे लिए एक दम नया, कठिन एव कसौटी जोखिम भरा कार्य था परन्तु देव गुरु धर्म पूज्य मुनिराजो/महासतियोंजी म सा एव आप सभी शुभ-चित्तको के आशीर्वाद से यह कार्य पूर्ण हो पाया है पूर्ण भी इतना हुआ है जिसकी हमें कल्पना भी नहीं थी हमें विश्वास ही नहीं था कि हमें प्रथम वर्ष ही पूर्ण सफलता मिल जावेगी आप सब ने हमें जो हार्दिक सहयोग तन मन धन से प्रदान किया है उसका हम आपके बहुत-बहुत आभारी हैं।

स्थानकवासी सम्प्रदाय की जितनी जानकारियाँ हम यहाँ दे पाये हैं उतनी जानकारियाँ इसमें अन्य समुदायों की अबकी बार नहीं दे पाये क्योंकि स्थानकवासी सम्प्रदाय की तो जानकारियाँ हमारे पास विगत 8 वर्षों से निरन्तर प्राप्त होती रही हैं परन्तु अन्य सम्प्रदाय तो हमारे लिए एक दम नये हैं। अन्य सम्प्रदायों की अधिक जानकारियाँ तो क्या पूरे ठाणाओं, स्थलों की चातुर्मास सूचीयाँ भी प्राप्त नहीं हुई। तो भला हम क्या सकलन कर सकते हैं न सारिणीयाँ, तालिकाएँ ही बना सकते हैं न ही टकावारी प्रतिशत ही निकाल सकते हैं फिर भी जितनी हम से हो सकी उतनी ज्यादा नहीं तो थोड़ी ही सही कुछ तो जानकारियाँ प्रथम वर्ष के अवसर पर आपके सन्मुख पेज की हैं।

सभी जैन सम्प्रदायों के सभी पूज्य आचार्यों, मुनिराजो, माध्वीयो जी म सा, श्री सधो, हितेपी धर्म प्रेमी बंधुओं एव सभी कार्यकर्ताओं से नम्र निवेदन है कि भविष्य में अपने अपने समुदायों के चातुर्मासों की सूचियाँ अष्टम मुर्दा 15 तक तो अवश्य तैयार करवाकर भिजवाने की कृपा करावे ताकि हम चातुर्मास प्रारम्भ होने तक इसे

आपके व समाज के हाथों में प्रस्तुत कर सके दूसरी नम्र विनती आप सभी से यह है कि जिस तरह की स्थानक-वासी सम्प्रदाय की सूची है वैसी ही सूची अभी से तैयार करने की कोशिश करे ताकि उस वक्त व्यस्तता से पूरी सूची में वचित नहीं होना पड़े। सभी समुदाय के सभी ठाणाओं के नाम चातुर्मास स्थल, पता, यातायात, दीक्षोत्सव, कालधर्म सूची आदि की सूचनाएँ सूचियाँ अवश्य भिजवाने की कृपा करावे। जब आप अपनी अपनी सूचीयाँ ही चातुर्मास प्रारम्भ होने के 20-25 दिन बाद हमें भिजवाते हैं तो क्या सूचियों की प्रेस कापी करने वो छपाने में टाइम नहीं लगता है तो फिर हमें क्यों कहते हो कि सूची पुस्तक इतनी जल्द क्यों छपी।

तैल तो तिलों से ही निकलेगा जब आप ही देर कर देते हैं तो स्वभाविक ही है गाड़ी जल्द होती चली जाती है। आपको शेषकाल का 8 माह का वक्त मिलता है आप होली, महावीर जयंती या अक्षय तृतीया तक तो भावी चातुर्मास का निर्णय ले ही सकते हैं तो फिर देरी करने से क्या फायदा। स्थानकवासी सम्प्रदाय में बृहद् गुजरात सम्प्रदाय में तो चातुर्मास घोषणाएँ शीघ्र ही हो जाया करती हैं। आप उसमें अवश्य मुधार कर लेवे। आप कहेंगे कि चातुर्मास प्रारम्भ के दिन तक काफी परिवर्तन हो जाता है तो उसका भी एक उपाय है आप उस क्षेत्र के बारे में अलग सूचना कार्यालय को दे सकते हैं।

हम समयाभाव के कारण जितनी हम जानकारियाँ सूची में देना चाहते हैं उतनी जानकारियाँ आपको नहीं दे पाते हैं। सभी जानकारियाँ बना नहीं पाते बना भी लेते हैं तो अधूरी रह जाती है, या फिर स्थानाभाव समयाभाव के कारण बीच में रोक देनी पड़ती है। हम अममर्थ हो जाते हैं। उधर आपकी सूचियाँ आती हैं, उधर प्रेस कापी करने, छपाने, प्रुफ चेक करने का कार्य रहता है तो उधर समय भी निकलता जाता है। सभी को पुस्तक की इन्तजार रहती है। तो अब आप ही विचार करे कि आपकी देरी के खातिर आगे

अनुक्रमणिका सूची

(1) अ. भा. श्वे. स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय के चातुर्मासों के गाँवों/शहरों की अनुक्रमणिका सूची

गाँवों-शहरों के नाम		पृष्ठ संख्या	गाँवों-शहरों के नाम		पृष्ठ संख्या
राजस्थान प्रान्त			(झ) झाब		69
(अ) अलवर	50		(ट) टाटोटी		51
अलाय	61		(ड) डूंगला		33
अजमेर	72,77,83,84		डाणियो की कोटडी		34
अकलेरा	43		डवोक		12
(आ) आबू पर्वत	83		(द) देवगढ		63
(उ) उदयपुर	9,11,20,60,61,70		देशनोक		64,68,83
(क) कोटा	18,49		(न) नागौर		52,53
कुशालपुर	53		नानणा		52
कानोड	55		नोखामंडी		58,68,83
कोरणा	69		निम्बाहेडा		17,63
कवलीयास	74		नाई		73
केकड़ी	74		नाथद्वारा		10
कपासन	33		निम्बली		36
कर्मावास	36		(प) पीपाड सिटी		49,50
कुण्डेरा	61		पावटा		50
(ख) खीचन	66,72		प्रतापगढ		6,60
खेमली	2		पाली (मारवाड)	9,10,35,36,46,67,71	
खण्डप	11		पाटोदी		67
(ग) गंगाशहर	61,71		पादरु		68
गंगापुर (भीलवाड़ा)	57		(ब) व्यावर		26,57,58,95
गढ़ सिवाना	68		बडीसादडी		16,57
गंगरार	33		वालेसर		63
(च) चिकारड़ा	58		वाडमेर		67
चित्तौड़गढ़	16,63		वावरा		94
चौमहला	43		वालोतरा		41,66,71,96
(ज) जयपुर	79		विलाडा		35
जोधपुर	15,40,46,50,52,53,66,67,71		वीकानेर		55,57
जालौर	47,68		वीगोद		34

गावो-शहरो के नाम	पृष्ठ संख्या	गावो-शहरो के नाम	पृष्ठ संख्या
(भ) भोपाल सागर	59	(उ) उज्जैन	13,17,45
भवानी मंडी	67	(क) करही	81
मीनासर	57	कडवासा	34
भोपाल	77	(ख) खिडनिया	64
भादसोडा	20	खैरागढ़	64
भीटा	21	खाचरौद	40,45
(म) मथानिया	73	(ज) जावरा	14,18,57
मगलवाट	74	(घ) मावुआ	40
मसूवा	78	(त) ताल	73
मदनगज	1522,33	(द) दुर्ग	70
मेडतामिटी	45	देवाम	39
(र) रायपुर-भारवा	52	(ध) धार	81
रोहट	68	(न) नारायणगढ़	67
राशमी	16	(प) पिपत्या गाव	56
राणी दशीपुरा	9	(ब) बालोद	70
राजकरेडा	20	बडाद	72
(व) विजयनगर	49,77	बामनिया	39
(श) श्यामपुरा	59	उदनावर	40
(न) सोजतसिटी	71	(भ) भोपाल	73
सोजत रोड	53,56	(म) मन्सीर	18,56,58
सोमसर	60	महिदपुर	73
मवाईमाधोपुर	15,16,19	मेघनगर	37
मनबाड	66	(र) रायपुर	52
साबोर	72	रतलाम	13,19,37,38,39,56,59
मरेगी	72	रावटी	72
मरवाड	74	रामपुरा	17
सायरा	11	(व) वडवाह	83
ममदडी	9,10	(श) शाजापुर	8
माडेराव	22	शुजालपुर	38
सादडी मारवाड	36,46	शिवपुरी	41
(ह) हरभाडा	22	(म) मरवानिया महाराज	57

मध्यप्रदेश प्रान्त

गाँवो-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवो-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
सीतामऊ	63	नान्दगांव	14
सिगोली	15	नागपुर	41
(ह) हरसूद	32	(ब) बम्बई-	2, 11, 14, 28, 43, 82, 91, 92, 93, 96,
हाटपिपल्या	17		102, 103, 105, 106, 110, 111, 113, 114,
हातोद	20		115, 118, 119, 124, 125, 128
महाराष्ट्र प्रान्त		(भ) भिवानी	3
(अ) अनकाई	90	(म) मालेगाव	69
अहमदनगर	1, 27, 18, 43	मिरी	4
अकोला	42	मनमाड	4
(आ) आलन्दी	7	(प) पूना-	7, 13, 14, 25, 31, 37
आश्वी	7	परभणी	42
(उ) उमराणा	70	परली बैजनाथ	42
(ई) इंचलकरजी	3	पीपलगाव बसवंत	41
(औ) औरंगाबाद	37, 41	(फ) फतेहपुर	69
(क) करमाला	63	(य) यवतमाल	42
कोल्हापुर	104	(र) राहूपिपलगाव	5
कुर्दुवाडी	42	राहता	1
(घ) घोडनदी	3, 6, 10, 76	(ल) लोणार	60
घोटी	7	लासूर स्टेशन	70
(च) चादबड	27	(व) वाई	111
(ज) जलगाव	55, 60	वडेल	7
जालना	7, 11	बड़गाव शेरी	4
जयसिंगपुर	43	वार्शी	43
जयलिंग	104	(श) शोलापुर	48
(द) दोडाइचा	69	(स) सिरपुर	59
देवलाली	6, 43	सटाणा	17
दौंड	32	सगमनेर	39
देवला	70	सेदाणा	42
(ध) धूलिया	14	(श्र) श्री रामपुर	50
(न) नंदुरवार	56	श्रीगोदा	4

गाँव-शहरो का नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवो शहरो के नाम	पृष्ठ संख्या
गुजरात प्रांत		(छ) छसरा	120
(ज) अहमदाबाद	99,101,104,105,108,109, 110,111,112,116,125,126	(ज) जामनगर	89,90,91,92,96 93,94,104
अजार	104	जूनागढ़	98
अम्नावाडी		जेतपुर	113
अमरेली	95	जोरावरनगर	96
(आ) आणंद	93	(ढ) ढसा जक्शन	93
आधोई	101	(ध) धात्री	94
आरीखाणा		धौराजी	95,105
(इ) इटोला	112	धोल	91
(उ) उपलेटा	90	धधुवा	92
ऊना	96	ध्रागध्रा	100
(क) कालावड शितला	91	धानेरा	3,22,47
कृष्णनगर	105	धोलका	102
ककरवा	102	(त) तलवाडा	117
कलोल	112	(द) देशलपुर	121
काडागरा	117	दामनगर	127
कपाया	119	(थ) थानगट	95
कुडराडी	121	(न) नन्दासर	103
कारागागा	121	नविनाल	117,121
(क) कठाड	117	नाना भाडिया	118
(ख) खभा	95	नवमारी	115
खभात	93	नविनार	
खेडा	125	नडियाद	124
(ग) गाडल	89,93,128	(व) वीलखा	93
गागादर	100	वगमरा	91
गुदाला		विछिया	161
गुदियाला	100	वडादा	127, 169
गाधरा	106	वावी	118
गेलटा	121	विडदा	119
गडडा स्वामीनारायण	127	वदवाण शहर	119,113
(न) चूडा	100	वावानगर	114
चोटीसा	101	वेराजा	122
		वाराडी कच्छ	122

गाँव-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँव-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
बोटाद	126	लिम्बड़ी	98, 103, 105, 114
बरवाला	130	लिमड़ा	101
बोडेली	102	लखतर	109
(भ) भाणवड	92	लुणी	117
भुज	99, 104, 118, 122	लाखापुर	118
भचारु	99, 106	लीलियामोटा	96
भावनगर	92, 102, 130	(व) बड़ीया	89
भोजाय	119	वेरावल	95
भुजपुर	119	वीसावदर	94
(म) मनफरा	103	बोडेली	
माधापुर	105	विरमगाव	115
मोरवी	47, 100	वडाला	121
माँडवी कच्छ	106, 117	वापी	64
मून्द्रा	118	(स) सिद्धपुर	90
मोखाकच्छ	122	सावर कुण्डला	94
मोंगरोल	128	रुवई कच्छ	98
(प) पालियादं	92	रामाघोषा	99
पाटण	92	सरा	100
पाटडी	103	साणन्द	109, 125
पालनपुर	108	सूरत	108
प्रान्तीज	112	सायला	111, 113
पीज	110	सुरेन्द्रनगर	113, 115
पत्री	120	साडाऊ	122
प्रतापुर	122	सजेली	130
प्रगापुर		(त्र) त्रम्बो	101
(र) राजकोट	90, 91, 92, 94, 96, 128, 129	चंडीगढ़ प्रान्त	
रव	98	(च) चंडीगढ़	23, 30
रताडिया	101	पंजाब प्रान्त	
रापर	99	(अ) अहमदगढ़ मर्ठा	32
रतनपुर	106	अमलोह	28
राणपुर	126	अहियापुर	26
(न) लानपुरा	92	(घ) ग्ररड़	30
लाकडिया	98	(ज) जलिन	

गाव-शहर के नाम	पृष्ठ संख्या	गाव-शहर व नाम	पृष्ठ संख्या
(ड) टेरावर्सा	29	(ट) टोहना	53
(घ) धूरीमडी	30	(भ) भिवानी	24
(भ) भटिण्डा	26,32	(म) मुलाना	27
भार्दवा	48	(र) रोहतक	28
(म) मालेर काटला	23,30	राहतक मडी	79
मूनक	25	(म) सिरसा	29,79
मडी गिदडवाहा	24	सानोपत शहर	29
मारिण्डा	25	सपीदोमडी	28
(प) पटियाला	31		
(ब) बनूड	30	आसाम प्रान्त	
बलाचार	26	(ग) गुवाहाटी	2
(र) रापड	5		
रायकोट	24	तमिलनाडु प्रांत	
राजपुरा	25	(उ) उटकमड	61
रामाभडी	32	(क) कुनुर	65
(ल) लुधियाना	23,28	(घ) मद्रास	17,18,61,47,94
(श) शिवपुरी	24	(त) तिरुपतूर	5
(म) सुन्दरनगर	31		
सगरूर	31	उडीसा	
समाना	32	(ख) खरीयार रोड	70
सरदूलगढ	27	(ब) बालेसर	95
		(र) राकरकेना	101
हरियाणा प्रान्त			
(अ) अम्बाला शहर	23,28	बिहार प्रान्त	
(उ) उकलाणा	80	(भ) भिलाई	14
(क) कैंथल	16	(म) मधुवन शिखरजी	2,37
कालका	25	(प) पेटरवार	89
करनाल	28	(ब) विरायतन राजगृही	75
गुरक्षेत्र	31	(घ) घनबाद	94
(ग) गझौर	24,28		
गुज्जरखेडी	32	कर्नाटक प्रान्त	
गुडगाव	25,18	(ब) बडूर	5
(ज) जीद	79		

गाँव-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवो शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
(र) श्रीरामपुरम	59	(छ) छपरोली	73
(व) बैगलौर	62, 95, 96	(द) दोघट	73
(म) मैसूर	18	(ब) बडोत	62, 27, 79
(स) सिधनूर	45	(म) मेरठ शहर	26
(ह) हुबली	56	बंगाल प्रान्त	
उत्तर प्रदेश प्रान्त		(क) कलकत्ता	96
(आ) आगरा	47, 75	(भ) भवानीपुर	14
(क) कानपुर	6	दिल्ली प्रान्त	
कांघला	11	(द) दिल्ली	23, 24, 25, 26
			27, 28, 29, 30, 31, 47, 75, 83, 84

(2) अ. भा. श्वे. तेरापंथी एवं नव तेरापंथी सम्प्रदाय के चातुर्मास स्थलों की गाँव-शहरों की अनुक्रमणिका सूची

गाँवों-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवो-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
राजस्थान प्रान्त		गगापुर (भीलवाडा)	143
(आ) आत्मा	143	गडबोर	143
आमेट	143	गोगुन्दा	144
आसीन्द	144	(च) चुरू	141
आदर्शनगर (सवाई माधोपुर)	145	चाडवासा	141
(ई) ईडवा	140	(छ) छोटी खाटू	139
(उ) उदासर	140	छापर सेवा केन्द्र	141
उदयपुर	144	(ज) जोधपुर	139
(क) कालू	141	जसोल	139
केलवा	144	जोजावर	139
काकरोली	144	जयपुर	145
(ख) खिवडा	140	(ट) टमकोर	145
(ग) गंगाशहर	142	टाडगढ़	145
श्री गंगानगर	142		

गाँवों शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवों शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
(ड) डिडवाना	139	रिछेड	143
टुंगरगढ	140, 141	राजाजी का करेडा	143
(त) तांग नगर	141	रावलियागडी	144
(थ) थामला	144	रेन मगरा	144
(द) देशनोक	142	(स) लाडन्	139
देवगढ	143	लाम्बोडी	143
(न) नादेशमा	143	लाछुडा	144
नाथडारा	144	नुनकरगमर	140
नोगामण्डी	141	(व) बोरियापुर	143
बोहर	141	(म) सरदारपुर	140
(प) पीपाड मिटी	140	समदडी	140
पाली	140	मोजतमिटी	140
पचपदरा	140	सरदार शहर	142, 152
पीली बगा	142	मादुलपुर	141
पडिहार	142	भुजानगड	141
पुर	142	सगरियामण्डी	142
पहुना	144	सायरा	143
(फ) फतेहपुर	145	सरदारगढ	144
' फिनार	148	मिमोदा	144
(ब) बोरामड	139		
बालोतरा	139		
बीकानेर	142	मध्यप्रदेश प्रान्त	
बाडमेर	139		
बीदामर	142	उज्जैन	145
बरार	143	जानद	145
ब्यावर	145	पेटनावद	145
(भ) भीनासर	142	इन्दौर	145
भीलवाडा	144	रतलाम	145
(म) मोमासर	141		
(र) राणावाम	140	गुजरात प्रांत	
राजलदेमर	141	उधना (सूरत)	146
राजगढ	141	अहमदाबाद	146
रतनगढ	142	पेंड ब्रह्मा	146
राजनगर	143	भुज	146
		वाव	146

गाँवों-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवों-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
महाराष्ट्र प्रान्त		दिल्ली प्रान्त	
शाहदा	146	अणुन्नत नईदिल्ली	149
वम्बई	146	अशोक विहार दिल्ली	149
जालना	146	नेपाल राज्य	
धूलिया	146	विराट नगर	149
पंजाब प्रान्त		बंगाल प्रान्त	
सुनाम	148	कलकत्ता	147
फिलोर	148		
धूरी	148, 152	आसाम प्रान्त	
संगरूर	148, 149	वर पेटा	147
जगराओ	148	गुवाहाटी	147
गोविन्दगढ मण्डी	148	बिहार प्रान्त	
वरनाला	148	पटना	148
अहमदगढ मण्डी	148		
हरियाणा प्रान्त		उत्तरप्रदेश प्रान्त	
नरवाना	148	मुज्जफर नगर	148
भिवानी	149		
उकलाना	149	आन्ध्रप्रदेश प्रान्त	
हाँसी	149	हैदराबाद	147
अचाना मण्डी	149		
सिरसा	149	कर्नाटक प्रान्त	
कालावाली	149	चिक मगलूर	147
जीन्द	149		
हिमार	149, 152	तमिलनाडु प्रान्त	
उमरा	149	मद्रास	147
		उड़ीसा प्रान्त	
		टिटलागढ	147



(3) अ. भा. मूर्तिपूजक जैन सम्प्रदाय के चातुर्मासो के गाँव, शहरो की अनुक्रमणिका सूची

गाँवो शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवों शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
(ज) अहमदाबाद 155, 156, 159, 160 161, 162		(ञ) उज्जयिनी 176, 189	
163 164, 165, 166, 167, 168, 169		उज्जैन 181	
170 172, 173 175 176 177 179,		उरण 204	
179 180, 182 184 186, 187 188,		उमरगाई 192	
191, 192, 197, 198, 199, 201, 202,		उनावा	
203 205, 206, 208, 209, 210, 211,		उना 174, 177	
213, 215, 216 217, 218, 220 222,		(ड) कपडवाज 174, 175, 178, 182	
223, 224, 225, 226, 227, 228 229,		कुतुर 208	
230		कमोल 178	
अकेश्वर 171		कौम 178	
अरणोद 183		कटामण रोड 180	
अम्बाना मिटी 192		कानवन 181	
अमरेली 194, 226		कमराबद 182	
अमरावती 195		कनारगाम 183	
अहमदनगर 156, 210		कुमाना 188	
अजगरवच्छ 217		करबटिया 189	
अमलनेर 164		कलवत्ता 159 204, 220	
(झ) धाणद 168, 172		कोशेलाव 206	
आलोड 174		कोट बालीयान 207	
आदरियाणा 179		कोयम्बतूर 158	
आगर 181		कोल्हपुर 161, 165, 210	
आहोरा 202		कगारा	
आकाशा 191, 195		कोटडावच्छ	
आमाद 156		काडामरा	
आप्टा 159		कोडाम वच्छ	
आघाई 217		कोठरा वच्छ	
आगरा 220		कजत 160, 220	
औरंगाबाद 222		(घ) खभात 160, 163, 164, 169, 171, 176, 180,	
(ङ) इन्दौर 175, 180, 189, 228		216	
ईडर 208, 209		खेडा 171	

गांवों-शहरों के नाम		पृष्ठ संख्या	गांवों-शहरों के नाम		पृष्ठ संख्या
		157	मेमदपुर		213
		148,218	महुडी		198,199
		159	माणसा		200
		160,217	मालगाव		156,201,209
			मधुर नगर		195
		224	मद्रास		156
		204	माडवी		215,217
		163	मनफरा		215,218
(भ)	भावनगर	166, 167, 168, 222, 225	मुन्द्रा		215,218
	भिवण्डी	158,179,211	मोटा आसबिया		
	भुज कच्छ	182	माडल		
	भद्रावती	198	मेराउट कच्छ		
	भडारिया	196	मकडा कच्छ		219
	भावर	158	(य) येवला		158,161
	भरुच	209	(र) राजकोट		155,203,216,222
	भिलण्डी यात्री पेढी	161	रतलाम		160,163,176
	भचाऊ कच्छ		रामपुरा (म.प्र.)		177
	भरुकिया	217	राजगढ़		178
	भीमासर कच्छ	217	रोगाव		179
	भुजपुर कच्छ	217	रामगजमडी		181
	भुज कच्छ	217	रीछेड		182
	भीनमाल		राणपुर		184
(म)	मोरवी	167,173,216	देवदर		190,202
	महुआ	156,176,221	रायपुर		219
	मढी	178	रामसीणा		202
	मालवाडा	179,186,228	राधनपुर		157,204,216,217
	मन्दसौर	181,189	राणी		159
	महिदपुर	181	रापर कच्छ		218
	महेसाणा	182,199,204,211,213	रायण कच्छ		
		221	रायचूर		
	मडवारिया	188	रगपुर		
	मंडार	189	राजपुर		231
	मालेगाव	194	(ल) लोडाई		218
	माडवला	157,201	लोहरा		178
	मधुवन शिखरजी	212	लुणावड़ा		189
	मागरोल	212	लाठारा		191

गाँवो-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवो-शहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
नीमच	181	प्रान्तीज	199
नवखेडा	182	पिशागन	195
निम्नज	188	पिडवाडा	157
नाणातीथ	202	पोसालिया	158
नासिक सिटी	157, 164	पादरा	160
नखत्राणा	212	पोपनाद	208
नाडील	192	पालोसवा	215
नकोदर	191	प्रागपुर कच्छ	218
नागोदना	193	पिपवाडा	164, 204, 229
नागपुर	192	पचपादरा	222
नागौर	193, 196	(फ) फालना	202
नाणा	196	(व) बम्बई— 155, 157, 158, 159, 160, 162,	
नडीयाद	156	163, 164, 165, 166, 167, 168, 169,	
नवाडीसा	157, 215, 216	170, 171, 172, 174, 175, 176, 179,	
नादलोई	157, 162	180, 185, 186, 187, 190, 193, 194,	
नर	158, 161	197, 198, 204, 205, 208, 210, 211,	
नाकादा	215	212, 219, 221, 222, 223, 225, 226,	
नाणावट	166	227	
नादेण	218	वारसद	159, 171, 175, 217
(प) पालीताणा— 16, 161, 162, 164, 166, 168,		वडोदा— 159, 171, 192, 193, 219, 220,	
169, 170, 171, 174, 175, 178, 180		221, 222	
182, 183, 184, 189, 192, 193, 194,		बावानेर	174
195, 198, 200, 201, 202, 205, 206,		बारडोली	160, 178
207, 210, 211, 213, 216, 219, 220,		बडौत	180, 194
221, 222, 223, 224, 225, 226		बुहारी	183
पालनपुर— 168, 172, 174, 195, 213,		बैल्लारी	227
216, 226		बेडा	188
पानडी	186, 188, 211	बरलुट	188
पाली मारवाड	228	बडगाव	189
पूना— 156, 159, 160, 175, 191, 194,		वामणवाटा तीथ	202
222		माली	166, 203, 206
पाटण— 155, 161, 163, 176, 177, 179,		बीजापुर	197, 199
203, 204, 217		बटवा	199
पारवन्दर	179	बंगलार	196
पुरण	189	बारसी	196
पाटडी	201		

गांवों-शहरों के नाम		पृष्ठ संख्या	गांवों-शहरों के नाम		पृष्ठ संख्या
	वोरडी	157		मेमदपुर	213
	वढवाण शहर	148,218		महुड़ी	198,199
	वारेजा	159		माणसा	200
	बोटाद	160,217		मालगाव	156,201,209
	बाडा कच्छ			मधुर नगर	195
	बीलीमोरा	224		मद्रास	156
	बीकानेर	204		माडवी	215,217
	व्यावर	163		मनफरा	215,218
(भ)	भावनगर	166, 167, 168, 222, 225		मुन्ना	215,218
	भिवण्डी	158,179,211		मोटा आसबिया	
	भुज कच्छ	182		माडल	
	भद्रावती	198		मेराउट कच्छ	
	भंडारिया	196		मकडा कच्छ	219
	भावर	158	(य)	येवला	158,161
	भरुच	209	(र)	राजकोट	155,203,216,222
	भिलण्डी यात्री पेढी	161		रतलाम	160,163,176
	भचाऊ कच्छ			रामपुरा (म.प्र.)	177
	भरुकिया	217		राजगढ़	178
	भीमासर कच्छ	217		रोगाव	179
	भुजपुर कच्छ	217		रामगजमडी	181
	भुज कच्छ	217		रीछेड	182
	भीनमाल			राणपुर	184
(म)	मोरवी	167,173,216		देवदर	190,202
	महुआ	156,176,221		रायपुर	219
	मढी	178		रामसीणा	202
	मालवाडा	179,186,228		राधनपुर	157,204,216,217
	मन्दसौर	181,189		राणी	159
	महिदपुर	181		रापर कच्छ	218
	महेसाणा	182,199,204,211,213		रायण कच्छ	
		221		रायचूर	
	मडवारिया	188		रगपुर	
	मडार	189		राजपुर	231
	मालेगाव	194	(ल)	लोडाई	218
	माडवला	157,201		लोहरा	178
	मधुवन शिखरजी	212		लुणावड़ा	189
	मागरोल	212		लाठारा	191

गावा सहरों के नाम	पृष्ठ संख्या	गावों सहरों के नाम	पृष्ठ संख्या
लुप्रिमाना	191	सुमेरपुर	174, 179, 202, 228
निम्बडी	155 216	मिद्धपुर	176
नुणावा	158 163	मिव दरावाद	181
लाकडिया	217	सूचा	183
(ब) वामनगर	174, 204	मिगपुर	183
बामद	179	माचौर	231
बालगर्ट	202	नारणपुर	
बिमलपुर	205	मिराना	201
बिगमगाव	198	माणद	161, 199
बटाती	157, 164	मावर वृडना	159, 163
बार्ट		मावरकाटा	199
बाब	159, 217	मेवाडी	192
बराबन	218	नाम खियाली कच्छ	218
बाट कच्छ		मानलपुर	218
बाली	157, 162	मामरार्द कच्छ	
बनमाट	165	मुयवर्द कच्छ	
(ग) शाजापुर	181	मगियद	162
शाहपुर		मुलानपुर	226
शिवगज	203, 229	(ह) हामवेद	227
मिहोरी	213	हिम्मत नगर	185, 189
शेगडी कच्छ		हस्तिनापुर	192
(म) मूरत 156, 164 169, 171, 174, 175,		हामन	195
179, 183, 188, 202, 204, 205, 209,		हालार	159
221, 225, 228		हि जामिटी	208
मिराही 167 185 188 205		हलरा कच्छ	218
मुनेन्द्र नगर 157, 164, 168, 173, 224,		हलबद	218
225		हानापुर	
मादडी 229		हदरावाद	224, 225



(4) अ.भा. दिगम्बर सम्प्रदाय के चातुर्मास स्थलों की गाँव शहरो की अनुक्रमणिका सूची

गाँवो-शहरो के नाम	पृष्ठ संख्या	गाँवों-शहरो के नाम	पृष्ठ संख्या
(अ) अहारजी	273	नासिक	274
अजमेर	273,278	निमाज	276,277
अहमदाबाद	276	(प) पाडिचेरी	276,277
(आ) आरा	273	पर्पोराजी	274
(इ) इन्दौर	275	प्रतापगढ़	274
(ए) एलोरा	278	पिडावा	
(उ) उदयपुर	273	(फ) फिरोजाबाद	274
उज्जैन	274	(व) बडा	274
उस्मानाबाद	276	बाहुबली (कोल्हापुर)	274
(क) कोटा	275	बाहुबली (महाराष्ट्र)	
काँधला	276	बम्बई	275
कोथली	274	बडौत	277
कूण	277	(म) मधुबन शिखरजी	273,274,275
(ख) खतौली	276	मद्रास	
(ग) गाजियाबाद	271	मुजफ्फरनगर	275
गाधीनगर (गुज)	275	श्री महावीरजी	278
(घ) घाटोल		मण्डला	276
(च) चनानी	274	मदनगज	277
चादखेडी		(र) रत्नजयपुरी	273,277
(छ) छिदवाडा	276	(ल) ललितपुर	276
(ज) जहेर		(ल) विजयनगर	277
(झ) झुमरी तिलैया	276	(श) शिवपुरी	274,277
(ट) टोक	276	शाहपुर	
(ड) डूंगरपुर	275	(ह) हिस्मतनगर	273
डोगरगाव	276	हस्तिनापुर	277,279
(द) देहरादून	273	(स) सुजानगढ़	273
दिल्ली	275	सोनगिर सिद्धक्षेत्र	
(न) नैनवा	275	सिवनी	275
निवाई	277	सेडवाल	273
नागपुर	274	(त्र) त्रापज	214

आवश्यक सूचना

सभी महानुभावों को समग्र जैन चातुर्मास सूची 1986 की पुस्तक एव चार्ट विलम्ब से मिलने के कारण कितना दुःख हो रहा होगा। नईदुनिया प्रिन्टरी, इन्दौर में एक माह से निरन्तर रात दिन एक करके भी आपकी जिज्ञासा की पूर्ति नहीं कर पा रहा हूँ। इसी बीच हमारे परिवार में एक घटना घटित हो गयी। मेरे पूज्य काकासा श्रीमान रामनारायण जी सा जैन (हलवाई) का चौथ का बरवाडा में दिनांक 28-8-1986 को अल्पायु में देहावसान हो गया। मुझे भी इन्दौर से चौथ का बरवाडा जाना पडा और पुस्तक एव चार्ट के कार्य काममत्तय समय मुझे कुछ उस कार्य में भी लगाना पडा। फिर भी जितनी हो सकी उतनी जल्दी से जल्दी पुस्तकें एव चार्ट आपकी सेवा में प्रस्तुत करने की पूरी कोशिश की गयी है।

अतः मुझे सभी महानुभावों से यही आशा है कि मेरी मजबूरी को देखते हुए पुस्तक एव चार्ट विलम्ब के लिए मुझे अवश्य क्षमा प्रदान करेंगे। इसी आशा के साथ।

—विनित—

बाबूलाल जैन “उज्ज्वल”

सम्पादक-संयोजक

जैसे मातृन घृत ही है पर, तप कर विशुद्ध बन जाता है।
यों तप ने कम जनें तर, जल्मा, परमात्मा बढ्ताता है ॥

हादिक शुभकामनाओं सहित—

शान्तीलाल चौरडिया

Phone 22082

M/s. SHANTHI TEXTILES
Wholesale Fancy Piece Goods Merchants
87/5, GODOWN STREET MADRAS 600 001 (T N)

णमो लोए मध्वमाहूण

मे. एस. एस. इटरप्राइजेस
मे श्री महावीर पोली प्लास्ट इडस्ट्रीज

इडिस्ट्रीयल एरिया, 'ए' सेक्टर, सावर राड इंदौर (मध्यप्रदेश)

जामिम—118 गिवाजी मार्केट, इंदौर 452007

टेलीफोन नं 21273 22448 452007
21664 33109 31337 21207



भाग—द्वितीय

श्वेताम्बर स्थानकवासी सम्प्रदाएँ

* श्रमण संघ

* स्वतन्त्र सम्प्रदाएँ

* वृहद् गुजरात सम्प्रदाएँ

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

**MOHAN ALUMINIUM
PRIVATE LIMITED**
(A PREM GROUP CONCERN)

Regd Office

228, Upper Palace Orchards, Sadashivnagar,
BANGALORE-560 080
Tel 360302 & 365272

Admn Office & Works

9th Mile, Old Madras Road
Post Box No 4976
BANGALORE-560 049
Tel 58961 (3 lines) ● Gram "PREGACOY"

City Office

94, 3rd Cross, Gandhinagar,
BANGALORE-560 009
Tel 28170 & 75082
Gram "CABAGENCY"
Telex 0845 8331 PREM IN

MANUFACTURERS OF ACSR AND ALL ALUMINIUM CONDUCTORS

REGISTERED WITH DGTD & D AND LICENCED
TO USE ISI MARK

Associates in **Gujrat, Haryana, Rajasthan & Tamil Nadu**

जैनधर्म दिवाकर, राष्ट्र संत, श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर, महामहिम आचार्य सम्राट पूज्य श्री आनन्द ऋषिजी म. सा. से आज्ञा प्राप्त संत सतीयाँजी

संत समुदाय

ऋषि सम्प्रदाय एवं अज्ञानवर्ती

1. आदिनाथ सोसायटी—पूना (महाराष्ट्र)

1. जैन धर्म दिवाकर, राष्ट्रसंत, श्रमण संघ के
द्वितीय पट्टधर, आचार्य सम्राट पूज्य
श्री आनन्द ऋषिजी म० सा०

2. नेवामूर्ति श्रीचन्द्र ऋषिजी म.सा.

3. मधुर वक्ता सचिव श्री कुन्दन ऋषिजी म.सा.

4. प्रबुद्ध वक्ता श्री आदर्श ऋषिजी म.सा.

5. प्रबुद्ध विचारक श्री प्रवीण ऋषिजी म.सा.

6. तपस्वी श्री ब्रह्मा ऋषिजी म.सा.

7. बाल संगठक श्री कुन्द ऋषिजी म.सा.

8. सेवामावी श्री कनक ऋषिजी म.सा.

9. विद्याभिलाषी श्री अश्वय ऋषिजी म.सा.

10. मधुर गायक श्री प्रशान्त ऋषिजी म.सा.

11. मधुर गायक श्री महेंद्र ऋषिजी म.सा.

12. आदर्श त्यागी श्री सज्जन ऋषिजी म.सा.

13. विद्याभिलाषी श्री दीपक ऋषिजी म.सा.

आदि ठाणा (13)

(नाथ में उपाध्याय श्री केवलमूर्तिजी म.सा. के आज्ञा०
श्री हस्तीमलजी म.सा. भी हैं कुल ठाणा (14)

पता:—श्री आदिनाथ स्थानकवासी जैन श्रावक संघ,
आदिनाथ सोसायटी, पूना मतारा रोड.

(पूना—411037 महाराष्ट्र)

फोन नं० 37778

भोजन एवं आवागम व्यवस्था:—आदिनाथ सोसायटी में
स्थानक के पास है।

साधन:—बम्बई, मद्रास, बेंगलोर, मेन लाइन पर स्टेशन
है, पूना स्टेशन से मिटो बस जाती है।

2. राहता (महाराष्ट्र) :

1. प्रवर्तक पं० रत्न श्री कल्याण ऋषिजी
म० सा०

2. नेवामावी श्री विवेक ऋषिजी म.सा.

3. विद्याभिलाषी श्री तारक ऋषिजी म. सा.

आदिमुनि (3)

पता:—श्री नैनमुखजी सोलंकी,

नृ.पो. राहता जिला अहमदनगर

(महा.) 423107

साधन:—अहमदनगर, पूना, श्रीरामपुर, घोड़नदी नानिक
मनमाड में बसें जाती हैं।

3. अहमदनगर (महाराष्ट्र) :

1. तपस्वी रत्न श्री मंगल मूर्तिजी म.सा.

2. तपस्वी रत्न श्री दर्शन ऋषिजी म.सा.

3. नेवामूर्ति श्री प्यारे ऋषिजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

पता:—श्री व. स्या. जैन श्रावक संघ,
जैन स्थानक, नवी पेठ

अहमदनगर (महा.) ४१४००१

साधन:—बम्बई, पूना, मनमाड, घुमावल, जलगांव,
भोपाल, दिल्ली, सिकन्दराबाद रौंड से सीधी ट्रेन
जाती है।

4. अहमदनगर (महा.) :

1. तपस्वी श्री पुष्प ऋषिजी म.सा.

2. तपस्वी श्री मंगल ऋषिजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

4 अहमदनगर (महाराष्ट्र)

1 तपस्वी श्री पुष्प ऋषिजी म मा

2 तपस्वी श्री मगत ऋषिजी म मा

आदिमुनि (2)

पता—श्री निरान रस्त्या जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड,

परीक्षा बोट भवन, बॉट गाव राह,

अहमदनगर-414001 (महा)

साधन—श्रीमात्र 3 के अनुसार

5 गुवाहाटी (आसाम)

1 मयूर उक्ता गायक श्री विनोद मुनिजी म मा

मुनि 1

(मयूर उक्ता श्री मुमुर मुनिजी म मा के अस्मान्ना)

स्वाभाव के कारण)

पता—श्री ब्रह्मराजजी बेनाता, बेनाता निवास

टोकावाही गोहाटी (आसाम) (1)

चातुर्मास स्थल—श्री ब्रह्मराज म्यानराधामी जैन मध,

“जैन भवन”

बी आर फूकन रोड, रेन्वे गेट न 7

गुवाहाटी-781001 (आसाम)

मा

6 मधुवन गिरजी (बिहार)

1 तपस्वी श्री मुद्रराजजी म मा

2 विद्वत् साहित्यकार श्री नैमीचंदजी म मा

आदिमुनि (2)

पता—श्री पावननाथ सेवाश्रम, जैन भवन,

गिरजी (मधुवन)

जिना गिरिडीह (बिहार)-815329

चातुर्मास स्थल—सम्प्रेत गिरजी नीरंजन जी तटहटी में

स्थित मधुवन म अगम सिद्धिदूक पर स्थित पावननाथ

सेवाश्रम व जन्मगत जैन भवन है।

साधन—जनवाद, गिरिडीह, गैरुमराय, भागतपुर, पटना,

राजी स्टेशन में वैसे जली है।

7 मधुवन गिरजी (बिहार)

1 मधुवन केजरी श्री नवीन मुनिजी म मा

2 सेवाभावी श्री ज्ञानि मुनिजी म मा

आदिमुनि (2)

पता—श्री पाण्डव बन्धु केन्द्र, मधुवन,

मु पा गिरजी जिना गिरिडीह

(बिहार)-815301

साधन—पर्रोत

8 दादर-बम्बई (महा)

1 विद्याभितार्थी श्री पदम ऋषिजी म मा

2 मधुर वना श्री प्रताप ऋषिजी म मा

आदिमुनि (2)

(गुम्मान सम्प्रदाय के ज्ञानाय श्री कान्ति ऋषिजी की सेवा में कुन टागा 5)

पता—श्री उम्या जन आरक मध पाम मंदिर रोड,

पोर्तुगैज चच स्ट्रीट, 12 गम नैन,

दादर (बम्बई) बम्बई-400028 (महा)

साधन—ये बॉरिंगकी चचगेट पर मेट्टन रस्त में बीटी

थापा बन्धु की ट्रेन में लादर जने वहां से पाट

गैज चच के पाम।

9 शेमली (राज)

1 प्रवचन प्रभावकर, बवि श्री पुष्कर मुनिजी म मा

‘मनिन’

2 सेवाभावी श्री बट्टेयानाजी म मा

आदिमुनि (2)

पता—श्री व म्यानबाली जैन आरक मध,

मु पा शेमली जिना उदयपुर (राज)-313201

साधन—चिनाह में उदयपुर जाने वाली रेन्वे लाइन पर

शेमली स्टेशन आता है। स्टेशन में गाव 1 किमी है

उदयपुर में नाथद्वारा भावनी जकान जाने वाली

ममी जमें शेमली होकर जाती है।

महासनीयाजी सम्प्रदाय

10 अहमदनगर (महा)

1 धर्मोद्बुद्ध भान्तमूनि महा श्री शान्तिबुद्धजी म मा

2 सेवाभावी महा श्री विमलबुद्धजी म मा

3 सेवाभावी महा श्री मुमुर बुद्धजी म मा

4 अध्ययन प्रेमी महा श्री दिव्य दगनाजी म मा

5 सेवामूर्ति महा श्री नन्ध दगनाजी म मा

6 सेवाभावी महा श्री पुष्प बुद्धजी म मा

7 सेवामूर्ति महा श्री मुनील बुद्धजी म मा

आदि म मा (7)

पता—श्री व म्या जैन आरक मध, जैन म्यानक,

नवी पेठ, अहमदनगर (महा)-414001

11. इचलकरंजी (महा.) :

1. समतायोग साधिका महा. श्री विनयकुंवरजी म.सा.
2. जैन शासन चन्द्रिका विदुषी महा. श्री प्रमोद सुधाजी म.सा. M. A. P. H. D.
3. तत्व चिन्तन प्रिया विदुषी महा. श्री ज्ञानप्रभाजी म. सा.
"साहित्यरत्न" M. A.
4. अध्यात्म प्रेमी महा. श्री प्रियदर्शनाजी म.सा.
5. सेवामूर्ति महा. श्री सम्यग्दर्शनाजी म. सा
6. तपस्वी रत्न श्री पुष्पचुलाजी म.सा
7. विद्याभिलाषी महा. श्री विराग दर्शनाजी म.सा
8. विद्याभिलाषी महा. श्री श्रुति दर्शनाजी म.सा
9. नवदीक्षिता महा. श्री सुप्रियाजी म.सा
10. नवदीक्षिता महा. श्री पुनीत दर्शनाजी म.सा.

आदि म.सा. (10)

पता—श्री तेजराजजी रूपराजजी बम्बई, कपडे के
व्यापारी, मु. पो. इचलकरंजी
जिला कोल्हापुर (महा.) 416115

चातुर्मास—श्री व. स्था जैन श्रावक सघ
जैन स्थानक, मु.पो. इचलकरंजी,
जिला-कोल्हापुर, (महा.)-416115

साधन.—सागली, माधवनगर, कोल्हापुर, मीरज से बस
जाती है।

12. घोड़नदी (महा.)

1. स्वाध्याय प्रेमी स्थविरा महा. श्री सुशीलकुवरजी म.सा
2. विदुषी महा. श्री जयस्मिताजी म.सा.
3. सेवाभावी महा. श्री सयमप्रीतिजी म.हा.
आदि म. सा. (3)

पता:—श्री भंवरलालजी जुगराजजी फुफलगर
मु.पो. घोड़नदी-४१२२१० जिला पूना (महा.)
फोन न 63

साधन:—पूना, अहमदनगर के बीच में है। पूना अहमदनगर
से हर आधे घण्टे में बस उपलब्ध है।

13. धानेरा (गुजरात)

1. परम विदुषी महा. श्री मुक्ति प्रभाजी म.हा.
M. A. P. H. D.
2. परम विदुषी महा. श्री दर्शन प्रभाजी म.सा.

3. विदुषी रत्न महा. श्री दिव्यप्रभाजी म.सा.

M. A. P. H. D.

4. साधना शीला महा. श्री चारुशीलाजी म.सा.
5. विद्याभिलाषी महा. श्री अनुपमा साधनाजी म.सा.
6. सुलेखिका महा. श्री भव्यसाधनाजी म.सा.
7. विदुषी महा. श्री योग साधनाजी म.सा.
8. सेवाभावी महा. श्री उत्तम साधनाजी म.सा
9. अध्ययनशीला महा. श्री अपूर्व साधनाजी म.सा.
10. सेवाभावी महा. श्री विराग साधनाजी म.सा.
11. सेवाभावी महा. श्री विरता साधनाजी म.सा
आदि म.सा. (11)

पता:—श्री धानेरा श्वे. था जैन संघ, जैन उपाश्रय
मु.पो. धानेरा-385310 जिला बनासकाठा (गुज.)

साधन.—प.रे. के भीलड़ी, समदड़ी, मेन लाइन पर स्टेशन
है। पानलपुर, भाभर, आवू रोड़, मेहसाणा, राधनपुर
से भीलड़ी होकर ट्रेन में जा सकते हैं।

14. भवानी पेठ-पूना (महा.)

1. स्थविरा महा. श्री प्रेमकुवरजी म.सा.
2. सेवाभावी महा. श्री वल्लभकुंवरजी म. सा.
आदि म.सा. (2)

पता:—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक,
1349, पालखी विठोभा चौक, भवानी पेठ,
पूना-411002 (महा.)

सम्पर्क सूत्र.—श्री रतनचदजी दलीचदजी सर्राफ
406, रविवार पेठ, पूना-411002 (महा.)

साधन.—बम्बई-मद्रास (C.R.) मेन लाइन पर स्टेशन है।
पूना रेल्वे स्टेशन बस स्टेशन से सिटी बस, तागा,
रिक्शा उपलब्ध।

15. पूना-आदिनाथ सोसायटी (महा.)

1. वाणी भूषण महाराष्ट्र सिंहनी
महा. श्री प्रीतिसुधाजी म.सा
2. विदुषी महा. श्री अरुण प्रभाजी म.सा.
3. मधुर गायिका महा. श्री मधुस्मिताजी म.सा.
4. साधनाशीला महा. श्री भावप्रीतिजी म.सा.
5. सेवामूर्ति महा. श्री वसंतमालाजी म. स.
6. विदुषी महा. श्री प्रज्ञाजी म.सा.
7. सेवामूर्ति श्री गुणप्रीतिजी म.सा.

8 मेवामूर्ति श्री जिनप्रीतिजी म सा

9. महासतीजी श्री आदि म सा (9)

पता—श्री आदिनाथ स्या जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक,
पूना मनारा रोड,
पूना-411037 (महा)

साधन—वर्म्बई, मद्रास, बैंगलूर मैन लाइन पर स्टेशन है
पूना स्टेशन से मिटी बस उपलब्ध।

16 श्री रामपुर (महा)

1 विदुषी महा श्री घमशीलाजी म सा

2 व्याख्यात्री महा श्री चरित्रशीलाजी म सा

3 अध्ययनशीला महा श्री विवेकशीलाजी म सा

4 मेवामूर्ति महा श्री पुष्पशीलाजी म सा
आदि म सा (4)

पता—श्री अम्बालालजी वाफना, मेनरोड,
श्री रामपुर जिला अहमदनगर (हमा) 413009

साधन—अहमदनगर, मनमाड, वर्म्बई, घाडनदी, पूना,
नामिक से बसें जाती हैं।

17 बडगांव सेरी (महा)

1 शास्त्र विशारद महा श्री इन्द्रकुवरजी म सा

2 विदुषी महा श्री कचनकुवरजी म सा

3 मेवामूर्ति महा श्री किरणकुवरजी म सा

4 विद्याभिलाषणी महा श्री विजयप्रभाजी म सा

5 विद्याभिलाषणी महा श्री सुयमाजी म सा

6 विद्याभिलाषणी महा श्री विचयमाजी म सा
आदि म सा (6)

पता—व स्या जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक,
मु पो बडगांव सेरी जिला-पूना (महा) 412006

साधन—पूना-जोगावला (C R) के बीच में रेल्वे
स्टेशन है। वर्म्बई-पूना के बीच रेल्वे स्टेशन है।

18 मनमाड (महाराष्ट्र)

1 स्वविरा सरनमना महा श्री मूरजकुवरजी म सा
(माताजी)

2 विदुषी महा श्री सुशीलकुवरजी म सा

3 सेवामूर्ति महा श्री सुदामाजी म सा

4 विदुषी महा श्री सुदाजी म सा

5 विदुषी महा श्री सुवेनाजी म सा

6 विदुषी महा श्री सुपमाजी म सा

7 विदुषी महा श्री सुप्रभाजी म सा

8 विदुषी महा श्री यशाजी म सा
आदि म सा (8)

पता—श्री सम्पतराजजी मुराना, मरोंपा बाजार,
मु पो मनमाड जिला नामिक (महा)-423104

साधन—मनमाड, पूना, नासिक, वर्म्बई, जयगांव, अहमद
नगर, चालीमगांव, औरंगाबाद, हदराबाद, जालना,
मुरत, भोपाल, अहमदाबाद, मद्रास में सीधी ट्रेन
जाती है। सभी ट्रेनें स्वती हैं।

19 मिरी (महा)

1 स्वविरा महा श्री सज्जनकुवरजी म सा

2 व्याख्यात्री महा श्री नवलकुवरजी म सा

3 सेवामूर्ति महा श्री चन्द्रप्रभाजी म सा

4 विद्याभिलाषणी महा श्री सुप्रभाजी म सा
आदि म सा (4)

पता—श्री धनराजजी निशनदामजी महार

मु पो, मिरी-414501

ता पायडों जिला-अहमदनगर (महा)

साधन—पूना, घाडनदी, पायडों, मनमाड, नामिक,
श्यारामपुर, अहमदनगर में बस जाती हैं।

20 रायचूर (कर्नाटक)

1 बयाबूद स्वविरा महा श्री इन्द्रकुवरजी म सा

2 सेवामावी महा श्री बिसलकुवरजी म सा
आदि म सा (2)

पता—भण्डारी श्री राजमलजी खेमराजजी,
कपडे के व्यापारी, एम जी राड,
रायचूर-584101 (कर्नाटक)

साधन—वर्म्बई, शोलापुर, पूना, मद्रास, अहमदाबाद,
सिक्दारबाद, बैंगलूर से सीधी ट्रेन।

रेल्वे स्टेशन से ताया, रिक्शा मिलता है, जैन स्थानक
जैन मन्दिर या जैन मठ के पास महावीर भाग में है।

21 थोर्गोवा (महाराष्ट्र)

1 स्वविरा महा श्री पुष्पकुवरजी म सा

2 मधरभाषी महा श्री मदनकुवरजी म सा

3. विद्याभिलाषी महा. श्री सुमनकुंवरजी म.सा.
आदि म.सा. (3)

पता:—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक
मु.पो. श्री गोदा जिला अहमदनगर (महा.) 413701

साधन:—बम्बई, पूना, अहमदनगर, नासिक, दौड़, मनमाड,
घोड़नदी श्रीरामपुर से सीधी बसे जाती है।

21. राहू पिपलगाँव (महा.)

1. स्थविरा महा. श्री सुन्दरकुवरजी म.सा.
2. मधुरभाषी महा. श्री मंगलप्रभाजी म.सा.
3. सेवाभाविनी महा. श्री सुजेष्ठाजी म.सा.
आदि म.सा. (3)

पता:—श्री अमोलकचन्द्रजी भटवेडा
मु.पो. राहू पिपलगाँव जिला-पूना (महा.)

साधन:—पूना, अहमदनगर, घोड़नदी से बसे जाती है।

23. इन्दौर (मध्यप्रदेश)

1. स्थविरा महा. श्री रामकुवरजी म.सा.
2. सेवामूर्ति महा. श्री लताकुवरजी म.सा.
3. व्याख्यात्री महा. श्री दिव्य ज्योतिजी म.सा.
4. सेवाभाविनी महा. श्री ज्ञानप्रभाजी म.सा.
5. सेवाभाविनी महा. श्री चारुशीलाजी म.सा.
आदि म.सा. (5)

पता:—श्री शान्तिलालजी मारु,
73/74, सुगन्धी मार्केट,
बड़ा सराफा बाजार,
इन्दौर-452001 (म.प्र.)

साधन:—बम्बई, भोपाल, नागदा, रतलाम, खण्डवा,
महुआ, दिल्ली, अजमेर, चित्तौड़, बीकानेर, जोधपुर,
औरंगाबाद से सीधी ट्रेन जाती है। इन्दौर, रेल्वे
स्टेशन से जैन स्थानक जाने के लिए, टेम्पो, रिक्शा,
तांगा उपलब्ध है।

24. कडूर (कर्नाटक)

1. विदुषी महा. श्री अजितकुवरजी म.सा.
2. व्याख्यात्री महा. श्री विमलकुवरजी म.सा.
3. तपस्विनी महा. श्री अभयकुंवरजी म.सा.
4. सेवामूर्ति महा. श्री चन्दनबालाजी म.सा.

5. सेवाभावी महा. श्री पदमाजी म.सा.
आदि म.स. (5)

पता:—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,
मु.पो. कडूर जिला-चिकमंगलूर
(कर्नाटक)-577548

साधन:—दक्षिण रेल्वे में बैंगलूर-हुबली लाइन पर आरसी-
केरे व वीरु जं. के बीच रेल्वे स्टेशन आता है। सभी
गाड़ियाँ ठहरती हैं।

25. रोपड़ (पंजाब)

1. मधुर व्याख्यात्री महा. श्री स्नेहप्रभाजी म.सा.
2. प्रखर व्याख्यात्री महा. श्री नूतनप्रभाजी म.सा.
3. सेवामूर्ति महा. श्री विमलप्रभाजी म.सा.
आदि म.स. (3)

पता:—श्री. एस एस. जैन सभा,
मु.पो. रोपड़-140001 (पंजाब)

साधन:—अम्बाला कैट लुधियाना से सीधी रेल जाती है।
(उ.रे.) पंजाब में हर जगह से बसे जाती है। दिल्ली-
चण्डीगढ़ से बस व रेल सेवा उपलब्ध है।

26. बोरी (महा.)

1. परम विदुषी महा. श्री सन्मतिजी म.सा.
2. सेवामूर्ति महा. श्री प्रियनन्दाजी म.सा.
3. सेवामूर्ति महा. श्री सुमिताजी म.सा.
4. सेवामूर्ति महा. श्री सुप्रभाजी म.सा.
आदि म.स. (4)

पता:—श्री केशरचन्द्रजी चोरड़िया,
मु.पो. बोरी जिला-पूना (महा.) 412411

साधन:—पूना-अहमदनगर से बसे जाती है।

27. तिरुपत्तूर (तमिलनाडु)

1. परम विदुषी महा. श्री शीतलकुंवरजी म.सा.
2. सेवाभाविनी महा. श्री अभिनन्दनकुंवरजी म.सा.
3. नवदीक्षिता महा. श्री मल्लीकुवरजी म.सा.
आदि म.स. (3)

पता:—श्री व. स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक
मु.पो. तिरुपत्तूर (तमिलनाडु) 635601

साधन:—दक्षिण रेल्वे में मद्रास-कोयम्बतोर रूट पर मद्रास
से 220 कि.मी. है सभी गाड़ियाँ ठहरती हैं।

कुल चातुर्मास सतों के	9	कुल सत	30
कुल चातुर्मास सतियों के	31	कुल सतियों की	142
कुल	40	कुल	172

कुल चातुर्मास (40) सत (30) सतियों की (142)
कुल ठाणा (172)



सत सती सुलनाम्भक तामिषा

विवरण	सत	सतियों की
1985 में कुल ठाणा थे	32	145
+ नई दीपारोह	—	8
—	32	153
— जानघमं प्राप्त हुए	1	—
—	31	153
— अन्य विभागों में डामर हुए या नाम नहीं आया	2	11
—	29	142
+ अन्य विभागों में डामर हुए या नाम नहीं आया	1	—
1986 में कुल ठाणा है	30	142

श्रमण सध में है

1	आचार्य	1
2	मुवाचार्य	नहीं
3	उपाध्याय	4
4	प्रवक्त	8
5	उपप्रवक्त	11
6	मन्त्री	4
7	परामादात्री मनाहकार	4
8	प्रवर्तिनियों	नहीं
9	उपप्रवर्तिनियों	21

लोजिए, आधे से भी कम मूल्य में

वरिष्ठ श्री चन्दन मुनिजी (पञ्चाबी) के सत-मल,
मन्त्रिण मगीन

नाम मगीन	मूल्य
1 मगीन भगवान पाण्डनाथ	6/-
2 " श्री जम्बूमार	10/-
3 " श्री धन्ना भानिभद्र	8/-
4 " अमरना के दो राहों	6/-
5 " मन्त्रिण पवित्र चार वरिष्ठ	8/-
6 " निर्मोही नृप (नाटक)	3/-
7 " महामनी चन्दनबाना	6/-
8 " महामती मदनरेखा	6/-
9 " मती दमयन्ती	11/-
10 " मती उरनुदरी	6/-
11 मीनों की दुनिया (232 मीन)	10/-
12 मीनों की दुनिया (32 बयारों)	6/-
13 मीन-मनार (9 बयारों)	8/-
14 चन्दन दोहावली	4/-
15 मनहरण-माना	4/-
16 बारह महीने	7/-
17 मगीन श्री गजमुकुमार (पञ्चाबी में)	6/-
18 मन्त्रा नारी (पञ्चाबी में)	4/-
19 चटकीने छन्द (पञ्चाबी में)	4/-
10 श्री चन्दन मुनि व्यस्तित्व कृति व	—

— प्राप्ति स्थान —

- (1) जैन मठार, मुकुन्द रोड अम्बाना मठर (हरियाणा)
- (2) सुदमल जैन, जैन म्यानक,
म डी गीदहवाहा, जिला, फरीदकोट (पञ्जाब)

राजस्थान केशरी, आध्यात्मिक योगी, विश्वसंत, उपाध्याय परम श्रद्धेय श्री पुष्कर मुनिजी म. सा. से आज्ञा प्राप्त संत-सतियाँजी

संत समुदाय

उपलब्ध । बस स्टेशन से 5 मिनट का रास्ता । जैन
स्थानक रूई कटला में है ।

1. पाली-मारवाड़ (राज.)

1. राजस्थान केशरी, आध्यात्मिक योगी,
विश्वसंत, परम श्रद्धेय उपाध्याय
श्री पुष्कर मुनिजी म. सा.

2. समदड़ी (राजस्थान)

1 पण्डित रत्न श्री हीरा मुनिजी म. सा. 'शास्त्री'
2 तपस्वी रत्न श्री प्रवीण मुनिजी म. सा.
आदि मुनि (2)

पता:-श्री सुकनचन्दजी दाती;
मु पो समदड़ी 344001
जिला बाडमेर (राज)

साधन -अहमदाबाद, जोधपुर, वाया, भीलड़ी व बाडमेर
जोधपुर रेल लाइन पर स्टेशन है । लुणी जंक्शन,
बालोतरा पीपाड रोड, पाली, नागौर, उदयपुर,
जोधपुर, भीलड़ी, बाडमेर से ट्रेन का साधन । बसे
भी जाती है ।

2. साहित्य वाचस्पति, साहित्य शिक्षण सचिव
श्री देवेन्द्र मुनिजी म. सा. शास्त्री
3. प रत्नश्री रमेश मुनिजी म. सा. 'शास्त्री'
4. व्याख्यान वाचस्पति श्री राजेन्द्र मुनिजी म. सा.
'शास्त्री' —
5. जैन सिद्धान्त विशारद श्री दिनेश मुनिजी म. सा.
'शास्त्री'
6. तपस्वी रत्न श्री नरेश मुनिजी म. सा.
आदि मुनि. 6

पता:-श्री सायरमलजी गांधी मंत्री,
घाणेराव की गली, पाली मारवाड़ (राज.) 306401

3. उदयपुर (राजस्थान)

1 प्रसिद्ध साहित्यकार व्याख्यान वाचस्पति
श्री गणेश मुनिजी म. सा. 'शास्त्री'
2 मधुर वक्ता श्री जिनेन्द्र मुनिजी म. सा. 'काव्यतीर्थ'
आदि मुनि (2)

चातुर्मास स्थल:-श्री व स्था जैन श्रावक सघ,
आचार्य रघुनाथ स्मृति भवन, रूई कटला,
किलंगा पोल, पाली-मारवाड़ (राज.) 306401
फोन नं. 6741

चातुर्मास स्थल एवं सम्पर्क सूत्र -

श्री अमर जैन साहित्य संस्थान, सेक्टर ।
उदयपुर-313001 (राज)

महासतीयाँ समुदाय

4. राणी दसीपुरा (राजस्थान)

1. परम साध्वी रत्न महासती श्री शीलकंवरजी म. सा.
2. सेवा भावी महा. श्री सायर कुंवरजी म. सा.

भोजन व्यवस्था:-स्थानक के सामने आवास गृह में
भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था है ।

साधन:-जयपुर, मारवाड़ जंक्शन, अहमदाबाद, उदयपुर
नागौर, जोधपुर, बीकानेर, आगरा, दिल्ली से सीधी
ट्रेन जाती है । महाराष्ट्र गुजरात की तरफ आने वालो
के लिए रूट इस प्रकार है-अहमदाबाद से जोधपुर
की ट्रेन से सीधा । अहमदाबाद से मारवाड़ जंक्शन
की ट्रेन मारवाड़ जंक्शन से जोधपुर की ट्रेन से पाली
जा सकते हैं । पाली स्टेशन से तांगा, आटोरिक्षा

3 विदुषी महा श्री चन्दनगानाजी म मा
"जैन सिद्धान्ताचार्या"

4 विद्या प्रेमी महा श्री देवेन्द्र प्रभाजी म मा

5 विद्या प्रेमी महा श्री धर्मज्योतिर्जी म मा

6 महा श्री मगन ज्योति म सा

जादि म म (6)

पता—श्री वर्धमान स्थानकवासो जैन श्रावक मध,
मु पो राणीदनीपुरा वाया-ममदडी
जिना-वाडमेर (राज) 344021

साधन—ममदडी, वाडमेर, पानीदी, जीपपुर मे वसे
जाती है।

5 पाली-मारवाड (राजस्थान)

1 परम विदुषी माध्वीरत्न महामती श्री कुमुमवतीजी
म मा

2 विदुषी महा श्री दिव्य प्रभाजी म म एम ए

3 विदुषी महा श्री गरिमाजी म मा एम ए

4 विद्या प्रेमी महा श्री अनुपमाजी म मा

जादि म म (4)

पता—उपरोक्त नं १

साधन—जयपुर, मारवाड जक्शन, अहमदाबाद, उदयपुर,
नागौर, जोधपुर, बीकानेर आगरा, दिल्ली में सीधी
ट्रेन जाती है। महाराष्ट्र गुजरात की तस्क जाने
वाला के लिए एट डम प्रकार है—अहमदाबाद से
जोधपुर की ट्रेन में सीधा। अहमदाबाद से मारवाड
जक्शन की ट्रेन मारवाड जक्शन में जोधपुर की ट्रेन
में पाली जा सकते हैं। पाली स्टेशन से तागा आटा-
रिक्शा उपलब्ध। वम स्टेशन से ५ मिनट का
रास्ता है।

6 नायद्वारा (राजस्थान)

1 परम विदुषी माध्वी रत्न महासती श्री गुणवतीजी
म मा

2 मधुर व्याख्यात्री महा श्री प्रियदर्शनाजी म सा

3 मेवामावी महा श्री किरण प्रभाजी म मा
"जे जि शास्त्री"

4 मेवामावी महा श्री रत्न ज्योतिर्जी म सा
जैन सिद्धान्ताचार्य"

5 मेवामावी महा श्री मुप्रभाजी म सा

आदि म मा (5)

पता—श्री कन्हैयालालजी मुराना,
नाल बाजार पा नायद्वारा-313001
जिला उदयपुर (राज)

साधन—उदयपुर म 52 कि मी हर आधे घंटे म वम।
काश्गरी, चाग्भुजा, अहमदाबाद, पाली, सांड़ी,
राणवपुर म वसे जाती है।

(7) समदडी (राजस्थान)

1 स्याबिग महामती श्री उमराव कुवरजी म सा

2 मेवा भावी महा श्री सुकुमबुवरजी म सा

3 मधुर व्याख्यात्री महा श्री मयप्रभाजी म सा

4 महामती श्री मुमिताजी म मा

आदि म मा (4)

पता—श्री सुकनच दजी दाती
मु पो समदडी-344001
जिला-वाडमेर (राज)

साधन—अहमदाबाद, जोधपुर, वाया, भीलडी व वाडमेर,
जोधपुर रेल लाइन पर स्टेशन है। सुणी जक्शन
वालातरा, पीपाडगेड, पानी, नागौर, उदयपुर,
जोधपुर, भीलडी वाडमेर मे ट्रेन का साधन है।
वम भी जाती है।

8 धोडनदी (महाराष्ट्र)

1 परम विदुषी महामती श्री कौशल्याजी म सा
2 मेवामूनि महा श्री विनयजी म मा "जे शिक्षा"
3 मेवामावी महा श्री मुदशनप्रभाजी म मा
"जे शिक्षा"

4 विद्या प्रेमी महा श्री भयम प्रभाजी म मा

5 विद्याप्रेमी श्री सुलक्षणा प्रभाजी म मा
आदि म सा (5)

पता—श्री भवगलालजी जगराजी फुलगर,
मु पो धोडनदी-412210
जिला पूना (महा) फोन नं 63

साधन—पूना अहमदनगर के बीच म है। पूना अहमदनगर
मे हर आधे घंटे मे वम उपलब्ध है।

प्रवचन, केशरी, कवि, प्रखर, वक्ता, उपाध्याय श्री केवल मुनीजी म० सा० से आज्ञा प्राप्त संत-सतियाँजी

संत समुदाय

(1) उज्जैन (मध्य प्रदेश)

1. प्रवचन केशरी कवि, प्रखर वक्ता उपाध्याय श्री केवल मुनिजी मा० सा०

2. तपस्वी सध सेवाभावी श्री मोहनलालजी म सा.
- 3 सफल वक्ता श्री अजित मुनिजी म. सा.
4. नवदीक्षित श्री पदम मुनिजी म. सा.

आदि मुनि (4)

(साथ मे स्व. युवाचार्य श्री मधुकर मुनिजी म. सा. के अंतेवासी एवं तपस्वी श्री मोहनलालजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती श्री विनयकुमारजी म. सा. 'भीम' एवं शास्त्री श्री महेन्द्रकुमारजी म. सा. 'दिनकर' आदि ठाणा 2 भी सेवा मे है।

कुल मुनिराज (6)

पता:—श्री सागरमलजी कटारिया,
कलाल शेरी, नमक मंडी,
मु. पो. उज्जैन-456 006 (म. प्र.)

चातुर्मास स्थल.—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ,
महावीर भवन, नमक मंडी,
उज्जैन-456 006 (म. प्र.)

साधन:—रतलाम, इन्दौर, देवास, बम्बई, दिल्ली, कोटा, बडौदा, अहमदाबाद, महु, नागदा, गुना, आगरा से सीधी ट्रेन जाती है। इन्दौर, रतलाम, नागदा, देवास, कोटा, भवानी मंडी, जावरा, मन्दसौर, खाचरोद से सीधी बसे भी जाती है।

2. इन्दौर (मध्यप्रदेश)

1. गायन निधि स्थविर प. श्री रामनिवासजी म. सा.
2. तपस्वी श्री संजय मुनिजी म. सा.

3. सिद्धान्ताचार्य श्री कमल मुनिजी म. सा.

4. मधुर गायक श्री चन्द्रेश मुनिजी म. सा.

आदि मुनि (4)

पता:—श्री शातिलालजी मारु

73/74, बड़ा सराफा बाजार

इन्दौर-452 001 (म. प्र.)

चातुर्मास स्थल.—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ,

महावीर भवन, इमली बाजार,

इन्दौर-452 001 (म. प्र.)

साधन:—बम्बई, भोपाल, नागदा, रतलाम, खडवा, महुआ, दिल्ली, अजमेर, चित्तौड़, बीकानेर, जोधपुर, औरंगाबाद से सीधी ट्रेन जाती है। इन्दौर रेल्वे स्टेशन से राजबाडा के लिए टेम्पो मे बैठकर महावीर भवन पहुँच सकते है।

3. रतलाम (म. प्र.)

1. स्थविर पद विभूषित प. रत्न श्री इन्दरमलजी म. सा.
2. सेवा भावी श्री प्यारचंदजी म. सा.
3. सेवा भावी श्री भेरूलालजी म. सा.

आदि मुनि (3)

पता.—श्री बापूलालजी बोथरा,

48 नीम चौक, रतलाम (म.प्र.)-457 001

फोन नं. 771

चातुर्मास स्थल:—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, नीम चौक, रतलाम (म प्र)

साधन:—दिल्ली, बम्बई मेन लाइन पर अजमेर-खण्डवा, काचीगुड़ा, रतलाम, भोपाल, दिल्ली मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है। सभी ट्रेन रुकती है। रेल्वे स्टेशन से तांगा, टेम्पो, ऑटो रिक्शा से नीम चौक, धान मंडी उत्तरे, पास मे स्थानक है ,।

भोजन एवं आवास व्यवस्था:—नीम चौक, जैन स्थानक के सामने वाले जैन दिवाकर भवन मे की गयी है।

पता — श्री नाथूलालजी गांधी

मु पो सिंगोली-488 228

वाया नीमच जिला मदसौर (म प्र)

साधन — जजमेर, खण्टवा, मेन लाइन पर नीमच जोर
मदमार के बीच में रेलवे स्टेशन है। रतलाम, नीमच
जावरा, मदसौर, भीलवाड़ा, चित्तौड़ में वैसे भी
जाती हैं।

17 बालम टाकली (महा)

1 पण्डित रत्न मुनि श्री नमीचंद जी म सा

2 माहिप रत्न श्री यन्त्र मुनि जी म सा आदि मुनि (2)

पता — श्री अमोलचंद जी छाजेड

म पा बालम टाकली

त जोगाव जिला अहमदनगर (महा)

साधन — अहमदनगर, श्रीरामपुर, पूना, घोडनदी, जोगाव
में वैसे उपलब्ध।

18 कथल (हरियाणा)

1 मधुर वक्ता श्री घरम मुनि जी म सा

2 मेवाभावी श्री राकेश मुनि जी म सा आदि मुनि (2)

पता — एम एस जैन मभा

मु पो कथल

जि कुरुक्षेत्र (हरियाणा)

साधन — कुरुक्षेत्र से वैसे उपलब्ध

19 चित्तौड़गढ़ (राज)

1 बीरवाल मध्यापक स्व प श्री समीर मुनि जी म
के गिण्य।

बयोवृद्ध श्री शान्ति मुनि जी म सा मुनि। (मकारण)

पता — नाथूलालजी भट्टना

चित्तौड़गढ़ दुर्ग (राज) 312 001

महासतीर्था समुदाय

20 बड़ी सादडी (राजस्थान)

1 उप प्रवर्तिनी महासती श्री सज्जन कुवरजी म सा

2 पारतपस्विनी श्री मूरज कुवरजी म सा

3 मधुर व्याख्यानी श्री बदाम कुवरजी म सा

4 सेवा भावी श्री केशर कुवरजी म सा

5 मेवाभावी अजब कुवर जी म सा

6 मधुर व्याख्यानी श्री प्रेमवती जी म सा

7 मेवा भावी श्री कचन कुवर जी म सा

आदि म सा (7)

पता — श्री चादमलजी गांग

मु पो बड़ी सादडी-312 403

जि चित्तौड़गढ़ (राज)

पता — श्री वसन्तीलालजी दक, कपड़े के व्यापारी

मु पो बड़ी सादडी

जिला चित्तौड़गढ़ (राज) - 312403

साधन — उदयपुर, नीमच, चित्तौड़गढ़, जोधपुर, मावली,
पाली में सीधी बसें भी जाती हैं। मावली जक्कन से
बड़ी सादडी से ट्रेन भी जाती है।

21 राक्षसी (राजस्थान)

1 उप प्रवर्तिनी महासती श्री नानकुवरजी म सा

2 मेवा भावी श्री हेमकुवरजी म सा

3 व्याख्यानी श्री प्रकाशवती जी म सा

आदि म सा (3)

पता — श्री सोहनलाल जी पोखरना

मु पो राक्षसी 312 203

जिला चित्तौड़गढ़ (राज)

साधन — चित्तौड़गढ़ भीलवाड़ा, विजयनगर में वैसे जाती
हैं।

22 सवाई माधोपुर (राजस्थान)

1 उप प्रवर्तिनी महासती श्री प्रेमकुवरजी म सा

2 व्याख्यात्री श्री वसंत कुवर जी म सा

3 मेवा भावी श्री मजू कुवर जी म सा

आदि म सा (3)

पता — श्री कपूरचन्द जी जैन, कपड़े के व्यापारी

पुराना धण्डार रोड

सवाई माधोपुर (राज) 322 021

साधन — दिल्ली, बम्बई, सवाई माधोपुर, जयपुर, बीकानेर
मेन लाइन पर स्टेशन है। रेलवे स्टेशन से शहर 5

कि. मी की दूरी के लिए तागा आटो रिक्शा व सिटी बस उपलब्ध ।

23. रामपुरा (म. प्र.)

1. सरलमना श्री लहर कुंवर जी म. सा.
2. व्याख्यात्री श्री शांताकुंवर जी म. सा.
3. घोर तपस्विनी श्री चौसर कुंवर जी म. सा.
4. सेवा भावी श्री ग्यामाकुंवर जी म. सा.
आदि म. सा. (4)

पता—श्री संतोषचन्द जी खाबिया
पेट्रोल पम्प मु. पो. रामपुरा 458118
जिला मन्दसौर (मध्यप्रदेश)

साधन:—रतलाम, मन्दसौर, नीमच, जावरा, उज्जैन,
नागदा से सीधी बस जाती है ।

24. मद्रास (मेलपुर) (तमिलनाडू)

1. मालव सिंहनी उप. प्रवर्तिनी
महासती श्री कमलावती जी म. सा.
2. मधुर व्या. श्री चन्दना जी म. सा. 'सा. रत्न'
3. तपस्विनी महा. श्री कलावती जी म. सा.
4. व्याख्यात्री महा. श्री अक्षय ज्योती जी म. सा. 'शास्त्री'
5. व्याख्यात्री महा. श्री सत्य साधना जी म. सा. 'शास्त्री'
6. तपस्विनी महा. श्री अरुण प्रभा जी म. सा.
7. विदुषी महा. श्री कुमुदलता जी म. सा.
8. महासती जी म. सा.
आदि म. सा. (8)

पता—श्री मोहनलाल जी चौरडिया
54 बाजार रोड मेलपुर मद्रास-600004
(तमिलनाडू) फोन 72431

साधन:—बम्बई, मद्रास, दिल्ली, भोपाल, मद्रास, बैंगलौर,
कलकत्ता से सीधी ट्रेन जाती है । मद्रास सेन्ट्रल
रेलवे स्टेशन उतर जा सकते है ।

25. हाटपीपल्या (मध्यप्रदेश)

1. सेवाभावी महा. श्री रमणीक कुंवरजी म. सा.
2. राष्ट्र ज्योति महा. श्री चंचल कुंवरजी म. सा.
3. विद्याभिलाषी महासती श्री कलावती जी म. सा.
आदि म. सा. (3)

पता—श्री जुहारमलजी केशरीमलजी कांठेड़
मु. पो. हाट पिपल्या-455 001
जिला देवास (म. प्र.)

साधन:—देवास, इन्दौर, उज्जैन, नागदा से बसे जाती है ।

26. निम्बाहेड़ा (राजस्थान)

1. उप प्रवर्तिनी तपस्विनी महा. श्री मानकुंवरजी म. सा.
2. सरलमना महा. श्री ज्ञानकुंवरजी म. सा.
3. प्रवचन भूषण महा. श्री प्रभाकुंवरजी म. सा. (एम.ए.)
4. प्रवचन प्रभाकर महा. श्री सुशीलाकुंवर जी म. सा.
(एम. ए.)
5. विद्याभिलाषी महा. श्री कल्पलताजी म.सा. (एम.ए.)
6. नवदीक्षित महा. श्री जयश्री जी म. सा.
7. नवदीक्षित महा. श्री विजयश्री जी म. सा.
आदि म. सा. (7)

पता—श्री निर्मलकुमार घासीलालजी लोढ़ा
दिवाकर टेक्सटोरियम, सदर बाजार
मु. पो. निम्बाहेड़ा 312 601
जिला—चित्तौडगढ़ (राज.)

साधन:—खण्डवा, इन्दौर, अजमेर, रतलाम, नीमच,
भीलवाडा से सीधी ट्रेन । रेलवे स्टेशन से जैन स्थानक
1 कि. मी. है ।

27. उज्जैन (नयापुरा) (मध्यप्रदेश)

1. श्रमणी रत्न विदुषी महासती श्री मदनकुंवरजीम. सा.
2. स्थविरा महा. श्री छोगाकुंवरजी म. सा.
3. मधुर व्या. महा. श्री विजय कुंवरजी म. सा.
4. नवदीक्षिता महा. श्री ललितप्रभा जी म. सा.
आदि म. सा. (4)

पता—भेरुलालजी सोनी
घोगली, नयापुरा, उज्जैन (म. प्र.) 456 001

साधन:—बम्बई, इन्दौर, नागदा, भोपाल, देवास, गुना,
आगरा से सीधी ट्रेन जाती है ।

28. सटाणा (महा.)

1. वयोवृद्धा विदुषी महा. श्री पान कुंवरजी म. सा.
2. घोर तपस्विनी महा. श्री रमणीक कुंवरजी म. सा.
3. सेवाभावी महा. श्री निर्मलकुंवरजी म. सा.
4. व्या. महा. श्री चन्दनबालाजी म.सा.
आदि म.सा. (4)

पता—श्री भाणवचन्द जी भागचंदजी राका
मानेगाव रोड मु पो सटाणा
जि नासिक (महा) 423301

चातुर्मास स्थल—श्री व स्या जैन थावक मध
जैन स्थानक, मु पो सटाणा-423 301

जिला नासिक (महा)

साधन—नासिक, पूना, अहमदनगर रोड में बसें जाती हैं।

29 जावरा (म प्र)

- 1 स्यविरा महा श्री कचनकुवर जी म
- 2 सेवाभावी महा श्री भूजकुवरजी म मा
आदि म मा (2)

पता—श्री साभाग्यमलजी कोचेट्टा, यकील
10 बजाजखाना, जावरा-457 226
जिला रतलाम (म प्र)

साधन—अजमेर खण्डवा, मेन लाईन पर रतलाम,
मन्दवीर के बीच में रेलवे स्टेशन है। रतलाम से
बसें भी जाती हैं।

30 मद्रास (तमिलनाडु)

- 1 मधुर व्याख्यानी महा श्री शाताकुमारी जी म मा
- 2 तपस्विनी महा श्री कुमुमवती जी म मा
- 3 व्याख्यानी महा, प्रियमाधना जी म मा
- 4 तपस्विनी महा श्री विजयकुवर जी म मा
आदि म मा (4)

पता—उपरोक्त 24 प्रमाक के अनुसार

साधन—बम्बई, कलकत्ता, बंगलूर, रायचूर, पूना, भोपाल,
मथुरा, पूना से सीधी ट्रेन जाती हैं।

31 मसूर (कर्नाटक)

- 1 विदुषी महामती श्री पुष्पावती जी म मा
- 2 सेवाभावी महा श्री दिव्यमाधनाजी म मा
- 3 तपस्विनी महा श्री अन्तर साधना जी म मा
आदि म मा (3)

पता—श्री रिश्वचन्द जी छत्तापी

1168 अशोक रोड

मु पो मसूर (कर्नाटक) 570001

साधन—बंगलूर, मद्रास, गुटवल, पूना, बम्बई, दिल्ली,
नागपुर, भोपाल में सीधी ट्रेन जाती हैं।

32 मन्दसौर (म प्र)

वीरवाल सम्प्रदाय के म् श्री ममीर मुनि जी म मा
की मुशिय्यातें—

- 1 परम विदुषी महामती श्री मरस्वती म मा
- 2 सेवाभावी महा श्री विद्यावती जी म मा
- 3 नवदीप्ति महा श्री विनयवतीजी म मा
आदि म मा (3)

पता—श्री चादमल जी मुराडिया

जैन दिवाकर टेंट हाऊस, मन्नाट रोड
मु पो मन्दसौर (म प्र) 458 001

साधन—अजमेर, कांचीगुडा-खण्डवा मेन लाइन पर स्टेशन
है। रतलाम, जावरा, इन्दौर, नागदा, उज्जैन, नीमच
में सीधी बसें भी जाती हैं। —

33 अहमदनगर (महा)

- 1 विदुषी महामती श्री अर्चना जी म मा
- 2 सेवाभावी महा श्री जराधना जी म मा आदि
आदि म मा (2)

पता—मंगल विराना स्टोर

गुजरजरी

मु पा अहमदनगर (महा) 414 001

चातुर्मास स्थल—नवी पठ जैन स्थानक

साधन—बम्बई, पूना, मनमाड, भुसावल, जलगाव, भापाल,
दिन्नी, मिर्चदरावाद रोड से सीधी ट्रेन जाती हैं।
पूना, मनमाड, घोडनदी, नासिक, श्रीरामपुर, बम्बई
में सीधी बसें जाती हैं। पूना में हर आधे घंटे में बस
उपलब्ध। पूना, घोडनदी होती हुई अहमदनगर बस
3 घंटे में पहुँचा देती है।

34 कोटा (राजस्थान)

- 1 तपस्विनी महा श्री मूरज कुवर जी म मा (सकारण)
म मा (1)

पता—पूनमचंद जी नानावटी

रामपुरा बाजार

मु पो कोटा (राज) 324 001

साधन:-दिल्ली, बम्बई, कोटा, बीना मेन लाईन पर स्टेशन है। राजस्थान, मध्यप्रदेश के प्रमुख नगरे से बसे उपलब्ध है।

35. सवाई माधोपुर (राज.)

1. स्थविरा महा श्री कस्तूरा जी म. सा. (सकारण)
म सा. (1)

पता—श्री कपूरचन्द जी जैन
पुराना खण्डार रोड
सवाई माधोपुर (राज) 322021

साधन.—दिल्ली, बम्बई, सवाई माधोपुर, जयपुर, बीकानेर मेन लाईन पर स्टेशन है। रेलवे स्टेशन से शहर 5 किं. मी. की दूरी के लिए तागा, आटो रिक्शा, सिटी बस उपलब्ध है।

36. रतलाम (मध्यप्रदेश)

1. परम विदुषी महासती श्री मधुबाला जी म. सा.
(सकारण) म. सा. (1)

पता.—श्री सुजानमलजी चाणोदिया
कपडे के व्यापारी, 25 बजाजखाना
रतलाम (म. प्र.) 457 001
फोन नं. 82

चातुर्मास स्थल—श्री व. स्था जैन श्रावक सघ
जैन स्थानक, चौमुखी पुल रतलाम (म प्र)
457 001

साधन.—दिल्ली, बम्बई, मेन लाईन, अजमेर, खण्डवा, काचीगुडा, रतलाम, भोपाल, दिल्ली, मेन लाईन पर रेलवे स्टेशन है। सभी ट्रेन रुकती है। रेलवे स्टेशन से तागा, टेम्पो, आटो रिक्शा से नीम चौक, धान मण्डी उत्तरे पास में ही स्थानक है।

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँ
1985 में कुल ठाणा थे	52	60
+ नई दीक्षाएँ हुई	2	5
	54	65
— महा प्रयाण हुए	3	1
	51	64
— दूसरे विभागों में ट्रांसफर हुए	—	2
	51	62
+ दूसरे विभाग में इसमें आये	—	1
	51	63
— गत वर्ष डबल नाम आ गया	—	3
	51	60
1986 में कुल ठाणा है	51	60



तीर सीधा होकर भी कलेजे में चुमकर प्राण हरण कर लेता है, तम्बूरा टेढ़ा होकर भी अपनी मधुर ध्वनि से श्रोता को चित आनन्दित कर देता है।

अतः मायावी लोगो की ऊरी सरलता व समता में मत फँसो
—मुनि श्री कन्हैयालालजी 'कमल'

जब तुम परमात्मा से ससार की भोई भी वस्तु माँगते हो तो समझो कि दुःख माँगते हो,

है मानव ! तुम्हारी मजिल तुम हो। तुम्हारी मंजिल की देशकाल से दूरी नहीं है। तुम्हें विवेक का प्रकाश मिला है, जिसका सदुपयोग करो। विवेक के प्रकाश से अपनी जानी हुई बुराई का त्याग करो। तुम्हें जीवन मिलेगा, जो किसी भी वीतराग, अध्यात्मिक महापुरुष को मिला है। इसके आत्म कल्याण के साथ २ सुन्दर समाज का निर्माण भी स्वतः हो जाएगा।

कुल चातुर्मास संतों के	19	कुल मुनिराज	51
कुल चातुर्मास सतियों के	17	कुल सतियाँ	60
कुल	36	कुल	111

कुल चातुर्मास 36 संत 51 सतियाँ 60 कुल ठाणा 111

मेवाड़ संघ शिरोमणी, प्रवर्तक पं० रत्न श्री अम्बालाल जी म० सा० से आज्ञा प्राप्त सत-सतियाँजी

सन्त-समुदाय

3 हातोद (म प्र)

1 कवि रत्न श्री शांति मुनिजी म सा (मकारण)
म मा-1

सम्पर्क सूत्र—श्री ब म्या जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक
मु पो हातोद-453 111

जिला-दन्दीर (म प्र)

साधन—पार, उज्जैन, रतलाम, इन्दौर, नागदा, देवास
से बसे जाती हैं।

महा सतियाँजी समुदाय

4 भादसोडा (राजस्थान)

1 व्याख्यात्री महा श्री मोहन कुँवरजी म सा
2 व्याख्यात्री महा श्री सेणा कुवरजी म सा
3 व्याख्यात्री महा श्री उगम कुवरजी म सा
4 सेवाभावी महा श्री कीर्ति सुधाजी म सा 'विरण'
5 परम विदुषी महा श्री कमलावतीजी म सा
आदि म सा-5

सम्पर्क सूत्र—श्री वधमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ,
नया स्थानक, भादसाडा

जिला-चित्तौड़गढ़ (राज)-312 024

साधन—उपयुक्त त्रमाक 1 अनुसार।

5 उदयपुर (राज)

1 राजस्थान सिंहनी विदुषी महा श्री प्रेमवतीजी म सा
2 सेवाभावी महा श्री दमयन्तीजी म सा
3 सेवाभावी महा श्री राजमतीजी म सा
4 ज्ञान जिनामु महा श्री विजय प्रभाजी म सा

आदि म मा-4

1 भादसोडा (राजस्थान)

1 मेवाड़ संघ शिरोमणी प्रवर्तक प रत्न
श्री अम्बालालजी म सा

2 तपस्वी श्री इन्द्रमलजी म सा

3 प्रवचन भूषण, दात दण्डा श्रमण सघीय मचिव
श्री सोभाग्य मुनिजी म सा 'कुमुद'

4 सेवाभावी श्री दशन मुनिजी म सा

5 युवा भनीपी श्री राजेंद्र मुनिजी म सा 'रत्नेश'

6 नवदीप्ति श्री सुमन मुनिजी म सा

आदि मुनि-6

सम्पर्क सूत्र—श्री मनाहरलालजी पाखरना मंत्री,
श्री वधमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ
नया स्थानक, भादसाडा

जिला-चित्तौड़गढ़ (राज)-312 024

साधन—चित्तौड़गढ़ भीलवाडा उदयपुर, कपासन, निम्बा-
हडा, फनेहनगर से हर समय बसे मिलती हैं।

2 राजकुरडा (राजस्थान)

1 कविरत्न श्री मगन मुनिजी म सा 'रमिक'

2 व्याख्यान वाचस्पति श्री मदन मुनिजी म सा 'पथिक'

आदि मुनि-2

सम्पर्क सूत्र—श्री मूरच दजी चारडिया,
मु पो राजकुरडा

जिला-भीलवाडा (राज)

साधन—भीलवाडा, कपासन, उदयपुर, निम्बाहडा,
चित्तौड़ मे बसे जाती हैं।

पता:—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,
ओसवाल भवन, मुकजी चौक, धानमंडी,
उदयपुर (राज.)-313 001

सम्पर्क सूत्र:—ताराचन्द इन्दरमल जैन,
तीज का चौक, धान मंडी,
उदयपुर (राज.)-313 001

चातुर्मास स्थल:—ओसवाल भवन मे

साधन.—प. रे. दिल्ली, जोधपुर, जयपुर, अहमदाबाद,
बीकानेर, अजमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़, रतलाम,
इन्दौर, विजय नगर, नीमच से सीधी ट्रेन जाती है।

6. भीटा (राज.) :

1. परम विदुषी, मधुर वक्ता मा. श्री रूपकुंवरजी म.सा.
2. सेवाभावी मा. श्री रतन कुंवरजी म. सा.

आदि म. स.-2

सम्पर्क सूत्र:—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,
मु. पो. भीटा, व्हाया-रायपुर
जिला-भीलवाड़ा (राज.)

साधन:—रायपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ से बसे उपलब्ध।

कुल चातुर्मास संतों के	3	कुल मुनिराज	9
कुल चातुर्मास सतियों के	3	कुल सतियाँजी	11
कुल	6	कुल ठाणा	20

कुल चातुर्मास 6 संत 9 सतियाँजी 11 कुल ठाणा 20

संत-सती संक्षिप्त तालिका

विवरण	संत	सतियाँ
1985 मे कुल ठाणा थे	7	13
+ नई दीक्षाएँ हुई	1	—
— कालधर्म प्राप्त हुए	8	13
+ अन्य विभाग से ट्रांसफर हुए	1	2
— लिस्ट मे नाम नहीं दिया गया	9	11
1986 मे कुल ठाणा है	9	11

॥ जय महावीर ॥

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—

जैन नमकीन भण्डार

श्रेष्ठ नमकीन के निर्माता एवं विक्रेता

411 जवाहर मार्ग (म.प्र.) नन्दलालपुरा इन्दौर-452002

सम्बंधित फर्म:—

श्री 'शिव नमकीन सेंटर

खजूरी बाजार चौराहा, इन्दौर 452002

प्रो० तेजमल लखमीचन्द्र जैन

श्री महावीरायनमः

हार्दिक शुभ कामनाओ सहित

समीरमल पवन कुमार जैन

कपड़े के व्यापारी

अलीगढ़

जिला टौक (राजस्थान)

आगम अनुयोग, प्रवर्तक, प० रत्न आगम रत्नाकर मुनि श्री कन्हैयालालजी म० सा० 'कमल' से आज्ञा प्राप्त संत-सतियाँजी

सन्त-समुदाय

1 धानेरा (गुजरात)

1 अनुयोग प्रवर्तक प रत्न मुनि श्री कन्हैयालालजी म सा 'कमल'

॥ मेवाभावी श्री विनय मुनिजी म सा 'बागोश'
आदि मुनि-2

पता—श्री व स्या जैन थावक सघ, जैन स्थानक,
मु पो धानेरा-385 310
जिला-यनासकाठा (गुजरात)

साधन—समदडी, भीलडी (प रे) के मेन लाईन पर
स्टेशन है। पालनपुर, भाभर, आबू रोड, महेसाणा,
राधनपुर से भीलडी होकर ट्रेन में जा सकते हैं।

2 साडेराव (राज)

1 तप प्रचारक प रत्न मुनि श्री मिथीलालजी म सा
'मुमुक्षु'

2 मवाभावी श्री चादमलजी म सा
आदि मुनि-2

पता—श्री व स्या जैन थावक सघ,
जैन स्थानक, बाकलीवास,
बख्तावरपुरा मु पो साडेराव,
व्हाया फालना जिला-पाली (राज)-306 708
फोन 31 एव 32

साधन—दिल्ली-अहमदाबाद में लाईन पर फालना रेल्वे
स्टेशन उत्तरों। वहां स बस द्वारा मुविघाजनक पडता
है। पाली जाग्रपुर, उदयपुर, राणकपुर, सिंगोही,
फालना सादवी, घाणेरगव, आबू से बसें जाती है।
साडेराव बसा के लिए मेन केन्द्र है। फालना से
10 किला मीटर दूर है।

3 हरमाड़ा (राज)

1 मधुर वस्ता प रत्न श्री रोशनलालजी म सा
मुनि-1

पता—श्री धर्माचंद प्रवीणकुमार लुणावत,
जनरल मर्चेंट व कमीशन एजेंट,
मु पो हरमाड़ा-305 812 व्हाया, मदनगज
जिला-अजमेर (राज)

चातुर्मास स्थल—श्री वधमान स्थान जैन थावक सघ,
मु पो हरमाड़ा-305 812 व्हाया मदनगज
जिला-अजमेर (राज)

साधन—अहमदाबाद-दिल्ली व्हाया अजमेर रेल लाईन पर
किशनगढ स्टेशन से 15 कि मी दूर है। किशनगढ,
अजमेर से बसें उपलब्ध है।

महासतियाँजी समुदाय

4. मदनगज (राजस्थान) ।

1 वयोवृद्ध स्वविरा महा श्रीरत्नकुवरजी म सा
म सा-1

पता—श्री रत्नलालजी मारू
मारू वक्म, मु पो किशनगढ-मदनगज,
जिला-अजमेर (राज)

चातुर्मास स्थल—श्री वर्धमान स्थानक जैन थावक सघ
मदनगज जिला अजमेर (राज)

साधन—जयपुर, अजमेर के बीच में दिल्ली-अहमदाबाद
में लाईन पर स्टेशन है। रेल्वे स्टेशन के पास में ही
स्थापक है। जयपुर, व्यावर, अजमेर, पाली, जोधपुर,
भीलवाड़ा, उदयपुर, विजयनगर से सीधी बसें
उपलब्ध है।

कुल चातुर्मास 4 सत 5 सतियाँजी 1 कुल ठाणा 6

नोट—गत वष की सूची एव इस वष की सूची में कोई
चेंज नहीं है।

उत्तर भारतीय प्रवर्तक, राष्ट्र संत, नवयुग सुधारक, भण्डारी श्री पद्मचन्दजी महाराज से आज्ञा प्राप्त संत-सतियाँजी

संत समुदाय

1. चण्डीगढ़ (के. शा. प्रदेश) :

1. उत्तर भारतीय प्रवर्तक, राष्ट्रसंत, नवयुग,
सुधारक, भण्डारी श्री पद्मचन्दजी म. सा.

2. उत्तर भारत केशरी, प्रवचन भूषण
श्री अमर मुनिजी म. सा.

3. मधुर वक्ता श्री सुव्रतमुनिजी म. सा. 'शास्त्री'
'डबल एम ए.'

4. मधुर गायक श्री सुयशमुनिजी म. सा.

5. विद्याभिलाषी श्री सुयोगमुनिजी म. सा.

6. सेवाभावी श्री पंकज मुनिजी म. सा.

आदि मुनि-6

पता.—श्री एस. एस. जैन सभा

सेक्टर 18-डी-चण्डीगढ़-160 018

साधन:—दिल्ली, अम्बाला, मथुरा, रीगस, कानपुर,
लखनऊ से सीधी ट्रेन जाती है।

2. लुधियाना (पंजाब) :

1. विद्वद् रत्न श्री रत्नमुनिजी म. सा. (पंजाबी)

2. व्याख्यान वाचस्पति श्री क्रांतिमुनिजी म. सा.

3. घोर तपस्वी श्री भगत मुनिजी म. सा.

4. सेवाभावी श्री परमेश मुनिजी म. सा.

आदि मुनि-4

पता.—श्री एस एस जैन सभा

रूपा मिस्त्री गली,

लुधियाना-141 008 (पंजाब)

साधन:—दिल्ली, अमृतसर, लखनऊ, अम्बाला, फिरोजपुर
से सीधी ट्रेन जाती है।

3. मालेर कोटला (पंजाब) :

1. तत्त्व चिंतक, उत्कल केसरी उपाध्याय श्री मनोहर
मुनिजी म. सा.

2. मधुर गायक श्री सुधीर मुनिजी म. सा.
आदि मुनि-2

पता.—श्री मंत्री एस एस. जैन सभा,

जैन स्थानक, मोती बाजार,

पो आ. मालेर कोटला-148 023

जिला-संगरूर (पंजाब)

साधन.—लुधियाना, हिसार में लाइन पर रेलवे स्टेशन है।

4. त्रिनगर-दिल्ली :

1. गुणनिधि उपाध्याय श्री विशाल मुनिजी
म.सा. एम ए.

2. मधुर व्याख्यात्री श्री विचक्षणजी म. सा. बी. ए.

3. सेवाभावी श्री वरदान मुनिजी म. सा.

4. मधुर गायक श्री यशोभद्र मुनिजी म. सा.

5. सेवाभावी श्री अखिलेश मुनिजी म. सा.

6. नवदीक्षित मुनि

आदि मुनि-7

पता.—श्री एस एस. जैन सभा,

जैन स्थानक, त्रिनगर,

शांति नगर, वर्धमान पार्क के पास,

दिल्ली-110 035

साधन.—भारत के सभी प्रांतों से रेल, बस व हवाई मार्ग
से सभी प्रकार के साधन हैं।

5. अम्बाला शहर (हरियाणा) :

1. उप प्रवर्तक, जैन भूषण, तपस्वी रत्न
श्री सुदर्शन मुनिजी म. सा.

- 2 सेवाभावी श्री विवेक मुनिजी म सा
- 3 मेवाभावी श्री राजेश मुनिजी म सा ,
आदि मुनि-3

पता—श्रीमत्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,
महावीर मार्ग,
मु पो अम्बाला शहर-134003 -
(हरियाणा)

साधन—दिल्ली, बम्बई, मद्रास, पूना, भोपाल, पटना,
आगरा, श्री गगानगर, लुधियाना, जम्मू तबी से
सीधी ट्रेन जाती हैं। सभी ट्रेन ठहरती हैं।

6 गल्नोर (हरियाणा)

- 1 उप प्रवर्तक, प रत्न श्री राम मुनिजी म सा
- 2 विद्यावासीस श्री भद्रमुनिजी म सा
- 3 सेवाभावी श्री सतीश मुनिजी म सा
- 4 मेवाभावी श्री आश्विनी मुनिजी म सा
आदि मुनि-4

पता—श्री एस एम जैन सभा,
मु पो गल्नोर मण्डी (हरियाणा)-131 101

साधन—उत्तर रेलवे से दिल्ली-पानीपत-कालका-अम्बाला
रूट पर सोनीपत पानीपत के बीच रेलवे स्टेशन है।

7 भिवानी (हरियाणा)

- 1 उप प्रवर्तक स्वामी श्री फूलचन्दजी म सा
- 2 मेवाभावी श्री सुमति मुनिजी म सा
- 3 सेवाभावी श्री सत्यप्रकाशजी म सा
आदि मुनि-3

पता—श्री एस एम जैन सभा, जैन स्थानक,
परवा वाली गली, हालु बाजार,
मु पो भिवानी-125 021 (हरियाणा)

साधन—रेवाड़ी, चरखी दादरी, भवानी खेडा, हासी,
हिसार लाईन पर रेलवे स्टेशन है।

8 रायकोट (पंजाब)

- 1 उप प्रवर्तक वयोवृद्ध श्री नोबतरायजी म सा
- 2 सेवाभावी श्री जिनेश मुनिजी म सा
आदि मुनि-2

पता—श्री चमनलालजी जैन, मत्री

एस एस जैन सभा, मु पो रायकोट
जिला-लुधियाना (पंजाब)-141 109

साधन—लुधियाना, बरनाला, अहमदगढ़ मालेर कोटला
से बर्मे जाती हैं।

9 मंडी गिवडवाहा (पंजाब)

- 1 उप प्रवर्तक, कवि चक्रचूडामणि, कवि सम्राट
श्री चंदन मुनिजी म सा
- 2 वयोवृद्ध श्री खजानचंदजी म सा
आदि मुनि-2

पता—श्री मत्री-एस एस जैन

सभा जैन स्थानक,
मु पो मंडी गिवडवाहा
जिला-फरीदकोट (पंजाब)-152 101

साधन—भटिंडा, श्री गगानगर (उ रे) लाईन पर
रेलवे स्टेशन है। दिल्ली, लुधियाना, अमृतसर,
बीकानेर, मानसा, सिरसा से भी सीधी ट्रेन जाती हैं।

10 शिवपुरी लुधियाना (पंजाब)

- 1 उप प्रवर्तक प रत्न श्री जगदीश मुनिजी म सा
- 2 व्याख्यान श्री जितेंद्र मुनिजी म सा
- 3 मेवाभावी श्री रमन मुनिजी म सा
- 4 सेवा भावी श्री राजीव मुनिजी म सा
आदि मुनि-4

पता—एस एस जैन सभा

शिवपुरी लुधियाना-141008 (पंजाब)

साधन—उपरोक्त

11 करोलबाग (दिल्ली)

- 1 उप प्रवर्तक वयोवृद्ध श्री बनबारीलालजी म सा
- 2 व्याख्यान वाचस्पति श्री पारसमुनिजी म सा
आदि मुनि-2

पता—श्री एस एस जैन सभा,
19, प्रेम भवन, पाक एरिया,
करोल बाग, दिल्ली-110 006

साधन:-देश के हर कोने से ट्रेन जाती है।
दिल्ली-जंक्शन से ऑटो रिक्शा उपलब्ध है।

12. गुडगाँव (हरियाणा) :

1. उपप्रवर्तक परम सेवाभावी श्री प्रेमसुखजी म. सा.
2. मधुर वक्ता श्री रविन्द्र मुनिजी म. सा.
3. मधुर वक्ता श्री रमणीक मुनिजी म. सा.
4. सेवाभावी श्री उपेन्द्र मुनिजी म. सा.
5. सेवाभावी श्री कौशल मुनिजी म. सा.

आदि मुनि-5

पता:-श्री एस एस जैन सभा, जैन स्थानक,
मु. पो. गुडगाँव-122 001 (हरियाणा)

साधन:-दिल्ली, अम्बाला से बसें जाती है।

13. कोल्हापुर रोड़ (दिल्ली) :

1. उपप्रवर्तक, तपस्वी रत्नश्री सुमतिप्रकाशजी म. सा.
'जै शि. प्रभा'
2. प्रिय व्याख्यानी श्री आशीष मुनिजी म. सा. एम. ए.
3. प्रिय व्याख्यानी श्री गोरख मुनिजी म. सा.
4. विद्याभिलाषी श्री अचल मुनिजी म. सा.
5. सगीत रसिक श्री उत्तम मुनिजी म. सा.
6. सेवा भावी श्री हर्षवर्धन मुनिजी म. सा.
7. विद्याभिलाषी श्री मणीभद्र मुनिजी म. सा.
8. नवदीक्षित श्री बलभद्र मुनिजी म. सा.

आदि मुनि-8

पता:-श्री एस.एस. जैन सभा,
5992 कोल्हापुर रोड, कोल्हापुर हाऊस, सज्जी मंडी,
सज्जी मंडी, दिल्ली 10007

साधन:-देश के हर कोने से ट्रेन जाती है
दिल्ली जंक्शन से ऑटो रिक्शा मिटी बस उपलब्ध।

14. मोरिण्डा (पंजाब)

1. पंजाब केशरी, जैन भूषण श्री ज्ञान मुनि जी म.सा.
2. सेवाभावी श्री भगवत मुनिजी म.सा.

आदि मुनि 2

पता:-श्री एस एस जैन सभा
मु. पो. मोरिण्डा
जिला-रोपड़ (पंजाब)

साधन:-उपरोक्त

15. मूनक (पंजाब) :

1. मधुर वक्ता पं. रत्न श्री रणसिंह मुनिजी म. सा.
2. व्याख्यानी श्री विनोद मुनि जी म. सा.
3. सेवाभावी श्री सुनील मुनि जीम.सा.
4. सेवाभावी श्री वीरेन्द्र मुनिजी म. सा.

—

आदि मुनि 4

पता:-श्री मंत्री-एस एस जैन सभा
मु. पो. मूनक-14001
जिला-संगरूर (पंजाब)

साधन:-मालेर कोटला, संगरूर, धूरी मण्डी, हिसार
भटिण्डा, अम्बाला रेल्वे स्टेशन से सीधी बसें जाती हैं।

16. कालका (हरियाणा):-

1. मनोहर व्याख्यानी श्री नेमीचन्दजी म.सा.
2. विद्याभिलाषी श्री नवीन मुनिजी म. सा.

आदि मुनि 2

पता:-श्री एस एस जैन सभा
मु. पो. कालका (हरियाणा)-133302

साधन:-उत्तर रेल्वे में दिल्ली पानीपत कालका कालका
मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है।

17. राजपुरा-(पंजाब) :

1. व्याख्याता श्री शान्तिमुनि जी म.सा.
2. तपस्वी श्री प्रीतम मुनिजी म.सा.

आदि मुनि 2

पता:-श्री एस.एस. जैन सभा
मु. पो. राजपुरा जिला पटियाला (पंजाब)-140401

साधन:-उ. रे. के मुगलसराय लखनऊ
अम्बाला अमृतसर मेन लाइन पर स्टेशन है।

साधना सदन पूना (महा.)

1. साधु रत्न श्रमण संघीय सचिव डॉ०
श्रीशिव मुनिजी म.सा.

- 2 व्याख्यानी श्री जितेन्द्र मुनि जी म सा
- 3 नवदीप्ति श्री कमल मुनि जी म सा

आदि मुनि 3

पता—श्री न स्या जैन धावक मध,

साधना सदन,

नाना पेठ,

पूना-2 (महा) फोन न 444442

सम्पर्क मूल—श्री मम्मनलालजी चादमनजी चौपडा, मश्री

9वीं गणेशपट्ट-पूना-411002 (महा)

फोन न 444442

साधन—बम्बई, गोंनापुर, गुटबल, बैंगलोर, भोपाल,
दिल्ली, हैदराबाद, जलगाव, मनमाड से सीधी ट्रेन
जाती है।

19 अहियापुर (पंजाब)

- 1 मधुर वक्ता श्री अरविन्द मुनिजी म सा
- 2 घोर तपस्वी श्री राजेन्द्र मुनि जी म सा

आदि मुनि 2

पता—श्री एम एम जैन समा

मु पो अहियापुर-(पंजाब)

जिला—होगियारपुर-144204

साधन—होगियारपुर से वनें जाती हैं।

20 मेरठ (उत्तर प्रदेश)

- 1 तपस्वी श्री जितेन्द्र मुनिजी म सा
- 2 मधुर वक्ता श्री ज्योति मुनि जी म सा

आदि मुनि 2

पता—श्री मश्री एसएस जैन समा, जैन स्थानक,

तीर्थवर महावीर मार्ग, जैन नगर

मु पो मेरठ शहर-250001 (उप्र)

साधन—दिल्ली, गाजियाबाद, महारनपुर (उत्तर रेल्वे)
मेन रेल लाइन पर रेल्वे स्टेशन है। दिल्ली से वनें
भी जाती है।

21 प्रीतमपुरा दिल्ली

- 1 तपस्वी रत्न श्री सहज मुनि जी म सा
- 2 मेवाभावी श्री हितेश मुनि जी म सा

आदि मुनि 2

पता—

साधन—

22 ब्यावर (राज०)

- 1 नान दिशावर, पंजाब केशरी श्री विजय मुनि जी
म सा

- 2 मधुर वक्ता श्री ग्मेज मुनि जी म सा

आदि मुनि 3

पता—श्री लालचंदजी श्रीमाल,

महावीर बाजार, मु पो ब्यावर-305901

जिला—अजमेर (राज)

साधन—य रे के दिल्ली अहमदाबाद मेन लाईन पर रेल
स्टेशन है। मभी ट्रेन चक्ती हैं। रातस्थान में हर
बड़े-बड़े शहर से वन उपलब्ध है।

23 बलाचौर (पंजाब)

- 1 व्याख्यान वाचस्पति कविरत्न श्री सुरेन्द्र मुनिजी म सा
- 2 व्याख्यानी श्री सुभाष मुनिजी म सा
- 3 मेवाभावी श्री मजीब मुनि जी म सा

आदि मुनि 4

पता—श्री एसएस जैन समा

बलाचौर

(पंजाब)

साधन—

24 मटिण्डा (पंजाब)

- 1 इनिहाम केशरी श्री भुमन मुनि जी म सा
- 2 मधुर गायक श्री यशभद्र मुनिजी म सा 'जै सि शास्त्री'
- 3 मेवाभावी श्री समतमदजी म सा

आदि मुनि 3

पता—श्री एसएस जैन समा

मु पो मटिण्डा (पंजाब)

साधन—दिल्ली लुधियाना, अमृतसर, हिसार से सीधी
ट्रेन उपलब्ध।

59. कुरुक्षेत्र (हरियाणा)

1. वयोवृद्ध महा. श्री दीममालाजी म सा.
आदि म.सा. (4)

पता:-श्री एस एस जैन सभा,
जैन स्थानक, गली खत्रीयान
मु.पो. कुरुक्षेत्र-132118 (हरियाणा)

साधन:-दिल्ली, अम्बाला, लुधियाना, करनाल, पानीपत,
सोनीपत, जीन्द से ट्रेन जाती है।

60. सुन्दरनगर लुधियाना (पंजाब)

1. व्याख्यात्री महा. श्री महेन्द्राजी म.सा
आदि म सा (3)

पता -श्री एस एस. जैन सभा,
सुन्दरनगर,
लुधियाना-141008 (पंजाब)

साधन:-दिल्ली, अमृतसर, लखनऊ, अम्बाला, फिरोजपुर
से सीधी ट्रेन जाती है।

61. पटियाला (पंजाब)

1. उग्र तपस्विनी महा. श्री सुमित्राजी म. सा.
आदि म.सा (3)

पता:-श्री एस एस. जैन सभा, -
कसेरा चौक,
मु.पो पटियाला (पंजाब) 117001

साधन -

म

62. अशोक विहार दिल्ली

1. प्रभाविका महा. श्री राजेश्वरी जी म सा.
आदि म.सा. (7)

पता:-श्री एस. एस. जैन सभा,
एफ ब्लोक, फेज नं. 1,
अशोक विहार, दिल्ली-52

साधन -देश के हर कोने से ट्रेन जाती है।
दिल्ली जक्शन से आटो रिक्शा सिटी बस उपलब्ध।

63. कोल्हापुर हाऊस-दिल्ली

1. साध्वी रत्न महा. श्री स्वर्णकुमारीजी म.सा.
आदि म.सा. (7)

पता:-श्री एस. एस. जैन सभा,
5992, कोल्हापुर रोड,
कोल्हापुर हाऊस,
सब्जी मण्डी, दिल्ली-10007

साधन:-देश के हर कोने से ट्रेन जाती है।
दिल्ली जंक्शन से आटो रिक्शा, सिटी बस उपलब्ध।

64. पूना (महाराष्ट्र)

1. परम विदुषी महा श्री मंजूश्रीजी म.सा
आदि म सा (4)

पता:-श्री रतनचन्दजी दलीचन्दजी सराफ
406, रविवार पेठ, पूना-411002 (महा)

साधन:-बम्बई, शोलापुर, गुंटकल, बैंगलौर, भोपाल,
दिल्ली, हैदराबाद, जलगाँव, मनमाड़ से सीधी ट्रेन
जाती है।

65. डबीरपुरा-हैदराबाद (आन्ध्रप्रदेश)

1. परम प्रभाविका महा. श्री विजयाश्रीजी म सा
आदि म.सा. (3)

पता:-श्री जयन्तलाल मीठालाल कटारिया,
17-6-770, आउट साइड,
डबीरपुरा हैदराबाद
(आन्ध्रप्रदेश) 500023

साधन -बम्बई, अजमेर, इन्दौर, खण्डवा, भीलवाडा से
सीधी ट्रेन।

66. शालीमार बाग-दिल्ली

- 1 तपस्विनी महा. श्री मोहनमालाजी म.सा.
आदि म.सा (8)

पता:-श्री एस. एस जैन सभा,

साधन -देश हर कोने से ट्रेन जाती है।
दिल्ली जंक्शन से आटो रिक्शा, सिटी बस उपलब्ध।

67. संगरूर (पंजाब)

1. तपस्विनी महा. श्री विशालाजी म.सा.
आदि म.सा. (3)

पता—श्री एम एम जैन मभा,
मु पो मयम् (पंजाब)

साधन—

मा

68 रामामण्डी (पंजाब)

1 तपस्विनी महा श्री विनयवतीजी म मा
आदि म मा (2)

पता—श्री एम एम जैन मभा,
म पो रामामण्डी,
(पंजाब)

साधन—

69 ममाना (पंजाब)

1 मरला मा श्री हर्माकुवर्जी म मा आदि म मा (6)

पता—एम एम जैन मभा,
मु पो ममाना-14701
जिला-मटियाणा (पंजाब)

साधन—

70 भटिण्डा (पंजाब)

1 तप प्रभाविता श्री कृष्णाजी म मा
आदि म मा (3)

पता—श्री एम एम जैन मभा
मु पा भटिण्डा,
(पंजाब)

साधन—

मा

71 अहमदगढ मण्डी (पंजाब)

1 प्रभाविता महामनी श्री शिमराजी म मा
आदि म मा (4)

पता—श्री मनीशकुमार जैन मत्री,
एम एम जैन मभा, गाँधी चौक ब पास,
अहमदगढ मण्डी-148021
जिला लुधियाना (पंजाब)

साधन—उत्तर रेल्वे म बुधियाना-हिसार राइन पर मानेर
कोटना के पास रेल्वे स्टेशन है।

72 गुज्जरखेडी (हरियाणा)

1 प्रभाविता महा श्री मिनशकुमारजी म मा
आदि म मा (4)

पता—श्री एम एम जैन मभा,
मु पो गुज्जरखेडी,
(हरियाणा)

साधन—

73 बौट (पहा)

जिदुपी महा श्री मजुश्रीजी म मा आदि ठाणा (4)

पता—श्री चम्पानान प्रेमचन्द मयानी (बापा)
मु पा दौड जिला पुणे (महा) 413801

साधन—मे 7 मे दौड जक्शन स्टेशन है पूना, मनमाड,
अहमदनगर मे ट्रेन, थम उपलब्ध। मा

कुल चातुर्मास सतों के	28	कुल सत	90
कुल चातुर्मास सतियों के	45	कुल सतिपाजी	222
कुल	73	कुल	312
कुल चातुर्मास स्थल 73 सत 90 सतिपाजी 222			
कुल ठाणा 312			

सत सतों तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	सतिपाजी
1985 म कुल ठाणा थे	82	202
+ विद्वदय श्री रत्न मुनिजी म मा के आना ट्रामकर किये	10	23
	92	225
+ नई दीपार्यो हुई	6	21
	98	246
—बालघर्म प्राप्त हुए	—	2
	98	244
—रिस्ट मे नाम नहीं जाया	8	22
	90	222
1986 मे कुल ठाणा है	90	222

नोट—हमें चातुर्मास प्रारम्भ होने के 20 दिन बाद भी पूरी रिस्ट प्राप्त नहीं हो सकी अतः सभी के नाम का भी मिलान नहीं कर सके। जो सूची प्राप्त हुई उसमें भी कईयो के नाम ही नहीं हैं, कईयो के पूरे सिपाणों के नाम नहीं हैं अतः नाम ऊपर नीचे हो गये हा तो क्षमा करें। सही सूचना आने पर सूचित कर दिया जावेगा।

मेवाड़ केशरी, प्रवर्तक पद विभूषित, पं. रत्न श्री मोहनलालजी म. सा. से आज्ञा प्राप्त संत-सतीयाँजी

संत समुदाय

1. मदनगंज (किशनगढ़) :

1. मेवाड़ केशरी, प्रवर्तक पद विभूषित, पं. रत्न
श्री मोहन लालजी म. सा.

2. व्याख्यान वाचस्पति युवा कवि श्री महेन्द्र मुनि जी
म.सा. 'कमल'

3. सेवामूर्ति श्री अरविन्द मुनि जी म.सा.

4. ज्ञान जिज्ञासु तरुण तपस्वी श्री अक्षय मुनि जी म.सा.
उपाध्याय श्री केवलं मुनि जी म. सा. के आज्ञा
पं. रत्न श्री प्रदीप मुनिजी म.सा भी सेवा में)

आदि मुनि 4

पता—श्री रतनलाल जी मारु,

मारु वर्क्स,

मु.पो किशनगढ़-मदनगंज

जिला-अजमेर (राज.) 305801

चातुर्मास स्थल—श्री व.स्था जैन श्रावक संघ,

जैन स्थानक,

मु.पो मदनगंज-किशनगढ़

जिला-अजमेर (राज.)

साधन—जयपुर-अजमेर के बीच में दिल्ली अहमदाबाद में
नार्जन पर स्टेशन है। रेलवे स्टेशन के पास में ही
स्थानक है।

महासतियाँजी समुदाय

2. डूंगला (राज.) ।

1. मेवाड़ मिहनी, भारत कोकिला, अहिंसा की
उपनिषा जिन शासन प्रभाविका महा. श्री जसकुंवर
जी म.सा.

2. सेवा भावी महा श्री राजकुंवर जी म.सा.

3. विदुषी महा श्री मैना कुंवरजी म.सा.

4. विदुषी महा. श्री सुधा कुंवर जी म.सा.

5. विद्याभिलाषी महा. श्री विजय प्रभाजी म.सा.

6. विद्याभिलाषी महा. श्री प्रियदर्शना जी म.सा.

7. सेवाभावी महा. श्री पुष्पलताजी म.सा.

8. नवदीक्षिता महा. श्री मणि प्रभाजी म.सा.

आदि म.सा. 8

पता—श्री मोहन लाल जी दक (जैन)

श्री व. स्था जैन श्रावक संघ,

जैन स्थानक,

मु.पो. डूंगला-312402

जिला—चित्तौड़गढ़ (राज.)

साधन—चित्तौड़गढ़, उदयपुर, मावली, भीलवाड़ा से
वसें जाती है।

3. कपासन (राज.) :

1. वयोवृद्धा महासती श्री सुगन कुंवरजी म.सा.

2. विदुषी महासती श्री शान्ता कुंवरजी म.सा.

3. विदुषी महासती श्री सुमति कुंवर जी म.सा.

4. मधुरकण्ठी, मधुर भापी महा. श्री मनोहर कुंवरजी
म. सा.

आदि म.सा. 4

पता—श्री नाथूलाल जी चण्डालिया

मु.पो. कपासन-31203

जिला—चित्तौड़गढ़ (राज.)

साधन—चित्तौड़गढ़, उदयपुर से वसें जाती है।

4. गंगरार (राज.)

1. व्याख्यात्री विदुषी महा. श्री मञ्जन कुंवर जी म.सा.

2. शास्त्रवाचक महा. श्री लहर कुंवर जी म.सा.

- मेवाभावी महा श्री पारम कुवर जी म मा
4 विद्याभिलाषी महा श्री सुप्रभाजी म मा
आदि म मा 4

पता—श्री जीतमन जी बाफणा
पो ऑ गगरार-312901
जिला चित्तौडगढ़ (राज)

साधन—भीलवाडा चित्तौडगढ़ में उन्हें मिलती हैं।

5 कदवासा (म प्र)

- 1 व्याख्यात्री, विदुषी महामती, श्री रमिला कुवरजी
म मा
2 विदुषी महामती श्री ललित कुवर जी म मा
3 व्याख्यात्री महामती, श्री सुशीला कुवरजी म मा
4 सपनवक्ता महामती श्री ज्ञान कुवरजी म मा
5 मेवाभावी महामती श्री अचना कुवरजी म मा
आदि म मा 5

पता—श्री विजय सिंहजी सुराणा
पो आ कदवामा, बाया-नीमच-(मिंगोली)
जिना मदनीर (म प्र) 458228

साधन—नीमच, मदनीर, मिंगोली, रतलाम, चित्तौड,
भीलवाडा में वसं जाती हैं।

■ डाणियो की कोटडी (राज)

- 1 प्रवचन प्रभाविका महा श्री मिठकुवरजी म मा
2 विद्याभिलाषी महा श्री विमन कुवर जी म मा
3 विदुषी महामती श्री मुक्ति प्रभाजी म मा
4 सबदीक्षिता महा विनय प्रभाजी म मा
आदि म मा 4

पता—श्री सुजानसिंह पोखरण
पो आ डाणिया की कोटडी-बाया बीगोद
जिला-भीनवाडा (राज) 311601

साधन—भीनवाडा, चित्तौडगढ़ नीमच में वसं उपलब्ध

7 बीगोद (राज)।

- 1 तपस्विनी मधुर व्याख्यात्री महा श्री प्रेम कुवरजी
म मा
■ व्याख्यात्री महामती श्री रिद्धि कुवर म मा
(राज कुवरजी)

- 3 तपस्विनी महा श्री चारिदप्रभाजी म मा
(बाना कुवरजी)

- 4 विद्याभिलाषी महा श्री प्रतिभाकुवर जी म मा
आदि म मा 4

पता—श्री मोहनलाल जो बाफणा
पा आ बीगोद-311601
जिला भीनवाडा (राज)

साधन—भीलवाडा, नीमच, चित्तौडगढ़, उदयपुर में वसं
जाती हैं।

कुल चातुर्मास मता के	1	कुल मुनिराज	4
" " सतीया के	5	" " महामतीयाजी	29
	कुल 7		कुल 33

कुल चातुर्मास 7 सत 4 सतीयाजी 29 कुल ठाणा 33

संत सती सुलनात्मक तालिका

विवरण	मत	सतीया
1985 में कुल ठाणा थे	4	27
+ नई दीपगाई हुई	—	2
	4	29
—देहावसान हुआ	—	—
	4	29
1986 में कुल ठाणा है	4	29

जीवन को नीतिमय, प्रमाणिक, धार्मिक, तथा उत्तम
बनाने के लिए सब प्रथम सत्यमय बनाना आवश्यक है।

अपना भला चाहते हो तो दूसरों का भला चाहो दूसरों
का दुःख चाहना, अपना दुःख चाहना।

प्रतिभा, विनय, विवेक, श्रम, शील, सत्य, मन्तोष
अपनाना उपरोक्त गुण जो बनना गुण—नीय।

मरुधरा रत्न, घोर तपस्वी, प्रवर्तक पद विभूषित काव्य मनीषी, श्री रूपचन्दजी म. सा. 'रजत' से आज्ञा प्राप्त सन्त-सतियाँजी

संत समुदाय

(1) बिलाड़ा (राजस्थान)

1. मरुधरा रत्न, घोर तपस्वी, प्रवर्तक पद विभूषित, काव्य मनीषी श्री रूपचन्दजी म. सा. 'रजत'
2. उपप्रवर्तक मधुर व्याख्यानी, मरुधरा भूषण पं. रत्न श्री सुकुन मुनिजी म. सा.
3. सेवाभावी श्री महेन्द्र मुनिजी म. सा.
4. विद्यार्थी श्री भुवनेश मुनिजी म. सा. 'विद्यार्थी'
5. विद्या प्रेमी श्री अमृतचन्द्रजी म. सा. 'प्रभाकर'
6. संगीत रसिक श्री अमरेश मुनिजी म. सा. 'निराला'
7. वैयावच्ची श्री विनोद मुनिजी म. सा.
8. विद्यार्थी श्री सूर्यकुमारजी म. सा.

आदि मुनि (8)

पता:-1. अध्यक्ष श्री मोहनलालजी भंडारी,
मु.पो. बिलाड़ा
जिला-जोधपुर (राज.)
2. श्री पारसमलजी जांगड़ा,
जांगड़ा मेडीकल स्टोर्स,
मु.पो. बिलाड़ा
जिला-जोधपुर (राज.)

साधन:-जोधपुर, पाली, भोपालगढ़, जयपुर, अजमेर,
कोटा, जेतारण, व्यावर, सोजत मडता से सीधी
बसें जाती हैं।

महासतियाँजी समुदाय

2. पाली (राज) :

1. परम विदुषी पण्डिता व्याख्यात्री वयोवृद्धा
महा. श्री जैनमतिजी म. सा.

2. वयोवृद्धा महा. श्री प्रभावतीजी म. सा.
3. व्याख्यात्री महा. श्री रामकुँवरजी म. सा.
4. विद्याप्रेमी महा. श्री इन्द्रप्रभाजी म. सा.

आदि म. सा. (4)

पता:-श्री सायरचन्दजी गांधी मंत्री,
श्री व. स्या. जैन श्रावक संघ,
घाणेराव की गली, पाली मारवाड़
(राज.)-306 401

साधन:-जोधपुर, नागौर, पीपाड़, जयपुर, बीकानेर,
लुणी, अहमदाबाद, उदयपुर, तरलाम, खंडवा से
सीधी ट्रेन।

3. बिलाड़ा (राज.) :

1. परम विदुषी जिन शासन चन्द्रिका महा.
श्री सज्जनकुँवरजी म. सा.
2. स्वाध्यायी प्रमी महा. श्री पुष्पावतीजी म. सा.
3. मधुर व्याख्यात्री महा. श्री राजमतीजी म. सा.
4. मधुर गायिका महा. श्री धर्मप्रभाजी म. सा.
5. विद्याप्रेमी महा. श्री ज्ञानप्रभाजी म. सा.

आदि म. सा. (5)

पता:-पारसमलजी जांगड़ा,
जांगड़ा मेडीकल स्टोर
मु. पो. बिलाड़ा
जिला-जोधपुर (राज.)

साधन:-उपरोक्त।

4. इन्दौर-जानकी नगर (म. प्र.) :

1. मरुधरा श्रमणीरत्न, विदुषी श्री तेजकुँवरजी म. सा.
"जै. शि. प्रभा"
2. वयोवृद्धा महा. श्री मनोहरकुँवरजी म. सा.
3. आगम प्रेमी महा. श्री धनकुँवरजी म. सा.

- 5 मगीत रसिका महा श्री इन्द्रप्रभाजी म सा
6 विद्याप्रेमी महा श्री प्रीतिसुधाजी म सा
आदिम मा (6)

पता—श्री राधल चंदजी महता,
श्री जानकी नगर, जैन श्रावण सभ, नवनद्या मेनरोट,
इन्दौर-452 001 (म प्र)
फोन न 5826-4011 पी पी

साधन—य २ के प्रमर्द, इन्दौर, अजमेर, खडवा कांचीगुडा
मेन गार्डन पर रेलवे स्टेशन ह।

5 निम्बली (राज)

- 1 श्रमणी भूपण परम विष्णु महामनी श्री गुणवताजी म सा
2 मधुर व्याख्यात्री श्री विमलावतीजी म सा
3 सेनाभावी महा श्री पवनकुवरजी म सा
4 विद्याप्रेमी महा श्री नवज्योतिजी म सा
आदिम मा (4)

पता—श्री व स्या जैन श्रावण सभ,
मु पा निम्बली स्थाया राणावास
जिना-पाली (राज)

साधन—भारवाड, पाली, राणावास साजह से बने
उपलब्ध।

■ सादडी भारवाड (राजस्थान)

- 1 वयोवृद्धा स्वविरा महासती श्री सत्ताजी म सा
(मकारण)
म सा (1)

पता—श्री सवाईमलजी बाबूलालजी भूममिया,
मु पी मादडी-भारवाड-306 702
बाया फालना जिला-पाली (राजस्थान)

साधन—भारवाड जवशन, जोधपुर, उदयपुर, पाली,
सादेराव स्टेशन, फाटना वाली, राणवपुर, नाथद्वारा
से सीधी बसें जाती हैं।

7 पाली-भारवाड (राजस्थान)

- 1 वयोवृद्धा स्वविरा महा श्री विदामकुवरजी म सा
(मकारण)

- 2 वयोवृद्धा स्वविरा महा श्री मायरकुवरजी म सा
■ वयोवृद्धा महा श्री वणवार कुवरजी म सा
म सा (3)

पता—श्री नायरचंदजी गाधी,
बायना के विप्रेना, धाणेराव का मारी
पाली-भारवाड (राज) 306 401

साधन—जयपुर, मारवाड, जयशन, नागार, अहमदाबाद
से सीधी रेल सेवा म राजस्थान के हर प्रांत म बसें
उपलब्ध।

8 कर्मावास (राजस्थान)

- 1 वयोवृद्धा महा श्री वसुजी म सा (मकारण)
म सा (1)

पता—श्री व स्या जैन श्रावण सभ, जैनस्थानक
मु पी कर्मावास जिला नाडमर (राज)

साधन—ममदटा, नाडमेर, बालोतरा, फलीदी म
बसें जाती हैं।

कुल चातुर्मास सती के	1	कुल सत	8
कुल चातुर्मास सतिया के	7	कुल सतियाजी	21
कुल	8	कुल	32

कुल चातुर्मास 8 सत 8 सतियाजी 24 कुल 32

सत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	सतिया
1985 में कुल ठाणा थे	8	25
+ नई दोषाएँ हुईं	—	—
—	8	25
—बालघम प्राप्त हुए	—	—
—	8	25
— इस वर्ष की सूची म नाम नहीं है	—	1
—	8	24
1986 में कुल ठाणा ह	8	24
—	—	—

नाट—महा श्री उगमकुवरजी म सा (पाली) का नाम
सूची में नहीं आया है।

प्रवर्तक पद विभूषित, आत्मार्थी, पं. रत्न, सुलेखक, कविवर्य
श्री उमेश मुनिजी म. सा. 'अणु' से आज्ञा
प्राप्त संत संतियाजी

संत समुदाय

1. मेघनगर (म. प्र.) :

प्रवर्तक कविवर्य शास्त्रज्ञ स्व. श्री सूर्य मुनिजी म सा के
सुशिष्य—

- 1- शान्तमूर्ती पं रत्न श्री रुपेन्द्र मुनिजी म.सा
2. आध्यात्मिक योगी, संत शिरोमणी, प्रवर्तक
पद विभूषित सुलेखक पं. रत्न श्री उमेश
मुनिजी म. सा. 'अणु'
3. व्याख्यानी प रत्न श्री महेन्द्र मुनिजी म सा.
4. सेवाभावी श्री चैतन्यमुनिजी म सा

आदि मुनि (4)

पता—श्री रणजीतसिंह बाफना,
मु. पो. मेघनगर
जिला-नाबुआ (म. प्र.)-457 779

साधन.—पश्चिमी रेल्वे लाईनपरमेघनगर स्टेशन है।
वसे भी मिलती है। दिल्ली, बम्बई, रतलाम से
सीधी ट्रेन मिलती है।

2. मधुवन-शिखरजी (बिहार) :

मालव केशरी स्व. श्री सौभाग्यमलजी म सा. के प्रधान
शिष्य

- 1 पंडित रत्न व्याख्यानी श्री हुकममुनिजी म. सा.
'सकारण)
2. पं. रत्न समाज सेवी श्री अनुपममुनिजी म. सा.

आदि मुनि (2)

पता—मैनेजर, जैन भवन
श्री पार्श्वनाथ सेवाश्रम
मु. पो. शिखरजी (मधुवन)
जिला-गिरिडीह-715 329

साधन—पूर्व रेल्वे धनबाद, गिरिडीह, वेगुसराय, भागलपुर,
पटना, राची स्टेशनो से सीधी बसे मिलती है।

3. रतलाम (म. प्र.) :

मालव केशरी महाराष्ट्र विभूषण जैन सुधारक प्रसिद्ध
वक्ता. श्री सौभाग्यमलजी म.सा के अंतैवासी सुशिष्य—

- 1 सलाहकार आदर्श सेवामूर्ति प. रत्न प्रवचन दिवाकर
मधुर वक्ता श्री जीवनमुनिजी म. सा.
- 2 घोर तपस्वी श्री कमलमुनिजी म. सा
3. वक्ता लेखक पं. रत्न श्री प्रकाशमुनिजी म. सा.
'निर्भय' शास्त्री एम ए.
- 4 सेवाशील गायन रसिक श्री कीर्तिमुनिजी म सा.

आदि मुनि (4)

पता—धर्मदास जैन मित्र मंडल,
80, नौलाईपुरा-रतलाम (म प्र.)-457 001

साधन—बम्बई, दिल्ली, भोपाल, इन्दौर, अजमेर, जोधपुर,
मारवाड आदि से सीधी ट्रेने मिलती है।

4. औरंगाबाद (महाराष्ट्र) :

1. सत रत्न श्री प्रमोदमुनिजी म सा. "मधु"
- 2 नवदाक्षित श्री गोतममुनिजी म. सा

आदि मुनि (2)

पता—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, मु. पो. औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
411 001

साधन—रतलाम, इन्दौर, खण्डवा, जालना, हेंदराबाद,
बम्बई, नासिक, जलगाँव से सीधी ट्रेन जाती है।
महाराष्ट्र में हर जगह सीधी बसे जाती है।

५. पूना (महाराष्ट्र) :

1. तपोकेसरी व्याख्यानी श्री प्रेम मुनिजी म. सा.

मुनि (1)

(डॉ. विद्वान श्री जिवमुनिजी म.सा की सेवा में)

पता—श्री व म्या जैन थावक सघ,
जैन स्थानक 1349 पालखी विठामा चाक
भवानी पेट पूना-411 002 (महागष्ट)

साधन—बम्बई मद्राम (म रत्ने) मेन लाइन पर स्टेशन
है। पूना रेल्वे स्टेशन वस स्टेशन से मिटी वस,
तागा, रिकशा उपलब्ध।

महासतियोंजी समुदाय

5 रतलाम (मध्य प्रदेश)

- 1 वयावद्धा महा श्री वेशरकुवरजी म सा (सकारण)
- 2 मबामूर्ति महा श्री दिलमुख कुवरजी म सा
- 3 सगीत प्रेमी महा श्री प्रमोदसुधाजी म सा
- 4 अध्ययनशीला महा श्री रमणीक कुवरजी म सा
आदि म सा (4)

पता—श्री व स्या जैन थावक सघ,
जैन स्थानक, चामुखी पुल,
रतलाम (म प्र)-457 001

साधन—म रे के बम्बई-दिल्ली मेन लाइन एव अजमेर,
कांचीगुडा मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है।

6 गुजालपुर (मध्य प्रदेश)

- 1 महाराष्ट्र मागम ममता मिधु महा श्री चान्दकुवरजी
महागज सा
- 2 शानि प्रेमी व्यवहार कुशल महा श्री शानिकुवरजी
म सा
- 3 सवामात्री महा श्री कुसुम कुवरजी म सा
- 4 विनयशीला प्रिय वसन्ती महा श्री सुमनप्रभाजी म सा
- 5 तपामूर्ति महा श्री कमलप्रभाजी म सा
“सिद्धाचार्य शान्ती”
- 6 गायन प्रवीण महा श्री प्रवीणजी म सा सि शान्ती
- 7 सगीत रसिका महा श्री सुवर्णाजी म सा
सिद्धाचार्य शान्ती
- 8 स्वाध्याय रसिका महा श्री ज्योतिसुधाजी म सा
सिद्धाचार्य शान्ती
- 8 स्वाध्याय रसिका महा श्री ज्योतिसुधाजी म सा
सिद्धाचार्य शान्ती

9 सयम रुचिका महा श्री सयमप्रभाजी म सा
सिद्धाचार्य प्रभाकर

10 चारित्र्य रसिका महा श्री चारित्र्यप्रभाजी म सा
सिद्धाचार्य प्रभाकर

11 नवदीक्षिता महा श्री चन्द्रप्रभाजी म सा
आदि म सा (11)

पता—श्रीविज्ञाननालजी मोजीलालजी चौधरी
बडा बाजार, गुजालपुर-465 331 (म प्र)

साधन—

8 इंदौर (म प्र)

- 1 कपानूदा स्वविरा पद विभूषित महा श्री साहन-
कुवरजी म सा (मकारण)
- 2 सेवाशीला महा श्री मज्जनकुवरजी महा सा
- 3 व्याख्यात्री महा श्री कमलाकुवरजी म सा
- 4 व्याख्यात्री महा श्री तारा कुवरजी म सा
- 5 तपस्विनी महा श्री मधुनाभाजी म सा
- 6 ज्ञान विषामु मवारत श्री धैर्यप्रभाजी म सा
आदि म सा (6)

पता—श्री दयालालजी हजारीलालजी भटेवरा,
61 पीपली बाजार, इन्दौर-452 002 (म प्र)

साधन—बम्बई, भोपाल, अजमेर, खडवा, नागदा दिल्ली
उज्जैन रतलाम, आदि स्थानों से ट्रेन जाती है।

9 इंदौर (म प्र)

- 1 वयोवृद्धा महा श्री चपाकुवरजी म सा (सकारण)
- 2 साध्वारत्न डॉ महा श्री ललितप्रभाजी म सा
एम ए पीएच डी
- 3 सेवाशील महा श्री कीर्तिसुधाजी म सा
आदि म सा (3)

पता—राधा जैन स्थानक, 153 आडा बाजार,
इन्दौर-452 002 (म प्र)

साधन—बम्बई, भोपाल, अजमेर, खडवा, नागदा, दिल्ली,
उज्जैन, रतलाम आदि स्थानों से ट्रेन जाती है।

10 रतलाम (मध्यप्रदेश)

- 1 विदुषी व्याख्यात्री महासती श्री मोहनकुवरजी म सा
- 2 विद्याभिलाषणी महा श्री साधनाकुवरजी म सा

3. विद्या रसिक महा. श्री विमलज्योतिजी म. सा.
आदि म. सा. (3)
पता:-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जालीवाला स्थानक
चौमुखी पुल-रतलाम (म.प्र.)-457 001
साधन:-बम्बई, दिल्ली, भोपाल, इन्दौर, अजमेर, जोधपुर,
मारवाड आदि से सीधी ट्रेन जाती है।

11. बामनिया (मध्य प्रदेश) :

1. विदुषी व्याख्यानी महा. श्री कंचनकुंवरजी म. सा.
(सकारण)
2. सेवाभावी महा. श्री सूर्यप्रभाजी म. सा.
आदि म. सा. (2)
पता:-श्री मागीलालजी भंडारी,
मु. पो. बामनिया
जिला-झाबुआ-457 770
साधन:-दिल्ली, बम्बई, रतलाम से सीधी ट्रेन जाती है।

12. रतलाम (म. प्र.) :

1. वयोवृद्धा शास्त्रज्ञाता महा. श्री सौभाग्यकुंवरजी म.सा.
2. व्याख्यात्री विदुषी महा. श्री मदनकुंवरजी म. सा.
3. गायनप्रेमी मधुर व्याख्यात्री महा. मगनकुंवरजीम.सा.
4. विद्याप्रेमी महा. श्री कल्पनाकुंवरजी म. सा.
आदि म. सा. (4)

चातुर्मास स्थल:-श्रीकृष्ण कला केन्द्र,
चाँदनी चौक

पता:-चाँदमलजी भरगट,
चाँदनी चौक

मु. पो. रतलाम (म. प्र.)-457 001

साधन:-बम्बई, दिल्ली, भोपाल, इन्दौर, अजमेर, जोधपुर,
मारवाड आदि से सीधी ट्रेन जाती है।

13. देवास (मध्यप्रदेश) :

1. वयोवृद्धा स्थविरा महा. श्री मनोहर कुंवरजी म.सा.
2. वयोवृद्धा स्थविरा महा. श्री मोहनकुंवरजी म. सा.
3. प्रखर व्याख्यात्री महा. श्री शांतिकुंवरजी म. सा.
4. व्यवहार कुशल महा. श्री रमणीककुंवरजी म. सा.
5. व्याख्यात्री महा. श्री मृदुलाजी म. सा.

6. सेवाभावी महा. श्री मंगलप्रभाजी म. सा.
7. विद्याभिलाषी महा. श्री नूतनप्रभाजी म. सा.
आदि म. सा. (7)

पता:-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ उपासना गृह
बड़े राजवाड़े के सामने
मु. पो. देवास-455 001 (म. प्र.)

साधन:-इन्दौर, उज्जैन, नागदा, भोपाल से सीधी ट्रेन
मिलती है। रतलाम, इन्दौर, उज्जैन, नागदा से
सीधी बसे मिलती है।

14. सिकन्दराबाद (आन्ध्र प्रदेश) :

1. व्याख्यानी विदुषी महा. श्री रमणीककुंवरजी म. सा.
2. सेवाभावी महा. श्री मगनकुंवरजी म. सा.
3. व्याख्यात्री महा. श्री प्रगतिमुधाजी म. सा.
4. सेवाशीला महा. श्री सन्मतिमुधाजी म. सा.
आदि म. सा. (4)

पता:-श्री हस्तीमलजी मुणोत,
7-2-832 पोट मार्केट,
मु. पो. सिकन्दराबाद-500 003 (आं. प्र.)

चातुर्मास स्थल:-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,
जैन स्थानक, लाल बाजार,
सिकन्दराबाद-500 003 (आ. प्र.)

साधन:-राजस्थान की ओर से आने वाले काचीगुड़ा
उतरे। बम्बई, बैंगलौर, पूना, शोलापुर, वाड़ी,
रायपुर, भोपाल, औरंगाबाद, रतलाम, अजमेर से
आने वाले सिकन्दराबाद उतरे। सिकन्दराबाद रेल्वे
स्टेशन से ऑटो रिक्शा से 1 किलोमीटर से कम है।

15. संगमनेर (महाराष्ट्र) :

1. शामन प्रभाविका महा. श्री आदर्शज्योतिजी म. सा.
'एम. ए.'
2. स्वाध्यायशीला महा. श्री सुगनकुंवरजी म. सा.
3. तपस्विनी महा. श्री कल्पलताजी म. सा.
4. व्याख्यात्री महा. श्री कुमुदलताजी म. सा. 'एम. ए.'
5. व्याख्यात्री महा. श्री धर्मलताजी म. सा. 'एम. ए.'
6. सेवाशीला महा. श्री मुधाकुंवरजी म. सा.
आदि म. सा. (6)

पता—श्री व स्या जैन श्रावक सघ
जैन स्थानक, मु पो पिपलगाव-वसवत
त निफाड जिला नासिक (महा) 422209

माधन—नामिक, मनमाड, टोंट, पूना, अहमदनगर,
निफाड, येवला, चानीमगाव, नाद गाव से वसे
जाती है ।

6 सौदाणा (महाराष्ट्र)

1 मेवाभाविनी मोन साधिका महा श्री धनकुंजर जी
म सा

2 शाम्भू तत्वज्ञाता महा श्री पुष्पा कुंवरजी म सा
'जै शि विशा'

3 मनीन प्रेमी महा श्री दशन प्रभा जी म सा "जै
शि विशा" आदि म सा (3)

पता—श्री व स्या जैन श्रावक सघ
मु पो सौदाणा जिला नासिक (महा)

माधन—नामिक मानमाड, चानीमगाव नादगाव, धुने
से वसे जाती है ।

7 यवतमाल (महा) -

1 शांतमती मेवाभावी महा श्री धिरज कुंवरजी म सा
'जै सिद्धांताचार्य'

3 व्याख्यात्री महा श्री प्रकाश कुंवरजी म सा 'जै शि'

4 सेवाभाविनी महा श्री सुनील कुंवरजी म सा
'जै शि शास्त्री'

5 मेवाभावी महा श्री रिद्धिबुवाजी म सा 'जै शि
विशा' आदि म म (5)

पता—श्री देवजी धरमसी निमर जैन धम स्थानक
राजेन्द्र नगर, यवतमान (महा) 444001

माधन—नागपुर, वर्धा, जवाला, धामणगाव से वम द्वारा
पूना जलगाव नासिक, अहमदनगर, जालना,
औरंगाबाद से भी वसे द्वारा ।

8 परमणी (महाराष्ट्र) -

1 गायन प्रेमी महा श्री प्रतिभा कुंवरजी म सा
'जै शि आ'

2 मेवाभावी महा श्री प्रफुल्ल कुंवरजी म सा
'जै शि प्रभा'

3 मेवाभावी महा श्री मिद्धि सुधाजी म सा "जै
शि विशा" आदि म म (3)

पता—श्री व स्थानकवासी जैन श्रावक सघ
जैन स्थानक मु पो परमणी जिला-औरंगाबाद
(महा) 431001

माधन—हैदराबाद, जालना, औरंगाबाद, मनमाड,
जयगान, यण्डवा, रतनाम, भीनवडा, अजमेर
से भी ग्री ट्रेन ।

9 कुडूवाडी (महाराष्ट्र) -

1 विदुषी महा श्री प्रमोद कुंवरजी म सा 'जै शि आ'

3 विद्याभिलाषी महा श्री ज्योती सुधाजी म सा

3 ज्ञानपिपासु महा श्री गुलाब कुंवरजी म सा

4 विद्याभिलाषी महा श्री माधना कुंवरजी म सा
आदि म म (4)

पता—श्री व स्या जैन श्रावक सघ
जैन स्थानक मु पो कुडूवाडी
जिला शालापुर (महा) 413207

माधन—वम्बई, अहमदनगर, शालापुर, रायचूर, पूना,
मनमाड से ट्रेन जाती है । पूना और शालापुर के
बीच म रेलवे स्टेशन है ।

10 अफोला (महा) -

1 व्याख्यात्री महा श्री विरज सुधाजी म सा
"जैन सिद्धान्ताचार्य"

2 मेवाभावी महा श्री प्रभात कुंवरजी म सा
"जै शि विशा"

3 मेवाभावी महा श्री जय कुंवरजी म सा
आदि म म (3)

पता—श्री कल्याणजी केशवजी जैन भवन,
गोयनवा नगर, मु पो अफोला-422601
जिला अहमदनगर (महा)

माधन—अहमदनगर, दांड, पूना, से वम जाती है ।
वम्बई, वनकवा, नागपुर, वर्धा से ट्रेन द्वारा भी

11 परती वजनाथ (महा) -

महा श्री हीरा कुंवरजी म सा श्री सुजिप्याणे-

1 अध्ययनशीला महा श्री उज्ज्वल कुंवरजीजी म सा

2. विद्याभिलाषी महा श्री कर्ति सुधाजी म. सा.
आदि म. स. (2)

पता—श्री व. स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक
मु. पो. परली वैजनाथ जिला परभणी (महा.)
431515,

साधन.—जालना, परभणी, औरंगाबाद, हैदराबाद, मनमाड
कामारेड्डी से सीधी ट्रेन मिलती है।

12. घाटकोपर (श्रमणी विद्यापीठ) बम्बई (महा.):-

1. विदुषी महा श्री चम्पा कुँवरजी म. सा
2. विद्याभिलाषणी महा श्री किरण प्रभाजी म. सा.
आदि म स (2)

पता:—श्री श्रमणी विद्यापीठ जैन स्थानक के पास,
हीगवाला लेन, घाट कोपर (पूर्व) बम्बई 77

साधन.—सेन्ट्रल रेलवे में बम्बई थाना की लोकल ट्रेन से
घाटकोपर।

13. वार्शी (महाराष्ट्र):-

1. वयोवृद्ध महा जगत कुँवरजी म. सा (सकारण)
म स. (1)

पता.—श्री व स्थानक जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, मु. पो वार्शी—413401
जिला शोलापुर (महा.)

साधन.—कुडुंबाडी, शोलापुर, लातूर दौण्ड से ट्रेन।

14. अहमदनगर (महा.)

1. वयोवृद्ध महा. श्री प्रेम कुँवरजी म. सा म. स. (1)

पता—श्री वा. स्था जैन श्रावक सघ नवी पेठ,
अहमदनगर (महा.) 414001

साधन—पूना से बस उपलब्ध

15. हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)

1. वयोवृद्ध महा श्री पानकुँवरजी म सा. म. स. (1)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन सघ,
जैन भवन, 3-5-141/2—ए रामकोट
इडन बाग, हैदराबाद—500001 (आ. प्र.)
फोन नं—57749

साधन.—बम्बई, बैंगलोर, मद्रास, रायचूर, पूना, शोलापुर
अजमेर, रतलाम, खण्डवा, औरंगाबाद, अहमदाबाद
से सीधी ट्रेन आती है।

16. जयसिंगपुर (महाराष्ट्र)

1. वयोवृद्ध महा श्री हस कुँवरजी म. सा (सकारण)
म. स. (1)

पता—श्री व स्था जैन श्रावक सघ,
जैन स्थानक, मु. पो. जयसिंगपुर
जिला—(कोल्हापुर (महा.)

साधन—कोल्हापुर मीरज, सागली से बस द्वारा

17. अकलेरा (राज.)

1. स्व. श्री गोडीदासजी म. सा की सुशिष्या
वयोवृद्ध महा श्री दया देवी देवी जी म. सा.
आदि म. स. (1)

पता.—श्री माणकचन्द्रजी जैन कोठारी
मु. पो अकलेरा जिला झालावाड (राज.)
साधन.—झालावाड से बसे उपलब्ध

18. चौमहला (राजस्थान)

1. वयोवृद्ध महा. श्री केशर कुँवरजी म. स.

नोट.—महासतिजी 66 वर्ष की है एवं आँखों से अधी है
सेवा के लिए सतिरियाँजी चाहिए।

म. स. (1)

पता.—श्री बापूलालजी वसन्तीलालजी जैन,
मु. पो. चौमहला—326515 जिला झालावाड (राज.)
साधन—(प. रे) बम्बई दिल्ली मार्ग-मार्ग पर नागदा
व शामगढ के बीच रेलवे स्टेशन है।

19. देवलाती-नासिक (महाराष्ट्र)

1. वयोवृद्ध महा. श्री हुलास कुँवरजी,
2. महा. श्री कमल प्रभाजी म. सा.
3. महा. श्री मरदार कुँवरजी म. सा.
4. महा श्री सुशील कुँवरजी म. सा

म. स. (4)

पता:—श्री वर्धमान सेवा केन्द्र
लाम रोड, मनोर बाग, देवलाती केम्प
नासिक (महा) 425401

साधन—ब्रम्हई जनगाँव में ट्रेन द्वारा देवलासी केम्प या
नासिक रोड उतरे वहाँ में बस रिक्सा द्वारा

20 महाराष्ट्र में (महा)

1 महा श्री शान्ति मृधाधी म स

म मा (1)

कुल चातुर्मास सती के	4	कुल सतत	7
" " सतीयों के	16	कुल सतीयोंजी	39
कुल	20	कुल	46

कुल चातुर्मास 20 सत 7 सतीयोंजी 39 कुल ठाणा 46

सत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	सतीयोंजी
1985 में कुल ठाणा थे	6	37
+ नई सीमाएँ हुई	—	1
	6	38
—कालधर्म प्राप्त हुए	—	1
	6	37
+ अथ विभागों में नाम ट्रांसफर किये गए	1	2
	—	—
	7	39
	—	—
1986 में कुल ठाणा हैं	7	39

— मोतियों की माला —

- मनुष्य रोने हुय पदा होता है, शिखायें करते हुए
जाता है और निराश होकर मर जाता है।
- हमारे दाहिने हाथ में बल्ल और बाएँ हाथ में मफलता
है।
- धन वह है जो हाथ में हो, मित्र वह है जो बिपत्ती
में हमें साथ दे रूप वह है जहाँ गुण हो, विनाश वह
जहाँ धर्म हो।
- जैम नहीं बहुता है और लाटकर नहीं आती, उसी तरह
रात और दिन मनुष्य की आयु तेज़र चले जाते हैं,
फिर नहीं घान।
- जीवन वह सफ़र है जो गुलाब की फूल की तरह काटो
में पलकर अपनी सुगंध से दुनिया को महमता रह।
- अपने जीवन में मृग पान की चिन्ता करना उगार
खाना है इसी जीवन में आचरण द्वारा स्वर्ग बनाना
अष्टम का प्रतीक है।
- अगर सभी के साथ अच्छा सम्बन्ध बनाये रखना चाहते
हो तो एक नियम याद रखो—नहीं किसी की निंदा
मत करो।
- सम्पत्ति, मरस्वनी, मदाचार, मत्स्य, और सत्यगती
ये पांच सामान घर में हो वह धन स्वर्ग से बड़कर है।
- सूय पर जैसे बादलों का आवरण आते हैं, हट जाते हैं।
फिर आते हैं, फिर हट जाते हैं। जीवन में सुख-दुख
और सफलता-असफलता की भी इससे अधिक महत्व
नहीं देना चाहिए।
- वह धन क्या काम का, जिससे जान पर जाचिम आती
हो।
- वायवर्ता सम्मान नहीं, सफलता की आशा से काम
कर। अपमान और असफलता का सामना करने की
तैयारी रखें।
- जो मित्र एक बार अनुचन गया हो, दुगारा उस पर
कभी भी विश्वास करना खतरनाक होता है।
- घर की खिड़कियाँ बन्द करके बैठने वाला न प्रकाश
पा सकता है, न ताज़ी हवा और धूप। अगर बाहर
की धूप हवा चाहिए तो खिड़कियाँ खोल दो। और
ज्ञान का प्रकाश और अनुभव की ताज़ी हवा चाहिए
तो जिनासा की खिड़कियाँ खुली रखो।



स्व. श्रमण संघीय युवाचार्य, बहुश्रुत, पं. रत्न श्री मधुकर मुनिजी म. सा. के अंतेवासी अंतेवासीनीयाँ संत सतियाँजी म. सा. के चातुर्मास

संत समुदाय

१. उज्जैन (मध्यप्रदेश)

1. युवा हृदय सम्राट, युवाकवि श्री विनय
मुनिजी म. सा. 'भीम'

2. युवा धर्म प्रचारक श्री महेन्द्र मुनिजी म सा 'दिनकर'
आदि मुनि (2)
(तपस्वी सघ सेवाभावी श्री मोहनलालजी म सा की
सेवा मे कुल ठाणा (6))

चातुर्मास—श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ, महावीर
भवन, नमक मण्डी, उज्जैन-456006 (म प्र)

सम्पर्क सूत्र:—श्री सागरमलजी कटारिया
कलालगोरी, उज्जैन-456006 (म प्र)

साधन.—बम्बई, भोपाल, रतलाम, नागदा, कोटा, सूरत,
इन्दौर, अहमदाबाद, दिल्ली से सीधी ट्रेन मिलती
है। इन्दौर से हर आधे घंटे मे बस उपलब्ध। इन्दौर
से उज्जैन 1 घंटे का रास्ता है।

महासतियाँजी समुदाय

2. सिन्धनूर (कर्नाटक)

1. वयोवृद्धा महा. श्री कान कुवरजी म.सा.
2. मधुर व्याख्यात्री महा श्री चम्पाकुंवरजी म.सा.
"सि.आ."
3. सेवाभाविनी महा. श्री बसन्तकुवरजी म.सा
4. विदुषी महा. श्री कंचनकुंवरजी म.सा
5. विदुषी महा. श्री चेतन प्रभाजी म सा.
6. सेवाभाविवी महा. श्री चन्द्रप्रभाजी म सा.

आदि म सा. (6)

पता—शा रिखवचन्द सोहनलाल
मेन रोड, सिन्धनूर जिला-रायचूर
(कर्नाटक) 584128
फोन न 32

साधन—बम्बई, मद्रास, रेल्वे लाईन मार्ग पर रायचूर
स्टेशन उतरकर वहा से बस द्वारा सिन्धनूर आ
सकते हैं। बसों का साधन काफी मात्रा मे उपलब्ध।

3. मेड़ता सिटी (राजस्थान)

1. शासन चन्द्रिका महा. श्री झणकार कुंवरजी म सा.
2. विदुषी महा श्री मनोहरकुवरजी म सा
3. तपस्विनी महा. श्री जयमालाजी म.सा.
4. मधुर व्याख्यात्री महा. श्री आनन्द प्रभाजी म.सा.
5. सेवाभावी श्री चन्दनबालाजी म सा.
6. विधाभिलाषणी महा श्री तरुण प्रभाजी म.सा
7. विधार्थिनी महा. श्री चन्द्रप्रभाजी म.सा.

आदि म सा. (7)

पता—मन्त्री श्रीमान पुखराजजी मेहता
श्री व स्था जैन श्रावक सघ
मेहता सिटी जिला नागौर (राज)
फोन नं 88 पी पी.

साधन.—मेहता रोड रेल्वे स्टेशन से सिटी 6 कि.मी. है,
बस व ट्रेन जाती है। जैतारण, व्यावर, अजमेर,
जोधपुर, पाली से सीधी बस मिलती है।

4. खाचरौद (म.प्र.)

1. काश्मीर प्रचारिका, मालव ज्योति, श्रमणी रत्न,
प्रवचनकार, विदुषी महा. श्री उमराव कुवरजी
म सा "अर्चना"
2. सेवाभावी महा. श्री सेवावन्तीजी म.सा.

3 विदुषी महा श्री सुप्रभाजी म सा "माहियरुन"
"मिद्धा"

4 साहिय प्रभा महा श्री उदिन प्रभाजी म सा
'मिद्धान्ताचाया'

5 मयाभावी महा श्री विजय प्रभाजी म सा विणा'

6 मयात रमोव महा श्री हमप्रभाजी म सा विनारद'

पता - 1 मया मन्नाथकुमार चारडिया एडगावेट
लन्धी निवेतन, जैन स्थानक व सामन
मु पा खाबराद जि उज्जैन (म प्र)

2 इन्दरमलजी चाण्डानिया
51, जमाहूर माग
मु पा खाबराद जि उज्जैन (म प्र)

चातुर्मास स्थान - गणेश दबली, जन वद्धाश्रम म ।

साधन - इन्दार म खाबराद आन ने निष् स्नीत्रा स्टेशन
म माटर खाबराद की मित्रगी ।

मद्रास मे आन के निष् क्षमाल म खाबराद की टेल
86 अप वेस्टर्न रेलवे 112 अप मिलती हुआ म-आन
म -कार, वम, द्वारा आने बान बाया जायरा
होकर खाबराद जाय ।

खाबराद-ब्रम्ह इहनी माग बस्टन रेल्व रानाम
नागदा के बीच ह ।

5 इंदौर जानकी नगर (म प्र)

1 तपस्विनी महा श्री उम्मदकुवरजी म सा
'मिद्धान्ताचाया' (मकारण)

2 विदुषी महा श्री कचनकुवरजी म सा
'मिद्धान्ताचाया'

3 मयाभावी महा श्री प्रतिभाजी म सा
'मिद्धान्ताचाया'

4 विदुषी महा श्री मुशीताजी म सा 'मा विणा'
आदिम म (4)

पता - श्री वादलचन्दजी शाह महता
प्रवाश दाल मील,
वाम्बे जागरा रोड-नवलखा चाराहा
इन्दौर (म प्र) पान न 62011

साधन - प २ के रम्बड, इन्दार, अजमेर, छगडवा, काबीगुडा
मन राप्पन पर रेल्व स्टेशन ह ।

6 जोधपुर-कठोर स्थानक (राज)

1 वयावुड महा श्री गवराजी म सा

2 मया भावी महा श्री मायर कुवरजी म सा

3 मयाभावी महा श्री विमन कुवरजी म सा

आदि म सा (5)

पता - श्री जगगनादजी पनहुचन्दजी,

वपडा बाजार जोधपुर

312001 (राज)

7 सादडी मारवाड (राज)

1 विदुषी महा श्री माहन कुवरजी म सा

2 व्याख्यात्री महा श्री वमन प्रभाजी म सा

3 मेराभावी महा श्री मुदगतजी म सा

आदि म म (3)

पता - श्री मवाईमिह बाबूसाहू पुनमिया,
मु पा सादडी मागवाड-306702
बाया फालना जिला पाली (राज)

8 पाली-भावाड (राज)

1 वयावडा महा श्री उगम कुवरजी म सा (मकारण)
म सा (1)

पता - श्री जगगनादजी ज्ञानराजजी मया
गुजगती वटना, पाली मारवाड
(राज) 306401

साधन - मारवाड जवशन, जोधपुर, मडता रोड, नागौर
(उ २) अप पर स्टेशन ह ।

कुल चातुर्मास सती के	1	कुल मुनिराज	2
" " सतीयो के	7	कुल सतीयाजी	30
	—		—
कुल	8	कुल	32

कुल चातुर्मास 8 सत 2 सतीयाजी 30 कुल ठाणा 32

नोट - सत सती तासिका पृष्ठ 48 पर देखिए ।

श्रमण संघ के अन्य संत सतियाँजी

सन्त-समुदाय

1. मिन्ट स्ट्रीट मद्रास (तमिलनाडु)

1. विदर्भ केजरी, वाणी भूषण श्री रतन मुनिजी म. ना.
 2. मेवाभावी श्री सतीष मुनिजी म. ना. 'मृत्यु'
 3. तपस्वी श्री शुक्ल मुनिजी म. ना. 'शुभ'
 4. मेवाभावी श्री रमण चन्द्रजी म. ना. 'रन्धु'
- आदि ठाणा (4)

चातुर्मास स्थल—श्री व स्थानकवामी जैन श्रावक सघ,
148 मिन्ट स्ट्रीट, माहूकार पेठ मद्रास-600079
(त ना)

सम्पर्क सूत्र—श्री महावीर टेक्मटार्टिंग,
50, एलीफेंट गेट स्ट्रीट, माहूकार पेठ.
मद्रास-6000079 (तमिलनाडु)
फोन . 38783--34051

साधन—बम्बई, दिल्ली, पूना, बैंगलोर, कलकत्ता, भोपाल
अहमदाबाद में सीधी ट्रेन / रेलवे स्टेशन में मिन्ट-
स्ट्रीट 1 कि. मी. है, आटो रिक्शा उपलब्ध । पैदल
10 मिनट का रास्ता है ।

2. महाराष्ट्र में योग्य स्थल

श्री तारा ऋषिजी म. ना. मुनि (1)
(गन धर्म चातुर्मास कृकाना (महा.) में था)

3. महाराष्ट्र में योग्य स्थल

श्री भानव केजरी श्री गोभाग्य मल जी म. ना.
के नृमिण्य श्री प्रदीप मुनि जी मा म मुनि-(1)

4. महाराष्ट्र में योग्य स्थल (महा.)

श्री देवेन्द्र मुनि जी म. ना. मुनि-(1)

5. पंजाब में योग्य स्थल

श्री जैन मुनि जी म. ना. मुनि-(1)

6. राजस्थान में योग्य स्थल

श्री देवीदास जी म. ना. मुनि-(1)

7. धारवा (गुजरात)

श्री निरंजन मुनिजी म. ना. मुनि-(1)
(श्री नरसिंहाजी म. ना. श्री देवा में)

8. विदर्भ में योग्य स्थल (महा.)

श्री बाबूलाल जी म. ना. मुनि (1)

9. महाराष्ट्र में योग्य स्थल

श्री वर्धमान जी म. ना. मुनि (1)

10. पंजाब में योग्य स्थल

जैन भूषण श्री विमल मुनिजी म. ना.
आदि मुनि (3)

महासतियों समुदाय

11. मोरवी (गुजरात)

वयोवृद्धा आगमजनी महा श्री चेतन्य देवी जी म. ना.
म. ना. (1)

पता—श्री स्थानकवामी जैन नथ, जैन उपाध्वय,
म. पो मोरवी-363641 जिना-राजकोट (गज.)

12. गांधी नगर-दिल्ली (सकारण)

वयोवृद्धा महा श्री कान्ताजी म. ना. म. ना. (1)
पता—जैन मिलारि स्कूल, जैन गर्वी, नेताजी मार्ग,
स्वयंभुग नं. 1 गांधीनगर, दिल्ली, 31

13. मानपाड़ा आगरा (उ. प्र.)

वयोवृद्धा महा श्री चम्पाकुंवरजी म. ना. (मकारण)
म. ना. (1)

पता—श्री व. रत्ना जैन श्रावक सघ, मानपाड़ा
म. पो आगरा-282002 (उ. प्र.)

14. मोहा मण्टी-आगरा (उ. प्र.)

वयोवृद्धा महा श्री रत्ना चैतन्यजी म. ना. (मकारण)
म. ना. (1)

पता—श्री व. रत्ना जैन श्रावक सघ, जैन श्रावक
मोहा मण्टी आगरा 282002 (उ. प्र.)

15. जाडौर के आगमज (राज.)

वयोवृद्धा महा श्री चम्पाकुंवरजी म. ना. (मकारण) म. ना. (1)

16 मारवाड में योग्य स्थान (राज)

वयावृद्धा महा श्री गवर्जी म मा (मवारण)
म न (1)

17 गुहगाव (हियाणा)

यसोवदा महा श्री बेनीजी म मा (गवारण) म ग (1)
पता—श्री एम एम जैन मभा, जैन स्थान
म पो गुहगाव-122001 (हियाणा)

18 माई रूपा (पजाव)

महा श्री गुणमताजी म मा म ग (1)

19 शोनापुर (महा)

वयोवृद्धा महा श्री मनाहरकुंवरजी म मा म ग (1)
पता—श्री चांदन जी मुणोन, 65 माखरपड,
शोनापुर 413001 (महा)

कुल चानुर्मान सनो के	10	कुल सन	16
" " सनीयो के	9	कुल सनीया	9
कुल	19	कुल	25

कुल चानुर्मान 19 सन 16 सनीयोजी 9 कुल ठाणा 25

नोट—गन वप ममी एकर विहारी मन मनिया वा
(1) स्वतंत्र सम्प्रदाय म निवा वा तैकिन हमारे पाम
बट्टे मुनिराजो महासतीयाजी के पत्र आने कि हम ता
आगे विषय मे एकर विहारी ह हम आना आचाय
श्री श्री की हो मयवाने ह हमारा नाम स्वतंत्र मे
करा लिखा दिया उन उनके मुमान को मानकर
हमन बापिम उनको श्रमण मय अय म सम्मिनित
कर दिया है।

(2) बट्टे ठाणावा व नाम हम विगत ६ वषा म बार-
पाच ठाणाजी म नाम सूची मे प्रकाशित करने आ
ए न तकिन हमारे का उता कि वे है ही नहीं ह
उप उनका नाम मेमे ही निवा जा रहा है अत
हमने उन वप जिनके बारे मे मही जानकारी मिली
उनका ही निवा ह बाकी का कही भी नहीं निवा।

(3) बाणी भपण दिवस वगरी श्री रतन मुनिजी म मा
जी म्ब युवाचार श्री मधुकर मुनिजी म मा श्री
सम्प्रदाय मे जुटे हुए है उमे वप उहनि उम विभाग
मे नाम बदलकर श्रमण सच अय म प्रकाशित करने
का आदेश फरमाया है अत उनका नाम अय म
दिया गया है।

—मम्पादक

श्रमण सच के कुल

कुल चानुर्मान सनो के	87	कुल सन	245
" " सनीयो के	167	कुल सनीया	681

कुल 254

कुल 926

कुल चानुर्मान	254	सन	245	सनीयाजी	681
कुल ठाणा 925					

सत सती तुलना मय तातिर।

दिवरण	उन	सनीया
1985 म कुल ठाणा मे	236	680
—नई दीपगाँव हूँ	10	38
—बात प्रम प्राप्त हुए	4	7

+ अय विभाग मे मे इम विभाग
मे सम्मिनित रिज गये

3 -

245 711

—उम विभाग के अय विभाग
म ट्रामफर भिरे गये

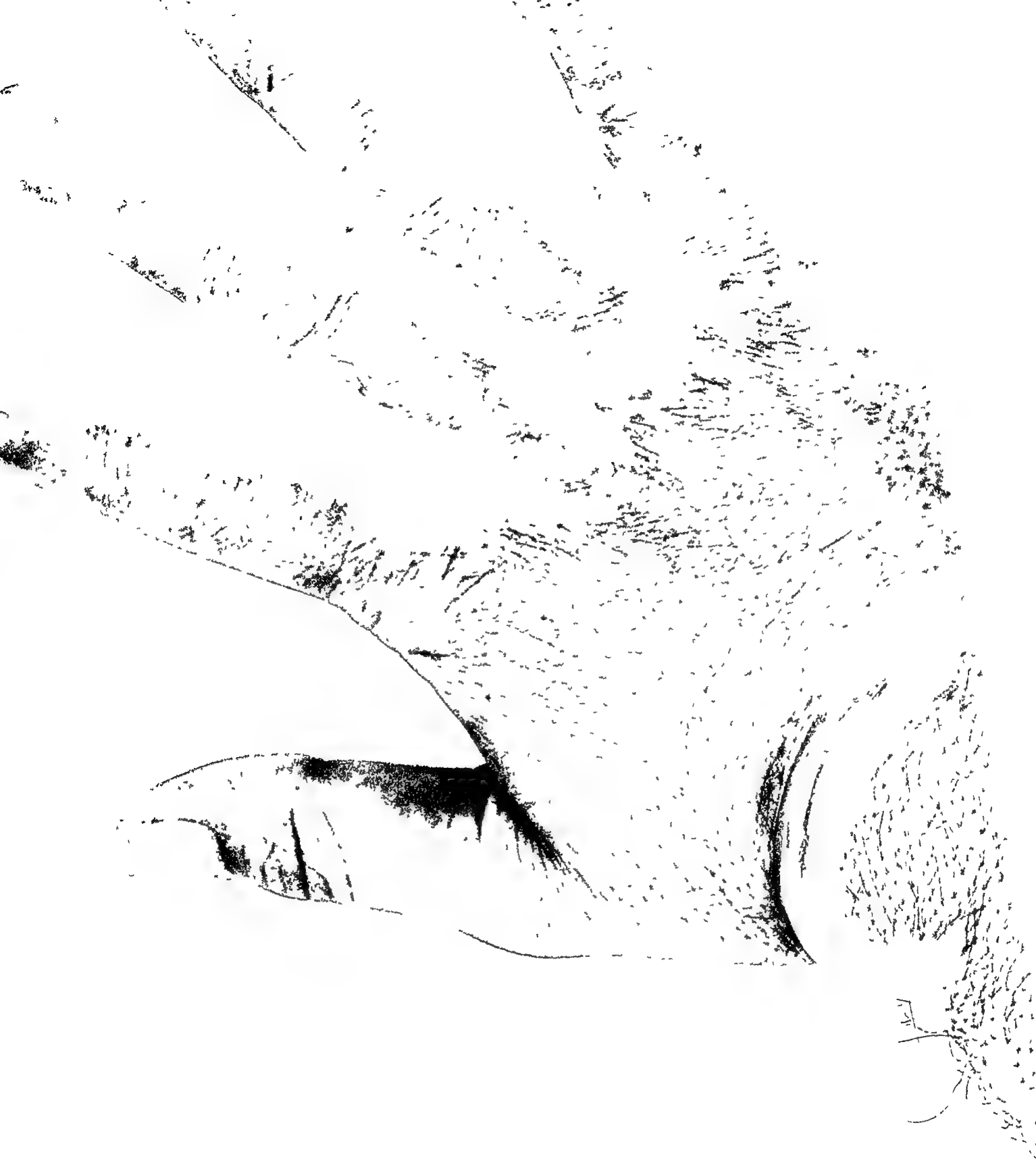
- 30

1986 म कुल ठाणा निराजमान ह।

245 681

शेष पृष्ठ 16 का मेटर
सत सती तुलनामय—तातिर।

दिवरण	सन	सनीयाजी
1985 मे कुल ठाणा मे	6	29
+ नई दीपगाँव हूँ ह	-	-
—बात प्रम प्राप्त हुए	6	29
+ नाम अय विभाग म ट्रामफर हुए	-	1
—नाम इम विभाग मे दूसरे मे ट्रामफर हुए	6	10
	4	-
	2	20
1986 मे कुल ठाणा ह	2	30



स्वतंत्र सम्प्रदायें

“जय गुरु नामा”

समता विभूति, धमपाल प्रतिबोधन समीक्षण ध्यानवागी आचार्य प्रवर परम्पूज्य
गुरुदेव, श्री नानालालजी म सा आदि ठाणा 8 एव परम विदुषी महासतीजी
श्री भवर बुवरजी म सा आदि ठाणा 9 का जगर्गाव (महा) का
चातुर्मास मंगलमय सम्पूर्ण धार्मिक यातावरण म हर्षोल्लास सहित
सम्पन्न हा ऐसी भगत वामनामा के साथ

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

चुन्नीलाल एच, मेहता

अध्यक्ष—अ भा साधुमार्गी जैन सघ,

अध्यक्ष—साधुमार्गी जैन सघ, बम्बई

मेहता हाउस, 3 माला, 36 पडिता रमायार्ड मार्गे,
Opp, भारतीय विद्या भवन, बम्बई-400007 (महा)

फोन—आफिस-8224504-8224326

निवास-8224383-8220044

CABLE-‘EKSOTAKA’-BOMBAY

श्री रत्न वंशीय परम्परा के सप्तम् पट्टधरः—
आगम महोदधि इतिहास मार्तण्ड, सामायिक स्वाध्याय
के प्रणेता, पं. रत्न महामहिम आचार्य प्रवर पूज्य
श्री हस्तीमलजी म. सा. से आज्ञा प्राप्त संत सतियाँजी

संत समुदाय

1. पीपाड सिटी (राजस्थान)

1. इतिहास मार्तण्ड, सामायिक स्वाध्याय के प्रणेता, आगम महोदधि चारित्र चूड़ामणी, महामहिम, आचार्य प्रवर पं रत्न मुनि श्री हस्तीमलजी म. सा.
2. आगमज्ञ, मधुर व्याख्यानी, ओजस्वी वक्ता श्री हीरामुनिजी म सा
3. कुशल सेवामूर्ति श्री शीतल मुनिजी म.सा.
4. तपस्वी श्रीवसन्त मुनिजी म सा.
5. तत्व जिज्ञासु श्री चंपक मुनिजी म सा.
6. प्रिय व्याख्यानी श्री ज्ञान मुनिजी म.सा
7. महान अध्यवसायी श्री महेन्द्र मुनिजी म.सा.
8. विद्याभिलाषी श्री गोतम मुनिजी म सा.
9. काव्य रसिक श्री धन्ना मुनिजीजी म सा
10. थोकड़ो के ज्ञाता श्री दयामुनिजी म.सा.

आदि मुनि (10)

सम्पर्क सूत्र.—श्री अमृतलालजी कटारिया मंत्री
 मंत्री श्री रत्न हितेपी जैन श्रावक सघ
 मु. पो पीपाड सिटी
 जिला-जोधपुर (राज) 342601

चातुर्मास स्थल.—श्री जैन रत्न हितेपी श्रावक सघ,
 मु. पो पीपाड सिटी जिला जोधपुर (राज.)

साधन—मेड़ता रोड जोधपुर मार्ग पर पिपाड रोड से
 पिपाड सिटी रेल द्वारा जाया जा सकता है ।
 जोधपुर से ट्रेन दिन मे एक बार शाम 6 बजे तथा
 वसे हर घंटे उपलब्ध होती है ।

2. विजय नगर (राजस्थान)

1. मधुर व्याख्याता, मधुर वाणी,
 प. रत्नश्री मानमुनिजी म.सा.
2. घोर तपस्वी श्री प्रकाश मुनिजी म.सा.
3. विद्याभिलाषी श्री प्रमोद मुनिजी म.सा.

आदि मुनि (3)

पता:—श्री गुलाबचन्दजी लुणावत
 श्री मोहनलालजी सौभाग्यमलजी
 महावीर बाजार
 मु. पो. विजयनगर-305624
 जिला अजमेर (राज.)

साधन:—अजमेर, भीलवाडा, चित्तौड़, उदयपुर, जावरा,
 आगरा, रतलाम, इन्दौर, जोधपुर से सीधी ट्रेन
 मिलती है । राजस्थान में सभी बड़े शहरो से वसे
 उपलब्ध ।

3. कोटा (राज.)

1. मधुर व्याख्यानी पं. रत्न श्री शुभेन्द्र मुनिजी म सा
2. विद्या विनोदी श्री नन्दीषेण मुनिजी म.सा.
3. सेवाभावी श्री हरिण मुनिजी महा सा.

आदि मुनि (3)

पता—पारसमलजी धारीवाल अध्यक्ष,
 श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ जैन स्थानक,
 रामपुरा बाजार मु.पो. कोटा (राज.) 324001

साधन—दिल्ली, बम्बई, कोटा, बीना मेन लाइन पर
 स्टेशन है राजस्थान मध्यप्रदेश के प्रमुख नगरो से वसे
 उपलब्ध है ।

**युगप्रणेता आचार्य प्रवर श्री जयमलजी म. सा.
की सम्प्रदाय के नवम् पट्टधरः—
महामहिम. आचार्य प्रवर, प रत्न श्री जीतमलजी म सा.
के अज्ञानुवर्ती सत-सतीयाजी**

सत सम्प्रदाय

1 नागौर (राजस्थान)

1 महामहिम, आचार्य प्रवर, प रत्न
श्री जीतमलजी म सा

2 आगम व्याख्याता प रत्न उपाध्याय
श्री लालचंदजी म सा

3 स्वामीवय श्री शुभचन्द्रजी म सा

4 सेवाभावी श्री पाशुरामजी म सा 'परम'

5 नन्द अध्वर्यायी श्री गुणवतनुभारजी
म सा 'गुपी'

6 बवि हृदय श्री भद्रननुभारजी म सा 'भद्रवर'

आदि मुनि (6)

पता—श्री हन्नीमलजी नलबाणी,
बोहरावाडी

मु पा नागौर

(राजस्थान)-341 001

फोन न 597

साधन—जयपुर, मेहता रोड, पीपाडा गड, जाधपुर,
अहमदाबाद, बीकानेर, आगरा से सीधी ट्रेन।

2 रायपुर (मध्यप्रदेश)

1 तपस्वी रत्न श्री ऋषभमुनिजी म सा

म सा (1)

पता—श्री जालमचंदजी हनुमचंदजी साह

गोल बाजार

रायपुर (मध्यप्रदेश)

साधन—भोपाल, नागपुर, नटगी, बालाघाट से सीधी
ट्रेन मिलती है।

3 रायपुर (भारवाह)

1 विदुषी महा श्री नन्दनुवरजी म सा

2 विदुषी महा श्री मदननुवरजी म सा

3 मयाभावी महा श्री मताप कुवरजी म सा

आदि म सा (3)

पता—श्री भवरनालजी तानेड,

मु पा रायपुर-भारवाह,

जिला-भाली (राज)-306 301

साधन—पाली, जाधपुर, नागौर, राजत, ब्यावर से बग
जाती है।

4 नानणा (राजस्थान)

1 विदुषी महा श्री लक्ष्मीप्रकाशजी म सा

2 तपस्विनी महा श्री शान्तिनुवरजी म सा

3 विदुषी महा श्री दग्गियाबुवरजी म सा

4 सेवाभावी महा श्री विदुप्रभाजी म सा

आदि म सा (4)

पता—श्री शे स्वा जयमल जैन धायक सध,

साफत श्री जवरीनालजी भमानी

मु पा नानणा,

बापा-मेदडा

जिला-पानो (राज)

साधन—अजमेर, ब्यावर, सोजत, बिशनगड, विजयनगर,
मेदडा म हातो हुई वस नानणा जाती है।

5 जोधपुर (राजस्थान)

1 परम विदुषी महा श्री सुगत कुंवरजी म सा

2 विदुषी महा श्री सुमति कुंवरजी म सा

3. व्याख्याती महा. श्री उगम कुँवरजी म. सा. (बड़े)
4. व्याख्यात्री महा. श्री निर्मल कुँवरजी म. सा.
5. सेवाभावी महा. श्री उगम कुँवरजी म. सा. (छोटे)
6. कोकिल कंठी महा. श्री चेतना कुँवरजी म. सा.
7. विदुषी महा. श्री नीतिप्रियाजी म. सा.
8. सेवाभावी महा. श्री जय प्रभाजी म. सा.
9. सेवामूर्ति महा. श्री रवि प्रभा श्री म. सा.
10. सेवाभावी महा. श्री इन्द्रप्रभाजी म. सा.
11. सेवाभावी महा. श्री

आदि म. स. (11)

पता:—श्री श्वे. स्था. जयमल जैन श्रावक संघ
श्री चम्पालालजी सोमचंदजी बागरेचा
कटला बाजार
मु. पो जोधपुर (राजस्थान) 3420001

साधन:—अहमदाबाद, दिल्ली जयपुर, अजमेर, खण्डवा,
वीकानेर, आगरा, लखनऊ, उदयपुर, नागौर पाली
से सीधी ट्रेन जाती है।

(6) नागौर (राजस्थान)

1. वयोवृद्धा महा. श्री पतास कुँवरजी म. सा.
2. वयोवृद्धा महा. श्री नन्दकुँवरजी म. सा.
3. विदुषी महा. श्री शीलप्रभा जी म. सा.
4. सेवाभावी महा. श्री चरण प्रभाजी म. सा.

आदि म. स. (4)

पता:—हस्तीमल जी ललवाणी, बोहरा वाड़ी
मु पो नागौर (राज.) 341001
फोन नं. 597

साधन:—जयपुर-मेड़ता रोड, पीपाड़ रोड, जोधपुर,
अहमदाबाद, वीकानेर, आगरा से सीधी ट्रेन।

(7) जोधपुर-उपरलावास (राजस्थान)

1. व्याख्यात्री महा. श्री अक्ल कुँवरजी म. सा.
2. विदुषी महा. श्री दरियाव कुँवर जी म. सा.
3. सेवा भावी महा. श्री विजय कुँवरजी म. सा.

आदि म. सा. (3)

पता:—श्री श्वे. स्था. जयमल जैन श्रावक संघ
श्री चम्पालालजी खोमचन्दजी बागरेचा
कटला बाजार,
मु. पो. जोधपुर (राजस्थान) 342001

साधन.—अहमदाबाद, दिल्ली, जयपुर, अजमेर, खण्डवा,
वीकानेर, आगरा, लखनऊ, उदयपुर, नागौर,
से सीधी ट्रेन जाती है।

(8) टोहना (हरियाणा)

1. मधुर व्याख्यात्री, विदुषी महा
श्री शारदाकुँवरजी म. सा.
2. विदुषी महा. श्री सयम प्रभाजी म. सा.—
3. सेवाभावी सन्तोष कुमारी जी म. सा.

आदि म. स. (3)

पता.—श्री गुलाब चन्द जी जैन सैक्रेटरी,
श्री एस. एस. जैन सभा,
मेन शास्त्री बाजार,
टोहना सिटी,
जिला-हिसार, (हरियाणा)

साधन:—हिसार, दिल्ली, चण्डीगढ़, रोहतक, अम्बाला
से बसे।

9. कुशालपुर (राज.)

1. वयोवृद्ध महा. श्री कुसुमकुँवरजी म.सा. म.सा. 1

पता.—श्री भंवरलालजी पगारिया
मु.पो. कुशालपुर-306305
जिला-पाली (राज.)

साधन —सोजत, व्यावर, जैतारण से बस मिलती है।

10. सोजत सिटी (राजस्थान)

1. वयोवृद्धा महा. श्री चाँदकुँवरजी म.सा.

म.सा. (1)

पता.—श्री श्वे. स्था. जयमल जैन श्रावक संघ
मार्फत श्री माणकचन्दजी गोटावट,
मु पो सोजत सिटी
जिला-पाली (राज.) 306104

11. सोजत रोड़ (राजस्थान)

1. वयोवृद्धा महा. श्री धापूकुँवरजी म.सा.

म.सा. (1)

पता—श्री धर्मचन्दजी टाडरवार,

मदर बाजार,

मु पा साजत रोड

जिनाभाली (गन्धान) 306101

साधन—परे के अहमदाबाद-दिल्ली मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है। मबी ट्रेन ठहरती है। साजत रोड म मिटी जाल के लिए स्टेशन से मिटी। वस मिलती है।

न चातुर्मास सती के	2	कुल सत	7
न चातुर्मास सतियो के	9	कुल सतियाजी	31
	कुल 11	कुल	38

स चातुर्मास 11 सत 7 सतियाजी 31 कुल ठाणा 38

सत सती तुलनात्मक तालिका

ववरण	सत	सतिया
1985 म कुल ठाणा ये	8	30
+ नई दीक्षाएँ हुई	—	—
	8	30
—बालघम प्राप्त हुए	1	—
	7	30
जय विभाग म द्वाभकर किय गये	—	—
	7	31
1986 म कुल चातुर्मास ह	7	31

नाट—महा श्री दरियावकुवरजी म मा का नाम दा वार आया है।



जहा मभी कामुई जोग जुतो

नखत-नारागण-परिवुडणा

खे सोहरे विमले अभभुक्ते,

एव गणी सोहड भिक्नुमज्जे ॥

जिम प्रमा मेधयुवन विमल बाबास मे नक्षत्र घोर तारा गण से परिवृत रातिक पूर्णिमा मे उदिन चद्रमा शांभित होता है, उमी प्रकार भिक्षुया के जीव गणी (बाबाय) शांभित होता है।

—भ महावीर

भत्य की सतन अनुसंधितमा जिनका जीवन व्रत है। उन नान यागी गुरवेन का शत शन अभिनदन

जा जपल ॥ अनुकूल भोगों को टुकरा दता है, वही वास्तव मे त्यागी है।

—भ महावीर

यदि आप माल भर के 365 दिन मे स 8 दिन घम के नाम पर द सकते हों तो कृपया स्वाध्यायी बनकर जहाँ साधु-माधनी का चातुर्मास न हा वहा किसी भी स्वाध्याय सध की भाफन जाकर धर्म ध्यान का वातावरण तयार करें। आगामी वष के लिए सामायिक प्रतिक्रमण, यदि याद न हो ता कठस्थ कर लें तथा धामिन प्रवचन देने का प्रकिटम कर स्वाध्याय सध की आबन्धन पत्र भेज दीजिये कि आगामी वष स्वाध्यायी बनकर जाऊंगा। स्वाध्यायी सध के पते इसी पुस्तक मे अयव न्यिये गये हैं।

—भोतीलाल गुराना, इन्दौर

श्री साधुमार्गी जैन संघ के आचार्य प्रवर श्री हुकमचंदजी म.सा.
की सम्प्रदाय के अष्टम् पट्टधर
समता विभूति, आगम निधि, जिन शासन प्रधोत्तक, धर्मपाल
प्रतिबोधक, समीक्षण ध्यान योगी, आचार्य प्रवर
श्री नानालालजी म. सा. के अज्ञानवर्ती संत-सतियाजी

संत समुदाय

1. जलगाँव (महाराष्ट्र)

1. समता विभूति, धर्मपाल प्रतिबोधक, चारित्र
चूडामणि, जिनशासन प्रधोत्तक, समीक्षण
ध्यान योगी, आचार्य प्रवर श्री नानालालजी
म. सा.

2. विद्वदर्य मुनि श्री प्रेमचन्दजी म सा
3. आदर्श त्यागी विद्वदर्य मुनिश्री सम्पत मुनिजी म सा.
4. सेवाभावी मुनि श्री नरेन्द्र मुनिजी म सा
5. तपस्वी विद्वान मुनि श्री राम मुनिजी म सा
6. सेवाभावी मुनिश्री प्रकाश मुनिजी म सा
7. सेवाभावी विद्यानुरक्त मुनिश्री जितेश मुनिजी म सा.
8. सेवाभावी विद्याभिलाषी मुनिश्री चन्द्रेशमुनिजी म सा.

आदि मुनि (8)

चातुर्मास स्थल —नवजीवन मंगल कार्यालय
जयकिशनजी वाड़ी जलगाँव

सम्पर्क सूत्र.—श्री मोहनलाल सी मुणोत,
निवास 256, भवानी पेठ,
जलगाँव-425001 (महा)
फोन 5529

पता:—श्री जैन सागरमलजी वस्तीमलजी साखला,
सांखला विल्डिंग, साखला मंगल कार्यालय के पास,
जलगाँव (महा) 425001 फोन 3163-5208

भोजन-आवास व्यवस्था —नवजीवन मंगल कार्यालय एवं
साखला मंगल कार्यालय में रखी गयी है।

साधन —बम्बई-भुमावल (से.रे) की मेन लाइन पर
स्टेशन है।

2. कानोड़ (राजस्थान)

1. दीर्घ तपस्वी, शासन प्रभावक श्री ईश्वरचन्दजी म.सा.
2. घोर तपस्वी सेवामूर्ति श्री बलभद्रजी म सा

आदि मुनि (2)

पता —श्री मोतीलालजी धींग, धींगो की घाटी,
मु.पो कानोड़ (राज) 313604
वाया मावली जिला उदयपुर

साधन.—मावली, बड़ी सादड़ लाइन पर रेल्वे स्टेशन है।
उदयपुर, मावली, मारवाड, चित्तौड़ से भी सीधी
ट्रेन जाती है।

3. बीकानेर (राजस्थान)

1. धायमातृ पदालकृत, कमठ सेवाभावी श्री इन्द्रचन्द्रजी म सा
2. विद्वदर्य, कविरत्न श्री विरेन्द्र मुनिजी म.सा
3. आत्मार्थी श्री हुलाशचन्दजी म सा
4. आदर्श त्यागी श्री जिनेन्द्र मुनिजी म सा.
5. तपस्वी श्री प्रमोद मुनिजी म.सा
6. सेवाभावी श्री काति मुनिजी म सा

आदि मुनि (6)

पता —श्री रामलालजी बाठीया,
मार्फत श्री विमल एण्ड कम्पनी, डागा चौक,
मु.पो. बीकानेर-334001 (राज.)

साधन—जयपुर, जागरा, अटमदावाद, पीपाड रोड,
भेडता रोड, नागीर, जोधपुर, मर्वाट माधोपुर,
उदयपुर, दिल्ली से सीधी ट्रेन जाती है।

4 रतलाम (मध्यप्रदेश)

- 1 विद्वदय श्री मेवत मुनिजी म सा
- 2 विद्वदय श्री विजय मुनिजी म सा
- 3 सेवामावी श्री गोविन्द मुनिजी म सा
- 4 विद्यानुरक्त श्री मुमति मुनिजी म सा
- 5 विद्याभिनापी श्री धीरज मुनिजी म सा

आदि मुनि (5)

पता—श्री रत्नचन्दजी कटारिया,
74, नौलार्डपुरा,
रतलाम-457001 (म प्र)

चातुर्मास स्थल—समता भवन, 81, नौलार्डपुरा, रतलाम
साधन—पूरे के बम्बई, दिल्ली एवं अजमेर, काजीगुडा
मेन लाइन पर स्टेशन है।

5 पिपल्यामडी (मध्यप्रदेश)

- 1 घोर तपस्वी आदिश त्यागी मुनिजी अमरचन्दजी म सा
- 2 घोर तपस्वी मुनि श्री मूलचन्दजी म सा
- 3 मधुर व्याख्याती मुनि श्री अजीतकुमारजी म सा

ठाणा (3)

सम्पक सूत्र—श्री छोगमलजी वृद्धिचन्दजी पामेचा,
पों पिपल्यामडी जिता मदसौर (म प्र)

साधन—रतलाम, जावरा, मदमार, नीमच, ज्जैन म
बस द्वारा।

6 नदुरवार (महाराष्ट्र)

- 1 तपस्वी विद्वदय मुनि श्री शांतिमुनिजी म सा
- 2 तपस्वी सेवामावी मुनि श्री भूपन्द्रकुमारजी म सा

ठाणा (2)

सम्पक सूत्र—श्री आमरणजी गुलाबचन्दजी मिर्सादिया
विजय करंडे की दुबान—नदुरवार
जिता धुने (महाराष्ट्र)

साधन—मुरल-मुमावन माय पर रेल्वे स्टेशन है। मरी
ट्रेनें पकती हैं।

7 मदसौर (म प्र)

- 1 मधुर व्याख्याता मुनि श्री कँवरचन्दजी म सा
- 2 सेवामावी मुनि श्री रतनचन्दजी म सा
- 2 सेवामावी मुनि श्री रमेशचन्दजी म सा
- 3 विद्वदय मुनि श्री रमेशचन्दजी म सा

ठाणा (3)

सम्पक सूत्र—

श्री कँवरचन्दजी मेहता श्री साभाग्यमलजी पामेचा
सरफा बाजार मार्फत पामेचा स्टेशनरी माट
मदसौर (म प्र) कालिदास माय,
458002 पो मदसौर (म प्र) 458002

साधन—रतलाम, इंदौर, चित्तौड़, भीलवाड़ा, अजमेर,
उदयपुर, खण्डवा, हैदराबाद से सीधी ट्रेन।

चातुर्मास स्थल—स्वाध्याय समता भवन, नई आबादी,
मदसौर

8 सोजत रोड (राज)

- 1 विद्वदय श्री पाण्डव मुनि जी म सा
- 2 तपस्वी श्री पदम मुनिजी म सा

आदि मुनि (2)

पता—श्री मंगलचन्दजी गांधी,
मू पा साजन रोड,
जिला-पाली (राज) 306104

साधन—पूरे के अहमदाबाद दिल्ली मेन लाइन पर रेल्वे
स्टेशन है सभी ट्रेन ठहरती है। सोजत रोड से मिटी
जाने के लिए स्टेशन से मिटी बस उपलब्ध।

9 हुबली (कर्नाटक)

- 1 विद्वान आदर्श त्यागी मुनि श्री धर्मेश मुनिजी म सा
- 2 कविरत्न मुनि श्री योगमकुमारजी म सा
- 3 विद्वान मुनि श्री प्रशमकुमारजी म सा

आदि मुनि (3)

सम्पक सूत्र—श्री जीवराज कटारिया

साधन—बैंगलूर, गुंटकल, रायचूर, मागली, मिर्जाबाद
से सीधी ट्रेनें मिलती हैं।

10. सरवानिया महाराज (म.प्र.)

1. आदर्श त्यागी तपस्वी मुनिश्री रणजीतकुमारजी म.सा.
 2. महास्थवीर तपस्वी मुनिश्री रवीन्द्रकुमारजी म.सा.
- ठाणा (2)

सम्पर्क सूत्र—श्री ऊँकारलालजी नपावलिया
पो सरवानिया महाराज वाया नीमच
जिला-मन्दसौर (म.प्र.) 458220

साधन.—नीमच, मन्दसौर, रतलाम, उज्जैन, चित्तौड़,
भीलवाड़ा से बसे जाती है : मा.

11. जावरा (मध्यप्रदेश)

1. मधुर व्याख्यानी श्री महेन्द्र मुनिजी म.सा.
2. घोर तपस्वी मुनि श्री पुष्पचन्दजी म.सा.

आदि मुनि (2)

पता—श्री सौभाग्यमलजी कोचट्टा, अध्यक्ष
10, बजाजखाना, जावरा-457226
जिला-रतलाम (म.प्र.)

साधन.—प.रे. अजमेर, खण्डवा, काचीगुड़ा मेन लाइन
पर रतलाम के पास स्टेशन है। मध्यप्रदेश के सभी
जगहो से बसे जाती है।

12. गंगपुर (राज.)

1. आदर्श त्यागी श्री सौभाग्य मुनिजी म.सा.
2. तपस्वी श्री पंकज मुनिजी म.सा.

आदि मुनि (2)

पता—श्री सुन्दरलालजी सिंघवी,
सदर बाजार,

मु.पो. गंगपुर जिला भीलवाड़ा (राज.) 311801

साधन.—भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, विजयनगर से बसे
जाती है।

13. व्यावर (राजस्थान)

1. विद्वदर्य मुनि श्री ज्ञान मुनिजी म.सा.
2. विद्वान मुनि श्री विनय मुनिजी म.सा.

आदि मुनि (2)

पता—श्री आनन्द भवन,

मार्फत श्री जैन जवाहर मित्र मण्डल,
महावीर बाजार, मु.पो. व्यावर-305901
जिला-अजमेर (राज.)

साधन.—प.रे. के दिल्ली-अहमदाबाद मेन लाइन पर रे.
स्टेशन है। राज. के सभी बड़ो गहरो से बस ३५९

14. भीनासर (राज.)

1. तपस्वी श्री मोतीलालजी म.सा.
2. प. रत्न श्री ऋषभ मुनि जी म.सा.

आदि मुनि (2)

पता—श्री झूमरमलजी सेठिया,
मु.पो. भीनासर-334403
जिला-बीकानेर (राज.)

साधन.—बीकानेर, नागौर, जोधपुर, पाली, नोखा, चू.
व्यावर से बस द्वारा।

15. बड़ी सादड़ी (राज.)

1. तरुण तपस्वी श्री अशोक मुनिजी म.सा.
2. सेवामूर्ति मुनि श्री धर्मेन्द्र मुनिजी म.सा.

आदि मुनि (2)

पता—श्री सुजानमलजी मारु,
महादेवजी की गली,
मु.पो. बड़ी सादड़ी
जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.) 312403

साधन.—उदयपुर, नीमच, चित्तौड़गढ़, जोधपुर, मावली,
पाली से सीधी बसजाती है।

महासतियाँजी समुदाय

16. बीकानेर (राज.)

1. स्थविरा पद विभूषिता सरलमना महासती श्री
सिरेकँवरजी म.सा.
2. स्थविरा पद विभूषिता सरलमना महासती श्री
घाणुकँवरजी म.सा.
3. विदुषी महासती श्री सुलक्षणा श्रीजी म.सा.
4. सेवाभाविनी महासती श्री किरणप्रभाजी म.सा.
5. विद्याभिलाषिनी महासती श्री अरुणा श्रीजी म.सा.

- 6 मेवाभाविनी महासती श्री रक्षिता श्रीजी म मा
7 तरुण तपस्विनी महामती श्री मनुना श्रीजी म मा
8 विद्याभिलाषिनी महासती श्री वीणा श्रीजी म मा
जादि म मा (8)

सम्पत् सूत्र —चातुर्मास श्रमाक 3 में देखें।

पता—आधन —उपरोक्त क्रमांक 3 के अनुसार। मा

17 मन्तोर नई आबादी (म.प्र.)

- 1 स्यविरा पद विभूषिता, विदुषी महामती श्री बल्लभ कुवरजी म मा
- 2 स्यविरा पद विभूषिता महा श्री गुलाबकुवरजी म मा
- 3 स्यविरा पद विभूषिता महा श्री बन्धूकुवरजी म मा
- 4 स्यविरा पद विभूषिता महा श्री पानकुवरजी म मा
- 5 विद्याभिलाषिनी महा श्री शान्ता कुवरजी म मा
- 6 विदुषी महा श्री शांतप्रभाजी म मा
- 7 मेवाभाविनी महा श्री रविप्रभाजी म मा
आदि म मा (7)

पता —श्री सोभाग्यमलजी पामेचा,
मैसम पामेचा स्टेशनरी मार्ट, बालिदान माग,
मु. पो. मदनौर (म.प्र.) 458002

माधन —प. रे के अजमेर, खण्डवा, काजीगुडा में साइन
पर रेल्वे स्टेशन है। मध्यप्रदेश व राज में सीधी
बसें भी जाती हैं।

18 चिकारदा (राज.)

- 1 शामन प्रभाविका परम विदुषी महामती श्री पान कुवरजी म मा
- 2 स्वाध्याय प्रेमी महामती श्री चन्द्रकुवरजी म मा
- 3 विदुषी महामती श्री मुशीलाकुवरजी म मा
- 4 तपस्विनी महामती श्री हुलासकुवरजी म मा
- 5 विदुषी महासती श्री प्रमोद श्रीजी म मा
- 6 विदुषी महामती श्री कमल श्रीजी म मा
- 7 विद्याभिलाषिनी महामती श्री मिठमणिजी म मा
आदि म मा (7)

सम्पत् सूत्र —श्री मदनलालजी कोठारी,
मु. पो. चिकारदा
जिला चित्तौड़गढ़ (राज.) 312024

माधन —चित्तौड़गढ़, उदयपुर, पानी, मिरोही से सीधी
ट्रेन जाती है।

19 व्यावर (राज.)

- 1 कमठ सेवाभाविनी विदुषी महामती श्री सम्पत् कवरजी म मा
- 2 स्यविरा पद विभूषिता शामन प्रभाविका महामती श्री गुलाबनवरजी म मा
- 3 स्यविरा पद विभूषिता महा श्री बबूकुवरजी म मा
- 4 स्यविरा पद विभूषिता महा श्री लाडकुवरजी म मा
- 5 तपस्विनी विदुषी महामती श्री सरदारकुवरजी म मा
- 6 स्यविरा पद विभूषिता महा श्री ज्ञानकुवरजी म मा
- 7 सेवाभाविनी महामती श्री तेजप्रभाजी म मा
- 8 विदुषी महामती श्री सलिता श्रीजी म मा
- 9 तरुण तपस्विनी महामती श्री जयनश्रीजी म मा
- 10 विद्याभिलाषिनी महासती श्री अमिता श्रीजी म मा
- 11 विद्याभिलाषिनी महामती श्री सुचिता श्रीजी म मा
- 12 विद्याभिलाषिनी महामती श्री सुप्रतिभा श्रीजी म मा
- 13 विद्याभिलाषिनी श्री महामती महिमाश्रीजी म मा
- 14 विद्याभिलाषिनी महासती श्री मञ्जुला श्रीजी म मा
आदि म मा (14)

पता —श्री आनन्द भवन,
माफत श्री जैन जवाहर मित्र मण्डल,
महावीर बाजार, मु. पो. व्यावर-305901
जिला-अजमेर (राज.)

साधन —प. रे के दिल्ली-अहमदाबाद में साइन पर रेल्वे
स्टेशन है। राज में मभी बड़े शहर में बसें भी
उपलब्ध।

20 नौपामही (राज.)

- 1 शामन प्रभाविका महा श्री केशरकुवरजी म मा
- 2 विदुषी महा श्री नन्दकुवरजी म मा
- 3 तपस्विनी विदुषी श्री चन्द्रप्रभाजी म मा
- 4 तरुण तपस्विनी महा श्री विद्यावतीजी म मा
आदि म मा (4)

पता —श्री केशरीचंदजी मूलचन्दजी पारेय,
मु. पा. नौखमण्डी 334803
जिला-बीकानेर (राज.)

साधन:—बीकानेर, देशनोक, बाडमेर, गगाशहर, नागौर,
जोधपुर, पीपाड से बसे जाती है। मा.

21. भोपाल सागर (राज.)

1. शासन प्रभाविका महा. श्री धापू कुंवरजी म.सा.
2. सेवाभाविनी महा श्री गुलाबकुंवरजी म.सा.
3. विदुषी महा श्री शान्ताकुवरजी म.सा.
4. विदुषी महा. श्री सुमनप्रभाजी म.सा.

आदि म.सा (4)

पता:—श्री धनराज जी बाफना,
मु.पो भोपाल सागर जिला चित्तौडगढ़ (राज.)

साधन.—चित्तौड, भीलवाडा, नीमच से बसे उपलब्ध।

22. श्यामपुरा (राज.)

1. शासन प्रभाविका कर्मठ सेवाभाविनी विदुषी महासती
श्री पैप कुवरजी म.सा
2. सेवाभाविनी महा. श्री फूलकुवरजी म.सा
3. सेवाभाविनी महा. श्री लीलावतीजी म.सा.
4. विदुषी महासती श्री इन्दुबालाजी म.सा
5. विद्याभिलाषणी महा. श्री तरुलताजी म.सा.

आदि म.सा. (5)

चातुर्मास स्थल का पता:—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,
जैन स्थानक, मु.पो. श्यामपुरा,
जिला-सवाई माधोपुर (राज.) 322001

सम्पर्क सूत्र —श्री भंवरलालजी जैन,
मार्फत श्री मनोहरलालजी भवरलालजी जैन
कपडे के व्यापारी, मु.पो श्यामपुरा
जिला-सवाई माधोपुर (राज.) 322001

साधन.—सवाई माधोपुर रेल्वे स्टेशन से बस द्वारा।
बरसात में बस रावल तक जाती है। मोखेली स्टेशन
से 4 मील पैदल जाना पड़ता है। मोखेली स.मा. से
दिल्ली की ओर दूसरा ही स्टेशन है। पैसेजर गाड़ियाँ
ठहरती हैं।

23. श्री रामपुर बंगलौर (कर्नाटक)

1. शासन प्रभाविका परम विदुषी तपस्विनी महा.
श्री नानू कुवर जी म.सा.

2. विदुषी महा. श्री सुमनलता जी म.सा.

3. सेवाभाविनी महा. श्री स्नेहलता जी म.सा.

4. विदुषी तपस्विनी महा. श्री सुलमाश्रीजी म.सा.

5. विदुषी तपस्विनी महा. श्री सरिता श्री जी म.सा.

6. आदर्श त्यागिनी महा. प्रभावना श्री जी म.सा.

7. तपस्विनी महा. श्री अर्पणा श्री जी म.सा.

आदि म.सा. (7)

पता:—श्री सम्पतराजजी कोठारिया,
जैन ज्वैलर्स, 64, 3 फ्लोर
श्री रामपुरम (बंगलौर) 560021

साधन:—देश के हर कोने से ट्रेन जाती है।

24. सिरपुर (महा.):

1. शासन प्रभाविका महासती श्री कंचन कुंवर जी म.सा.
2. विदुषी महा. श्री केशर कुवर जी म.सा.
3. विदुषी महा. श्री सोमप्रभाजी म.सा.
4. विद्याभिलाषणी महा. श्री विरक्ता श्री जी म.सा.

आदि म.सा. (4)

सम्पर्क सूत्र.—मार्फत श्री हंसराजजी सरदारमलजी बुड
पो. सिरपुर जिला धुले (महाराष्ट्र)
फोन . 113

साधन:—अहमदाबाद से आने वाले सूरत, भुसावल लाइन
पर नरडाना उतरे नरडाना से बसे मिलती है 45
मिनट का रास्ता है। बम्बई की तरफ से आने वाले
धूलिया उतरे वहा से नरडाना होकर शिरपुर जा
सकते हैं।

25. रतलाम (म.प्र.)

1. शासन प्रभाविका महा. श्री सूरज कुंवर जी म.सा.
2. सेवाभाविनी महा. श्री रोशन कुंवर जी म.सा.
3. विदुषी तरुण तपस्विनी महा.
श्री पदम श्री जी म. सा.

आदि म.सा. (3)

पता व साधन:—क्रमांक 4 के अनुसार।

26 जलगाँव (महा)

- 1 शासन प्रभाविका विदुषी महासती
भवरकवरजी म सा
- 2 सेनाभाविकी महासती श्री इचरज कुवरजी म सा
- 3 शा प्र विदुषी महासती श्री ज्ञान कुवरजी म सा
- 1 विदुषी महासती श्री सुशोला कुवरजी म सा
- 5 विदुषी महासती श्री ताराकुवरजी म सा
- 6 तपस्विनी विदुषी महासती श्री प्रीतिसुखाजी म सा
- 7 तरुण तपस्विनी महासती श्री उर्मिला कुवरजी म सा
- 8 विद्याभिलाषणी महासती श्री सुभद्रा श्रीजी म सा
- 9 विदुषी महासती श्री चन्द्रा श्रीजी म सा

आदि म सा (9)

चातुर्मास स्थल - श्री वस्था जैन धावन मघ,
सागर भवन, मुभाप चौक-जलगाँव (महा)

सम्पक सूत्र - माहनलालजी मुणात,
256, मरानी पठ, मुणोत निवान
जलगाँव-125001 (महा)
फाल 5529

साधन - ब्रम्हई, मुभावल, (से रे) की मेन लाइन पर
स्टेशन है।

27 प्रतापगढ़ (राज)

- 1 शासन प्रभाविका विदुषी महासती
श्री सम्पत कवरजी म सा
- 2 विदुषी महासती श्री सम्पत कुवरजी म सा
- 3 सेनाभाविकी महासती श्री यमला कवरजी म सा

आदि म सा 3

सम्पक सूत्र - श्री हुमायीच दर्जीवमन्तीसालर्ज, देशोरिया
पो प्रतापगढ़ जिला चित्तोडगढ़ (राज)

साधन - मदनीर, रतलाम, नीमच, चित्तोडगढ़, जाचरी, न,
से माधी वसे जाती हैं।

28 उदयपुर (राज)

- 1 विदुषी महासती श्री भायर कवरजी म सा
- 2 विदुषी महासती श्री चेतना श्रीजी म सा
- 3 विदुषी महासती श्री सुप्रियाजी म सा

- 4 विदुषी तरुण तपस्विनी महासती
श्री सूर्यमणिजी म सा

(आदि म सा (4)

पता - श्री वीरेंद्र सिंहजी लोढा सी ए एडवोकेट,
आनमण्डो मु पो उदयपुर (राज) 313001

साधन - जयपुर, अजमेर, नीलवाडा, चित्तौड़,
रतलाम जायपुर, अहमदाबाद इन्दौर से ट्रेन व बसें
मिलती हैं।

29 सोमेसर (राज)

- 1 शासन प्रभाविका विदुषी
महामती श्री चादकवरजी म सा
- 2 सरल स्वभावी महासती श्री सुमति कवरजी म सा
- 3 विदुषी महामती श्री सुवना श्रीजी म सा
- 4 विद्याभिलाषणी महामती श्री गरिमा श्रीजी म सा
- 5 " " महासती श्री हम श्रीजी म सा

सम्पक सूत्र - श्री जसराजजी श्रीहराजजी दुगाड
मु सोमेसर पो सेतरावा
त भेरगड जिला जोधपुर (राज)

साधन - जोधपुर से बसें मिलती हैं

30 लोणार (महा)

- 1 शासन प्रभाविका विदुषी महामती
श्री इन्द्रकुवरजी म सा
- 2 तपस्विनी विदुषी महा श्री प्रेमलता जी म सा
- 3 सेनाभाविकी महा श्री गंगावतीजी म सा
- 1 तरुण तपस्विनी महा श्री रज्जना श्रीजी म सा
- 5 विद्याभिलाषणी महा श्री हर्षिलाश्रीजी म सा
- 6 तरुण तपस्विनी महा श्री ज्योत्स्ना श्रीजी म सा
- 7 विद्याभिलाषणी महा श्री साधना श्रीजी म सा
- 8 " " सिद्ध प्रभाजी म सा
- 9 " " विशाल प्रभाजी म सा
- 10 नवदीक्षिता महा श्री प्रियूष प्रभाजी म सा
- 11 " " रिद्धि प्रभाजी म सा
- 12 " " सयम प्रभाजी म सा
- 13 " " वैभव प्रभाजी म सा
- 14 " " पुण्य प्रभाजी म सा

15. नवदीक्षिता महा. श्री जुभप्रभा जी म.सा.

आदि म.सा. (15)

पता:—श्री भंवरलाल जी सिंगी, महावीर मेडिकल स्टोर,
बस स्टेशन, मु.पो. लोणार जिला बुलढाणा
(महा.) 443302 फोन : 36

साधन—बुलढाणा से बसे मिलती है

31. गंगा शहर (राज.) :

1. तपस्विनी महासती श्री बदाम कुँवरजी म.सा.
2. स्थविर पद विभूषित महा. श्री विरदी कुँवरजी म.सा.
3. विद्याभिलाषणी महा. श्री ललित प्रभा जी म.सा.
आदि म.सा. (3)

पता.—श्री छगनलालजी सोनावत, पुरानी लाइन,
मु.पो. गंगाशहर जिला बीकानेर (राज.)-334409

साधन.—बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर, नोखा मण्डी से बसे जाती है।

32. कुण्डेरा (राज.) :

1. विदुषी महा. श्री रोशन कुँवरजी म.सा.
2. तपस्विनी विदुषी महा. श्री सुशीला कुँवर जी म.सा.
3. सेवाभाविनी महा. श्री राजिमती जी म.सा.
4. विद्याभिलाषणी महा. श्री विकास श्री जी म.सा.
आदि म.सा. (4)

सम्पर्क सूत्र.—श्री राम प्रताप जी जैन
मु.पो. कुण्डेरा,
जिला-सवाई माधोपुर (राज.)

साधन:—सवाई माधोपुर बस जाती है । सवाई
माधोपुर से दिल्ली लाइन पर मखौली रेलवे
स्टेशन उतरे वहाँ से 2 कि. मी. पैदल जाना
पड़ता है।

33. उटकमंड (तमिलनाडु) :

1. परम विदुषी महासती श्री अनोखा कुँवर जी म.सा.
2. विदुषी महासती श्री वसुमती जी म.सा.
3. विदुषी महासती श्री कुमुद श्री जी म.सा.
4. सरल स्वाभाविनी महासती श्री सुरेखा श्रीजी म.सा.
5. तपस्विनी महासती श्री चित्राश्री जी म.सा.

6. तपस्विनी महासती श्री निरूपणा श्री जी म.सा.

आदि म.सा. (6)

पता:—श्री एच. सोभाचन्द्रजी कोठरी,

हिन्दू स्टोर, एयर बाजार

मु.पो. उटकमंड (तमिलनाडु) 643001

34. अलाय (राज.)

1. तपस्विनी महासती श्री झमकू कँवरजी म.सा.
2. विद्याभिलाषिनी महासती श्री वासुमति श्रीजी म.सा.
3. ,, महासती श्री लक्ष्मप्रभाजी म.सा.
3. ,, महासती श्री मीता श्रीजी म.सा.
आदि म.सा. (4)

सम्पर्क सूत्र.—श्री पूनमचन्द्रजी मेघराजजी सुखलेचा
पो. अलाय जिला-नागौर (राज.)

साधन.—जोधपुर, नागौर, विलाडा, भांपालगढ़, पाली से
से बसे जाती है

35. सैदापेठ-मद्रास (तमिलनाडु)

1. विदुषी महासती श्री सूर्यकान्ताजी म.सा.
2. विदुषी महासती श्री पुष्पावती जी म.सा.
3. विदुषी तपस्विनी महासती श्री विजय लक्ष्मी जी म.सा.
4. आदर्श त्यागिनी तपस्विनी महा
श्री प्रेरणा श्रीजी म.सा.
5. विद्या विनोदी महा. श्री गुणरंजना श्रीजी म.सा.
6. तपस्विनी विद्याभिलाषणी महा.
श्री मुक्ता श्रीजी म.सा.

आदि म.सा. (6)

पता:—श्री गुलाबचन्द्र जी बोरा ,
नं. 1 आदिथापा नामकेन स्टील
15 सैदापेठ मद्रास 600007

साधन—देश के हर कोने से ट्रेन मिलती है।

36. उदयपुर (राज.) :

1. तपतेजस्विनी आदर्श त्यागिनी महासती श्री कस्तूर
कँवरजी म.सा.
2. विदुषी तपस्विनी महासती श्री चन्दनवालाजी म.सा.

- 3 तपस्विनी विदुषामहासती श्री प्रियसखणजी म सा
- 4 विदुषी महामती श्री नम्रता श्रीजी म सा
- 5 विदुषी महामती श्री मुक्ता श्रीजी म सा
- 6 विद्याभिलाषिनी महामती श्री शारदा श्रीजी म सा
- 7 त्रिआभिलाषिनी महामती श्री कल्पना श्रीजी म सा

आदि म सा (7)

मम्पक सूत्र—बौरासहजी, चाटड एकाउन्टेन्ट
धानमण्डी, उदयपुर (राज) पिन-313001

फोन जा 23302

27326 पी पी

37 इंदौर (म प्र)

- 1 तपस्विनी महामती श्री पारसबैरजी म सा
- 2 विदुषी महामती श्री मुलोचनाश्रीजी म सा
- 3 , , श्री महामती, कल्पना श्रीजी म सा
- 4 विद्याभिलाषिनी महामती श्री पूर्णिमा श्रीजी म सा
- 5 , , महामती श्री जिनप्रभाजी, म सा

ठाणा (5)

मम्पक सूत्र—सागरमनजी लनगानी

5/1 महेश नगर इंदौर-2

इन्दौर 452002 (म प्र) समता भवन

चातुर्मास स्थान—जैन स्थानक, निहालपुरा

इंदौर-452002 (म प्र)

माधन—बम्बई, अजमेर, जाधपुर, उदयपुर, चित्तौड़, भीलवाड़ा, दिल्ली, भोपाल, उज्जैन, खण्डवा, रतनाम, दयाम, आरगापुर, हैदराबाद, मे सीधी ट्रेन। तिनव नगर गल स्कून के पास महावीर भवन ह।

38 अलमुर-बगलौर (कर्नाटक)

- 1 आदिश त्यागनी विदुषी महामती श्री ज्योतीश्रीजी म सा
- 2 विदुषी तपस्विनी महा श्री कल्याण कैबरजी म सा
- 3 विदुषी महा श्री बनकश्रीजी म सा
- 4 विद्याभिलाषिनी महा श्री लब्धिश्रीजी म सा
- 5 " " श्री ज्योतिश्रीजी म सा
- 6 " " श्री चित्तरजनश्रीजी म सा

आदि म सा (6)

साधन—बम्बई, दिल्ली, मद्रास, मैसूर, गुटकक, भोपाल
मे सीधी ट्रेन

39 नागदा ज (म प्र)

- 1 विदुषी महामती श्री मगला कैबरजी म सा
- 2 आदिश त्यागिनी तपस्विनी महा श्री सूरज कैबरजी म सा
- 3 विदुषी महा श्री काताश्रीजी म सा
- 4 विदुषी महा श्री चदनश्रीजी म सा
- 5 विद्याभिलाषिनी महा श्री मधुश्रीजी म सा

ठाणा (5)

मम्पक सूत्र—श्री मियाचंददी काठेड

आ 32 मे मियाचंद माणक चंद एण्ड क

44पीपी लक्ष्मीगार्ड माग, पी नागदा जक्शन

(म प्र) पिन 456335

माधन—बम्बई बडादा रतलाम, इंदौर, काठा, दिल्ली
मे सीधी ट्रेन मिलती ह।

40 बिलिपुरम (तमिलनाडु)

- 1 तपस्विनी विदुषी मधुरव्याख्याश्री महा शकुतलाजी म सा
- 2 तपस्विनी महा श्री चमेली कुंवर जी म सा
- 3 तपस्विनी महा श्री निमला श्रीजी म सा
- 4 तपस्विनी महा श्री चेलनाश्रीजी म सा
- 5 विदुषी महा श्री इन्द्रप्रभा जी म सा

आदि म सा (5)

पता—श्री पारस मलजी दुग्गड

183 वामराज स्ट्रीट बिलिपुरम जिला

605602 (तमिलनाडु)

फोन 2436-2936

माधन—

41. देवगढ़-मदारिया (राज.) :

1. सेवाभाविनी महासती श्री चन्द्रकान्ताजी म सा.
2. , , , हंसकँवरजी म सा
3. आदर्श त्यागिनी सेवाभाविनी
महा. श्री निरूपमाश्रीजी म सा.
4. विदुषी महा. श्री मनोरमाजी म सा.

आदि म. सा. (4)

पत्र व्यवहार—नेनमल लक्ष्मीराम सुखलेचा
लक्ष्मी मार्केट, पो देवगढ़ मदारिया
जिला-उदयपुर (राज.)
पिन-313331

साधन—उदयपुर, चित्तौड़गढ़, नाथद्वारा, काकरोली,
मावली, डूंगरपुर से सीधी बस जाती है।

42. सीतामऊ-(मध्यप्रदेश) :

1. विदुषी महासती श्री कुसुमलताजी म.सा.
2. विदुषी तरुण तपस्विनी महा.
श्री प्रेमलताजी म सा.
3. विदुषी महा. श्री कुसुम कान्ताजी म सा.
4. तरुण तपस्विनी महा. श्री श्वेताश्रीजी म सा.

आदि म सा. (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री पारसमल बोहरा,
महावीर चौक, पो सीतामऊ
जिला मन्दसौर (म प्र) 458990

साधन—मन्दसौर, उज्जैन, आगरा, इन्दौर बसे मिलती
है।

43. निम्बाहेड़ा (राज.) :

1. आदर्श त्यागिनी महासती श्री विमलावतीजी म सा
2. तरुण तपस्विनी विदुषी महासती श्री विचक्षणाजी
म सा
3. तरुण तपस्विनी विदुषी महासती श्री प्रवीणश्रीजी
म. सा.
4. विद्याभिलाषिनी महासती श्री रजतमणीजी म सा.
आदि म. सा. (4)

सम्पर्क सूत्र—श्री सागरमलजी चपलोट
फेन्सी क्लॉथ मर्चेट, नेहरू बाजार
पो निम्बाहेड़ा (राज.)
जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)

पिन. 312601

फोन नं. 123

साधन—खण्डवा, इन्दौर, अजमेर, रतलाम, नीमच,
भीलवाड़ा से सीधी ट्रेन। रेल्वे स्टेशन से जैन स्थानक
1 कि. मी. है।

44. चित्तौड़गढ़ (राज.) :

1. विदुषी महासती श्री कमलप्रभाजी म. सा.
2. विदुषी महासती श्री मंजुवालाजी म सा.
3. विदुषी महासती श्री समताकँवरजी म. सा
आदि म सा. (3)

पत्र व्यवहार—श्री बन्शीलालजी पोखरना
गौतम क्लॉथ स्टोर
चित्तौड़गढ़ (राज.) पि. 312001
फोन 239

साधन.—रेल्वे से उदयपुर, अजमेर, रतलाम, भीलवाड़ा,
इन्दौर, खण्डवा, से सीधी ट्रेन जाती है। राजस्थान में
हर जगह से बस उपलब्ध है।

45. करमाला (महा.) :

1. विदुषी महा श्री पुष्पलताजी म. सा
2. विदुषी महा. श्री सुमति कुँवरजी म. सा.
3. विदुषी महा. श्री वनिता श्री जी म. सा
4. विद्याभिलाषिनी महा श्री वन्दना श्री जी म. सा.
5. विद्याभिलाषिनी महा. श्री कनक प्रभाजी म सा
6. विद्याभिलाषिनी महा. श्री सत्य प्रभा जी म. सा.
आदि म सा (6)

पता:—श्री शान्तिलाल जी कटारिया

मु पो करमाला जिला शोलापुर (महा.) 413203

साधन—

46. बालसेर (राज.)

1. विदुषी महासती श्री विमला कुँवरजी म. सा.
2. तपस्विनी महा. श्री आदर्श प्रभाजी म सा.
3. विदुषी महा. श्री गुण सुन्दरी जी म. सा.

- 1 विद्याभिलाषणी महा श्री पक्क श्री जी म मा
आदि म मा (4)

पता—श्री चुधीलाल जी मोहनलालजी माथला
मु पो बानेसर जिला जोधपुर
(राज) 342023

माघन—जोधपुर, नागौर, पाली, मानस मे बस द्वारा ।

47 खरागढ (म प्र)

- 1 विदुषी महा श्री तारा कुँवरजी म मा
- 2 विदुषी महा श्री मराज कुँवरजी म मा
- 3 विदुषी महा श्री चंचल कुँवरजी म मा
- 4 विदुषी महा श्री वसुम सना जी म मा
- 5 विद्याभिलाषणी महा श्री हमलता जी म मा
- 6 तरुण तपस्विनी महा श्री तिनय श्री जी म मा
आदि म मा (6)

पता—श्री चंदनमलजी रेवचंदनी माथला,
मु पा खैरागढ जिला राजनंदगांव
(म प्र 491881)

फोन 57

माघन—

48 देशनोक (राज)

- 1 विदुषी महामती श्री भैरव कुँवरजी म मा
- 2 विदुषी महामती श्री प्रभावती जी म मा
- 3 तपस्विनी महामती श्री वीतिथी जी म मा
- 4 तरुण तपस्विनी महामती श्री सुयशमणि जी म मा
- 5 तरुण तपस्विनी महामती श्री मयक मणि जी म मा
आदि म मा (5)

पता—श्री माहललालजी लूणिया
मु पा देशनोक जिला बीकानेर
(राज) 334809

माघन—जयपुर, आगरा, सर्वाई माधोपुर, पीपाड राड,
मेठना रोड, पाली, नागौर, उदयपुर, दिल्ली मे
सीधी ट्रेन जाती है ।

49 छिश्किया (म प्र)

- 1 विदुषी महा श्री ललित प्रभाजी म मा

- 2 तरुण तपस्विनी विदुषी महा श्री अजिता श्री जी म मा
- 3 विदुषी महा श्री महा या मृप्रभाजी म मा
- 4 विदुषी महा श्री महा श्री दर्शना श्री जी मा
आदि म मा (4)

पता—श्री भीष्मचंद जी भण्डारी, मेरारड
मु पा छिश्किया जिला हांगाबाद
(म प्र) 461141

फोन 51 पीपी

माघन—वालाघाट, दुर्ग, हांगाबाद, राजनादगांव से
बसें मिलती है ।

50 कनौदी (राज)

- 1 विदुषी महा श्री मुनीता कुँवरजी म मा
- 2 विदुषी महा श्री मुक्ति प्रभा जी म मा
- 3 विद्याभिलाषणी महा श्री मधुबाला जी म मा
- 4 विद्याभिलाषणी महा श्री वरुणा श्री जी म मा
आदि म मा (4)

पता—भीमराज जी मार्फत श्री भैरवनालजी चौरविया
सरदारपुरा कनौदी, जिला जोधपुर (राज)

माघन—जोधपुर, पोकरण, जैमलमेर रेलवे लाइन पर
पीचन और रामदेवरा स्टेशन के बीच के स्टेशन
है, जोधपुर से हर घंटे में बस मिलती है ।

51 वापी (गुज)

- 1 विदुषी महामती श्री निरजना श्री जी म मा
- 2 तपस्विनी महामती श्री मजुला श्री जी म मा
- 3 विदुषी महामती श्री प्रतिभा श्री जी म मा
- 1 विदुषी महामती श्री अचना श्री जी म मा
- 5 विद्याभिलाषणी महामती श्री मणि प्रभा जी म मा
आदि म मा (5)

पता—श्री दीपचंदजी मूधा, जैनस्थानक, उपाध्य प्लाट
नूँ 345 गुजन मिनेमा के पास, शांति मेटर के पास
मु पो वापी (गुज)

माघन—म रे के उम्पई सूरत के बीच में बलमाड के
पास रेलवे स्टेशन है ।

52. कुन्नूर (तमिलनाडु)

1. तपस्विनी महा श्री पारस कुँवरजी म सा
2. विदुषी तपस्विनी महा श्री राज श्री जी म. सा.
3. विदुषी तपस्विनी महा. श्री शशीकान्ताजी म. सा.
4. तपस्विनी महा श्री सुवर्णा श्री जी म सा
आदि म सा (4)

पता:—श्री जम्बू कुमार जी बाफना
मार्फत श्री महावीर क्लॉथ स्टोर
मु पो कुन्नूर, माउण्ट रोड (तमिलनाडु) 643102
साधन.—

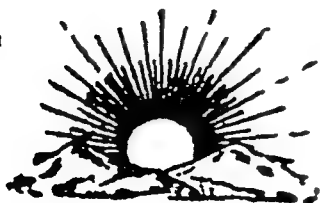
कुल चातुर्मास स्थल संतों के	15	कुल मुनिराज	46
” ” ” सतियों के	37	” सतियों जी	204
	—		—
	कुल 52	कुल	250

कुल चातुर्मास 52 संत 46 सतियोंजी 204 कुल ठाणा 250

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियों
1985 मे कुल ठाणा थे	46	203
+ नई दीक्षाएं हुई	—	6
	46	209
—काल धर्म प्राप्त हुए	—	5
	46	204
1986 मे कुल ठाणा है	46	204

हु शि हु चौ श्री जग नाना ।
लाल चमक रहे भानु समाना ॥



हार्दिक शुभकामनाओं सहित

कटारिया केसरीमल समरथमल (कलमोड़ा वाला)

कपास्या खली, भनाज के विक्रेता
एवं कमीशन एजेंट

भगतपुरी, रतलाम (म. प्र.) 457001

फोन नं 907

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

सुजानमल चाणोदिया

प्रतिष्ठान:—

चाणोदिया लालचंद चांदमल

कपड़े के होलसेल व्यापारी

बजाज खाना, रतलाम (म.प्र.) 457001

फोन : 83

दिवाकर प्लास्टिक

इण्डस्ट्रीज

जी/२ इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, रतलाम

447001 (म. प्र.)

फोन नं. 802

ज्ञान गच्छोधिपति, तपस्वीराज, प. रत्न श्री चम्पालाल जी म० सा० से आज्ञा प्राप्त संत-सतियांजी

संत समुदाय

1 जोधपुर (राजस्थान)

1 ज्ञान गच्छोधिपति प रत्न श्री चम्पालाल जी म सा

- 2 व्याख्यानी श्री रोगनलालजी म सा
- 3 दयोवद्ध श्री मातीनालजी म सा (बड़े)
- 4 विद्वद रत्न श्री यशतीनालजी म सा
- 5 विद्याभिलाषी श्री पारम मुनिजी म सा
- 6 नवनील श्री हीरामुनिजी म सा (छाटे)

आदि मुनि (6)

पता—श्री जैन नाल आश्रम भय, नान भवन, रामपुर हाउस
कपडा राजार, जाधपुर 312001 (राज)

माधन—ब्रह्मदाशद नागीर पानी, जयपुर इन्दौर,
वीरानर आगरा रत्नलाल जजमेर मे मीठी देन।

2 बालोतरा (राज)

- 1 मया नागी श्री सामान्यमनजी म सा
- 2 दयोवद्ध श्री दुशालचंदजी म सा
- 3 श्रुतवर प श्री प्रनाथ मुनिजी म सा
- 4 प्रिय व्याख्यानी श्री तजराजजी म सा
- 5 महात्माजी श्री जयन्तीलालजी म सा
- 6 विद्याभिलाषी श्री लक्ष्मीनालजी म सा
- 7 व्याख्यानी श्री विनय मुनिजी म सा
- 8 सजाभारी श्री प्रवीण मुनिजी म सा

आदि मुनि (8)

(गाइल सम्प्रदाय व श्री वीरेजमुनिजी, म श्री राजेश
मुनिजी, म श्री भाजेश मुनिजी म सा ठाणा 3 नी
साथ म ह कुल ठाणा (11)

पता—श्री धनराजजी गोपडा मयी

श्री व म्या जैन आश्रम भय

म पा जालोतरा 314022 जिला बाइमेर (राज)

माधन—जाधपुर, समदडी, गजमर, जमलमेर, मागवार
ज, मोहन मे मीठी देन जाती ६।

3 सनवाड—मेवाड (राज)

- 1 आत्मर्षा प रत्न श्री लालचंदजी म सा (बड़े)
- 2 तपस्वी श्री मागमनजी म सा
- 3 व्याख्यानी श्री जगराजजी म सा
- 1 आत्मर्षा श्री हनुमानचंदजी म सा
- 5 मेवाभावी श्री वनर मुनिजी म सा

आदि मुनि (5)

पता—श्री विश्वनाथजी तातड

मु पा मनराट वाया पोरहनगर

जिला—उदयपुर (राज) 313206

माधन—नाथदारा, उदयपुर, भावरी ज प पनहनगर म
यम आदि व माधन।

पनहनगर, उदयपुर, बिनाड केने माग पर
स्थित ६।

4 पीचन (राजस्थान)

- 1 वीरपुत्र, प रत्न श्री घेवरचंदजी म सा
- 2 प्रवर व्याख्याता श्री गान्धिमुनिजी म सा
- 3 मेवाभावी श्री जोहरी मुनिजी म सा
- 4 मेवाभावी श्री लक्ष्मीनालजी म सा
- 5 नवदीपिन श्री भित्त मुनिजी म सा

आदि मुनि (5)

पता—श्री वृक्षीराज गान्धचंदजी भातू

मु पो पीचन वाया पनाली

जिला जोधपुर (राज) 342303

साधन—जोधपुर, जैसलमेर से सीधी ट्रेन उपलब्ध है।
नागौर, जोधपुर आदि से सीधी बस जाती है।

5. पाली (राज.)

- 1 मधुर व्याख्यानी श्री उत्तम मुनिजी म.सा.
- 2 सेवाभावी श्री धन्ना मुनिजी म.सा.
- 3 नवदीक्षित श्री हीरामुनिजी म.सा. (वडे)
4. नवदीक्षित श्री राजेन्द्र मुनिजी म.सा.

आदि मुनि (4)

पता—श्री निहालचन्दजी पदमचन्दजी धानमंडी,
मु.पो पाली मारवाड (राज.) 306401

साधन—उदयपुर, अहमदाबाद, अजमेर, बीकानेर से
सीधी ट्रेन आती है।

6. नारायणगढ़ (म.प्र.)

1. धर्मोपदेष्टा श्री मथुरा मुनिजी म.सा.
- 2 सेवाभावी श्री ब्रजलालजी म.सा.

आदि मुनि (2)

पता—श्री कन्हैयालालजी चादमलजी छिगावत,
किराणा मर्चेन्ट

मु.पो नारायणगढ़ जिला मन्दसौर
(म.प्र.) 458553

साधन.—मन्दसौर, नीमच, रतलाम, जावरा, चित्तौड़गढ़
से बसे जाती है।

7. भवानीमंडी (राज.)

1. व्याख्यानी श्री ताराचन्दजी म.सा.
- 2 9 रत्न श्री मोती मुनिजी म.सा. (छोटे)
3. सेवाभावी श्री रत्न मुनिजी म.सा.

आदि मुनि (3)

पता—श्री व. स्या जैन श्रावक सघ,
श्री रत्नलालजी मूरजमलजी बीजावत,
मु.पो भवानी मण्डी
जिला झालावाड (राज.) 326502

साधन—बम्बई, रतलाम, इन्दौर, कोटा, सवाई माधोपुर,
दिल्ली, अहमदाबाद, बड़ौदा, अमृतसर से सीधी ट्रेन
जाती है।

8. बाड़मेर (राज.)

1. मधुर व्याख्यानी श्री अमृत मुनिजी म.सा.
2. विद्याभिलाषी श्री नव रत्न मुनिजी म.सा.
- 33 नवदीक्षित श्री मोहनमुनिजी म.सा.

आदि मुनि (3)

पता—श्री चन्दनमलजी पुखराजजी वाठिया
लक्ष्मी बाजार, मु.पो. बाड़मेर (राज.) 344001

साधन—समदडी, लूणी, पाली, वालोतरा, जोधपुर,
नागौर से सीधी ट्रेन मिलती है।

9. पाटोदी (राज.)

- 1 व्याख्यानी श्री लालचन्दजी म.सा. (छोटे)
- 2 सेवाभावी श्री रमेशमुनिजी म.सा.

आदि मुनि (2)

पता—श्री चम्पालालजी मीठालालजी बागमर,
मु.पो बाया वालोतरा
जिला-बाड़मेर (राज.)

साधन—जोधपुर, वालोतरा, फलोदी, बाड़मेर से बस
द्वारा।

महासतीयाँजी समुदाय

10. जोधपुर (राज.)

- 1 वयोवृद्ध स्याविरा महा श्री पन्नेकुंवरजी म.सा.
- 2 विदुषी स्थविरा महा श्री वसन्त कुंवरजी म.सा.
- 3 महा श्री विनय कुंवरजी म.सा.
- 4 महा. श्री प्रसन्न कुंवरजी म.सा.
- 5 महा श्री चचल कुंवरजी म.सा.
6. सेवाभावी महा. श्री मदन कुंवरजी म.सा.
- 7 विदुषी महा श्री झणकार कुंवरजी म.सा.
8. महा श्री ज्ञान प्रभाजी म.सा.
- 9 महासतीजी श्री कमलावतीजी म.सा.
10. महा श्री ललित यशजी
11. नवदीक्षित महा. श्री सुव्रताजी
12. नवदीक्षित महा. श्री पुष्पाजी म.सा.

आदिम.सा. (12)

पता—साधन-उपरोक्त क्रमांक के 1 अनुसार

11 देशनोक (राज)

- 1 विदुषी महासती श्री मगनकुवरजी म मा
 - 2 विदुषी महासती श्री सुंदर कुवरजी म मा
 - 3 व्याख्यात्री महासती श्री इंदर कुवरजी म मा
 - 4 सेवाभाविनी महा श्री मन्ताप कुवरजी म मा
- आदि म मा (1)

पता—श्री भवरपालजी भूरा जवाहर विद्यापीठ के पास
मु पा देशनोक-334901
जिला बीकानेर (राज)

साधन—बीकानेर मेहता राड जाधपुर पानी नागौर
पीपाड, जयपुर से सीधी ट्रेन जाती है।

12 गढ़ सिवाना (राज)

- 1 विदुषी महा श्री मायर कुवरजी म मा
 - 2 विदुषी महा श्री चम्पाकुवरजी म मा
 - 3 विदुषी महा श्री यणकार कुवरजी म मा
 - 4 विदुषी महा श्री भागवती कुवरजी म मा
 - 5 सेवाभावी महा श्री मरम्बनीजी म मा
 - 6 विद्याभिलाषी महा श्री चन्द्रकाताजी म मा
 - 7 सेवाभाविनी महा श्री दशर प्रभाजी म मा
- आदि म मा (7)

पता—श्री केसरीमलजी काठारी,
बानूरा जैन पीपध शांता,
मु पा गढ़ सिवाना जिला बाडमेर
(राज) 343044

चातुर्मास—हुडिया जैन म्थानव, सिवाना
साधन—बाडमेर, बालातरा, जाधपुर, नागौर, मेहता
रोड जालौर म सीधी बसें जाती है।

13 नोछामढी (राजस्थान)

- 1 विदुषी महा श्री प्रेमकुवरजी म मा
- 2 विदुषी महा श्री आशदकुवरजी म मा
- 3 विद्याभिलाषणी महा श्री प्यारकुवरजी म मा
- 4 सेवाभाविनी महा श्री कमलेश कुवरजी म मा
- 5 नवदीप्ति महा श्री लीलावतीजी म मा

आदि म मा (5)

पता—श्री दीपचंदजी पावूदानजी पीचा,
मु पा नाग्रामडी-331803
जिला बीकानेर (राज)

साधन—बीकानेर, दशनाक, बाडमेर, नागौर, जाधपुर,
पीपाड, जयपुर से बसें जाती है।

14 रोहट (राज)

- 1 विदुषी महा श्री स्नेहमनाजी म मा
 - 2 व्याख्यात्री महा श्री गुंणग्राजी म मा
 - 3 विदुषी महा श्री रत्नकुवरजी म मा
 - 4 व्याख्यात्री महा श्री मजुला कुवरजी म मा
 - 5 नवदीप्ति महा श्री पुष्प कुवरजी म मा
 - 6 नवदीप्ति महा श्री विष्णु कुवरजी म मा
- आदि म मा (6)

पता—श्री बीजराजजी बानराजजी पारेख,
मु पो राहट जिला पाली (राज) 306421

साधन—भारवाड ज पाली जाधपुर, स ट्रेन मिलती है।
जाधपुर तुणी पाली से बस या भी साधन है।

15 जालौर (राज)

- 1 विदुषी महा श्री पुष्पाकुवरजी म मा
 - 2 विदुषी महा श्री गुमनवतीजी म मा
 - 3 व्याख्यात्री महा श्री मजुलाजी म मा
 - 4 विद्याभिलाषणी महा श्री सुनीताजी म मा
 - 5 सेवा भाविनी महा श्री मणि प्रभाजी म मा
- आदि म मा (5)

पता—श्री हस्तीमनजी पारेख अध्यक्ष,
श्री व म्था जैन धावक म म, पालम्बाय,
मु पो जालौर (राज) 343001

साधन—जाधपुर, रानीवाडा, अहमदाबाद से सीधी ट्रेन
मिलती है।

16 पाव (राजस्थान)

- 1 विदुषी महा श्री रत्नकुवरजी म मा
- 2 सेवाभाविनी महा श्री माहनकुवरजी म मा
- 3 सेवाभाविनी महा श्री महेन्द्रकुवरजी म मा
- 4 सेवाभाविनी महा श्री विवाम प्रभाजी म मा

आदि म मा (4)

पता:—श्री पारसमलजी भंवरलालजी जैन
मु. पो. पादरू जिला बाडमेर
(राज.) 344801

साधन—जोधपुर, समदड़ी, बाडमेर-वालोतरा आदि से
बस उपलब्ध ।

17. कोरणा (राजस्थान)

1. विदुषी महासती श्री सूर्यकान्ताजी म.सा.
2. विदुषी महा श्री कंचनकुंवरजी म.सा.
3. महा श्री जय प्रभाजी म.सा.

अदि म.सा. (3)

पता—अध्यक्ष, श्री व. स्था जैन श्रावक सघ,
मु. पो. कोरणा जिला जोधपुर
(राज.) 344001

साधन—जोधपुर से बस मिलती है ।

18. झाव (राजस्थान)

1. विदुषी महा. श्री मदनकुवरजी म.सा.
2. विद्याभिलाषणी महा. श्री उदय प्रभाजी म.सा.
3. व्याख्यात्री महा. श्री कमलेश कुवरजी म.सा.

आदि म.सा. 3

पता:—श्री व. स्था जैन श्रावक सघ
मु. पो. झाव जिला-जालौर
(राज.) 343041

साधन.—साचौर, जालौर, रानीवाडा, जोधपुर से बस
मिलती है ।

19. मालेगाँव (महा.)

1. विदुषी महासती श्री कंचन कुँवरजी म. सा.
2. विदुषी महासती श्री कुसुम कान्ताजी म. सा.
3. व्याख्यात्री महा. श्री मंजुला कुँवरजी म. सा.
4. व्याख्यात्री महा. श्री कमलेश प्रभाजी म. सा.
5. व्याख्यात्री महा. श्री शकुन्तलाजी म. सा.
6. विदुषी महा. श्री अर्चना जी म. सा.
7. विदुषी महा. श्री अंगूर वालाजी म. सा.
8. व्याख्यात्री महा. श्री सुरेखा जी म. सा.
9. विद्याभिलाषणी महा. श्री अनुज्राजी म. सा.

आदि म. सा. (9)

पता:—मालू कारपोरेशन, पो. बाँ. नं. 9

मु. पो. मालेगाँव जिला नासिक (महा.)

साधन:—वस्वई, मनमाड़, नासिक, इन्दौर, जलगाँव,
धूलिया, चालीस गाँव से बसे मिलती है ।
मनमाड़ से ट्रेन का साधन ।

20. बुलढाणा (महाराष्ट्र)

1. विदुषी महा. श्री उर्मिला कुँवरजी म. सा.
 2. विद्याभिलाषणी महा. श्री नम्रता जी म. सा.
 3. सेवाभाविनी महा. श्री रम्य दर्शना कुँवरजी म. सा.
 4. सेवा भाविनी महा. श्री शारदा कुँवरजी म. सा.
- आदि म. सा. (4)

पता:—उत्तम चन्दजी कुन्दनमलजी,
क्लाथ मर्चेन्ट,

मु. पो. बुलढाणा जिला नासिक (महा.)

साधन:—नासिक मनमाड अहमदनगर से बसे मिलती है ।

21. दोण्डाइचा (महा.)

1. विदुषी महासती श्री अरुण प्रभाजी म. सा.
 2. व्याख्यात्री महा. श्री सुशीला कुँवर जी म. सा.
 3. सेवा भाविनी महा. श्री प्रिय दर्शना जी म. सा.
 4. सेवा भाविनी महा. श्री गुडीया जी म. सा.
- आदि म. सा. (4)

पता:—श्री शातिलाल कातिलाल एण्ड कम्पनी,

मु. पो. दोण्डाइचा जिला—धूलिया (महा—424508)

साधन—अहमदाबाद, सूरत, भूसावल, जलगाँव से सीधी
ट्रेन मिलती है ।

22. फतेहपुर (महा.)

1. विदुषी महा. श्री शशीकान्ता जी म. सा.
 2. विदुषी महा. श्री कैलाश कुँवरजी म. सा.
 3. विदुषी महा. श्री सुबोध प्रभाजी म. सा.
 4. अध्ययन शीला महा. श्री सुयशाजी म. सा.
- आदि म. सा. (4)

पता:—श्री माँगीलाल जी भीकमचंदजी,

मु. पो. फतेहपुर बाया जामनेर

जिला जलगाँव (महा.) 424 208

साधन:—जलगाँव, जामनेर से बसे मिलती है ।

23 देवता (महा)

- 1 व्याख्यात्री महा श्री चन्दनना जी म मा
- 2 मेवाभाविनी महा श्री मुदमनाजी म मा
- 3 मेवाभाविनी महा श्री चन्द्रनाजी म मा
- 4 मेवाभाविनी महा श्री मराठ बाबाजी म मा
जादि म मा (4)

पना—श्री गुदावचरनी छायावनी बूबट
मु पा देवता जिना नामिक (महा)

माघन—मनमाट, नामिक, मूख मे टेन मिनती ह ।

24 उमराणा (महा)

- 1 विदुषी महामनी श्री शिरामणि जी म मा
- 2 विदुषी महामनी श्री निमन कुँवरजी म मा
- 3 मेवाभाविनी महामनी श्री चंचरा नी म मा
जादि म मा (3)

पना—वधमान गण कम्पनी,
मु पा उमराणा जिना नामिक (महा)

माघन—मानेगाव, चाँबट म वम मिनती ह ।

25 लामूर स्टेशन (महाराष्ट्र)

- 1 विदुषी महामनी श्री प्रवीण कुँवरजी म मा
- 2 विदुषी महामनी श्री धीरज कुँवरजी म मा
- 3 विदुषी महामनी श्री मरिता कुँवरजी म मा
- 4 मेवाभाविनी महामनी श्री जयवी जी म मा
- 5 मेवाभाविनी महामनी श्री गजनीजी म मा
जादि म मा (5)

पना—श्री हम्ब चंदनी फूलवारी जनरल मर्चेंट
मु पा लामूर स्टेशन जि जागगाव (महा)-
423702

माघन—मनमाट बाबागुडा, पम्पनी, जानना, आरगा-
बाद म टेन क माघन उपनगर ।

26 बाबाद (म प्र)

- 1 व्याख्यात्री महा श्री जानन कुँवरजी म मा
- 2 विदुषी महा श्री नील बाबाजी म मा
- 3 विद्या प्रेमी महा श्री माधनाजी म मा

4 नवदीक्षिता महा श्री रजना जी म मा
जादि म मा (4)

पना—श्री के एम जैन एडवोकेट
मु पा बाबाद जिना-दुध (म प्र)-441226
ताग्रन—दुध मे वसे जानी ह ।

27 छरीवार रोड (उडीमा)

- 1 व्याख्यात्री महा श्री चन्द्रकाताजी म मा
- 2 विद्याप्रेमी महा श्री मधुवानी जी म मा
- 3 मेवाभाविनी महा श्री जनेना जी म मा
- 4 विद्याभित्तिपिणी महा श्री चन्द्रिका जी म मा
जादि म मा (4)

पना—श्री पारममनजी नगराज जी बोम्बिया
मु पा छरीवार रोड जिना कानहाजी (उडीमा)
766104

माघन—रायपुर (म प्र) मे टेन मिनती ह ।

28 दुध (म प्र)

- 1 विदुषी महामनी श्री मुनीर कुँवरजी म मा
- 2 विदुषी महामनी श्री मुया प्रभाजी म मा
- 3 मेवाभाविनी महामनी श्री चेतन प्रभाजी म मा
- 4 व्याख्यात्री महा श्री मनीषा कुँवर जी म मा
- 5 मेवाभाविनी महा श्री दशना जी म मा
जादि म मा (5)

पना—श्री मानूनाय चन्दजी बाबर,
बादना, 12 टिडिंग मार्केट,
मु पा दुध (म प्र) 491001

माघन—जहमदाबाद, बम्बई, दिल्ली, कनकना, नागपुर
मे मीठा ड्रेन उपनगर ।

29 उदयपुर (राज)

- 1 विदुषी महामनी श्री विमल कुँवरजी म मा
- 2 महामनी श्री प्रमोद प्रभाजी म मा
- 3 महामनी श्री राजेश कुँवरजी म मा
- 4 महामनी श्री अञ्जलि भावा जी म मा
- 5 महामनी श्री अजिता कुँवरजी म मा
- 6 महामनी श्री मृदुला कुँवर जी म मा
जादि म मा (6)

पता:—श्री किशनलालजी सोनी, महावीर ट्रेडिंग कम्पनी
तेल बाजार, धानमडी, उदयपुर
(राज) 313001

साधन—मारवाड जंक्शन, जोधपुर, दिल्ली, अजमेर,
चित्तौड़, जयपुर, रतलाम, इन्दौर, अहमदाबाद से
ट्रेन जाती है ।

30. सोजत सिटी (राजश)

- 1 विदुषी महासती श्री निर्मल कुँवर जी म सा
 2. महासती श्री गुण वाला जी म सा
 - 3 महासती श्री सरला जी म सा
 4. महासती श्री हर्षदा जी म. सा
 - 5 महासती श्री अरुण कुँवर जी म सा
 6. महासती श्री रेणुका जी म सा
 - 7 महासती श्री सजीता जी म सा
- आदि म. सा (7)

पता:—श्री गाढमलजी चम्पालालजी जैन, किराना मर्चेण्ट,
मु पो सोजत सिटी जिला पाली
(राज) 316101

साधन—अहमदाबाद, जयपुर, दिल्ली, मारवाड जंक्शन,
जोधपुर से सीधी ट्रेन मिलती है ।

31. पाली (राज.)

- 1 सेवाभावी महासती श्री भीकम कुँवरजी म सा
2. नवदीक्षिता श्री विमला कुँवरजी म सा
- 3 महामती श्री प्यार कुँवरजी म सा.
4. महासती श्री सूरज कुँवर जी म सा
- 5 महासती श्री प्रकाश कुँवर जी म. सा
- 6 महासती श्री कीर्तिप्रभाजी म सा.
7. महासती श्री जी म सा

ठाणा (7)

पता.—व साधन क्रमांक 5 के अनुसार

32. महामन्दिर जोधपुर (राज.)

- 1 विदुषी महामती श्री कन्वर कुँवरजी म सा
- 2 महामती श्री कमलानिजी म सा
- 3 महामती श्री रश्मीनता जी म सा.

- 4 महासती श्री कान्ता जी म. सा.
- 5 महासती श्री सुशीला जी म. सा.

आदि म. सा. (5)

पता:—श्री नेमीचंद जी सचेती, बोरा का बास,
मु पो. महामंदिर जोधपुर (राज.) 342001
साधन—अहमदाबाद, नागौर, पाली, जयपुर, इन्दौर,
बीकानेर, आगरा, रतलाम, अजमेर से सीधी ट्रेन
उपलब्ध, जोधपुर उतर कर महा मंदिर बस द्वारा ।

33. गंगाशहर (राज.)

- 1 विदुषी महासती श्री मनोहर कुँवरजी म सा.
- 2 महासती श्री पतासा कुँवर जी म सा.
- 3 महासती श्री सुमति कुँवरजी ग. सा.
- 4 महासती श्री आनन्द कुँवर जी म. सा.
- 5 महासती श्री कचन कुँवर जी म सा (छोटे)
- 6 महासती श्री तारामती जी म सा.
- 7 महासती श्री पुष्पा कुँवरजी म. सा
8. महासती श्री सुमन कुँवर जी में सा.
- 9 महासती श्री सरलाजी म सा.
- 10 महासती श्री

आदि म सा. (10)

पता—श्री घेवरचन्दजी रामलाल जी बोथरा,
बोथरा की नई लेन, मु. पो गंगा शहर
जिला बीकानेर (राज) 334401

साधन—जोधपुर, मेडना, नागौर, बीकानेर, से ट्रेन का
साधन उपलब्ध है ।

34. बालोतरा (राज.)

- 1 विदुषी महा. श्री कमलेश कुँवरजी म सा
2. महामती श्री पुष्पा कुँवर जी म. सा.
3. महामती श्री लक्ष्मीजी म. सा.
4. महामती श्री भावना जी म. सा.
5. नवदीक्षिता महामती श्री नयना कुँवर जी म सा.
6. नवदीक्षिता महामती श्री रमिता कुँवर जी म. सा.
7. नवदीक्षिता महामती श्री रंजना कुँवर जी म. सा.
8. महामती श्री म. सा.

- 9 महामती श्री म मा
आदि म सा (9)

पना—ब माधन—रमाक 2 के अनुमार

35 साबौर (राज)

- 1 विदुषी महा श्री पुष्पा कुँवर जी म मा
 - 2 महा श्री मजूता श्री जी म मा
- आदि म मा (4)

पना—श्री हरक चंद जी डोसी,
मु पो साबौर तिला जातौर (राज) 343041
माधन—बाधन, मिरोही, जातौर, रानीबाडा, माक नमर,
मे सीपी बम उपलब्ध ।

36 छौंछन (राज)

- 1 मेवा भाविनी महा श्री नभी कुँवर जी म मा
 - 2 मेवा भाविनी महा श्री प्रेमनता जी म मा
- आदि म मा (4)

पना—भाधन—रमाक 4 के अनुमार

37 सरेतो (राज)

- 1 महामती श्री आशा कुँवर जी म मा
 - 2 महामती श्री जीत कुँवर जी म मा
- आदि म मा (5)

पना—श्री व म्हा जैन व्यावक मध
मु पा मग्गे बाया विजयनगर
नि प्रजमर (राज)

माधन—अजमेर विजयनगर व्यावर मे बमें उपलब्ध ।

38 रावटी (म प्र)

- 1 विदुषी महामती श्री भट्ट कुँवर जी म मा
 - 2 विदुषी महामती श्री चंद्रनाता जी म मा
- आदि म मा (4)

पना—श्रीमदनान जी महतीनान जैन
मु पा रावटी जिला ननाम
(म प्र) -57001

माधन—रननाम मे रावटी के लिए बम बा माधन उपलब्ध

39 अजमेर (राज)

- 1 बयोबद्धा महामती श्री प्रेम कुँवर जी म सा
 - 2 विदुषी महामती श्री नेंवर कुँवर जी म सा
 - 3 विदुषी महामती श्री भेंवर कुँवर जी म सा
 - 4 विदुषी महामती श्री त्रिपना कुँवर जी म सा
 - 5 विदुषी महामती श्री बनावती जी म सा
 - 6 विदुषी महामती श्री राजमती म सा
 - 7 विदुषी महामती श्री पुष्पाकुँवर जी म सा
 - 8 महामती श्री सूर्य शोभा जी म सा
 - 9 महामती श्री प्रजाबी म सा
 - 10 महामती प्रभावना जी मे सा
 - 11 महामती श्री चंदना जी म सा
- आदि म सा (14)

चातुर्मास म्पन—

साखन कोटडी, अजमेर

पना—श्री लक्ष्मीचन्द जैन दशन मण्डार, बडा स्थानक,
साखन कोटडी, अजमेर (राज) 305001

माधन—दिल्ली, अहमदाबाद, अजमेर, खण्डवा, काचीगुडा,
मेन राइन पर रेल्वे स्टेशन है । बमे राजस्थान के हर
कोने मे तथा रतनाम, नीमच, इन्दौर, अहमदाबाद,
दिल्ली, आगरा, मथुरा मे सीपी जाती है । बम
स्टेशन रेल्वे स्टेशन मे तागा, आटो, रिक्शा
उपलब्ध है ।

40 बहौद (म प्र)

- 1 व्याख्यात्री महा श्री सुमन कुवरजी म मा
 - 2 महामती श्री शिरोमणि म मा
 - 3 महामती श्री मनीषा कुवरजी म मा
 - 4 महामती श्री अरुण प्रभाजी म मा
 - 5 महामती श्री तरुण प्रभाजी म मा
- आदि म सा (5)

पना—श्री दोलतरामजी मादी, अध्यक्ष व्यापारी सध
मु पो बहौद जिला शाजापुर
(म प्र) 465550

माधन—उज्जैन, आगरा इंदौर नागदा, मे बमे
मिलती है ।

41. महिदपुर (म. प्र.)

1. विदुषी महासती श्री रंभाकुंवरजी म सा.
2. महासती श्री कमल प्रभाजी म सा
3. महासती श्री रजन प्रभाजी म सा
4. महासती श्री मधुवालाजी म.सा
5. महासती श्री कुसुम कान्ताजी म.सा.

आदि म.सा. (5)

पता—श्री धनसुखलालजी कोठारी, जवाहर मार्ग,
मु पो महिदपुर जिला उज्जैन (म प्र) 456001

साधन—रतलाम, कोटा, दिल्ली, बम्बई, से ट्रेन मिलती है। स्टेशन से 19 कि मी शहर है। स्टेशन से बस का साधन उपलब्ध है।

42. ताल (म.प्र.)

1. मधुर व्याख्यानी महा श्री अरविन्द कुंवरजी म.सा
2. महासती श्री प्रकाश कुंवरजी म.सा
3. महासती श्री सुदेश प्रभाजी म सा
3. महासती श्री राजेश प्रभाजी म.सा.
5. महासती श्री साधनाजी म.सा

आदि म सा (5)

पता—श्री हजारीमलजी वक्तावरमलजी पितालिया -
मु पो. ताल जिला रतलाम (म प्र) 455118

साधन—अजमेर, खण्डवा लाइन के मध्य स्थित जावरा स्टेशन से बस मिलती है।

43. दोघट (उ.प्र.)

1. विदुषी महासती श्री शुभमतीजी म.सा

आदि म.सा (4)

पता—श्री एस.एस. जैन सभा, जैन स्थानक

मु पो. दोघट जिला मेरठ (उ प्र.) 250622

साधन—बड़ोत, दिल्ली, वागपत, सहारनपुर (उ.रे.)
लाइन पर स्टेशन है।

44. छपरोली (उ.प्र.)

1. विदुषी महामती श्री कुमुद प्रभाजी म सा
2. विदुषी महामती श्री शारदाजी म.सा.

आदि म.सा. (4)

पता—श्री एस. एस. जैन सभा, जैन स्थानक
मु पो छपरोली जिला मेरठ (उ.प्र.)

साधन.—दिल्ली, सहारनपुर, (उ.रे.) लाइन पर बड़ोत रेलवे स्टेशन है।

वहा से छपरोली के लिए बस का साधन उपलब्ध है।

45. मथानिया (राज.)

1. विदुषी महासती श्री निर्मल कुंवरजी म सा.
2. व्याख्यात्री महा. श्री अमर कुवरजी म सा
3. सेवाभाविनी महा. श्री उमराव कुंवरजी म.सा

आदि म सा (3)

पता—श्री पृथ्वीराजजी गिडिया

मु पो. मथानिया जिला जोधपुर

(राज) 342325

साधन—जोधपुर से रेल व बस का साधन उपलब्ध।

46. भोपाल (म.प्र.)

1. विदुषी महासती श्री शिरोमणीजी म.सा.
2. महा श्री शशीप्रभाजी म.सा.
3. महा श्री कमलेशजी म.सा

आदि म सा. (9)

पता.—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक

85, मारवाडी रोड,

मु पो भोपाल 462001 (म प्र.)

साधन.—इन्दौर, रतलाम, उज्जैन, बम्बई, जलगांव, नासिक, दिल्ली, खंडवा, बीना, नागदा से सीधी ट्रेन मिलती है।

47. नाई (राज.)

1. विदुषी महासती श्री तारामतीजी म.सा.
2. महासती श्री सुबोध प्रभाजी म.सा
3. महासती श्री हेमप्रभाजी म.सा.
4. महासती श्री रंजनाजी म.सा.
5. नवदीक्षित महा. श्री विमला कुंवरजी म.सा.

आदि म.सा. (5)

पता—श्री जैन थावक मध,

श्री धर्मचन्द्रजी महलोत

मु पा नाई लट् गिर्वा

जिना उदयपुर (राज) 313001

साधन—उदयपुर मे वम का साधन उपलब्ध है।

48 सरवाड (राज)

1 महामती श्री मणिप्रभाजी ममा

आदि ममा (4)

पता—श्री व म्या जैन थावक मध, जैन म्यावक

मु पो सरवाड जिना भीनवाडा 305403 (राज)

साधन—व्यावर, अजमेर, भीनवाडा, विजय नगर म वमें मिलती है।

49 कवलीपाम (राज)

1 महामती श्री उन्दुमतीजी ममा

आदि ममा (4)

पता—श्री व म्या जैन थावक मध,

श्री अमोलकचन्द्रजी मुराणा

मु पो कवलीपाम

जिना भीनवाडा 311001 (राज)

साधन—भीनवाडा, विजयनगर, चित्तौड़, व्यावर म वम का साधन उपलब्ध है।

50 केकडी (राज)

1 विदुषी महामती श्री हनुमतीजी ममा

आदि ममा (4)

पता—श्री धनराजजी नाहटा,

मयी श्री म म्या जैन थावक मध

मु पा केकडी-305404 (राज)

साधन—जयपुर, जयमेर, व्यावर टोंक, कोटा, जोधपुर म मौरी वम उपलब्ध है।

51 मगलवाड (राज)

1 महामती श्री शान्ताजी ममा

2 महामती श्री दिव्याजी ममा

3 महामती श्री विभावनाजी ममा

4 महामती श्री निमलाजी ममा

आदि ममा (4)

पता—श्री मवाँतलजी जैन,

अग्र्य श्री वर्तमान म्या जैन थावक मध,

वाया भादमान

मु पो मालवाड

जिना चित्तौड़गढ़ (राज) 312024

साधन—उदयपुर, चित्तौड़ मे वम का साधन उपलब्ध है।

कुल चातुर्मास सनों के	9	कुल मुनिराज	38
कुल चातुर्मास सतियों के	42	कुल सतियाजी	227
कुल	51	कुल	265
कुल चातुर्मास 51 सत 38 सतियाजी	227	कुल ठाणा	265

सत-मती तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	मनिया
1985 मे कुल ठाणा थे	35	217
+ मई दीपावली हूई	4	13
	39	230
+ मध मे पुन प्रवेश हुए	1	—
	40	230
—कार्तिक प्राण दूष	—	4
	40	226
—मध मे वाहर घोषित किया	2	—
	38	226
+ नाम अधिक लिखा गया	—	1
	38	227
1986 मे कुल ठाणा विरजने ह	38	227

नोट—सूची म पूरे ठाणा के नाम प्राप्त नहीं होने के कारण सभी ठाणाओं के नाम नहीं दे सके, दृष्टया क्षमा करें।

आसुकवि, मधुरवक्ता, मरुधरा कवि, प्रवर्तक पद विभूषित, श्री सोहनलालजी म. सा. से आज्ञा प्राप्त संत सतियाँजी का चातुर्मास

सन्त-समुदाय

1 भोपालगंज-भीलवाड़ा (राज.)

1 स्वाध्याय शिरोमणी, आसुकवि, मधुरवक्ता,
मरुधरा कवि, मधुर वक्ता, प्रवर्तक
श्री सोहनलालजी म सा.

2. आत्मारथी श्री वालमुनि जी म सा
3. विद्यार्थी श्री वल्लभ मुनि जी म सा "प्राज्ञ किकर"
4. स्वाध्याय प्रेमी तपस्वी श्री चान्द मुनि जी म सा.
आदि मुनि (4)

पता:-श्री व. स्था. जैन श्रावक सघ

शान्ति भवन

मु. पो. भोपालगंज भीलवाड़ा (राज.) 311001

साधन -चित्तौड़गढ़, उदयपुर, अजमेर, जयपुर, रतलाम
इन्दौर, आगरा, बीकानेर, जोधपुर से सीधी ट्रेन
मिलती है।

शान्ति भवन स्टेशन व बस स्टैण्ड के पास ही है।

महासतीयाँजी समुदाय

2. विजयनगर (राज.)

- 1 परम श्रद्धेया विदुषी, साध्वी, प्रमुखा महा.
श्री उमराव कुँवरजी म. सा.
- 2 वयोवृद्धा महा. श्री दीपकुँवरजी म सा
- 3 वयोवृद्धा महा श्री सूरज कुँवरजी म. सा
- 4 वयोवृद्धा महा. श्री विदाम कुँवरजी म. सा.
5. वयोवृद्धा व्याख्यात्री महा. श्री घेवर कुँवरजी म. सा.

6. वयोवृद्धा महा. श्री आनन्द कुँवरजी म. सा.

7. वयोवृद्धा व्याख्यात्री महा. श्री मैना कुँवरजी म सा.
आदि म. सा. (7)

पता:-श्री व. स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक
मु. पो विजयनगर जिला अजमेर
(राज.) 305624

साधन -प रे के दिल्ली, अहमदाबाद रूट पर रेल्वे स्टेशन
है। सभी ट्रेने रुकती है। अजमेर व्यावर, भीलवाड़ा,
चित्तौड़, पाली, जोधपुर, जयपुर से सीधी बस
उपलब्ध।

3. महावीर कालोनी-अजमेर (राज.)

1. वयोवृद्धा व्याख्यात्री महा श्री जयवन्त कुँवर जी
म. सा
2. वयोवृद्धा महा. श्री सन्तोष कुँवर जी म. सा.
- 3 विद्यार्थिनी सेवा भावी महा. श्री रतन कुँवर जी
म. सा
- 4 परम विदुषी व्याख्यात्री श्री कमला कुमारी जी म. सा
"एम. ए हिन्दी"
5. सेवाभावी विद्यार्थिनी श्री मानकुँवर जी म. सा.

आदि म. सा. (5)

पता -श्री सुगन चदजी रतनलालजी राका,
महावीर कालोनी, पुष्कर रोड,
मु. पो अजमेर, (राज.) 305001

साधन -दिल्ली, अहमदाबाद एव अजमेर खण्डवा,
काचीगुडा मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है। राज.
मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, प्रदेशों के
प्रमुख शहरों से बसे भी उपलब्ध।

4 मसूदा (राज)

- 1 विदुषी व्याख्यात्री महा श्री जान लताजी म मा
"प्रात वदना" एम ए (गम्हून) जैन मि रत्ना
- 2 विदुषी महा श्री दशन रत्ताजी म मा "प्रात-
नदना" एम ए 'मि रत्ना'
- 3 विदुषी महा श्री चारित्रलता जी म मा "प्रात
वदना" एम ए 'मि शास्त्री'
- 4 विद्यार्थीनी महा श्री कीर्तिलताजी म मा
- 5 विद्यामिलापी महा श्री कल्पवती जी म मा

जादि म मा (5)

पता—श्री गजमनजी बैरवान जी तातेड

मू पो मसूदा-305623

चित्रा अजमेर (राज)

माणन—अजमेर, व्यावर, मिजयनगर, कबडी, जयपुर,
टाक म उम जाती ह ।

कुल चातुर्मास सती के	1	कुल मुनिराज	4
" " सतियों के	3	" सतिया जी	17
	—		—
कुल	4	कुल	21

कुल चातुर्मास	4	सत	4	सतियाजी	17	कुल	21
---------------	---	----	---	---------	----	-----	----

सत-सती तुलनात्मक तालिका

चित्रण	सत	सतिया
1985 म कुन टाणा थे	4	18
+ नटे दीयाए हटे	—	—
	—	—
	4	18
—वातधम प्राप्ति हुते	—	1
	—	—
	4	17
1986 म कुन टाणा विराजत है	4	17
	—	—

उपदेश हजारो सुनते है,
जो जमल में इन को लाते ।
अनुपम नफा कमाते है,
उत्थान वही कर पाते ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

शा० कन्हैयालाल
उत्तमचंद रूनवाल

न 172, शिवाजी रोड
बैंगलूर-560051 कर्नाटक

तेरा मेरा मिथ्याभिमान जब,
निकल हृदय से जाता है ।
निजानन्द अनुभव जीवात्मा,
उसी समय कर पाना है ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित -

शा० सुगनमल
गणेशमल भण्डारी

के० एन० एक्सपेक्शन,
बी वी क्रोस, यशवतपुर
बैंगलूर-560022
(Karnatka)
Tel No 363329

प्रसिद्ध वक्ता, पं. रत्न श्री सुदर्शनलालजी म. सा. से आज्ञा प्राप्त संत-सतियाँजी

संत समुदाय

1. सिरसा (हरियाणा)

1. शासन प्रभावक, प्रसिद्ध वक्ता, पं रत्न श्री सुदर्शनलालजी म. सा

2. शान्त मूर्ति श्री शान्तीमुनिजी म सा
 3. मधुर व्वाख्यानी श्री राम मुनि जी म सा
 4. मधुर गायक श्री राकेश मुनि जी म सा 'शास्त्री
'सा. रत्न'
 5. सेवाभावी श्री राज कुमार जी म सा.
 6. नवदीक्षित श्री सुनील मुनि जी म. सा
 7. नवदीक्षित श्री राजेश मुनि जी म सा
- आदि मुनि (7)

पता—श्री एम. एस. जैन सभा, रोडी बाजार,
मु पो सिरसा (हरियाणा) 125055

साधन—हिसार, चुरू, राजगढ़, भटिण्डा से सीधी ट्रेन
जाती है।

2. रोहतक मण्डी (हरियाणा)

1. महास्यविर भडारी श्री बलवन्त राय जी म. सा.
 2. सेवाभावी श्री विनय मुनि जी म सा
 3. मधुरवक्ता श्री नरेश मुनि जी म सा
 4. तपस्वी श्री सुधीर मुनि म सा
- आदि मुनि (4)

पता—श्री मन्त्री-एस एस. जैन सभा, जैन स्थानक
वावरा मौहल्ला, रेल्वे रोड,
मु पो रोहतक मण्डी 124001 (हरियाणा)

साधन.—उ रे के दिल्ली, फिरोजपुर मेन लाइन पर रेल्वे
स्टेशन है। सभी ट्रेन रुकती है।

3. जीन्द शहर (हरियाणा)

1. महान तपस्वी वयोवृद्ध श्री बदरी प्रसाद जी म सा
 2. कुशल मूर्ति श्री प्रकाश चन्द जी म सा
 3. पंडित रत्न श्री रामप्रसाद जी म सा
 4. सेवाभावी श्री सुन्दर मुनि जी म सा
- आदि मुनि (4)

पता—एस एस जैन सभा रामराय गेट

जैन स्ट्रीट, जीन्द शहर (हरियाणा) 126102

साधन—उ रे के जीन्द पानीपत रोहतक रूट पर स्टेशन है।

4. जयपुर (राजस्थान)

1. ओजस्वी वक्ता श्री प्रकाश मुनि जी म. सा
 2. सेवाभावी श्री सत्य प्रकाश मुनि जी म सा
 3. विद्या प्रेमी श्री अचल मुनि जी म सा
 4. नवदीक्षित सेवाभावी श्री लाल चन्द जी म सा
- आदि मुनि (4)

पता—श्री गुमानमलजी चौरडिया, मन्त्री, श्री व स्था.
जैन श्रावक संघ, लाल भवन, चोडा रास्ता
मु पो जयपुर (राज) 302003

साधन—दिल्ली, अजमेर, अहमदाबाद, लखनऊ, जोधपुर,
बीकानेर, मवाई माधोपुर लुहार मेन मार्ग पर जयपुर
जंक्शन है। सिटी बस, टेम्पो, आटो रिक्शा से चोडा
रास्ता उतरे वहाँ से बिल्कुल समीप ही लाल भवन
स्थानक है।

5. बड़ौत शहर (उत्तर प्रदेश)

1. मनोहर व्याख्यानी श्री पदम चन्द जी म सा 'शास्त्री'
2. सेवाभावी श्री राजेन्द्र मुनि जी म सा शास्त्री
'मा रत्न'
3. परम प्रतापी श्री अग्रण मुनि जी म सा. 'विशारद'

4 नवदीप्ति मेवाभावी श्री अजीत मुनि जी म सा
आदि मुनि (4)

पता - एस एम जैन समाज, जैन स्थानक नया बाजार
नेहरू मूर्ति के पास,
मू. पो गडान शहर 250611 जिला मेरठ (उ प्र
साधन - दिल्ली, चायपत्त, सहारनपुर (उ रे) लाइन
पर रवे स्टेशन है।

With best compliment from

**J. PARASMULL
MANAKCHAND
KOTHARI**

No 105, Brigade Road
Ashok Nagar-Shaoolay
BANGALORE-560025 (Karnatka)

Tel Off 5715913
Res 574618 567130

II उकलाणा (हरियाणा)

1 विद्वद्रत्न व्याख्यात्री श्री जयमुनिजजी म सा
2 लक्ष्मी श्री नरद्व, मुनि जी म सा
3 नव दीप्ति मेवाभावी श्री मुनील मुनि जी म सा
आदि मुनि (3)

पता - एस एम जैन समा
उकलाणा मण्डी
जिला-हिसार-126009
(हरियाणा)

साधन - उ रे के लुधियाना हिसार लाइन पर हिसार व
जाबल के बीच रवे स्टेशन है मदी गाडिया
ठहरती है।

With best compliments from

**SHAH
CHAMPALAL
CHAITAN
PRAKASH
DUNGARWAL**

Pawn Broker

No 61 Nagarathpet,
Bangalore-560002 (Karnaeke)
Tel Phone No 222443

कुल चातुर्मास सता का	6	कुल मुनिराज	27
	—	—	—
	कुल 6		कुल 27
कुल चातुर्मास 6	सत 27		कुल ठाणा 27

सत सती सक्षिप्त तालिका

विवरण	सत	सतियां
1985 मे कुल ठाणा के	21	—
+ नर दोलाए टर्दी	6	—
	27	—
— नान धम हण	—	—
	27	—
1986 मे कुल ठाणा विगजत ह	27	—

श्रीमद् धर्मदासजी महाराज की सम्प्रदाय के गण प्रमुख
पूज्यपाद प्रवर्तक श्री उमेशमुनिजी म. सा. से आज्ञा प्राप्त:—
तपस्वीरत्न, पं. श्री लालचंदजी म. सा. के
आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी

संत समुदाय

(1) राजमोहल्ला-इन्दौर (म.प्र.):—

1. तपस्वीरत्न, पं. रत्न श्री लालचंदजी म. सा.
 2. तपस्वी रत्न श्री कानमुनिजी म. सा.
 3. पं. रत्न श्री गुलाबमुनिजी म. सा.
- आदि मुनि (3)

चातुर्मास पता:—श्री धर्मदास कृष्ण स्मृति जैन भवन
37 साउथ राजमोहल्ला, इन्दौर-452002 (म.प्र.)

सम्पर्क सूत्र:—श्री सागरमलजी भण्डारी
13/14 नार्थ राजमोहल्ला
इन्दौर-452002 (म.प्र.)

साधन —बम्बई, अजमेर, खण्डवा, काचीगुड़ा, औरंगाबाद,
भीलवाड़ा, रतलाम, उदयपुर से सीधी ट्रेन ।

2. परदेशीपुरा-इन्दौर (म.प्र.)

1. तपस्वी रत्न श्री मान मुनिजी म. सा.
 2. तपस्वी रत्न श्री पारस मुनिजी म. सा.
- आदि मुनि (2)

चातुर्मास स्थल.—शान्तीनाथ भवन,
परदेशीपुरा, क्लर्क कालोनी, इन्दौर

सम्पर्क सूत्र:—श्री माणकचन्दजी पोखरणा,
225 क्लर्क कालोनी,
परदेशीपुरा इन्दौर-452003 (म.प्र.)

साधन.—बम्बई, अजमेर, खण्डवा, काचीगुड़ा, औरंगाबाद,
भीलवाड़ा, रतलाम, उदयपुर, जौधपुर से सीधी
ट्रेन ।

3. धार (म.प्र.)

1. साध्वी प्रमुखा विदुषी महासतीजी
श्री मैनाकुंवरजी म. सा.
 2. सेवाभावी महासतीजी श्री शांताकुंवरजी म. सा.
 3. सेवाभावी महासतीजी श्री सोनाकुंवरजी म. सा.
- आदि म. सा. (3)

चातुर्मास स्थल.—श्री ओसवाल जैन संघ भवन, धार

सम्पर्क सूत्र.—श्री पारसमलजी वकील
मंत्री श्री ओसवाल जैन संघ,
181 गांधी मार्ग राजवाड़ा चौक के पास
धार-454001 (म.प्र.)

साधन.—रतलाम, उज्जैन, नागदा, इन्दौर, देवास, नीमच,
मन्दसौर से बसे जाती है ।

4. करही (करी कस्बा) (मध्यप्रदेश)

1. विदुषी महासतीजी श्री कौसल्या कुंवरजी म. सा.
 2. विदुषी व्याख्यात्री महासतीजी श्री जयाकुंवरजी
म. सा.
 3. सेवाभावी महासतीजी श्री मंजुला कुंवरजी म. सा.
- आदि म. सा. (3)

चातुर्मास स्थल:—महावीर भवन-करही (म. प्र.)

सम्पर्क सूत्र:—श्री अमोलकचन्दजी छाजेड़
मु. पो करही (करी-कस्बा)

वाया बड़वाह—जिला खरगौन (म.प्र.) 451220
(प. निमाड़)

साधन - इन्दौर, रतलाम में बने मिन्ती है ।
धामनोद में एव बड़वाह में भी बसें मिन्ती है ।

5 हरमूद (मध्यप्रदेश)

- 1 विदुषी महामतीजी श्री सुशीला कुवरजी म मा
 - 2 विदुषी महामतीजी श्री रजनाकुवरजी म मा
 - 3 नवदीपिका महा श्री पिप्पला कुवरजी म मा
 - 4 सेवामावी महा श्री ममपिका कुवरजी म मा
- आदि म मा (4)

पता - श्री पनेहच दजी माण्ड, मेनगाट
मु पा हरमूद फोन 24
जिला-बगडवा 450116 (म प्र)

साधन - मुमावल, गण्डवा, इटागरी में सीधी ट्रेनें जाती है ।

6 बहीसर (बम्बई)

- 1 विदुषी महामती श्री कचनकुवरजी म मा
 - 2 व्याख्यात्री महासनी श्री रेवतीकुवरजी म मा
 - 3 सेवामावी महामती श्री गीताकुवरजी म मा
- आदि म मा (3)

पता - श्रीबाबसाई गोमरी,
श्री वर्तमान स्यानवामो जैन मघ,
शिवगविन कम्पेकम,
एम बी राड,
मु पा बहीसर-बम्बई 400068 (महा)

साधन - एम बी रोड, दहीसर, बम्बई-400068
(महा)

7 परदेशीपुरा-इन्दौर (मध्यप्रदेश)

- 1 विदुषी महामती श्री जयवती कुवरजी म मा
 - 2 व्याख्यात्री महामती श्री विजयवतीजी म मा
 - 3 सेवामावी महामती श्री अजयकुवरजी म मा
- आदि म मा (3)

पता व साधन - कमाक ४ के अनुसार

8 भारीगंगा (गुज)

- 1 पूग्य महामती श्री मुधाकुवरजी म मा

- 2 सेवाशील महामती श्री भानुबुवरजी म मा
 - 3 विद्याभिलाषीणी महामती श्री चम्पाकुवरजी म मा
- आदि म मा (3)

पता - श्री रायचन्द भाई भारमन गाह
मु पो भारीगंगा-361170
जिला जामनगर (गुज)

साधन -

कुल चातुर्मास सतों के	2	कुल सत	5
कुल चातुर्मास सतियों के	6	कुल सतीया	19
	8		24

कुल चातुर्मास 8 सत 5 सतियोंकी 19 कुल ठाणा 24

सन-मती तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	सतियों
1985 में कुल ठाणा थे	5	19
+ नई दीमाए हुई	—	—
	5	19
—बालधम प्राप्त हुए	—	—
	5	19
1986 में कुल ठाणा हैं	5	19



स्वतंत्र सम्प्रदायों के अन्य संत सतियाँ

(ए) विद्वदरत्न श्री रामकृष्णजी म. सा. के
आज्ञा से

1. चांदनी चौक दिल्ली

1. विद्वद् रत्न जैन शासन सूर्य पं. रत्न श्री रामकृष्णजी म.सा.
 2. सेवाभावी मुनि श्री शिवचंदजी म सा.
 3. प्रवचन भास्कर श्री सुभद्रमुनिजी म सा.
 4. सेवाभावी श्री रमेशमुनिजी म सा.
 5. सेवाभावी श्री अरुण मुनिजी म.सा
- आदि मुनि (5)

पता:—श्री श्वे. स्था. जैन श्रावक प्रबंधक समिति
1417 महावीर भवन (वरादरी) चांदनी चौक,
बैंक आफ इण्डिया के ऊपर दिल्ली-110006

कुल चातुर्मास 1 संत 5

(बी) स्व. आचार्य श्री घासीलालजी म. सा.
के सुशिष्य

2. बड़वाह (म.प्र.)

स्व. आचार्य आगमज्ञाता श्री घासी लाल जी
म.सा. के सुशिष्य.—
आगम ज्ञाता व्याख्यानी श्री कन्हैया लाल जी म.सा.

मुनि (1)

(सी) ज्ञानगच्छाधिपति तपस्वी राज श्री चम्पा-
लालजी म. सा. के सुशिष्य संत सतियाँजी
(आज्ञा बाहर)

3. आबू पर्वत (राज.)

1. श्री त्रिलोक मुनिजी म ना.

मुनि (1)

4. कर्नाटक में योग्य स्थल (कर्नाटक)

1. श्री कंवरमुनिजी म.सा.

मुनि (1)

5. महाराष्ट्र में योग्य स्थल (महा.)

श्री भवर मुनि जी म. सा.

मुनि (1)

6. नोखामंडी (राज.)

श्री मागीलाल जी म. सा.

मुनि (1)

7. दिल्ली में योग्य स्थल (दिल्ली)

श्री रामेश्वर मुनि जी म. सा.

मुनि (1)

8. गुजरात में योग्य स्थल (गुज.)

श्री रामचन्द मुनिजी म. सा.

मुनि (1)

9. देशनोक (राज.)

महा श्री केसर कुँवर जी म. सा.

आदि म. सा. (2)

कुल चातुर्मास 7 संत 6 सतीयाँजी 2 कुल ठाणा 8

(डी) स्व. प्रवर्तक श्री हगामीलालजी म. सा. के
सुशिष्य-सुशिष्याएं

10. अजमेर (राज.)

1. मधुर व्याख्यानी श्री अभय मुनि जी म. सा.
2. सेवाभावी श्री छीतर मल जी म सा.

आदि मुनि (2)

पता.—श्री लक्ष्मीन्दु जैन दर्शन भण्डार, बड़ा स्थानक
लाखन कोटडी अजमेर (राज) 305001

- 11 अजमेर के आसपास (राज)
महासती श्री जतन पुवर जी म सा
आदि म सा (2)

- 12 अजमेर (राज)
महासती श्री कमला देवी जी म सा
म सा (1)

पता—गुरु हगामी लाल जैन छात्रावास,
रामनगर, पुष्कर राड
अजमेर (राज) 305001

कुल चातुर्मास 3 सत 2 सतिया जी 3 कुल ठाणा 5

(इ) अहंत सध के आचार्य श्री सुशीलकुमारजी के सुशिष्य-सुशिष्याए

- 13 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली—
सेवाभावी श्री धम किर्ती जी म सा
मुनि (1)

पता—अहत् सध, अहिमा बिहार,
सी-599 चेतना माग, डिफेंस कॉलोनी,
नई दिल्ली 110024 फोन न 616688

- 14 शकर रोड—नई दिल्ली
व्याख्यानी श्री बन्तूर मुनि जी म सा
मुनि (1)

पता—अहत् सध, अहिमा भवन
यू राजेन्द्र नगर, शकर रोड
नई दिल्ली-110060

- 15 के जी एक (कर्नाटक)
1 साध्वी श्री साधना जी म सा
2 साध्वी श्री गुरु छाया श्री जी म सा
आदि म सा (2)

पता—श्री बवे जैन स्थानक रोड
रावसा पट, के जी एक-
563122 (बर्नाटक)

16 अशोक पार्क—दिल्ली

- 1 वयोवृद्धा महा श्री राजकसी जी म सा
2 सेवाभाविनी महा श्री सरला जी म सा
आदि म सा (2)

पता—श्री अहम् सध
अशोक पार्क नई दिल्ली-110001

17 सारेन्स रोड दिल्ली

- 1 साध्वी श्री सुधा जी म सा
2 साध्वी श्री पूजा जी म सा
आदि म सा (2)

पता—श्री अहम् सध
सारेन्स रोड नई दिल्ली 110036

नाट—अहत् सध के आचार्य एव विदेशा मे जैन धम प्रचारक श्री सुशील कुमार जी म सा श्री अमरेन्द्र मुनि जी म सा ठाणा 2
यू जर्सी अमरीका मे एव श्री सोभाग्य मुनि जी म सा श्री दिनेश मुनि जी म सा
ठाणा—2 केलिफोर्निया म भ्रमण करने गये हैं।

कुल सत 2 सतियाजी 6 कुल ठाणा 8

नोट—साध्वी श्री साधनाजी के जी एक में मिफ 50 रोज ही ठहरेगी फिर मद्रास आवेगी।

(एफ) अन्य सत सतियाजी

- 18 दिल्ली मे योग्य स्थल (दिल्ली)
श्री ज्ञान मुनिजी म सा
श्री जव मुनि जी म सा
आदि मुनि (2)

- 19 उदयपुर के आसपास (राज)
श्री केशव मुनि जी म सा
मुनि (1)

- 20 मेवाड मे (राज)
श्री चांद मुनि जी म सा
मुनि (1)

21. जोधपुर के आस पास (राज.)

श्री मगन मुनि जी म. सा.

मुनि (1)

जोधपुर में चार जगह अग-अललग विराजते हैं—

22. वयोवृद्धा महा. श्री वसुजी म. सा.

म. सा. (1)

23. वयोवृद्धा महा. श्री राजकुंवरजी म. सा.

म. सा. (1)

24. वयोवृद्धा महा. श्री विमल कुंवरजी म. सा.

म. सा. (1)

25. वयोवृद्धा महा. ज्ञानकुंवरजी म. सा.

म. सा. (1)

कुल चातुर्मास संतों के	15	कुल मुनिराज	21
कुल चातुर्मास सतियों के	10	कुल सतियाँ जी	15
	—		—
कुल	25	कुल	36

कुल चातुर्मास 25 संत 21 सतियाँजी 15 कुल 36



स्वतंत्र सम्प्रदायों के कुल

कुल चातुर्मास संतों के	60	कुल मुनिराज	181
कुल चातुर्मास सतियों के	115	कुल सतियाँजी	555
	—		—
कुल	175	कुल	736

कुल चातुर्मास 175 संत 181 सतियाँजी 555 कुल ठाणा 736

स्वतन्त्र सम्प्रदायों की
संत-सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँ
1985 मे कुल ठाणा थे	192	577
+ नई दीक्षाएं हुई	4	26
	—	—
	196	603
—कालधर्म प्राप्त हुए	1	11
	—	—
	195	592
—इस विभाग मे से दूसरे		
विभागो मे ट्रांसफर किये गये	18	37
	—	—
	177	555
—दूसरे विभागो मे से इस	4	—
विभाग मे सम्मिलित किये		
	—	—
	181	555
	—	—
1986 मे कुल ठाणा है	181	555

विदेशों में जैन धर्म प्रचारक

1. सिद्धांचल न्यूजर्सी अमेरिका (U.S.A.)

1. अर्हत् संघ के आचार्य श्री सुशील कुमार जी म.
2. श्री अमरेन्द्र मुनि जी

पता—सिद्धांचल, R.D.No 4, BOX 374

Blairstown, न्यूजर्सी. 078250 (U.S.A)

phone— 201. 362-9793

-9830

2. कैलिफोर्निया (U.S.A.)

1. श्री सोभाग्य मुनि जी म.
2. श्री दिनेश मुनि जी म

आदि (2)

पता- Acharya Suhsil Jain Meditaion centre

3/25 E ocean Blvd Long Beach

california 90803 (U.S.A)

Phone—213-438-8368

सुप्रसिद्ध साहित्यकार, व्याख्यान वाक्पति
श्री गणेश मुनिजी म. सा 'शास्त्री'

या

जीवन प्रेरक प्राप्य साहित्य

बहाणी		• तात्पर्य	3 50
• आशीर्वाद	5 00	• मंगल भावना बाण	7 00
• परदान	7 00	• अर्थीय मार्ग	1 00
• अपना धर्म	5 00		
• हावक बीन बजायगा	5 00		
• त्रिभुगी के निग	5 00		
• मेरा भगवान	7 00		
		सुखद	
		• अमृत बर	3 00
		• प्रकृति व भोगों के	3 00
		• अर्थीय मार्ग व भोगों के	1 50
उपवास			
• शीत मह	5 00		
• विजय	5 00		
• बुद्ध	7 00		
• मन्त्रोप	7 00		
• परदेगी	7 00		
		शक्तिमान	
		• अमृत व भोगों के	5 00
		• अर्थीय व भोगों के	5 00
		गीत	
		• पाप वृद्धि	7 00
		• मंगल भावना	3 00
		• भव नीति	1 50
माह			
• परीक्षा	7 00		
• मानवता का अर्थ	5 00		
• आत्मा और आवाज	5 00		
• भटवत वृत्त	5 00		
• रत्न वृत्त	5 00		
• विद्या का भवान	7 00		
		प्राप्ति वृत्त —	
		अमर और साहित्य साधना	
		मार्ग—11, उद्योग (राज) 313001	
वर्षा			
• निरव्यय महावीर	1 00		
• सुख के भूषण	7 00		
		गाठ — वापुसर्ग, मार्गवरी, मंगलभावा 15% बुद्धिमान का 20% तथा अर्थीय वृत्तों पर 10% प्रतिभा वर्षा का दो का प्राप्ति वृत्त 1 वृत्त, जो अर्थ यथा का महा करता हुआ ।	

उपाध्याय कवि रत्न

श्री केवल मुनिजी महाराज का

रोचक एवं महत्त्वपूर्ण साहित्य

	मूल्य		मूल्य
जैन दिवाकर (जीवन चरित्र)	3-00	सगम	5-00
		भटका पक्षी नीड पाया	5-00
		अकम्प दीप	5-00
कहानियां		वीसा बोली	5-00
पुनर्मिलन (अप्राप्य)	2-00	एंकाक्षी	6-00
परिवर्तन	3-00	काच का दरवाजा	6-00
छाया	6-00	भाग्य जाग उठा	6-00
दो आंसू	5-00	निराली	6-00
निक्षीय के नक्षत्र	5-00	स्नेह सरिता	6-00
फिर दीप जले	5-00	वचन का तीर	6-00
		तू डाल-डाल मै पात-पात	8-00
उपन्यास		नौमंजिला महल	(प्रकाशनाधीन)
साधना	5-00	निबन्ध	
उद्बोधन	5-00	काटो की छाया	5-00
अंधेरा उजाला	4-00	जीने की कला	6-00
हार जीत	4-00	दिव्य आलोक	6-00
सोने के कंगन	6-00	नाटक	
कुवलय माला	5-00	भैया क्षमा करना	(प्रकाशनाधीन)
राग-विराग	4-00	पापा सच कहते हैं	6-00
जीवन के रंग	4-00	चार भाई चार मित्र (पद्य)	
चतुर परीक्षक	4-00	सोने के कंगन	
धूप-छाव	4-00	जैन दिवाकर स्मृति ग्रंथ	30-00
उज्ज्वल रेखा	5-00	मंगल ज्योति	1-50
छोटी सी बात	5-00	मुक्तक	
यात्री	5-00	अमृत की बूदे	3-00
आसू बन गये मोती	5-00	प्राप्ति स्थान—	
दो हंस	4-00	श्री जैन दिवाकर कार्यालय	
भूला राही-घर आया	5-00	महावीर बाजार, व्यावर (राज.)	
आखिरी खेल	5-00		

सुलेखक प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म सा का महत्त्वपूर्ण साहित्य

- 1 मुनि द्वय अभितादा प्रथम
- 2 मुनि श्री प्रताप अभितादा द्वय
- 3 जैन दिवाकर सम्मरणा के आचार्य
- 4 कांठिर केवरी जीवत द्वय
- 5 ज्ञाना वन्द्यवन्दनी म जीवत द्वय
- 6 7 महावीर का पावन प्रयोग
- 7 तपस्वी वन्दन मुनि जीवत द्वय
- 8 पूज्य वन्द्यवन्दनी म जीवत द्वय
- 9 विनय के आधार म
- 10 विनय के गुण स्वर
- 11 विधि के विधान (उपवास)
- 12 वनमुग का राम (उपवास)
- 13 मानव महिनी महा महिनी
- 14 धर्मनिरत के प्रति विनय
- 15 दिवाकर दिव्य मुक्ताकर
- 16 प्रताप मुक्तामणि
- 17 प्रताप मुनि स्मृति स्मारिका
- 18 हीरक स्मारिका
- 19 गार एकावत
- 20 पञ्चम गान्ध (गीतम मुनि प्रथम)
- 21 प्रताप प्रगतापर मङ्गला (गीतम मुनि प्रथम)
- 22 प्रताप वपा कामुर्ग भाग 1 से 18 तक
- 23 भागम व मागी (प्रिम म)
- 24 गीत के मागी (प्रिम म) मुनि गीतम प्रथम

प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी जीवत द्वय

प्राप्ति स्थल

प्रकाशक-श्री प्रताप मुनि ज्ञानमय

रटेशन रोड

मु पो वरी गादही तिला बिलीष्टगढ़

(राज) 412403

30 दिसंबर, 1986

पुस्तक संख्या- 452002
मा 4 452002 (म 4) 452002
उपवास के विनय के आधार

पोरवाल

होम

इन्डस्ट्रीज

3, मातंगन चौगाहा, इरीर (म 4) 452002

प्रो० लक्ष्मण मधुसूतान जेठ बेंगली वालें

मात-इरीर इरीर इरीर (म 4) 452002
इरीर, तिला भविष्य तिला प्रथम भविष्य मात
इरीर मधुसूतान जेठ बेंगली वालें





वृहद् गुजरात सम्प्रदायें

समग्र जैन समाज के पूज्य साधु-माध्वियों के
1986 वर्ष के चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र
तप की आराधना से सीत्तामपूर्ण
चातावरण में सम्पन्न होने की
भगल कामना करते हुए

हार्दिक शुभकामनाओ सहित



चन्द्रकान्तभाई भणशाली

1002 प्रसाद धेम्पसं

ओपेरा हाउस, बम्बई-100001

फोन 386648-361532

संत समुदाय

1. वड़ीया (गुजरात)---

1 तप सम्राट श्री रतीलालजी म. सा.

2. सेवाभावी श्री राजेन्द्र मुनिजी म. सा.

आदि मुनि (2)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ,

जैन पाठशाला, मु. पो. वड़ीया-364480

जिला भावनगर (गुज.)

साधन:—भावनगर, अमरेली, राजकोट, धारी, गोडल,
धोराजी, अहमदाबाद से वसे जाती है।

2. पेटरबार (बिहार)

1. परम दार्शनिक श्री जयन्ती लाल जी म. सा.

मुनि (1)

पता:—श्री जैन भवन, मु. पो. पेटर बार,

जिला गिरिडीह (बिहार) 829121

साधन—पूर्व रेल्वे के कटनी चितरंजन मार्ग से गिरिडीह
रेल्वे स्टेशन उतरे वहाँ से वसे जाती है।

3. जम्मू (J. & k.)

1 वाणी भूषण श्री गिरीश मुनि जी म. सा.

2. सेवाभावी श्री जिग्नेश मुनि जी म. सा.

आदि मुनि (2)

पता:—श्रीमंत्री, एस. एस. जैन सभा,

जैन स्थानक, जैन बाजार,

जम्मू तवी 180001 (जम्मू-काश्मीर)

साधन—देश के हर कोने के बड़े शहरों से सीधी ट्रेन जाती
है। ठहरने की व्यवस्था आनन्द ऋषिजी भवन, विमल
मुनि रोड, (राणी तलाब) जम्मू में है।

4. गोंडल (गुज.)

1. मधुर व्याख्यानी श्री जसरज जी म. सा.

2. स्पष्ट वक्ता श्री कान्ती मुनि जी म. सा.

3. सेवाभावी श्री देवेन्द्र मुनि जी म. सा.

4. सेवाभावी श्री प्रकाश मुनि जी म. सा.

आदि मुनि (4)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ

पूँजणी पोषधशाला,

गोंडल-360311 (गुज.) राजकोट

साधन:—राजकोट, सुरेन्द्र नगर, अहमदाबाद, जूनागढ़
लिम्बडी, जामनगर, विरमगाँव से सीधी ट्रेन मिलती
है।

5. जामनगर (गुज.)

1. व्याख्यानी श्री जनक मुनि जी म. सा.

2. सेवाभावी श्री मनोहर मुनि जी म. सा.

आदि मुनि (2)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ

जैन उपाश्रय, मु. पो. जामनगर (गुज.) 361001

साधन:—राजकोट लिम्बडी अहमदाबाद, विरमगाँव,
डसा पोरबन्दर से ट्रेन मिलती है।

6. सांगली के पास (महा.)

1. मधुर वक्ता श्री जगदीश मुनि जी म. सा.

2. सेवाभावी श्री शान्ती मुनि जी म. सा.

आदि मुनि (2)

7 आषाढ (महाराष्ट्र) -

- 1 तत्त्व जिज्ञासु श्री हंसमुख मुनिजी म सा

मुनि (1)

पता - श्री नंदकिशोर बसंतलाल नैन,

मु पो अनवार्ड या येचना

जिला नासिक (महाराष्ट्र)-423401

साधन - जलगांव, नामिक, मनमाड, येवला, अहमदनगर,

पाचोरी से सीधी बसें जाती है।

8 सिद्धपुर (गुज) -

- 1 श्री हरिश मुनि जी म सा

मुनि (1)

(लिम्बडी सघवी सम्प्रदाय के श्री दिनेश मुनिजी
म के साथ मे कुल ठाणा 2)

पता - श्री जयन्तीलाल सुंदरजी भाई,

जूना गज बाजार सिद्धपुर

जिला बनास बाठा (उ गुजरात)

साधन - मेहमाणा, पालनपुर, अहमदाबाद, कलोल,

बनास बाठा से बस जाती है।

9 बालोतरा (राज) -

- 1 व्याख्यानो श्री धीरज मुनि जी म सा

(श्री ज्ञान गच्छ सम्प्रदाय के

श्री सीमाग्यमलजी म सा की मेवा मे)

मुनि (3)

पता - श्री धनराजजी चौपडा मंत्री, श्री व स्था जैन
श्रावक सघ

मु पो बालोतरा जिला बाडमेर (राज) 344022

साधन - जोधपुर, समदडी, बाडमेर, जैसलमेर, मारवाड
जक्शन सोजत से सीधी ट्रेन जाती है।महासतिर्थांजि समुदाय

10 राजकोट प्रह्लाद प्लाट (गुज)

- 1 वयावडा महा श्री समर्थ बाई म सा

आदि म सा (3)

पता - श्री म्याथ वामी जैन मघ,

सघाणी जैन सघ उपाश्रय, प्रह्लाद प्लोट शेरीन 17,

राजकोट-360001 (गुज)

साधन - परे के विरम गांव हापा मेन लाइन पर स्टेशन

है। घम्बर्ट, अहमदाबाद, सुरेद्र नगर, जामनगर,

लिम्बडी से सीधी ट्रेन मिलती है।

11 राजकोट (गुज) -

- 1 महा श्री नवल बाई म सा

- 2 महा श्री पुष्पाबाई म सा

आदि म सा (7)

पता - श्री स्थानक वासी जैन सघ, रेखा विहार,

6, धमजीवी सोसायटी, राजकोट-360001

(गुज)

साधन - श्रमाक 10 के अनुसार-

12 उपलेटा (गुजरात) -

महा श्री कुंदा बाई म सा

आदि म सा 6

पता - श्री स्थानक वासी जैन सघ, जैन उपाश्रय,

मु पो उपलेटा

जिला-राजकोट-460490 (गुज)

साधन - राजकोट, जामनगर, सुरेद्र नगर से बसें जाती है।

13 जामनगर (गुजरात) -

- 1 विदुषी महा, श्री वल्लभबाई म सा

- 1 महा श्री प्रभावाई म सा

आदि म सा (8)

पता - श्री स्थानकवासी जैन, मघ,

जैन उपाश्रय, बैंक कॉलोनी,

जामनगर (गुज)-361001

साधन - राजकोट, निम्बडी, अहमदाबाद, विरमगाव,

ठसा पोरबन्दर से ट्रेन जाती है।

14 बलकत्ता (प बगाल) -

- 1 विदुषी रत्न महा श्री हीराबाई म सा

आदि म सा (9)

पता.—श्री स्थानक वासी जैन संघ, गुजराती, जैन स्थानक,
27, पोलीक स्ट्रीट,
कलकत्ता (प.बंगाल)-700001.

साधन.—देश के हर कोने से ट्रेन जाती है।

15. कालावड-शितला (गुजरात):—

1. विदुषी महा. श्री इन्दूबाई म.सा.

आदि म.सा. (5)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ,
मु पो कालावड-शितला-361160.
जिला-जामनगर (गुजरा)

साधन —जामनगर, घोराजी, पड़घरी, जूनागढ़, राजकोट,
अहमदाबाद से बसे जाती है।

16. बगसरा (गुजरात):—

1. विदुषी महा. श्री दयाबाई म सा.

आदि म.सा. (5)

पता —श्री स्थानकवासी जैन उपाश्रय,
मु पो बगसरा-364440
जिला-अमरेली (गुजरात).

साधन —ढसा, घोराजी, अमरेली, राजकोट, जूनागढ़,
जेटपुर से बसे जाती है।

17. धोल (गुज.):—

1. विदुषी महा. श्री हंसाबाई म सा. 'मोटा'

आदि म.सा (2)

पता:—श्री स्था. जैन उपाश्रय,
मु.पो. धोल-362210 (गुज).

साधन.—राजकोट, सुरेन्द्र नगर, जामनगर से बसे जाती है।

18. मलाड-बम्बई (महा.):—

1. विदुषी महा श्री हंसा बाई म सा (नाना),

आदि म.सा. (2)

पता—श्री दशा श्रीमाली नगर,
नर्सिंग लाइन एन.एन. हाई स्कूल के सामने,
मलाड (वेस्ट)
बम्बई-64 (महा)

साधन —देश के हर बड़े शहरो से ट्रेन जाती है। बोरीवली
से चर्चगेट वाली लोकल ट्रेन से मलाड उतर सकते है।

19. राजकोट (गुज.):—

1. वयोवृद्धा महा. श्री चंपाबाई म.सा.

2. महा. श्री विमला बाई म.सा,

आदि म.सा. (2)

पता —श्री स्थानकवासी जैन उपाश्रय,
सदर उपाश्रय,
राजकोट-360001 (गुज)

साधन:—क्रमांक 10 के अनुसार

20. राजकोट (गुज.):—

1. वयोवृद्धा महा. श्री शान्ता बाई म.सा.

आदि म.सा. (3)

पता —श्री स्थानक वासी जैन उपाश्रय,
जक्शन प्लोट,
राजकोट-360001 (गुज)

साधन —क्रमांक 10 के अनुसार

21. राजकोट (गुजरात):—

1. वयोवृद्धा महा श्री हीराबाई म.सा. (मोटा)

आदि म.स. (5)

पता.—श्री स्थानकवासी जैन पोषध शाला,
बोधाणी गेरी,
राजकोट-360001 (गुज.)

22. राजकोट (गुजरात):—

1. महासतीजी श्री इन्दू बाई म सा.

आदि म.स (6)

पता.—श्री स्थानकवासी जैन पोषधशाला,
रेसकोर्स, श्रेयाश सोसायटी,
राजकोट-360001 (गुज)

साधन:—क्रमांक 10 के अनुसार

23. जामनगर (गुजरात):—

1. वयोवृद्धा महा श्री धन कुँवर जी म.सा

आदि म.म. (1)

- पता —श्री म्या जैन उपाधय,
मु पा जामनगर-360001 (गुज)
- 24 मादवी चौक राजकोट (गुजरात) —
1 वयावृद्धा महा श्री जैकुवरदाई म मा
आदि म मा (4)
- पता —श्री म्यानकवासी जैन उपाधय,
मादवी चौक उपाधय,
राजकोट-360001 (गुज)
- 25 भावनगर कृष्णनगर (गुजरात) —
1 महासतीजी श्री वनिता बाई म मा
आदि म मा (5)
- पता —श्री म्यानकवासी जैन मध,
गामानिया पापघशाला, मेघाणी मक्कन,
कृष्ण नगर भावनगर (गुज) 364001
- माधन —मुरड नगर, अहमदाबाद, मूरत, राजकोट,
बाटाद मे सीधी ट्रेन बम जाती है।
- 26 धधुका (गुज) —
महासतीजी श्री निमला बाई म मा
आदि म मा (6)
- पता —श्री म्यानकवासी जैन मध,
मु पा धधुका-382460
जिला-अहमदाबाद (गुजरात)
- माधन —अहमदाबाद, बाटाद, पारवदन, भावनगर,
बेरावन म सीधी ट्रेन जाती है।
- 27 पालिपाद (गुज) —
महामतीजी श्री ललिताबाई म मा
आदि म मा (5)
- पता —श्री म्यानकवासी जैन मध, जैन उपाधय,
मु पो पालिपाद बाया बाटाद
जिला भावनगर (गुजरात) 364720
- माधन —अहमदाबाद पालानाथा, राजकोट, भावनगर
स बमें जाती है।
- 28 भाणवड (गुज) —
महासतीजी श्री प्रफुल्ला बाई म मा
आदि म मा (4)
- पता —श्री म्यानकवासी जैन उपाधय,
मु पा भाणवड-360510
जिला-राजकोट (गुज)
- साधन —राजकोट, भावनगर, बाटाद, अहमदाबाद स
सीधी ट्रेन जाती है।
- 29 सालपुर (गुजरात) —
महामतीजी श्री हर्षिदा बाई म मा
आदि ठाणा (5)
- पता —श्री म्यानकवासी जैन मध, जैन उपाधय,
मु पा सालपुर-301170
त बनानुम
जिला-जामनगर (गुज)
- माधन —जामनगर, सुरेन्द्रनगर, राजकोट से बमें जाती है।
- 30 जामनगर (गुजरात) —
महामतीजी श्री लाल कुँवरजी म मा
आदि म मा (3)
- पता —श्री म्यानकवासी जैन मध “मुवास”
रणजीन नगर श्रीनिवास बोलोनी, शेरी न 2
मुमेर कनब रोड,
जामनगर-361005 (गुजरात)
- 31 घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र) —
1 विदुषी महा श्री भानुदाई म मा
आदि म मा (2)
- पता —श्री व म्या जैन श्रावक मध,
जागरा रोड, श्रियासटॉनीज के पीछे, गाडन स्टॉन,
सघाणी इस्ट घाटकोपर (वेस्ट) बम्बई 86
- 32 पाटण (गुज) —
महामतीजी श्री ज्योती बाई म मा
आदि म मा (3)

पता—श्री दरियापुरी स्थानकवासी जैन संघ,

उभी बाजार,

मु.पो. पाटण-384265

जिला-मेहसाणा, (गुजरात)

साधन:—प.रे. के मेहसाणा, काकोसी, मेन्नाणा रोड मार्ग
के बीच में स्टेशन है।

36. गोंडल (गुज.):—

महासतीजी श्री कनकलताबाई म सा

आदि म.स (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ,

मु पो. बिलखा-362110,

जिला-राजकोट (गुज)

साधन:—राजकोट, जामनगर, भावनगर, सुरेन्द्रनगर से
बस जाती है।

37. दसा जंक्शन (गुज.):—

वयोवृद्धा महा श्री चम्पा कुँवर जी म सा.

आदि म.स. (2)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ,

उपरकोट, जूनागढ़ (गुज) 362001

समधन:—पश्चिम रेलवे में राजकोट-वैरावल एवं जनागढ़
रूट पर स्टेशन है।

38. मलाड़-बम्बई (महा.):—

महासतीजी श्री सविताबाई म सा

आदि ठाणा (6)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ,

जैन उपाश्रय,

मु पो खभात,

जिला-खेड़ा (गुज)-388620

साधन:—प रे के आणन्द खंभात में लाइन पर स्टेशन है
गोधरा नडियाद अहमदाबाद से भी सीधी ट्रेन जाती
है।

36. गोंडल (गुज.):—

महासती जी श्री विजया बाई म.सा

आदि ठाणा (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन पोषध शाला,

भोजराजपुरा,

मु पो. गोंडल-361311.

जिला-राजकोट (गुज.)

साधन:—राजकोट, सुरेन्द्र नगर, अहमदाबाद, जूनागढ़,
लिम्बडी, जामनगर, गाँधीनगर, विरम गाँव से
सीधी ट्रेन।

37. दसा जंक्शन (गुज.):—

महासतीजी श्री इन्दुबाई म सा

आदि म.स. (3)

पता—श्री स्थानक जैन संघ,

मु पो दसा जंक्शन-394740

जिला-भावनगर (गुजरात)

साधन—भावनगर, अहमदाबाद, सुरेन्द्रनगर, राजकोट,
जेटलसर, धोराजी, पोरबन्दर, विरम गाव से भी
सीधी ट्रेन। बसे भी जाती है।

38. मलाड़-बम्बई (महा.):—

महासती जी श्री अनिला बाई म सा.

आदि म.स (4)

पता—श्री व स्था जैन धर्म स्थानक,

मामलतदार वाडी, क्रोस रोड न. 1

मालाड (वेस्ट) बम्बई-400064 (प.रे)

साधन—चर्चगेट बोरीवली वोकण ट्रेन से मरवाड़ उतरे।

39. आणन्द (गुज.):—

महासती जी श्री जयाबाई म सा

आदि म.स. (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ,

मु पो आणन्द-388001

जिला-खेड़ा (गुज.)

साधन—बम्बई, अहमदाबाद, (वेस्टर्न रेलवे) मुख्यमार्ग
पर रेलवे स्टेशन है। सभी गाडियाँ ठहरती हैं।

40 जूनागढ़ (गुज) -

महामतीजी श्री गुलाब कुँवरजी म मा

आदि म सा (6)

पता -श्री स्थानववासी जैन मघ,

ऊपर कोट पोपगाला,

जूनागढ़ (गुज)

साधन -उपराज

41 राजकोट (गुजरात) -

महामतीजी श्री वाता वाई म सा

आदि म मा (3)

पता -श्री स्या जैन पापगाला

बागानी मेरी (राजकोट)-360001 (गुजरात)

साधन -दमाक 10 के अनुसार

42 राजकोट (गुज) -

महासतीजी श्री भानुबाई म सा

आदि म मा (1)

पता -श्री स्या जैन उपाध्व,

आनन्द नगर सामायटा उपाध्व,

राजकोट-360001 (गुज)

साधन -दमाक 10 के अनुसार

43 धनबाद (बिहार) -

महासतीजी श्री प्राण कुँवर वाई म सा

आदि म सा (5)

पता -श्री श्वताम्बर स्थानववासी जैन स्थान

जैन भवन, फाटक बाजार मु पा

धनबाद-826001 (बिहार)

44 हैबराबाद (आंध्रप्रदेश)

महामतीजी श्री ललिता वाई म सा

आदि म मा (10)

पता -श्री स्थानववासी जैन मघ,

जैन भवन, 3 5-141/2-ए रामबाद

इडनबाग, हदराबाद-500001 (आंध्र)

फोन न 57749

माता -जम्बई, बगलार, मद्रास, रायपूर, पूना, शोलापुर,
अजमेर, रतनाम, गण्डवा, आरगाबाद, अहमदाबाद
म गोधी ट्रेन आती है।

45 मद्रास (तमिलनाडु)

महामतीजी श्री नन्नाबाद म मा

आदि म सा (6)

पता -श्री व स्थानववासी जैन श्रावक मघ,

46 सावर कुण्डला (गुजरात)

महामतीजी श्री गुप्ताबाई म मा

आदि म मा (5)

पता -श्री स्थानववासी जैन मघ, जैन उपाध्व,

मु पा सावर कुण्डला-364515 (गुज)

साधन -प रे के महुआ-दमा लाइन पर स्टेशन है। माय
नगर, अमरली, राठी, जूनागढ़ में भी सीधी बस
जाती है।

47 धारी (गुजरात)

महामतीजी श्री मुक्ताबाई म मा

आदि म सा (8)

पता -श्री स्थानववासी जैन मघ,

जैन स्थानव, मु पो धारी

जिला राजकोट (गुज) 364640

साधन -राकोट, जनाग, जामनगर, गोदल, सुरेन्द्रनगर
में बस जाती है।

48 बीसाबदर (गुजरात)

महासतीजी श्री स्पलबाई म मा

आदि म मा (3)

पता -श्री स्थानववासी जैन मघ, जैन उपाध्व,

मु पा बीसाबदर-362130 (गुजरात)

साधन -राकोट, सुरेन्द्रनगर में बस जाती है।

49 बावरा (राजस्थान)

महामतीजी श्री प्रभाबाई म सा

आदि म मा (3)

पता.—श्री कुन्दनमलजी खीवसरा,

पो बावरा, जिला पाली 306101 (राज)

साधन:—पाली, सोजत, जेतारण, नागौर, जोधपुर, मेडता,
जालौर से सीधी बसें ।

. वेरावल (गुजरात)

महासतीजी श्री भद्राबाई म.सा.

आदि म.सा (6)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ,

स्टेशन रोड, वेरावल-362265

जिला-जूनागढ़ (गुज.)

साधन.—धारी, जूनागढ़, राजकोट, अमरेली, भावनगर,
सुरेन्द्रनगर, अहमदाबाद से ट्रेन जाती है । बसों का
अच्छा प्रबन्ध ।

. खांभा (गुजरात)

महासतीजी श्री सन्मतीबाई म सा

आदि म सा (5)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ,

मु.पो खांभा-364650

बाया-चलाला, जिला अमरेली (गुज)

साधन —अमरेली, चलाला, जूनागढ़, राजकोट, भावनगर,
ठसा, गोंडल, लिम्बडी से सीधी बस जाती है ।

. धोराजी (गुजरात)

महासतीजी श्री सुमतीबाई म सा

आदि म सा (6)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ,

मु पो धोराजी-360410

जिला-राजकोट (गुज.)

साधन —धोल, जेतलसर, जाम जोधपुर, पोरबन्दर रूट
पर रेल्वे स्टेशन है । मा.

. बालासोर (ओरीस्सा)

महासतीजी श्री दर्शनाबाई म.सा.

आदि म.सा (2)

पता —

साधन.—

54. ब्यावर (राज.)

महासतीजी श्री वसुमतीबाई म.सा.

आदि म.सा. (3)

पता —श्री व स्था जैन श्रावक संघ

पिपलिया बाजार, ब्यावर (राज.) 305901

साधन:—प रे. के दिल्ली-अहमदाबाद मेन लाइन पर रेल्वे
स्टेशन है । सभी ट्रेन रुकती है । राजस्थान के हर
बड़े शहरों से बसे उपलब्ध है ।

55. बैंगलौर-चिकपेट (कर्नाटक)

महासती श्री लीलमबाई म सा.

आदि म.सा. (5)

पता —श्री व. स्था जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक,

चिकपेट, बैंगलौर-560053 (कर्नाटक)

साधन.—बम्बई, मद्रास, मैसूर, भोपाल, पूना, शोलापुर,
दिल्ली से सीधी ट्रेन । रेल्वे स्टेशन से रिक्शा से
चिकपेट उतरे वहाँ गली में स्थानक है ।

56. अमरेली (गुजरात)

महासतीजी श्री समजुबाई म सा.

आदि म.सा. (2)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ,

मु पो अमरेली-364601 (गुज.)

साधन —धारी, बीसावदर, तलाला, वेरावल, देलवाड़ा,
जूनागढ़ से सीधी ट्रेन ।

57. थानगढ़ (गुजरात)

महासतीजी श्री उषाबाई म सा.

आदि म.सा. (5)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ,

मु.पो थानगढ़-363550

जिला-सुरेन्द्रनगर (गुज.)

साधन —सुरेन्द्रनगर, मोरवी, राजकोट, लिम्बडी, चौटीला,
अहमदाबाद से सीधी बसे जाती है ।

58 माणेरपुर-बसई (महा)

महामतीजी श्री नानगीनबाई म मा

आदि म मा (5)

पना श्री व म्या जैन श्रावक मध,

स्टेशन राड, गुजराती स्कूल पास,

माणेरपुर-बसई स्टेशन रोड (महा) (विस्टन गेल्ड)

59 ऊना (गुजरात)

महामतीजी श्री ननाबाई म मा

आदि म मा (3)

पना -श्री स्यानकवासी जैन मध, जैन उपाध्यय,

मु पा ऊना (गुज)

60 राजकोट (गुजरात)

महामतीजी श्री माधनाबाई म मा

आदि म मा (3)

पना -श्री स्यानकवासी जैन उपाध्यय, महावीर नगर,

राजकोट-360001 (गुज)

61 राजकोट (गुज)

महामतीजी श्री उमिताबाई म मा

आदि म मा (2)

पना -श्री स्यानकवासी जैन मध

मदर उपाध्यय, राजकोट-360001 (गुज)

62 लीलीया मोटा (गुजरात)

महामतीजी श्री ममजूबाई म मा

आदि म मा (2)

पना -श्री स्यानकवासी जैन मध,

जैन उपाध्यय लीलीया मोटा (गुज)

63 जामनगर (गुज)

महामतीजी श्री ननाबाई म मा

आदि म मा (1)

पना -श्री स्यानकवासी जैन मध,

वारियातो डेलो, जामनगर (गुज)

64 जमनानगर (हरियाणा)

महामतीजी श्री सविताबाई म मा

आदि म मा (2)

पना -एस एस जैन सभा,

मु पो जमनानगर (हरियाणा)

मा

65 बगलौर (कर्नाटक)

महामतीजी श्री भागतीबाई म मा

आदि म मा (4)

पना -श्री व म्या जैन श्रावक मध,

तुखिया भवन, बंगलौर (कर्नाटक)

साधन -बम्बई, गुडबल, टुदराबाद, भोपाल, पूना, मद्रास,

रायचूर, मीरज, मागली, मे मीधी ट्रेन जाती ह ।

66 राजकोट (गुजरात)

महामतीजी श्री उमिताबाई म मा

आदि म मा (2)

पना -श्री स्यानकवासी जैन पापघशाला,

मदर उपाध्यय, राजकोट (गुज) 360001

॥

कुल चातुर्मास सतो के	9	कुल सत	18
" " सतिपां के	57	कुल सतिपांजी	242
कुल	66	कुल	260

कुल चातुर्मास 66 सत 18 सतिपांजी 242 कुल ठाणा 260



संत सती तुलनात्मक तालिका

२	संत	सतियाँजी
85 में कुल ठाणा थे	18	241
नई दीक्षायें हुई	1	7
	---	---
	19	248
कालधर्म प्राप्त हुए	1	1
	---	---
	18	247
लिस्ट में नाम नहीं है	---	5
	18	242
86 में कुल ठाणा है	18	242

—श्री गोडल मोटा पक्ष की चातुर्मास सूची हमें जो प्राप्त हुई है वह बिल्कुल अधूरी है उसमें ठाणाओं की संख्या कहीं पर भी नहीं दी है सिर्फ म.स का नाम जरूर लिखा है कि अमुक गाँव में इनका चातुर्मास है। लास्ट में कुल जोड़ लगा दिया कि कुल ठाणा 242 है। हम किसको कितना ठाणा लिखें टोटल कैसे मिलावें समस्या खड़ी हो गयी है। हमने इस सम्प्रदाय की सभी महासतियाजी म.सा. के आगे जो ठाणा लिखे हैं कल्पना से ही लिखे हैं अतः हमारी विवशता को ध्यान में रखकर आप सुधार कर पढ़ें। कहीं कोई यह नहीं सोचें कि हम ज्यादा थे, कम लिख दिया हमने पूरा प्रयत्न किया कि पूरी सूची मिले, पाँच-पाँच पत्र, एक तार देने के बाद भी पूरी सूची हमें प्राप्त नहीं हुई अतः हमें क्षमा करें और आशा करता हूँ कि भविष्य में श्री गोडल सरक्षण कमेटी के पदाधिकारी सही सूची भिजवाने की कोशिश अवश्य करने की कृपा करावें।—सम्पादक



अ. भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई के महामंत्री श्री मुन्नालाल लोढ़ा 'मनन' पाली (राज.) के हार्दिक हृदय उद्गार—

मैंने स्थानकवासी जैन श्रमण सघ को सुदृढ़ बनाने के विषय में व सामाजिक कुरूपतियों एवं श्रावक संघों को संगठित करने के लिए काफी लेख लिखे हैं। अब मेरी अवस्था 72 वर्ष की है इसलिए मेरी जैसी भावना है वैसे सेवा करने में अब असमर्थ हूँ फिर भी जहाँ तक संभव होगा सेवा करने की हार्दिक सद्भावना रखने की वीर प्रभू से प्रार्थना करता हूँ। मैंने जो लेख आदि दिये हैं उसमें व्यक्तिगत किसी का भी नाम व आक्षेप रूप में नहीं लिखे हैं। फिर भी किसी साधु-साध्वीजी का या श्रावक श्राविका का या चतुर्विध श्री सघ की मेरे द्वारा कुछ कटु शब्दों से आत्मा में ठेस पहुँची हो तो आज मैं शुद्ध आन्तरिक हृदय से सभी से क्षमा याचना करता हूँ। आप सबका शुभआशीर्वाद सदा बना रहे यही मेरी हृदय की सच्ची कामना है।

जैन धर्म के बारे में कोई भी साहित्य प्रकाशित करावे उसमें सबसे पहले "नवकार महामंत्र" जरूर लिखने का प्रयत्न करें। यह हमारा जैन धार्मिक महामंत्र है। जेनेतर समाज में भी पहले उनके धर्म के प्रतीक का नाम लिखा जाता है तो फिर हम क्यों नहीं लिखते हैं प्रयत्न अवश्य करें। जो भी जैन साहित्य लिखा जावे उसमें सर्व प्रथम नवकार मंत्र अवश्य लिखें।

—सम्पादक

रोचक, धार्मिक, बाल युवा चरित्र निर्माता की कहानियाँ
—की मासिक पत्रिका—



नूतन जैन पत्रिका

अवश्य पढ़ें

वार्षिक शुल्क 20/-
सेम्पल कापी 2/-

—डाक टिकट भेजकर मगवाइए

सम्पादक—नूतन जैन पत्रिका

बी-8-426—लुधियाना—141008

श्री छः कोटी लिम्बडी मोटा पक्ष सम्प्रदाय के सत-सतियाँजी

सत समुदाय

1 जेतपुर (गुजरात)

1 गादीपती, प रत्न, श्री चुन्नीलालजी
म सा

2 सेवाभा श्री निरजन मुनिजी म सा

3 सेवाभावी श्री जेतन मुनिजी म सा

आदि मुनि (3)

पता—श्री जेतपुर स्थानवासी जैन लिम्बडी सघ,
जैन उपाश्रय, महादेव शेरी,
जेटपुर-360370
बापा गोडल जिला राजकोट (गुज)

साधन—परे के धोला, जेतलसर, पौरवदर लाइन पर
रेल्वे स्टेशन है।

2 लाकडिया (गुजरात)

1 मधुर व्याख्यानी श्री नृसिंह मुनिजी म सा

2 उग्र तपस्वी श्री रामचन्द्रजी म सा

3 सेवाभावी श्री ललितचन्द्रजी म सा

4 सेवाभावी श्री नेमीचन्द्रजी म सा

5 विद्याभिलाषी श्री प्रकाशचन्द्रजी म सा

6 सेवाभावी श्री विरागचन्द्रजी म सा

आदि म सा (6)

पता—श्री स्थानवासी छः कोटी जैन सघ,
मु पो लाकडिया-370195
जिला भुज कच्छ (गुजरात)

साधन—परे के गाधीधाम पालनपुर रूट पर रेल्वे
स्टेशन है।

3 लिम्बडी (गुजरात)

1 सरलस्वभावी श्री लाभचन्द्रजी म सा
(भारीरिक् नारण)

मुनि (1)

पता—सेठ श्री नानजी डगरमी स्था मोटा उपाश्रय जैन सघ
टाकी पामे, मु पा लिम्बडी-363421
जिला सुरेद्रनगर (गुजरात)

साधन—परे के सुरेद्रनगर, भावनगर में लाइन पर
रेल्वे स्टेशन है।

4 रव कच्छ (गुजरात)

1 वाणीभूषण प रत्न श्री भावचन्द्रजी म सा

2 सेवाभावी श्री विमलचन्द्रजी म सा

3 सेवामूर्ति श्री शान्तिचन्द्रजी म सा

4 महान वैरागी श्री विवेकचन्द्रजी म सा

आदि मुनि (4)

पता—श्री स्थानवासी छः कोटी जैन सघ,
मु पो रव-370165

तालुका रापर (पूर्व कच्छ) जिला भुज (गुज)

साधन—भुज, लाकडिया, रापर, सामग्रियारी मे घट द्वारा।

5 सुवई-कच्छ (गुजरात)

1 प रत्न, सुलेख श्री भास्कर मुनिजी म सा

2 विद्याभिलाषी श्री धर्मेशचन्द्रजी म सा

3 प्रिय व्याख्यानी श्री परिमलचन्द्रजी म सा

4 तत्त्वचिंतक श्री चितनचन्द्रजी म सा

आदि मुनि (4)

पता—श्री स्थानवासी छः कोटी जैन सघ,
मु पो सुवई कच्छ-370165
ता रापर जिला भुज (गुजरात)

साधन.—भुज, रापर, लाकड़िया, राजकोट, मोरबी, भचाऊ
हलवद, अजार से सीधी बसे जाती है ।

महासतियाँजी समुदाय

6. समाघोषा (गुजरात)

1. शात स्वभावी वयोवृद्ध महा. श्री रतनबाई म.सा.
(स.का.)

2. विदुषी महासतीजी श्री सूरजबाई म.सा.

3. सेवाभावी महा. श्री प्राणकुवरबाई म.सा.

4. महासतीजी श्री सुलोचनाबाई म.सा.

5. ,, श्री प्रियदर्शिनीबाई म.सा.

6. ,, श्री नमृताबाई मे.सा.

7. ,, श्री उन्नतीबाई म.सा.

8. नवदीक्षित महा. श्री क्षमाकुमारीबाई म.सा.

आदि म.स. (8)

पता.—श्री स्थानकवासी छ. कोटी जैन सघ,

मु.पो. समाघोषा-370405

ता. मून्दा जिला-भुज-कच्छ (गुजरात)

नोट.—समग्र जैन समुदाय के सत-सतियों में सबसे बड़े वयो-
वृद्ध संत-सतियों में महा. श्री रतनबाई म.सा. ही
सबसे वयोवृद्ध हैं जिनकी आयु 99 वर्ष है अगले वर्ष
शताब्दी वर्ष का आयोजन किया जावेगा ।

साधन.—भुज, सामखियाली, सुरेन्द्रनगर, जामनगर,
धोराजी, भावनगर, राजकोट से बसे जाती है ।

7. रापर-कच्छ (गुजरात)

1. शिष्यावृन्द शिरोमणि महा. श्री वेलबाई म.सा.

2. विदुषी महासती श्री उज्ज्वलकुमारीबाई म.सा.

3. सेवाभावी महासती श्री मुक्ताबाई म.सा.

4. सेवाभावी महासती श्री निर्मलाबाई म.सा.

5. महासतीजी श्री चंदनबाई म.सा.

6. ,, श्री कुसुमबाई म.सा.

7. ,, श्री अरुणाबाई म.सा.

8. ,, श्री दर्शिताबाई म.सा.

9. ,, श्री पारसबाई म.सा.

10. महासतियाँजी श्री चेतनाबाई म.सा.

आदि म.सा. (10)

पता.—श्री स्थानकवासी छ. कोटी जैन सघ,

जैन उपाश्रय, बाजार में,

मु.पो. रापर-कच्छ-370165

जिला-भुज कच्छ (गुजरात)

साधन.—परे. के पालनपुर, अहमदाबाद, समदड़ी से
गांधीधाम उतरे वहाँ से बसे जाती है ।

8. नवा वाड़ज-अहमदाबाद (गुजरात)

1. विदुषी महासतीजी श्री समजुबाई म.सा.

2. महासतीजी श्री पुष्पाबाई म.सा.

3. ,, श्री हंसाबाई म.सा. (मोटा)

4. ,, श्री उर्मिलाबाई म.सा.

5. ,, श्री रक्षाबाई म.सा.

6. ,, श्री मनीषाबाई म.सा.

आदि म.सा. (6)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,

चपकनगर फ्लेट, नवावाड़ज,

अहमदाबाद-380013 (गुज)

9. भुज-कच्छ (गुजरात)

1. विदुषी महासतीजी श्री रक्ष्मणीबाई म.सा.

2. महासतीजी श्री मीनाबाई म.सा.

3. ,, श्री निरंजनाबाई म.सा. मा.

4. महासतीजी श्री अंजनाबाई म.सा.

5. ,, श्री रोहिणीबाई म.सा.

आदि म.सा. (5)

पता.—श्री स्थानकवासी छ.कोटी जैन संघ,

जैन उपाश्रय, वाणियावाड़,

मु.पो. भुज-कच्छ-370001 (गुज)]

साधन —राजकोट, अहमदाबाद, बम्बई, सुरेन्द्रनगर,
पालनपुर, गांधीधाम, कान्दला से सीधी ट्रेन ।

10. भचाऊ-कच्छ (गुजरात)

1. सरल स्वभावी महासतीजी श्री मणीबाई म.सा.

2 महामतीजी श्री कर्तिप्रभाजी म मा

3 " श्री कविनाबाई म मा

4 " श्री छनिबाई म मा

5 " श्री रवनाबाई म मा

6 " श्री विगुडिबाई म मा

आदि म मा (6)

पता—श्री स्थानकवासी छ कोटा जैन मध, जन स्थानक,

मु पा भज्ज-370140

जिला भुज-बच्छ (गुज)

साधन—विरमगांव, अहमदाबाद, बम्बई, गार्धोधाम में
सौधी देन जाती है।

11 गुदिपाला (गुजरात)

1 विदुषी महामतीजी श्री भानुमतिबाई म मा

2 महामतीजी श्री सरस्वतीबाई म मा

आदि म मा (2)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सध,

मु गुदिपाला

पान्ट रामपुरा बाया जगावरनगर,

जिला-मुरादनगर (गुजरात)

साधन—मुरादनगर-जगावरनगर से दाने जाती है।

12 चूडा (गुजरात)

1 नाम्यमूर्ति महामतीजी श्री चंदनबाई म मा (माटा)

2 महामतीजी श्री मरुताकुमारीबाई म मा

3 " श्री इंदुकुमारीबाई म मा

4 " श्री विपयनाबाई म मा

5 " श्री जयश्रीबाई म मा

आदि म मा (5)

पता—श्री स्थानकवासी जन सध,

c/o श्री दलीचंदमाई मगनान वारा, ओइल मिन्म,

मु पो चूडा-363410 ता लिम्बही

जिला-मुरादनगर (गुज)

साधन—मुरादनगर, मारवी, धानगड, राजवाट, अहमदा
बाद, मेहसाणा में दाने जाती है।

13 गागोवर-बच्छ (गुजरात)

1 विदुषी महामतीजी श्री विमलाबाई म मा

2 महामतीजी श्री शाननाबाई म मा

3 " श्री तमनाबाई म मा

4 " श्री जिनासाबाई म मा

5 " श्री अनिताबाई म मा

आदि म मा (5)

पता—श्री स्थानकवासी छ कोटा जैन मध,

मु पा गागोवर बाया चित्ताड

जिला भुज-बच्छ-370165 (गुज)

साधन—भुज, भवाळ, लावडिया, सामग्रियारी से दाने।

14 सरा (गुजरात)

1 विदुषी महामतीजी श्री सूरजबाई म मा (नाना)

2 महामतीजी श्री तारामतीबाई म मा

3 " श्री जयरताबाई म मा

4 महामतीजी श्री भक्तिकुमारीबाई म मा

5 " श्री ह्रीतशाबाई म मा

आदि म मा (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सध,

मु पा सरा-बाया हलबद

जिला-मुरादनगर (गुजरात) 363330

साधन—धागधा, हलबद, मालीया, मोरवी से सीधी दाने
जाती हैं।

15 मोरवी (गुजरात)

1 विदुषी महासतीजी श्री चंद्रावतीबाई म मा

2 महासतीजी श्री हसाकुमारीबाई म मा

3 " श्री प्रतिभाकुमारीबाई म मा

4 " श्री मराबाई म मा

5 " श्री नीरुपमाबाई म मा

आदि म मा (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सध,

जन स्थानक, सोनी बाजार,

मु पो मोरवी 363641

जिला-मुरादनगर (गुजरात)

साधन:-प.रे. के बांकानेर-नवलखी लाइन पर स्टेशन है।

16. रताड़िया-कच्छ (गुजरात)

1. विदुषी महासतीजी श्री दमयंतीबाई म.सा.
2. महासतीजी श्री कलावतीबाई म.सा.
3. ,, श्री विभूतिकुमारीबाई म.सा.
4. ,, श्री आराधनाबाई म.सा.
5. ,, श्री शीतलकुमारीबाई म.सा.

आदि म.सा. (5)

पता—श्री स्थानकवासी छ. कोटी जैन संघ,
मु.पो. रताड़िया-कच्छ तालुका गुन्डाला
जिला-भुज 370410

साधन.—गुन्डाला, भुज, सामखियारी से बसे जाती है। मा.

17. राउरकेला (औरीस्सा) उड़ीसा

1. विदुषी महासतीजी श्री विनोदिनी बाई म.सा.
2. महासतीजी श्री दिव्यप्रभाबाई म.सा.
3. ,, श्री करुणा बाई म.सा.

आदिम.स. (3)

पता.—श्री गुर्जर जैन संघ, जैन उपाश्रय,
कचेरी रोड, उदितनगर
मु.पो राउरकेला-769012 (औरीस्सा)

साधन —

18. त्रंबो-कच्छ (गुजरात) :

1. विदुषी महासतीजी श्री प्रभावती बाई म.सा.
2. महासतीजी श्री कचन बाई म.सा.
3. महासतीजी श्री आशाबाई म.सा.
4. ,, श्री चम्पकलता बाई म.सा.
5. ,, श्री अश्विनाबाई म.सा.

म.सा. (5)

पता.—श्री स्थानकवासी छ कोठी जैन संघ
मु.पो त्रंबो तालुका रापर (पूर्व कच्छ)
जिला-भुज (गुज) -370165

साधन.—भुज भचाऊ, लाकड़िया, समाघोघा
से बसे जाती है।

19. आघोई-कच्छ (गुज.):-

1. सरलस्वभावी महासतीजी श्री मंजुलाबाई म.सा.

2. महासतीजी श्री गुणवंताबाईम.सा.

3. ,, श्री नयनाबाई म.सा.

4. ,, मधुस्मिताबाई म.सा.

आदि म.स. (4)

पता:—श्री स्थानकवासी छ. कोटी जैन संघ,
मु.पो आघोई-कच्छ वाया सामखियारी
जिला-भुज (गुज.)-37

साधन.—सामखियारी होकर आघोई जा सकते हैं।
लाकड़िया, भुज, भी बसे जाती है।

20. लिमड़ा (हनुमाना) गुजरात)

1. विदुषी महासतीजी श्री लीलावती बाई म.सा.
2. महासतीजी श्री कलावती बाई म.सा.
3. ,, श्री प्रज्ञाबालावती बाई म.सा.

आदि म.स. (3)

पता:—श्री लिमड़ा स्थानकवासी जैन संघ,
मु.पो. लिमड़ा 364740
वाया ढसा जिला.—भावनगर, गुजरात.

साधन.—प. रे. के ढसा जक्शन उतरे वहाँ से बस द्वारा
पहुँचे.

21. अम्बावाड़ी-अहमदाबाद (गुजरात):-

1. विदुषी महासतीजी श्री विजया कुमारी बाई म.सा.
2. श्रीमहासती इन्दूबाई म.सा.
3. ,, श्री तरुलताबाई म.सा.
4. ,, श्री मेहुलाकुमारी बाई म.सा.
5. ,, श्री झरणाबाई म.सा.
6. ,, श्री हितेच्छा बाई म.सा.

आदि म.स. (6)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ-अम्बावाड़ी,
64, माणिक बाग, सोसायटी, स्मृति प्लेट पास,
सुरेन्द्र मंगल दास रोड, अम्बावाड़ी
अहमदाबाद-3800015 (गुज)

22. चोटीला (गुजरात):-

1. विदुषी महासतीजी श्री राजेमती बाई म.सा.
2. महासतीजी श्री पद्माबाई म.सा.

साधन—मे रे म बम्बई वी टी दादर मे बन्धाण लोवन
ट्रेन से जा मवने ह ।

36 बिछिया (गुजरात)

- 1 विदुपी महासतीजी श्री पुनिताबाई म मा
- 2 महामतीजी श्री सरिता बाई म मा
- 3 महासतीजी श्री उदीताबाई म मा
- 4 महासतीजी श्री प्रणीताबाई म मा

आदि म मा (4)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सघ

मु पा बिछिया वामा वाटाद जवशन
जिला राजकोट 360055 (गुज)

साधन—राजवाट, अमरेली, वीरपुर, काठारी, धाराजी,
बोटाद सुरेद्रनगर से बसे जाती है ।

37 कौल्हापुर (महाराष्ट्र)

- 1 विदुपी महासतीजी श्री रविमनाबाई म मा
- 2 विदुपी महासतीजी श्री धनिकुमारीबाई म मा
- 3 विदुपी महासतीजी श्री आरतीबाई म मा
- 4 विदुपी महामतीजी श्री निवृत्तिबाई म मा
- 5 विदुपी महासतीजी श्री सत्वनाबाई म मा

आदि म मा (5)

पता—श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन सघ,

वमा जामनगर वाला उपाध्य, शाहपुरी,
पो ओ कौल्हापुर-416001 (महाराष्ट्र)

साधन—मागवी मिरज बम्बई, पूना, सतारा से सीधी ट्रेन

38 भुज-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 विदुपी महासतीजी श्री गीताकुमारीबाई म मा
- 2 महासतीजी श्री भद्राकुमारीबाई म मा
- 3 महासतीजी श्री वषाबाई म मा
- 4 महामतीजी श्री मुक्तीबाई म मा

आदि म मा (4)

पता—श्री स्थानकवासी छ वाटी जैन सघ, वाणिया शेरी,
मु पो भुज-क्वच्छ (गुज) 370001

साधन—राजकोट, अहमदाबाद, सुरेद्रनगर कानन्दा
भाघीधाम से सीधी ट्रेन जाती है ।

39 जयलिंग (कोल्हापुर) (महा)

- 1 महामतीजी श्री मृगासतीबाई म मा
- 2 महासतीजी श्री प्रगतिमारी बाई म मा
- 3 महामतीजी श्रीमहिमा कुमारीबाई म मा

आदि म मा (3)

पता—श्री व म्या जै आवन सघ, जै स्थानक
मु पो जयलिंग (कोल्हापुर) 416001

साधन—उपर्युक्त त्रमाव 37 अनुसार

40 घाटलोडीया-अहमदाबाद (गुज)

- 1 विदुपी महासतीजी श्री मयनाबाई म मा
- 2 महासतीजी श्री अचनाबाई म मा
- 3 महासतीजी श्री उल्लासीबाई म मा
- 4 महासतीजी श्री श्रेयशीबाई म मा
- 5 महासतीजी श्री अमितापी बाई म मा

आदि म मा (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सघ

10 मजुथी सोसायटी, रत्नापाव
घाटलोडीया, अहमदाबाद 380061 (गुज)

41 जूनागढ़ (गुजरात)

- 1 विदुपी महामतीजी श्री विद्युतप्रभा बाई म मा
- 2 महामतीजी श्री प्रतीक्षाबाई म मा
- 3 महासतीजी श्री धर्मेच्छाबाई म मा

आदि म मा (3)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सघ

उपर वाटनी जय्या मा राममन्दिर पाने
जुनागढ़ (गुज)

साधन—म रे के राजकोट जेतलसर बेरावल रेल्वे
लाइन पर रेल्व स्टेशन ह ।

42 अजार् कच्छ (गुजरात)

- 1 विदुपी महासतीजी श्री उर्वशाबाई म मा
- 2 महासतीजी श्री बल्याणीबाई म मा

आदि म मा (2)

पता—श्री स्थानकवासी छ कोटी जैन सघ
गगाबाजार, अजार-कच्छ
जिला भुज (गुज) 370110

साधन—भुज, रापर, भचाऊ, लाकडीया रव से बसे जाती है ।

43. माधापर-कच्छ (गुजरात)

1. विदुषी महासतीजी श्री पियुशाबाई म सा
2. महासतीजी श्री पदमनीबाई म सा
3. महासतीजी श्री तारीणीबाई म सा

आदि म सा (3)

पता.—श्री स्थानकवासी छ कोटी जैन सघ,
नवावास, स्वामीनारायण मंदिर पास,
माधापर-कच्छ वाया भुज जिला भुज (गुज)

साधन —भुज, भचाऊ, लाकडीया से बस द्वारा

44. कृष्णनगर-अहमदाबाद (गुज.)

1. विदुषी महासतीजी श्री हर्षिताबाई म सा
2. महासतीजी श्री ज्यौत्सनाबाई म सा
3. महासतीजी श्री विपुलाबाई म सा

आदि म सा (3)

पता —श्रीकृष्ण नगर स्थानकवासी जैन सघ,
ब्लोक नं बी-541868 कृष्णनगर सेजपुर बोधा,
नरोडा रोड अहमदाबाद

382346 (गुज)

45. कालीना-वम्बई (महाराष्ट्र)

1. विदुषी महासतीजी श्री मीनलबाई म सा
2. महासतीजी श्री तरलाबाई म सा
3. महासतीजी श्री अखीलाबाई म सा
4. महासतीजी श्री उपासनाबाई म सा

आदि म सा (4)

पता —श्री व. स्थानकवासी जैन सघ
बन्स अपार्टमेंट्स, प्लॉट न सी टी एम 5835
कालीना कुर्ला रोड, केनरा बैंक पास
कालीना वम्बई-29 (महा)

46. चिचपोकली-वम्बई (महाराष्ट्र)

1. विदुषी महासतीजी श्री साधनाबाई म सा
2. महासतीजी श्री स्मिताबाई म सा
3. महासतीजी श्री सुनीताबाई म सा

आदि म.सा (3)

पता —श्री व. स्थान जैन श्रावक सघ

64 आम्बेडकर रोड ओ पी. पी वोल्टाज
चिचपोकली वम्बई-12 (महा)

47. गुन्दा (गुजरात)

1. विदुषी महासतीजी श्री कोकीलाबाई म सा
2. महासतीजी श्री मृदुलाबाई म.सा
3. महासतीजी श्री परीजाबाई म सा.
4. महासतीजी श्री रुचीताबाई म.सा

आदि म सा (4)

पता —श्री स्थानकवासी छ: कोटी जैन सघ

मु पो गुन्दाला-370410
जिला भुज कच्छ (गुज)

साधन.—भुज लाकडीया, अजार मून्दा कान्दला
राज रोड से बसे जाती है ।

48. लिम्बड़ी (पंच महाल) (गुजरात)

1. विदुषी महासतीजी श्री दीनमणीबाई म.सा
2. महासतीजी श्री सुलसाबाई म.सा
3. महासतीजी श्री प्रतीजाबाई म सा

आदि म.सा (3)

पता —श्री स्थानकवासी जैन सघ

मु पो लिम्बड़ी (पंचमहाल) 389180
जिला गोधरा (गुज)

साधन —प रे गोधरा उत्तरे वहा से बस द्वारा

49. जीवराजपार्क-अहमदाबाद (गुजरात)

1. विदुषी महा श्री चित्तामणीबाई म सा
2. महासतीजी श्री जितपूर्णाबाई म सा
3. महासतीजी श्री विस्तीर्णाबाई म.सा

आदि म सा (3)

पता —श्री स्यानकवाणी जैन मघ
नवा सारंग मंदिर राउ, पोस्ट आफिम पाय
जीवराज पाव, अहमदाबाद-380051 (गुज)

50 बोट-बम्बई (महाराष्ट्र)

- 1 विदुषी महा श्री अनुलाकुमारीबाई म मा
 - 2 महामतीजी श्री विश्वामिबाई म मा
 - 3 महामतीजी श्री जगन्नाथबाई म मा
- आदि म मा (3)

पता —श्री व स्या जैन धावक सघ
100/102 राजार गेट स्ट्रीट कोट
बम्बई-400001 (महा)

51 रतनपुर (जोरावर नगर) (गुज)

- 1 विदुषी महा श्री बनीमाबाई म मा
 - 2 महामतीजी श्री मीनाबाई म मा
 - 3 महामतीजी श्री भारतीबाई म मा
 - 4 महामतीजी श्री चांदनीबाई म मा
 - 5 महामतीजी श्री रोशनीबाई म मा
 - 6 महामतीजी श्री सुवर्णाबाई म मा
- आदि म मा (6)

पता —श्री श्वे स्यानकवाणी जैन सघ
रतनपुर पोस्ट जोरावर नगर-363020
जिला सुरेन्द्र नगर (गुज)

साधन —सुरेन्द्र नगर, वाटाद, घोला, सीहार, भावनगर,
मायना मे सीजी ड्रेन जाती है।

52 माण्डवी-कच्छ (गुज)

- 1 विदुषी महा श्री पूर्णिमाबाई म मा
 - 2 महामतीजी श्री हंसिबाई म मा
 - 3 महामतीजी श्री राजेसतीबाई म मा
 - 4 महामतीजी श्री योगेसतीबाई म मा
- आदि म मा (4)

पता —श्री स्यानकवाणी जैन सघ
चारीवाना नाका पास
माण्डवी-कच्छ-370465 (गुजरात)

साधन —भुज, गजार, जामनगर, रोहा, गपर मे बस
जाती है।

53 गोधरा (गुजरात)

- 1 विदुषी महा श्री कामुदीबाई म मा
 - 2 महामतीजी श्री जगन्निबाई म मा
 - 3 महामतीजी श्री प्रनीमाबाई म मा
- आदि म मा (3)

पता —श्री स्यानकवाणी जैन सघ
स्टेशन रोड, रायणवाडी सामायटी
गोधरा-389001 (गुज)

साधन —य रे के बम्बई दिन्नी गन नाइन पर बडीदा
रतलाम के बीच मे जकान स्टेशन है।

54 चाण्डूप-बम्बई (महा)

- 1 विदुषी महा श्री वैष्णवीबाई म मा
 - 2 महामतीजी श्री विदिता कुमारीबाई म मा
 - 3 महामतीजी श्री श्रेताबाई म मा
- आदि म मा (3)

पता —श्री व स्या जैन धावक सघ
जैन भुवन, जवाहर नगर, एल बी शास्त्री मार्ग
चाण्डूप (वेस्ट) बम्बई 400078 (महा)

55 श्रमणी विद्यापीठ भचारु (गुज)

- 1 विदुषी महा श्री दशनाबाई म मा
 - 2 महामतीजी श्री देवागिनीबाई म मा
 - 3 महामतीजी श्री प्रेसाबाई म मा
 - 4 महामतीजी श्री देशनाबाई म मा
- आदि म मा (4)

पता —श्री स्यानकवाणी जैन श्रमणी विद्यापीठ
मु पा भचारु-360110 कच्छ
जिला भुज (गुज)

साधन —य रे के विरमगाव गांधीघाम मेन लाइन पर
रेल्वे स्टेशन है।

कुल चातुर्मास एवं ठाणा

कुल चातुर्मास मुनिवरों के 5	कुल मुनिराज	18
कुल चातुर्मास सतीयों के 50	सहासतीयांजी	204
—	—	—
कुल 55	कुल	222

कुल चातुर्मास 55 संत 18 सतीयांजी 204 कुल ठाणा 222

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँ
1985 में कुल ठाणा थे	17	204
+ नई दीक्षाएं हुई	2	5
—	19	209
—कालधर्म प्राप्त हुए	—	1
—	19	208
लिस्ट में नाम नहीं आया	1	4
—	18	204
1986 में कुल ठाणा हैं	18	204

नोट —श्री जगदीश मुनिजी म सा. का नाम गत वर्ष की सूची में था इस वर्ष वे एकल विहारी हैं अतः गुजरात अन्य में लिखा है ।



श्री मूलचंद जैन, डोंडी लोहारा (म. प्र.)

सूची क्या है संत-समाज दर्शन है । इसमें कही पर भी सकीर्णता, लघुता, साम्प्रदायिकता आदि दृष्टिगोचर नहीं होती । चातुर्मास समाप्ति पर भी यह अनावश्यक नहीं होती, पते, रिकार्ड देखने एवं पुस्तकालयों, में सग्रहणीय हो जाती है । इसके माध्यम से एकता का माध्यम भी बनता है ।

चातुर्मास सूची यह, सचमुच सच्चा साथ ।
दर्शन यात्रा सुखद बने, जो रखे इसको पास ॥

जैन प्रकाश (गुजरात) बम्बई

अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद् बम्बई, द्वारा विगत 7 वर्षों से इस चातुर्मास सूची का प्रकाशन किया जाता आ रहा है ।

नोट—अ भा. जैन संत-सति चातुर्मास प्रकाशन समिति-जोधपुर के सयोजक श्री महेन्द्र कोठारी सूचित करते हैं कि हमारी इस समिति की तरफ से भी सिर्फ हिन्दी भाषी स्थानकवासी संत-सतियों के चातुर्मास की इस वर्ष निर्देशिका पुस्तक रूप में प्रकाशित की जा रही है ।

श्री अ.भा. समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्-बम्बई द्वारा सम्पूर्ण भारत वर्ष के समग्र जैन सम्प्रदायों के (मारवाडी, गुजराती, पंजाबी, हिन्दी भाषी) के साधु-साध्वियों के चातुर्मासों की सूची कई तरह की हृदयी स्पर्शी आश्चर्यजनक जानकारियों के साथ विगत 7 वर्षों से प्रकाशित की जाती रही है । और इस वर्ष 1986 में भी प्रकाशित की जा रही है ।

तब सिर्फ हिन्दी भाषी स्थानकवासी जैन संत-सतियों के चातुर्मासों की पुस्तिका अलग प्रगट करने की क्या कोई खास जरूरत रह जाती है । —सम्पादक जैन प्रकाशन

सत दर्शनार्थ जाने वाले भाई-बहनों को कम से कम रात्रि भोजन नहीं करना चाहिए । भोजन से पूर्व पाँच नवकार मंत्र गिनना चाहिए, ऊपर से नमक नहीं लेना चाहिए । झूठा नहीं छोड़ना चाहिए ।

—मोतीलाल सुराणा, इन्दौर

संत समुदाय

1 नवरगपुर (अहमदाबाद)

- 1 आचार्य प्रवर, प रत्न, श्री शान्तीलालजी म सा
- 2 प्रिय व्याख्यानी श्री विरेन्द्रमुनिजी म सा
- 3 विद्वदय श्री अपूल मुनिजी म सा
- 4 विद्वदय श्री अल्लेग मुनिजी म सा
- 5 मवाभावी श्री भावश मुनिजी म सा
- 6 सनाभावी श्री विरोग मुनिजी म सा
- 7 नवशीतिन श्री प्रकाश मुनिजी म सा

आदि मुनि (7)

पना—श्री व स्वानकशामी जैन उपाश्रय,
स्थानकवासो सातायटी,
नारायणपुरा कामिग पाम,
अहमदाबाद-380003 (गुज)

साधन—दश वे ह्म रान मटेन उपलब्ध ।

2 पालनपुर (गुजरात)

- 1 प्रिय मक्ता श्री राजेन्द्र मुनिजी म सा
- 2 मेवाभावी श्री रवीन्द्र मुनिजी म सा
- 3 प्रिय व्याख्यानी श्री मधव मुनिजी म सा
- 4 मेवाभावी श्री तजेन्द्र मुनिजी म सा

आदि मुनि (4)

पना—श्री दरियापुरी स्वानकशामी जैन मध
जीवा वाडी
पानापुर-385001
जिना जनाग काठा (गुजरात)

मात्रन—प रे के अहमदाबाद-दिल्ली मेन लाइन पर
रुवे स्टेशन है ।

ममी गाडिया ठरहती ह ।

3 छोपापोल अहमदाबाद (गुज)

- 1 मेवाभावी श्री हृषदमुनिजी म सा
 - 2 अय्ययनशीन श्री जिनेश मुनिजी म सा
 - 3 विद्याभिलाषी श्री जयेन्द्रमुनिजी म सा
- आदि मुनि (3)

पना—साधन उपपन्न

महासतियाँजी समुदाय

4 छोपापोल अहमदाबाद (गुजरात)

- 1 विदुषी महा श्री वसन्तबाई म सा
- 2 महा श्री दीपुबाई म सा
- 3 महा श्री चम्पाबाई म सा
- 4 महा श्री हनाबाई म सा

आदि म सा (4)

पना—साधन उपपन्न

5 सूरत (गुजरात)

- 1 महासतीजी श्री जसवंतीबाई म सा
- 2 महासतीजी श्री कुसुमबाई म सा
- 3 महामतीजी श्री प्रफुल्लाबाई म सा
- 4 महामतीजी श्री नलिनीबाई म सा

आदि म सा (4)

पना—श्री स्वानकशामी जैन सय
मयापपुरा, पुनरी के पाम मे हनदिया गेरी,
सूरत-395003 (गुज)

साधन:-बम्बई-दिल्ली, अहमदाबाद-बम्बई, सूरत,
भुसावल मेन लाइन पर स्टेशन है।

6. साणन्द (गुज.)

1. महासती जी श्री हीराबाई म. सा.
 2. महासती जी श्री इन्दिरा बाई म. सा.
 3. महासती जी श्री प्रतिभा बाई म. सा.
 4. महासती जी श्री विशाखा बाई म. सा.
 5. महासती जी श्री विमला बाई म. सा.
- आदि म. सा. (5)

पता.-श्री नानचद कातीलाल स्थानकवासी जैन संघ
नानूभाई नुडहेलु,
मु. पो. साणन्द-382110
जिला अहमदाबाद (गुजरात)

साधन -प. रे. के अहमदाबाद, विरम गाँव रेल्वे मेन
लाइन पर साबरमती के पास स्टेशन है। अहमदाबाद
से बस भी मिलती है।

7. बड़ौदा (गुजरात)

1. महासतीजी श्री विमला बाई म. सा.
 2. महासती जी श्री मनोरमा बाई म. सा.
 3. महासती जी श्री सूर्या श्री बाई म. सा.
 4. महासती जी श्री मौनिका बाई म. सा.
- आदि म. सा. (4)

पता -श्री दरियापुरी स्थानकवासी जैन संघ,
जोगी दास विठ्ठलदजी पोल, राघवपुरा,
बड़ौदा गुज) 390001

साधन.-अहमदाबाद-बम्बई मेन लाइन पर रेलवे स्टेशन है।

8. लखतर (गुजरात)

1. महासती श्री इन्दु बाई म. सा.
 2. महासती श्री उषा बाई म. सा.
 3. महासती श्री चारु बाई म. सा.
 4. महासती श्री अनिलता बाई म. सा.
- आदि म. सा. (4)

पता:-श्री स्थानक वासी जैन संघ,
मु. पो. लखतर
जिला-सुरेन्द्र नगर-382775, (गुज.)

साधन-पश्चिम रेल्वे के विरम गाँव, राजकोट, हापा
मेन लाइन पर केशविया रोड, बगरंगपुरा के बीच
मे स्टेशन है।

9. विरमगाँव अहमदागाद (गुजरात)

1. महासती जी श्री सुशीला बाई म. सा.
 2. महासती जी श्री अर्पणा बाई म. सा.
 3. महासती जी श्री हंसाबाई म. सा.
 4. महासती जी श्री कविज्ञना बाई म. सा.
- आदि म. सा. (4)

पता -श्री दरियापुरी स्थानकवासी जैन संघ,
संघवी स्थानक मु. पो. विरमगाँव
जिला-अहमदाबाद
(गुजरात) 342150

साधन -पश्चिम रेल्वे के बम्बई-विरम गाँव मेन लाइन
पर रेल्वे स्टेशन है।

10. स्नेहलता गंज-इन्दौर (म. प्र.)

1. महासती जी श्री सुलौचना बाई म. सा.
 2. महासती जी श्री दक्षा बज्रई म. सा.
 3. महासती जी श्री धर्माज्ञानाबाई म. सा.
- आदि म. सा. (3)

पता.-श्री गुजराती स्था जैन मण्डल, जैन भवन
16/4 स्नेहलता गज,
इन्दौर-452002 (म. प्र.)

साधन -रतलाम, भोपाल, बम्बई, बड़ौदा, नागदा,
उज्जैन से सीधी ट्रेन जाती है।

11. गिरधर नगर -अहमदाबाद (गुज.)

1. महासती जी श्री हंसा बाई म. सा.
 2. महासती जी श्री हर्पा बाई म. सा.
 3. महासती जी श्री अनुपमा बाई म. सा.
- आदि म. सा. (3)

पता—श्री दरियापुरी स्थानक वामी जैन मठ,
सुभाष नगर, सोसायटी, भाही बाग राड,
गिरधर नगर, अहमदाबाद-380004 (गुज)

साधन—उपरोक्त

12 शाहपुर-अहमदाबाद (गुज)

- 1 महासती जी श्री जवेरी बाई म सा
 - 2 महासती जी श्री वर्षा बाई म सा
 - 3 महासती जी श्री रजना बाई म सा
 - 4 महामती जी श्री नविना बाई म सा
- आदि म सा (4)

पता—श्री दरियापुरी स्थानक वामी जैन मठ,
सुनाराना बाबा, जहपुर
अहमदाबाद 380001 (गुज)

13 पीज (गुजरात)

- 1 महासती जी श्री धीरज बाई म सा
 - 2 महामती जी श्री प्रेम्णा बाई म सा
- आदि म सा (2)

पता—श्री दरियापुरी स्थानक वामी जैन मठ, जैन उपश्राय,
मु पा पीज 387230
जिना-खेडा (गुजरात)

साधन—रटलाद, आणद, नाडियाद, अहमदाबाद मेन
राइन पर स्टेशन है।

14 सरसपुर-अहमदाबाद (गुज)

- 1 महामती जी श्री नारणी बाई म सा
 - 2 महामती जी श्री हीरा बाई म सा
 - 3 महामती जी श्री सुनदा बाई म सा
 - 4 महासती श्री सद्गुणा बाई म सा
- आदि म सा (4)

पता—श्री दरियापुरी स्थानक वामी जैन मठ,
शारदा बाई अस्पताल के पास,
सरसपुर, अहमदाबाद 380018 (गुज)

साधन—दश के हर वान म ट्रेन का साधन सुलभ।

15 मणीनगर अहमदाबाद (गुज)

- 1 महासती जी श्री दमयंती बाई म सा
 - 2 महासती जी श्री प्रफुल्ला बाई म सा
 - 3 महासती जी श्री कर्णा बाई म सा
 - 4 महासती जी श्री रेखा बाई म सा
 - 5 महामती जी श्री दक्षिणा बाई म सा
 - 6 महासती जी श्री धर्मिष्ठा बाई म सा
 - 7 महासती जी श्री मिट्ठी बाई म सा
- आदि म सा (7)

पता—श्री मणीनगर स्था जैन मठ,
पटेल भवन, राधा बल्लभ बालोनी, वस स्टेशन के
सामने मणीनगर, अहमदाबाद 380009

साधन—उपराक्त

16 अघेरी (वेस्ट) बम्बई (महा)

- 1 महासती जी श्री दीक्षिता बाई म सा
 - 2 महासती जी श्री ममिला बाई म सा
 - 3 महासती जी श्री निमला बाई म सा
 - 4 महामती जी श्री मनीता बाई म सा
 - 5 महामती जी श्री दीपिका बाई म सा
 - 6 महासती जी श्री चेतना बाई म सा
 - 7 नवदीक्षिता महामती जी श्री क्षरणा बाई म सा
- आदि म सा (7)

पता—श्री व स्था जैन श्रावक मठ,
उपाश्रय लेन, जहु गली, स्वामी विवेका नन्द मार्ग,
अघेरी (वेस्ट) बम्बई-400058 (महा)

साधन—

17 धांगघा (गुजरात)

- 1 महासती जी श्री हीराबाई म सा
- 2 महामती जी श्री मदुला बाई म सा
- 3 महासती जी श्री ज्योत्सना बाई म सा
- 4 महासती जी श्री चन्द्रिका बाई म सा
- 5 महासती जी श्री पूर्णिमा बाई म सा
- 6 महासती जी श्री भानु बाई म सा
- 7 महासती जी श्री अमिषा बाई म सा
- 8 महामती जी श्री निमिषा बाई म सा

9. नवदीक्षित महा जी श्री श्वेता बाई ज
10. नवदीक्षित महा. जी श्री सुधा बाई
आदि म. सा. (10)

पता—श्री स्थानकवासी जैन मोटा संघ,
ग्रीन चौक मु पो ध्रागंधा-363310
जिला सुरेन्द्र नगर (गुजरात)

साधन—सुरेन्द्र नगर, हलवड, विरम गाँव, जोरावर नगर,
राजकोट से सीधी ट्रेन जाती है।

18. बोरीवली-बम्बई (महा.)

1. महासती जी श्री प्रवीणा बाई म.सा
 2. महासती जी श्री मीनाक्षी बाई म. सा
 3. महासती जी श्री हर्षिताबाई म. सा.
 4. महासती जी श्री रश्मिता बाई म. सा
 5. महासती जी श्री निपुणा बाई म. सा.
 6. नवदीक्षित महासती श्री रिद्धिबाई म.सा.
- आदि .म सा. (6)

पता:—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ,
डायमण्ड सिनेमा के सामने, लोकमान्य तिलक रोड
रेलवे स्टेशन के पास बोरीवली (वस्ट) बम्बई
(महा.)-400092

साधन.—

19. सावरमती-अहमदाबाद (गुजरात)

1. महासती जी श्री तरुलता बाई म. सा.
 2. महासती जी श्री जय श्री बाई म. सा
 3. महासती जी श्री पुष्पा बाई म सा
 4. महासती जी श्री भारती बाई म. सा.
- आदि म सा. (4)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ, हिराणी नगर, रामनगर
सावरमती, अहमदाबाद-380005 (गुज)

साधन:—उपरोक्त

20. सायला (गुज.)

1. महासती जी श्री विन्दुला बाई म. सा
2. महासती जी श्री मंजुलाबाई म. सा.

3. महासती जी श्री दर्शना बाई म. सा.
 4. महासती जी श्री फाल्गुनी बाई म. सा.
- आदि म. सा. (4)

पता—श्री दरियापुरी स्थानकवासी जैन संघ,
मु. पो सायला-3634430
जिला-सुरेन्द्र नगर (गुज.)

साधन—प. रे के जोरावर नगर सामला रूट पर स्टेशन
है।

21. पालड़ी अहमदाबाद (गुज.)

1. महासती जी श्री सुभद्रा बाई म सा
 2. महासती जी श्री मधुबाई म. सा.
 3. महासती जी श्री भावना बाई म. सा.
 4. महासती जी श्री प्रेक्षा बाई म. सा.
 5. नवदीक्षिता रत्नना बाई म सा.
- आदि म. सा. (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ जैन उपाश्रय,
कामधेनु उपाश्रय, ठक्कर कालेज के पीछे,
पालड़ी अहमदाबाद-380006 (गुज.)

साधन—देश के प्रमुख नगरो से ट्रेन बस साधन
उपलब्ध।

22. बाई (महा.)

1. महासती जी श्री मंजुला बाई म. सा.
 2. महासती जी श्री इन्दिरा बाई म सा
 3. महासती जी श्री जागृति बाई म. सा.
 4. महासती जी श्री सुभना बाई म. सा.
 5. महासती जी श्री मगला बाई म. सा
- आदि म. सा. (5)

पता—श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ
मु. पो बाई
जिला-पूना (महा)

साधन.—पूना, अहमद नगर, नासिक से बसे जाती है।

23 कलोन (गुजरात)

- 1 महामती जी श्री मधुबाई म मा
 - 2 महामती जी श्री प्रदीपा वाई म मा
 - 3 महामती जी श्री प्रीति वाई म मा
 - 4 महामती जी श्री अमिता वाई म मा
- आदि म मा (4)

पता—श्री दरियापुरी स्थानकवामी जैन मध, जैन उपाध्याय
मु पो कनौद-382721 जि अहमदाबाद (गुज)
साधन—अहमदाबाद मे 27 कि मी है। दिल्ली अहमदाबाद
मेन राइन पर रेलवे स्टेशन है। अहमदाबाद मे हर
बाधे घटे म उस उपलब्ध।

24 प्राप्ती (गुजरात)

- 1 महामती जी श्री लविता बाई म मा
 - 3 महामती जी श्री वीणा वाई म मा
 - 3 महामती जी श्री अजली बाई म मा
- आदि म मा (3)

पता—श्री दरियापुरी स्थानकवामी जैन मध, जैन उपाध्याय
नवा बाजार, मु पो प्राप्ती 383205
जिला वनम बाठा (गुज)

साधन—य र के अहमदाबाद ब्रह्मखेडा लाइन पर अमर-
पुर, हिम्मन नगर के बीच म स्टेशन है।

25 गांधी नगर—अहमदाबाद (गुज)

- 1 महामती जी श्री मोती राई म मा
 - 2 महामती जी श्री भवता बाई म मा
 - 3 महामती जी श्री काना बाई म मा
 - 4 महामती जी श्री धारिणी बाई म मा
- आदि म मा (4)

पता—श्री स्थानकवामी जैन उपाध्याय
गांधीनगर, अहमदाबाद (गुज)

साधन—उपरोक्त

26 इटोला (गुजरात)

- 1 महामती जी श्री प्रनाराई म मा
- 2 महामती जी श्री अरणा बाई म मा

- 3 महामती जी श्री चन्द्रिका वाई म मा
- आदि म मा (3)

पता—श्री दरियापुरी स्थानकवामी जैन मध
मु पो इटोला, वाया मियागाव
जिला-बड़ोदा (गुज)

साधन—बड़ोदा, मूरन, मियागाव मे बस जाती है।

27 गुजरात मे योग्य स्थल

- महामती जी श्री आगनी बाई म मा
- आदि म मा (3)

(नोट इनके अनावा महा श्री काना बाई म मा
महा श्री भावना बाई म मा आदि ठाणा (3) का
चातुर्मास स्थल प्राप्त नहीं हो सका।

कुल चातुर्मास सतों के	3	कुल सत	14
कुल चातुर्मास सतीयों के	24	कुल सतीयाजी	106
	कुल 27		कुल 120

कुल चातुर्मास 27 सत 14 सतीयाजी 106 कुल ठाणा 120

सत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	सत	सतिपां
1986 मे कुल ठाणा थे	14	105
+ नई दीवारों दृष्ट	—	3
	14	108
— का न धर्म प्राप्त हुए	—	2
	14	106
1986 म कुल ठाणा है	14	106

श्री निम्बडी गोपाल संघवी (छोटा पक्ष) सम्प्रदाय के संत-सतियाँजी

संत समुदाय

1. सुरेन्द्र नगर (गुज.)

- 1 तपस्वी रत्न श्री रामजी मुनिजी म. सा
- 2 प्रिय व्याख्यान श्री देवेन्द्र मुनि जी म सा
- 3 सेवा भावी श्री धर्मेन्द्र मुनि जी म सा
- 4 सिद्धान्त प्रेमी श्री उत्तम मुनि जी म. सा
- 5 सेमूर्ति श्री हसमुख मुनि जी म सा

आदि मुनि (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन उपाश्रय, केरीबाजार
मु. पो सुरेन्द्र नगर-3630001 (गुजरात)

साधन:—प. रे. के सुरेन्द्र नगर, भाव नगर रूट पर,
अहमदाबाद, बोटाद, वैरावल, गाँधी धाम,
राजकोट, जाम नगर से सीधी ट्रेन मिलती है।

2. सान्ताक्रुज-वम्बई (महाराष्ट्र)

- 1 अध्यात्म प्रेमी श्री केवल दास जी म सा
- 2 सुलेखक श्री धन्य कुमार जी म सा

आदि मुनि (2)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन श्रावक सघ,
फिरोजशाह रोड, रेल्वे स्टेशन के पास,
शान्ताक्रुज-(W) वम्बई-400054 (महा)

साधन—चर्च गेट—बोरीवली अँधेरी की लोकल ट्रेन से।
शान्ताक्रुज उतरे।

3. बड़वाण शहर (गुज.) ज

- 1 सरल स्वभावी श्री रतन मुनि जी म सा.
- 2 तपस्वी श्री हर्षद मुनि जी म सा.

आदि मुनि (2)

पता—श्री स्थानकवासी जैन उपाश्रय, बाजार मे, मस्जिद
चौक, मु. पो. बड़वाण शहर-363030

जिला सुरेन्द्र नगर (गुजरात)

साधन—सुरेन्द्र नगर, जोरावर नगर, गोडल, थानगढ़
चौटीला, जामनगर, अहमदाबाद से बसे जाती है।

महासतियाँजी समुदाय

4. जोरावर नगर (गुज.)

स्व महाविदुषी महा. श्री लीलावती बाई म. सा.
सभी की शिष्याएँ हैं।

- 1 परम विदुषी महा श्री मंजुला बाई म. सा
- 2 सेवाभावी महा. श्री मगलाबाई म सा
3. महासती जी श्री श्रीमालती बाई म सा
- 4 महासती जी श्री जयश्री बाई म सा.
- 5 विद्या प्रेमी महा श्री राजुला बाई म सा
- 6 नवदीक्षित महा श्री नदिता बाई म सा

आदि म सा (6)

पता—श्री स्था जैन उपाश्रय, जैन उपाश्रय

मु. पो जोरावर नगर (गुजरात) 363020

साधन—सुरेन्द्र नगर, बोटाद, धोला, सिंहोर, भावनगर,
अहमदाबाद, सायला से सीधी ट्रेन जाती है।

5. माटुंगा-वम्बई (महाराष्ट्र)

- 1 परम विदुषी महा श्री मुक्ता बाई म. सा.
- 2 महा. श्री मधु बाई म सा
- 3 महा श्री रक्षा बाई म सा
4. महा. श्री किरण बाई म. सा
5. महा श्री उषा बाई म सा.
6. महा. श्री निरजना बाई म सा.

- 7 महा श्री नम्रता वाई म सा
- 8 महा श्री सुजाता वाई म सा
- 9 महा श्री कामुदी वाई म सा
- 10 महा श्री ज्योति वाई म सा
- 11 महा श्री हितम्बिनी वाई म सा

आदि म सा (11)

पता—श्री व म्था जैन थावक सघ, जैन स्थानक,
तेलगु हास रोड न 2-3 महेश्वरी उद्यान के पास
गली में माटूंगा, किंग मरल, बम्बई-19 (महा)

साधन—स रे के बी टी थाणा कुली लोकल से ट्रेन
में माटूंगा उतरे। प रे से जाने वाले माटूंगा रोड
उतरे वहाँ में पुल चढ़कर पाम्ट आफिस के पास गली
में स्थानक है।

6 लिम्बडी (सौराष्ट्र) (गुजरात)

- 1 शान्ति स्वभावी महा श्री जमवतीवाई म सा
- 2 महा श्री जयति का वाई म सा
- 3 महा श्री कितिदा वाई म सा
- 4 महा श्री भाविनी वाई म सा
- 5 महा श्री अनुगना वाई म सा

आदि म सा (5)

पता—श्री सधवी धारसी खाभाई स्या जैन मघ
छासीया पुरा, एम जी रोड,
मु पा लिम्बडी-363421
जिला-मुरेद्र नगर (गुजरात)

साधन—मु रे के मुद्र नगर भावनगर, मेन लाइन पर
रेल्वे स्टेशन है

7 बडवाण शहर (गुजरात)

- 1 तत्व पानी महा श्री तांगवाई म सा
- 2 महा श्री मंगला वाई म सा
- 3 महा श्री मधु वाई म सा
- 4 महा श्री मनारमा वाई म सा
- 5 महा श्री निरपमा वाई म सा
- 6 महा श्री अरिना वाई म सा

- 7 महा जी निराली वाई म सा
 - 8 महा जी कृपाली वाई म सा
 - 9 महा जी भाविनी वाई म सा
 - 10 महा श्री मतिज्ञना वाई म सा
 - 11 महा श्री निमज्जनावाई म सा
 - 12 नवदीक्षित महा श्री निसीता वाई म सा
- आदि म सा (12)

पता—श्री स्थानवासी जैन उपाध्याय, बाजार में, मज्जिद
चीक मु पा बडवाण शहर -363030
जिला-मुरेद्र नगर (गुजरात)

साधन—रामाक 3 के अनुमार

8 बालकेश्वर-बम्बई (महा)

- 1 विदुषी महा श्री हीरा वाई म सा
- 2 विदुषी महा श्री प्रियदर्शना वाई म सा
- 3 महा श्री मनीषा वाई म सा
- 4 महा श्री पूर्णिता वाई म सा
- 5 महा श्री सुधा वाई म सा
- 6 महा श्री धारिणीवाई म सा
- 7 महा श्री स्वाती वाई म सा
- 8 महा श्री कितना वाई म सा
- 9 महा श्री कल्पना वाई म सा

आदि म सा (9)

पता—श्री व म्था जैन थावक सघ,
जमनादास मेहता मार्ग, तीन बत्ती,
बालकेश्वर, बम्बई-400006 (महा)

साधन—बम्बई सेंट्रल से 63 चक्केट से 122-106वीं टी
स्टेशन से 101-103 पायधुनी से 101-102-
103-104-105-106 न की बस का अंतिम
स्टॉप उतर।

9 बाकानेर (गुज)

- 1 तपस्विनी महा श्री कचन वाई म सा
- 2 महा जी परिजा बाई म सा
- 3 महा जी सुलोचना बाई म सा
- 4 महा जी जगृति बाई म सा

5. महा. जी चन्द्रिका बाई म. सा
 6. महा जी नलिनी बाई म सा.
 7. महा. श्री कोसल्या बाई म. सा
 8. महा. श्री हर्षाबाई म सा
 9. महा. श्री हर्षिता बाई म. सा.
 10. महा. श्री शास्वती बाई म. सा.
 11. महा. श्री कल्याणी बाई म सा
 12. महा श्री अनुपमा बाई म सा
 13. महा श्री निधी बाई म. सा
 14. नवदीक्षित महा श्री शीतल बाई म सा
 15. नवदीक्षित महा श्री ऋतुता बाई म सा
- आदि म. सा. (15)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सघ,
श्री शाह बाबूलाल भीकम चद मार्ग, बाजार मे
मु पो बाँकानेर-363621
जिला-राजकोट (गुजरात)

साधन.—राजकोट, सुरेन्द्र नगर, जामनगर, मौरवी से
सीधी ट्रेन व बसे मिलती है।

10. वीरमगाँव (गुजरात)

1. उग्रतपस्वी महा. श्री कमलाबाई म सा
 2. महा सती जी श्री भारती बाई म सा
 3. महासती जी श्री जिज्ञासा बाई म सा.
 4. महासती जी श्री अमिता बाई म सा
 5. महासती जी श्री अरुणा बाई म सा
- आदि म. सा (5)

पता—श्री छकोटी स्थानक वासी जैन उपाश्रय, मोटो
भाटवाड़ो विरमगाँव-382150 (गुज.) जिला-
अहमदाबाद।

साधन—बम्बई, विरम गाँव, हापा, ओखा, मेन लाइन
पर स्टेशन है।

11. सुरेन्द्र नगर (गुजरात)

1. तपस्विनी महा श्री रमा बाई म सा
2. महासतीजी श्री कुसुम बाई म सा
3. महासतीजी श्री निर्मला बाई म सा

4. मसासती जी श्री हर्ष बाई म. सा.
 5. महासती जी श्री सरोज बाईजम. सा.
 6. महासती जी श्री निवृत्ती बाई म. सा
 7. महासती जी श्री परागिनी बाई म सा.
 8. महासती जी श्री परिज्ञाबाई म. सा.
 9. महासती जी श्री प्रफुल्ला बाई म. सा.
 10. महासती जी श्री गीता बाई म. सा.
- आदि म. सा. (10)

पता.—श्री स्थानकवासी जैन समाज,
जेवरचद मेघाणी मार्ग, भारत सोसायटी, सुरेन्द्र नगर
(गुज) -3630001

साधन—प. रे के सुरेन्द्र नगर, भावनगर, रूट पर अहमदा-
बाद, वाटोद, गाँधी धाम रूट पर स्टेशन है।

12. सायन-बम्बई (महाराष्ट्र)

1. विदुषी महा श्री सुयशा बाई म. सा
 2. महासतीजी साधना बाई म. सा.
 3. महासति जी श्री कनक प्रभा बाई म. सा.
 4. महासति जी श्री अर्पिता बाई म.सा.
 5. महासति जी श्री मनोज्ञा बाई म. सा
 6. महासति जी श्री अभिज्ञा बाई म सा
 7. महासती जी श्री सुज्ञा बाई म सा.
- आदि म सा (7)

पता—श्री जैन भुवन, जैन सोसायटी रोड रोड न. 25,
प्लोट 79, सायन (ईस्ट) बम्बई-400022 (महा.)

साधन.—से. रे मे सायन स्टेशन उत्तरे बस स्टॉण्ड के पास

13. नवसारी (गुजरात)

1. विदुषी महा श्री रंजन बाई म. सा
 2. महा श्री प्रतिमा बाई म सा.
 3. महा श्री रश्मिता बाई म. सा.
 4. महा श्री अर्पिता बाई म. सा
- आदि म सा (4)

पता—श्री बनास काठा स्था जैन सघ, जैन उपाश्रय
महादेव सोसायटी, दरजीनी वाड़ी पास,
आशानगर, नवसारी-396445 जि वलसाड (गु)

साधन - भुज, नालीपा, समराइ, लाकडीया, स बस द्वारा ।

7 नाना भाडिया-कच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री लक्ष्मीबाई म सा
- 2 महासतीजी श्री इन्दुमनी म सा
- 3 महासतीजी श्री सुनन्दाबाई म सा
- 4 महामतीजी श्री निमुणाबाई म सा

आदि म सा (4)

पता - श्री स्थानकवासो जैन मघ

मु पा नाना भाडिया 382463

जिला भुज कच्छ (गुज)

साधन - गुज, जजार, भचाऊ लाकडीया रापर म बसे जाती ह ।

8 कादाबाडो बम्बई (महाराष्ट्र)

- 1 महामतीजी श्री मणीबाई म सा
- 2 महासतीजी श्री जयाबाई म सा
- 3 महासतीजी श्री भावनाबाई म सा
- 4 महासतीजी श्री शारदाबाई म सा
- 5 महामतीजी श्री उज्जवनाबाई म सा
- 6 महामतीजी श्री नीताबाई म सा
- 7 महामतीजी श्री मीनाबाई म सा
- 8 महासतीजी श्री नीलाभाई म सा
- 9 महामतीजी श्री झरणाबाई म सा
- 10 महा जी श्री चिन्ताबाई म सा
- 11 महा जी श्री अञ्जनाबाई म सा
- 12 महा जी श्री समद्विगाई म सा
- 13 महा जी श्री तोरन बाई म सा
- 14 महा जी श्री निधिबाई म सा
- 15 महा जी श्री निरासीगाई म सा

आदि म सा (15)

पता - व स्था जन थापक मघ, जन स्थानक

170 कादाबाडी छाडील कर राड

बम्बई 4, 400001 (महा)

साधन - प र ब चकपेट-जोगवली लाकल ट्रेन से चली रोड जार वहा म पाम म ह ।

9 लाखापुर (गुजरात)

- 1 महासतीजी श्री स्वमणीबाई म सा
- 2 महासतीजी श्री माण्डवतीजी म सा
- 3 महामतीजी श्री प्रतिभाबाई म सा

आदि म सा (3)

पता - श्रीव स्था जैन धावक मघ

जैन उपाध्यय,

मु पा लाखापुर-कच्छ

जिला भुज (गुज) 370001

साधन - भुज, कपाया, चित्ताड, भचाऊ से बस द्वारा ।

10 भुज-कच्छ (गुजरात)

- 1 महासतीजी श्री मूरजराड म सा
- 2 महामतीजी श्री निरजनाबाई म सा
- 3 महामतीजी श्री उपाबाड म सा
- 4 महामतीजी श्री चन्दनाबाई म सा

आदि म सा (4)

पता - श्री छ काटि स्थानकवासो जन बाणियाबाड,

मु पो भुज-कच्छ (गुज) 370001

साधन - राजकाट, जहमदाबाद, सुरद्रनगर, पालनपुर, कान्दला, गांधीधाम से ट्रेन मिलती ह ।

11 बाकी-कच्छ (गुजरात)

- 1 महासतीजी श्री मणीबाई म सा
- 2 महासतीजी श्री प्रभाकुवरजी म सा
- 3 महासतीजी श्री कल्याबाई म सा
- 4 महामतीजी श्री मनीषाबाई म सा
- 5 महामतीजी श्री कविताबाई म सा

आदि म सा (5)

पता - श्री जाठ काटि कच्छ स्थानकवासो जन मघ

मु पा बाकी-कच्छ-370425 जिला भुज (गुज)

साधन - भुज गांधीधाम रापर लाडीया, काटना, जजार स जम जाती ह ।

12 मूद्रा-कच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री हमकुवर म सा

2. महासतीजी श्री इन्दिराबाई म सा.

आदि म सा (2)

पता—श्री स्थानकवासी जैन उपाश्रय,

मु पो मुन्द्रा-370421

जिला भुज-कच्छ (गुजरात)

साधन—भुज, कादला, भचाऊ, अजार से बसे जाती है।

13. बिदडा-कच्छ (गुजरात)

1. महासतीजी श्री प्रभावती म सा

2. महासतीजी श्री अर्चना म सा.

आदि म सा (2)

पता—श्री स्था. जैन सघ, जैन उपाश्रय

मु पो बिदडा-कच्छ-370435 (गुज)

साधन.—भुज, अजार, रापर से बस द्वारा।

14. भोजाय कच्छ (गुजरात)

1. महासतीजी श्री दमयतीबाई म सा

2. महासतीजी श्री रत्नमणीबाई म सा

3. महासतीजी श्री रूक्मणीबाई म सा

4. महासतीजी श्री विपुलाबाई म सा

5. महासतीजी श्री हितुलाबाई म सा

आदि म सा (5)

पता—श्री स्थानकवासी जैन उपाश्रय

मु पो भोजाय-कच्छ (गुज.)

15. घाटकोपर-श्रमणी विद्यापीठ-बम्बई (महाराष्ट्र)

1. महासतीजी श्री तारामतीबाई म सा

2. महासतीजी श्री नयनाबाई म सा

3. महासतीजी श्री रेखाबाई म सा

4. महासतीजी श्री चदनाबाई म सा

आदि म सा (4)

पता—श्री श्रमणी विद्यापीठ, जैन उपाश्रय के पास
हीगवाला लेन, घाट कोपर (वेस्ट) बम्बई-77

साधन—से रे के वी टी थाणा की लोकल ट्रेन से।

16. भुजपुर-कच्छ (गुजरात)

1. महासतीजी श्री केसरबाई म.सा.

2. महा जी श्री लीलावतीबाई म सा.

3. महा जी श्री गीताबाई म.सा

4. महा जी श्री महेश्वरीबाई म.सा

आदि म.सा (4)

पता—जैन उपाश्रय, मु पो भुजपुर-कच्छ

जिला भुज (गुजरात) 370405

साधन—भुज, अजार, लाकडीया से बसे जाती है।

17. मुलुण्ड-बम्बई (महाराष्ट्र)

1. महासतीजी श्री मजुलाबाई म.सा.

2. महासतीजी श्री विमलाबाई म सा.

3. महासतीजी श्री वैशालीबाई म सा.

4. महासतीजी श्री मोताबाई म सा

आदि म सा. (4)

पता—व स्था जैन श्रावक सघ, जैन स्थानक

137 ए सेवाराम ललवाणी रोड

पोपट मार्ग मु पो मुलुण्ड (W) बम्बई-80

Tel-595766 P P.

साधन—उपरोक्त

18. कपाया-कच्छ (गुजरात)

1. महासतीजी श्री निर्मलाबाई म.सा

2. महासतीजी श्री नन्दीताबाई म सा

आदि म सा (2)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ

मु पो कपाया-कच्छ 370415 (गुज)

साधन—भुज, अजार, भचाऊ, लाकडीया से बस द्वारा।

19. महालक्ष्मी तिरूपति-बम्बई (महा.)

1. महासतीजी श्री सुभद्राबाई म.सा

2. महासतीजी श्री कोकिलाबाई म.सा

3. महासतीजी श्री स्मिताबाई म सा

4. महासतीजी श्री पुनिताबाई म.सा

5. महासतीजी श्री सद्गुणाबाई म सा.

6. महासतीजी श्री सुयशाबाई म.स .

7. महासतीजी श्री सुरभि बाई म.सा.

आदि म.सा. (7)

पता—श्री २ स्या जन श्रावण मध
निष्पति अवाटमेटम् महानदी मन्दिर के सामन
बम्बई-400036 (महा)

साधन—उपराका।

20 पनी कच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री कम्पूरवाट ममा
- 2 महामतीजी श्री गामनावाट ममा
- 3 महामतीजी श्री गुलमावाट ममा

आदि ममा (3)

पता—श्री स्याकवामी जैन मध,

मु पा पनी-कच्छ

जिला भुज (गुज) 370425

साधन—गाधीधाम, भुज, मन्नाज रापर मे मम ठारा।

21 छतरा कच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री वीरमणीवाट ममा
- 2 महामतीजी श्री रमिनावाट ममा
- 3 महामतीजी श्री मुनीनावाट ममा

आदि ममा (3)

पता—श्री स्याकवामी जैन उपाधय

मु पा छतरा-कच्छ जिला भुज (गुज) 370001

साधन—भुज मन्नाज अमार म उमें जाती ह।

कुल चातुर्मास सन्धि के	5	कुल मुनिराज	14
कुल चातुर्मास सन्धि के	16	कुल सतिपात्री	71
कुल	21	कुल	85

कुल चातुर्मास 21 सत 14 सतिपा (71) कुल ठाणा 85

सत-मती सुलनात्मक सतिपा

विवरण	सत	तिपा
1985 मे कुल ठाणा थे	14	69
+ नई दोषाए टुई	—	4
— कालयम प्राप्त हुए	—	2
आदि ममा (3)	14	71
1986 मे कुल ठाणा ह	14	71



सामूहिक विवाह का सबसे ज्यादा प्रचलन आजकल मवाई माधोपुर शत्र मे पागवान जैन समाज म तो है ही लेकिन वहाँ जिननी भी जातीया हैं और उनमे इसका प्रचार प्रसार जोर शोर मे चल रहा है। प्रति बप कई जातीया सामूहिक विवाह करने लग गये हैं और यह दिन इतना गत चौगुना सफ़रता की सीटियों पर पहुँचता जा रहा है। पोरवाल जैन समाज का तो यह यमिन घग जन चुका है। समाज का बाँ चाहे वह छोटा हो या बड़ा मयने मय बढी खुशी व ज्ञान के भाध इनमे सम्मिलित होकर विवाह करते हैं। इनकी स्थापना 1977 मे दोर मे टुई थी और अतक करीबन उन 800 मे ज्याना जोदों का सामूहिक विवाह सम्पन्न हो चुका ह। बप म 45 बार जय भी अवार आना है पोरवाल श्री मध के सानिध्य म यह सामूहिक विवाह सम्पन्न होता ह।

मेरा समस्त जन समाज न निवेदन ह कि इस महाई के जमाने में व्यथ खर्चा न करक समाज हित का ध्यान रखने हुए अमीर गरीब सभी साथ होकर सामूहिक विवाह सम्पन्न करें।

—सम्पादक



श्री कच्छ आठ कोटि छोटा पक्ष सम्प्रदाय के संत-सतियाँजी

संत समुदाय

1. वडाला-कच्छ (गुजरात)

1. आचार्य प्रवर पं. रत्न श्री रामजी स्वामी
म. सा.

2. श्री हीरजी म सा
3. श्री गोविन्दजी म.सा.
4. श्री दामजी म.सा.
5. श्री सुरेन्द्रजी म सा.
6. श्री नाना लालजी म.सा.

आदि मुनि (6)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,
मु. पो. वडाला कच्छ (गुज) 370001

साधन:—माडवी, भुज, भचाऊ से बसे जाती है ।

2. नवीनाल-कच्छ (गुजरात)

1. श्री भाणजी म सा.
2. श्री लक्ष्मीचन्दजी म.सा.
3. श्री देवेन्द्रजी म.सा

आदि मुनि (3)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ उपाश्रय,
मु. पो. नवीनाल जिला भुज (गुज.) 370001

साधन:—हलवद, रापर, कान्दला, भुज से बस द्वारा

3. कुंडरोड़ी-कच्छ (गुजरात)

1. श्री खीमजी (भीमजी) म.सा.
2. श्री वशनजी म.सा.

आदि मुनि (3)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ

मु. पो. कुंडरोड़ी जिला भुज कच्छ (गुज.)

4. गेलडा-कच्छ (गुजरात)

1. श्री राघवजी म.सा.
2. श्री कुंवरजी म.सा.
3. श्री हरीलालजी म.सा.

आदि मुनि (3)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ

मु. पो. गेलडा-कच्छ जिला भुज (गुज.)

साधन:—मांडवी, भुज लाकडिया से बसे उपलब्ध

5. कारागोगा कच्छ (गुजरात)

1. श्री शीवजी म.सा.
2. श्री गांगजी म.सा
3. श्री मूलचन्दजी म.सा.

आदि मुनि (3)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ,

मु. पो. कारागोगा-कच्छ जिला भुज (गुज.)

साधन:—उपरोक्त

6. देशलपुर-कच्छ (गुजरात)

1. श्री सूरजजी म.सा.
2. श्री टोकरशी म.सा.
3. श्री कल्याणाजी म सा
4. श्री प्रेमजी म सा.

आदि मुनि. (4)

पता —श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय,

मु. पो. देशलपुर 370001 कच्छ (गुज.)

साधन:—उपरोक्त

महासतिवांजी समुदाय

7 भुज-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 पदवीधर पूज्य महा श्री सहमीवाई म सा 'द्वितीय'
- 2 महा जी श्री खेनवाई म सा
- 3 महा जी श्री बन्तूरवाई म सा 'द्वितीय'
- 4 महा जी श्री विमलावाई म सा
- 5 महा जी श्री चन्द्रिकावाई म सा

आदि म सा (6)

पता—श्री स्थानकवामी जैन मध,

मु पो भुज-क्वच्छ (गुज) 370001

साधन—राजकोट, अहमदाबाद, सुरेन्द्र नगर, पासनपुर,
कादला, गांधीघाम म ट्रेन मिलती है।

8 प्रतापुर-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री रतनवाई म सा 'प्रथम'
- 2 महा जी श्री कुवरवाई म सा
- 3 महा जी श्री रतनवाई म सा 'द्वितीय'

आदि म सा (3)

पता—श्री स्थानकवामी जैन मध

मु पा प्रतापुर जि भुज-क्वच्छ (गुज)

साधन—

9 प्राणपुर-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री भर्षावाई म सा
- 2 महा जी श्री देवकुवरवाई म सा
- 3 महा जी श्री मुनीनावाई म सा
- 4 महा जी श्री हमलतावाई म सा

आदि म सा (3)

पता—श्री स्थानकवामी जैन मध जैन उपाध्यक्ष,

मु पा प्राणपुर-क्वच्छ (गुज)

साधन—भवाळ, लाकटिया भुज में बसे उपलब्ध।

10 साढाऊ-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महामतीजी श्री जवेरीवाई म सा
- 2 महा जी श्री भानुवाई म सा
- 3 महा जी श्री सावरवाई म सा 'द्वितीय'
- 4 महा जी श्री प्रदीपावाई म सा

5 महा जी श्री दीनावाईजी म सा

आदि म सा (5)

पता—श्री स्थानकवामी जैन उपाध्यक्ष,

मु पो साढाऊ-क्वच्छ (गुज) 370001

साधन—उपरोक्त स्थानों में

11 बेराजा-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महासतीजी श्री तहमीवाई म सा 'प्रथम'
- 2 महामतीजी श्री हेम प्रभावाई म सा
- 3 महामतीजी श्री देवकीवाई म सा

आदि म सा (3)

पता—श्री स्थानकवामी जैन मध

मु पो बेराजा-382425

जिला-गांधी नगर (गुजरात)

साधन—अहमदाबाद, कलोल, रिसनगर, खेरालु,
महेमाणा, गांधीनगर में सीधी बस जाती है।

12 बारोई-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महासतीजी श्री सावरवाई म सा 'प्रथम'
- 2 महासतीजी श्री भेगवाई म सा
- 3 महासतीजी श्री बन्तूरवाई म सा 'प्रथम'
- 4 महासतीजी श्री नारावाई म सा 'द्वितीय'

आदि म सा (4)

पता—श्री स्थानकवामी जैन उपाध्यक्ष,

मु पो बारोई-370001 जिला-भुज-क्वच्छ (गुज)

साधन—भुज, अजगर, भवाळ, कादला, लाकटिया में
बसे जाती है।

13 सोखा-क्वच्छ (गुजरात)

- 1 महासतीजी श्री कमलावाई म सा
- 2 महामतीजी श्री तारावाई म सा 'प्रथम'
- 3 महासतीजी श्री कुसुमवाई म सा

आदि म सा (3)

पता—श्री स्थानकवामी जैन उपाध्यक्ष

मु पो सोखा-क्वच्छ जिला भुज (गुज)

साधन—भवाळ, भुज लाकटिया में बसे उपलब्ध।

14. मांडवी-कच्छ (गुजरात)

1. महासती जी श्री नीनाबाई म. सा.
 2. महासती जी श्री निर्मला बाई म. सा. 'प्रथम'
 3. महासती जी श्री रतन बाई म. सा. 'तृतीय'
 4. महासती जी श्री निर्मला बाई म. सा. 'द्वितीय'
- आदि म. सा. (4)

पता.—श्री स्थानकवासी जैन सघ,
मु. पो. मांडवी-कच्छ-370465 जिला भुज (गुज.)
साधन—भुज, नालीया, समराई, -लाकडीया, रोपर से
बस द्वारा

कुल चातुर्मास संतों का	6	कुल मुनिराज	22
कुल चातुर्मास संतियों का	8	कुल सतिया जी	31
	—	—	—
कुल	14	कुल	53

D

कुल चातुर्मास 14 संत 22 सतिया जी 31 कुल ठाणा 53

संत-सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँ
1985 मे कुल ठाणा थे	22	31
+ नई दीक्षाएं	—	—
	22	31
— देहावसान हुए	—	—
	22	31
1986 में कुल ठाणा है	22	31

मंगल कामना

अध्यक्ष है “सुखलाल”, महामंत्री “मुन्नालाल”,
संयोजक “बाबूलाल” काम करे भारी है ॥1॥
भागीरथी है प्रयाश, समग्र जैन समाज,
सभी संति-सतियों की, मिले जानकारी है ॥2॥
कहाँ कौन-सा ठिकाना, कैसे श्रावक को जाना
पूरा पता पाते साधु, सत नर नारी है ॥3॥
‘पारदर्शी’ की बधाई, आठवा वर्ष सुखदाया,
जैन चातुर्मास सूची, ज्ञान की पिटारी है ॥4॥

—छंदराज पारदर्शी—निम्बोहड़ा

यह हमारा आठवाँ वर्ष का प्रकाशन है, जितनी हमें
जानकारियाँ मिली है निष्पक्ष, असाम्प्रदायिक भेदभाव से
हम यह आपके सन्मुख रख रहे हैं । इसमें कई तरह की
सारिणीयाँ हम और दे सकते थे लेकिन सभी का बराबर सहयोग
हमें नहीं मिल रहा है । मैं आपको विश्वास दिलाता
हूँ यदि मुझे सभी जानकारियाँ मिल जावे तो जिस तरह क्रिकेट
का रिकार्ड हर तरह से सुनाया जाता है उसी तरह की
तालिकाएँ सारिणीयाँ कम से कम 200 तरह की बनाकर
समाज के सामने प्रस्तुत कर सकता हूँ लेकिन चाहिए पूर्ण
जानकारियाँ और आप सबका सहयोग मैं यह कार्य बिना
पारिश्रमिक, सिर्फ समाज सेवा, सच्ची समाज सेवा से करने
को तैयार हूँ । आशा है आप इस ओर अवश्य ध्यान देवेंगे ।

निवेदक—बाबूलाल जैन ‘उज्जवल’

बुँद-बुँद से तालाव भरता है उसी प्रकार आपकी छोटी से
छोटी-सी जानकारी (जैसे दीक्षोत्सव, तपोत्सव, जयन्तियाँ
बिहार, समाचार, धार्मिक, सामाजिक, शिक्षण नेत्र, स्वास्थ्य
शिविरों, चातुर्मास की लिस्ट आदि) से यह पुस्तक तैयार
हो जाती है । जितनी हो सकी है इन वर्ष हर जानकारी
को विस्तृत रूप से आपके सामने रखी है । लेकिन जिस चीज
को हमें जानकारी ही नहीं मिल हम भला क्या कुछ कर सकते
हैं । आपसे निवेदन है कि आपके वहाँ होने वाले हरेक कार्यक्रम
की हमें सूचना अवश्य भेजने की कृपा करेंगे तो हम आपको
विश्वास दिलाते हैं कि इससे भी बेहतर सेवा हम आपकी कर
सकेगे ।

बाबूलाल जैन, ‘उज्जवल’

—सम्पादक

सम सतुदाय

1 शहर-बम्बई (महाराष्ट्र)

1 महान्त्यागी, भागम भाता, भाषायं प्रवर
भातायाँ, प जन थी बाजी अविनी
म सा

2 मधुर व्याख्याती थी मर्षा अविनी म सा

3 महाभावा थी माता मृति जी म सा

4 विद्याभितारी थी त्रिपु मृति जी म सा

आदि मृति (4)

पाठा—श्री य स्या जन व्याख मय भात मदिन रात,
पाठनीय पथ मृति, 12 एम सा, दादर (बम्बई)
बम्बई 400028 (महा)

साधन—ए २. बारीकरी, बभगट लव मंदिर म
थी टी पाठा कल्या की दुा म सादर उपरे वही
मे पाठ नीत्र पथ के पास।

2 शीतल छाता भट्टमदाय (गुज)

1 मधुर व्याख्याती थी अविनी मृति जी म सा

2 महाभावा थी प्रजा मृति जी म सा

3 मेवा भारी थी भोज मृति जी म सा

4 माहिय रिमार्क, थी मरुद कवि म सा

5 मेवाभावी थी दजन मृति जी म सा

अदि मृति (5)

पाठा—श्री स्याव यारी जन छ बाटी मय, जी उपाधय,
मौनपाठा सागरपुर, अहमदाबाद

380001 (गुज)

साधन—महाराष्ट्र, के-के म-म बग म-म म रिमार्क
मिनी बग म-म, १।

3 मर्षाद (गुजरात)

1 रिमार्क व्याख्याती थी कल्या मृति जी म सा

2 महाभावा थी मृति जी म सा

पाठा—श्री स्या जन मय

मृ पा मर्षाद मया बाता (गुज)

साधन—बरीदा भट्टमदाय भात म बग मृति उपाधय।

महामतिप्राप्ति सम्प्रदाय

4 छातकारर-बम्बई (महा)

म सा थी कल्या बाई म सा की मृति-पाठा—

1 रिमार्क मर्षाद थी कल्या बाई म सा

2 महाभावा थी ददिन बाई म सा

3 माधिराया थी मर्षाद बाई म सा

4 महाभावा थी श्री मर्षाद बाई म सा

5 महाभावा थी श्री मर्षाद बाई म सा

6 महाभावा थी श्री मर्षाद बाई म सा

7 महाभावा थी श्री मर्षाद बाई म सा

8 महाभावा थी श्री मर्षाद बाई म सा

9 महाभावा थी श्री मर्षाद बाई म सा

10 महाभावा थी श्री मर्षाद बाई म सा

11 महाभावा थी श्री मर्षाद बाई म सा

12 महाभावा थी श्री मर्षाद बाई म सा

13 महाभावा थी श्री मर्षाद बाई म सा

14 महाभावा थी श्री मर्षाद बाई म सा

आदि म सा (14)

7. महासतीजी श्री भारतीबाई म.सा

8. नवदीक्षित महा श्री मीनाबाई म.सा

आदि म.सा (8)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ

स्थानकवासी सोसायटी नारायणपुरा क्रीसीग पासे

अहमदाबाद-380013 (गुजरात)

साधन:—उपरोक्त

5. बड़ौदरा (गुजरात)

1. महासतीजी श्री मधुबाई म.सा

2. महासतीजी श्री हंसाबाई म.सा

3. महासतीजी श्री रेणुकाबाई म.सा

4. महासतीजी श्री दीपीकाबाई म.सा

आदि म.सा. (4)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ

जैन उपाश्रय

मु. पो बड़ौदा-390001 (गुजरात)

साधन—दिल्ली-बम्बई, अहमदाबाद-बम्बई मेन लाइन पर रेल्वे स्टेशन है।

6. गढ़डा स्वामीनारायण (गुजरात)

1. महासतीजी श्री रसीलाबाई म.सा

2. महासतीजी श्री गुणवतीबाई म.सा

3. महासतीजी श्री वसुबाई म.सा.

4. महासतीजी श्री श्रद्धाबाई म.सा

5. महासतीजी श्री रोशनीबाई म.सा

6. महासतीजी श्री अचनीबाई म.सा.

आदि म.सा (6)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु. पो गढ़डा स्वामीनारायण-364750

जिला भावनगर (गुजरात)

साधन—अहमदाबाद से धंधुका होकर निगाला स्टेशन से गाडी बदलकर जा सकते हैं।

7. दामनगर (गुजरात)

1. महासतीजी श्री अजलाबाई म.सा.

2. महासतीजी श्री प्रफुल्लाबाई म.सा

3. महासतीजी श्री चंदनाबाई म.सा

4. महासतीजी श्री वंदनाबाई म.सा.

5. महासतीजी श्री विरलबाई म.सा

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय

मु. पो दामनगर-364220

जिला अमरेली (गुजरात)

साधन—प रे मे ढसा जंक्शन महुआ लाइन पर रेल्वे स्टेशन है। अमरेली भावनगर लिम्बड़ी धोराजी वोटाद से सीधी ट्रेन भी जाती है।

कुल चातुर्मास संतो के	1	कुल मुनिराज	4
” ” सतीयो के	6	” महासतीयाजी	36
	—		—
कुल 7		कुल 40	

कुल चातुर्मास 7 संत	4 सतीयाजी 36	कुल ठाणा	40
---------------------	--------------	----------	----

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाजी
1985 में कुल ठाणा थे	4	35
+ नई दीक्षाएं हुई	—	1
	—	—
	4	36
—कालधर्म हुए	—	—
	—	—
	4	36
1986 में कुल ठाणा है	4	36

(पेज 125 का शेष)

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतिया
1985 में कुल ठाणा थे	11	33
+ नई दीक्षाएं हुई	—	1
	—	—
	11	34
—कालधर्म प्राप्त हुए	—	1
	—	—
	11	33
1986 में कुल ठाणा है	11	33

संत समुदाय

1 रागपुर (गुजरात)

1 प्रिय व्याख्यानी, आध्यात्मिक योगी, ५ रत्न
श्री मधोमतिजी म मा

2 मधु व्याख्यानी श्री अतीवार्थ म मा

3 मधु वटी मधुपतिजी म मा

4 लाली श्री दिग मतिजी म मा

आदि मुनि (4)

पता—श्री मधुवर्माजी श्री मधु
जैन उपाधय, बगानी रोड़ी
मु बो रागपुर 363610
जिला गुजरात (गुजरात)

माघा—य र के गुजरात भाग्य म मा मादा पर
बाटाद व पाग म मा म मा म मा म मा
दुहता है। बाग म मा म मा म मा म मा

महासतिर्यांजी समुदाय

2 वोटाद (गुजरात)

1 लक्ष्मी महा श्री बगवार्थ म मा

2 महा मतीजी श्री मधु बाद म मा

3 महामतीजी श्री मधुबाद म मा

4 महामतीजी श्री मधुबाद म मा

5 महामतीजी श्री मधुबाद म मा

6 महामतीजी श्री मधुबाद म मा

आदि म मा (6)

पता—य र, रागपुर श्री १ २ जैन उपाधय

मधुवर्मा मधुवर्मा म मा म मा म मा

मु बो बाग 363610

जिला मधुवर्मा (गुजरात)

माघा—य र के गुजरात भाग्य म मा मादा पर
बाटाद व पाग म मा म मा म मा म मा

3 मधुवर्मा बागवार्थ (गुजरात)

1 मधुवर्मा श्री मधुवर्मा म मा

2 मधुवर्मा श्री मधुवर्मा म मा

3 मधुवर्मा श्री मधुवर्मा म मा

4 मधुवर्मा श्री मधुवर्मा म मा

5 मधुवर्मा श्री मधुवर्मा म मा

6 मधुवर्मा श्री मधुवर्मा म मा

7 मधुवर्मा श्री मधुवर्मा म मा

आदि म मा (7)

पता—श्री मधुवर्मा बागवार्थ श्री मधु

मधुवर्मा म मा म मा म मा म मा

मधुवर्मा 363610 (गुजरात)

माघा—मधुवर्मा मधुवर्मा म मा म मा म मा म मा
मादा पर मधुवर्मा म मा म मा म मा म मा
म मा म मा म मा म मा म मा

4 मधुवर्मा बागवार्थ (गुजरात)

1 मधुवर्मा श्री मधुवर्मा म मा

2 मधुवर्मा श्री मधुवर्मा म मा

3 मधुवर्मा श्री मधुवर्मा म मा

4 मधुवर्मा श्री मधुवर्मा म मा

5 मधुवर्मा श्री मधुवर्मा म मा

6 मधुवर्मा श्री मधुवर्मा म मा

7. महासतीजी श्री भारतीबाई म सा
 8. नवदीक्षित महा श्री मीनाबाई म सा
- आदि म सा (8)

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ
स्थानकवासी सोसायटी नारायणपुरा क्रोसीग पासे
अहमदाबाद-380013 (गुजरात)

साधन:—उपरोक्त

5. बड़ौदरा (गुजरात)

1. महासतीजी श्री मधुबाई म सा
 2. महासतीजी श्री हंसाबाई म.सा
 3. महासतीजी श्री रेणुकाबाई म सा.
 4. महासतीजी श्री दीपीकाबाई म सा.
- आदि म.सा. (4)

पता:—श्री स्थानकवासी जैन संघ
जैन उपाश्रय
मु पो बड़ौदा-390001 (गुजरात)

साधन:—दिल्ली-वम्बई, अहमदाबाद-वम्बई मेन लाइन
पर रेल्वे स्टेशन है।

6. गढ़डा स्वामीनारायण (गुजरात)

1. महासतीजी श्री रसीलाबाई म.सा
 2. महासतीजी श्री गुणवतीबाई म.सा
 3. महासतीजी श्री वसुबाई म.सा.
 4. महासतीजी श्री श्रद्धाबाई म.सा.
 5. महासतीजी श्री रोशनीबाई म.सा
 6. महासतीजी श्री अवनीबाई म.सा
- आदि म सा (6)

पता.—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय
मु. पो. गढ़डा स्वामीनारायण-364750.
जिला भावनगर (गुजरात)

साधन—अहमदाबाद से धंधुका होकर निगाला स्टेशन से
गाड़ी बदलकर जा सकते हैं।

7. दामनगर (गुजरात)

1. महासतीजी श्री अजलाबाई म सा.
2. महासतीजी श्री प्रफुल्लाबाई म.सा

3. महासतीजी श्री चंदनाबाई म.सा
4. महासतीजी श्री चंदनाबाई म.सा.
5. महासतीजी श्री विरलबाई म.सा.

पता—श्री स्थानकवासी जैन संघ, जैन उपाश्रय
मु पो दामनगर-364220
जिला अमरेली (गुजरात)

साधन—प. रे. मे दसा जंक्शन महुआ लाइन पर रेल्वे
स्टेशन है। अमरेली भावनगर लिम्बड़ी धोराजी
बोटद से सीधी ट्रेन भी जाती है।

कुल चातुर्मास संतो के	1	कुल मुनिराज	4
" " सतीयो के	6	" महासतीयाजी	36
	—		—
कुल	7	कुल	40

कुल चातुर्मास 7 सत	4 सतीयांजी	36	कुल ठाणा	40
--------------------	------------	----	----------	----

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियांजी
1985 में कुल ठाणा थे	4	35
+ नई दीक्षाए हुई	—	1
	—	—
—कालधर्म हुए	4	36
	—	—
1986 में कुल ठाणा हैं	4	36

(पेज 125 का शेष)

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियां
1985 में कुल ठाणा थे	11	33
+ नई दीक्षाए हुई	—	1
	—	—
—कालधर्म प्राप्त हुए	11	34
	—	1
1986 में कुल ठाणा हैं	11	33
	11	33

सत समुदाय

1 घाटकोपर बम्बई (महा)

- 1 मधुर व्याख्यानी, प रत्न श्री नरेन्द्रमुनिजी म सा

मुनि (1)

पता—श्री व स्या जैन श्यावक मध

आगरा रोड, श्रंयाग टासीज के पीछे, गाहन मेन,
मघाणी इन्स्टे घाटकोपर (वेन्ट) बम्बई -86

साधन—दादर-बन्त्याग बाणा-बम्बई की लावन ट्रेन से
घाट कोपर उतरें ।

महासतिपाँजी समुदाय

2 गोडल (गुजरात)

- 1 विदुषी महासती श्री बम्पा बाई म सा
- 2 महासती श्री जया बाई म सा
- 3 महासती श्री निजमा बाई म सा
- 4 महासती श्री काता बाई म सा

आदि म सा (4)

पता—श्री मघाणी स्थानकवाणी जैन मध, जैन उपाध्यय
मघाणी घेरी मु पा गोडल-360311

निवा राजकाट (गुजरात) फोन न 813

साधन—राजकाट, मुरेद्र नगर, अहमदाबाद, जामनगर,
बम्बई, वडोदा से सीधी ट्रेन जाती है ।

3. गोडल (गुजरात)

- 1 महासती श्री नीलामाई म सा
- 2 महासती श्री वनिता बाई म सा

3 महासती चन्द्रिका बाई म सा

4 महासती श्री प्रभा बाई म सा

5 महासती श्री मीना बाई म सा

6 महासती श्री मासती बाई म सा

7 महासती श्री मोनल बाई म सा

आदि म सा (7)

पता व साधन—त्रयाव ॥ के अनुसार ।

4 मांगरोल (गुजरात)

- 1 विदुषी महासती श्री ज्योत्सना बाई म सा
- 2 महासती श्री मजुला बाई म सा
- 3 महासती श्री भस्मि बाई म सा

आदि म सा (3)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सप

मु पा मांगरोल -362225

जिना जूनागढ (गुजरात)

साधना—जूनागढ, वेरावल, पारजदर, सोमनाथ से सीधी
त्रयें जाती हैं ।

5 राजकोट (गुज)

- 1 व्याख्यानी विदुषी महा श्री उपा बाई म सा
- 2 महासती श्री निरण बाई म सा
- 3 महासती श्री उर्मिला बाई म सा
- 4 महासती श्री भारती बाई म सा
- 5 महासती श्री जागुनि बाई म सा
- 6 महासती श्री हंसा बाई म सा
- 7 महासती श्री मीरा बाई म सा

आदि म सा (7)

पता—श्री स्थानकवासी जैन पोपधारा

मु पा राजकोट (गुज) 360001

साधन:-विरमगाँव बम्बई, बड़ौदा अहमदाबाद से सीधी ट्रेन विरमगाँव हापा मेन लाइन पर स्टेशन है

6. राजकोट (गुजरात)

1. व्याख्यात्री विदुषी महा. श्री साधना बाई म. सा
2. महासती श्री राजुल बाई म. सा
3. महासती श्री चंदना बाई म. सा
4. महासती श्री राजे श्री बाई म. सा
5. महासती श्री वर्षा बाई म. सा.
6. महासती श्री अरुणा बाई म. सा

आदि म. सा. (6)

पता:-श्री स्थानकवासी जैन पोषध शाला,

भक्ति नगर सोसायटी, राजकोट-360001 (गुज)

साधन -विरम गाँव, बम्बई, हापा, अहमदाबाद, बड़ौदा, से सीधी ट्रेन जाती है। विरम गाँव हापा मेन लाइन पर स्टेशन है।

7. राजकोट (गुजरात)

1. व्याख्यात्री विदुषी महा. श्री जय श्री बाई म. सा
2. महासती श्री उषा बाई म. सा
3. महासती श्री भावना बाई म. सा

आदि म. सा (3)

पता:-श्री स्थानकवासी जैन संघाणी सघ, जैन उपाश्रय

10 दीवानपुरा, राजकोट-360001 (गुज)

संत-सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँ जी
1985 मे कुल ठाणा थे	1	30
+ नई दीक्षाएँ हुई	—	—
	—	—
	1	30
	—	—
काल धर्म प्राप्त हुए	—	—
	1	30
1986 मे कुल ठाणा है	1	30

सत्य-अहिंसा का अधिकाधिक प्रचार हो

चातुर्मास काल मे या शोखेकाल मे प्रायः एक-एक गाँव मे दो-दो तीन-तीन साधुजी और तीन-तीन, चार-चार साध्वीजी विराजते हैं। पर कहीं-कहीं बहुत बड़ी संख्या मे साधुजी या साध्वीजी रहते हैं। शहर बहुत बड़ा हो या अन्य किसी विशेष कारण से बड़ी संख्या मे एक गाँव मे रहे तो उचित ही है, पर यदि अधिक संख्या मे अकारण एक-एक स्थान पर रहे तो हमारे देश के बहुत से स्थान जहाँ की बड़ी संख्या में जैनियों के घर हैं वे स्थान खाली रह जाते हैं यदि इस और उचित ध्यान दिया गया तो वह कदम स्तुत्य होगा तथा भगवान महावीर के सत्य अहिंसा के सिद्धान्तों का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार हो सकेगा।

—मोतीलाल सुराना, इंदौर

कुल चातुर्मास संतों के	1	कुल संत	1
कुल चातुर्मास सतियों के	6	कुल सतियाँजी	30
कुल	7	कुल	31

कुल चातुर्मास 7 संत 1 सतियाँजी 30 कुल 31



धन्य है ऐसे लाल को

सम्पूर्ण भारत वर्ष मे C A. चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट की परीक्षा मे प्रथम डिविजन से प्रथम नम्बर पर उत्तीर्ण विद्यार्थी श्री प्रमोद मुनिजी म. साने 15-12-1983 को जयपुर मे पूज्य आचार्य प्रवर श्री हस्तीमल जी म. सा. के सन्मुख भागवती दीक्षा अंगीकार करके एक अनोखा रिकार्ड स्थापित किया है। यह इतिहास मे पहला ही अवसर है। जब कोई उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाला सत-मतियाँजी बनने का मार्ग चुने। परिपक्व की ओर से बहुत-बहुत मंगलकामना।

श्री वरवाला सम्प्रदाय के संत-सतियाँजी

संत समुदाय

1 अहमदाबाद (गुज)

1 आचार्य प्रवर, प रत्न श्री चम्पक मुनिजी
म सा

2 व्याख्यानी श्री सरदार मुनिजी म सा

3 तपस्वी श्री पारम मुनिजी म सा

4 तपस्वी श्री तरुण मुनिजी म सा

5 सेवामावी श्री सवाई मुनिजी म सा

6 विद्यामिलापी श्री मुनेश मुनिजी म सा

आदि मुनि (6)

पता—श्री राजस्थान स्थानक जैन सघ,
हठीमाईनी बाड़ी सामे, दिल्ली दरवाजा बाहर
शाहीबाग रोड, अहमदाबाद-380004 (गुज)

साधन—अहमदाबाद रेल्वे स्टेशन—बस स्टैंड से रिक्शा,
सिटी बस द्वारा दिल्ली दरवाजा उतरें वहाँ समीप
ही राजस्थान स्थानक उपाश्रय है।

महासतियाँजी समुदाय

2 भावनगर (गुज)

1 विदुषी महा श्री माधीआई म सा (स्थिरवास)

2 सेवामावी महा श्री हीरावाई म सा

आदि म सा (2)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सघ, जैन स्थानक,
भक्तिवाग, कालुमा रोड, जीवन भुवन के पास,
भावनगर-364001 (गुज)

साधन—अहमदाबाद, घोंटाद, सूरत, राजवाड,
मुरेद्रनगर से बस व ट्रेनें जाती हैं।

3 खमात (गुजरात)

1 विदुषी महा श्री जवेरीआई म सा (स्थिरवास)

2 सेवामावी महा श्री रत्नवाई म सा

आदि म सा (2)

पता—श्री भोंगीलाल त्रिभोजनदाम शाह,

कडा चोटडी, जुनी मडार्ड

मु पो खमात 388620 जिला खेडा (गुज)

साधन—पर बाणद, खमात मार्ग पर स्टेशन है।
अहमदाबाद, नाडियाद, गोधरा से भी सीधी ट्रेन
जाती है।

4 बरवाला (गुज)

1 विदुषी महा वयोवृद्ध श्री सुभद्रावाई म सा

म सा (1)

पता—श्री स्थानकवासी जैन उपाश्रय, जैन स्थानक,
बाजार मे।

मु पो बरवाला (घेसासाह) 382450

वाया धागध्रा जिला अहमदाबाद (गुज)

साधन—पर मे जामनगर और लाइन पर स्टेशन है।

5 सगेली (गुज)

1 विदुषी महा श्री वचनवाई म सा

2 विदुषी महा श्री प्रेमीतावाई म सा

3 सेवामावी महा श्री हमावाई म सा

आदि म सा (3)

पता—अध्यक्ष श्री सागरमलजी बागरेचा,
मु पो सगेली जिला पंचमहाल, (गुज)

साधन—

6. राजस्थान सोसायटी-अहमदाबाद (गुज.)

1. मधुर व्याख्यात्री महा. श्री अंगूरप्रभाबाई म.सा.
2. सेवाभावी महा. श्री नीताबाई म.सा.
3. नवदीक्षिता महा. श्री छायाबाई म.सा.

आदि म.सा. (3)

पता:—राजस्थान सोसायटी,
पुलिस कमीशनर के पास, शाहीबाग,
अहमदाबाद (गुज.) 380004

साधन:—उपर्युक्त क्रमांक 1 अनुसार ।

मा.

कुल चातुर्मास संतों के	1	कुल संत	6
कुल चातुर्मास सतियों के	5	कुल सतियाँजी	11
कुल	6	कुल	17

कुल चातुर्मास 6 संत 6 सतियाँजी 11 कुल ठाणा 17

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँ
1985 में कुल ठाणा थे	6	10
+ नई दीक्षाएं हुई	—	1
	6	11
— कालधर्म प्राप्त हुए	—	—
	6	11
1986 में कुल ठाणा हैं	6	11



द्विष्य सुहं पि दाणं होई, कुपत्तामि असुह फलमेव ।

सम्पत्स जहा दिनं खीरं, पि विसत्तण उयेई ॥

जैसे सर्प को पिलाया हुआ मधुर एवं निर्मल दूध भी विष-रूप ही परिणमता है उसी प्रकार कुपात्र को दिया हुआ उत्तम दान भी लाभ प्रदायक नहीं होता है । अर्थात् सचेथा कुपात्र को कितना भी उत्तम दान दिया जाय तथापि सर्प को दुग्ध पान कराने के समान निष्फल ही है ।

लद्धुण माणुसत्तं जस्स, न धम्मे सया हवईचित्तं ।

तस्स किर करयलत्थं अभयं नट्ठं चिय नरस्स ॥

भावार्थ—अत्यन्त दुर्लभ उत्तम मानव जीवन को प्राप्त करके भी जिसका निरस्तर धर्म मे चित्र तल्लीन नहीं रहता है उसका मनुष्यत्व हथेली पर रखे हुए अमृत के समान व्यर्थ ही प्रतिक्षण व्यतीत हो रहा है जैसे हथेली पर रखा हुआ अमृत बिन्दु २ रूप मे टपककर व्यर्थ चला जाता है वैसे ही अमृत-तुल्य मानवदेह धर्म के बिना निरर्थक व्यतीत हो जाता है ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित —

मैसर्स-सूरजमल

डॉगी एण्ड सन्स

फेन्सी कपड़ों के थोक व्यापारी
5/6, पोरवालों का बास रतलाम (म.प्र.)

सत समुदाय

1 मायला (गुजरात)

1 दयोवृद्ध प रत्न श्री बलभद्रमुनिजी म सा

2 नवदीक्षित श्री विश्रम मुनिजी म सा

आदि मुनि (2)

पता—श्री सायला स्थानकवासी जैन श्री सध,

मेघमुनि उपाश्रय, राजपूत ओरा पामे,

मु पो मायला जि सुरेन्द्रनगर (गुज) 363430

साधन—पर के जारावर नगर सायला स्ट पर स्टेशन ह ।

कुल चातुर्मास 1 सत 2

— कुल 2

आपको यह हमारा प्रयास कैसा लगा ? अन्तर्गत बार समय की अस्तव्यस्तता के कारण अधिक जानकारीयाँ होते हुए भी हम आपके समुख प्रस्तुत नहीं कर सके । परिपक्व का काय सुचारु रूप से चालू रखने के लिए आप अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करने की वृत्ति करें । परिपक्व का उद्देश्य समाज से पसा बटोरना न होकर सच्ची लगन, सच्चे दिल से समाज की सेवा करना है । आप भी इसके सहभागी बने और समाज की सेवा का लाभ उठावें ।

सम्पादक—

बाबू लाल जैन "उज्जवल"



वृहद् गुजरात सम्प्रदायो के अन्य सत-सतियाजी

सत समुदाय

1 प्लोट उपाश्रय जामनगर (गुज)

आठ फोटी वच्छ नानी पक्ष सम्प्रदाय के स्व आचार्य प्रवर श्री लानजी म सा के मुशिष्य—

1—प्रिय व्याख्यानानी श्री केशव मुनिजी म सा

2 मन्दा भादी श्री नानजी म सा

आदि मुनि (2)

पता—श्री स्थानकवासी जैन सध "मुबाम" रणजीतनगर, श्रीनिवास दासाहि, मेरी न 2 मुमर बनव राड, मु पो जामनगर-361005 (गुज)

2 सिद्धपुर (गुज)

1—कच्छ भोटापक्ष के श्री दिनेश मुनिजी म सा

(साय मे गौडल सम्प्रदाय के श्री हरिश्चन्द्रमुनिजी म भी है)

कुल ठाणा (2)

आदि मुनि (1)

पता—स्थानक जैन सध जैन उपाश्रय,

मु पो सिद्धपुर जिला मुज-वच्छ (गुज)

3 महाराष्ट्र मे—

खभात सम्प्रदाय के श्री धर्मेन्द्र मुनिजी म सा

मुनि (1)

4 लिम्बडी के आसपास (गुज)

निम्बडी सम्प्रदाय के श्री जगदीश मुनिजी म सा

मुनि (1)

5. देवलाली नासिक (महा.)

1. श्री शान्ति मुनिजी म.सा.
(लिम्बडी नानी पक्ष)
2. श्री भरत मुनिजी म.सा.
3. श्री अमृत मुनिजी म सा

आदि मुनि (3)

पता:-श्री वर्धमान महावीर सेवा केन्द्र,
312, देवलाली केम्प, लाम रोड,
जिला-नासिक (महा.) 422401

महासतियाँजी समुदाय

6. माणेकपुर-बम्बई (महा)

विदुषी महा. श्री रुक्मणीबाई म.सा.

आदि म.सा.

पता:-श्री व. स्था. जैन श्रावक संघ, जैन स्थानक, (5)

मु पो माणेकपुर वाया बसई (महा.)

साधन.-प.रे मे विरार-दहाणु के बीच मे रेल्वे स्टेशन है

7. गुजरात में (गुजरात)

विदुषी महा श्री कमलावतीजी म.सा. आदि म.सा. (3)

कुल चातुर्मास संतों के	5	कुल संत	8
कुल चातुर्मास सतियों के	2	कुल सतियाँजी	8
	---		---
कुल	7	कुल	16

कुल चातुर्मास 7 संत 8 सतियाँजी 8 कुल ठाणा 16



परस्परपश्यतो जीवन्मम

संत सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँ
1985 में कुल ठाणा — थे	5	8
	—	—
+ नई दीक्षाएं हुई	—	—
	—	—
— कालधर्म प्राप्त हुए	5	8
+ अन्य विभागों में से ट्रांसफर हुए	3	—
	—	—
	8	8
1986 में कुल ठाणा है।	8	8

नोट:- लिम्बडी मोटा सम्प्रदाय के श्री जगदीश मुनिजी म सा
एव श्री भरतमुनिजी म, श्री अमृत मुनिजी म सा
अन्य विभागों में से इस विभाग में आये हैं।

बृहद् गुजरात सम्प्रदायों के कुल

कुल चातुर्मास संतों के	कुल मुनिराज	127
कुल चातुर्मास सतियों के	कुल सतियाँजी	860

		987

कुल चातुर्मास संत 127 संतियाँजी 860 कुल ठाणा 987

कुल संत-सती तुलनात्मक तालिका

विवरण	संत	सतियाँजी
1985 में कुल ठाणा थे	123	847
+ नई दीक्षाएं हुई	3	26
	---	---
	126	873
— कालधर्म हुए	1	7
	---	---
	125	866
+ अन्य विभागों में आये	2	---
	---	---
	127	866
— जिनके बारे में कोई सूचना नहीं मिली	---	6
	---	---
	127	860
1986 में कुल ठाणा है	127	860
	---	---

With Best Compliments From :

S. S. JAIN & CO.

OPP GANI GARAGE,
DHARAVI MAIN ROAD,
BOMBAY 400025

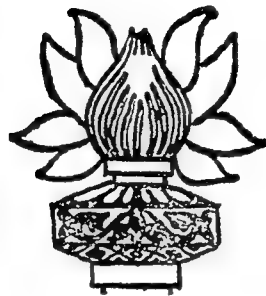
Tel 481992

**SHATI PLASTIC
INDUSTRIES**

50' K T HOUSE, Nagusyaki Wadi,
New PRABHADEVI ROAD,
BOMBAY-400025

Tel 4221705

इन्द्रियों पे मन की प्रभुता है, मस्तिस्क उसी का दफतर है ।
इस मन को जो वश में कर ले, कब्जा उसका सब तन पर है ॥



Phone : 343579
329050
Resi : 5610933

J. K. IMPEX CORPORATION

Exporters-Importers

408, Yogeshwar
135/37, Kazi Sayed Street,
Khand Bazar,
BOMBAY-400003.

हे पुत्र वही जो माता पिता की, आज्ञा पर डट जाता है ।
हर सूरत से जीवन भर उनको, पूरण सुख पहुँचाता है ॥

With best compliments from ·



D. CHANDRA & CO.

Exporters of

□ Semi-Precious Stones □ Agate Articles

**Pith Sutarwada Gandhi Road
CAMBAY-388 620 (India)**

Phone 2550

Gram "HONESTY CAMBAY

भाग—तृतीय

- * श्वेताम्बर तैरापंथी सम्प्रदाएँ
- * श्वेताम्बर नव तैरापंथी सम्प्रदाएँ

समग्र जैन समाज के सभी मुनिवरों एवं महासतीयांजो म सा का 1986 वर्ष का चातुर्मास
हार्पोल्लास वातावरण में ज्ञान दर्शन चारित्र्य तप की प्रवृत्तियों से ओत प्रोत सफल बने
ऐसी शुभकामनाएँ करते हुए—

With Best Compliments From :

S. Lalchand Bagmar

Financier

Office
80, Audiappa Naicken Street
Sowcarpet Madras-600 079

Phone
Office 32605
31252

Resi
Kadambari
41, Ritherdon Road,
Vepery Madras-600 007

Resi 37118
663271

युग प्रधान आचार्य प्रवर श्री तुलसीजीम सा आदिठाणाओ रा लाडनू (राज) मे 1986
चातुर्मास ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तप की आराधना मे ओतप्रोत सम्पन्न होने की मंगल कामना
करते हुऐ—

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—

ललित कुमार प्रकाशचन्द जैन
मदनलाल ललित कुमार साँखला

अनाज के व्यापारी एव कमिशन एजेंट

मु पो जावला बाया डेगाना जिला नागोर (राज)

सम्बन्धित फर्म—

JAIN Cloth Emporium
Sales Corporation
Synthetics

Mfg. Art Silk, Terivoiles, Cambric, Printed
Sarees

369, Shaikh Memon Street, 55, Dubash Market,
1st FLR, BOMBAY-400 002

Phone Res 622026
694383
Off 338331

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्म संघ के नवम् अधिष्ठाताः— युग प्रधान आचार्य श्री तुलसीजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती श्रमण एवं श्रमणीयों की 1986 वर्ष की चातुर्मास सूची

(क) राजस्थान प्रान्त-जोधपुर संभाग—

कुल चातुर्मास 19 श्रमण 51 श्रमणी 120

कुल ठाणा 171

1. लाड़नू

जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्म संघ के नवम्
अधिष्ठाता युगप्रधान आचार्य प्रवर
श्री तुलसी जी म. सा.

युवाचार्य श्री महाप्रज्ञ जी म. सा.

श्रमण (33)

पता.—जैन विश्व भारती लाड़नू (राज.) 341306

2. बोरबड़

श्री जशकरणजी म. सा. (सुजानगढ़)

श्रमण (4)

पता.—जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,

मु.पो. बोरबड़ (राज) 341502

3. सरदारपुरा-जोधपुर

श्री बुद्धमलजी म. सा. (शादुलपुर)

श्रमण (4)

पता.—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,

तातेड़ भवन, छठीपाल रोड,

सरदारपुरा, जोधपुर-342003

4. छोटी खांटू

श्री अगरचन्दजी म. सा. (गादणा)

श्रमण (3)

पता —श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,

मु.पो. छोटी खांटू-341302

5. जोधपुर

श्री सागरमलजी म. सा. 'श्रमण'

श्रमण (3)

पता.—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,

जाटावास, जोधपुर-342001 (राज.)

6. जसोल

श्री मोहनलालजी म. सा. (आमेट)

श्रमण (4)

पता.—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,

मु.पो. जसोल-344024 (राज)

7. लाड़नू

साध्वी श्री कनकप्रभाजी म. सा.

श्रमणी (64)

पता.—उपरोक्त क्रमांक 1 अनुसार

8. डीडवाना

साध्वी श्री रामकुमारीजी म. सा. (चाडवास)

पता.—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,

मु.पो. डीडवाना-341303

9. जोजावर

साध्वी श्री सिरिकुमारीजी म. सा. (श्रीडुकरगढ़)

श्रमणी (4)

पता.—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,

मु.पो. जोजावर जिला पाली-306022

श्रमणी (6)

10. बालोतरा

साध्वी श्री मोहनकुमारीजी म. सा. (रामगढ़)

श्रमणी (5)

पता.—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,

मु.पो. बालोतरा-344022 (वाडमेर)

11. वाडमेर

साध्वी श्री रामकुमारीजी म. सा. (रतनगढ़)

श्रमणी (5)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

मु पो बाडमेर-344001

12 पीपाड सिटी

साध्वी श्री केसरजी म सा (सरदार शहर)

श्रमणी (5)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

मु पो पीपाड सिटी-342601

13 ईडवा

साध्वी श्री छगनाजी म सा (सरदार शहर)

श्रमणी (4)

पता -श्री जयचन्दलाल बोठारी,

मु पो ईडवा 341503

14 खिवाडा

साध्वी श्री लजितप्रभाजी म सा (सरदार शहर)

श्रमणी (4)

पता -श्री रूपचंदजी जैन, बछावरमलजी जैन,

मु पो खिवाडा (पाली)

15 समदही

साध्वी श्री पानकुमारीजी म सा (श्रीहृगरगढ़)

श्रमणी (5)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

मु पो समदही-344021 प

16 पाली

साध्वी श्री मोहनकुमारीजी म सा (श्रीहृगरगढ़)

श्रमणी (5)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

मु पो पाली (राज)

17 राणावास

साध्वी श्री सुबोधकुमारीजी म सा (बोदासर)

मा म सा (श्रमणी (5))

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

मु पो राणावास (राज)

18 सोजत रोड

साध्वी श्री गुलाबकुमारीजी म सा (सरदार शहर)

श्रमणी (4)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

साजन रोड (राज) 306103

19 पचपदरा

साध्वी श्री कमलप्रभाजी म सा (ताटनू)

श्रमणी (4)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

मु पो पचपदरा (राज) 344032

(ण) बीकानेर सभाग

कुल चातुर्मास 29 श्रमण 33 श्रमणी 144 कुल ठाणा 177

1 सुणवरण सर

श्री मोहनलालजी म सा (राजगड)

श्रमण (3)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

मु पो सुणवरणसर-334603

2 उदासर

श्री गुणचंदजी म सा (पचपदरा)

श्रमण (3)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

मु पो उदासर-334022

3 श्री हृगरगढ़

श्री गणेशमलजी म सा (गगाशहर)

श्रमण (5)

पता -श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा,

मु पो श्री हृगरगढ़ (चुरु) 331803

4 सरदार शहर

श्री हृगरमलजी म सा (सरदार शहर)

श्रमण (8)

पता -श्री पूनमचंदजी सेठिया,

मु पो सरदार शहर (चुरु) 331403

5. चुरु
श्री छत्रमलजी म.सा. (चुरु)
श्रमण (4)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु.पो. चुरु-331001
6. छापर सेवा केन्द्र
श्री विनयकुमारजी म.सा. “आलोक”
7
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु.पो. छापर-331502
7. सादुलपुर
श्री मोहनलालजी म.सा. “शार्दूल”
श्रमण (3)
पता:—श्री केसरीचन्दजी जयसुखलालजी सेठिया,
मु.पो. सादुलपुर (राजगढ़) 331023
8. मोमासर
साध्वी श्री संतोकाजी म.सा. (लाड़नू)
श्रमणी (6)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु.पो. मोमासर-331801
9. आडसर
साध्वी श्री मनखुखाजी म.सा. (मोमासर)
श्रमणी (5)
पता:—श्री तेरापंथ महिला मंडल,
मु.पो. आडसर (चुरु)
10. सुजानगढ़
साध्वी श्री रूपाजी म.सा. (सरदार शहर)
श्रमणी (6)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु.पो. सुजानगढ़-331507
11. चाड़वास
साध्वी श्री मनोहराजी म.सा. (सुजानगढ़)
श्रमणी (6)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
12. राजलेदसर
साध्वी श्री पानकुंवरजी म.सा. (सरदार शहर)
श्रमणी (20)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु.पो. राजलेदसर-331802
13. राजगढ़
साध्वी श्री रतनकुमारीजी म.सा. (लाड़नू)
श्रमणी (5)
पता:—श्री शुभकरणजी श्यामसुखाजी,
मु.पो. राजगढ़ (सादुलपुर) 331024
14. नोखा मंडी
साध्वी श्री सूरजकुमारीजी म.सा. (जयपुर)
श्रमणी (5)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,
मु.पो. नोखा मंडी-334803
15. कालू
साध्वी श्री रूपाजी म.सा. (लाड़नू)
श्रमणी (4)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो. कालू-334602
16. श्री डूंगरगढ़
साध्वी श्री हर्ष कुमारीजी (सरदार शहर)
श्रमणी (4)
पता —श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो श्री डूंगरपुर-331 803
17. तारानगर
साध्वी श्री कमलाकुमारीजी (सरदार शहर)
श्रमणी (5)
पता —श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो. तारानगर-331 304
18. नोहर
साध्वी श्री भीखाजी (सरदार शहर)
श्रमणी (4)
पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

- 19 बीदासर
साध्वी श्री सूरजकुमारीजी (सरदार शहर)
श्रमणी (21)
पता - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो बीदासर-331 501
- 20 गगाशहर
साध्वी श्री साहनकुमारीजी (छापर)
श्रमणी (9)
पता - अखिल भारतीय तेरापथ युवक परिषद
पो गगाशहर-334 401
पता - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो गगाशहर-334 401
- 21 पीलीबपा
साध्वी श्री माहनाजी (तारानगर)
श्रमणी (5)
पता - श्री केशरीचन्दजी बाठिया
पा पीलीबपा-335 803
- 22 मगरिया मंडी
साध्वी श्री तीजाजी (सरदार शहर)
श्रमणी (4)
पता - श्री सत्ताचन्दजी बाठिया
पा मगरिया मण्डी-335063
- 28 रतनगढ़
साध्वी श्री सुज देवाजी
चुह (राज)
श्रमणी (5)
पता - श्री भूरामलजी विजयमिहजी आचलिया, रतनगढ़
श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो रतनगढ़-331022
- 24 सरदारशहर
साध्वी श्री लिष्टुमाजी (शादुलपुर)
श्रमणी (8)
पता - श्री जन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो सरदारशहर
श्री पूनमच देवी सेठिया
पो सरदारशहर-331403
- 25 भीनासर
साध्वी श्री भीखाजी (श्री डूंगरगढ)
श्रमणी (5)
पता - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पा भीनासर-334403
- 26 श्रीगमानगर
साध्वी श्रीमान कुमारीजी (सरदार शहर)
श्रमणी (5)
पता - श्री हरिश्चन्द्रजी जैन
जैन ट्रेडिंग कम्पनी, मोहरा न 109
धानमंडी, पान 22163 श्री गमानगर
- 27 देशनोक
साध्वी श्री भागवतीजी (श्री डूंगरगढ)
आदि श्रमणी (4)
पता - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो देशनोक-344801 (राज)
- 28 बीकानेर
साध्वी श्री आनन्दश्रीजी (गगाशहर)
आदि श्रमणी (4)
पता - 1 श्री नथमल ताराचंद बोयरा
बोयरा मोहल्ला, पो बीकानेर
2 श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
बोयरा मोहल्ला, पो बीकानेर
- 29 पडिहारा
साध्वी श्री स्वणरखाजी (श्री डूंगरगढ)
आदि श्रमणी (4)
पता - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो पडिहारा-331505
(ग) उदयपुर सभाप -
- 30 पुर
मुनि श्री उगमराजजी (देवरिया)
आदि श्रमणी (3)
पता - श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो पुर (भीलवाडा)-311802

31. आत्मा

मुनि श्री हनुमानमलजी (सरदार शहर)

आदि श्रमण (3)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो. आत्मा वाया-केलवा-313334

32. सायरा

मुनि श्री हनुमानमलजी “हरीश” आदि

श्रमण (3)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो सायरा-313704

33. बोरियापुर

मुनि श्री बालचन्दजी (आसीद)

आदि श्रमण (2)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरा पंथी सभा

पो. बोरियापुर (भीलवाड़ा)

34. गंगापुर

मुनि श्री सुमेरमलजी “सुमन”

श्रमण (3)

पता—श्री गणपत लाल भंवरलाल हिरण

पो. गंगापुर-311801

पता:—श्री देवेन्द्रकुमार हिरण

पो गंगापुर-311801

35. आमेट

मुनि श्री सुखालालजी (सुजानगढ)

श्रमण (3)

पता:—श्री तुलसीदास रीखवदास वोहरा

पो आमेट-313332

36. वरार

मुनि श्री जतनमलजी (लाडनू)

श्रमण (2)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो वरार (भीलवाड़ा)

37. राजनगर

साध्वी श्री नजरकुंवरजी वाम

आदि श्रमणी (5)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो. राज नगर-313326

38. देवगढ़

साध्वी श्री जतनकुंवरजी म.सा. (राजगढ़)

श्रमणी (5)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो देवगढ़-313331

39. रीछेड़

साध्वी श्री टमकूजी (लाडनू)

श्रमणी (5)

पता:—श्री मगनलाल भंवरलाल धीग

पो. रीछेड़, वाया-चारभुजा-313333

40. राजाजी का करेड़ा

साध्वी श्री पानकुंवरजी (पचपदरा)

श्रमणी (5)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो. राजाजी का करेड़ा-311804

41. गडबोर

वीसा श्री गुलावाजी (भादरा)

श्रमणी (5)

—श्री भंवरलाल रंगलाल पटावारी

पो. गडबोर (चारभुजा)-313333

42. नांदेशमा

साध्वी श्री पन्नाजी (देरासर)

श्रमणी (5)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो. नान्देशमा, वाया-गोगन्दा-313704

43. लाम्बोड़ी

साध्वी श्री रायकुमारीजी (राजलेदमर)

श्रमणी (5)

पता:—श्री गुलाबचन्दजी वाफणा,

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा,

पो लाम्बोड़ी वाया-चारभुजा-313333

- 44 राबलिया बघी
साध्वी श्री राजकुमारीजी (राजदेवसर)
श्रमणी (4)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो राबलिया बघी (उदयपुर)
- 45 नाथद्वारा
साध्वी श्री आनन्दकुमारीजी (मीमानर)
श्रमणी (5)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो नाथद्वारा-313301
- 46 धामला
साध्वी श्री सतीबाजी (राजगढ़)
श्रमणी (4)
पता—श्री डानवन्द बजोडीमल
पो धामला बाया-मायली ज-313203
- 47 आसीद
साध्वी श्री भीमजी (नोहर)
श्रमणी (5)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो आसीद-311301 (भीमबाहा)
- 48 बैलवा
साध्वी श्री मुखादेवाजी (मग्दार शहर)
श्रमणी (5)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो बैलवा-213334
- 49 सरदारगढ़
साध्वी श्री जतारकुमारीजी (सरदार शहर)
श्रमणी (4)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो लावा सरदारगढ़-313330
- 50 गोगुदा
साध्वी श्री इंदुजी (साडनू)
श्रमणी (5)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो गोगुदा
- 51 साछूडा
साध्वी श्री रतनकुमारीजी (सरदार शहर)
श्रमणी (4)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो साछूडा
- 52 भीतबाहा
साध्वी श्री बचानुमारीजी (उदयपुर)
श्रमणी (4)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो भीतबाहा (राज)
- 53 बांरौली
साध्वी श्री राजीमतीजी (रतनगढ़)
श्रमणी (6)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो बांरौली-313324
- 54 सितोबा
साध्वी श्री रतनश्रीजी (साडनू)
श्रमणी (4)
पता—श्री चतुर्भुज हवारीमल धामड
पो सितोबा बाया-नाथद्वारा
- 55 उदयपुर
साध्वी श्री जयश्रीजी (राजदेवसर)
श्रमणी (6)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
भामाभाह भाग
पो उदयपुर-313001
- 56 पहुना
साध्वी श्री यशोमतीजी राजगढ़
श्रमणी (4)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो पहुना (चित्तौड़)-312206
- 57 रेलमगरा
साध्वी श्री सुमन श्रीजी (वीदासर)
श्रमणी (4)
पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापथी सभा
पो रेलमगरा 313329

(जयपुर संभाग)

58. टमकोर

साध्वी श्री चादकुंवरजी (मोमानर)

श्रमणी (4)

पता—श्री जैन ध्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो. टमकोर

59. आदर्शनगर (स. माधोपुर)

साध्वी श्री मोनाजी (डीडवाना)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन ध्वेताम्बर तेरापंथी सभा

आदर्शनगर पो. माहनगर-322022

60. फतेहपुर

साध्वी श्री मोहनजी (डीडवाना)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन ध्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो. फतेहपुर-332301

61. जयपुर

साध्वी श्री कानकुमारीजी (सरदार शहर)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन ध्वेताम्बर तेरापंथी सभा

मिलाप भवन, बुन्दीगर के भेम्जी का रान्ता

जीहरी बाजार पो. जयपुर

62. जयपुर (सी स्कीम)

साध्वी श्री मोमलताजी (गंगाशहर)

श्रमणी (5)

पता—श्री मन्नालाल मुराणा

"मुराणा हाउस" सी-स्कीम

जयपुर (फोन-72850)

(अजमेर संभाग)

63. रवावर

साध्वी श्री कंचनकुमारीजी (गज्जनगर)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन ध्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो. रवावर फोन-अजमेर-305901

64. टाडंगढ़

साध्वी श्री कमलाकुमारीजी (उज्जैन)

श्रमणी (5)

पता—हजारीमलजी रंगलालजी कोठारी

पो. टाडंगढ़-305924

(मध्यप्रदेश प्रान्त)

65. उज्जैन

मुनि श्री जीहरीमलजी (बीदासर)

श्रमण (3)

पता—श्री नरेन्द्रकुमारजी छाजेड़-एडवोकेट

नयापुरा, पो. उज्जैन-456001

66. पेटलावद

साध्वी श्री हुलसाजी (गंगाशहर)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन ध्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो. पेटलावद, जिला-झाबुआ

पिन-457773

67. रतलाम

साध्वी श्री मेणरयाजी (पेटलावद)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन ध्वेताम्बर तेरापंथी सभा

नं. 42 घान बाजार, रतलाम-457001

68. जावद

साध्वी श्री नवय प्रभाजी (सरदार शहर)

श्रमणी (4)

पता—श्री जैन ध्वेताम्बर तेरापंथी सभा

पो. जावद-458330

69. इन्दौर

साध्वी श्री चारिद्र श्रीजी (मुन्नागढ़)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन ध्वेताम्बर तेरापंथी सभा

जीहरीमलजी, मुन्नागढ़,

पो. इन्दौर-452002

(घ) (गुजरात प्रांत)

70 उधना (सुरत)

मुनि श्री पूनमचंदजी (गंगाधर)

श्रमण (3)

पता—श्री चन्द्रप्रकाश गणेशमन बापगा

मेन रोड, पो उधना-399210

71 शाहीबाग (अहमदाबाद)

मुनि श्री मंगलमलजी "श्रामोद"

श्रमण (1)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तिरापथी मभा

तिरापथी भवन, शाही बाग, पुलिस चौकी

के पास, अहमदाबाद-380004

72 खेडब्रह्मा

मुनि श्री शुभकरणजी (सरदार शहर)

श्रमण (2)

पता—श्री बोभमल डानरद, बतन के व्यापारी

स्टेशन रोड, पो खेडब्रह्मा

जिना सावरवाडा (गुज)

73 भुज

मुनि श्री ताराचन्दजी (रामोसर)

श्रमण (3)

पता—श्री माधवजी जयमलजी महना

कमीशन एजेंट, भीड बाजार

पो भुज, कच्छ-370001

74 अहमदाबाद

माध्वी श्री धनकुमारीजी (सरदार शहर)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तिरापथी मभा

नवरगपुरा, दिनेश हास के पास

आश्रम रोड, अहमदाबाद 380009

75 बाय

माध्वी श्री भगवतीजी (बाय)

श्रमणी (4)

पता—श्री अशोकभाई गपवी

द्वारा—श्री उदयचंदजी गपवी जैन

पा बाव जिना जनामवाडा 385575

(गुजरात)

(ङ) महाराष्ट्र प्रांत

76 शाहदा

मुनि श्री जयान्जली (मान्)

श्रमण (3)

पता—श्री जमुनामानजी रघुनाथमलजी गैलगा

पा शाहदा 125109

जि धूलिया

77 मरीन ड्राइव चम्बई

मुनि श्री गणेशकुमारजी (मुजानगड)

श्रमण (3)

पता—अणुग्रन ममिति

तिरापथ मभाज, अणुग्रन मभागार

राजहम रिजिंग, 88-जो रोड

मरिन ड्राइव, पा चम्बई 100002

78 जातना

मुनि श्री रोशनलालजी (सरदार शहर)

श्रमण (3)

पता—श्री मोहनलालजी बिरघीचन्दजी सेठिया

नेहरू रोड, पो जातना-431203

79 धूलिया

माध्वी श्री सोहना जी (साडनू)

श्रमणी (5)

पता—श्री पूनचन्दजी सेगनाजी

1690, गली नं 4

पास्ट धूलिया 424001

85 घाटकोपर

माध्वी श्री कचनप्रभाजी (सुजानगड)

श्रमणी (5)

पता—श्री देवीलालजी कच्छार

जणुग्रन ज्योति, जीवदया नेन

घाटकोपर (चम्बई) 400086

2. भिवानी

मुनि श्री मूलचन्दजी (गंगा शहर)

श्रमण (3)

पता 1. श्री परसराम दुलीचन्द जैन
हालु बाजार, पो. भिवानी-1250212. केशव जैन, तेरापंथ युवक परिपद्, लोहड बाजार
भिवानी, हरियाणा

3. उकलाना

साध्वी श्री आशाजी (राजलदेसर)

श्रमणी (5)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
वजीर देवी कालोनी पो. उकलाना मण्डी
हिसार-126009

4. हांसी

साध्वी श्री जतनकुमारीजी (राजलदेसर)

श्रमणी (4)

पता.—नूनियामल सुरेशकुमार जैन
सराफा बाजार, पो. हांसी-125033

5. अचाना मण्डी

साध्वी श्री विनय श्रीजी (श्री डूंगरगढ़)

श्रमणी (5)

पता.—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो अचाना मण्डी, जीन्द-125115

6. सिरसा

साध्वी श्री भीखाजी (लाडनू)

श्रमणी (5)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
भादरा बाजार, पो. मिरमा-125055

7. कालांबाली

साध्वी श्री क्षमा श्रीजी (सरदार शहर)

श्रमणी (5)

पता:—बाबूलाल गोयल
श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो कालांबाली-125201

8. जींद

साध्वी श्री रायकुमारीजी (सुजानगढ़)

श्रमणी (4)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो जीन्द-126102

9. हिसार

साध्वी श्री कनक श्रीजी (लाडनू)

श्रमणी (5)

पता—श्री ओ. पी. जिदल
जिदल स्टील प्राइवेट लिमिटेड, देहली गेट
पो हिसार-1250012. नन्दकुमार जैन, 30 पदमप्रभु कालोनी
ऋषि नगर, हिसार

10. उमरा

साध्वी श्री रामकुमारीजी (सरदार शहर)

श्रमणी (4)

पता:—श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा
पो. उमरा-132137 बाया-हांसी
जिला-हिसार

(15) दिल्ली केन्द्र

1. अणुव्रत—नई दिल्ली

मुनि श्री सगीतकुमारजी (टमकोर)

श्रमण (5)

पता—श्री अणुव्रत विहार

नं-210 दीनदयाल उपाध्याय मार्ग
नईदिल्ली-110002

2. अशोक विहार दिल्ली

साध्वी श्री सरोजकुमारीजी (बम्बई)

श्रमणी (5)

पता—उपरोक्त

(16) नेपाल विदेश

1. विराट नगर

साध्वी श्री विद्यावतीजी (श्री डूंगरगढ़)

श्रमणी (5)

ବାଇଁମିଳ ହାତୀ *

ବାଇଁମିଳ ପ୍ରସିଦ୍ଧି *

ବାଇଁମିଳ ଉତ୍ତରାଞ୍ଚଳ *

ବାଇଁମିଳ ଉତ୍ତର ଶିବପୁରୀ *

ବାଇଁମିଳ ଉତ୍ତରାଞ୍ଚଳ *

ବାଇଁମିଳ ଉତ୍ତରାଞ୍ଚଳ *

ବାଇଁମିଳ ଉତ୍ତରାଞ୍ଚଳ *

ମୁଦ୍ରାବଦ୍ଧ ଶିବପୁରୀ ଶିବପୁରୀ

ଶିବପୁରୀ-ଶିବପୁରୀ

श्री श्वेताम्बर जैन नवतेरापथ सम्प्रदाय के सद्य प्रमुख आध्यात्मिक योगी मुनि श्री चन्दनमलजी म. सा के आज्ञानवर्ती श्रमण-श्रमणी समुदाय

श्रमण समुदाय

- 1 सरदार गहर (राजस्थान)
सद्य प्रमुख आध्यात्मिक योगी मुनि श्री
चन्दनमलजी म सा
आदि ठाणा (5)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर नव तेरापथी सभा
मु पो सरदार गहर जिला बीकानेर
(राज)-331403

5 सरदार गहर (राजस्थान)

साध्वी श्री मजु श्री जी म सा

आदि ठाणा (6)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर नव तेरापथ सभा

मु पो सरदार गहर जि बीकानेर-331403
(राजस्थान)

कुल चातुर्मास स्थल श्रमणों के 2	कुल श्रमण 8
कुल चातुर्मास स्थल श्रमणीयों के 3	कुल श्रमणीयाँ 14
—	—
कुल 5	22
—	—

- 2 धुरी (पंजाब)
महास्वियवर मुनि श्री धनराज जी म सा
आदि ठाणा (3)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर नव तेरापथ सभा
मु पा धुरी-148024 जिला मगलपुर (पंजाब)

कुल चातुर्मास 5 श्रमण 8 श्रमणीया 14 कुल ठाणा 22

श्रमणी समुदाय

श्री श्वे जैन तेरापथ एवं नवतेरापथ सम्प्रदाय
के कुल श्रमण श्रमणीया

- 3 हिसार (हरियाणा)
सद्य प्रवर्तिनी श्री साध्वी श्री मजुला जी म सा
आदि ठाणा (4)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर नव तेरापथ सभा
मु पो हिसार (हरियाणा)-125001

विवरण	चातुर्मास स्थल	श्रमण	श्रमणी	कुल ठाणा
1 श्वे तेरापथ सम्प्रदाय	129	152	547	699
2 श्वे नवतेरापथ सम्प्रदाय	5	8	14	22
—	—	—	—	—
कुल	134	160	561	721
—	—	—	—	—

- 4 सगलूर (पंजाब)
साध्वी श्री माहना जी म सा
आदि ठाणा (4)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर नव तेरापथी सभा
मु पो सगलूर, (पंजाब)-148001

भाग-चतुर्थ

श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सम्प्रदाएँ

- ★ तपागच्छ समुदाय
- ★ अचलगच्छ समुदाय
- ★ खरतरगच्छ समुदाय
- ★ पार्श्वचन्द्र गच्छ समुदाय
- ★ विमलगच्छ समुदाय
- ★ त्रिस्तुती समुदाय
- ★ अन्य समुदाय

समग्र जैन समाज के सभी पूज्य मुनिराजो महासतियोजी म सा का वर्ष 1986 का
चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य तप की
प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत बने ऐसी शुभ मंगल
कामनाएँ करते हैं ।



हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

श्री एस.एस. जैन सभा

जैन स्थानक

लोगोवाल जिला सगरूर (पंजाब)

फूल खिलते हैं बहुत पर, सुगंध देता है कोई कोई ।
पूजा करते हैं बहुत पर, पूजनीय होता है कोई कोई ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित —



KARNAWAT
SUITINGS • SHIRTINGS & SAREES

जवरीलाल चम्पालाल जैन (करनावट)
(रोडवाला)

जे सी. फेब्रिक्स
जे सी सिन्थेटिक्स

साडी, सूटिंग, शर्टिंग के होलसेल व्यापारी एव निर्माता

करसनदास मुलजी बिल्डिंग, 1-ए, ओल्ड हनुमान पहली क्रॉस लेन
१ला माला, दुकान नं 9, बम्बई-400 002

सिद्धान्त महोदधि कर्म साहित्य निष्णात आचार्य प्रवर श्री विजय प्रेम सूरेश्वरजी म. सा. का समुदाय

शासन प्रभावक, व्याख्यान वाचस्पति सुविशाल गच्छाधिपति
आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय रामचन्द्र सूरेश्वरजी म. सा.
आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वीयाँजी म. सा.

संत समुदाय

1. लाल बाग (बम्बई) महाराष्ट्र

1. शासन प्रभावक, व्याख्यान वाचस्पति
सुविशाल-गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्रीमद्
विजय रामचन्द्र सूरेश्वरजी म. सा.

2. आचार्य प्रवर श्री महोदय सूरेश्वरजी म. सा.

3. उपाध्याय श्री महिमा विजयजी म. सा.

4. गणिवर्य मणि श्री

आदि ठाणा (19)

पता:-श्री मोतीबा लालबाग जैन उपाश्रय

भुनेश्वर, साधव बाग के पास,

बम्बई-100001 (महा)

2. पानडी-अहमदाबाद (गुज)

1. आचार्य प्रवर श्री विजय नुवन सूरेश्वरजी म. सा.

2. आचार्य प्रवर श्री विजय नुवन सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (5)

पता:-श्री नरनी स्विक जैन उपाश्रय, नान्दी वन वन स्टेशन

पाने नारायण नगर रोड, पानडी

अहमदाबाद-7 (गुज)

3. उभोई (गुजरात)

1. आचार्य प्रवर श्री विजय नुवन सूरेश्वरजी म. सा.

2. आचार्य प्रवर श्री विजय नुवन सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (1)

पता:-श्री नरनी स्विक जैन उपाश्रय, सेनापति रोड,

उभोई-392114 (गुज)

4. राजकोट (गुजरात)

1. आचार्य श्री विजय जयत शेखर सूरेश्वरजी म. सा.

2. पन्थास श्री नित्यानन्द विजयजी म. सा.

आदि ठाणा (1)

पता:-नूतन जैन उपाश्रय, वर्धमान नगर, हज़र पेनेश रोड,

राजकोट-360001 (गुज)

5. जूनागढ़ (गुजरात)

1. आचार्य प्रवर श्री विजय हिमाशु सूरेश्वरजी म. सा.

2. आचार्य प्रवर श्री विजय नवरत्न सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (4)

पता:-सेठ हेमा भाट्ट नौ धर्मशाला, ऊपर कोट जूनागढ़

(गुज)

6. पाटन (गुजरात)

आचार्य श्री विजय राजनिनक सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (7)

पता:-नरान भाट्ट पोपधशाला, पंचाम राजीनी मंम.

पाटन-381265 (गुज)

7. विलेपार्लो-बम्बई (महा.)

आचार्य प्रवर श्री विजय नुवन भानुसूरेश्वरजी

म. सा.

आदि ठाणा (19)

पता:-श्री करमचन्द आपसिन्धु हाव, र्ना श्रीज, एन बी.

रोड, विलेपार्लो (पश्चिम) बम्बई

8. निम्बडी (गुजरात)

1. आचार्य श्री विजय नानुवन सूरेश्वरजी म. सा.

2. पन्थास श्री हरि वन विलेपार्लो म. सा.

- 3 पयाम श्री रविप्रभ विजय जी म सा
4 पयाम श्री सुधाशु विजय जी म सा
जादि ठाणा (12)
पता - श्री पूर राई नौ प्रमशाला, माटा दराम
निम्बडी-363421 (सोराष्ट्र-गुज)
- 9 मालेगाव (महाराष्ट्र)
1 आचाय श्री विजय रंग सूरेश्वर जी म सा
2 आचाय श्री विजय धनपान सूरेश्वरजी म सा
जादि ठाणा (9)
पता - जन उपाध्य, तिलक राड, मु पा मालेगाव
त्रि नामिक (महा)
- 10 अहमदनगर (महाराष्ट्र)
आचाय श्री विजय गुणानंद सूरेश्वरजी म सा
जादि ठाणा (8)
पता - जन उपाध्य, नन्ना वापट बाजार,
अहमदनगर 414001 (महा)
- 11 कालुपुर-अहमदाबाद (गुजरात)
आचाय श्री विजय प्रचान सूरेश्वर जी म सा
जादि ठाणा (11)
पता - दान सूरेश्वर ज्ञान मंदिर, कालुपुरा,
अहमदाबाद (गुज)
- 12 सूरत (गुजरात)
आचाय श्री विजय मिनानंद सूरेश्वरजी म सा
जादि ठाणा (6)
पता - ल ल जन पापशाला, छापरिया पेरी,
महिधरपुर, सूरत-395003 (गुज)
- 13 महुवा (सोराष्ट्र-गुज)
1 उपाध्याय श्री सुरेंद्र विजय जी म सा
2 पन्यास धा मणिरत्न विजय जी म सा
जादि ठाणा (2)
पता - जन उपाध्य, मु पा महुवा (सोराष्ट्र-गुजरात)
- 14 जामाद (गुजरात)
पयाम श्री नलित विजय जी म सा
जादि ठाणा (3)
पता - जन उपाध्य, मु पा जामाद
जिला मरूच-392110 (गुज)
- 15 रितिक रोड-अहमदाबाद (गुज)
पयाम श्री यशोभद्र विजय जी म सा
जादि ठाणा (6)
पता - सवेगी जैन उपाध्य,
हाजी पटेल पाल रितिक राड अहमदाबाद
- 16 पूना केम्प (महाराष्ट्र)
पयाम श्री विचक्षण विजय जी म सा
जादि ठाणा (4)
पता - श्री बामपूज्य स्वामी जन टेम्पल,
657, साचा पीर स्ट्रीट, पूना केम्प 411001
(महा)
- 17 शाहीबाग-अहमदाबाद (गुज)
पयाम श्री जिन प्रभ विजय जी म सा
जादि ठाणा (7)
पता - जन उपाध्य, गिरधरनगर,
शाही बाग अहमदाबाद-4
- 18 साहूकार पेड मद्रास (तमिलनाडू)
पयाम श्री बद्र गुप्त विजय जी म सा
जादि ठाणा (3)
पता - जन आंगराना भुवन,
51 सीट स्ट्रीट, मद्रास 600079
- 19 अहमदाबाद (गुज)
पयाम श्री धम विजय जी म सा
जादि ठाणा (15)
पता - जन उपाध्य, शांतीनगर मासायटी, जाधम राड,
अहमदाबाद-13
- 20 नडीयाद (गुजरात)
पयाम श्री राजेंद्र विजयजी म सा
जादि ठाणा (4)
पता - जन उपाध्य, दब चवला नडीयाद
(गुज) 387001

21. मांडवाला (राजस्थान)

पन्यास श्री महायश विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

पता:-जैन उपाश्रय, मु. पो. मांडवाला (राज.)

22. धारागिरी (गुजरात)

पन्यास श्री चन्द्रशेखर विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

पता.-तपोवन सस्कार धाम,

मु. धारागिरी पो. कवीलपोर ता नवसारी

(गुज) 396424

23. घाटकोपर-बम्बई (महा.)

पन्यास श्री हेमचन्द्र विजयजी म.सा

आदि ठाणा (12)

पता -श्री मुनिसुव्रत जैन उपाश्रय,

नवरोजी लेन, घाटकोपर () बम्बई-86

24. नवाडीसा (गुजरात)

पन्यास श्री जयशेखर विजयजी म.सा

आदि ठाणा (3)

पता.-श्री जैन उपाश्रय,

रीसाला बाजार, नवाडीसा-385535 (गुज.)

25. वडाली (गुजरात)

पन्यास श्री जगतचन्द्र विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

पता.-जैन उपाश्रय,

मु. पो. वडाली-383235 (गुज.)

26. नाडलाई (राजस्थान)

गणि श्री जितेन्द्र विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

पता -जैन उपाश्रय,

मु. पो. नाडलाई स्टेशन फालना (राज.)

27. बोरडी (महाराष्ट्र)

गणि श्री ललित शेखरविजयजी म.सा

आदि ठाणा (4)

पता -जैन उपाश्रय, मु. पो. बोरडी जि. थाणा (महा)

28. जालौर (राजस्थान)

गणि श्री गुण रत्नविजयजी म.सा.

आदि ठाणा (14)

पता:-जैन उपाश्रय, मु. पो. जालौर (राज.)

29. जामनगर (गुजरात)

गणि श्री प्रभाकर विजयजी म.सा

आदि ठाणा (4)

पता -हालारी जैन उपाश्रय,

45 दिग्विजय प्लॉट, जामनगर (गुज)

30. पिंडवाड़ा (राजस्थान)

गणि श्री वीर शेखर विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (5)

पता -जैन धर्मशाला, मु. पो. पिंडवाडा (राज.)

31. राधनपुर (गुजरात)

गणि श्री जयकुंवर विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

पता -सागरगच्छ जैन उपाश्रय,

मु. पो. राधनपुर-385340 (गुज)

32. सुरेन्द्रनगर (गुजरात)

गणि श्री किर्तीमिन विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

पता -नूतन आराधना भुवन,

विठ्ठल प्रेस रोड, सुरेन्द्रनगर (गुज) 363001

33. नासिक (महा.)

गणि श्री महाबल विजयजी म.सा

आदि ठाणा (6)

पता -जैन उपाश्रय,

दहीपुल, पगडबंध लेन, नासिक (महा) 422001

34. वापी (गुजरात)

गणि श्री अमरगुहा विजयजी म.सा

आदि ठाणा (5)

पता -जैन उपाश्रय,

मु. पो. वापी (गुज) वे रे 396191

- 35 लुणावा (राजस्थान)
श्री भाव विजयजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता - जैन उपाश्रय, मु पा लुणावा (राज)
- 36 पोसातिया (राजस्थान)
श्री पुष्पादय विजयजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता - जैन उपाश्रय, मु पा पोसातिया
स्ट जवाई बाप जि मिगहो (राज)
- 37 बड़वाड शहर (गुज)
श्री महाप्रभ विजयजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - गवगा जन उपाश्रय,
बड़वाड शहर (गुज) 36303
- 38 नयसारी (गुज)
श्री जयधन विजयजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता - जैन आराधना भवन,
न जी अस्पताल माभ, स्टेशन राड
नवसारी (गुज) 396145
- 39 कादिबली बम्बई (महा)
श्री नयभद्र विजयजी म सा
आदि ठाणा (5)
पता - गकर नन, कादिबली (बम्बई) 2म्बई-67
- 40 कालुपुर-अहमदाबाद (गुज)
श्री गायी विजयजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता - जैन विद्यामाला, डाक्रीवाडना पाल,
कालुपुर अहमदाबाद (गुज)
- 41 बालकेशवर-बम्बई (महा)
श्री हिरण्यप्रभु विजयजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता - जैन उपाश्रय, चदनगाना जपाटमट,
आर.आर. ठक्कर मार्ग
रोज राड गानकेश्वर 2म्बई-6
- 42 कायम्बतूर (तमिलनाडू)
श्री धम विजयजी म सा
आदि ठाणा (5)
पता - राजस्थान जैन मध उपाश्रय,
207 आर जी स्ट्रीट, कायम्बतूर 641001
- 43 भाबर (गुजरात)
श्री रितोमान विजयजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - जैन उपाश्रय, भाबर-385320
चिना बनाववाडा (गुज)
- 45 बालकेश्वर-बम्बई (महा)
श्री राम विजयजी म सा
श्री नयधन विजयजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता - जैन दरामर श्रीमाननार,
12 नमनादास महारा माता 2म्बई-6
- 46 नौबण्डी (महा)
श्री नन्दी प्रपा विजयजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता - रामवाल जन आराधना भवन,
जजता कम्पाउण्ड, धामणकर नाना
भिरण्डी (महा) 421305
- 47 येवला (महा)
श्री चन्द्रकिर्ती विजयजी म सा
आदि ठाणा (3)
पता - जैन उपाश्रय, मु पा येवला जिता नामिक (महा)
- 48 नेर (महाराष्ट्र)
श्री विद्यानंद विजयजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - जैन उपाश्रय, मु पा नेर जिता धलिया
(महा) 124303

49. वाव (गुजरात)
श्री वारिपेण विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (3)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु. पो. वाव जिला वनासकाठा (गुज.)
50. हालार (गुजरात)
श्री महामेन विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (4)
पता.—जैन उपाश्रय, मु. पो. हालार (गुज.)
51. नीजामपुरा-वडोदा (गुज.)
श्री जयगुपण विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (3)
पता.—जैन उपाश्रय,
हाइवे रोड, नीजामपुरा वडोदा (गुज.)
52. तलेगाव (महाराष्ट्र)
श्री किर्तीरत्न विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता.—जैन उपाश्रय, मु. पो. तलेगाव (ढमढेरा)
जि. पूना (महा.)
53. पूना (महाराष्ट्र)
श्री विनयचन्द विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता.—जैन उपाश्रय,
नयानी पेठ, पूना-पानर (महा.)
54. नायन-वम्बई (महा.)
श्री नायनोम विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता.—जैन उपाश्रय, 197-ग.
नायन हागीटन, नायन वम्बई-22
55. बांमता (गुजरात)
श्री बांमता विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु. पो. बांमता-332325 (गुज.)
56. धंधुका (गुजरात)
श्री चरणप्रभ विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता.—हेमचन्द्राचार्य जैन ज्ञान मंदिर,
धंधुका-382460 (गुज.)
57. कलकत्ता (प. बंगाल)
श्री भद्रशील विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (4)
पता.—96 केनिंग स्ट्रीट, जैन उपाश्रय,
कलकत्ता-700001 (द. बंगाल)
58. राणी (राजस्थान)
श्री नयरत्न विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु. पो. राणी जि. पाली (राज.) 306115
59. आण्टा (मध्यप्रदेश)
श्री अश्वमेन विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु. पो. आण्टा (म.प्र.) 466166
60. सावर कुण्डला (गुज.)
श्री नरवाहन विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता.—शांतीदाम धर्मदाम नी. पेडी,
सावर कुण्डला-361515 (गोराष्ट्र)
61. बोरसद (गुजरात)
श्री भुवनचन्द विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता.—जैन उपाश्रय, काशीपुरा बोरसद (गु.) 388510
62. मुलुण्ड-वम्बई (महाराष्ट्र)
श्री देवगुन्दर विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (2)
पता.—जैन उपाश्रय, 54-55, बांसी राड,
मुलुण्ड (W.R.) वम्बई-80

- 63 बोटाद (गुजरात)
श्री पूनचन्द विजयजी म मा
आदि ठाणा (3)
पता -जैन उपाध्याय, पन्च तामायटी,
मखन राड, पानडी अहमदाबाद-7 (गुज)
- 64 मलाड-बम्बई (महा)
श्री हूमरल विजयजी म मा
आदि ठाणा (5)
पता -जैन उपाध्याय, मु पो बोटाद 361710 (गुजगन)
- 65 दादर बम्बई (महा)
श्री जयमुन्दर विजयजी म मा
आदि ठाणा (8)
पता -श्री हरी मूरा जन उपाध्याय,
दफ्तरी राड, दना बँक पाछल मनाड (E)
बम्बई-61
- 66 खभात (गुजरात)
श्री धेयाश्रम विजयजी म मा
आदि ठाणा (3)
पता -जाराधना मवन, गम पो वांन रोड,
दादर बम्बई-28
- 67 रतलाम (गुज)
श्री यमनरन विजयजी म मा
आदि ठाणा (4)
पता -जन अमर जाला, टेकरी,
खभात (गुजरात) 388620
- 68 जामनगर (गुज)
श्री धमन विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता -शाली भुवन, जन उपाध्याय, जाणन्दी बाबा ना
चकलो, जामनगर (गुज) 361001
- 69 पालड़ी-अहमदाबाद (गुज)
श्री चन्द्रजीत विजयजी म मा
आदि ठाणा (8)
पता -जैन उपाध्याय, पन्च तामायटी,
मखन राड, पानडी अहमदाबाद-7 (गुज)
- 70 पावरा (गुजरात)
श्री जिनयन विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता -जैन उपाध्याय, मु पो पादरा 391440 (गुज)
- 71 पूना (महाराष्ट्र)
श्री भुवनचन्द्र विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता -श्री सुरेश भाई गी जाह, 155 बुद्धवार पठ
बमत टाकोज पूना-411002 (महा)
- 72 चोपाटी बम्बई (महा)
श्री गुण सुन्दर विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता -नत्याण पाखनाथ देवासर,
35-सी फेइल, चोपाटी बम्बई-7 (महा)
- 73 घाट रोड-बम्बई (महा)
श्री राजरत्न विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता -जैन उपाध्याय, भारत नगर, घाट रोड,
बम्बई-7
- 74 कजत (महा)
श्री विजयानन्द विजयजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता -जैन उपाध्याय, मु पो कजत
जिना थाणा (महाराष्ट्र)
- 75 बारडीली (गुजरात)
श्री यशोधर विजयजी म मा
आदि ठाणा (8)
पता -जैन उपाध्याय, म्हेसन,
मु पो बारडीली जि बडोदा (गुज) 391601

76. मरोली (गुजरात)
श्री मेघदर्शन विजयजी म सा
आदि ठाणा (5)
पता—जैन उपाश्रय, मु पो मरोली (गुज) 396130

77. धुलिया (महाराष्ट्र)
श्री चतुर विजय जी म सा.
आदि ठाणा (2)
पता—श्री शीतलनाथ जैन सस्थान,
तेलगली, धुलिया (महाराष्ट्र)-424 001

78. भीलडीयाजी पेढी (गुजरात)
श्री अजित सेन विजय जी म सा.
आदि ठाणा (3)
पता.—जैन देरासर पेढी,
मु पो भीलडीयाजी पेढी, वाया नवाडीसा
जिला बनासकाठा (गुजरात)

79. साणन्द (गुजरात)
श्री मनोगुहा विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जेठावणा नो उपाश्रय,
मु. पो. साणन्द जिला अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वीयाँजी समुदाय

80. पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)
प्रवर्तिनी साध्वी श्री जया श्री जी म
आदि ठाणा (20)
पता—दशा पोरवाड सोसायटी पालडी,
अहमदाबाद-7 (गुजरात)

81. गिरधर नगर-अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री वनमाला श्री जी म
आदि ठाणा (4)
पता—जैन उपाश्रय, गिरधर नगर, शाहीबाग,
अहमदाबाद-4 (गुजरात)

82. आश्रम रोड, अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री नन्दीरेखा श्री जी म
आदि ठाणा (6)
पता—शान्ती नगर सोसायटी, आश्रम रोड,
अहमदाबाद-380013 (गुज)

83. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री सुमगला श्री जी म
आदि ठाणा (4)
पता—महाराष्ट्र भुवन, तलेटी रोड,
पालीताणा-(गुजरात)

84. कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री उत्तम गुणा श्री जी. म.
पता—जैन उपाश्रय, गुजरी बाजार, कोल्हापुर
(महा) 416001

85. नेर-खानदेश (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री रत्नलता श्री जी म.
आदि ठाणा (4)
पता—जैन उपाश्रय मु पो नेर-खानदेश
जिला-जलगाँव (महा)

86. येवला-(महाराष्ट्र)
साध्वी श्री हस किर्तीश्री जी म.
आदि ठाणा (7)
पता—जैन उपाश्रय, मु पो येवला जिला नासिक (महा)

87. पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री इन्द्र प्रभा श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—श्री मोहनलाल उत्तमचंद धर्मशाला,
मु पो पाचन जिला बनासकाठा (गुज)

88. पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री जयलता श्री जी म.
आदि ठाणा (3)
पता—आपीश सोसायटी, रजमहेन रोड,
मु पो. पाटन 384265 (गुज.)

89 सरोयद (गुजरात)

गाध्वी थी पूषा प्रभाथी जी म

पता—री जैन उपाध्य, मु पा सरोयद बाबा पाटन
जिना महमाना (उ गुज)

आदि ठाणा (3)

90 जालोर (राज)

गाध्वी थी पुष्प उपाधी थी जी म

पता—जैन उपाध्य, मु पा जालोर (राज)

आदि ठाणा (21)

91 मी पी टेक-बम्बई (महाराष्ट्र)

गाध्वी थी पुष्प प्रभाथी जी म

पता—बदवाडी गाडाउन, मी पी टेक राड,
उम्बई-400004 (महाराष्ट्र)

आदि ठाणा (9)

92 मुतारगली बम्बई (महाराष्ट्र) -

गाध्वी थी धर्मनता थी जी म

आदि ठाणा (2)

पता—टुपा मुवन, 1 माते, 1 रा, मुतारगली
बम्बई-2 (महाराष्ट्र)

93 घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र)

गाध्वी थी विमल विनीजी म

आदि ठाणा (6)

पता—जैन उपाध्य, पत नगर, घाटकोपर
बम्बई-77

94 मलाड-बम्बई (महाराष्ट्र)

गाध्वी थी तम्लता थी जी म

आदि ठाणा (5)

पता—रत्नपुरी, गीणाता जैन, मलाड (पूर्व) बम्बई-77

95 बालकेरवर-बम्बई (महाराष्ट्र)

गाध्वी थी मुलोचना थी जी म

आदि ठाणा (3)

पता—विमल मामावटी, बाणगावा बालकेरवर,
बम्बई-64

96 वापी (गुज)

गाध्वी थी परम प्रभा थी जी म

पता—जैन उपाध्य, मु पा वापी जिना उन्माड (गुज)

97 दयाल शाह का किल्ला (राजस्थान)

गाध्वी थी पुष्पनता थी जी म

आदि ठाणा (2)

98 नाटलाई (राजस्थान)

गाध्वी थी ताम्ब रत्ना थी जी म

आदि ठाणा (4)

पता—जैन मंदिर वडा, मु पा नाटलाई जिना पानी
(राज)

जिना पाली (राज)

कुल साध्वीयाजी

131

1 पालीताणा (गुजरात)

प्रगतिनी-गाध्वी थी हम थी जी म

आदि ठाणा (24)

पता—काशी नगर वापी वाला नी धर्मशाला, तनेटी राड
पालीताणा (गुजरात) 364270

2 कालपुर-अहमदाबाद (गुजरात)

गाध्वी थी पियुष पूर्णा थी जी म

आदि ठाणा (5)

पता—विकानो जैन उपाध्य, कालपुरीनी पोल,
कालपुर अहमदाबाद (गुजरात)

3 पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)

गाध्वी थी रजन थी जी म

आदि ठाणा (7)

पता—मास्ती अपाटमटसु जेसर पात्र जम स्टेण्ड मामे,
पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)

4 पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)

गाध्वी थी रतीप्रभा थी जी म

आदि ठाणा (5)

पता—प्राविश जैन उपाध्य,
रज मांग मोमावटी, पी टी बानज राड
पालडी-अहमदाबाद-7 (गुजरात)

5. बालकेश्वर-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री रम्यकचन्द्रा श्री जी म.
आदि ठाणा (7)
पता.—श्राविका उपाश्रय, सुलसा अपार्टमेंटस्
रतीलाल ठक्कर मार्ग रीज रोड,
बालकेश्वर बम्बई-5 (महा.)
6. सावर कुण्डला (गुजरात)
साध्वी श्री त्रिलोचना श्री जी म.
आदि ठाणा (14)
पता—जैन विद्याशाला, जैन मंदिर सामे
सावर कुण्डला सौराष्ट्र-(गुजरात)
7. माधवबाग-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री ज्योतीप्रभाश्री जी म
आदि ठाणा (8)
पता.—सोनारीका बिल्डिंग, फ्लेट न 14, 1 माला
चदावाडी सी. पी टैंक माधवबाग, बम्बई-4
8. मलाड-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री भद्रपूर्णा श्री जी म.
आदि ठाणा (6)
पता.—मोहनलाल काटा वाला नी चाल, धनजी पाडी
कवारी रोड, मलाड बम्बई-97
9. लुणावा (राजस्थान)
साध्वी श्री नित्योदया श्री जी म.
आदि ठाणा (5)
पता.—चैटानो उपाश्रय मु पो लुणावा
स्टेशन फालना जिला पाली (राज)
10. व्यावर (राजस्थान)
साध्वी श्री लब्धगुणा श्री जी म.
आदि ठाणा (5)
पता—जन उपाश्रय मु.पो. व्यावरा जिला अजमेर
(राज.)
11. रतलाम (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री सर्व भद्रा श्री जी म.
आदि ठाणा (6)
पता—श्राविका उपाश्रय, पोरवाड का वास,
रतलाम (म. प्र.) 457001
12. खंभात (गुजरात)
साध्वी श्री भव्यरत्ना श्री जी म.
आदि ठाणा (6)
पता—शांति विहार जैन उपाश्रय, चौकसी पोल नाके
खंभात (गुजरात) 388620
13. पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री हर्ष पूर्णा श्री जी म
आदि ठाणा 11
पता—रूक्षमणी बाई जैन पोपधशाला पचासराजी
चौक-पाटन (गुजरात)
14. पाटन-(गुजरात)
साध्वी श्री सूर्य माला श्री जी म.
आदि ठाणा (7)
पता—बारी नो उपाश्रय, कोकानो पाड़ो,
गोलशेरी, मु पो पाटन (गुजरात) 384265
15. गिरधर नगर-अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री किर्ती प्रभा श्री जी म.
आदि ठाणा (2)
पता—विकानो उपाश्रय, गिरधर नगर जैन मंदिर
अहमदाबाद-4
16. जामनगर-(गुजरात)
साध्वी श्री पद्मयशा श्री जी म.
आदि ठाणा (2)
पता—ओसवाल कालोनी जामनगर (गुज)

साध्वीपीनो समुदाय

1. यमात (गुजरात)

1. यमात गांधी आरक्षित आरक्षित
आदि गांधी (4)

पता-यमात गांधी आरक्षित, 744 12712, 4 12
आदि यमात (गुजरात) 345000

2. पाल्ही नहुमराबाद (गुजरात)

गांधी आरक्षित आरक्षित
आदि गांधी (1-)

पता-पाल्ही नहुमराबाद, 744 12712, 4 12
आदि नहुमराबाद (गुजरात)

3. बहाली (गुजरात)

गांधी आरक्षित यमात आरक्षित
आदि गांधी (5)

पता-बहाली उपखण्ड, 744 12712, 4 12
जिला गांधी साठ (गुजरात)

4. पाटणावर बम्बई (महाराष्ट्र)

गांधी आरक्षित यमात आरक्षित
आदि गांधी (13)

पता-पाटणावर बम्बई आरक्षित उपखण्ड, नहराबा 12
आरक्षित गांधी, पाटणावर-बम्बई 86

5. मूरत (गुजरात)

गांधी आरक्षित यमात आरक्षित
आदि गांधी (5)

पता-यमात यमात यमात, छप्पायगा यमात,
महिनपुरा, मूरत-395003 (गुजरात)

6. नागिक (महाराष्ट्र)

गांधी आरक्षित यमात आरक्षित
आदि गांधी (8)

पता-नागिक, यमात यमात, नागिक (महाराष्ट्र) 122001

7. नागिक (महाराष्ट्र)

गांधी आरक्षित यमात आरक्षित
आदि गांधी (5)

पता-नागिक यमात यमात, नागिक यमात
नागिक यमात (महाराष्ट्र) 122001

8. नागिक (महाराष्ट्र)

गांधी आरक्षित यमात आरक्षित
पता-नागिक यमात यमात, नागिक यमात
नागिक यमात (महाराष्ट्र)

9. यमात (महाराष्ट्र)

पता-यमात यमात यमात, यमात यमात
आदि गांधी (5)

पता-यमात यमात यमात, यमात यमात
यमात यमात (महाराष्ट्र) 122001

10. गुजरात (गुजरात)

गांधी आरक्षित यमात आरक्षित
आदि गांधी (10)

पता-गुजरात यमात यमात, गुजरात यमात
गुजरात यमात (गुजरात) 122001

11. गांधी बम्बई (महाराष्ट्र)

गांधी आरक्षित यमात आरक्षित
आदि गांधी (13)

पता-गांधी बम्बई आरक्षित यमात यमात
गांधी बम्बई 4 यमात यमात यमात (महाराष्ट्र)
बम्बई 122001

12. पालीताणा (गुजरात)

गांधी आरक्षित यमात आरक्षित
आदि गांधी (7)

पता-पालीताणा, यमात यमात यमात,
पालीताणा (गुजरात) 364270

13. विपदाबाद (राजस्थान)

गांधी आरक्षित यमात आरक्षित
आदि गांधी (8)

पता:-जैन पेढ़ी मु. पो पिंपवाडा स्टेशन सिरोंही रोड,
जिला सिरोंही (राज.)

20. सुतारगली-बम्बई (महाराष्ट्र)

साध्वी श्री दिव्य प्रजाश्री जी म

आदि ठाणा (4)

पता -कृष्ण भवन, 1 माला, 1 सुतारगली बम्बई-1

कुल चातुर्मास 20 साध्वीयाँ 146

14. सावरमती अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री किरण प्रज्ञा श्री जी म.

आदि ठाणा (16)

पता.-मिश्रीमलजी अचलदास जी जैन मंदिर के पीछे
मैना भवन, सावरमती, रामनगर अहमदाबाद (गुज.)

15. दादर-बम्बई (महाराष्ट्र)

साध्वी श्री चदन वाला जी म.

पता.-श्री कानजी रतनशी बोहरा, वरकाणा भुवन, 1
1 माला, भवानी शंकर रोड, दादर (वेस्ट)
बम्बई-28

कुल चातुर्मास संतों के 79 कुल संत 409

कुल चातुर्मास साध्वीयो के 55 कुल साध्वीयाँजी 398

कुल 134 807

कुल चातुर्मास 134 संत 409 साध्वीयाँजी 398

कुल ठाणा 807

संक्षिप्त पद तालिका

17. अहमदाबाद (गुज.)

साध्वी श्री महानन्द श्री जी म.

आदि ठाणा (3)

पता:-जैन श्राविका उपाश्रय, देरासर के सामने
काका भट्ट नी पोल अहमदाबाद (गुजरात)

18. कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

साध्वी श्री विमल प्रभाश्री जी म.

आदि ठाणा (6)

पता.-श्री आत्मानन्द जैन सेवा समिति
पद्मा टॉकीज सामे, लक्ष्मीपुरी, कोल्हापुर-416001
(गुज.)

आचार्य 18

उपाध्याय 2

पन्यास 17

गणि 10

प्रवर्तक नहीं

प्रवर्तिनिया 3

सन्त 409

साध्वीया 398

कुल ठाणा 807

19. वलसाड (गुजरात)

साध्वी श्री मोहलता श्री जी म

आदि ठाणा (3)

पता.-जैन उपाश्रय, देरासर, मोटा बाजार वलसाड
(गुज) 396001



शासन सम्राट, तपागच्छाधिपति सूरिचक्रवर्ती आचार्य प्रवर
श्री नेमिसूरीश्वरजी म सा के समुदाय के सत-सतियोंजी म सा.

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय मेरुप्रभसूरीश्वरजी
म सा के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वियोंजी म सा

सत समुदाय

1 पायधुनी बम्बई (महाराष्ट्र)

1 गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय मेरु-
प्रभसूरीश्वरजी म सा

2 प राम श्री मानम विजयजी म सा

3 प राम श्री इन्द्रग विजयजी म सा

आदि ठाणा (12)

पता—श्री आदिश्वर पर जन धमनावा, पायधुना,
बम्बई 3 फोन 5511970

2 पल्याण बम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय दश श्रीश्वरजी म सा

आदि ठाणा (1)

पता—राज जन गण, हजारी नवन, शररराज राव
जि ठाणा (महा)

3 चितेपार्ल बम्बई (महाराष्ट्र)

1 आचार्य श्री विजय दश श्रीश्वरजी म सा

2 आचार्य श्री विजय हनुमन्त श्रीश्वरजी म सा

आदि ठाणा (5)

पता—श्री चित्तामणी वासुदेवाय दरामर,
47, एम जो राड विलपासा (पूर्व) बम्बई-57

4 वाली (राजस्थान)

आचार्य श्री विजय गुणील श्रीश्वरजी म सा

आदि ठाणा (6)

पता—श्री जन दरामर उपाध्य,
मु गा प्राणी स्थल फलता जिना वाला (राज)

5 पालीताणा (गुजरात)

आचार्य श्री विजय प्रवाचन श्रीश्वरजी म सा

प्रवर्तन श्री हरिभद्र विजयजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता—श्री रामा श्री राम मंदिर

पालीताणा-माराष्ट्र (गुज) 361270

6 जहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय प्रिक्वर श्रीश्वरजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री तागजी भूधरजी नौ पाल,

ज्याम, माटरी ताग जहमदाबाद 1

7 भावनगर (गुजरात)

आचार्य श्री तुभार श्रीश्वरजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता—श्री दादा साहब उपाध्य,

वालाला नाला, भावनगर (साराष्ट्र-गुज)

8 नाणावट-सूरत (गुजरात)

1 आचार्य श्री विजय मुमुद चंद श्रीश्वरजी म सा

2 आचार्य श्री विजय प्रवाचन श्रीश्वरजी म सा

आदि ठाणा (7)

पता—श्री सवेयी जन उपाध्य,

बडा चाटा, नाणावट सूरत (गुज)

9 भायपला बम्बई (महा)

आचार्य श्री विजय चन्द्रादय श्रीश्वरजी म सा

आदि ठाणा (10)

पता—श्री मातीजा जन मंदिर,

म80 सवलत, भायपला, बम्बई 27

10. अहमदाबाद (गुजरात)

आचार्य श्री विजय किर्तीचन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.
पन्यास श्री जयकिर्ती चन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (3)

पता—श्री किर्तीचन्द्र सूरेश्वर ज्ञान मंदिर,
पारूल नगर शोला रोड, भूयंगदेव चार रास्ता
अहमदाबाद-61

11. पालडी-अहमदाबाद (गुज.)

आचार्य श्री विजय महिमा प्रभ सूरेश्वरजी म.सा.
आदि ठाणा (3)

पता—श्री महिमा प्रभ सूरिजी ज्ञान मंदिर,
शांतीवन वस स्टेण्ड पास नारायणपुर रोड
पालडी, अहमदाबाद-7

12. भावनगर (गुजरात)

आचार्य श्री विजय सूर्योदय सूरेश्वरजी म.सा.
आदि ठाणा (7)

पता—नूतन उपाश्रय, राधनपुरी बाजार,
नानभा शेरी, भावनगर (गुज)

13. विलेपार्ल-बम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय अशोकचक्र सूरेश्वरजी म.सा.
गणी श्री सोमचन्द्र विजयजी म.सा.
आदि ठाणा (11)

पता—महासुख भवन,
सरला सर्जन, उपाश्रय ओ पी पी
साउथ पाण्डु रोड विलेपार्ल (W) बम्बई-56

14. माटूंगा-बम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय विशालसेन सूरेश्वरजी म.सा.
पन्यास श्री राजशेखर विजयजी म.सा. गणी
आदि ठाणा (7)

पता—श्री जीवन अवजी ज्ञान मंदिर,
जगेरा सिनेमा पामे, माटूंगा किंग्म. मर्कल
बम्बई-19

15. मोरवी (गुजरात)

आचार्य श्री विजय नय प्रभ सूरेश्वरजी म.सा.
पन्यास श्री यशोदेव विजयजी म.सा. गणी
आदि ठाणा (4)

पता—श्री जैन देरासर दरवार गढ पामे, मोरवी
(सौराष्ट्र) (गुज)

16. कृष्णनगर-अहमदाबाद (गुज.) :

आचार्य श्री विजयचन्द्र सूरेश्वरजी म.सा.
आदि ठाणा (3)

पता—श्री जैन देरासर उपाश्रय,
सेजपुरा बोधा, कृष्णनगर, नरोडा रोड,
अहमदाबाद-3

17. मलाड-बम्बई (महाराष्ट्र) :

आचार्य श्री विजय सदगुरु सूरेश्वरजी म.सा.
आदि ठाणा (3)

पता—श्री सदगुणसूरी ज्ञान मंदिर,
गातिनाथ देरासर, एस. वी. रोड सुन्दरनगर
मलाड (वेस्ट) बम्बई-64

18. सिरौही (राजस्थान) :

उपाध्याय श्री चन्दनविजय जी म.सा.
आदि ठाणा (2)

पता—श्री जैन मंदिर जैन उपाश्रय,
सिरौही (राजस्थान)

19. सिरौही (राजस्थान) :

उपाध्याय श्री विनोद विजय जी म.सा.
आदि ठाणा (2)

20. धागंध्रा (गुजरात) :

पन्यास श्री प्रमोदचन्द्र विजय जी म.सा.
आदि ठाणा (2)

पता—श्री तपागच्छ जैन उपाश्रय,
धागंध्रा (गुजरात)

21 पालीताणा (गुजरात)

पयाम श्री दयचन्द्र त्रिजय जी म सा
आदि ठाणा (2)

पता—माण्डेराव, जैन धर्मशाला के पीछे
पालीताणा-364 270 (गुजरात)

22 शान्ताकुश-बम्बई (महाराष्ट्र)

पयाम श्री अजितचन्द्र विजय जी म सा
पयास श्री विनितचन्द्र विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)

पता—श्री कृष्णाय जन
ऐन्ड्रुय राड, एम बी रोड,
शान्ताकुश (वेन्ट) बम्बई-54

23 अहमदाबाद (गुजरात)

पयाम श्री महावल विजय जी म सा
आदि ठाणा (3)

पता—पाजरापोल,
रिलीफ रोड, अहमदाबाद-380 001 (गुजरात)

24 अहमदाबाद (गुजरात)

पयाम श्री श्यामलचन्द्र विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)

पता—श्री हठीभाइनीवाडी उपाश्रय,
दिल्लीदरगाजा बाहर, शाहीबाग रोड,
अहमदाबाद-1

25 गोलवाड बम्बई (महाराष्ट्र)

पयाम श्री पारवचंद विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)

पता—श्री गानवाड जन उपाश्रय,
पाजरापाज गली, बम्बई-2

26 सुरेन्द्रनगर (गुजरात)

पयास श्री कुटुबुद विजय जी म सा
आदि ठाणा (3)

पता—श्री शेठ जाणदनी कल्याणजी पेटी,
धोमण साध, सुरेन्द्र नगर (गुजरात)

27 नवमारो (गुजरात)

पयाम श्री पदयुम्न त्रिजय जी म सा
आदि ठाणा (2)

पता—मधुमती जैन उपाश्रय,
नवमारो, जि बलमाड (गुजरात)-196 145

28 भावनगर (गुजरात)

पयाम श्री जीलचन्द्र विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)

पता—श्री गोडीजी जैन उपाश्रय,
भावनगर (मोराष्ट्र-गुजरात)

29 अहमदाबाद (गुजरात)

पयास श्री दान विजयजी म सा
आदि ठाणा (2)

पता—श्री नमोसूरी ज्ञानशाला,
पाजरापाल रिलीफ राड अहमदाबाद-380 001
(गुजरात)

30 आणंद (गुजरात)

पयाम श्री चन्द्रमेन विजयजी म सा
आदि ठाणा (3)

पता—श्री जैन उपाश्रय,
स्टेशन पाम, आणंद जि खेडा (गुजरात)

31 भावनगर (गुजरात)

पयाम श्री भद्रमेन विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)

पता—श्री जन उपाश्रय,
बटवा, भावनगर (गुजरात)

32 भावनगर (गुजरात)

गणीवर्य श्री वम ध्वज विजय जी म सा
आदि ठाणा (4)

पता—श्री कृष्णनगर जैन उपाश्रय,
टायमड चौक, भावनगर (गुजरात)

33 पालनपुर (गुजरात)

गणीवर्य श्री होनारचंद्र विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)

पता—लीम्बडानो उपाश्रय,

पालनपुर जि वनासकाठा (गुजरात)

34. दोलतनगर-बम्बई (महाराष्ट्र) :

गणीवर्य श्री सिंहसेन विजय म सा

आदि ठाणा (3)

पता—श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ पेढी,

दोलतनगर, बोरीवली (ईस्ट) बम्बई-66

35. अंधेरी-बम्बई (महाराष्ट्र) :

गणीवर्य श्री पुष्पचन्द्र विजय जी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—शातावाडी, जैन उपाश्रय,

अंधेरी (वेस्ट) बम्बई-58

36. रिलीफरोड-अहमदाबाद (गुज.)

प्रवर्तक श्री निरजन विजय जी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री निरजन ज्ञानमंदिर,

शेखनो पाडो, रिलीफ रोड अहमदाबाद (गुज)

37. पालीताणा (गुजरात) :

श्री विद्यानन्द जी म सा . आदि ठाणा (2)

पता—श्री जितेन्द्र सूरि ज्ञान मंदिर,

ओपीपी पो ओ, गली मे, पालीताणा

(सौराष्ट्र-गुजरात)

38. दादर-बम्बई (महाराष्ट्र) :

श्री जस विजय जी म. सा आदि ठाणा (1)

पता—श्री शांतिनाथ जैन देरासर,

भवानी शंकर रोड, कवूतरखाना,

दादर, बम्बई-28

39. पालीताणा (गुजरात) :

श्री जिनचन्द्र विजय जी म. सा. आदि ठाणा (2)

पता—श्री केशरियाजी नगर,

तलेटी रोड, पालीताणा-364270 (गुजरात)

40. सूरत (गुजरात) :

श्री नय किर्ती विजयजी म सा आदि ठाणा (1)

पता—श्री जैन देरासर,

कतारगाम, सूरत (गुजरात)

41. जैसर (गुजरात) :

श्री नयचन्द्र विजय जी म. सा आदि ठाणा (2)

पता—श्री जैन उपाश्रय,

मु पो जैसर वा सावारकुडला (सौराष्ट्र) (गुज.)

42. तलेगाँव (महाराष्ट्र) :

श्री विद्याचन्द्र विजय जी म. सा आदि ठाणा (2)

पता—श्री जैन देरासर उपाश्रय,

मु पो तलेगाँव ता डाभडा जि थाणा

43. मणीनगर-अहमदाबाद (गुजरात) :

श्री रत्नप्रभ विजय जी म. सा आदि ठाणा (2)

पता—श्री मणीनगर जैन देरासर उपाश्रय,

स्टेशन के पास, अहमदाबाद -8 (गुजरात)

44. सूरत (गुजरात) :

श्री हितचन्द्र विजय जी म. सा. आदि ठाणा (2)

पता—श्री हरिपुरा जैन उपाश्रय,

शीतलनाथ देरासर के पास, सूरत (गुजरात)

45. खंभात (गुजरात) :

श्री स्थुलीभद्र विजय जी म सा आदि ठाणा (2)

पता—श्री लाडवाडो उपाश्रय,

मु पो खंभात जि खेडा (गुजरात)

46. भावनगर (गुजरात) :

श्री दर्शन विजय जी म. सा आदि ठाणा (6)

पता—मेरु उद्यान, शास्त्रीनगर, विजयराज नगर,

भावनगर (गुजरात)

47. पालीताणा (गुजरात) :

श्री कुशलचन्द्र विजय जी म. सा

आदि ठाणा (2)

પતા—શ્રી મુડરાસના ધમપાતા,
તપાદી ગાઢ, પાતાપાતા (ગજરાત)

18 અમલદાવાદ (ગુજરાત)

શ્રી ન રીપા વિજય પી મ મા આદિ ઠાળા (2)

પતા—શ્રી તાગજી મુદરજી પી પાત
પાતેન પાત અમલદાવાદ 1

49 નવજીવન પમ્પઈ (મહારાષ્ટ્ર)

શ્રી મહાપગ વિજય જી મ મા આદિ ઠાળા (1)

પતા—નવજીવન સોતાપદી,
સ્નાત ન 17 1, તમાપટા ગાઢ, અમ્બદ 4

50 ધરતી-અમ્બઈ (મહારાષ્ટ્ર)

શ્રી મુમન વિજય જા મ મા આદિ ઠાળા (3)

પતા—શ્રી મમનનાથ જન દેરાત,
પરત મંગલ મુકુમદિર પામે, પર્તી (તાતા)
પર્તી અમ્બઈ 14

સાધ્યોર્વાજી સમુવાય

1 માધ્વી શ્રી પદ્મા શ્રી જી મ મા

માધ્વી શ્રી પ્રમાદ શ્રી જી મ મા

આદિ ઠાળા (12)

પતા—પાદમાદર માવનગર (ગુજ)

2 માધ્વી શ્રી તયપૂના શ્રી જી મ મા

આદિ ઠાળા (5)

પતા—દાદાવાડી માવનગર, (ગુજરાત)

3 માધ્વી શ્રી વિરજા પાતા શ્રી જી મ મા

આદિ ઠાળા (2)

પતા—દાદાવાડી માવનગર, (ગુજરાત)

4 માધ્વી શ્રી વિરજાપાતા શ્રી જી મ મા

આદિ ઠાળા (8)

પતા—તારા વાગાર, માવાગર (ગુજરાત)

5 શ્રી રાજમતી શ્રી જી મ મા

આદિ ઠાળા (16)

પતા—તારા વાગાર, માવાગર (ગુજરાત)

6 માધ્વી શ્રી રૂપા પાતા શ્રી જી મ મા

આદિ ઠાળા (3)

પતા—તીર્થધમપાતા, તાગાર (ગજરાત)

7 માધ્વી શ્રી વિરજા શ્રી જી મ મા

આદિ ઠાળા (5)

પતા—તોટા જનીત, માવનગર, (ગુજરાત)

8 માધ્વી શ્રી રૂપા પાતા શ્રી જી મ મા

આદિ ઠાળા (4)

પતા—પાતાગર, તાગાર તોટ માવાગર (ગજરાત)

9 માધ્વી શ્રી વાના શ્રી જી મ મા

આદિ ઠાળા (2)

પતા—રાવનપુરી વાગાર, માવાગર (ગુજરાત)

10 માધ્વી શ્રી વિરજાપાતા શ્રી જી મ મા

આદિ ઠાળા (5)

પતા—જન રૂપાધય, માવનગર (ગુજરાત)

11 માધ્વી શ્રી રાજપાતા શ્રી જી મ મા

આદિ ઠાળા (9)

પતા—જાસ્તીનગર, માવાગર (ગુજરાત)

12 માધ્વી શ્રી રાજપ્રમા શ્રી જી મ મા

આદિ ઠાળા (8)

પતા—ગજરાત મ (ગુજરાત)

13 શ્રી સનિત પ્રમા શ્રી જી મ મા

આદિ ઠાળા (2)

પતા—વન્ય વિહાર, પાલીતાણા, (ગુજરાત)

14 માધ્વી શ્રી પુષ્પાદેરી શ્રી જી મ મા

આદિ ઠાળા (1)

પતા—પાલીતાણા (ગુજરાત)

15 साध्वी श्री समययशा श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (1)

पता.—पालीताणा (गुजरात)

16. साध्वी श्री भाग्य यशा श्री जी म. सा

आदि ठाणा (1)

पता.—पालीताणा (गुजरात)

17. साध्वी श्री हर्षलता श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (1)

पता.—पालीताणा (गुजरात)

18. साध्वी श्री मजुला श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (1)

पता.—पालीताणा (गुजरात)

19. साध्वी श्री पुष्पा श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (12)

पता.—चपा प्रज्ञा भण्डार, खभात (गुजरात)

20. साध्वी श्री पद्मा श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (1)

पता —लक्षपोल, खभात (गुजरात)

21. साध्वी श्री रविन्द्रप्रभा श्री जी म. सा

आदि ठाणा (3)

पता.—लक्षपोल, खभात (गुजरात)

22. साध्वी श्री चन्द्रप्रभा श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता.—लक्षपोल, खभात (गुजरात)

23. साध्वी श्री सुशीला श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता —. . . ., खभात (गुजरात)

24. साध्वी श्री पूर्णभद्रा श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (10)

पता —जीरालापाड़ा, कीर्तिशाला, खभात (गुजरात)

25. साध्वी श्री सौभ्यलता श्री जी म. सा

आदि ठाणा (1)

पता.—खेड़ा (गुजरात)

26. साध्वी श्री ललित दर्शन श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (1)

पता:—श्रीमाली वगमो, बोरसद (गुजरात)

27. साध्वी श्री सूर्यप्रभा श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (9)

पता —प्रवीण पोपधशाला, बर्डीदा (गुजरात)

28 साध्वी श्री हर्ष प्रभा श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (5)

पता.—अकलेश्वर (गुजरात)

29. साध्वी श्री मयणरेहा श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता.—सूरत (गुजरात)

30. साध्वी श्री कल्पपूर्णा श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (4)

पता.—सूरत (गुजरात)

31 साध्वी श्री रविन्द्रप्रभा श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (10)

पता.—कल्याण-बम्बई (महाराष्ट्र)

32. साध्वी श्री प्रवीणा श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (13)

पता.—माटूंगा किंग्स सर्कल, बम्बई

33. साध्वी श्री चन्द्रलता श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (6)

पता —विलेपार्ला (पूर्व) बम्बई

34. महा. श्री विमलयशा श्री जी म. सा

आदि ठाणा (2)

पता.—आराधना भुवन,

विलेपार्ला (वेस्ट) बम्बई

35. महा. श्री सौभ्यप्रभा श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (7)

पता.—शातावाड़ी, अंधेरी, बम्बई

- 36 महा श्री विशालनदी श्री जी म मा
जादि ठाणा (2)
पता -आहिम, बम्बई
- 37 महा श्री रजन श्री जी म मा
जादि ठाणा (2)
पता -जातिनाथ दगमर, पायधुनी बम्बई
- 38 महा श्री हहमना श्री जी म मा
जादि ठाणा (12)
पता -नरमरी (पंजरात)
- 39 महा श्री चन्द्रादया श्री जी म मा
जादि ठाणा (3)
पता -जाणद (गुजरात)
- 40 महा श्री चन्द्रकान्ता श्री जी म मा
जादि ठाणा (3)
पता -गुमापागवनी पान, अहमदाबाद
- 41 महा श्रीमती श्री जी म मा
जादि ठाणा (4)
पता -गुमा पागवनी पान अहमदाबाद
- 42 महा श्री धृतिपया श्री जी म मा
जादि ठाणा (3)
पता -धना मुबार पान, अहमदाबाद
- 43 महा श्री कुमुद श्री जी म मा
जादि ठाणा (5)
पता -दादा बिनयानी पान, अहमदाबाद
- 44 महा श्री सुवणप्रभा श्री
जादि ठाणा (6)
पता -देवीनमल स्वाध्याय मंदिर, अहमदाबाद
- 45 महा श्री सूर्यप्रभा श्री जी म मा
जादि ठाणा (10)
पता -लाडा पाटीनी पान, अहमदाबाद
- 46 महा श्री स्वयंप्रभा श्री जी म मा
जादि ठाणा (7)
पता -शांति बन, अहमदाबाद
- 47 महा श्री दणयशा श्री जी म मा
जादि ठाणा (10)
पता -जैन नगर, रंग वर्या मामावटी, अहमदाबाद
- 48 महा श्री पुष्पप्रभा श्री जी म मा
जादि ठाणा (4)
पता -छाटीया चार रास्ता, अहमदाबाद
- 49 महा श्री जयवाता श्री जी म मा
जादि ठाणा (7)
पता -कृष्ण नगर, नराडा राड, अहमदाबाद
- 50 महा श्री सुवण प्रभा श्री जी म मा
जादि ठाणा (5)
पता -वाघेश्वरी पाल, अहमदाबाद
- 51 माध्वी श्री नतथी जी म मा
जादि ठाणा (3)
पता -शामनानी पाल, अहमदाबाद
- 52 माध्वी श्री बीनमुणा श्री जी म मा
जादि ठाणा (6)
पता -चार गान्ना, नवरगपुग, अहमदाबाद
- 53 साध्वी श्री चरित श्री जी म मा
जादि ठाणा (9)
पता -पदमनगर, साबरमती, अहमदाबाद
- 54 माध्वी श्री मयणयशा श्री जी म मा
- - -
- - -
- 54 साध्वी श्री मयणयशा श्री जी म मा
जादि ठाणा (7)
पता -साबरमती, अहमदाबाद (गुजरात)
- 55 साध्वी श्री ग्यणयशा श्री जी म मा
जादि ठाणा (5)
पता -पालनपुर (गुजरात)

56. साध्वी श्री कान्तगुण श्री जी म सा.

आदि ठाणा (6)

पता:—धारांगंधा (गुजरात)

57. साध्वी श्री विद्युत्प्रभा श्री जी म. सा

आदि ठाणा (15)

पता.—मोरवी (गुजरात)

58. साध्वी श्री धर्मिष्ठा श्री जी म सा

आदि ठाणा (3)

पता.—सुरेन्द्रनगर (सौराष्ट्र) (गुजरात)

59. साध्वी श्री विनितयशा श्री जी म सा

आदि ठाणा (12)

पता.—सुरेन्द्रनगर (सौराष्ट्र) (गुजरात)

59. साध्वी श्री विनितयशा श्री जी म सा.

आदि ठाणा (12)

पता.—सुरेन्द्रनगर (सौराष्ट्र) (गुजरात)

60. साध्वी श्री ज्ञातयशा श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता —सुरेन्द्रनगर (सौराष्ट्र) (गुजरात)

61. साध्वी श्री मनोरमा श्री जी म सा. आदि ठाणा (4)

पता —नरोडा, अहमदाबाद (गुजरात)

कुल चातुर्मास संतों का 50 कुल संत 166

कुल चातुर्मास साध्वीयो का 61 कुल साध्वीयों 335

कुल 111 कुल 501

कुल चातुर्मास 111 संत 166 साध्वीयों 335 कुल 501

संक्षिप्त पद तालिका

आचार्य	19
उपाध्याय	3
पन्यास	18
गणि	5
प्रवर्तक	2
मुनि	166
साध्वीया	335
कुल ठाणा	501

ज्ञान रूप गंगा के अन्दर, जो जन कोई नहाता है ।
कर्म मैल से मुक्त होय तब, विश्वनाथ बन जाता है ॥

With best compliment from :

**Shah Parasmal
Shantilal Daga**

**M/s. Rajendra
Jewellers**

437, Sampige Road, Malleshwaram
Bangalore-560003 (Karnatka)

Tel. No 369312
363776

आराम, अगर तुम चाहते हो, तो ऐमालो पर ध्यान करो ।
अच्छे का बदला अच्छा है, यह नीति वाक्य परमान करो ॥

With best compliments from :

**M/s. Inder
Jewellery Mart**

86 Sampige Road, Malleshwaram
Bangalore-560003 (Karnatka)
Tel. No. 36479

आगमोद्धारक आचार्य प्रवर श्री आनन्दसागर सूरेश्वरजी म सा का समुदाय

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्र सागर सूरेश्वरजी म सा.
के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वीयाँजी म सा

सत समुदाय

1 गोडोजी घन्वई (महाराष्ट्र)

1 गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्रसागर
सूरेश्वरजी म सा

आदि ठाणा (7)

पता — श्री गाडोजी जन उपाश्रय,

12 पायजुनी, विजय घन्वई चाण, अम्बे 3

2 मुमरपुर (राजस्थान)

आचार्य श्री गणेश सागर सूरेश्वरजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता — श्री बासु पूज्य स्वामी जन पढ़ी
मुमरपुर, जि पाला (राजस्थान)

3 कपडवज (गुजरात)

आचार्य श्री चिन्मय दगागर सूरेश्वरजी म सा

आदि ठाणा (4)

पता — श्री जन उपाश्रय, सातीनाबनी खडरी,
हाली बकला, कपडवज

4 पालनपुर (गुजरात)

आचार्य श्री कचन सागर सूरेश्वरजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता — श्री तपागच्छ जन उपाश्रय,
गठामण दरवाजा, पालनपुर (राजस्थान)

5 पात्तीताणा (गुजरात)

आचार्य श्री सुयोदय सागर सूरेश्वरजी म सा

आदि ठाणा (7)

पता — साण्डराय भवन, जन उपाश्रय, पात्तीताणा (गुज)

6 ऊसा (गुजरात)

पयाम श्री अमय सागरजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता — श्री महात्मा पदा जा उपाश्रय, ऊसा (गुजरात)

7 बाकानेर (गुजरात)

पयाम श्री गोनाय सागरजी म सा

आदि ठाणा (1)

पता — श्री तपागच्छ श्री मध, जा उपाश्रय,
बाकानेर (राजस्थान)

8 जोरावर नगर (गुजरात)

पयाम श्री नन्द सागरजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता — श्री जैन उपाश्रय, रत्नागणजी आनन्दजी पढ़ी,
जोरावरनगर (गुजरात)

9 आलोड (राजस्थान)

पयाम श्री गेय सागरजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता — श्री जन उपाश्रय, पाधी चौक, आलोड (राज)

10 सूरत (गुजरात)

पयाम श्री हिमाणु सागरजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता — श्री जन उपाश्रय,
सप्राप्तपुरा, सूरत (गुजरात)

11. बोरसद (गुजरात) :

पन्याम श्री यशोभद्र सागर जी म सा
आदि ठाणा (4)

पता -श्री वीशा श्रीमाली जैन उपाश्रय,
बाजार मे, बोरसद (गुजरात)

12. पालडी-अहमदाबाद (गुजरात) :

पन्याम श्री अभ्युदय सागर जी म. सा
आदि ठाणा (7)

पता -भगवान नगर नो टेकरो, पालडी,
अहमदाबाद (गुजरात)

13. पूना (महाराष्ट्र) :

पन्यास श्री नरदेव सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)

पता:-श्री गोडीजी पार्श्वनाथ जैन मंदिर,
गुस्वार पेठ, पूना-2 (महाराष्ट्र)

14. कपडवंज (गुजरात) :

गणि श्री जितेन्द्र सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)

पता -श्री मि. गु जैन उपाश्रय,
दलालवाडा, कपडगंज जि (गुजरात)

15. सूरत (गुजरात) :

गणि श्री अशोक सागर जी म. सा
आदि ठाणा (4)

पता -जैन उपाश्रय,
नानपुरा अडवागेट, सूरत (गुजरात)

16. नारायणपुरा-अहमदाबाद (गुजरात) :

गणि श्री कल्याण सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)

पता -श्री जैन उपाश्रय,
जवेरी पार्क, नारायणपुरा, अहमदाबाद-13 (गुज.)

17. अंधेरी-बम्बई (महाराष्ट्र) :

गणि श्री महायश सागर जी म. सा.
आदि ठाणा (4)

पता -श्री पार्श्व दर्शन, जैन उपाश्रय,
जूना नागरदास रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई

18. जामनगर (गुजरात) :

गणि श्री निरजन सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)

पता -श्री वामा श्रीमाली जैन पाठशाला,
जामनगर (गुजरात)

19. राजकोट (गुजरात) :

गणि श्री जिनचन्द्र सागर जी म. सा
आदि ठाणा (4)

पता.-श्री जैन उपाश्रय,
माडवी चौक, राजकोट-360 001 (गुजरात)

20. इन्दौर (मध्यप्रदेश) :

गणि श्री हेमचन्द्र सागर जी म सा
आदि ठाणा (6)

पता -श्री जैन मंदिर उपाश्रय,
पीपली बाजार, इन्दौर-452 001 (म प्र)

21. सूरत (गुजरात) :

गणि श्री चन्दानन सागर जी म सा
आदि ठाणा (4)

पता.-श्री ने मे. वाडी, जैन उपाश्रय, सूरत (गुजरात)

22. जामनगर (गुजरात) :

श्री गुण सागर जी म सा.
आदि ठाणा (2)

पता -देववाग जैन उपाश्रय, जामनगर (गुजरात)

23. विलेपार्ला-बम्बई (महाराष्ट्र) :

श्री अमरेन्द्र सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)

पता -श्री घेलाभाई करमचंद जैन सेनेटोरियम,
विलेपार्ला (वेस्ट) बम्बई

24. पालीताणा (गुजरात) :

श्री गोतम सागर जी म सा.
आदि ठाणा (2)

- પતા—શ્રી જૈન ણાશ્રય, મિર્ગે વિહાર, પાલીતાણા (ગુજ) 32 પમાત (ગુજરાત)
શ્રી નરચંદ્ર માગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (2)
- 25 મૂરત (ગુજરાત)
શ્રી નન્દીમણ માગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (2)
- પતા—શ્રી ન મે વાડી જૈન ઉપાશ્રય,
ગાપીપુરા મૂરત (ગુજરાત)
- 26 અહમદાબાદ (ગુજરાત)
શ્રી નિયવધન માગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (2)
- પતા—શ્રી જૈન મામાયદો, પ્રાચ્ય વિદ્યા મંચન પામે,
અહમદાબાદ (ગુજરાત)
- 27 ચાલકેશ્વર-ચમ્બર્ડે (મહારાષ્ટ્ર)
શ્રી રવિદ્ર માગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (2)
- પતા—શ્રી મુખાશ્વનાથ જૈન ઉપાશ્રય, ચાલકેશ્વર, ચમ્બર્ડે-6
- 28 ઘાળસ્મા (ગુજરાત)
શ્રી મોમ શેઠર માગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (3)
- પતા—શ્રી જૈન ઉપાશ્રય,
માટી વાણિયાવાઝ ઘાળસ્મા (ગુજરાત)
- 29 પાટણ (ગુજરાત)
શ્રી રત્ન પેશ્વર માગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (2)
- પતા—શ્રી માગર ગચ્છ જૈન ઉપાશ્રય,
પાટણ, (ઉ ગુજરાત)
- 30 મોહલ (ગુજરાત)
શ્રી મુધમ માગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (2)
- પતા—શ્રી જા દેરામર, માટણ (મારાષ્ટ્ર-ગુજરાત)
- 31 ડમોઈ (ગુજરાત)
શ્રી કિર્તીવધન માગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (2)
- પતા—શ્રીમાલી વાળા, જૈન ઉપાશ્રય, ડમોઈ, (ગુજરાત)
- 32 પમાત (ગુજરાત)
શ્રી નરચંદ્ર માગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (2)
- પતા—શ્રી વીમા ખોસવાલ જૈન ઉપાશ્રય,
માળેક ચોક, પમાત (ગુજરાત)
- 33 અહમદાબાદ (ગુજરાત)
શ્રી જિન રત્ન માગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (3)
- પતા—શ્રી જૈન ઉપાશ્રય,
વાય મેંટર, શાનપુર, અહમદાબાદ (ગુજરાત)
- 34 ઉદયપુર (રાજસ્થાન)
શ્રી જયરત્ન માગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (2)
- પતા—શ્રી અજિતનાથજી જૈન ધર્મશાલા,
માલવા સ્ટ્રીટ, ઉદયપુર (રાજસ્થાન)
- 35 મહુવા (ગુજરાત)
શ્રી કુસલ માગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (1)
- પતા—શ્રી જૈન ઉપાશ્રય,
કેરીન ચોક, મહુવા (ગુજરાત) (મૌરાષ્ટ્ર)
- 36 મતાડ-ચમ્બર્ડે (મહારાષ્ટ્ર)
શ્રી પાયવધન માગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (3)
- પતા—શ્રી જૈન ઉપાશ્રય,
વેનાગન સ્ટીટ, મતાડ, ચમ્બર્ડે-64
- 37 સિદ્ધપુર (ગુજરાત)
શ્રી અનુપમમાગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (2)
- પતા—શ્રી જૈન ઉપાશ્રય, સિદ્ધપુર (ગુજરાત)
- 38 રતલામ (મધ્યપ્રદેશ)
શ્રી વમલ માગર જી મ મા
જાદિ ઠાળા (1)
- પતા—શ્રી જૈન ઉપાશ્રય, રતલામ (મ પ્ર)

साध्वीयाँजी समुदाय

39. अहमदाबाद (गुजरात) :

साध्वी श्री मंगल श्री जी म
साध्वी श्री मोहजीता श्री जी म आदि ठाणा (9)

पता:—जैन उपाश्रय, पांजरापोल, अहमदाबाद (गुजरात)

40. अहमदाबाद (गुजरात) :

साध्वी श्री खेती श्री जी म

आदि ठाणा

पता.—विजयनगर, रेलवे क्रासिंग सामे,
नारायणपुरा, अहमदाबाद-13

41. सूरत (गुजरात) :

साध्वी श्री मृगेन्द्र श्री जी म

आदि ठाणा

पता:—मंरछु दीपचन्द धर्मशाला,
गोपीपुरा, पाली फलीयु, सूरत (गुजरात)

42. रामपुरा (गुजरात) :

साध्वी श्री निपुणा श्री जी म आदि ठाणा

पता —जैन उपाश्रय, स्टेशन भकाडो रामपुरा
विरमगाव (गुजरात)

43. पाटन (गुजरात) :

साध्वी श्री निरूपमा श्री जी म आदि ठाणा

पता:—जैन उपाश्रय,
खडा कोटडी नो पाटो पंचासरा पासे पाटन (गुजरात)

44. पाटन (गुजरात) :

साध्वी श्री मलया श्री जी म आदि ठाणा

पता —श्री राजेन्द्रकुमार माणेकलाल के बंगले मे,
वहार्डि सेटर, अहमदाबाद (गुजरात)

45. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री प्रवीण श्रीजी म.

आदि ठाणा

पता —नयन नगर, वगला मे, कृष्णनगर,
— सेजपुर वोधा,
नरोडा रोड, अहमदाबाद (गुज.)

46. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री राजेन्द्र श्रीजी म.

आदि ठाणा

पता:—लक्ष्मीवंधंक सोसायटी जैन देरासर सामे,
विहार फ्लेट अहमदाबाद (पालड़ी विस्तार)

47. ऊंझा (गुजरात)

साध्वी श्री सद्गुणा श्रीजी म

आदि ठाणा

पता:—श्री जैन उपाश्रय,
मु पो ऊंझा जिला मेहसाना (गुज.)

48. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री सुतारा श्रीजी म.

आदि ठाणा (6)

पता:—जैन उपाश्रय,
ओ पी पी. जैन दूरोसर अहमदाबाद (गुज.)

49. जामनगर (गुजरात)

साध्वी श्री मोक्षानन्द श्रीजी म.

आदि ठाणा

पता —श्री बीसा श्रीमालीनो उपाश्रय,
लालबाग सामे, जामनगर (गुज.)

50. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री नीरंजनाश्रीजी म.

आदि ठाणा

पता:—श्री जयप्रेम उपाश्रय,
अहमदाबाद (गुजरात)

51. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री रोहिता श्रीजी म.

आदि ठाणा

पता:—जैन उपाश्रय, निर्णय नगर,
अहमदाबाद (गुज.)

- 52 कलोल (गुजरात)
साध्वी श्री नित्यानन्द श्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय,
जैन देरामर कलोल (गुज)
- 53 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री मुरन्दश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—गगन बिहार, जैन उपाश्रय,
खानपुर, अहमदाबाद
- 54 दीयोदर (गुजरात)
साध्वी श्री जित द्रश्रीजी म
आदि ठाणा (8)
पता—जैन देरामर उपाश्रय,
मु पो दीयोदर जि बनावकाठा (गुज)
- 55 सोहरा (गुजरात)
साध्वी श्री पूर्णानन्दश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन श्वेताम्बर उपाश्रय,
मु पो राजगढ (म प्र)
- 56 राजगढ़ (म प्र)
साध्वी श्री सुयशश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन श्वेताम्बर उपाश्रय,
मु पो राजगढ (म प्र)
- 57 बारडोली (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पलताश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय,
मु पा बारडोली जिला मूरत (गुज)
- 58 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री सुशीलाश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—अमारि बिहार धर्मशाला,
तलेटी रोड पालीताणा (गु)
- 59 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री कल्याणश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—अमणी बिहार,
रूम न 7, पालीताणा (गुज)
- 60 कपडवज (गुजरात)
साध्वी श्री केवलश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—माढना उपाश्रय,
दलाल बाडा, कपडवज (गुज)
- 61 कीम (गुजरात)
साध्वी श्री प्रणमश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—श्री जैन उपाश्रय,
जैन देरामर पास, कीम (गुज)
- 62 बीसनगर (गुजरात)
साध्वी श्री तत्त्वानन्दश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—श्री जैन उपाश्रय, बीसनगर (गुज)
- 63 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री जेष्ठाश्रीजी म
आदि ठाणा (8)
पता—श्वेतल पलेट, बर्हाई सेंटर,
खानपुर अहमदाबाद (गुज)
- 64 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री प्रणमगुणा श्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय,
देवकीनन्दन सोसायटी
अहमदाबाद (गुज)
- 65 मढी (गुजरात)
साध्वी श्री मृगलक्ष्मीश्रीजी म
आदि ठाणा

- पता:—जैन उपाश्रय,
मु.पो. मढ़ी जिला सूरत (गुज.)
66. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री चारुशीलाश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
- पता:—जैन उपाश्रय, चादला गली,
गोपीपुरा सूरत (गुज.)
67. सुमेरपुर (राजस्थान)
साध्वी श्री प्रशमशीलाश्रीजी म.
आदि ठाणा (10)
- पता:—श्री वासुपूज्य स्वामी जैन पेढी,
मु.पो. सुमेरपुर स्टे. जवाई बाध
जिला पाली (राज.)
68. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पज्ञाश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता —जैन उपाश्रय, केशवनगर,
आश्रम विस्तार, अहमदाबाद (गुज.)
69. मालवाड़ा (राजस्थान)
साध्वी श्री विजेताश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता —जैन उपाश्रय, मु.पो. मालवाड़ा
जिला जालोट (राज.)
70. रोगाँव (गुजरात)
साध्वी श्री वरधर्माश्रीजी म.
आदि ठाणा (7)
- पता:—जैन उपाश्रय, मु.पो. रोगाँव (गुज.)
71. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री भाविताश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता —जैन उपाश्रय, दरवाजानो खाचो,
शाहपुर, अहमदाबाद (गुज.)
72. पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री सुधर्माश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता.—श्री चम्पालाल जैन पाठशाला,
तबोली वाडो, पाटन (गुजरात)
73. चाणस्मा (गुजरात)
साध्वी श्री सुरज्याश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता:—जैन उपाश्रय, जैन देरासर पास चाणस्मा
जिला मेहसाना (गुज.)
74. आदरियाणा (गुजरात)
साध्वी श्री आत्मज्याश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
- पता.—जैन उपाश्रय, मु.पो. आदरियाणा
वाया विरमगाँव (गुज.)
75. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री धर्मज्ञाश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता:—नानपुरा पोषधशाला,
अडवा गेट, सूरत (गुज.)
76. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री सविज्ञाश्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता:—बहिनो का उपाश्रय,
बड़ाचौटा, सूरत (गुज.)
77. अंधेरी-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री सुशीमाश्रीजी म.
आदि ठाणा (4)
- पता.—श्री मनसुखलाल पोपटलाल, वर्मा नगर,
विल्डिंग न. 1, ब्लॉक 12, 1 माला,
अंधेरी (पूर्व) बम्बई
78. भिवण्डी (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री सुनयज्ञाश्रीजी म. आदि ठाणा (14)

- पता - श्री जैन उपाधय, सिंगी विहार, पानीनाणा (गज)
- 25 मूरत (गुजरात)
श्री नन्दीमेण मागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्री न मे चाटी जैन उपाधय,
गोपीपुरा, मूरत (गुजरात)
- 26 अहमदाबाद (गुजरात)
श्री नित्यवधन मागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्री जैन मामायादी, प्राच्य विद्या भवन पामे,
अहमदाबाद (गुजरात)
- 27 बालकेश्वर-बम्बई (महाराष्ट्र)
श्री रविद्र मागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्री मुरावनाथ जैन उपाधय, शानकेश्वर, बम्बई-6
- 28 चाणम्मा (गुजरात)
श्री मोम शेखर मागर जी म सा
आदि ठाणा (3)
पता - श्री जन उपाधय
माटी बाणियावाड चाणम्मा (गुजरात)
- 29 पाटन (गुजरात)
श्री रत्न शेखर मागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्री मागर गच्छ जैन उपाधय,
पाटन, (उ गुजरात)
- 30 गाडल (गुजरात)
श्री मुद्रम मागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्री जन देगमर, गाडल (मोराष्ट्र-गुजरात)
- 31 उभोई (गुजरात)
श्री किर्तिवदन मागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्रीमाली वामा, जैन उपाधय, उभोई, (गुजरात)
- 32 खमात (गुजरात)
श्री नरचन्द्र मागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्री बीमा जामनाथ जैन उपाधय,
माणेन चौक, खमात (गुजरात)
- 33 अहमदाबाद (गुजरात)
श्री जिन मागर जी म सा
आदि ठाणा (3)
पता - श्री जैन उपाधय,
शाय मॅटर, खानपुर, अहमदाबाद (गुजरात)
- 34 उदयपुर (राजस्थान)
श्री जयरत्न मागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्री अजितनाथजी जैन धर्मशाला,
मालवा स्ट्रीट, उदयपुर (राजस्थान)
- 35 मन्ना (गुजरात)
श्री कुमल मागर जी म सा
आदि ठाणा (1)
पता - श्री जैन उपाधय,
केलीन चौक, मन्ना (गुजरात) (मोराष्ट्र)
- 36 मलाड-बम्बई (महाराष्ट्र)
श्री न्यायवधन मागर जी म सा
आदि ठाणा (3)
पता - श्री जैन उपाधय,
वेनाएन स्ट्रीट, मलाड, बम्बई-64
- 37 सिद्धपुर (गुजरात)
श्री जनुपममागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्री जैन उपाधय, सिद्धपुर (गुजरात)
- 38 रतलाम (मध्यप्रदेश)
श्री कमल मागर जी म सा
आदि ठाणा (1)
पता - श्री जन उपाधय, रतलाम (म प्र)

39. अहमदाबाद (गुजरात) :

साध्वी श्री मंगल श्री जी म

साध्वी श्री मोहजीता श्री जी म. आदि ठाणा (9)

पता—जैन उपाश्रय, पाजरापोल, अहमदाबाद (गुजरात)

40. अहमदाबाद (गुजरात) :

साध्वी श्री खेती श्री जी म

आदि ठाणा

पता:—विजयनगर, रेलवे कासिंग सामे,

नारायणपुरा, अहमदाबाद-13

41. सूरत (गुजरात) :

साध्वी श्री मृगेन्द्र श्री जी म.

आदि ठाणा

पता:—मरछु दीपचन्द धर्मशाला,

गोपीपुरा, पाली फलीयु, सूरत (गुजरात)

42. रामपुरा (गुजरात) :

साध्वी श्री निपुणा श्री जी म

आदि ठाणा

पता—जैन उपाश्रय, स्टेशन भकाडो रामपुरा

विरमगाव (गुजरात)

43. पाटन (गुजरात) :

साध्वी श्री निरूपमा श्री जी म

आदि ठाणा

पता:—जैन उपाश्रय,

खडा कोटडी नो पाटो पंचासरा पासे पाटन (गुजरात)

44. पाटन (गुजरात) :

साध्वी श्री मलया श्री जी म

आदि ठाणा

पता—श्री राजेन्द्रकुमार माणिकलाल के बंगले मे,

बहाई सेटर, अहमदाबाद (गुजरात)

45. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री प्रवीण श्रीजी म.

आदि ठाणा

पता—नयन नगर, वंगला मे, कृष्णनगर,

—सेजपुर बोधा,

नरोडा रोड, अहमदाबाद (गुज.)

46. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री राजेन्द्र श्रीजी म.

आदि ठाणा

पता:—लक्ष्मीवर्धक सोसायटी. जैन देरासर सामे,

विहार फ्लेट अहमदाबाद (पालडी विस्तार)

47. अंझा (गुजरात)

साध्वी श्री सद्गुणा श्रीजी म

आदि ठाणा

पता:—श्री जैन उपाश्रय,

मु.पो. अंझा जिला मेहसाना (गुज.)

48. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री सुतारा श्रीजी म.

आदि ठाणा (6)

पता—जैन उपाश्रय,

ओ पी पी. जैन दूरोसर अहमदाबाद (गुज.)

49. जामनगर (गुजरात)

साध्वी श्री मोक्षानन्द श्रीजी म.

आदि ठाणा

पता—श्री बीसा श्रीमालीनो उपाश्रय,

लालबाग सामे, जामनगर (गुज.)

50. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री नीरंजनाश्रीजी म.

आदि ठाणा

पता.—श्री जयप्रेम उपाश्रय,

अहमदाबाद (गुजरात)

51. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री रोहिता श्रीजी म.

आदि ठाणा

पता.—जैन उपाश्रय, निर्णय नगर,

अहमदाबाद (गुज.)

साध्वीयाँजी समुदाय

39. अहमदाबाद (गुजरात) :

साध्वी श्री मंगल श्री जी म.

साध्वी श्री मोहजीता श्री जी म आदि ठाणा (9)

पता:-जैन उपाश्रय, पाजरापोल, अहमदाबाद (गुजरात)

40. अहमदाबाद (गुजरात) :

साध्वी श्री खेती श्री जी म.

आदि ठाणा

पता:-विजयनगर, रेलवे क्रासिंग सामे,

नारायणपुरा, अहमदाबाद-13

41. सूरत (गुजरात) :

साध्वी श्री मृगेन्द्र श्री जी म

पता:-मंरछु दीपचन्द धर्मशाला,
गोपीपुरा, पाली फलीयु, सूर

(गुजरात) :

श्री निपुणा श्री जी म

य, स्टेशन भका

जरा)

प

ता

ख

पाटन (गु

साध्वी श्री

ता:-श्री

वहाई

अहमदाबाद

साध्वी श्री

पता:-नयन नगर, वगला मे, कृष्णनगर,

— सेजपुर वोधा,

नरोडा रोड, अहमदाबाद (गुज.)

46. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री राजेन्द्र श्रीजी म.

आदि ठाणा

पता:-लक्ष्मीवर्धक सोसायटी जैन देरासर सामे,
विहार प्लेट अहमदाबाद (पालडी विस्तार)

47. ऊंझा (गुजरात)

साध्वी श्री सद्गुणा श्रीजी म

आदि ठाणा

श्री जैन उपाश्रय,

पु ओ ऊंझा जिला मेहसाना (गुज.)

आदि ठाणा

अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री सुतारा श्री

आदि ठाणा (6)

न उपाश्रय,

पी. पी. जैन व

नगर (गुजरा

साध्वी श्री मो

आदि ठाणा

श्री वीसा श्री

लक्ष्मी स

ज)

आदि ठाणा

म.

आदि ठाणा

- पता - श्री जन उपाश्रय, गिरी विहार, पालीताणा (गुज) 32 छ भात (गुजरात)
श्री नरचंद्र सागर जी म सा आदि ठाणा (2)
पता - श्री वीसा ओमवाल जैन उपाश्रय,
माणिक चौक, खभात (गुजरात)
- 25 सूरत (गुजरात)
श्री नन्दीमण सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्री न मे बाडी जैन उपाश्रय,
गोपीपुरा, सूरत (गुजरात)
- 26 अहमदाबाद (गुजरात)
श्री नित्यवधन सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्री जैन उपाश्रय,
ग्राय सेक्टर, खानपुर, अहमदाबाद (गुजरात)
- 27 बालकेश्वर बम्बई (महाराष्ट्र)
श्री रविंद्र सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्री सुधाश्वनाथ जैन उपाश्रय, बालकेश्वर, बम्बई-6
- 28 चाणस्मा (गुजरात)
श्री मोम शेखर सागर जी म सा
आदि ठाणा (3)
पता - श्री जैन उपाश्रय,
मोटी बाणियावाड चाणस्मा (गुजरात)
- 29 पाटण (गुजरात)
श्री रत्न शेखर सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्री सागर गच्छ जैन उपाश्रय,
पाटण, (उ गुजरात)
- 30 गोडल (गुजरात)
श्री सुधम सागर जी म सा आदि ठाणा (2)
पता - श्री जन देरामर, गाडल (सौराष्ट्र-गुजरात)
- 31 डभोई (गुजरात)
श्री किर्तिवधन सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्रीमाली वागा, जन उपाश्रय, डभोई, (गुजरात)
- 32 अहमदाबाद (गुजरात)
श्री जिन रत्न सागर जी म सा
आदि ठाणा (3)
पता - श्री जैन उपाश्रय,
ग्राय सेक्टर, खानपुर, अहमदाबाद (गुजरात)
- 33 उदयपुर (राजस्थान)
श्री जयरत्न सागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्री अजितनाथजी जैन धर्मशाला,
मालवा स्ट्रीट, उदयपुर (राजस्थान)
- 34 मन्नवा (गुजरात)
श्री कुसल सागर जी म सा
आदि ठाणा (1)
पता - श्री जैन उपाश्रय,
वेलीन चौक, महुवा (गुजरात) (मीराष्ट्र)
- 35 मलाड बम्बई (महाराष्ट्र)
श्री न्यायवधन सागर जी म सा
आदि ठाणा (3)
पता - श्री जैन उपाश्रय,
वैलाण्ड स्ट्रीट, मलाड, बम्बई-64
- 36 सिद्धपुर (गुजरात)
श्री जनुपमसागर जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता - श्री जन उपाश्रय, सिद्धपुर (गुजरात)
- 37 रतलाम (मध्यप्रदेश)
श्री वमल सागर जी म सा
आदि ठाणा (1)
पता - श्री जैन उपाश्रय, रतलाम (म प्र)

साध्वीयाँजी समुदाय

39. अहमदाबाद (गुजरात) :
साध्वी श्री मंगल श्री जी म
साध्वी श्री मोहजीता श्री जी म आदि ठाणा (9)
पता:—जैन उपाश्रय, पाजरापोल, अहमदाबाद (गुजरात)
40. अहमदाबाद (गुजरात) :
साध्वी श्री खेती श्री जी म
आदि ठाणा
पता:—विजयनगर, रेलवे क्रासिंग सामे,
नारायणपुरा, अहमदाबाद-13
41. सूरत (गुजरात) :
साध्वी श्री मृगेन्द्र श्री जी म
आदि ठाणा
पता:—मंरछु दीपचन्द धर्मशाला,
गोपीपुरा, पाली फलीधु, सूरत (गुजरात)
42. रामपुरा (गुजरात) :
साध्वी श्री निपुणा श्री जी म आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय, स्टेशन भकाडो रामपुरा
विरमगाव (गुजरात)
43. पाटन (गुजरात) :
साध्वी श्री निरूपमा श्री जी म आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय,
खडा कोटडी नो पाटो पंचासरा पासे पाटन (गुजरात)
44. पाटन (गुजरात) :
साध्वी श्री मलया श्री जी म आदि ठाणा
पता—श्री राजेन्द्रकुमार माणेकलाल के वगले मे,
वहाई सेटर, अहमदाबाद (गुजरात)
45. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री प्रवीण श्रीजी म.
आदि ठाणा
- पता—नयन नगर, वंगला में, कृष्णनगर,
—सेजपुर वोधा,
नरोडा रोड, अहमदाबाद (गुज.)
46. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री राजेन्द्र श्रीजी म.
आदि ठाणा
पता:—लक्ष्मीवर्धक सोसायटी जैन देरासर सामे,
विहार फ्लेट अहमदाबाद (पालडी विस्तार)
47. ऊंझा (गुजरात)
साध्वी श्री सद्गुणा श्रीजी म
आदि ठाणा
पता:—श्री जैन उपाश्रय,
मु पो. ऊंझा जिला मेहसाना (गुज.)
48. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री सुतारा श्रीजी म.
आदि ठाणा (6)
पता:—जैन उपाश्रय,
ओ. पी. पी. जैन दूरोसर अहमदाबाद (गुज.)
49. जामनगर (गुजरात)
साध्वी श्री मोक्षानन्द श्रीजी म.
आदि ठाणा
पता:—श्री बीसा श्रीमालीनो उपाश्रय,
लालवाग सामे, जामनगर (गुज.)
50. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री नीरंजनाश्रीजी म.
आदि ठाणा
पता:—श्री जयप्रेम उपाश्रय,
अहमदाबाद (गुजरात)
51. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री रोहिता श्रीजी म.
आदि ठाणा
पता:—जैन उपाश्रय, निर्णय नगर,
अहमदाबाद (गुज.)

- 52 कलोल (गुजरात)
साध्वी श्री नित्यानन्द श्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय,
जैन देरासर कलाल (गुज)
- 53 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री मुरेन्द्रश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—गगन विहार, जैन उपाश्रय,
खानपुर, अहमदाबाद
- 54 दीयोदर (गुजरात)
साध्वी श्री जितेन्द्रश्रीजी म
आदि ठाणा (8)
पता—जैन देरासर उपाश्रय,
मु पो दीयोदर जि बनासकाठा (गुज)
- 55 लोहरा (गुजरात)
साध्वी श्री पूर्णानन्दश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन श्वेताम्बर उपाश्रय,
मु पो राजगड (म प्र)
- 56 राजगड (म प्र)
साध्वी श्री सुयशाश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन श्वेताम्बर उपाश्रय,
मु पो राजगड (म प्र)
- 57 बारडोली (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पलताश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय,
मु पो बारडोली जिला सूरत (गुज)
- 58 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री सुशीलाश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—अमारि विहार धर्मशाला,
तनेटी रोड पालीताणा (गु)
- 59 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री कल्याणश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—श्रमणी विहार,
म न 7, पालीताणा (गुज)
- 60 कपडवज (गुजरात)
साध्वी श्री केवल्यश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—माढनो उपाश्रय,
दलाल वाडा, कपटान (गुज)
- 61 कीम (गुजरात)
साध्वी श्री प्रशमश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—श्री जैन उपाश्रय,
जैन देगसर पास, कीम (गुज)
- 62 बीसनगर (गुजरात)
साध्वी श्री तत्त्वानन्दश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—श्री जैन उपाश्रय, बीसनगर (गुज)
- 63 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री जेष्ठश्रीजी म
आदि ठाणा (8)
पता—श्वेतल फ्लेट, बहाई सेंटर,
खानपुर अहमदाबाद (गुज)
- 64 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री प्रशमश्रीजी म
आदि ठाणा
पता—जैन उपाश्रय,
देवकीनन्दन सोसायटी
अहमदाबाद (गुज)
- 65 मदी (गुजरात)
साध्वी श्री मंगलश्रीजी म

- पता.—जैन उपाश्रय,
मु.पो. मढी जिला सूरत (गुज.)
66. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री चारुशीलाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता:—जैन उपाश्रय, चादला गली,
गोपीपुरा सूरत (गुज.)
67. सुमेरपुर (राजस्थान)
साध्वी श्री प्रशमशीलाश्रीजी म
आदि ठाणा (10)
पता:—श्री वासुपूज्य स्वामी जैन पेढी,
मु.पो. सुमेरपुर स्टे जवाई बाध
जिला पाली (राज.)
68. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पज्ञाश्रीजी म.
आदि ठाणा
पता.—जैन उपाश्रय, केशवनगर,
आश्रम विस्तार, अहमदाबाद (गुज.)
69. मालवाड़ा (राजस्थान)
साध्वी श्री विजेताश्रीजी म.
आदि ठाणा
पता:—जैन उपाश्रय, मु.पो. मालवाड़ा
जिला जालोट (राज.)
70. रोगांव (गुजरात)
साध्वी श्री वरधर्माश्रीजी म.
आदि ठाणा (7)
पता —जैन उपाश्रय, मु.पो. रोगांव (गुज.)
71. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री भाविताश्रीजी म.
आदि ठाणा
पता —जैन उपाश्रय, दरवाजानो घाचो,
साहपुर, अहमदाबाद (गुज.)
72. पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री सुधर्माश्रीजी म
आदि ठाणा
पता:—श्री चम्पालाल जैन पाठशाला,
तवोली बाडो, पाटन (गुजरात)
73. चाणस्मा (गुजरात)
साध्वी श्री सुरज्याश्रीजी म.
आदि ठाणा
पता.—जैन उपाश्रय, जैन देरासर पासे चाणस्मा
जिला मेहसाना (गुज.)
74. आदरियाणा (गुजरात)
साध्वी श्री आत्मज्याश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता.—जैन उपाश्रय, मु.पो. आदरियाणा
वाया विरमगाँव (गुज.)
75. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री धर्मज्ञाश्रीजी म.
आदि ठाणा
पता:—नानपुरा पोपधशाला,
अडवा गेट, सूरत (गुज.)
76. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री सविज्ञाश्रीजी म.
आदि ठाणा
पता:—बहिनो का उपाश्रय,
बड़ाचौटा, सूरत (गुज.)
77. अंधेरी-वम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री सुशीमाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
पता:—श्री मनसुखलाल पोपटलाल, वर्मा नगर,
विल्डिंग न. 1, ब्लोक 12, 1 माला,
अंधेरी (पूर्व) वम्बई
78. भिवण्डी (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री सुनयज्ञाश्रीजी म. आदि ठाणा (14)

- पता —श्री भवरत्नाल बादलिया,
96, खडगपुर राड, समत्व सासायटी,
गोकुलनगर, भिवण्डी,
जिला ठाणा (महा)
- 79 बासद (गुजरात)
साध्वी श्री मोक्षरत्नाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता —जैन उपाध्य, जैन दरार पास,
मु पो बासद (गुजरात)
- 80 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री महाप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा
पता —मुभाप श्री, घनश्याम आश्रम विस्तार
अहमदाबाद (गुजरात)
- 81 पोरबंदर (गुजरात)
साध्वी श्री विदितरत्नाश्रीजी म
आदि ठाणा
पता —जैन सध ट्रस्ट, जैन देरासर पड़ी,
पारख चकतो, पोरबंदर (गुजरात)
- 82 कटोसण रोड (गुजरात)
साध्वी श्री नवरत्नाश्रीजी म
आदि ठाणा
पता —जैन उपाध्य,
मु पा कटोसण रोड (गुज)
- 83 खभात (गुजरात)
साध्वी श्री सुवोध्याश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
पता —जैन उपाध्य,
भोपरा पाडो, खभात (गुज)
- 84 बम्बई (गुजरात)
साध्वी श्री सामितगुणाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
- पा —अरविन्द कुज,
ताडदव एयर कडीशन मार्केट,
क सामन बम्बई (महा)
- 85 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री ध्यानश्रीजी म
आदि ठाणा (14)
पता —वल्लभ बिहार, रुम न 11,
पालीताणा (गुज)
- 86 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री पुष्पाश्रीजी म
आदि ठाणा (1)
(श्रमणी बिहार)
- 87 इंदौर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री तत्त्वज्ञाश्रीजी म
आदि ठाणा (14)
पता —मुंदरवाई पापधन्वाला,
शांतिनगर, इन्दौर (म प्र)
- 88 देवास (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री कमलप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
पता —श्री आदिनाथ जैन मंदिर,
बडा बाजार, देवास (मध्यप्रदेश)
- 89 बडौद (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री महेन्द्रश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता —जैन उपाध्य,
मु पो बडौद (मध्यप्रदेश)
- 90 इंदौर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री हेमप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता —गुलिया उपाध्य,
घास बाजार, इंदौर (म प्र)

91. उज्जैन (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री कुसुमश्रीजी म.
आदि ठाणा (4)
पता.—जैन उपाश्रय, खारा कुआ,
श्रीपाल मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)
92. उज्जैन (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री विमलप्रभाश्रीजी म.
आदि ठाणा (6)
पता.—श्री हीरसूरी बडा उपाश्रय,
श्रीपाल मार्ग, उज्जैन (म.प्र.)
93. आगर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री धैर्यताश्रीजी म
आदि ठाणा (6)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु.पो. आगर (मध्यप्रदेश)
94. शाजापुर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री विनयप्रभाश्रीजी म.
आदि ठाणा (4)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु.पो. शाजापुर (म.प्र.)
95. रामगंजमण्डी (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री सूर्योदयाश्रीजी म
आदि ठाणा (7)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु.पो. रामगंजमण्डी (राज.)
96. मन्दसौर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री करुण्योदयाश्रीजी म.
आदि ठाणा (7)
पता.—जैन उपाश्रय,
पोरवाल का मंदिर मन्दसौर (म.प्र.)
97. चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)
साध्वी श्री सौम्ययशाश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
- पता —श्री गुमानजी का मंदिर,
जैन उपाश्रय सध, चित्तौड़गढ़ (राज.)
98. कानवन (राजस्थान)
साध्वी श्री दमिताश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता.—श्री जैन उपाश्रय, मु.पो कानवन,
जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)
99. महिदपुर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री प्रियदर्शनाश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता.—श्री शान्तिनाथ जैन मंदिर,
जैन उपाश्रय, मु. पो. महिदपुर
जिला धार (म.प्र.)
100. सिकन्दराबाद (आन्ध्रप्रदेश)
साध्वी श्री पुण्योदयश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता.—श्री कथुनाथ जैन मंदिर एम.जी. मार्ग,
सिकन्दराबाद-3 (आन्ध्रप्रदेश)
101. नीमच (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री मदनरेखाश्रीजी म
आदि ठाणा (5)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु.पो नीमच जि मन्दसौर (म.प्र.)
102. डग (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री शीलरेखाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु.पो. डग (मध्यप्रदेश)
103. छोटी सादड़ी (राजस्थान)
साध्वी श्री विश्वप्रज्ञाश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)

- पता —जैन उपाश्रय, मु.पो. छोटी सादडी,
जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)
- 104 तखतगढ़ (राजस्थान)
साध्वी श्री निमलगुणाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
- पता —जैन उपाश्रय,
मु.पा. तखतगढ़ जिला धार (म.प्र.)
- 105 नवखेडा (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री पूर्णयशश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
- पता —श्री जैन उपाश्रय, मु.पा. नवखेडा,
जिला राजापुर (म.प्र.)
- 106 कसरावद (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री मुक्तिदशनाथीजी म
आदि ठाणा (3)
- पता —जैन उपाश्रय, मु.पा. कसरावद
जिला खरकन (म.प्र.)
- 107 रोहेंड (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री चाखरताश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
- पता —जैन उपाश्रय,
मु.पा. रोहेंड (म.प्र.)
- 108 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री गुणताश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
- पता —बल्लभ विहार, पालीताणा (गुजरात)
- 109 महेसाणा (गुजरात)
साध्वी श्री तीथरत्नाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
- पता —श्राविकाणा का उपाश्रय,
महेसाणा (गुज.)
- 110 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री चेलणाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
- पता —गिरा विहार, पालीताणा (गुज.)
- 111 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री विचक्षणाश्रीजी म
आदि ठाणा (12)
- पता —बल्लभ विहार पालीताणा (गुज.)
- 112 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री यशोधराश्रीजी म
आदि ठाणा (12)
- पता —धमणा विहार, पालीताणा (गुज.)
- 113 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री निलकंथीजी म
आदि ठाणा (2)
- पता —जैन नगर, पालडी,
अहमदाबाद (गुज.)
- 114 भुज-कच्छ (गुजरात)
साध्वी श्री विपुलयश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
- पता —तपागच्छ जैन पढी,
भुज-कच्छ (गुज.)
- 115 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री मयणाश्रीजी म
आदि ठाणा (6)
- पता —जैन उपाश्रय,
रखीवाल अहमदाबाद (गुज.)
- 116 कपडगज (गुजरात)
साध्वी श्री पदमलताश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
- पता —मचना उपाश्रय,
होली चकला कपडगज (गुज.)

117. पालीताणा श्रमणी विहार (गुजरात)

साध्वी श्री गुभंकरश्रीजी म.

आदि ठाणा (2)

118. पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री निरुपमाश्रीजी म

आदि ठाणा (3)

साध्वी श्री सुभोद्ध्याश्रीजी म

आदि ठाणा (2)

पता -मोती सुखीयानी धर्मशाला,
पालीताणा (गुज)

119. सूया (गुजरात)

साध्वी श्री मनकश्रीजी म

आदि ठाणा (6)

पता:-धनाजी उपाश्रय,
ओपीपी थोहलवाडी, सूया (गुज.)

120. पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री स्नेहप्रभाश्रीजी म.

आदि ठाणा (4)

पता -श्रमणी विहार पालीताणा (गुज)

121. पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री कनकप्रभाश्रीजी म

आदि ठाणा (3)

पता.-सूर्य शिशु साधना सदन,
पालीताणा (गुज.)

122. पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री हेमेन्द्रश्रीजी

आदि ठाणा (5)

पता-हजारी निवास पालीताणा (गुज.)

मा

123. वृहारी (गुजरात)

साध्वी श्री निरजनाश्रीजी म

आदि ठाणा (3)

पता -जैन उपाश्रय, मु.पो वृहारी
जिना सूरत (गुज)

124. सूरत (गुजरात)

साध्वी श्री आत्मज्ञाश्रीजी म.

आदि ठाणा (4)

पता:-जैन उपाश्रय,

सग्रामपुरा सूरत (गुज)

125. पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री आत्मप्रभाश्रीजी म

आदि ठाणा (4)

पता.-हजारी निवास रूम न 22,
पालीताणा (गुज)

126. कतारगाम सूरत (गुजरात)

साध्वी श्री हेमप्रभाश्रीजी म.

आदि ठाणा (2)

पता-जैन उपाश्रय,

कतारगाम सूरत (गुज.)

127. अरणोद (राज.)

साध्वी श्री आभानन्दश्रीजी म.

आदि ठाणा (3)

पता:-जैन उपाश्रय, अरणोद (राज)

128. चौटीला (गुजरात)

साध्वी श्री प्रमितज्ञाश्रीजी म

आदि ठाणा (2)

पता-जैन उपाश्रय, मु.पो चौटीला
भुज-कच्छ (गुज.)

129. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री वीरभद्राश्रीजी म.

आदि ठाणा (3)

पता:-नाथीवाई का उपाश्रय,

पतामा पोन्, अहमदाबाद (गुज)

130. शिरपुर (महाराष्ट्र)

साध्वी श्री कल्पगुणाश्रीजी म

आदि ठाणा (2)

- पता - जैन उपाश्रय,
जैन गली शिरपुर (महागढ़)
- 131 जहमदाबाद (गुजरात)
माध्वी श्री जयतजीनाथजी म आदि ठाणा (5)
पता - जैन उपाश्रय,
जोडप, जहमदाबाद (गुज)
- 132 पालीताणा (गुजरात)
माध्वी श्री चेलनाथजी म आदि ठाणा (3)
पता - गिरी बिहार, जाराघना केन्द्र,
पालीताणा (गुज)
- 133 राणपुर-सौराष्ट्र (गुजरात)
माध्वी श्री जजनाथजी म आदि ठाणा (9)
पता - जैन उपाश्रय,
राणपुर (सौराष्ट्र-गुजरात) मा

कुल चातुर्मास सत्ता के	38	कुल सत्त	115
कुल चातुर्मास सतियों के	95	कुल साध्वियाँ	573
कुल	133	कुल	688

कुल चातुर्मास 133 सत्त 115 साध्विया 573 कुल ठाणा 688

सत्त सती पद तालिका

आचार्य	5
उपाध्याय	-
पण्डित	8
गणि	8
प्रवक्त	-
मुनिराज	115
साध्वियाँ	573
कुल ठाणा	688

नोट - साध्विया की सूची म कुछ चातुर्मासा मे आदि ठाणाज
की सख्या नाव नहो हा सकी फिर भी कुल ठाणा की
सख्या यही दी गयी है अन पाठकग उन क्षेत्र की
सख्या अन्यद देने ।

-सम्पादक

समग्र जैन समाज के सभी पूज्य मुनिवरों
महामतीयोंजी म ना के चातुर्मास
हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान दर्शन
चारित्र तप की प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत
सफल बने ऐसी शुभ मंगल कामनाएँ
करते हैं

हार्दिक शुभ कामनाओ सहित-

Amarchand Rajendra Kumar

Wholesale Handloom &
Readymade Cloth Merchants

20, Mohan Market, GUWAHATI

781001 (Assam)

Phone 26992



पूज्य पन्थास प्रवर श्री धर्म विजयजी म. सा.
(डहेलावाला) का समुदाय

आचार्य प्रवर श्री विजय रामसूरीश्वर जी म. सा. के
आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म. सा.

संत समुदाय

1. बालकेश्वर-वम्बई (महा.)

1. आचार्य प्रवर श्री विजय रामसूरीश्वरजी
म. सा.

2. आचार्य प्रवर श्री विजय अभयदेव
सूरीश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (9)

पता:-बाबू अमीचंद पन्नालाल जैन, आदिश्वर टेम्पल
41 रीज रोड-तीन वत्ती
बालकेश्वर-वम्बई (महा.) 400006

2. कांदीवली (वेस्ट) वम्बई (महा.)

आचार्य श्री विजय अशोक चन्द्र सूरी जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता:-जैन देरासर उपाश्रय भुला भाई देसाई रोड,
मु. पो. कादीवली -वेस्ट वम्बई-400067

3. हिमंतनगर (गुजरात)

आचार्य श्री विजयभद्रमेन सूरीजी म. सा

आदि ठाणा (2)

जैन उपाश्रय, देरामरी पेढी,
मु. पो. हिमंत नगर जिला वनामकाठा (गुज.)

4. पायधुनी वम्बई (महा.)

आचार्य श्री विजय महानन्द सूरीजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता:-श्री नेमीनाथ जी जैन देरासर,
भीडी वाजार के नाके पर पायधुनी,
आई आर. रोड

वम्बई-400003 (महा.)

5. मलाड (वेस्ट) वम्बई (महा.)

आचार्य श्री विजय जयदेव सूरी जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता:-देवकरण मूलजी जैन देरासर,
स्टेशन रोड (आनन्द रोड)
मलाड वेस्ट

वम्बई-400064

6. कोट-वम्बई (महा.)

आचार्य श्री विजय यशोभद्र सूरीजी म. सा

आदि ठाणा (4)

पता -श्री शान्तिनाथ जैन देरासर,
बोरा वाजार, कवूतर खाना,
कोट वम्बई-400001 (महा.)

7. कांदीवली (वेस्ट) वम्बई (महा.)

गणि श्री हरिभद्रविजयजी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता -श्री वर्धमान भक्ति श्वे मूर्तिपूजक जैन संघ,
ईरानी वाडी, शान्तिलाल मोदी क्रोस रोड नं. 2
कादीवली-वेस्ट
वम्बई-400067

8. सिरोही (राज.)

गणि श्री विमल विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (4)

- पता—हीरमूरीचरजी जैन उपाश्रय
मानारवाडा
मु पा सिराही (राज)
9 मालवाडा (राजस्थान)
मुनि श्री वलभद्र विजयजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जैन उपाश्रय,
मु पो मालवाडा
वाया रानीवाडा जिला जालौर (राज)
10 गुजरात मे—(गुज)
मुनि श्री लमून विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—उपरोक्त
11 पालडी अहमदाबाद (गुज)
मुनि श्री कीर्तिराज विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जन उपाश्रय,
दशा पोरनाल जैन सोमायटी
पालडी बस स्टॉप के पीछे
पालडी-अहमदाबाद (गुज)
380007
12 अहमदाबाद (गुज)
मुनि श्री राजचन्द्र विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—इहेलावागा जन उपाश्रय,
डोशी वाडानीपोल
अहमदाबाद (गुज) 380001
13 कादीयली (वेस्ट) बम्बई (महा)
मुनि श्री वाति विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जन उपाश्रय, महावीर नगर, गकर तेन
कादीयली-(वेस्ट) बम्बई-400067
14 जघेरी (ईस्ट) बम्बई (महा)
मुनि श्री नरपानद विजय जी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री नरेश्वर पारनाथ जैन दरामर,
जुना नागर दाम राग,
अजमेरी-(ईस्ट)
बम्बई (महा) -4000069

साध्वीयांजी समुदाय

15 बालकेश्वर-बम्बई (महा)
माध्वी प्रभुमा श्री रजन श्री जी म सा
आदि ठाणा (3)
पता—उपराक्त क्रमांक 1 अनुसार
16 पायघुनी-बम्बई (महा)
साध्वी श्री सरस्वती श्री जी म
आदि ठाणा (3)
पता—श्री गाडीजी जन उपाश्रय,
12 पायघुनी, बम्बई-3
17 दावर बम्बई (महा)
माध्वी श्री हयहान्ना श्री जी म
आदि ठाणा (3)
पता—श्री भान्नीनाथ जन दरामर, कव्तर घाना के पास,
भवानी भकर राड, दावर (वेस्ट) बम्बई-28
18 बालकेश्वर-बम्बई (महा)
माध्वी श्री मृगलाचना श्री जी म
आदि ठाणा (3)
पता—कृष्ण कुच, ग्राउन्ड पत्तो, व्हास्ट हाउस के पास
वाकेश्वर, बम्बई-6
19 मलाठ-बम्बई (महा)
साध्वी श्री ज्योती पूणा श्री जी म
पता—मणी नूवन, जितन्द्र रोड, मलाठ (पूर्व)
बम्बई-64

20. कादिवली-बम्बई (महा.)

साध्वी श्री कल्पयशा श्री जी म.

आदि ठाणा (2)

पता—महावीर नगर, जैन उपाश्रय,

शकर गली, कादिवली (वेस्ट) बम्बई-67

21. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री रमणीक श्री जी म

आदि ठाणा (3)

पता—जैन उपाश्रय दोशीवाड़ा नी पोल, कसुवावाड,
अहमदाबाद-1

22. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री प्रिती श्री जी म.

आदि ठाणा (2)

पता—जैन उपाश्रय, जूना महाजन वाडा,
कटकियावाड, अहमदाबाद-1

23. अहमदाबाद (गुजरात)

1. साध्वी श्री चन्द्रा श्री जी म.

2. साध्वी श्री अमृतलता श्री जी म.

आदि ठाणा (12)

पता—जैन उपाश्रय, शान्तीनाथजी पोल, हाजी पटेल
नी पोल आरेडीनो, अहमदाबाद-1

24. रिलिफ रोड-अहमदाबाद (गुज.)

साध्वी श्री चतक श्री जी म.

पता:—श्री जैन उपाश्रय, धना सुवार नी पोल, रिलिफ रोड
अहमदाबाद-1

25. अहमदाबाद-(गुज.)

साध्वी श्री विचक्षणाश्री जी. म.

आदि ठाणा (5)

पता—जैन उपाश्रय, पंच भाई नी पोल, की काटा रोड,
अहमदाबाद-1

26. नवावाड़-अहमदाबाद (गुज.)

साध्वी श्री मुलोचना श्री जी म.

आदि ठाणा (2)

पता—शान्ता बेहन माणकलाल शाह

12 मीना पार्क नवावाड़ज, भरवाडवास पास
अहमदाबाद-13

27. शाहपुर-अहमदाबाद (गुज.)

साध्वी श्री ललिता श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता.—जैन उपाश्रय, मंगल पारेख नो खाचो, ,
शाहपुर, अहमदाबाद-1

28. सारंगपुर-अहमदाबाद (गुज.)

साध्वीश्री सुरलता श्री जी म.

ठाणा (1)

पता.—जैन उपाश्रय, तलिया नी पोल, सारंगपुर,
अहमदाबाद-1

29. वासणा-अहमदाबाद (गुज.)

साध्वी श्री सुलोचना श्री जी म.

पता—मृदग आपर्टमेट्स, वी—65, खाड़ा में वसणा,
अहमदाबाद-3

30. नाराणपुरा-अहमदाबाद (गुज.)

साध्वी श्री सुव्रतप्रभाश्रीजी म.

आदि ठाणा (3)

पता.—जैन उपाश्रय, देशना अपार्टमेट्स,
मीराम्बीका रोड, नाराणपुरा
अहमदाबाद-13

31. शाहपुर-अहमदाबाद (गुज.)

साध्वी श्री किर्तीपूर्णा श्री जी म.

आदि ठाणा (3)

पता:—जैन उपाश्रय, मंगल पारेख नो खाचो, कयालीदास नी
पोल, शाहपुर-अहमदाबाद-1

32. अहमदाबाद (गुज.)

साध्वी श्री विमला श्री जी. म.

आदि ठाणा (8)

- 33 पालडी-अहमदाबाद (गुज)
माधवी श्री प्रसन्नप्रभा श्री जी म
आदि ठाणा (6)
पता—दशा पारवाल मोसायटी, आयबिल शाला उपाध्य,
पालडी वय म्टाप के पीछे, पालडी अहमदाबाद
(गुज)
- 34 बासणा रोड-अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री विमला श्री जी म
आदि ठाणा (5)
पता—शीलपालय बी-35, महादय जैन स्वाध्याय मंदिर
बासणा राड, अहमदाबाद-7
- 35 सावरमती-अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री चन्द्रावया श्री जी म
पता—श्री जैन उपाध्य, वरसाटा नी चाल, रामनगर,
सावरमती, अहमदाबाद-5,
- 36 सावरमती-अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री निमला श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—भूरी बाई जैन उपाध्य, हीरा सासायटी
रामनगर सावरमती अहमदाबाद-5
- 37 सावरमती-अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री पूणमाला श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—भीतानली नगर, महद्र श्री जी जाराधना भवन,
डी के पास सावरमती, अहमदाबाद-5
- 38 बेंडा (राजस्थान)
माधवी श्री धमप्रनाश्री जी म
आदि ठाणा (1)
पता—जैन उपाध्य मु पा बेंडा
स्टेशन मोरी बेंडा जिला पाली (राज)
- 39 सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री समयपूर्णा श्री जी म
आदि ठाणा (9)
पता—8/1220 साहली अपाटमटम्, वशाला व
राजू म, श्माला, गोपीपुरा, काजी का मंदान,
सूरत (गुज)
- 40 टोटोई-(गुजरात)
साध्वी श्री अनिल प्रभा श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाध्य, जैन देरासर पढी मु पा दिटाइ
बाया माडामा जिला मवरकाठा (गुज)
- 41 कुवाला (गुज)
साध्वी श्री मालिकरत्ना श्री जी म
आदि ठाणा (3)
पता—जैन उपाध्य, मु पा कुवाला ता दिआवर जिला
वनासकाठा (गुज)
- 42 मडवारिया (राज)
साध्वी श्री कल्पकला श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाध्य मडवारिया जिला सिराही (गुज)
- 43 सिराही (राजस्थान)
साध्वी श्री मुक्ति पूणाधीजी म
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाध्य, जैन बी सी सानारवाडी
मु पा सिराही (राज)
- 44 निम्बज (राज)
साध्वी श्री प्रिय यशा श्री जी म
आदि ठाणा (3)
पता—जैन उपाध्य, आवू राड, मु पा निम्बज
बाया दातराई जिला सिराही (राज)
- 45 बरतेज (गुज)
माधवी श्री मोद्री श्री जी म
आदि ठाणा (3)
पता—जैन उपाध्य, मु पो बरतेज
जिला भावनगर (गुजरात)

46. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री पदमलता श्री जी म.
आदि ठाणा (8)
पता—मोतीसुखीया जैन धर्मशाला
पालीताणा—(गुज.)
47. इन्दौर (मध्य प्रदेश)
साध्वी श्री जयती श्री जी म.
आदि ठाणा (14)
पता.—वकुला बेन सेवतीलाल जैन पोषध शाला
जेलरोड़ तोपखाना गली न. 3
इन्दौर—(मध्यप्रदेश)
48. वरलुट (ट्टाजस्थान)
साध्वी श्री चारित्रपूर्णा श्री जी म.
आदि ठाणा (3)
पता:—जैन उपाश्रय, मु. पो. वरलुट
जिला सिरोही (म. प्र.)
49. चाणस्मा (गुजरात)
साध्वी श्री रत्नप्रभा श्री जी म
ठाणा (1)
पता—जैन उपाश्रय, मोटी बाणिया बाड, मु. पो. चाणस्मा
जिला रेहसाना (गुज.)
50. पुरण (राज.)
साध्वी श्री सूर प्रभा श्री जी म.
पता.—जैन उपाश्रय मु. पो. पुरण बाया मालवाडा
जिला जालौर (राज.)
51. करवटिया (गुजरात)
साध्वी श्री जयलता श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता.—श्री जैन उपाश्रय मु. पो. करवटिया
ता खेरालु जिला महेसाना (गुज.)
52. लुणावाड़ा (राज.)
साध्वी श्री वसंत श्री जी म
आदि ठाणा (4)
पता—जैन उपाश्रय, दहेरा फली, मु. पो. लुणावाडा
जिला पंच महल (गुज.)
53. मंडार (राज.)
साध्वी श्री मजुला श्री जी म.
आदि ठाणा (4)
पता:—जैन उपाश्रय, मु. पो. मंडरा बाया आवू रोड
जिला सिरोही (राज.)
54. हिम्मतनगर (गुज.)
साध्वी श्री मोक्षरत्ना श्री जी म.
आदि ठाणा (4)
पता.—वहिनो का उपाश्रय जूना बाजार, छोटे देरासर के
बाजू मे हिम्मत नगर (गुज.)
55. वाकडिया-बड़गाँव (गुज.)
साध्वी श्री सवेग पूर्णा श्री जी म.
आदि ठाणा (3)
पता.—जैन उपाश्रय, मु. पो. वाकडिया-बड़गाँव
बाया राणीवाड़ा जिला जालौर (राज.)
56. उदयपुर (राज.)
साध्वी श्री विमला श्री जी म.
आदि ठाणा (16)
पता.—श्री अजितनाथजी जैन धर्मशाला,
मालदास महरी, उदयपुर (राज.)
57. डूंगरपुर (राज.)
साध्वी श्री भद्रपूर्णा श्री जी म.
आदि ठाणा (5)
पता—श्री चादमलजी दावड़ा
c/o श्री आदिनाथ जैन क्लोथ स्टोर्स
मु. पो. डूंगरपुर (राज.)
58. मन्दसौर (म. प्र.)
साध्वी श्री शील कान्ता श्री जी म.
पता—श्री मुरेन्द्र सूरजी ज्ञान मंदिर ट्रस्ट
मंडल पचायत के सामने नई आवादी मन्दसौर (म. प्र.)

59 रेवदर (राजस्थान)

माधवी श्री तीर्थ प्रभा श्री जज म

आदि ठाणा (3)

पता - जैन उपाश्रय, मु पा रेवदर बाया आवू राड,
जिला सिराही (राज)

हादिक शुभ कामनाओं सहित—

60 बिहोर (गुज)

साध्वी श्री वसुम प्रभा श्री जी म सा

आदि ठाणा (3)

पता - जैन उपाश्रय मु पा बिहोर बाया तणसा
जिला भावनगर (गुज)गुमानचंद देवराज
टांढिया

61 जावाल (राज)

साध्वी श्री सुयप्रभा श्रीजी म

आदि ठाणा (5)

पता - जैन उपाश्रय मु पो जावाल
जिला सिराही (राज)

कपडे के व्यापारी

सदर बाजार जबलपुर (म प्र) 482002
फोन न 21867

62 ठाकुरद्वार-बम्बई (महा)

साध्वी श्री गुण वक्षा श्री जी म

आदि ठाणा (2)

पता - श्री शान्तीनाथजी जैन देरासर

जीतकर वाडी सामे ठाकुर द्वार राड बम्बई-2

हादिक शुभकामनाओं सहित—

कुल चातुर्मास सतो के	14	कुल सत	41
" " सतीयो के	48	कुल सतिमा	201
		कुल 62	242

कुल चातुर्मास 62, सत 41, सतीयां 201, कुल ठाणा 242

सत सती पद तालिका

आचार्य	7
उपाध्याय	नहीं
पयास	नहीं
गणि	2
प्रवक्त	नहीं
मुनिराज	41
सध्वीया	201
कुल ठाणा	242

सोभागमल
सुरेन्द्र कुमार
गाढिया

रतलाम (म०प्र०)

457001

पंजाब केशरी युगवीर आचार्य प्रवर श्री विजय वल्लभ-
सूरीश्वरजी म. सा. के समुदाय के साधु-साध्वियाँजी

परमार क्षत्रियोद्धारक आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय इन्द्रदिन्न
सूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वियाँजी

संत समुदाय

1. आकोला (महा.)

1. परमार श्रत्रियोद्धारक आचार्य देव श्रीमद्
विजय इन्द्र दिन्न सूरीश्वरजी म. सा.

गणिवर्य जगच्चन्द विजयजी म. सा

आदि ठाणा (18)

पता — आदिनाथ जैन मंदिर, ताजना पेठ,
जुना भाजी बाजार, आकोला-444001

2. पूना (महा.)

प्रतिबोधक आचार्य श्रीमद् विजय
जनकचन्द्र सूरीश्वरजी म.सा

आदि ठाणा (2)

3. अहमदाबाद (गुज.)

पन्यास श्री दर्शनविजयजी म.सा

आदि ठाणा (1)

पता—जैन उपाश्रय, नृणसा बाडा,
अहमदाबाद (गुजरात)

4. नकोदर (पंजाब)

पन्यास श्री जयविजयजी म मा

आदि ठाणा (4)

पता—जैन उपाश्रय, नकोदर, जिला-जालंधर.

पंजाब-111310

5. जोधपुर (राज.)

गणिवर्यश्री जयंत विजयजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता—जैन क्रिया भवन, आहीर की हवेली के पास,
जोधपुर (राज)

6. पूना (महा.)

गणिवर्यश्री रत्नाकर विजयजी म सा.

आदि ठाणा (4)

पता—आदिश्वर जैन मंदिर,
786, शुक्रवार पेठ,
पूना-2 (महाराष्ट्र)

7. अहमदाबाद (गुज.)

गणिवर्यश्री नित्यानन्दविजयजी म सा

प्रवचनकार मुनिश्री धर्मधुरंधर

विजयजी म सा

आदि ठाणा (4)

पता—मुनि सुव्रतस्वामी जैन मंदिर, पोस्ट आफिस के
पीछे, नवरंगपुरा अहमदाबाद (गुजरात)

8. खीमेल (राज.)

मुनिश्री मुक्तिविजयजी म मा

आदि ठाणा (2)

पता:—मु. पो खीमेल जैन उपाश्रय, बाया-रानी स्टेज
जिला-पाली (राज)

9. लाठारा (राज.)

मुनिश्री रामविजयजी म मा

आदि ठाणा (1)

- पता —जैन उपाश्रय, साठाठा,
स्टेशन फालना (राज)
- 10 अहमदाबाद (गुज)
मुनि श्री हांगविजयजी म सा
आदि ठाणा (1)
- पता —श्री आत्मवल्लभ उमग स्वाध्याय मंदिर,
सावरमती, रायनगर अहमदाबाद-5 (गुजरात)
- 11 नाडोल (राज)
मुनि श्री हिम्मतविजयजी म सा
आदि ठाणा (1)
- पता —जैन उपाश्रय, नाडोल
स्टेशन रानी (राज)
- 12 अहमदाबाद (गुज)
मुनि श्री निरंजनविजयजी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता —जैन उपाश्रय मंगल पारेखनो छात्रा,
शाहपुर, अहमदाबाद (गुजरात)
- 13 बडौदा (गुज)
मुनि श्री चंद्रोदयविजयजी म सा
आदि ठाणा (1)
- पता —25, शिवदृषा मातायटी, माचणपुर राड
तालगा बडौदा (गुजरात)
- 14 अम्बाला तिटी (हरि)
मुनि श्री जितेन्द्रविजयजी म सा
पता —जैन उपाश्रय, हनुवाई बाजार
अम्बाला तिटी (हरियाणा)
आदि ठाणा (1)
- 15 हस्तीनापुर (यूपी)
प पू मुनि श्री नन्दविजयजी म सा
आदि ठाणा (1)
- पता —आत्मानन्द जैन वाशधम, हस्तीनापुर
जिला मरठ (यूपी)
- 16 पालीताणा (गुज)
मुनि श्री बद्धमानविजयजी म सा
आदि ठाणा (1)
- पता —बल्लभ विहार,
पालीताणा, सौराष्ट्र (गुजरात)
- 17 सेवाडी (गुज)
मुनि श्री विशुद्धविजयजी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता —जैन उपाश्रय,
सेवाडी वाया-फालना,
जिला पानी (राजस्थान)
- 18 उमरकोई (गुज)
मुनि श्री सुशीलविजयजी म सा
आदि ठाणा (1)
- पता —जैन मंदिर, उमरकोई पो मढवारियाद,
ता नसवाडी, जिला-बडौदा (गुजरात)
- 19 बडौदा (गुज)
मुनि श्री गीतमविजयजी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता —जैन उपाश्रय, पुलिस चौकी के सामन,
माया की पोल, रावपुरा बडौदा (गुजरात)
- 20 नागपुर (महा)
मुनि श्री वीरेन्द्रविजयजी म सा
आदि ठाणा (4)
- पता —श्री श्वेताम्बर तपायच्छ मत्र, गुनाल सावगली
भाजी मण्डी, इतवारी बाजार, नागपुर-2
- 21 जगाधारी (हरियाणा)
मुनि श्री जयशेखरविजयजी म सा
आदि ठाणा (1)
- पता —जैन उपाश्रय टेम्पल,
जगाधारी (हरियाणा)
- 22 टेम्बीनाका (महा)
मुनि श्री यशोधरविजयजी म सा
आदि ठाणा (3)
- पता —मुनि सुव्रतस्वामीजी जैन मंदिर,
टेम्बी नाका, जिला थाना (महाराष्ट्र)

23. नागोठना (महा.)

मृनिश्री रवीन्द्रविजयजी म सा.

आदि ठाणा (2)

पता:-जैन धर्मशाला मु पो नागोठना
जिला रायगढ तह. रोहा (महा)

साध्वीजी समुदाय

1. बड़ौदा (गुज.)

1. प्रवर्तिनी साध्वीश्री विनीताश्रीजी म.सा,
2. साध्वी श्री मृक्तिश्रीजी, म. सा.
3. साध्वीश्री चन्द्रयशा श्रीजी म. सा
4. साध्वी श्री कुशलश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (10)

पता:-जैन महिला उपाश्रय, जानीशेरी,
घडियाली पोल, बड़ौदा (गुजरात)

2. पालीताणा (गुज.)

साध्वीश्री विद्याश्रीजी म स,
साध्वीश्री विनयश्रीजी म. सा.

आदि ठाणा (5)

पता:-श्रमणी विहार तलाठी रोड़ पालीताणा,
सौराष्ट्र (गुजरात)

3. अहमदाबाद (गुज.)

साध्वीश्री भद्राश्रीजी, म
साध्वीश्री सुज्ञानश्रीजी म सा

आदि ठाणा (5)

पता:-आत्म वल्लभ समुद्र स्वाध्याय मंदिर,
जैन मंदिर के पीछे,
रामनगर, सावरमती (अहमदाबाद)

4. दिल्ली

जैन भारती स्व साध्वीश्री मृगावतीजी म.सा.
की नुशिण्याएं

आदि ठाणा (4)

पता:-आत्मवल्लभ जैन भवन, 2/82, रूपनगर,
दिल्ली-110007

5. अहमदाबाद (गुज.)

साध्वीश्री सुभद्राश्रीजी म.

आदि ठाणा (3)

पता -वहनों का उपाश्रय, लुणसावाड़ा,
मोटी पोल, अहमदाबाद (गुजरात)

6. अहमदाबाद (गुज.)

साध्वीश्री सुधर्माश्रीजी म.

आदि ठाणा (1)

पता -सेठ का उपाश्रय, बाधणपोल
झांवेरी बाड, अहमदाबाद (गुजरात)

7. पालीताणा (सौराष्ट्र)

साध्वीश्री प्रविणश्रीजी म.

आदि ठाणा (3)

पता:-पंजाबी धर्मशाला, तलाठी रोड़,
पालीताणा, (सौराष्ट्र)

8. बलकेश्वर बम्बई (महा.)

साध्वीश्रीओमकारश्रीजी म.
साध्वीश्री कमलश्रीजी म.

आदि ठाणा (7)

पता:-बावू अमीचन्द पन्नालाल देरासर,
41, रीज रोड, बालकेश्वर, बम्बई-6

9. पालीताणा (सौराष्ट्र)

साध्वीश्री जितेन्द्रश्रीजी

आदि ठाणा (3)

पता:-गिरी विहार, पालीताणा (सौराष्ट्र)

10. पालीताणा (सौराष्ट्र)

साध्वीश्री जयश्रीजी म.
साध्वीश्री पद्मलताश्रीजी म.

आदि ठाणा (7)

पता:-खेतलावीर यांत्रिक भवन,
नलाटी रोड, पालीताणा (सौराष्ट्र)

11. नागौर (राज.)

शानन दीपिका साध्वीश्री सुमंगलाश्रीजी

आदि ठाणा (9)

पता:-बोरावाड़ी जैन उपाश्रय, नागौर (राज)

- 12 वालकेश्वर बम्बई (महा)
साध्वीश्री प्रशातश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -वधमान विल्डिंग, मानव मंदिर रोड,
वालकेश्वर, बम्बई-400 006
- 13 बडौत (यू पी)
साध्वीश्री मुक्तिश्रीजी,
साध्वीश्री चित्तरजनाश्रीजी
आदि ठाणा (7)
पता -श्री जन श्वेताम्बर मंदिर, सराफा बाजार,
बडौत जिला मेरठ (यू पी)
- 14 भायदर (महा)
साध्वीश्री रजनश्रीजी म
साध्वीश्री प्रमोदश्रीजी म
आदि ठाणा (10)
पता -जन मंदिर, देवचन्दनगर, भायदर (वस्ट)
जिला धाना (महाराष्ट्र)
- 15 पालीताण (सौराष्ट्र)
साध्वीश्री चरणश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -हजारी निवास घमकाला,
पालीताणा (सौराष्ट्र)
- 16 पूना (महा)
साध्वीश्री चन्द्रोदयाश्रीजी म
आदि ठाणा (7)
पता -आदिश्वर जैन सोसायटी
पूना सातारा रोड, पूना (महाराष्ट्र)
- 17 मालेगाव (राज)
साध्वीश्री हेमेश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता -सुमतिनाथ जैन मंदिर,
मु पो मालेगाव, जिला सिरोंही (राज)
- 18 कादियली बम्बई (महा)
साध्वीश्री रवीप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता -आराधना जैन मंदिर, चातिलाल मादी रोड
न 2, ईगनी गाडी, वादिवली, बम्बई-67
- 19 वालकेश्वर बम्बई (महा)
साध्वीश्री पचनश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता -प्रकाश एपाटमट
वालकेश्वर, बम्बई-400 006
- 20 अमरेली (सौराष्ट्र)
साध्वीश्री सुतोमाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -जैन उपाध्य, जामनडोरणा,
जिला-अमरेली (सौराष्ट्र)
- 21 पालीताण (सौराष्ट्र)
साध्वीश्री कनकप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (5)
पता -श्रमणी विहार तलादी रोड
पालीताणा (सौराष्ट्र)
- 22 लुधियाना (पंजाब)
साध्वीश्री जगवतश्रीजी म
आदि ठाणा (6)
पता -पुराना बाजार, लुधियाना (पंजाब)
- 23 मलाड बम्बई (महा)
साध्वीश्री बीरेद्रश्रीजी म
आदि ठाणा (9)
पता -देवकरण मुलीजी जैन, मंदिर
आनन्द रोड, मालाड (वेस्ट)
बम्बई-400064
- 24 टेम्बी नाका (महा)
साध्वीश्री निमलाश्रीजी म
आदि ठाणा (5)

- पता:—मुनि सुव्रतस्वामीजी जैन मंदिर
टेम्ब्री नाका, जिला थाणा (महा.)
25. पालीताणा (सौराष्ट्र)
साध्वीश्री कनकप्रभाश्रीजी म.
आदि ठाणा (2)
पता —वल्लभ विहार तलाटी रोड़,
पालीताणा (सौराष्ट्र)
26. आकोला (महा.)
शासन ज्योति साध्वी श्री सुमति श्री जी म.
आदि ठाणा (5)
पता:—आदिश्वर जैन मंदिर, जूना भाजी बाजार
ताजना पेठ, अकोला-444001
27. पालनपुर (गुज.)
साध्वीश्री चन्द्रकलाश्रीजी म.
आदि ठाणा (1)
पता.—हरिसुरि जैन उपाश्रय,
हनुमान गेरी, पालनपुर,
जिला वनासकाठा (गुजरात)
28. मधुरनगर (गुजरात)
साध्वीश्री दर्शनश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता —जैन उपाश्रय, मु. पो. मधुरनगर
वाया-हड़वद, जिला सुरेन्द्रनगर
पिनकोड-363 351 (गुज.)
29. डगारा (गुज.)
साध्वीश्री जगतश्रीजी म.
आदि ठाणा (5)
पता —मानकुवा जैन उपाश्रय,
मु. पो डगारा, स्टे कनीयाला,
जिला भुज (कच्छ-गुजरात)
30. पालनपुर (गुज.)
साध्वीश्री विचक्षणश्रीजी म.
- पता —जैन उपाश्रय काजीवास,
खोड़ा लीमडा के पास
पालनपुर, जिला-वनासकाठा (गुज.)
31. अमरावती (महा.)
साध्वीश्री यशकीर्तिश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता —राजीवाई धर्मशाला
भाजी बाजार, अमरावती (महा.)
32. जोधपुर (राज.)
साध्वीश्री सुशिलाश्रीजी म.
आदि ठाणा (5)
पता.—जैन उपाश्रय, भेरू बाग,
जोधपुर (राज.)
33. पिसांगन (राज.)
साध्वीश्री देवेन्द्रश्रीजी म.
आदि ठाणा (2)
पता.—जैन उपाश्रय,
मु पो. पिशागन, जिला अजमेर (राज.)
34. पालीताणा (सौराष्ट्र)
साध्वीश्री कमलयाशाश्रीजी म.
आदि ठाणा (5)
पता —समुद्र विहार ठडा भवन
तलाटी रोड़, पालीताणा (सौराष्ट्र)
35. जालना (महा.)
साध्वीश्री सुमिताश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता —चन्द्र व भूजी जैन मंदिर
सदर बाजार, जालना (महा.)
36. हासन (कर्नाटक)
साध्वीश्री रत्नयाशाश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता —श्वेतावर मंदिर,
हासन कर्नाटक-573 201

37 बाहोब (गुज) साध्वीश्री गुणप्रभाधीजी म	आदि ठाणा (5)	पता -जन उपाध्य मु नडाखिया, त्रिना भावनगर (माराष्ट्र)	44 जोधपुर (राज) साध्वीश्री पुष्पाधीजी म	आदि ठाणा (1)																																												
पता -जैन उपाध्य दाहोद, जिला पचमहाल (गुज)			पता -जन धमसाला नटनारा बाजार, जोधपुर (राज)																																													
38 नाणा (सौराष्ट्र) साध्वीश्री दशनधीजी म	आदि ठाणा (3)	45 जोधपुर (राज) साध्वीश्री अर्मातुणाधीजी म	आदि ठाणा (4)																																													
पता -जन उपाध्य, मु पो नाणा जिला भावनगर (सौराष्ट्र)		पता -भेस्वाग जन मंदिर भेस्वाग रोड जोधपुर (राज)																																														
39 बगलोर (कर्नाटक) साध्वीश्री प्रवाणधीजी म	आदि ठाणा (5)	46 नागोर (राज) साध्वी श्री कुसुमप्रभाधीजी म	आदि ठाणा (3)																																													
पता -जैन उपाध्य जयनगर, बेंगलोर (कर्नाटक)		पता -जन उपाध्य कचेरा जिला नागोर (राज)																																														
40 जसर (गुज) साध्वीश्री नरदधीजी म	आदि ठाणा (3)	<table> <tr> <td>कुल घातुर्मास सतो के</td><td>23</td><td>कुल सत</td><td>62</td></tr> <tr> <td>" " साध्वियों के</td><td>16</td><td>कुल साध्विया</td><td>189</td></tr> <tr> <td></td><td>कुल 69</td><td>कुल</td><td>251</td></tr> </table>	कुल घातुर्मास सतो के	23	कुल सत	62	" " साध्वियों के	16	कुल साध्विया	189		कुल 69	कुल	251																																		
कुल घातुर्मास सतो के	23	कुल सत	62																																													
" " साध्वियों के	16	कुल साध्विया	189																																													
	कुल 69	कुल	251																																													
पता -जन उपाध्य, मु जसर वाया-सावरकुडला, जसर-364510 (गुज)		कुल घातुर्मास 69 सत 62 साध्विया 189 कुल ठाणा 251																																														
41 बालापुर (महाराष्ट्र) साध्वीश्री सुप्रभाधीजी म	आदि ठाणा (2)	<table> <tr> <td>सत सतो पद तालिका</td><td></td><td></td><td></td></tr> <tr> <td>आचार्य</td><td></td><td></td><td>3</td></tr> <tr> <td>युवाचार्य</td><td></td><td></td><td>नही</td></tr> <tr> <td>उपाध्याय</td><td></td><td></td><td>नही</td></tr> <tr> <td>पन्यास</td><td></td><td></td><td>2</td></tr> <tr> <td>गणि</td><td></td><td></td><td>4</td></tr> <tr> <td>प्रवक्तृ</td><td></td><td></td><td>नही</td></tr> <tr> <td>प्रवर्तिनी</td><td></td><td></td><td>1</td></tr> <tr> <td>सत</td><td></td><td></td><td>62</td></tr> <tr> <td>साध्विया</td><td></td><td></td><td>189</td></tr> <tr> <td>कुल ठाणा</td><td></td><td></td><td>251</td></tr> </table>	सत सतो पद तालिका				आचार्य			3	युवाचार्य			नही	उपाध्याय			नही	पन्यास			2	गणि			4	प्रवक्तृ			नही	प्रवर्तिनी			1	सत			62	साध्विया			189	कुल ठाणा			251		
सत सतो पद तालिका																																																
आचार्य			3																																													
युवाचार्य			नही																																													
उपाध्याय			नही																																													
पन्यास			2																																													
गणि			4																																													
प्रवक्तृ			नही																																													
प्रवर्तिनी			1																																													
सत			62																																													
साध्विया			189																																													
कुल ठाणा			251																																													
पता -गाडीजी पारवनाथ मंदिर, जात्मवल्लभ भवन, बालापुर जिला अकोला (महा)																																																
42 बारपो (महा) साध्वीश्री रक्षितप्रभाधीजी म	आदि ठाणा (2)																																															
पता -श्री जैन श्वताम्बर ऋषभदेव पटी, बारपो जिला सोलापुर (महा)																																																
43 भडारिया (सौराष्ट्र) साध्वीश्री महाप्रभाधीजी म	आदि ठाणा (2)																																															

योग्यनिष्ठ आचार्य प्रवर श्री बुद्धिसागर सूरेश्वरजी
म. सा. का समुदाय

आचार्य प्रवर श्री सुबोधसागर सूरेश्वरजी म. सा. के
आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वियाँजी:—

संत समुदाय

1. बीजापुर (गुजरात)

1. आचार्य प्रवर श्री सुबोधसागर सूरेश्वरजी
म. सा.

आदि ठाणा (8)

पता—श्री समाधि मंदिर

मु. पो. बीजापुर (उ. गुजरात)

2. घाटकोपर-बम्बई (महा.)

आचार्य प्रवर श्री दुर्लभसागर सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता:—श्री जैन उपाश्रय, सघाणी इस्टेट

मु. पो. घाटकोपर बम्बई (महा.)

3. नवसारी (गुजरात)

आचार्य श्री कल्याण सागर सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता:—श्री जैन उपाश्रय

महावीर नगर सोसायटी

मु. पो. नवसारी (गुजरात)

4. सावरमती-अहमदाबाद (गुज.)

आचार्य श्री पद्मसागर सूरेश्वरजी म. सा.

आचार्य श्री भद्रबाहु सागर सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (9)

पता:—श्री जैन उपाश्रय, रामनगर

मु. पो. सावरमती अहमदाबाद (गुज.)

5. खंडाला (महा.)

पन्यास श्री सुभद्रसागरजी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता:—जैन उपाश्रय

मु. पो. खंडाला (महा.)

6. अहमदाबाद (गुज.)

पन्यास श्री धरणेन्द्रसागरजी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता—श्री जैन उपाश्रय, देवकीनन्दन सोसायटी, नवरंगपुरा

मु. पो. अहमदाबाद-7 (गुज.)

7. अहमदाबाद (गुज.)

पन्यास—श्री सुदर्शन सागरजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता:—श्री जैन उपाश्रय

आमली पोल, जवेरी वाड़

अहमदाबाद (गुज.)

8. अहमदाबाद (गुज.)

गणि श्री वर्धमान सागरजी म. सा.

आदि ठाणा (5)

पता—श्री जैन उपाश्रय, विजयनगर

मु. पो. अहमदाबाद (गुज.)

9. जूना डीसा (गुजरात)

श्री राजकीर्ति सागरजी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता:—श्री जैन उपाश्रय

मु. पो. जूना डीसा (गुजरात)

10 पालीताना (सौराष्ट्र)

श्री लावण्य सागरजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री जन उपाश्रय, लावण्य विहार

मु पो पालीताना (सौराष्ट्र) 364270

11 लोणार (महा)

श्री कस्तुरसागरजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री जन उपाश्रय

मु पो लोणार जिला बुलढाणा (महा)

12 अहमदाबाद (गुज)

श्री जम्नादय सागरजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता—श्री जैन उपाश्रय, जवाबाडी

माणकबाग अहमदाबाद (गुज)

13 गारेगाव-बम्बई (महा)

श्री कचन सागरजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री जन उपाश्रय, जवाहर नगर

गारेगाव बम्बई (महा) 62

14 अहमदाबाद (गुज)

श्री देवद सागरजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री जैन उपाश्रय, नारायणपुरा

चार रास्ता, अहमदाबाद (गुज)

15 अहमदाबाद (गुज)

श्री निमल सागरजी म सा

आदि ठाणा (4)

पता—श्री महावीर जन जाराघना केन्द्र, कावा

गाधीनगर अहमदाबाद (गुज)

16 दहेगाम (अहमदाबाद) (गुज)

श्री सयम सागरजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री जैन उपाश्रय, मु पा दहेगाम

जिला अहमदाबाद (गुज)

17 विरमगाव (गुज)

श्री नीति सागरजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता—श्री जैन उपाश्रय, मु पो विरमगाव

जिला अहमदाबाद (गुज)

18 महुडो (गुजरात)

श्री जय सागरजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री जैन उपाश्रय

महुडो (गुज) जिला महसना

साध्वी समुदाय

19 सावरमती अहमदाबाद (गुज)

साध्वी श्री कुसुमश्रीजी म सा

आदि ठाणा (5)

पता—श्री जैन उपाश्रय

मु पा सावरमती अहमदाबाद (गुज)

20 सावरमती अहमदाबाद (गुज)

साध्वी श्री हृषीकेशजीजी म सा

आदि ठाणा (6)

पता—जैन जायविल भवन,

सावरमती अहमदाबाद (गुज)

21 अहमदाबाद (गुज)

साध्वी श्री जसवन्तश्रीजी म सा

आदि ठाणा (5)

पता—श्री जैन उपाश्रय, आमली पाल, जवरीबाड

अहमदाबाद (गुज)

22 अहमदाबाद (गुज)

साध्वी श्री इन्द्रश्रीजी म सा

आदि ठाणा (7)

- पता—श्री जैन उपाश्रय, गोलवाड उपाश्रय,
अहमदाबाद-1 (गुज.)
23. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री वसन्तश्रीजी म सा
आदि ठाणा (10)
पता:—श्री जैन उपाश्रय, कल्याण सोसायटी
अहमदाबाद (गुज.)
24. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री कीर्तिप्रभा श्रीजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता:—श्री जैन उपाश्रय, नारायणपुरा
अहमदाबाद-14 (गुज.)
25. साणन्द (गुज.)
साध्वी श्री किरण, प्रभाजी म. सा
आदि ठाणा (4)
पता:—श्री जैन मांगरगच्छ उपाश्रय, मु. पो. साणन्द (गुज.)
26. हिमत नगर (गुज.)
साध्वी श्री चिन्तामणि श्रीजी म सा.
आदि ठाणा (4)
पता—श्री जैन उपाश्रय, महावीर नगर सोसायटी
मु. पो हिम्मतनगर
जिला सावरकाठा (गुज.)
27. बीजापुर (गुज.)
साध्वी श्री सुमित्रा श्रीजी म सा
आदि ठाणा (6)
पता—श्री जैन उपाश्रय, समाधि मन्दिर
मु. पो बीजापुर (गुज.)
28. बीजापुर (गुज.)
साध्वी श्री राजेन्द्र श्रीजी म सा
आदि ठाणा (5)
पता—श्री जैन उपाश्रय, माडी वाडा नो उपाश्रय
बीजापुर (गुज.)
29. प्रांतिज (उत्तर गुजरात)
साध्वी श्री कुमुद श्रीजी म सा
आदि ठाणा (8)
पता—श्री जैन श्राविका उपाश्रय
मु. पो. प्रातिज (उत्तर गुज.)
30. महेसाणा (गुज.)
साध्वी श्री रतिश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (6)
पता—श्री जैन उपाश्रय,
म. पो. महेसाणा (गुज.)
31. महेसाना (गुज.)
साध्वी श्री जयप्रभाश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (5)
पता—श्री जैन उपाश्रय, सीमंधर स्वामी मन्दिर
मु. पो महेसाना (गुज.)
32. महुडी (गुज.)
साध्वी श्री सुलसाश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (2)
पता:—श्री जैन देरासर पेढी
मु. पो महुडी (गुज.)
33. बटवा (गुज.)
साध्वी श्री विवोधश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (2)
पता:—श्री जैन उपाश्रय, मु. पो. बटवा मणी नगर
अहमदाबाद (गुज.)
34. दहेगाम (गुज.)
साध्वी श्री मुजंलाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता.—श्री जैन उपाश्रय
मु. पो दहेगाम जिला अहमदाबाद
35. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री अरुणप्रभा श्रीजी म सा.
आदि ठाणा (3)

पता—श्री जैन उपाधय, माणक वाग

मु पा जावावाडी, जहमदाबाद (गुज)

36 पालीताना (सीराष्ट्र)

माळी श्री स्वयंप्रभा श्रीजी म मा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री जैन उपाधय, नन्दा नुनन

मु पो पालीताना (सीराष्ट्र)

37 धोराजी (सीराष्ट्र)

माळी श्री मन्हालता श्री जी म मा

आदि ठाणा (3)

पता—श्री जैन उपाधय, हवेली शेरी

मु पो धोराजी गांव मा (सीराष्ट्र)

38 माणसा (गुज)

माळी श्री कैवय श्रीजी म मा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री जैन उपाधय

म पा माणसा (गुज)

कुल चातुर्मास सता के	18	कुल सत	57
" " साध्विया के	20	कुल साध्विया	93
कुल	38	कुल	150

कुल चातुर्मास 38 सत 57 साध्विया 93 कुल ठाणा 150

सत सती तुलनात्मक तासिका

आचार्य	6
मुवाचार्य	नही
उपाध्याय	नही
पत्न्यास	3
गणि	1
प्रवचन	नही
प्रवर्तिनी	नही
मत	57
साध्विया	93
कुल ठाणा	150

दुर्गुण दुर्गुणी देखता है, सद्गुर्णा को गुण दिखलाता है ।

जैसी जिसकी भावना है वह नर, वैसा ही बन जाता है ॥

जय महावीर । ॥ श्री ॥ जय गुह हस्ती ॥

स्वाध्याय चिन्तन केन्द्र

बंगलोर-560038

(कर्नाटक)

मम्यक चारिय, सम्यक् दशन, और मम्यक् ज्ञान निभाजा तुम ।

यह सच्चे सुत्र क माधन है, इनसे मच्चा सुख पाजा तुम ॥

॥ श्री बीतरागाय नम ॥

दक्षिण भारत में पहली बार जैन साहित्य बिक्री
शोघ लाभ लेवें ।

श्री जैन साहित्य भण्डार

136, अप्पारेडो पालयम्, इन्दिरा नगर,

बंगलोर-560038

Phone-560535 P P

तीर्थोद्धारक आचार्य प्रवर श्री विजय निती सूरेश्वरजी म. सा. का समुदाय

आचार्य प्रवर श्री अरिहंत सिद्ध सूरेश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी

सन्त-समुदाय

1. अहमदाबाद (गुजरात)

स्व. गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय
मंगल प्रभ सूरेश्वरजी म. सा. के सुशिष्य-
आचार्य प्रवर श्री अरिहन्त सिद्ध सूरेश्वरजी
म. सा.

आदि ठाणा (4)

पता:—श्री जैन उपाश्रय वीर नो उपाश्रय,
भट्टी नो वारी, अहमदाबाद (गुज.)

2. एलीस ब्रीज-अहमदाबाद (गुज.)

आचार्य प्रवर श्री भानुचन्द्र सूरेश्वर जी म. सा.
पन्यास श्री सुबोध विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (8)

पता:—खुशाल भवन जैन उपाश्रय, मादलपुर,
एलीस ब्रीज, अहमदाबाद (गुज.)

3. मालगाँव (राजस्थान)

आचार्य प्रवर श्री पदम सूरेश्वर जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता:—जैन उपाश्रय, मु. पो. मालगाँव
वाया आव. रोड, जिला सिरौही (राज.)

4. खिवान्दी (राज.)

पन्यास श्री हेमप्रभ विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (6)

पता:—जैन उपाश्रय मु. पो. खिवान्दी स्टेशन जवाई बाध
जिला सिरौही (राज.)

5. पालीताणा (गुजरात)

श्री सुशील विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता:—जामनगर की धर्मशाला पालीताणा (सीराष्ट्र गुज.)

6. माणिकचौक-अहमदाबाद (गुज.)

श्री दक्षप्रभ विजयजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता:—लवार की पोल, माणिक चौक
अहमदाबाद (गुज.)

7. सिवाना (राज.)

श्री मणिप्रभ विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता:—तपागच्छ जैन उपाश्रय मु. पो. गढ़ सिवाना
जिला वाडमेर (राज.)

8. रायपुर-अहमदाबाद (गुज.)

श्री रेवत विजयजी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता:—जैन उपाश्रय शामलानी पोल

रायपुर-अहमदाबाद (गुज.)

9. चांदूर (राजस्थान)

श्री तेज प्रभ विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता:—जैन उपाश्रय मु. पो. चांदूर वाया रायसेन जिला
जालौर (राज.)

10. मांडवला (राज.)

श्री राजप्रभ विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता—जैन उपाश्रय मू पा माडवारा
जिला जालोर (राज)

- 11 पालीताणा (गुजरात)
श्री हंस विजय जी म सा

आदि ठाणा (5)

पता—भाडेराव जिनेन्द्र भुवन, हस्ती माहन वृद्धाश्रम
के पीछे, पालीताणा (गुज)

- 12 बामणवाडा तीर्थ (राज)
श्री मिश्रानन्द विजय जी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—जैन उपाश्रय बामणवाडा तीर्थ बाया
जिला सिराही (राज)

- 13 नाणा तीर्थ (राज)
श्री प्रताप विजय जी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—जैन उपाश्रय नाणा तीर्थ जिला सिराही (राज)

- 14 घन्नारी (राज)
श्री प्रमाद विजय जी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—जैन उपाश्रय मू पा घन्नारी बाया सरूपगज
जिला मिराही (राज)

- 15 सुमेटपुर (राज)
श्री ललित विजय जी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—जैन उपाश्रय मू पो सुमेटपुर जिला पाली (राज)

- 16 शाहपुर-अहमदाबाद (गुज)
श्री बिमल विजय जी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—शाहपुर खाडानो जैन उपाश्रय, शाहपुर
अहमदाबाद (गुज)

- 17 आहोर (राज)
श्री महिमा विजय जी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—जैन उपाश्रय मू पा आहोर
जिला जालोर (राज)

- 18 अहमदाबाद (गुजरात)
श्री मानतूण विजय जी म सा

आदि ठाणा (3)

- 19 रेवदर (राजस्थान)
श्री वीर विजयजी म सा

आदि ठाणा (2)

- 20 पालीताणा (गुजरात)
श्री सुरप्रभ विजयजी म मा

ठाणा (1)

पता—गिरी बिहार पालीताणा (गुज)

- 21 अहमदाबाद (गुज)
श्री विनय विजय जी म मा

ठाणा (1)

पता—अज्ञान भवन अहमदाबाद

- 22 फालना (राज)
श्री पुण्योदय विजय जी म सा

ठाणा (1)

- 23 रामसीण (राज)
श्री प्रवीण विजय जी म सा

ठाणा (1)

पता—जैन उपाश्रय मू पो रामसीण
जिला जालोर (राज)

साध्वीयांजी समुदाय

- 24 सूरत (गुज)
विदुषी साध्वी प्रमुखा श्री लावण्य श्री जी म
आदि ठाणा (18)

पता—अमरीगाई का उपाश्रय, गोंपीपुरा सूरत (गुज)

- 25 बालराई (गुजरात)
साध्वी श्री रमणिक श्री जी म

आदि ठाणा (6)

- पता:—जैन उपाश्रय मु. पो. बालराई
26. शाहपुर-अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री मणी श्री जी म.
आदि ठाणा (4)
पता:—जैन उपाश्रय शाहपुर कुवावाली पोल अहमदाबाद
27. बाली (राज.)
साध्वी श्री सुशीला श्री जी म.
आदि ठाणा (30)
पता:—श्री जैन उपाश्रय, मु. पो. बाली नवापुरा
स्टेशन फालना जिला पाली (राज.)
28. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री सुनन्दा श्री जी म.
आदि ठाणा (6)
पता:—घाचीनी पोल, माणिक चौक,
अहमदाबाद (गुज.)
29. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री निर्भया श्री जी म.
आदि ठाणा (7)
पता:—सामयानी पोल, बाल खियानो खाचो अहमदाबाद
30. खिवान्दी (राज.)
साध्वीजी ज्ञान श्री जी म.
आदि ठाणा (12)
पता:—नाणावटी मंगल भुवन मु. पो. खिवान्दी
स्टेशन जवाई बाध जिला सिरोही (राज.)
31. शिवगंज (राज.)
साध्वी श्री महिमा श्री जी म.
आदि ठाणा (4)
पता:—नितक भवन शिवगंज (राज.)
32. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री पूर्ण भद्रा श्री जी म.
आदि ठाणा (11)
पता:—मरठारी उपाश्रय पनामानी पोल अहमदाबाद
33. राजकोट (गुज.)
साध्वी श्री मनहर श्री जी म.
आदि ठाणा (4)
पता:—जैन उपाश्रय प्रहलाद प्लोटज. 37,
राजकोट (गुज.)
34. खिवान्दी (राज.)
साध्वी श्री दानलता श्री जी म.
आदि ठाणा (6)
पता:—उपरोक्त
35. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री चन्द्रा श्री जी म.
आदि ठाणा (8)
पता:—सुरदास सेठनी पोल, मकेडवीनी पोलमा
अहमदाबाद (गुज.)
36. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री जयलता श्री जी म.
आदि ठाणा (5)
पता:—जैन उपाश्रय पाडा पोल अहमदाबाद (गुज.)
37. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री स्नेहलता श्री जी
आदि ठाणा (2)
पता:—जैन उपाश्रय शाहपुर सुनारा नो खाचा अहमदाबाद
38. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री सूर्योदय श्री जी म.
आदि ठाणा (5)
39. अहमदाबाद (गुज.)
साध्वी श्री सुलोचना श्री जी म.
आदि ठाणा (3)
पता:—रूपा मूरचंदनी पोल, अहमदाबाद
40. पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री निरूपमा श्री जी म.
आदि ठाणा (8)

- पता—माल शेरी बाजार का पाडा पाटन (गुज)
- 41 बीकानेर (राज)
साध्वी श्री भास्कर यश आ श्री जी म
आदि ठाणा (5)
पता—बहिना का उपाश्रय बावाला का चौक बीकानेर
(राज)
- 42 उरण (गुज)
साध्वीजी राजेन्द्र श्री जी म
आदि ठाणा (8)
पता—बहिना का उपाश्रय मू पो उरण
त कोकरेज जि बनासकाठा (गुज)
- 43 पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री चन्द्रकला श्री जी म
आदि ठाणा (4)
पता—कलासाना पाडा साकली शेरी पाटन (गुज)
- 44 पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री कनक प्रभाश्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—सीम्बडी ना पाडा पाटन (गुज)
- 45 पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री चन्द्र प्रभाश्री जी म
आदि ठाणा (4)
पता—वैतरवसी ना पाडा, बहिना का उपाश्रय
पाटन (गुज)
- 46 सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री राजुला श्री जी म
आदि ठाणा (6)
पता—बहिना का उपाश्रय बडाचौटा सूरत (गुज)
- 47 महेसाना (गुजरात)
साध्वी श्री नलीन यश आ श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—महालक्ष्मी माहिनो पाडा, वण दरवाजा बासे
महेसाना (गुज)
- 48 राधनपुर (गुजरात)
साध्वी श्री सुनीला श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—जैन उपाश्रय चितामणी शेरी
राधनपुर जि बनासकाठा (गुज)
- 49 विसनगर (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पघरा श्री जी म
आदि ठाणा (2)
पता—काजी ना उपाश्रय
मू पा विस नगर (गुजरात)
- 50 गोरगांव-बम्बई (महा)
साध्वी श्री दिव्यप्रभा श्री जी म
आदि ठाणा (5)
पता—जैन उपाश्रय, राड न 5, जवाहर नगर, प्लाट
न ज95 गारगांव (वेस्ट) बम्बई-62
- 51 मलाड-बम्बई (महा)
साध्वी श्री सुलसा श्री जी म
आदि ठाणा (4)
पता—श्री शान्तीनाथ जैन उपाश्रय, दबचद नगर
हाजी बापू राड, मलाड (वेस्ट) बम्बई-64
- 52 पाटडी (गुज)
साध्वी श्री तर्ण श्री जी म
आदि ठाणा (8)
पता—जैन उपाश्रय बाजार म मू पा पाटडी बाया
विरमगाव (गुजरात)
- 53 पिडवाडा (राज)
साध्वी पुष्पा श्री जी म
आदि ठाणा (6)
पता—सिंगाना वाम मू पा पडवाडा जि सिरोंही (राज)
- 54 कलकत्ता-(प बंगाल)
साध्वी श्री चारुयश आ श्री जी म
आदि ठाणा (1)

पता:-श्री हीरालाल भणसाली, 19 लोअल चितपुर रोड
कविराज बिल्डिंग कलकत्ता (प. बंगाल)

55. अहमदाबाद (गुज.)

साध्वी श्री किरण माला श्री जी म.

आदि ठाणा (4)

पता:-हरकिशनदास सेठ नी पोल माडवीनी पोल मा
अहमदाबाद

56. पालड़ी-अहमदाबाद (गुज.)

साध्वी श्री प्रज्ञप्ता श्री जी म.

आदि ठाणा (8)

पता:-जैन सोसायटी प्रीतम नगर ना अखाड़ा पास
पालड़ी-अहमदाबाद-(गुज.)

57. बम्बई- (गुज.)

साध्वी श्री जयशीला श्री जी म.

आदि ठाणा (3)

पता:-ईश्वर नगर इमाला, जैन भवन जैन उपाश्रय
देना बैंक एल. बी. शास्त्री मार्ग, बम्बई-77

58. जोटाणा (गुजरात)

साध्वी श्री निर्मला श्री जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता:-जैन उपाश्रय मोटा देरासर पास
मु. पो. जोटाणा ता मेहसाना (गुज.)

59. सिरोही (राज.)

साध्वी श्री किर्ती वर्धना श्री जी. म

आदि ठाणा (3)

पता:-तपागच्छ उपाश्रय मु. पो. सिरोही (राज.)

60. पालीताणा (गुज.)

साध्वी श्री महायशा श्री जी म.

आदि ठाणा (1)

पता:-लुणावा मगल भवन पालीताणा (गुज.)

61. तलाजा-सौराष्ट्र (गुज.)

साध्वी श्री अक्षय प्रभा श्री जी म.

आदि ठाणा (3)

62. जामनगर (गुज.)

साध्वी श्री शुभंकरा श्री जी म.

आदि ठाणा (8)

पता:-मोरार बाग चादी बाजार (जामनगर (गुज.))

63. अहमदाबाद (गुज.)

साध्वी श्री केवल रत्ना श्री जी म.

आदि ठाणा (2)

पता:-जैन उपाश्रय शाम पानी पोल अहमदाबाद

64. खिवान्दी (राज.)

साध्वी श्री विश्व पूर्णा श्री जी म.

आदि ठाणा (12)

65. खिवान्दी (राज.)

साध्वी श्री विमल प्रभा श्री जी म.

आदि ठाणा (3)

66. खिवान्दी (राज.)

साध्वी श्री अशोक कल्पलता श्री जी म.

आदि ठाणा (2)

67. विसलपुर (राज.)

साध्वी जी मदन प्रभा श्री जी म.

आदि ठाणा (6)

68. सूरत (गुजरात)

साध्वी श्री महापदमा श्री जी म.

आदि ठाणा (10)

69. नासिक सिटी (महाराष्ट्र)

साध्वी श्री सुनीयशा श्री जी म.

आदि ठाणा (8)

70. बम्बई (महा.)

साध्वी श्री मुक्ति प्रिया श्री जी म.

आदि ठाणा (2)

71. पालीताणा (गुज.)

साध्वी श्री मोक्षयगा श्री जी म.

आदि ठाणा (2)

72 पालीताणा (गुज)	पता—शत्रुघ्न सासायटी अहमदाबाद (गुज)	
साध्वी श्री हिरण्य श्री जी म		
	ठाणा (1)	80 राजस्थान मे (राज)
73 पालीताणा (गुज)		साध्वी श्री सुयप्रभा जी म
साध्वी श्री कल्पलता श्री जी म		ठाणा (1)
	ठाणा (1)	81 राजस्थान मे (राज)
74 तखतगढ़ (राज)		साध्वी श्री सुय माला श्री जी म
साध्वी श्री कचन श्री जी म		ठाणा (1)
	आदि ठाणा (3)	82 राजस्थान मे (राज)
पता—जैन उपाश्रय तलाव ऊपर तखतगढ़ (राज)		साध्वी श्री आणन्द श्री जी म
75 कोशेलाव (राज)		आदि ठाणा (2)
साध्वी श्री माधलता श्री जी म		83 अहमदाबाद (गुज)
	आदि ठाणा (3)	साध्वी श्री भुवन श्री जी म
पता—जैन नवी पाटी धमशाला मु पा कोशेलाव		आदि ठाणा (2)
स्टेशन फालना जिला पाली (राज)		पता—धीराजी नौ धमशाला, तलाव ऊपर अहमदाबाद
76 चादूर (राज)		84 मारवाड (राज)
साध्वी श्री सुव्रत गुण श्री जी म		साध्वी श्री सजय श्री जी म
	आदि ठाणा (2)	आदि ठाणा (3)
पता—जैन उपाश्रय मु पो चादूर बाया रायसेन जिला		85 जूना डीसा (गुज)
जालार (राज)		साध्वी श्री जितेन्द्र श्री जी म
77 बाली (राजस्थान)		ठाणा (1)
साध्वी श्री दीपक श्री जी म		86 जूना डीसा (गुज)
	आदि ठाणा (2)	साध्वी श्री ललित प्रभाजी म
पता—जैन उपाश्रय पाटीना वास मु पो बाली		आदि ठाणा (2)
स्टेशन फालना जिला पाली (राज)		87 अहमदाबाद (गुज)
78 अहमदाबाद (गुज)		साध्वी श्री चन्द्रयशाश्री जी म
साध्वी श्री पद्मलता श्री जी म		ठाणा (1)
	आदि ठाणा (5)	88 पालीताणा (गुजरात)
79 अहमदाबाद (गुज)		साध्वी श्री खजना श्री जी म
साध्वी श्री अरुण प्रभा श्री जी म		आदि ठाणा (3)
	आदि ठाणा (2)	पता—सौधम निवान पालीताणा (गुज)

89. पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री मनोताश्री श्री जी म.

ठाणा (1)

पता.—वल्लभ विहार पालीताणा (गुज.)

90. कोटवालीयान (राज.)

साध्वी श्री सूर्यप्रभा श्री जी म.

ठाणा (1)

पता—जैन उपाश्रय मु. पो. कोट वालीयान
वाया वाली जिला पाली (राज.)

कुल चातुर्मास संतों के	23	कुल संत	60
„ „ साध्वीयो के	67	कुपे साध्वीयाँ	320
—		—	
कुल	90	कुल	380

कुल चातुर्मास 90, संत 60, साध्वीयाँ 380
कुल ठाणा 380

आचार्य	4
उपाध्याय	—
पन्थास	2
गणि	—
प्रवर्तक	—
मुनि	60
साध्वियाँ	320
कुल ठाणा	380



जैसे विन बादल के विजली, नभ में नही चमक दिखाती है।
त्यो विन विपत्तियाँ सहे आत्मा, प्रकाश गुण नही पाती है ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित —

राजेन्द्र रेडीमेन्ट

एण्ड

क्लोथ स्टोर

माणक चौक, रतलाम (म०प्र०)

सच्ची क्षमता तो सदा से मित्रों, वीर धर्म कहलाती है।
कम जोरो और कायर पुरुषों के, पास फटक नहीं पाती है ॥

समग्र जैन साधु साध्वियों का चातुर्मास हर्षोल्लास
वातावरण में सम्पन्न होने की शुभ मंगल कामनायें
करते हैं हार्दिक अभिनन्दन सहित

रंगलाल रमणलाल

बागरेचा

एदलाबाद

जिला-जलगाँव (महाराष्ट्र)

कविकुल किरीट आचार्य श्री विजयलब्धि सूरेश्वरजी म. सा. समुदाय

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय विक्रम सूरेश्वरजी म सा के आज्ञानुवर्ती सत-सतियाँजी

सत समुदाय

- 1 पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)
गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय विक्रम
सूरेश्वर जी म सा
आदि ठाणा (22)
पता —गोरख 31 धरणीघर मोसापटी
पालडी अहमदाबाद-7
- 2 वासणा-अहमदाबाद (गुज)
आचार्य श्री विजय नवीन सूरेश्वर जी म सा
आदि ठाणा (5)
पता —श्री जैन उपाध्य,
रामणा अहमदाबाद (गुज)
- 3 हिंगडोन सिटी (राजस्थान)
आचार्य श्री विजय नरकर सूरेश्वर जी म सा
आदि ठाणा (6)
पता —श्री जैन उपाध्य, जन मंदिर
हिंगडोन सिटी (राज)
- 4 दादर बम्बई (महा)
आचार्य श्री विजय किर्तीचंद्र सूरेश्वर रजी म सा
आदि ठाणा (5)
पता —श्री आचार्य लब्धि सूरोजी जैन नान मंदिर
दादर-बम्बई (महा)
- 5 कुन्नूर (कर्नाटक)
पन्थाम श्री प्रभोक् विजयजी म सा
आदि ठाणा (5)
पता —श्री जैन मन्दिर देरासर कुन्नूर (कर्नाटक)
- 6 गोधरा (गुजरात)
पन्थाम श्री वारिण विजयजी म सा
आदि ठाणा (6)
पता —श्री जैन उपाध्य,
सातिनगर गाधरा (गुज) 389001
- 7 सायन-बम्बई (महा)
प्रवक्तृ श्री हरिणभद्र विजयजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता —श्री जैन देरासर उपाध्य,
जैन मोसापटी मायन बम्बई (महा)
- 8 ईडर (गुजरात)
श्री कल्पयस विजयजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता —श्री जैन उपाध्य,
मु पा ईडर जि उनामकाठा (गुज)
- 9 पोपनाद (महा)
श्री नयनभद्र विजयजी म सा
आदि ठाणा (1)
पता —श्री जैन उपाध्य,
मु पो पोपनाद (कोवण) (महा)
- 10 जूनागढ़ (गुजरात)
श्री गुणभद्र विजयजी म सा
आदि ठाणा (1)

पता.—श्री जैन उपाश्रय, जूनागढ (गुज)

11. पालीताणा (गुजरात)

श्री जयतुभ्यर विजयजी म सा

आदि ठाणा (1)

पता —महाराष्ट्र भुवन, पालीताणा (गुजरात)

साध्वीयाँजी समुदाय

12. साध्वी श्री जयश्रीजी म सा

आदि ठाणा (7)

पता —गोदावरी अहमदाबाद (गुज)

13 साध्वी श्री उमगश्रीजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता —कोठारी वाडो ईडर (गुज)

14. श्री हंसाश्रीजी म सा

आदि ठाणा (7)

पता:—तिलक रोड, मानेगाव (महा.)

15. साध्वी श्री लावण्यश्रीजी म.सा

आदि ठाणा (5)

पता —काशी केणर, पालीताणा (गुज)

16. साध्वी श्री मुवोव्याश्रीजी म सा

आदि ठाणा (5)

पता.—गंगापुर (राजस्थान)

17 साध्वी श्री आत्म प्रभाश्रीजी म.सा

पता —जैन उपाश्रय हिण्डोन (राज)

आदि ठाणा (5)

18. साध्वी श्री मृगनयना श्रीजी म सा

आदि ठाणा (5)

पता —उभोर्ट (गुज)

19 साध्वी श्री सर्वोदयार्थजी म.सा

आदि ठाणा (15)

पता:—धरणीदर मोना अहमदाबाद (गुज)

20. साध्वी श्री सुभद्राश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (10)

पता —वासणा अहमदाबाद (गुज)

21. साध्वी श्री विरागमालाश्रीजी म.सा.

आदि ठाणा (14)

पता —गोधरा-पचमहाल (गुज)

22 साध्वी श्री गोतमश्रीजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

पता —धुलिया (महा)

23 साध्वी श्री ललिताश्रीजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता —गोपीपुरा, सूरत (गुज)

24 साध्वी श्री जयलताश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (8)

पता —महाराष्ट्र भुवन, पालीताणा (गुज)

25. साध्वी जितेन्द्रश्रीजी म.सा.

आदि ठाणा (6)

पता:—धधुका (गुजरात)

26 साध्वी श्री जितेन्द्रश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (2)

पता —नवसारी (गुज)

27 साध्वी श्री कमलप्रभा श्रीजी म सा.

पता —कृष्णनगर अहमदाबाद

28 साध्वी श्री रत्नचूलाश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (10)

पता.—अहमदाबाद (गुज.)

29. साध्वी श्री सुधाशु यशश्रीजी म.सा

आदि ठाणा (8)

पता —भरूच (गुज.)

30 साध्वी श्री पदमलता श्रीजी म सा
आदि ठाणा (5)

पता - शांतीनाथ देरासर पायधुनी बम्बई

श्रुपमदव भगवान ने जग म, धम अहिंसा फैलाया ।
मकल जीव जान प्रसित थे, उन्हें सचेतन करवाया ॥

31 साध्वी श्री तरुण प्रभाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)

पता - नानमदिर दादर बम्बई

पच महाव्रतधारी महामहिम सत मती गणों के
चरण कमलों में कीटीश उन्दना ---

32 साध्वी श्री महेन्द्रश्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)

पता - अहमदाबाद (गुज)

33 साध्वी श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)

पता - पालीताणा (गुज)

34 साध्वी श्री कल्पलताश्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)

पता - कोल्हापुर (महा)

35 साध्वी श्री विनितमाला श्रीजी म सा
आदि ठाणा (4)

पता - अहमदाबाद (गुज)

36 साध्वी श्री चन्द्रयशाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)

पता - अहमदनगर (गुज)

शा. चुन्नीलाल धनराज
चौपड़ा

कापड़ाचे व्यापारी

मु पो आलन्वी (देवाची) जिला-पूना (महा)
412105

सच्चा धम वही है जिसमें, नेदभाव का नाम न हो ।
प्राणी मात्र की हित चिन्ता, जिसमें झगड़ों का काम न हो ॥

37 साध्वी श्री विन्दुपूर्णा श्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)

पता - अहमदाबाद (गुज)

हादिक शुभकामनाओं सहित

कुल चातुर्मास सती के	11	कुल सत	56
" " साध्वीयों के	26	कुल साध्वीयाजी	143
कुल	—		—
	37	कुल	199

शा चम्पालाल खीमराज
एण्ड कम्पनी

अनाज किराणा और कटलरी के व्यापारी

635, पाली रोड, छार (वेस्ट)

बम्बई-400052 (महा)

फोन-546251

सत सती पद तालिका

आचार्य	4
उपाध्याय	नही
पन्यास	2
गणि	नही
प्रवक्त	2
मुनिराज	56
साध्वियाँ	143
कुल ठाणा	199

तपोनिधी प्रशांतमूर्ति आचार्य प्रवर श्री विजयभक्ति
सूरीश्वरजी म. सा. का समुदाय

आचार्य प्रवर श्री विजय प्रेम सूरीश्वरजी म. सा. के
आज्ञानुवर्ती संत-सतियाँजी म. सा.

संत समुदाय

1. बोरीवली-वम्बई (महा.)

1. आचार्य प्रवर श्री विजय प्रेम सूरीश्वरजी
म. सा. -

2. आचार्य प्रवर श्री विजय सुबोध जी म. सा.
आदि ठाणा (8)

पता:-श्री सभव नाथ स्वामी जैन देरासर, जैन मंदिर
जामली गली, बोरीवली (वेस्ट) वम्बई-400092
(महा.)

2. धानेरा (गुजरात)

1. आचार्य श्री विनयचंद्र सूरीजी म. सा.

2. आचार्य श्री कल्प जय सूरीजी म. सा.
आदि ठाणा (5)

पता:-जैन उपाश्रय जैन देरासर, धानेरा बाया पालनपुर
जिला वनासकाठा (गुज.)

3. प्रार्थना समाज -वम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजय रुचक चक्रसूरीजी म. सा.
आदि ठाणा (2)

पता:-जैन देरासर-186 राजाराम मोहन राय मार्ग
प्रार्थना समाज, वम्बई-400004 (महा.)

4. मेहसाना (गुजरात)

आचार्य श्री विजय प्रमन्नचंद सूरीसर जी म. सा.
आदि ठाणा (2)

पता:-जैन उपाश्रय, मेहसाना (गुजरात)

5. बोरीवली-वम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य श्री विजयलब्धि सूरीश्वर जी म. सा.

आदि ठाणा (5)

पता -श्री सुमतिनाथ जी मंदिर, बोरीवली गीताजली जैन
देरासर, सिपोली फाटा, बोरीवली (वेस्ट)
वम्बई-92

6. अहमदाबाद (गुजरात)

पन्यास श्री महिमा विजयजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता:-जैन देरासर, गीता मंदिर अहमदाबाद (गुज.)

7. भोवण्डी (महाराष्ट्र)

(कुमार श्रमण)

पन्यास श्री पूर्णानन्द विजय जी म

आदि ठाणा (1)

पता:-जैन देरासर उपाश्रय, भोवण्डी जिला धाना (महा.)

8. पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात)

श्री चन्द्रशेखर विजयजी म.

आदि ठाणा (2)

पता:-परम आनन्द श्वे. मूर्ती पूजक जैन सघ,
वीतराग सोसायटी, पी. टी. , रोड पालड़ी
अहमदाबाद-7 (गुज.)

9. पालीताणा (गुजरात)

श्री नन्दन प्रभ विजय जी म.

आदि ठाणा (1)

38	त्रापज (गुजरात) साध्वी श्री हितज्ञाथीजी म	आदि ठाणा 3	50	विरमगाव (गुज) साध्वी श्री तेजप्रभाथीजी म सा	आदि ठाणा 3													
	पता - श्री जन उपाध्य, दयासर मु पा त्रापज (माराष्ट्र-गुज)		51	बीवण्डी (महाराष्ट्र) साध्वी श्री सूर्यप्रभाथीजी म सा	आदि ठाणा 5													
39	पालीताणा (गुज) साध्वी श्री निपुणाथीजी म सा	आदि ठाणा 8	52	ऊना (सीराष्ट्र गुजरात) साध्वी श्री सिद्धपूर्णाथीजी म सा	आदि ठाणा 5													
40	समी जि मेहसाना (गुज) साध्वी श्री जितेन्द्रथीजी म सा	आदि ठाणा 5	53	बगसरा (गुज) साध्वी श्री सूर्यकलाभाजी म सा	आदि ठाणा 3													
41	विरमगाव (गुज) साध्वी श्री सूर्यप्रभाथीजी म सा	आदि ठाणा 4	54	साण्डेराव (राजस्थान) साध्वी श्री जमीरसाथीजी म सा	आदि ठाणा 5													
42	पाटन (गुज) साध्वी श्री पद्मलताथीजी म सा	आदि ठाणा 4	55	पाटन (गुज) साध्वी श्री शोलगुणाथीजी म सा	आदि ठाणा 7													
43	जामभाणवड (गुज) साध्वी श्री वीर प्रभा नीजा म सा	आदि ठाणा 4	<table><tr><td>कुल चातुर्मास सत्रा के</td><td>27</td><td>सत</td><td>60</td></tr><tr><td>कुल चातुर्मास साध्वियों के</td><td>28</td><td>कुल साध्विया</td><td>163</td></tr><tr><td></td><td>कुल</td><td>55</td><td>कुल</td><td>223</td></tr></table>			कुल चातुर्मास सत्रा के	27	सत	60	कुल चातुर्मास साध्वियों के	28	कुल साध्विया	163		कुल	55	कुल	223
कुल चातुर्मास सत्रा के	27	सत	60															
कुल चातुर्मास साध्वियों के	28	कुल साध्विया	163															
	कुल	55	कुल	223														
44	धानेरा (गुज) साध्वी श्री ललितज्ञाथीजी म सा	आदि ठाणा 6																
45	जयपुर (राजस्थान) साध्वी श्री नयप्रभाथीजी म सा	आदि ठाणा 6	<table><tr><td>कुल चातुर्मास</td><td>55</td><td>सत</td><td>60</td><td>साध्विया</td><td>163</td><td>कुल ठाणा</td><td>223</td></tr></table>			कुल चातुर्मास	55	सत	60	साध्विया	163	कुल ठाणा	223					
कुल चातुर्मास	55	सत	60	साध्विया	163	कुल ठाणा	223											
46	जूनागढ़ (गुज) साध्वी श्री सुवताथीजी म सा	आदि ठाणा 6	सत-सती पद तालिका															
47	भूलजीनगर-बोरोवली बम्बई साध्वी श्री हेमलता नीजी म सा	आदि ठाणा 7	जाचाय				7											
48	जामलीगली-बोरोवली बम्बई साध्वी श्री हृदयप्रभाथीजी म सा	आदि ठाणा 5	उपाध्याय				-											
49	पालीताणा (गुज) साध्वी श्री कविन्द्रनीजी म सा	आदि ठाणा 7	पन्यास				2											
			गणि				-											
			प्रवक्त				-											
			प्रवर्तनिया				-											
			सत				60											
			साध्विया				163											
			कुल ठाणा				223											

कच्छ बागड़ देशोद्धारक आचार्य श्री कनक सूरेश्वरजी म. सा.

बागड़ वाला का समुदाय

आचार्य प्रवर श्री कलापूर्ण-सूरेश्वरजी मा. सा. के
आज्ञानुवर्ती संत-सतीयाँजी म. सा.

संत समुदाय

1. मांडवी-कच्छ (गुज.)

1. आचार्य प्रवर श्री कलापूर्ण सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा (8)

पता:-श्री श्वेताम्बर जैन मंदिर,
मु पो. माण्डवी-कच्छ (गुज)

2. मनफरा (गुजरात)

पन्याम श्री प्रीतिविजयजी म सा

आदि ठाणा (7)

पता:-श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय,
मु पो मनफरा-कच्छ (गुज.)

3. पलोसवा-कच्छ (गुज.)

श्री दर्शनविजयजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता -श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय,
मु पो पलोसवा-कच्छ (गुज)

4. मून्दा-कच्छ (गुज.)

श्री किर्तीचन्द्र विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (4)

पता -श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय,
मु पो. मून्दा-कच्छ (गुज)

5. गागोदर-कच्छ (गुज.)

श्री मुक्तिचन्द्र विजयजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता:-श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय,
मु पो गागोदर-कच्छ (गुज)

6. नाकोड़ा (राजस्थान)

श्री कलहस विजयजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

पता -श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय,
मु पो नाकोड़ा (राज)

7. कगारा-कच्छ (गुजरात)

श्री तरुण विजयजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता:-श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय,
मु पो कगारा-कच्छ (गुज)

साध्वीयाँजी समुदाय

8. नवाड़ीसा जिला बनासकांठा (गुजरात)

साध्वी श्री निनीश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (9)

9. सावरमती-अहमदाबाद (गुजरात)

माध्वी श्री नुनद्राश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (10)

- | | |
|---|---|
| 10 અહમદાવાદ (ગુજરાત)
માધ્વી શ્રી રીલતશ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (15) | 20 નવાડીસા જિલ્લા બનાસકાઠા (ગુજ)
માધ્વી શ્રી દેવતશ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (10) |
| 11 અહમદાવાદ (ગુજરાત)
માધ્વી શ્રી લાવણ્ય શ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (10) | 21 નવાડીસા (ગુજરાત)
માધ્વી શ્રી દમયંતી શ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (8) |
| 12 રાધનપુર જિલ્લા બનાસકાઠા (ગુજ)
માધ્વી શ્રી કુમુદશ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (8) | 22 રાજસોટ (ગુજરાત)
સાધ્વી શ્રી નમીચન્દ્રાશ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (12) |
| 13 રાધનપુર જિલ્લા બનાસકાઠા (ગુજ)
માધ્વી શ્રી હીરશ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (9) | 23 મોરવી (સીરાપ્ટુગુજરાત)
સાધ્વી શ્રી ચંદનવાલાજી મ મા
જાદિ ઠાળા (4) |
| 14 રાધનપુર (ગુજરાત)
સાધ્વી શ્રી ભવણશ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (5) | 24 જહમદાવાદ (ગુજરાત)
સાધ્વી શ્રી હેમશ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (8) |
| 15 રાધનપુર (ગુજરાત)
સાધ્વી શ્રી જયમદ્રા શ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (6) | 25 ળમાત જિલ્લા છેડા (ગુજરાત)
માધ્વી શ્રી નિયલર્મા શ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (4) |
| 16 અહમદાવાદ (ગુજરાત)
માધ્વી શ્રી ચંદ્રયાશ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (5) | 26 પાલીતાણા જિલ્લા સુરેન્દ્રનગર (ગુજ)
સાધ્વી શ્રી નિર્મલાશ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (10) |
| 17 અહમદાવાદ (ગુજરાત)
માધ્વી શ્રી સુગુણા શ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (7) | 27 અહમદાવાદ (ગુજરાત)
માધ્વી શ્રી નમદા શ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (6) |
| 18 અહમદાવાદ (ગુજરાત)
સાધ્વી શ્રી ચંદ્રકલા શ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (9) | 28 પાલનપુર (ગુજરાત)
સાધ્વી શ્રી વિદ્યુતપ્રભાશ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (10) |
| 19 જૂનાગઢ (સીરાપ્ટુ ગુજરાત)
માધ્વી શ્રી ચંદ્રાના શ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (16) | 29 ભિમ્વડી જિલ્લા સુરેન્દ્રનગર (ગુજ)
માધ્વી શ્રી સુલાચના શ્રીજી મ મા
જાદિ ઠાળા (8) |

- | | |
|---|--|
| 30. बोरसद (सौराष्ट्र) (गुजरात)
साध्वी श्री प्रफुल्लप्रभाश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (9) | 40. गागोदर-कच्छ जिला भुज (गुजरात)
साध्वी श्री विमलश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (8) |
| 31. बोटोद (गुजरात)
साध्वी श्री चन्द्रगुणश्रीजी म.सा.
- आदि ठाणा (4) | 41. भचाऊ-कच्छ जिला भुज (गुजरात)
साध्वी श्री चन्द्रोदयश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (12) |
| 32. राधनपुर जिला बनासकांठा (गुजरात)
साध्वी श्री विजयलताश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (5) | 42. आघोई-कच्छ जिला भुज (गुजरात)
साध्वी श्री चन्द्ररेखाश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (6) |
| 33. राधनपुर जिला बनासकांठा (गुजरात)
साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (6) | 43. भरुकीया-कच्छ जिला भुज (गुजरात)
साध्वी श्री नित्योदयश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (2) |
| 34. पाटन (गुजरात)
साध्वी श्री पुष्पचुलाश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (12) | 44. मांडवी-कच्छ जिला भुज (गुज.)
साध्वी श्री अनुपमाश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (11) |
| 35. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री सुलसाश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (6) | 45. मांडवी-कच्छ जिला भुज (गुज.)
साध्वी श्री धर्मकलाश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (3) |
| 36. वाव जिला बनासकांठा (गुजरात)
साध्वी श्री भद्रगुणाश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (4) | 46. भीमासर-कच्छ जिला भुज (गुज.)
साध्वी श्री यशस्वतीश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (3) |
| 37. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री अरुणाश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (10) | 47. अंजार-कच्छ जिला भुज (गुज.)
साध्वी श्री क्षेमंकराश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (8) |
| 38. लाकड़िया-कच्छ जिला भुज (गुज.)
साध्वी श्री चारित्रश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (9) | 48. भुजपुर-कच्छ जिला भुज (गुज.)
साध्वी श्री दिवाकरश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (3) |
| 39. लाकड़िया-कच्छ (गुजरात)
साध्वी श्री मुशीलगुणश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (2) | 49. भुज-कच्छ (गुजरात)
साध्वी श्री दिनमणीश्रीजी म.सा.
आदि ठाणा (14) |

50	मून्ना-कच्छ जिला भुज (गुज) साध्वी श्री अतिमुक्ताश्रीजी म सा आदि ठाणा (6)	60	वेरावल-सौराष्ट्र (गुजरात) साध्वी श्री नित्यान दाश्रीजी म सा आदि ठाणा (6)																																
51	लोडाई-कच्छ जिला भुज (गुजरात) साध्वी श्री सुदसाश्रीजी म सा आदि ठाणा (4)	61	हलवद-सौराष्ट्र (गुजरात) साध्वी श्री निवेदगुणाश्रीजी म सा आदि ठाणा (4)																																
52	रापर-कच्छ जिला भुज (गुजरात) साध्वी श्री चारुधर्माश्रीजी म सा आदि ठाणा (4)	62	अहमदाबाद जिला अहमदाबाद (गुज) साध्वी श्री निममाश्रीजी म सा आदि ठाणा (4)																																
53	सामरियाली कच्छ जिला भुज (गुजरात) साध्वी श्री अनतकिर्तीश्रीजी म सा आदि ठाणा (3)	63	यान जिला सुरेद्रनगर (गुजरात) साध्वी श्री चन्द्रज्योतिश्रीजी म सा आदि ठाणा (5)																																
54	घाणोवर-कच्छ जिला भुज (गुज) साध्वी श्री हेमकलाश्रीजी म सा आदि ठाणा (4)	64	नादेज-सौराष्ट्र (गुजरात) साध्वी श्री चन्द्रसिताश्रीजी म सा आदि ठाणा (4)																																
55	हलरा-कच्छ जिला भुज (गुजरात) साध्वी श्री सुन दाश्रीजी म सा आदि ठाणा (3)	65	गुजरात मे योग्य स्थल (गुजरात) साध्वियाजी म सा जिनके चातुर्मास के बारे मे सूचनाए नही मिल सकी । आदि ठाणा (56)																																
56	मनफरा-कच्छ जिला भुज (गुजरात) साध्वी श्री कुवलयाश्रीजी म सा आदि ठाणा (8)	<table><tr><td>कुल चातुर्मास सती के</td><td>7</td><td>कुल सत</td><td>28</td></tr><tr><td>कुल चातुर्मास सतिया के</td><td>58</td><td>कुल सतियाँ</td><td>451</td></tr><tr><td>कुल</td><td>65</td><td>कुल</td><td>479</td></tr></table>		कुल चातुर्मास सती के	7	कुल सत	28	कुल चातुर्मास सतिया के	58	कुल सतियाँ	451	कुल	65	कुल	479																				
कुल चातुर्मास सती के	7	कुल सत	28																																
कुल चातुर्मास सतिया के	58	कुल सतियाँ	451																																
कुल	65	कुल	479																																
57	सातलपुर जिला बनासकाठा (गुज) साध्वी श्री चन्द्रकान्ताश्रीजी म सा आदि ठाणा (4)	<table><tr><td>कुल चातुर्मास</td><td>66 सत</td><td>28 सतियाँ</td><td>451 कुल ठाणा</td><td>479</td></tr></table>		कुल चातुर्मास	66 सत	28 सतियाँ	451 कुल ठाणा	479																											
कुल चातुर्मास	66 सत	28 सतियाँ	451 कुल ठाणा	479																															
58	प्रागपुर-कच्छ जिला भुज (गुज) साध्वी श्री पुष्यप्रभाश्रीजी म सा आदि ठाणा (5)	<table><tr><td colspan="4">सत सती तालिका</td></tr><tr><td>आचार्य</td><td>1</td><td></td><td></td></tr><tr><td>पयसा</td><td>-</td><td></td><td></td></tr><tr><td>गणि</td><td>-</td><td></td><td></td></tr><tr><td>प्रवतक</td><td>-</td><td></td><td></td></tr><tr><td>मुनि</td><td>28</td><td></td><td></td></tr><tr><td>साध्विया</td><td>451</td><td></td><td></td></tr><tr><td>कुल ठाणा</td><td>479</td><td></td><td></td></tr></table>		सत सती तालिका				आचार्य	1			पयसा	-			गणि	-			प्रवतक	-			मुनि	28			साध्विया	451			कुल ठाणा	479		
सत सती तालिका																																			
आचार्य	1																																		
पयसा	-																																		
गणि	-																																		
प्रवतक	-																																		
मुनि	28																																		
साध्विया	451																																		
कुल ठाणा	479																																		
59	यड़वाण जिला सुरेद्रनगर (गुज) साध्वी श्री चारुलताश्रीजी म सा आदि ठाणा (6)																																		

शासन प्रभावक आचार्य प्रवर श्री विजय मोहन सूरेश्वरजी म. सा. का समुदाय

आचार्य प्रवर श्री विजय यशोदेव सूरेश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वीयाँजी

संत समुदाय

1. पालीताणा (गुजरात)

1. आचार्य प्रवर श्री विजय यशोदेव सूरेश्वरजी
म. सा.,

पन्यास श्री वाचस्पति विजयजी म. सा.

आदि ठाणा (4)

पता:—जैन साहित्य मन्दिर,
पालीताणा (सौराष्ट्र-गुजरात)

2. गोवालिया टेंक-बम्बई (महाराष्ट्र)

आचार्य प्रवर श्री जयानन्द सूरेश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (6)

पता:—87 गोवालिया टेंक, आराधना जैन
देरासर उपाश्रय, बम्बई-36

3. रायपुर (मध्यप्रदेश)

आचार्य प्रवर श्री कनक रत्न सूरेश्वरजी म. सा

आदि ठाणा (7)

पता:—जैन उपाश्रय,
मु. पो. रायपुर (म. प्र)

4. बड़ौदा (गुजरात)

पन्यास श्री महानन्द विजय जी म. सा

आदि ठाणा (6)

पता:—जैन उपाश्रय,

जान शेरी घड़ियान पोल, बड़ौदा (गुजरात)

5. बड़ौदा (गुजरात)

पन्यास श्री सूर्योदय विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता:—जैन देरासर उपाश्रय,

रावपुरा, कोठी पोल, बड़ौदा (गुजरात)

6. मरीन ड्राईव-बम्बई (महाराष्ट्र)

गणि श्री पद्मानन्द विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता:—जैन उपाश्रय, पाटन जैन मंडप,

मरीन ड्राईव बम्बई-20

7. बड़ौदा (गुजरात)

गणि श्री पूर्णानन्द विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता—आराधना भुवन, जैन उपाश्रय,

कारेली बाग, बड़ौदा (गुजरात)

8. अंधेरी-बम्बई (महाराष्ट्र)

श्री सुबोध विजय जी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता:—पार्श्व दर्शन, विन्डिंग, जैन देरासर,

जूना नागरदास रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69

9. मकड़ा-कच्छ (गुजरात)

श्री माणिक विजय जी म. सा.

आदि ठाणा

पता—जैन उपाश्रय,

मकड़ा-कच्छ (गुजरात)

- पता —श्रीमाली बागो, जैन उपाश्रय,
मु पो उमोई जिला वडोदा (गुज)
- 35 वडोदा (गुजरात)
साध्वी श्री मंगेन्द्रश्रीजी म
जादि ठाणा (18)
- पता —जैन उपाश्रय, मामानी पाल,
रावपुरा, वडादा (गुजरात)
- 36 भोरगाबाद (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री सुलभणाश्रीजी म
जादि ठाणा (4)
- पता —जैन उपाश्रय, जाह्नीबाग,
जारागाबाद (महाराष्ट्र)
- 37 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री कुमुदप्रभा श्रीजी म
जादि ठाणा (13)
- पता —कुमुद कल्प स्वाध्याय मंदिर,
फतेहपुरा, अहमदाबाद (गुज)
- 38 गुजरात मे योग्य स्थल (गुजरात)
साध्वी श्री मनारमाश्रीजी म
जादि ठाणा (3)
- 39 गोवालिया टैंक-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री प्रियवदाश्रीजी म
जादि ठाणा (13)
- पता —मासल अपाटमटस,
3 माला, तावालिया टैंक, बम्बई-36
- 40 पूना (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री पदमयशा श्री जी म
जादि ठाणा (3)
- पता —महिला उपाश्रय, गार्दाजी जैन मंदिर,
111 गुरार पठ, पूना (महा)-411 002
- 41 भावनगर (गुजरात)
साध्वी श्री धमप्रभा श्री जी म
जादि ठाणा (1)
- पता —दादा साहब जैन देरासर,
काला नाका, भावनगर (गुज)
- 42 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री विमला श्री जी म
जादि ठाणा (3)
- पता —हजारो निवाम,
तलेटी रोड, पालीताणा (गुजरात)
- 43 पचपादरा (गुजरात)
साध्वी श्री पदमयशा श्री जी म
जादि ठाणा (4)
- स्थे क्रिया भवन, पदरा सीटी, मु पचपादरा,
पास्ट बालातरा जिला वाडमेर (राज)
- 44 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री पुष्पयशा श्री जी म
जादि ठाणा (4)
- पता —आनन्द भवन, तलेटी राड, पालीताणा,
जिला भावनगर (गुजरात)
- 45 वडोदा (गुजरात)
साध्वी श्री ललितागयशा श्री जी म
जादि ठाणा (2)
- पता —जन उपाश्रय, आत्माराम पाक,
कारली भाग, वडोदा (गुजरात)
- 46 राजकोट (गुजरात)
साध्वी श्री सुयशा श्री जी म
ठाणा (1)
- 47 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री चद्रा श्री जी म
जादि ठाणा (1)
- पता —मार्ताशा नो पडी, पानीताणा (गुजरात)
- 48 चूडा (गुजरात)
साध्वी श्री दमयती श्री जी म
जादि ठाणा (6)

पता—जैन उपाश्रय,
मु पो चूडा-सौराष्ट्र (गुजरात)

49. जैतपुर (गुजरात) :

साध्वी श्री कनक प्रभा श्री जी म

आदि ठाणा (3)

पता:—उजडया जैन उपाश्रय,
जैतपुर (गुजरात)

50. पालीताणा (गुजरात) :

साध्वी श्री कनक प्रभा श्री जी म

ठाणा (1)

पता—श्रमणी विहार, पालीताणा
(गुजरात)

51. तलोद (गुजरात) :

साध्वी श्री तत्वगुणा श्री जी म.

ठाणा (1)

पता—जैन उपाश्रय,
मु पो तलोद (उत्तर-गुजरात)

52. पालीताणा (गुजरात) :

साध्वी श्री तत्व श्री जी म

ठाणा (1)

53. दहीसर-वम्बई (महाराष्ट्र) :

साध्वी श्री कुमुम श्री जी म (खेडा वाला)

ठाणा (1)

पता—जैन देरासर पेढी,
स्टेशन सामने, दहीसर, वम्बई-68

54. अहमदाबाद (गुजरात) :

साध्वी श्री दिव्ययशा जी म.

आदि ठाणा (2)

पता—किर्ती सोसायटी, धनेश्वर,
बगला न. 3, सावरमती,
अहमदाबाद (गुजरात)

55. पालीताणा (गुजरात) :

साध्वी श्री हीरा श्री जी म.

ठाणा (1)

पता—हट्ठीभाई नी मंडेर,
पालीताणा (गुजरात)

कुल चातुर्मास संतों के	11	कुल संत	40
कुल चातुर्मास साध्वियों के	44	कुल साध्वियाँ	179
	—		—
कुल	55	कुल	219

कुल चातुर्मास 55 संत 40 साध्वियाँ 179
कुल ठाणा 219

संत-सती पद तालिका

आचार्य	3
उपाध्याय	—
पन्याम	3
गणि	3
प्रवर्तक	—
प्रवर्तिनयाँ	1
मुनि	40
साध्वियाँ	179
कुल ठाणा	219



योग्य निष्ठ आचार्य प्रवर श्री विजयकेशर
सूरिस्वरजी म. सा. का समुदाय

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय भुवनरत्न सूरिस्वरजी
म सा के आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वियाँजी

सत समुदाय

1 पालढी-अहमदाबाद (गुजरात)

गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री विजय भुवन
रत्न सूरिस्वरजी म सा

पति—श्री यशो विजयजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता—जैन नगर उपाश्रय,

नवा झारदा मंदिर राड,

पालढी-अहमदाबाद (गुज) 380007

2 पालीताणा (गुजरात)

आचार्य प्रवर श्री विजय स्वयंभूत सूरिस्वरजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—गिरि विहार, तलेटी राड,

पालीताणा (गुज) मोराष्ट्र

3 हैदराबाद (आंध्रप्रदेश)

पन्थाम श्री हंसप्रभ विजयजी म सा

आदि ठाणा (4)

पता—श्री महावीर स्वामी जैन दरामर, जैन उपाश्रय,

फौजाना, हैदराबाद (आंध्रप्रदेश)

4 अहमदाबाद (गुजरात)

श्री विभाकर विजयजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री जैन उपाश्रय, जीवराज पार्क,

अहमदाबाद (गुजरात)

5 जामनगर (गुजरात)

श्री भाम्बर विजयजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री मोहन विजय जैन पाठशाला,
जामनगर (साराष्ट्र)

6 अहमदाबाद (गुज)

श्री जगन्ध विजयजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता

7 सुरेन्द्रनगर (सौराष्ट्र)

श्री हंसप्रभ विजयजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री जगन्धजी कल्याणजी पट्टी जैन उपाश्रय,
मुनि बोधन मार्ग, सुरेन्द्रनगर (गुज)

8 पालीताणा (गुजरात)

श्री हरिभद्र विजयजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—गिरि विहार, तलेटी राड,

पालीताणा (मोराष्ट्र)

महासतियाँजी समुदाय

9 बीलीमोरा (गुजरात)

प्रवर्तिनी माधवी श्री नेमधीजी म

आदि ठाणा (8)

- पता:—जैन उपाश्रय, देरासर
बिलीमोरा (गुज.) जिला बलसाड
10. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री ज्ञानश्रीजी म
आदि ठाणा (8)
पता:—गिरि विहार, तलेटी रोड,
पालीताणा (सौराष्ट्र)
11. शाहपुर-अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री बल्लभश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
पता:—मंगल पारेखनो खाचो, जैन उपाश्रय,
शाहपुर-अहमदाबाद (गुज.)
12. सुरेन्द्रनगर (गुजरात)
साध्वी श्री हस्तीश्रीजी म
आदि ठाणा (9)
पता:—उपरोक्त
13. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री प्रभाश्रीजी म.
आदि ठाणा (3)
पता:—गिरि विहार, तलेटी रोड,
पालीताणा (सौराष्ट्र)
14. भावनगर (गुजरात)
साध्वी श्री विनिताश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता:—जैन देरामर उपाश्रय, वडवा,
भावनगर (गुजरात)
15. मुलुण्ड-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री मधुकान्ताश्रीजी म
आदि ठाणा (11)
पता:—श्री वासुपूज्य स्वामी जैन देरासर,
जवेर रोड, मुलुण्ड (वेस्ट) बम्बई-80
16. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री राजेन्द्रश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता—उपरोक्त
17. सूरत (गुजरात)
साध्वी श्री चपकश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता:—गोपीपुरा, सूरत (गुज.)
18. पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री रमणीकश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता:—उपरोक्त
19. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री विनयप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता:—विजयचन्द्र सूरी जैन ज्ञान मंदिर,
नवरंग कालोनी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-9
20. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री प्रशांतश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता:—शेठनो उपाश्रय, बाघण पोल,
जवेरी रोड, अहमदाबाद-1
21. सावरमती-अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री पदमप्रभाश्रीजी म.
आदि ठाणा (5)
पता:—जैन उपाश्रय, आन्नकुज सोमायटी, रामगनगर,
सावरमती, अहमदाबाद (गुजरात)
22. हेंदराबाद (आन्ध्रप्रदेश)
साध्वी श्री कुमुदश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता:—उपरोक्त क्रमांक 3

- 23 घाटकोपर-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री हुसाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता -श्री पाशवंतनाथ पंढरी, सपाणी इस्टेट,
13, साईनगर, एलशवी शास्त्री मार्ग,
घाटकोपर (वेस्ट) बम्बई-8
- 24 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री निमलप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -जैन उपाध्य, सदर बाजार केम्प,
चार रास्ता, अहमदाबाद-380001 (गुजरात)
- 25 काविवली बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री श्रेयश्करश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -श्री मुनिमुक्त स्वामी जैन देरासर,
मुलाभाई दसाई रोड,
काविवली (पश्चिम) बम्बई-67
- 26 पालीताणा (गुजरात)
साध्वी श्री चन्द्रप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
पता -गिरी विहार, तलेटी रोड,
पालीताणा (सौराष्ट्र)
- 27 सावरमती अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री अन्त तम्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
पता -गंजी वहल का उपाध्य,
रामनगर, बरसोडानी चाल,
सावरमती, अहमदाबाद (गुज)
- 28 अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री विश्वप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -हट्ठीभाईनी बाडी, अहमदाबाद (गुज)
- 29 सुलजानपुर (गुजरात)
साध्वी श्री प्रियदशनाश्रीजी म
आदि ठाणा (4)
- 30 अमरेली (गुजरात)
साध्वी श्री कल्पमुणाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -श्री मन्मथनाथ जैन देरासर,
जूनी बाजार, अमरेली (गुजरात)
- 31 जबलपुर (मध्यप्रदेश)
साध्वी श्री महाप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (5)
पता -जैन देरासर सराफा बाजार,
मु पो जबलपुर (मध्यप्रदेश)
- 32 अघेरी-बम्बई (महाराष्ट्र)
साध्वी श्री ज्योतिप्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -जैन उपाध्य, पारस नगर,
अघेरी (पूर्व) बम्बई (महा)
- 33 जामनगर (गुजरात)
साध्वी श्री विश्वज्योतिश्रीजी म
आदि ठाणा (2)
पता -जैन देरासर, जामनगर (सौराष्ट्र)
- 34 पालनपुर (गुजरात)
साध्वी श्री मञ्जुलाश्रीजी म
आदि ठाणा (5)
पता -श्री खरतरगच्छ उपाध्य, हनुमान घेरी,
मु पो पालनपुर जिला वनासकाठा (गुज)
- 35 पालनपुर (गुजरात)
साध्वी श्री वनमत्प्रभाश्रीजी म
आदि ठाणा (3)
पता -काजीभाई उपाध्य, मोटा देरामर पारि,
मु पो पालनपुर जिला वनासकाठा (गुज)

36. अहमदाबाद (गुजरात)

साध्वी श्री उदयप्रभाश्रीजी म.

आदि ठाणा (6)

पता—जैन उपाश्रय, जैन नगर,
नवा सरदार मंदिर रोड,
पालडी-अहमदाबाद (गुजरात)

37. नन्दूरवार (गुजरात)

साध्वी श्री नयपूर्णाश्रीजी म.

आदि ठाणा (2)

पता:—जैन देरासर, मु.पो. नन्दूरवार (खानदेश)
जिला धुलिया (महाराष्ट्र)

38. शान्ताक्रुझ-बम्बई (महाराष्ट्र)

साध्वी श्री ब्रजसेनाश्रीजी म.

आदि ठाणा (18)

पता—श्री सभवनाथ जैन देरासर, एन्ड्रेजा रोड,
शान्ताक्रुझ (वेस्ट) बम्बई-54

39. नवसारी (गुजरात)

साध्वी श्री मेरुशीलाश्रीजी म.

आदि ठाणा (7)

पता:—मधुमति, मु.पो. नवसारी
जिला वलसाड़ (गुज.)

40. होसपेट (कर्नाटक)

साध्वी श्री कल्पगुणाश्रीजी म.

आदि ठाणा (5)

पता:—जैन देरासर उपाश्रय,
मु.पो. होसपेट (कर्नाटक)

41. बेल्लारी (कर्नाटक)

साध्वी श्री विनयरत्नाश्रीजी म.

आदि ठाणा (3)

पता—जैन देरासर मु.पो. बेल्लारी,
जिला रायचूर (कर्नाटक)

42. गारीयाधर (गुजरात)

साध्वी श्री निरंजनाश्रीजी म.

आदि ठाणा (2)

पता.—जैन देरासर, मु.पो. गारीयाधर,
जिला भावनगर (सौराष्ट्र)

43. बोरीवली-बम्बई (महाराष्ट्र)

साध्वी श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म.

(7)

आदि ठाणा,

पता.—बहिनी का उपाश्रय,
दौलतनगर रोड नं. 7
बोरीवली (पूर्व) बम्बई-66

कुल चातुर्मास संतो के	8	कुल संत	19
कुल चातुर्मास साध्वियों के	35	कुल साध्वियाँ	155
कुल	43	कुल	174

कुल चातुर्मास 43 संत 19 सतिाय 155
कुल ठाणा 174

संत सती पद तालिका

आचार्य	2
पन्यास	1
गणि	1
प्रवर्तक	नही
प्रवर्तिनी	1
मुनि	19
साध्विया	155
कुल ठाणा	174



श्री मोहनलालजी म. सा. का समुदाय
आचार्य प्रवर श्री चिदानन्द सूरेश्वरजी म सा. के
आज्ञानुवर्ती सत-सतियाँजी म. सा.

सत समुदाय

1 नन्दूरबार (महाराष्ट्र)

आचार्य प्रवर श्री चिदानन्द सूरेश्वरजी
म सा

जादि ठाणा (3)

पता — श्री श्वे मूर्तिपूजक जैन सघ, जैन उपाध्य,
श्री अजीतनाथ का मन्दिर, मु पो नन्दूरबार,
जिला धुलिया (महाराष्ट्र) 425412

2 सूरत (गुजरात)

श्री भक्ति मुनिजी म सा

जादि ठाणा (3)

पता — श्री माहनमुनिजी जन उपाध्य,
गोपीपुरा, मेनराड, सूरत (गुज)

3 सुमेरपुर (राजस्थान)

श्री हरिश्चन्द्र मुनिजी म सा

जादि ठाणा (2)

पता — श्री जन उपाध्य,
मु पो सुमेरपुर (राजस्थान)

4 पाली-भारवाड (राजस्थान)

विठ्ठल आ गुपेश मुनिजी म सा

जादि ठाणा (6)

पता — शठ नवलचंद सुप्रतचंद जन पंडी,
गुजराती बटला पाली-भारवाड
(राज) 307101

5 अहमदाबाद (गुजरात)

श्री चंद्रशेखर मुनिजी म सा

जादि ठाणा (3)

पता — अकुर सामायटी, वारणपुरा,
अहमदाबाद (गुज) 380001

6 इंदौर (मध्यप्रदेश)

श्री प्रियदर्शन मुनिजी म सा

जादि ठाणा (2)

पता — श्री साल मन्दिर, पीपली बाजार,
इंदौर-452002 (म प्र)

महाराष्ट्रसतियाँजी समुदाय

7 पालीताणा (गुजरात)

साध्वी श्री जम्बुश्रीजी म

जादि ठाणा (6)

8 पाली-भारवाड (राजस्थान)

साध्वी श्री विनयश्रीजी म

जादि ठाणा (3)

पता — उपराक्त

9 मालवाडा (राजस्थान)

साध्वी श्री कमलश्रीजी म

जादि ठाणा (3)

पता:—जैन उपाश्रय,
मु.पो. मालवाडा (राजस्थान)

18. पीपवाड़ा (राजस्थान)
साध्वी श्री दयाश्रीजी म

आदि ठाणा

10. शिवगंज (राजस्थान)
साध्वी श्री कविन्द्रश्रीजी म.

आदि ठाणा (3)

11. शिवगंज (राजस्थान)
साध्वी श्री हेमलताश्रीजी म.

आदि ठाणा

कुल चातुर्मास संतों के	6	कुल संत	18
कुल चातुर्मास साध्वियों के	12	कुल साध्वियाँ	40
	—		—
कुल	18	कुल	58
	—		—

12. सादड़ी (राजस्थान)
साध्वी श्री प्रेमलताश्रीजी म.

आदि ठाणा (3)

कुल चातुर्मास 18 संत 18 साध्वियाँ 40
कुल ठाणा 58

13. पालड़ी-अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री जयतीश्रीजी म

आदि ठाणा

संत-सती पद तालिका

14. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री सुमगलाश्रीजी म.

आदि ठाणा

आचार्य	1
सत	18
साध्वियाँ	40
कुल ठाणा	58

पता:—हट्ठीभाईनी वाडी,
अहमदाबाद (गुज.)

15. अहमदाबाद (गुजरात)
साध्वी श्री किर्तीप्रभाजी म.

आदि ठाणा

16. देसुरी (राजस्थान)
साध्वी श्री गयमश्रीजी म

आदि ठाणा

17. दावाई (राजस्थान)
साध्वी श्री जयाश्रीजी म

आदि ठाणा



आचार्य श्री विजय सिद्धी सूरिश्वरजी (वापजी) म. सा का समुदाय

आचार्य श्री विजय भद्रकर सूरिश्वरजी म सा. के आज्ञा. सत-सतियाँजी म सा

1 आचार्य श्री विजय भद्रकर सूरिश्वरजी
म सा

आदि ठाणा

पता—अपेरा मामायटी जैन उपाश्रय,
पालडी जहमदाबाद-7

कुल चातुर्मास	10
कुल सत	25
कुल साध्वियाजी	300
कुल ठाणा	325

2 आचार्य श्री विजय विद्युधर सूरिश्वरजी म सा
आदि ठाणा

नाट - चातुर्मास प्रारंभ हान के 21 दिन बाद भी सूचिया
प्राप्त नही हा मकी अत यहा जो सख्या दी है वह
अनुमान म हो लिखी ह। विवशता क लिए क्षमा करें।

3 आचार्य श्री विजय जिनचंद्र सूरिश्वरजी म सा
आदि ठाणा

—मम्मादक

॥ श्री नाकादा भेरेंवाय नम ॥

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—

कान्ति ट्रेडिंग मिल्स

☐ रगीन व प्रिन्टेड वायल व रुबिया के निर्माता एव विक्रेता ☐

जन मार्केट के अन्तर, पाली-मारवाड 306401

☐

Shop 21576

Resi 22758

उत्तमचन्द शान्तिलाल नाबरिया

कपडे के योक व्यापारी

सोजत सोटी (राज)

आचार्य श्री विजयभद्र सूरेश्वरजी म.सा. का समुदाय

आचार्य श्री ऊँकार सूरेश्वरजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती
संत-सतियाँजी म.सा.

1. जूना डोसा (गुजरात)

आचार्य श्री ऊँकार सूरेश्वरजी म.सा.

आदि ठाणा . . .

पता—जैन उपाश्रय, जूना डोसा वाया पालनपुर
जिला वनासकाठा (गुज)

3 सांचौर (राजस्थान)

श्री जिनचन्द्र विजयजी म सा आदि ठाणा . . .

पता—जैन उपाश्रय, सांचौर जिला जालौर (राज.)

कुल चातुर्मास 40 संत 23 साध्वियों 140 कुल ठाणा
163

2. राजपुर (गुजरात)

पत्न्यास श्री अरविन्द विजयजी म सा.

आदि ठाणा

पता—जैन उपाश्रय, राजपुर वाया पालनपुर
जिला वनासकाठा (गुज)

नोट—इस सम्प्रदाय की भी पूरी सूची प्राप्त नहीं हो सकी
अतः सभी ठाणाओं के नाम, चातुर्मास स्थल का पता
आदि नहीं दे सके, क्षमा करें। कुल ठाणाओं का टोटल
लगा दिया है।

With best compliments from :

Phone } 555
777

Jain Industries

E-1, Industrial Estate, Ratlam-457001 (INDIA)

Manufacturers of :

Bright Steel Bars & Shafting
M.S. En8. En9. Etc.

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

Parasmull Bumb

S. Kanhayalal Parasmull

40 Polliyyar Koil Street

Ashok Nagar Shooliy BANGALORE-560025 (Karnataka)

Tel No 572024

सर्वत्र नमो भगवते वासुदेवाय नमः
सर्वत्र नमो भगवते वासुदेवाय नमः

हादिक शुभकामनाओं सहित—



Ridhakaran Betala

51, North Boag Road

MADRAS-600 017

Phone 115177

**शासन सम्राट, तपोनिधि, भारत दिवाकर, श्री अचल
गच्छाधिपति आचार्य प्रवर श्री गुण सागर
सूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्तो
साधु-साध्वियोंजी म. सा.**

मुनिराज समुदाय

1. शान्ताकुण्ड-बम्बई (महा.)

शासन सम्राट, तपोनिधि भारत दिवाकर
अचल गच्छाधिपति आचार्य श्री गुणसागर
सूरीश्वरजी म. सा.

आदि ठाणा (7)

पता.—श्री कलिकुण्ड पार्श्वनाथ जैन मंदिर,
नेहरू रोड, रूपटाकीज पीछे
शाताकुण्ड (पूर्व) बम्बई-55

2. गुणनगर-कच्छ (गुज.)

आचार्य श्री गुणोदय सागर सूरीश्वरजी म सा.

आदि ठाणा (4)

पता —य. व. 72 जिनालय तीर्थ, मु गुणनगर
पो तलवाण ता. माडवी कच्छ
(गुज) 370465

3. घाटकोपर-बम्बई (महा.)

गणिवर्य श्री कलाप्रभ सागरजी म सा

आदि ठाणा (7)

पता —श्री जीरावल्लि पार्श्वनाथ जैन देरामर,
देरामर लेन, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-77

4. नरेडी-कच्छ (गुज.)

श्री वीर भद्र सागरजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता —जैन उपाश्रय,
मु पो. नरेडी ता. अवरगमा-कच्छ (गुज.)

5. नाला सोपारा-बम्बई (महा.)

श्री महोदय सागरजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता.—वर्तक ऐनेक्स, तुलीज रोड, नालासोपारा (पूर्व)
जि ठाणा (महा) 401203

6. भुजपुर-कच्छ (गुज.)

श्री महाभद्र सागरजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता.—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,
मु. पो भुजपुर ता. मून्दा-कच्छ (गुज)

7. थाणा-बम्बई (महा.)

श्री हरिभद्र सागरजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता —श्री अचल गच्छ जैन उपाश्रय, गांतम लब्धि विल्डिंग
वीर सावरकर रोड, थाणा (महा) 400601

8. डीग्रस (महा.)

श्री पुण्योदय सागरजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता —श्री अचल गच्छ जैनमधु मार्फत सजयकिराणा स्टोर्स,
मु पो डीग्रस जिला यवतमाल (महा.) 145203

9. गोरगाव-बम्बई (महा.)

श्री गवोदय सागरजी म सा

आदि ठाणा (1)

पता —श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,
राजेन्द्र पार्क 1 माना, स्टेशन रोड,
गोरगाव (वेन्ट) बम्बई-62

10 देवपुर कच्छ (गुज)

श्री भलसारागरजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता - श्री जन उपाश्रय,

मु पा देवपुर (गढ़वाली) तायामुज

त माडवी-कच्छ (गुज)

साध्वीयांजी समुदाय

11 माडवी-कच्छ (गुजरात)

प्रमुख साध्वी श्री दशन श्रीजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता - श्री जचलगच्छ जन महिला उपाश्रय,

रञ्जुदाशो ना घर, माम, छापरा शेरी, र टी मा

राड माण्डवी-कच्छ (गुज) 370465

12 पालीताणा (गुज)

साध्वी श्री हरप्रभोजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता - लालगन जन सामावटी, आमवाल क पाम,

दाडीया निरास नेटी राड,

पालीताणा (माराट्र) 364270

13 साभराई कच्छ (गुज)

साध्वी श्री गिरीनरजीजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता - श्री जन दरामर म पा साभराई

ता माण्डवी-कच्छ (गुज)

14 जन आश्रम नागलपुर (गुज)

साध्वी श्री हम श्रीजी म सा

साध्वी श्री जयत श्रीजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता - श्री जन दरामर, जन आश्रम,

मु पा नागलपुर ता माण्डवी-कच्छ (गुज)

15 मुयरो-कच्छ (गुज)

साध्वी श्री नरद्रथीजी म सा

आदि ठाणा (6)

पता - श्री जन दरामर

मु पा मुयरो ता जयदामा-कच्छ (गुज)

16 पालीताणा (गुज) c

साध्वी श्री हमलता श्रीजी म सा

आदि ठाणा (4)

पता - श्री नरसी नाथा धमशाला

मु पा पालीताणा (माराट्र)

(गुज) 361270

17 पालीताणा (गुज)

साध्वी श्री चन्द्रप्रभा श्रीजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता - राजेन्द्र भवन, तनटी राड, पालीताणा

(माराट्र) (गुज) 364270

18 शेरडी-कच्छ (गुज)

साध्वी श्री सुययनाश्रीजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता - श्री जन दरामर,

मु पा शेरडी ता माण्डवी-कच्छ (गुज)

19 मारसीम (राजस्थान)

साध्वी श्री प्रियवदाश्री जी म सा

आदि ठाणा (3)

पता - श्री जचलगच्छ जन मदिग

मु पा मारसीम जिला जालौर

(राज)

20 हातापुर-कच्छ (गुज)

साध्वी श्री सुलदाण थीजा म सा

आदि ठाणा (1)

पता - श्री जन दरामर

मु पा हातापुर ता माण्डवी-कच्छ (गुज)

21 माण्डुप बम्बई (महा)

साध्वी श्री निरजनाश्रीजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता —श्री क वी ओ अचलगच्छ जैन उपाश्रय,
शक्ति विल्डिंग-वी, आर्कोड 1 माला
एल. वी मार्ग मंगल फटेवर
भाण्डुप (पश्चिम) वम्बई-78

22. कोटडा-कच्छ (गुज.)

साध्वी श्री अमरेन्द्रश्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)

पता —श्री जैन देरासर
मु पो कोटडा (रोहा) बाया भुज-कच्छ (गुज)

23. काडागरा (गुज.)

साध्वी श्री खीर भद्रा श्रीजी म सा
आदि ठाणा (4)

पता —श्री जैन देरासर
मु. पो काडागरा. मून्दा-कच्छ (गुज)

24. कोडाय-कच्छ (गुजरात)

साध्वी श्री हीरप्रभा श्री जी म सा
आदि ठाणा (3)

पता —श्री जैन देरामर
मु पो कोडाय ता माण्डवी-कच्छ (गुज)

25. वडाला-वम्बई (महा.)

साध्वी श्री पुण्योदयश्रीजी म सा
आदि ठाणा (6)

पता.—श्री अचलगच्छ जैन देरामर, श्रीपमा नेवोरेटरी
के पीछे, आर ए किदवई रोड, वडाला वम्बई-31

25. चीचबन्दर-वम्बई (महा.)

साध्वी श्री चारुलताश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (1)

पता.—श्री क वी ओ दगावामी जैन,
नवी महाजन बाटी चिचबन्दर वम्बई-9

27. कोठारा-कच्छ (गुज.)

साध्वी श्री वमन्तप्रभाश्रीजी म सा.
आदि ठाणा (3)

पता —श्री जैन देरासर मु. पो. कोठारा ता अबडासा
जि भुज-कच्छ (गुज)

28. चेम्बूर-वम्बई (महा.)

साध्वी श्री अरुणोदयश्रीजी म सा
आदि ठाणा (3)

पता —श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय,
विधुश्री विल्डिंग,
15 वा रोड, चेम्बूर वम्बई-71

29. भीनमाल (राजस्थान)

साध्वी श्री कनकप्रभाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (1)

पता —श्री टीकुजी धर्मशाला, गणेश चौक
मु पो भीनमाल (राज)

30. पालीताणा (गुज.)

साध्वी श्री अनुपमाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (1)

पता —श्री देवसी पूना
मु पो पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुज.)

31. मोटा आसंबीया (गुज.)

साध्वी श्री कल्याणोदयश्री म सा
आदि ठाणा (3)

पता —श्री जैन देरामर
मु पो मोटा आसंबीया भुज-कच्छ (गुज)

32. तलवाणा-कच्छ (गुजरात)

साध्वी श्री विज्जोदयश्री
आदि ठाणा (2)

पता —श्री अचलगच्छ नूतन जैन उपाश्रय,
तलवाणा ता माण्डवी-कच्छ (गुज)

33. पालीताणा (गुज.)

साध्वी श्री नित्यानन्दश्रीजी म सा
आदि ठाणा (1)

पता — उपरोक्त

- પતા - શ્રી જૈન દગમર,
મુ પા ગ્ગપુર જિ જામનગર હાનાર (મોગપ્પ)
(ગુજરાત)
- 61 બાડમેર (રાજસ્થાન)
માધ્વી શ્રી મહાપ્રજ્ઞા શ્રી જો મ સા
જાદિ ઠાળા (6)
પતા - શ્રી જુહારમલજી જોગીદામ પ્ગડ વ,
વધ્મા બાજાર ગાડમેર (રાજ) 344001
- 62 મલાડ બમ્બઈ (મહારાષ્ટ્ર)
માધ્વી શ્રી તત્ત્વપ્રજ્ઞા શ્રી જો મ સા
જાદિ ઠાળા (3)
પતા - શ્રી જ્વલગચ્છ જૈન ઉપાધ્યય મનાડ પ્રાવીગ
મટર, ઘોડવન્દર ગાડ, મનાડ (વેસ્ટ) બમ્બઈ-64
- 63 મુલુણ્ડ-બમ્બઈ (મહારાષ્ટ્ર)
માધ્વી શ્રી મૌમ્યગુણા શ્રી જો મ સા
જાદિ ઠાળા (2)
પતા - શ્રી જ્વલગચ્છ જૈન દગમર, ગણેશ ટાકીજિ પાતિ,
મુનુણ્ડ (પૂવ) બમ્બઈ-81
- 64 રાયળ કચ્છ (ગુજ)
માધ્વી શ્રી નદીવધના શ્રી જો મ સા
જાદિ ઠાળા (3)
પતા - શ્રી અચલગચ્છ જન દરાસર, વીરા મોગીય મેટર,
ડાકીવતીજિ ધાળા (મહા) 421201
- 65 ઘાટકોપર બમ્બઈ (મહા)
માધ્વી શ્રી કિર્તી ગુણા શ્રી જો મ સા
મ સા (1)
પતા - શ્રી અચલગચ્છ જન દરાસર, પારમ વિલ્ડિંગ,
ગાનીનાર રોડ, ત્રંગડુશાનગાર
ઘાટકોપર (વેસ્ટ) બમ્બઈ-400086
- 66 યલ્તો-બમ્બઈ (મહા)
માધ્વી શ્રી રત્ન ધગા શ્રી જો મ સા
જાદિ ઠાળા (2)
પતા - શ્રી જ્વલગચ્છ જન ઉપાધ્યય-મા-પક્ક મેન્જન,
ડા II વી રાડ વલા, બમ્બઈ 18
- 67 માટૂગા-બમ્બઈ (મહા)
માધ્વી શ્રી હિરણ્ય ગુણા શ્રી જો મ સા
જાદિ ઠાળા (3)
પતા - શ્રી મહાલક્ષ્મણ પાશ્વનાથ જૈન દગમર, કિમ્મ સવલ,
મહેશ્વરી ઉચાન, માટૂગા, (CR) બમ્બઈ-19
- 68 અક્તેશ્વર (ગુજરાત)
માધ્વી શ્રી અમીપૂર્ણા શ્રી જો મ સા
જાદિ ઠાળા (3)
પતા - શ્રી પ્રણેશ દિન પ્રા તિ, 178 જી આઈ ડી મી,
જ્વલેશ્વર જિલ્લેશ્વર (ગુજ) 393002
- 69 નગલપુર-ડોંડ (ગુજ)
માધ્વી શ્રી ચારુધમ શ્રી જો મ સા
જાદિ ઠાળા (2)
પતા - ઉપરોક્ત
- 70 કુર્તા-બમ્બઈ (મહા)
માધ્વી શ્રી જય પદમ ગુણા શ્રી જો મ સા
જાદિ ઠાળા (2)
પતા - શ્રી વ વી જો જૈન સવા સમાજ,
જા પી પી પી આ આશા રાડ, કુર્તા(W) બમ્બઈ-70
- 71 જન આશમ-નાગસપુર (ગુજ)
માધ્વી શ્રી મનાના શ્રી જો મ સા
ઠાળા (1)
પતા - ઉપરોક્ત
- 72 નાના આસવીયા-કચ્છ (ગુજ)
માધ્વી શ્રી જયધમા શ્રી જો મ સા
ઠાળા (1)
પતા - શ્રી જૈન દગમર, મુ પા નાના આસવીયા વાયા
મુજ-કચ્છ (ગુજ)
- 73 પાલીતાણા (ગુજરાત)
માધ્વી શ્રી ગુણમાલા શ્રી જો મ સા
જાદિ ઠાળા (2)
પતા - ઉપરોક્ત બનુસાર

74. मेराऊ-कच्छ (गुजरात)

माध्वी श्री विरागपूर्णा श्री जी म सा

ठाणा (1)

पता—श्री जैन देरामर मु पो. वाढ

ता माण्डवी-कच्छ

(गुजरात)

पता—श्री जैन श्राविका विद्यापीठ, मु पो मेराऊ ता

माण्डवी कच्छ (गुजरात)

कुल चातुर्मास 75, मुनिराज 38, साध्वीयाँजी 159

कुल 207

75. वांढ-कच्छ (गुजरात)

माध्वी श्री अहंत्कारणाश्री जी म सा

आदि ठाणा (4)



आचार्य श्री दानसागर सूरेश्वरजी म. सा. का समुदाय

संत समुदाय

1. जामनगर (गुजरात)

मुनिराज श्री लब्धि मागर जी म सा.

आदि ठाणा (2)

पता—श्री अचलगच्छ जैन उपाश्रय, आणनन्द बावा
चकला, जामनगर मौराष्ट्र (गुज)

पता—श्री महर्षिफण पार्श्वनाथ देरामर, माहेश्वरी उद्यान
पामे, माटंगा बम्बई-19

5. डूमरा-कच्छ (गुजरात)

माध्वी श्री रत्न प्रभाश्री जी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री जैन देरामर, मु पो डूमरा

बाया माण्डवी-कच्छ

(गुजरात)

साध्वीयाँजी समुदाय

2. भुज-कच्छ (गुजरात)

माध्वी श्री केशर श्री जी म सा

आदि ठाणा (5)

पता—श्री अचलगच्छ महिला उपाश्रय, बाणियावाड
डेलो-भुज, कच्छ (गुज)

6. पालीताणा (गुजरात)

माध्वी श्री जयानन्द श्री जी म सा

ठाणा (1)

पता—मगन मोदी धर्मशाला, पालीताणा
मौराष्ट्र (गुजरात)

3. जामनगर (गुजरात)

माध्वी श्री वसंत श्री जी म सा

ठाणा (1)

पता—श्री अचलगच्छ महिला उपाश्रय,
ताजी बावा चकला, जामनगर (गुज)

7. वाडीया-कच्छ (गुजरात)

माध्वी श्री चन्द्रयगा श्री जी म सा

आदि ठाणा (2)

4. डूमरा-कच्छ (गुजरात)

माध्वी श्री धर्मानन्द श्री जी म सा

ठाणा (1)

पता—श्री जैन देरामर मु पो वाटिया

ता अवटामा-कच्छ

(गुजरात)

8 रामाणीया-कच्छ (गुजरात)

माध्वी श्री विश्वलता श्री जी म मा

जादि ठाणा (3)

पता—श्री: जन देरामर, मु पो रामणीया
ता म्न्दा-कच्छ (गुज)

गहन कहना सहज विन्तु, दुलभ भक्ति वा मिलना है।
सबन हितेषी समदर्शी, निर्दोष वह दश हमारा है॥

हादिक्र शभनगमनाजो सहित-

श्री मातव कैसरी श्री सोमागमलजो म सा की जप

कुल चातुर्मास 8, सत 2, साध्वीयाजो 15, कुल ठाणा 17।

अवलगच्छ (विधिपक्ष) के (दोनो के)

कुल चातुर्मास सतो के	11	कुल सत	40
कुल चातुर्मास साध्वीयो के	71	कुल साध्वीयाजो	184
कुल	83	कुल	224

कुल चातुर्मास 83, सत 40 साध्वीयाजो 184

कुल ठाणा 224

सत-सती पद-तालिका

आचाय	2
उपाध्याय	—
गन्याम	—
गणि	1
प्रवक्त	—
प्रवर्तिनी	—
मल	40
साध्वीयाजो	184
कुल ठाणा	224

महावीर केप एंड रेडिमेड

क्लाथ स्टोर

फेन्सी, होजियरी. केप, एड रेडिमेड कपडे के
थोक व्यापारी

माणकचौक, रतलाम (म प्र)

जानी बन सतसग बिया, तजा न मन अहकार ।

तो बनबारे बैल बन, गया जम बैकार ॥

‘समथ प्रकाश’ ग्रंथ तीस रुपये का मनीग्रार्डर भेजकर
मँगवा सकते है । पृष्ठ संख्या 900 पक्की बाईडिंग,
रगिजन का कवर श्रद्धि पत्र डाक खर्च सहित सिर्फ तीस
रुपये मे

घीसूलाल पितलिया

सिरियारी-306027,

जिला पाली (राज)

स्व

सचमुच ही वह मानव जग में, महापुरुष कहलाता है ।
सुख दुख में जो कमल, सर्वदा सम रस पी मुस्कराता है ॥

With best compliments from .



M/s. Arman Electronics Pvt. Ltd.

4, Market Road, BANGALORE-560004
(Karnataka)

श्री श्वे. मूर्तिपूजक खरतरगच्छ के साधु-साध्वियों के चातुर्मास

1. पावापुरी (बिहार)

परम पूज्य आचार्य श्री जिन उदयसागरजी
म सा.

आदि ठाणा (4)

पता —श्री जैन श्वेताम्बर तीर्थ,
मु पो पावापुरी,
जिला-नालन्दा (बिहार)

2. महिदपुर (मध्यप्रदेश)

- 1 मुनि श्री जयानन्द जी म सा
- 2 मुनि श्री राजेन्द्रजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता —श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
अमोढी वाली गली
मु पो महिदपुर
जिला-उज्जैन (मध्यप्रदेश)

3. फलोदी (राजस्थान)

मुनि श्री कल्याण सागर जी म सा

ठाणा (1)

पता —श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
बड़ी धर्मशाला
मु पो फलोदी
जिला-जोधपुर (राज) -312301

साधन —जोधपुर, पोकरण, जैमलमेर, लाउन पर
रेलो स्टेशन ह, जोधपुर से हर
घंटे बस जाती है।

4. भाडरवा (राजस्थान)

मुनि श्री काल सागर म सा

ठाणा (1)

पता —श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
मु पो भाडरवा
जिला-वाडमेर (राज)

5. चौहटन (वाडमेर (राजस्थान)

मुनि श्री कैलाश सागर जी म सा

(ठाणा (1)

पता —श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
मु पो चौहटन,
जिला-वाडमेर (राज)

6. मिण्ट स्ट्रीट मद्रास (तमिलनाडु)

मुनि श्री महिमा प्रभगागर जी म सा

आदि ठाणा (3)

पता —श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
चन्द्र प्रभ जूना जैन मन्दिर,
3-15, मिण्ट स्ट्रीट-मद्रास (तमिलनाडु) 600007
साधन —बम्बई, मद्रास, दिल्ली, भोपाल, मद्रास,
वैगलीर, कलकत्ता से सीधी ट्रेन जाती है।

7. पादरु (राजस्थान)

मुनि श्री मणि प्रभ सागर जी म सा

आदि ठाणा (1)

पता —श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
मु पो पादरु
जिला-वाडमेर (राजस्थान)

8. कल्याणपुरा (राजस्थान)

मुनि श्री धर्मनागर जी म सा,

ठाणा (1)

पता —श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
मु पो कल्याणपुरा
जिला-वाडमेर (राज.)

9 देवलाली कम्प (महा)

मुनि श्री चन्द्रमागरजी म सा

आदि ठाणा (1)

पता—श्री बद्धमान सवा बट्ट, 350 मुरार बाग,

मु पा देवलाली कम्प जिला नामिक

(महा) 422101

महासतियांजी समुदाय

10 सिवाना (राजस्थान)

आपाध्यक्षा ब्याबट्टा श्री चम्पा श्री जी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री खरतरगच्छ का

उपाश्रय, तुलसा जी की

अमशाला, नयापुग

मु पा मिशना,

जिला-बाडमेर (राज) 343044

11 जामलनेर (महाराष्ट्र)

प्रवतनी श्री जिन श्री जी म सा

आदि ठाणा (10)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, जैन श्व

दादावाडी न्य प्लाट

मु पा जामलनेर

जिला जनगाव (महा) 425101

साधन—जलगाव, भुसावल, पांचारा, चालामगाव स
बने जाती है।

12 जयपुर (राजस्थान)

प्रधान पद विभगित श्री अविचन श्री जी म सा

आदि ठाणा (7)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, विचक्षण भवन,

मानी मिह भासिय का रास्ता, जाहने बाजार

जयपुर (राजस्थान) 302003

साधन—दिल्ली, जहमदावाद मन लाइन पर रत्न
स्टेशन है। दिल्ली, अलवर, अजमेर यात्र
जहमदावाद उदयपुर मवाइ माधपुर, बीकानेर,
आगरा, आदि स्थान

13 जयपुर (राजस्थान)

प्रवर्तिनी श्री गज्जन श्रीजी म सा

आदि ठाणा (7)

पता—

साधन—उपरास्त श्रमाके के अनुसार

14 मलाड (वेस्ट) बम्बई (महा)

साध्वी श्री तिलन श्री जी म सा

आदि ठाणा (4)

पता—श्री वामुष्य स्वामी, जन मंदिर, मामलदार

राडी, राड न 5, पिल्ली एपाटमेट, दूमरामाला

मलाड (वेस्ट) बम्बई (महा) 6400064

साधन—पर क चच गेट—बारायली लावल ट्रेन स
मलाड उतरें।

15 आगामी थाणा (महाराष्ट्र)

साध्वी श्री भाग्य यशा श्री जी म सा

आदि ठाणा (3)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, चालपठ,

जैन दरामर

मु पा आगामी

जिला-थाणा (महा)

16 बीकानेर (राजस्थान)

साध्वी श्री चन्द्रप्रभा श्री जी म सा

आदि ठाणा (16)

पता—कृपाचंद मूरि जैन उपाश्रय,

मु पा रागडी चाक

बीकानेर (राज) 334001

साधन—अजयपुर, आगरा, जहमदावाद, पीपार

मडला राड, नागार, जाधपुर, मवाइ

माधपुर दिल्ली म सीधी ट्रेन जाती है।

17 पायधूनी-बम्बई (महा)

साध्वी श्री मनाहरश्रीजी म सा

आदि ठाणा (6)

पता—श्री महावाइ स्वामी, जन दरारसर,

पायधूनी, बम्बई-3

साधन—उपरास्त

8. लशकर (म.प्र.) ग्वालियर

माध्वी श्री चन्द्रकलाश्रीजी म मा

आदि ठाणा (5)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,

जैन श्वेताम्बर मन्दिर, सराफा बाजार,

लशकर-ग्वालियर (म.प्र.) 474001

19. पाली मारवाड़ (राजस्थान)

माध्वी श्री अनुभवश्रीजी म मा

आदि ठाणा (5)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,

गुजराती कटला, नारोलियो का पोल,

पाली मारवाड़ (राज.) 306301

साधन.—मारवाड़ जक्शन, जोधपुर मेडता रोड, नागौर
(उ.रे.) रूट पर स्टेशन है।

20. नागौर (राज.)

माध्वी श्री मनोहरश्रीजी म मा

आदि ठाणा (5)

पता—श्री काली पोल का उपाश्रय,

मु.पो. नागौर (राज.) 341001

साधन.—जयपुर, मेडता रोड, फूलेरा, पाली, पीपाड,
मारवाड़, बीकानेर, जोधपुर, अहमदाबाद, आगरा
में सीधी ट्रेन जाती है।

21. नागौर (राज.)

माध्वी श्री चंचलश्रीजी म मा

आदि ठाणा (2)

पता-साधन—उपरोक्त क्रमांक के अनुसार

22. लोहाव. (राज.)

माध्वी श्री चरणप्रभाश्रीजी म मा

आदि ठाणा (3)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,

मु.पो. लोहावट जिला जोधपुर (राज.) 342102

23. व्यावर (राज.)

माध्वी श्री तरुणप्रभाश्रीजी म मा.

आदि ठाणा (3)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, चरखी गली

मु.पो. व्यावर-305901

जिला अजमेर (राज.)

साधन—परे के दिल्ली, अहमदाबाद में लाइन पर
रेल्वे स्टेशन है। सभी ट्रेन रुकती है। राजस्थान में
हर बड़े 2 जहरो से बसे उपलब्ध है।

24. किशनगढ़ (राजस्थान)

माध्वी श्री मनोरजनश्रीजी म मा.

आदि ठाणा (2)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, श्री सम्भवनाथ

जैन मंदिर ओसवालो का मोहल्ला

मु.पो. किशनगढ़

जिला अजमेर (राज.) 305801

साधन—जयपुर, अजमेर के बीच में दिल्ली-अहमदाबाद
में लाइन पर स्टेशन है। जयपुर, व्यावर, अजमेर,
पाली, जोधपुर, भीलवाड़ा, उदयपुर, विजयनगर
में सीधी बसे उपलब्ध।

25. झुंझनू (राज.):

माध्वी श्री प्रियकणश्रीजी म.मा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,

जैन श्वे. दादावाडी,

मु.पो. झुंझनू (राज.) 333001

26. महारौली (दिल्ली)

माध्वी श्री मुनक्षणश्रीजी म मा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,

बड़ी दादीवासी,

मु.पो. महारौली (दिल्ली)-30

27 मालोवाडा (दिल्ली)

माध्वी श्री विद्युत्प्रभा श्रीजी म मा

आदि ठाणा (3)

पता — श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,

फेजर आफ धमघाना घम्रीटामल केमरी चंद

971 गली भाजपुरा

मु पा मालोवाडा (दिल्ली-6)

28 नई दिल्ली

माध्वी श्री तत्त्वदगना श्रीजी म मा

आदि ठाणा (3)

पता — श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय

श्रीकुशन मुरी दादा जैन प्राप्ति, महिजद माड

माउप एमटेशन हाट-2

छाटी दादाबाडी, नई दिल्ली-110049

माधन — दश के हर कान मे हवाई माग तथा गेममा का
माधन उपनगर।

29 जोधपुर (राजस्थान)

माध्वी श्री मुरजनाथजी म मा

आदि ठाणा (3)

पता — श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय

श्री पाशवनाथ जैन श्व मन्दिर

12 शास्त्रीनगर रेजीडेन्सी राउ

मु पा जोधपुर (राज) 342001

माधन — जेमदासद, जयपुर, जालान, पाला, जाग
दिल्ली भीराना रावाम इन्फा खण्डवा मू
मे मीधी ट्रेन।

30 पालीताना (गुजरात)

माध्वी श्री निपुणाश्रीजी म मा

आदि ठाणा (2)

पता — श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, जिन हरेविहार

जमशाला तलेटी राड

मु पा पालीताना (गुजरात)

31 साबोर (राज)

माध्वी श्री निरजनाथजी म मा

आदि ठाणा (3)

पता — श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, मुनारा का राम

मु पा साबोर

जिला जालोर (राज) 343041

माधन — बाडमर, मिर्गाही, जालार, राणीवाडा, माकलमर

म माध्वी जने जाली ह।

32 फलोदी (राजस्थान)

माध्वी श्री वमथीजी म मा

आदि ठाणा (2)

पता — श्री गोनलनाथ जी का उपाश्रय,

मु पा फलोदी जिला जाधपुर (राज) 342301

माधन — उषराक (3) के अनुसार

33 घमतरा (म प्र)

माध्वी श्री रभाथीजी म मा

आदि ठाणा (2)

पता — श्री खरतरगच्छ श्व मन्दिर, मंदरवाजार

मु पा घमतरा (म प्र) 493773

34 महासमुन्द (म प्र)

माध्वी श्री कुमुमथीजी म मा

आदि ठाणा (1)

पता — श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय मेघ भवन गांधी चौक

मु पा महासमुन्द जिला रायपुर 493445 (म प्र)

35 मुगेली (म प्र)

माध्वी श्री निपुणाश्रीजी म मा

आदि ठाणा (9)

पता — श्री खरतरगच्छ जैन श्व मन्दिर,

मु पा मुगेली जिला बिरामपुर 495334 (म प्र)

36 तलोदा (महा)

माध्वी श्री हमथीजी म मा

आदि ठाणा (4)

पता — श्री खरतरगच्छ जैन श्व मन्दिर

मु पो तलोदा जिला वृत्तिया 25413 (महा)

37 खडोदा (गुजरात)

माध्वी श्री दिव्यप्रभाश्रीजी म मा

आदि ठाणा (5)

पता—श्री मूलचन्द जैन, धर्मशाला, नवा बाजार

मु.पो. वडीदा (गुज.) 390001

साधन—बम्बई-दिल्ली, बम्बई-अहमदाबाद में लाइन पर रेलवे स्टेशन है। सभी गाड़ियाँ ठहरती हैं।

38. समदडी (राजस्थान)

साध्वी श्री सूर्यप्रभाश्रीजी म.मा

आदि ठाणा (4)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,

प्रतापजी लूनावत की धर्मशाला

मु.पो. समदडी जिला वाडमेर (राज.) 344001

साधन—अहमदाबाद, जोधपुर वाया भीलडी व वाडमेर-जोधपुर रेल लाइन पर स्टेशन है। लुणी जंक्शन बालोतरा, पीपाड रोड, पाली, नागौर, उदयपुर, जोधपुर, भीलडी, वाडमेर ट्रेन का साधन। वसे भी जाती हैं।

39. मेवानगर (राज.)

साध्वी श्री विजवेन्द्रश्रीजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,

श्री जैन श्वे नकोडा जी तीर्थ

मु.पो. मेवानगर जिला वाडमेर (राज) 344025

40. पादर (राज.)

साध्वी श्री प्रकाशश्रीजी म मा.

आदि ठाणा (4)

पता—श्री खरतरगच्छ जैन धर्मशाला,

मु.पो. पादर (राज) 341801

41. सूरत (गुजरात)

साध्वी श्री कमलप्रभाश्रीजी म मा.

आदि ठाणा (2)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, ओमवालि मोहल्ला

मु.पो. सूरत-365003 (गुज)

साधन—प.रे. के बम्बई-अहमदाबाद में लाइन पर स्टेशन है।

42. शोलापुर (महा.)

साध्वी श्री सुलोचनाश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (9)

पता—श्री जैन श्वेताम्बर मन्दिर, 4336 जोड भावी पेठ

मु.पो. शोलापुर (महा.) 413002

43. मन्दसौर (म.प्र.)

साध्वी श्री कमलश्रीजी म सा.

आदि ठाणा (2)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, नयापुरा

मु.पो. मन्दसौर-458001 (म.प्र.)

साधन—अजमेर, कांचीगुडा, खण्डवा में लाइन पर स्टेशन है।

44. रूनीजा (म.प्र.)

साध्वी श्री महेन्द्रश्रीजी म.सा.

आदि ठाणा (2)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, मु.पो. रूनीजा

जिला मन्दसौर (म.प्र.) 456776

45. महिदपुर (म.प्र.)

साध्वी श्री महेन्द्रश्रीजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,

कुगल मार्केट,

मु.पो. महिदपुर (म.प्र.) 456443

46. अहमदाबाद (गु.)

साध्वी श्री मुक्तिश्रीजी म.मा.

आदि ठाणा (2)

पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,

दादा साहवनी पोल,

स्वामी नारायण मंदिर रोड

मु.पो. अहमदाबाद-380004 (गुज.)

साधन—अहमदाबाद रेलवे स्टेशन वम स्टेण्ड में रिक्शा, मिट्टी वन द्वारा दादा साहवनी पोल उतरें, वहाँ नमोप ही खरतरगच्छ का उपाश्रय है।

- 47 अहमदाबाद (गुज)
साध्वी श्री पुष्पाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, जवेरीवाड,
मु पो अहमदाबाद (गुज) 380004
- 48 पाली राज)
साध्वी श्री कुशलश्रीजी म सा
आदि ठाणा (1)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, नारेल पोल,
मु पो पाली मारवाड (राज) 306401
- 49 जोधपुर (राज)
साध्वी श्री जकलश्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
बेहारियाजी की धमशाला,
मु पो जोधपुर-342002 (राज)
- 50 बाडमेर (राज)
साध्वी श्री हेमप्रभाश्रीजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
जैन न्याति मोहरा,
मु पो बाडमेर (राज) 314001
- 51 फलोदी (राज)
1 साध्वी श्री कमलाश्रीजी म सा (सकारण)
2 साध्वी श्री विकासश्रीजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
कुशल जैन धमशाला, मु पो फलोदी,
जिला जाधपुर (राज) 342301
- 52 फलोदी (राज)
साध्वी श्री बमलश्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)
- पता—श्री फूलचन्द जैन धमशाला,
मु पो फलोदी जिला जोधपुर
(राज) 342301
- 53 मोकलसर (राज)
साध्वी श्री विमलश्रीजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
मु पा मावलसर 344043
त्रिना उटमेरा (राज)
- 54 बीकानेर (राज)
साध्वी श्री मुक्तिश्रीजी म सा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय, बोरा की खेरी
रगडी चौक,
मु पो बीकानेर-334001 (राज)
- 55 बीकानेर (राज)
साध्वी श्री सुन्दरश्रीजी म सा
आदि ठाणा (1)
पता—श्री सुगन्धी का उपाश्रय,
मु पो बीकानेर-334001 (राज)
- 56 पालीताना (गुज)
साध्वी श्री मोहनश्रीजी म सा
आदि ठाणा (4)
पता—उपरोक्त नमाक (29) के
अनुसार।
- 57 पालीताना (गुज)
1 साध्वी श्री प्रमोदश्रीजी म सा (सकारण)
2 साध्वी श्री जयाप्रभाश्रीजी म सा (सकारण)
आदि ठाणा (2)

पता:-माधवलालजी की धर्मशाला,
मु.पो. पालीताना (गुज.) 364270

58. पालीताना (राज.)
साध्वी श्री मेघश्रीजी म.सा

ठाणा (1)

पता:-श्री खरतरगच्छ का उपाश्रय,
महिमा कुटीर,
मु.पो. पालीताना (गुज.) 3642470

59. खड़गपुर (बंगाल)
साध्वी श्री दिव्यश्रीजी म.सा.

ठाणा (1)

पता:-श्री जैन श्वेताम्बर मन्दिर,
36 पारा खरीदा फाटक, बापू बाजार
मु.पो. खड़गपुर जिला मिदनापुर
721301 (बंगाल)

60. बावो (म.प्र.)
साध्वी श्रीदेवेन्द्र श्री जी म.सा.

ठाणा (1)

पता:-श्री जैन श्वे. मन्दिर गाधी चौक
मु. पो. दादी जिला राजनांद गांव
(म.प्र.)

61. मांडवी कच्छ (गुज.)
साध्वी श्री रतन श्री जी म.सा. (1)

पता:-श्री धर्मनाथ जैन श्वे. मन्दिर
के.टी. शाह रोड,
मु.पो. मांडवी कच्छ (गुज.) 370465

62. पाली (राज.)
साध्वी श्री मिलाप श्री जी म.सा.

आदि ठाणा (2)

पता:-खरतरगच्छ उपाश्रय, गुजराती कदता
नारेलपोल,
म.पो. पाली-306401

63. सिवाना (रज.)
साध्वी श्री हेस प्रभा श्री जी म.सा.

ठाणा (1)

पता:-तुलसा जी की धर्मशाला नयापुरा
मु.पो. सिवाना जिला बाडमेर (राज.)

64. भानपुरा (म.प्र.)
साध्वी श्री विनोद श्री म.सा

ठाणा (1)

पता:-श्री जैन श्वेताम्बर मन्दिर
मु.पो. भानपुर जिला मन्दसौर 458775 (म.प्र.)

65. महिदपुर (म.प्र.)
साध्वी श्री सतोष श्री म.सा.

ठाणा (1)

पता:-श्री जैन श्वेताम्बर मन्दिर
मु.पो. महिदपुर जिला उज्जैन 456443 (म.प्र.)

कुल चातुर्मास संतो का	9	कुल मुनिराज	19
कुल चातुर्मास सतियाँजी का	56	कुल सतियाँजी	193
	65		212

कुल चातुर्मास 65 संत 19 सतियाँजी 193
कुल ठाणा 212



मोघ जोर अहंकार को जीतने वाला पुरुष महान
मोघ विजयी पुरुष ही लोकप्रिय बन सकता है

समग्र जन समुदाय के सभी सत सतियों का 1986 वर्ष का चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण
में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य तप को प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत सफल बने
ऐसी मुझ मंगल कामनाएं करते हैं—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित



N. Sugalchand Jain

SUGAL LOTTERY AGENCY

Distributors Govt Authorised Lotteries

Triplicane High Road
MADRAS-600 005
Phone 841066 845694

* पार्श्वचन्द्र गच्छ समुदाय

जिमि सूर्य की किरणें शीशं पर, अग्नि वन वस्त्र जलाती ह ।
 त्यो मन एकाग्र बनने से, अद्भुत शक्ति प्रकटाती हे ॥

“जयगुरुहस्ती”

हार्दिक शुभकामनाओ सहित

बजरंगलाल महावीरप्रसाद जैन, सराफ

चांदी, जेवर एव सोने के व्यापरी
 सराफा बाजार, सवाई माधोपुर (राज)

फोन { दुकान 362
 निवास 297

स-बन्धित प्रतिष्ठान

❀ बजरंगलाल हेमन्तकुमार जैन

अधिकृत विन्नेता —

- ❖ हीरो मेजेस्टिक मोपेट,
- ❖ क्राउन एव वेस्टन टी वी
- ❖ गोदरेज एव कनवीनेटर रेफ्रिजरेटर
- ❖ खेतान कूलर, पखे एव कूलैक्स कूलर

❖ केवसन्स गेस लेम्प

शाप न 2-3, गौतम आश्रम विलिटिंग, स्टेशन, बजरिया
 सवाई माधोपुर (राज) फोन शोरूम 611

❖ बजरंग भवन

शादी विवाह समारोह एव पार्टियों समारोह एव सभी कार्यक्रमों के लिए
 एवमात्र खुला हुआ सर्व सुविधायुक्त स्थान
 कोतवाली के पास, Opp आदर्श स्कूल
 सवाई माधोपुर सिटी 322021

(राजस्थान)

फोन 440

श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ के संत-सतियाँजी म. सा.

संत समुदाय

1. रायपुर-अहमदाबाद (गुजरात)

पं. रत्न मुनि श्री रासचन्द्रजी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता.—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ, उपाश्रय भैयानी वारी
शामलानी पोत, रायपुर अहमदाबाद 380001
(गुजरात)

2. चेम्बूर-वम्बई (महा.)

श्री मुक्तिचन्द्रजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता —श्री पार्श्वचन्द्र सूरी ज्ञान मंदिर,
10 वा रास्ता
चेम्बूर वम्बई-400071

3. खंभात (गुजरात)

श्री सुयशचन्द्रजी म सा

आदि ठाणा (4)

पता:—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय,
बोर पीपलो, खंभात-388620 (गुज.)

4. नाना भाटीया (गुज.)

श्री भुवनचन्द्रजी म सा.

आदि ठाणा (2)

पता:—श्री जैन उपाश्रय, नाना भाटीया
ता. माडवी-कच्छ (गुज) 370155

5. नागौर (राजस्थान)

श्री त्रिलोकचन्द्रजी म सा

आदि ठाणा (1)

पता:—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय
गुजराती पोत के पास नागौर
(गुज.) 311001

साध्वीयाँजी समुदाय

6. खंभात (गुज.)

साध्वी श्री महोदय श्री जी म सा.

आदि ठाणा (5),

पता —श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय,
माणेक चौक पोपट नगीननी खडकी,
खंभात-388620 गुज)

7. टुण्डा-कच्छ (गुज.)

साध्वी श्री सुधाकरश्रीजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता —श्री जैन उपाश्रय,
मु पो टुण्डा ता. मून्द्रा-कच्छ
(गुज) 370435

8. नानी खाखर (गुज.)

साध्वीश्री मंजुश्रीजी म सा

आदि ठाणा (3)

पता:—श्री जैन उपाश्रय मु पो खाखर
ता माडवी-कच्छ (गुज) 370435

9. वीदडा-कच्छ (गुज.)

साध्वी श्री उद्योतप्रभावीजी म सा

साध्वी श्री चन्द्रोदयश्रीजी म सा

आदि ठाणा (4)

पता:—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय जैन धर्मशाला
मु पो. वीदडा ता. कच्छ जिजा-भुज (गुज.)

10. रायपुर अहमदाबाद (गुज.)

साध्वी श्री सुजीलाश्रीजी म सा

साध्वी श्रीअनुभव श्री जी म सा.

आदि ठाणा (1)

पता:—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय, ओ. पी पी
महावीर स्वामी मंदिर, नामलाजी की पोत,
रायपुर अहमदाबाद 380001 (गुज.)

- 11 बीकानेर (राजस्थान)
माध्वी श्री सुनन्दाश्रीजी म मा
आदि ठाणा (7)
पता—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ सूर्य ज्ञान मंदिर
रामपुरिया स्ट्रीट बीकानेर
(राज) 334001
- 12 मोदी छावर (गुज)
साध्वी श्री वसंतप्रभाश्रीजी म मा
आदि ठाणा (4)
पता—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय,
मादी छावर ता मून्दा-कच्छ
(गुज) 370460
- 13 याणा-वम्बई (महा)
साध्वी श्री ऊकारश्रीजी म मा
आदि ठाणा (7)
पता—श्री जैन देरामर, याणा वम्बई (महा)
- 14 धागध्रा (गुज)
माध्वी श्री भूगताश्रीजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ जैन उपाश्रय
नीम्बडी वाला खाचा, नानी बाजार,
धागध्रा-363310 (गुजरात)
- 15 माण्डल (गुज)
साध्वी श्री स्वयंप्रभाश्रीजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय, माटसी चौक
माण्डल बाया विरमगाव (गुज)
- 16 विरमगाव (गुज)
साध्वी श्री सुयप्रभाश्रीजी म मा
आदि ठाणा
पता—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय,
माटा भटवाडी, विरमगाव (गुज) 150382
- 17 पालीताणा (गुज)
माध्वी श्री सुवर्णताश्रीजी म मा
श्रीआदिठाणा (3)
पता—श्री रणसी देवराज धर्मशाला, (खावला)
पालीताणा (सौराष्ट्र) (गुज)
- 18 देशलपुर (गुज)
माध्वी श्री आरमगुणश्रीजी म मा
आदि ठाणा (2)
पता—श्री जैन उपाश्रय पा देशलपुर
ता मूडा (गुज)
- 19 मुलुण्ड-वम्बई (महा)
साध्वी श्री पक्कश्रीजी म मा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री पार्श्वचन्द्र सूर्य ज्ञान मंदिर जवेर रोड
मुलुण्ड (वेस्ट) वम्बई-408080
- 20 नाला सोपारा-वम्बई (महा)
माध्वी श्री तत्वानन्दश्रीजी म मा
आदि ठाणा (4)
पता—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय, महावीर ज्योत
बिल्डिंग बोपीपी रेल्वे स्टेशन नाला सोपारा (इ)
ता बसई जि धाणा (महा)
- 21 दुर्गापुर-कच्छ (गुज)
माध्वी श्री निजानन्दश्रीजी म मा
आदि ठाणा (4)
पता—श्री जैन उपाश्रय,
भु पो नवावास दुर्गापुर ता माण्डवी कच्छ (गुज)
- 22 उनावा (गुज)
साध्वी श्री पूर्णकलाश्रीजी म मा
आदि ठाणा (3)
पता—श्री पार्श्वचन्द्र गच्छ उपाश्रय,
जैन देरामर के बाजू मे उनावा (मीरा दातार)
मटे ऊशा (गुज)

23. चेम्बुर-बम्बई-(महा.)

साध्वी श्री अमृतश्रीजी म सा

आदि ठाणा (2)

पता -श्री पार्श्वचन्द्र सूरि ज्ञान मंदिर

10 मो रास्तो, चेम्बुर बम्बई-71

रुद्धिवादियों ने मानव, छुआ छुत फैलाया है ।
धर्म शरणमे लेकर उनको, समता पाठ पढाया है ॥

Phone 11

सुभाष चन्द अशोक कुमार गादिया

धनलक्ष्मी एन्ड कम्पनी

**Dhanlakshmi &
Company**

Rluk Office Road

TURVVEKERE-572227

(Dist Tumkwi) Karanataka

कुल चातुर्मास संतों के	5	कुल संत	11
„ „ साध्वियों के	18	कुल साध्वियां	67
कुल 23		कुल 78	

कुल चातुर्मास 23 संत 11 साध्वियां 67 कुल ठाणा 78

“पतझड़ में मन मोहक पावन, सुरमित सुमन खिला करता है,
ऐसी ही संतों से जग को नव-ग्रालोक मिला करता है ।”
“जन्म से कोई नीच नहीं, जन्म से कोई महान् नहीं, ।
कर्म से बढ़कर किसी मनुष्य की, और कोई पहचान नहीं ॥”
“ससार द्वेष की याग में जलना रहा, पर संत अपनी मस्ती में
चलता रहा । सन विष को निगल कर के भी मदा, समार
के लिए अमृत उगलता रहा ”



पर-धर्म में पडकर आत्मा ने, अपना स्वधर्म विसर्गया है ।
पर-धर्म स्वधर्म की व्याख्या को, वि गुरु न कोई पाया है ॥

Phone : 74408 Resi . 73197

S. Hastimal Munot

**JEWELLERS &
BANKERS**

7-2-832, POT MARKET,

SECUNDERABAD-500 003

समग्र जैन समुदाय के सभी पूज्य मुनिवरो एव महासतीयाँजी म सा का 1986 वर्ष का
चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चरित्र तप की प्रवृत्तियों से
जोत-प्रोत सफल बने ऐसी शुभ मंगल कामनाएँ करते हैं—

हार्दिक शुभ कामनाओं सहित—

BAFNA GROUP OF INDUSTRIES

- ☐ THE B M POWER CABLES PVT LTD
- ☐ AURANGABAD INVESTMENT PVT LTD
- ☐ SANGAVI TIME INDUSTRIES PVT LTD
- ☐ KAILASH SERVICE INDUSTRIES
- ☐ SUNDEEP METAL WORKS
- ☐ HIND WIRE INDUSTRIES, KARAD
- ☐ KAILSH MOTORS
- ☐ AHL.SUNDEEP AGENCIES

Bombay H O

C-72, Mittal Tower Nariman Point,
Bombay-400021

Phone Off 241075, 223181, 230426

Res 8220171, 8124216

Cable BAFNOCABLE,

Telex 011 6888 BMPC IN

Aurangabad Offices

Plot No A/7/1 MIDC Industrial Area,
Chikalhana, Aurangabad-431210 & Jalna Road,
Aurangabad-431001

Phone Off, 8529, 8314, 4692, 4364, 4222

Res, 8527, Sangavi 8501

Cable LUCKY & KAILASH

Telex 0755 272 BMPC IN

जय गुरु नाना

समता विभूती धर्मपाल प्रतिबोधक समीक्षण ध्यान योगी परम पूज्य

गुरुदेव आचार्य प्रवर श्री नाना लाल जी म सा आदि ठाणा

8 एव महासती जी श्री भेंवर कवर जी म सा आदि

ठाणा 9 का 1986 जलगांव में चातुर्मास हर्षोल्लास

वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य, तप की

प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत सफल बने

ऐसी शुभ मंगल कामनाएं

करते हैं -

With best compliments from :

Sipani Group of Industries

No 3, BANNERGHATTA ROAD

BANGALORE-560029

(KARNATAKA)

Tel No Off 41296 40582

Gram "SIPANA"

**Manufacturens of : HDPE WOVEN SACKS
& WOODEN PACKING CASES**

OUR CONCERNS —

1. Sipani Fibres
2. Sipani Automobiles Ltd.
3. Sipani Enterprises
4. United Chemicals & Industries
5. Klene Paks Pvt. Ltd
6. Vardhman Plastics

**आचार्य श्री विजय आनन्द विमल सूरीजी म. सा.
का समुदाय**

**आचार्य प्रवर श्री रवि विमल सूरीश्वरजी म.सा. के
आज्ञा. संत-सतियाँजी म.सा.**

1	अन्य संत-सतियाँजी	कुल चातुर्मास	10
	आचार्य प्रवर श्री रवि विमल सुरीश्वरजी	कुल संत	11
	म.सा.	कुल साध्वियाँजी	68
	आदि ठाणा	कुल ठाणा	121

पता.—श्री विमल गच्छ नो उपाश्रय,
देवसानो पासो, स्वामी मंदिर रोड,
अहमदाबाद (गुज.)

नोट — चातुर्मास प्रारंभ होने के 21 दिन बाद भी सूचियों
कहीं से भी प्राप्त नहीं हो सकी अतः आदि ठाणाओं
की कुल सख्या अनुमान से ही लिखी गई है। गत वर्षों
की सूचियों द्वारा अतः क्षमा करें।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

आपकी सेवा में—

ताराचंद जुहारमल राठौड

क्लॉथ कमीशन एजेंट

7, चोपड़ा मार्केट (न्यू क्लॉथ मार्केट) रतलाम (M.P.) 457001

आणन्द एण्ड कम्पनी

39, रामगढ़, ब्राह्मणों की गली, रतलाम (म.प्र.)

सुखी रहें सब जीव जगत के, कोई कभी न घबरावे ।
बंद, पाप, अभिमान, छोड़ जग, नित्य नये मंगल गाये ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :-



श्री इवेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ

अशोक नगर, शूले बैंगलूर 560025 (कर्नाटक)

सम्पतराज मरलेचा ।

अध्यक्ष

शान्तीलाल चौपड़ा

मंत्री

* त्रिस्तुती गच्छ समुदाय

जिस प्रकार सुमेरु पर्वत विविध प्रकार की विध्य चमत्कारी औषधियों से परिपूर्ण है,
उन्से दीप्त है और सभी पक्षों में महान है, उसी प्रकार विविध ज्ञानादि
विध्य गुणों से परिमण्डित बहुश्रुत श्रमण साधुओं में श्रेष्ठ है।

—भगवान महावीर

With Best Compliments From :



D. Shantilal Chaudhary

MANAGING DIRECTOR

Chaudhary Finance Private Ltd.

Registered Office

No 24 (2nd Floor), Veerappan Street,
Sowcarpet, Madras-600 079

Phone Nos 28563, 31790, 28857, 34783

Administrative Office .

No 177, Bazaar Street,
Tirupati 517 501 (A-P)

Phone 2661

Grams 'FINANCIER'

श्री त्रिस्तुतिक गच्छ सम्प्रदाय

1. मोहनखेड़ा (मध्यप्रदेश)

आचार्य श्री विजय हेमन्द्र सूरेश्वरजी
म. सा.

आदि ठाणा

पता:—श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय मंदिर,

मु.पो. मोहनखेड़ा जिला

रायगढ़ (म.प्र.)

2. पारा (मध्यप्रदेश)

आचार्य प्रवर श्री जयंत विजय सूरेश्वरजी म. सा

“मधुकर”

आदि ठाणा

पता:—श्री श्वेताम्बर जैन मन्दिर,

मु.पो. पारा (मध्यप्रदेश)

कुल चातुर्मास	18
कुल संत	35
कुल साध्वीयाँजी	86

कुल ठाणा 121

नोट— चातुर्मास प्रारंभ होने के 29 दिन बाद भी सूची प्राप्त नहीं हो सकी अतः हम पूरी सूची यहाँ नहीं दे पा रहे हैं। परन्तु कुल ठाणाओं की संख्या गत वर्षों के अनुमानों से ही यहाँ दी जा रही है। घटती बढ़ती हो तो सुधार कर पढ़े हम विवश हैं क्षमा करें।

—सम्पादक

ज्ञानी फल ज्ञान का, विरती धर्म बतलाय ।

जगत पूज्य है वह पुरुष, वन्दनीय कहलाय ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

बापूलाल बोथरा

48, नीमचौक, रतलाम-457001 (मध्यप्रदेश)

फोन नं. 771

बुद्धन्ते इदिए पच राग-दोस-परगमे ।
कुम्भो विव अगाइ सए देहिम्म साहरे ॥

राग, द्वेष के वश विषयों में प्रवृत्त पाचों इन्द्रियाँ दुर्बल होती हैं । सरुट की वाशका होते ही जैसे कूर्म अपने जगों को अपने शरीर में सकोच लेता, वैसेही साधक विषयों की ओर जाती हुई इन्द्रियों को उनसे हटा ले ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

सम्पतराज स्वारीवाल

Laxmi Electricals

Dealers in

Electricals Goods

57, Netaji Subhash Chandra Bose Road,
MADRAS-600 079

Phones Off 33731
 Res 517632

Pick a PINKY
and let your writing sparkle

LION
Pinky
the prettiest pencil in town



Now from LION PENCIL here's another novelty

The Pearl finished LION PINKY Pencil a pretty pencil to be hold superbin looks, Super smooth in writing with its HB Lead Strongly bonded to give you unbreakable points

Also available with rubber tip and hexagonal other popular brands of LION PENCILS are

Lion Moto, Lion Turbo, Lion Sweety, Lion Concord,
Lion Executive and Lion Geomatic, Drawing pencils

Lion Pencils Pvt. Ltd.

Parijat, 95, Marine Drive, Bombay-400 002

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदायों के अन्य संत-सतियाँजी म. सा.

1. घाणेराव (राजस्थान)

आचार्य प्रवर श्री विजय हिमाचल सूरेश्वरजी
म. सा.

आदि ठाणा (5)

पता:-श्री किर्ती स्तंभ कार्यालय, मु.पो घाणेराव
स्टेशन फालना जिला पाली (राज)

कुल चातुर्मास	20
कुल मुनिराज	26
कुल साध्वियाँजी	85
कुल ठाणा	111

नोट.- बहुत कोशिश करने के बाद भी आपकी सूची प्राप्त नहीं हो सकी अतः सभी साधु-साध्वियोंजी म.सा. के कुल ठाणा की संख्या ही यहाँ दी जा रही है। क्षमा करें।

2. मलाड बम्बई (महा.)

आचार्य श्री विजय आनन्दधन सूरेश्वरजी म. सा.
आदि ठाणा (3)

पता.-श्री श्वेताम्बर जैन उपाश्रय,
मामलतदार बाड़ी, मलाड (वेस्ट)
बम्बई-64

अन्य संत-सतियाँजी

3. बोरडी (गुजरात)

गणि श्री ललितगेवरजी म. ना
गणि श्री राजशेखरजी म. ना.

आदि ठाणा (4)

4. सिरौही (राजस्थान)

श्री महायश विजयजी म. सा.

ठाणा (2)

5. देवलाही-नासिक

श्री चन्द्रसागरजी म.सा.
श्री अमरेन्द्र विजयजी म. सा.

आदि ठाणा

नोट - इसके अलावा भी कई संत-सतियाँजी म.सा. ओर भी हो सकते हैं। पूरी जानकारी मालूम नहीं होने के कारण यहाँ उनकी सूची नहीं दे सका हूँ सभी पूज्य मुनिराजों/महासतियोंजी म.सा. से नम्र निवेदन है कि वे भविष्य में अपने-अपने चातुर्मासों की सूचियाँ अवश्य भिजवाने की कृपा करावे।

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के कुल अन्य
संत सतियाँजी

कुल चातुर्मास	23
कुल संत	35
कुल सतियाँजी	85
कुल ठाणा	120

श्री श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदायों के कुल

कुल चातुर्मास	1182	कुल मुनिराज	1330
		कुल साध्वियाँजी	4360
कुल चातुर्मास	1182	संत	1330
		साध्वियाँजी	1360
कुल ठाणा	5690		

स्वर्गीय पूज्य पिता श्री मोहनलाल जी मेड़तावाला को हमारी
हादिक श्रद्धाजली अर्पित करते हैं।

हादिक शुभकामनाओं सहित—



मेड़तिया दूध भण्डार

खौड का वास के बाहर, शनिश्चर मन्दिर के सामने, बस स्टैंड रोड []
पाली-मारवाड-306401 (राज)

हमारे यहाँ पर विवाह शादी पार्टियों में दूध के आर्डर लिए जाते हैं,
और बाहर गावों में भी सप्लाई किया जाता है।

निम्न स्थानों पर भी हमारी शाखाओं में दूध मिलता है—

प्यार बाँक,

☐ गोमनाथ मन्दिर

☐ मिर्ची कालोनी

☐ भेरुवाट

☐ विलक नगर

प्रो. भंवरलाल मेड़तावाला

भाग—पंचम्

* दिगम्बर सम्प्रदाय

✽ सदगुरु की महिमा ✽

जह दीवा दीवसय, पईप्पए सो य दीप्पए दीवो ।
दीवसभा आयरिया, अप्प च पर च दीवति ॥

जिस प्रकार 'दीपक' स्वयं प्रकाशमान होता हुआ अपने स्पर्श से अन्य सैकड़ों दीपक
जला देता है, उसी प्रकार सदगुरु-आचार्य स्वयं ज्ञान ज्योति
से प्रकाशित होते हैं एवं दूसरों को भी
प्रकाशमान करते हैं ।

हार्दिक शुभकामनाओ सहित



R. PARSANCHAND CHORDIA

—FINANCIER—

52, Kalathi Pilla Street MADRAS-600079

Phone Off 34643
Res 31470

"Roop Villa", 91, Mandoor Road, Paota,

JODHPUR 342002 (Raj)

Phone 24377

श्री दिगम्बर सम्प्रदायो के साधु-साध्वियों के चातुर्मास

संत समुदाय

1. सुजानगढ़ (राज.)

आचार्य श्री धर्म सागरजी म. सा

आदि ठाणा (40)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु.पो. सुजानगढ़ (राज.)

2. फिरोजाबाद (उ.प्र.)

आचार्य श्री विमलसागरजी म. सा

आदि ठाणा (30)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु.पो. फिरोजाबाद (उ.प्र.)

3. हिम्मतनगर (गुजरात)

आचार्य श्री निर्मलसागरजी म. सा

आदि ठाणा (15)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु.पो. हिम्मतनगर (गुजरात)

4. अहारजी (म. प्र.)

आचार्य श्री विद्यासागरजी म. सा

आदि ठाणा (10)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, अतिशय क्षेत्र
मु.पो. अहारजी जिला टीकमगढ़ (म.प्र.)

5. आरा (बिहार)

आचार्य श्री रामधरसागरजी म. सा.

आदि ठाणा (11)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु.पो. आरा (बिहार)

6. अजमेर (राज.)

आचार्य श्री सुधर्मसागरजी म. सा,

आदि ठाणा (1)

पता:—छोटे धडे की नसिया श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु.पो. अजमेर (राज.)

7. देहरादून (यू.पी.)

आचार्य श्री सुवाहुसागरजी म. सा.

आदि ठाणा (13)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु.पो. देहरादून (यू.पी.)

8. शेडवाल (कर्नाटक)

आचार्य श्री सुवलसागरजी म. सा.

आदि ठाणा (14)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु.पो. शेडवाल (कर्नाटक)

9. रत्नत्रयपुरी शेडवाल (कर्नाटक)

आचार्य श्री देवभूषणजी म. सा

आदि ठाणा (9)

पता—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु.पो. रत्नत्रयपुरी जिला शेडवाल (कर्नाटक)

10. मधुवन शिखरजी (बिहार)

आचार्य श्री मन्मतिसागरजी म. सा.

आदि ठाणा (7)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु.पो. मधुवन शिखरजी (बिहार)

11. उदयपुर (राज.)

आचार्य श्री नमनसागरजी म. सा.

आदि ठाणा (5)

- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पो उदयपुर (राज)
- 12 उज्जैन (म प्र)
जाचाय श्री दर्शनसागरजी म मा
जादि ठाणा (4)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पा उज्जैन (म प्र)
- 13 उज्जैन (म प्र)
1 जाचाय श्री दर्शनसागरजी म मा
2 दुल्लक श्री महावीरकाविनी म मा
जादि ठाणा (6)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
नमक मण्डा, उज्जैन (म प्र)
- 14 मधुवन शिखरजी (बिहार)
1 मुनि श्री म-मतिमागरजी म मा
2 गैरन श्री मिदमागरजी म मा
जादि ठाणा (1)
- पता —उपरासद
- 15 नासिक (महा)
मुनि उल्ल श्री श्रेयामागरजी म मा
जादि ठाणा (4)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
गन्पया, नासिक (महा)
- 16 नौपली (कर्नाटक)
मुनि श्री देवमुपपाती म मा
जादि ठाणा (3)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पा कायना (कर्नाटक)
- 17 पथाराजी (टोकमगढ़)
मुनि श्री विद्यामागरजी म मा
जादि ठाणा (5)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पो पथाराजी (टोकमगढ़)
- 18 प्रतापगढ (राजस्थान)
मुनि श्री नन्मतिमागरजी म मा
जादि ठाणा (4)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पा प्रतापाट (राज)
- 19 रागपुर (महाराष्ट्र)
मुनि श्री अजिनमागरजी म मा
जादि ठाणा (6)
- पता —श्री दिगम्बर मेनगण मन्दिर,
राडपुरा, इतवारी, रागपुर (महाराष्ट्र)
- 20 राहुबली (महा)
मुनि श्री ममलमद्र म मा
जादि ठाणा (4)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पो कुम्भोज राहुबली (महा)
- 21 मुजफ्फरनगर (उ प्र)
मुनि श्री ब्रालिमागरजी म मा
जादि ठाणा (4)
- पता —श्री जैन धर्मशाला,
नई मण्डी, मुजफ्फरनगर (उ प्र)
- 22 बनानी (राज)
मुनि श्रीमति मागर जी म मा
जादि ठाणा (5)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पो बनानी (राज)
- 23 शिवपुरी (म प्र)
मुनि श्री वीर सागर जी म मा
जादि ठाणा (2)
- पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु पा शिवपुरी (म प्र)

24. बंडा (म. प्र.)

मुनि श्री योगसागर व साधु सागरजी म. सा.
ऐलक करुणा सागरजी म. सा. (आ. विद्या सागर
जी म. के शिष्य)

आदि ठाणा (3)

मु. पो. बंडा जिला सागर (म. प्र.)

25. नैनवा (राज.)

1. मुनिश्री सभव सागर जी म. सा
(आ. धर्म सागर जी म. के शिष्य)
2. मुनि सुरदेव सागरजी म. सा.

आदि ठाणा (6)

पता.—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. नैनवा जिला बूंदी (राज.)

26. इन्दौर-(मल्हारगंज)

1. मुनि श्री पुष्पदन्त सागर जी म. सा
2. मुनि श्री पुष्पदन्त धर्म सागर म. सा.
3. मुनि श्री पुष्पदन्त विद्या सागर जी म. सा.

(10)

पता.—इतवारिया बाजार, इंदौर

27. मधुवन शिखरजी (विहार)

मुनि श्री कल्याण सागर जी म. सा.

आदि ठाणा (4)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर
मु. पो. मधुवन शिखर जी (विहार)

28. कोटा (राजस्थान)

बालाचार्य मुनि श्री योगेन्द्र सागरजी म. सा.

आदि ठाणा (2)

पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. रामगज मण्डी कोटा (राज.)

29. गोम्मटगिरी इन्दौर (म. प्र.)

गुलाचार्य श्री पुष्पदन्त सागर जी म. सा.

आदि ठाणा (15)

पता.—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. गोम्मटगिरी-इन्दौर (म. प्र.)

30. नई दिल्ली

एलाचार्य मुनि श्री विद्यानन्द जी म. सा.

आदि ठाणा (5)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. नई दिल्ली

31. एलोरा (महा.)

मुनि श्री आर्यनिन्दजी म. सा

आदि ठाणा (4)

पता.—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,
मु. पो. एलोरा (महा.)

32. डूंगरपुर (राज.)

उपाध्याय मुनि श्री अजित सागरजी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर ,
मु. पो. डूंगरपुर (राज)

33. कोटा (राज.)

मुनि श्री श्रुत सागर जी म. सा.

आदि ठाणा (4)

पता —श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, चैत्यालय
(पालीवाल कम्पाउण्ड के सामने)
मु. पो. छावनी कोटा (राज.)

34. कोटा (राज.)

मुनि श्री ज्ञान भूषण श्री महाराज सा.

आदि ठाणा (5)

पता:—बडा दिगम्बर जैन मन्दिर रामपुरा कोटा (राज.)

35. सिवनी (म. प्र.)

मुनि श्री ज्योति भूषण जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

पता —श्री दिगम्बर जैन मन्दिर मु. पो. सिवनी (म. प्र.)

36. गांधी नगर (गुज.)

मुनि श्री निद्रान्त नागर जी म. सा.

आदि ठाणा (3)

49. निवाई (राज.)

क्षुल्लक मणि शीतल सागरजी म. सा

आदि ठाणा (2)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु. पो. निवाई

जिला—टोक (राज.)

50. रत्न त्रयपुरी (कर्नाटक)

गणधराचार्य श्री कुन्थु सागरजी म. सा

आदि ठाणा (4)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु. पो. रत्नत्रयपुरी, शेडेवाल (कर्नाटक)

51. शिवपुरी (म. प्र.)

क्षुल्लक रत्न श्री गुण सागर जी म. सा

आदि ठाणा (5)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु. पो. शिवपुरी (म. प्र.)

साध्वीयाँजी समुदाय

52. पाँडिचरी

आर्यिका श्री विजयमती माताजी म. सा. आदि

आदि ठाणा (4)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु. पो. पाँडिचरी

53. हस्तिनापुर (उ. प्र.)

आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी म. सा

आदि ठाणा (2)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु. पो. हस्तिनापुर जिला मेरठ (उत्तर प्रदेश)

54. विजयनगर (गुज.)

1. आर्यिका श्री सुप्रभातमती माता जी म. सा

2. आर्यिका श्री सुभूषणमती जी म. सा

आदि ठाणा (3)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु. पो. विजयनगर (गुज.)

55. गाजियाबाद (उ. प्र.)

ब्र. कु. कौशल जी म. सा.

आदि ठाणा (5)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु. पो. गाजियाबाद (उ. प्र.)

56. कूण (राज.)

आर्यिका विशुद्धमती माता जी,

आदि ठाणा (5)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु. पो. कूण

त.—धारियाबाद जिला उदयपुर (राज.)

57. निमाज (राज.)

1. आर्यिका श्री गुण मती जी म. सा

2. आर्यिका श्री निसगमती जी म. सा.

3. आर्यिका श्री क्षुल्लिका जी म. सा

आदि ठाणा (3)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु. पो. निमाज,

जिला धाली (राज.)

58. मदनगंज (राज.)

आर्यिका विशालमती माता जी म. सा.

आदि ठाणा (7)

(न्व आ. कला विवेक सागर जी म. सा. की शिष्या)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु. पो. मदनगंज (राज.)

59. बडौत (उत्तर प्रदेश)

1. आर्यिका जिन मती जी म. सा

2. आर्यिका ज्ञानमती जी म. सा

आदि ठाणा (2)

पता:—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

मु. पो. बडौत जिला मेरठ (उ. प्र.)

60 अजमेर (राज)

आयिका श्री विनाल मती माताजी समक्ष

आदि ठाणा (6)

जय भिक्षु

जय महावीर

जय तुलसी

पता—श्री दिगम्बर जन मन्दिर,

अजमेर (राजस्थान)

हादिक शुभकामनाओं सहित—

61 श्री महावीरजी (राज)

गणिनी आयिका रत्न श्री विभुदामती माता जी समक्ष

आदि ठाणा (5)

पता—श्री दिगम्बर जैन मन्दिर,

श्री महावीर जी (राजस्थान)

विनय सेव भण्डार

श्रेष्ठ नमकीन के निर्माता एव विक्रेता

62 हस्तिनापुर (मेरठ)

आयिका श्री जयमती माताजी

आदि ठाणा (6)

पता—श्री दिगम्बर जन मन्दिर,

हस्तिनापुर क्षेत्र जिला (मेरठ)

107 सुभाष मार्ग (रामगज) इन्दौर

प्रो० हरकचन्द जैन

पीपल वाडा वाला

कुल चातुर्मास सती के	51	कुल मुनिराज	₹ 18
कुल चातुर्मास सतियों के	11	कुल सतियाजी	18
	—		—
कुल	62	कुल	366
	—		—

कुल चातुर्मास 62, सत 318, सतियाजी 48, कुल ठाणा ₹ 66

With best compliments from



Sampatlal and Bros
Sampat Saree Emporium
Sampatlal and Company

Azad Chowk, Gorakhpur Bazar
 Jabalpur-482002

Phone Shop 24079 Res: 21859

ण उलटु उ साउग्रहण सरोर स्मुचयदठ तज टठ ।
 णाणटठ सजमटठ णाणटठ चव भुजजा ॥

साधक बल के लिए, आयु के लिए, स्वाद के लिए,
 शरीर की पुष्टि के लिए, याहार नहीं करते, किंतु वे पान
 के लिए, समय (साधना) के लिए और ध्यान के लिए आहार
 ग्रहण करते हैं ।

With Best Compliments From :

Hindustan

MARBLE & MINERAL INDUSTRIES

Mines & Factory Owners

○ Manufacturers ○ Suppliers ○ Exporters ○ Building Contractors
OF

- White Marble Blocks □ White Marble Slabes
- Coloured Marble Slabes
- Marble Tiles

OUR SPECIALITIES—

- Availability of Ready Marble Stock in Bulk.
- Marble Supplying and Fitting at Hotel, Cinema, Kothi and Building.

FACTORIES—

Industrial Area, Pasoond Morchawa & Mokhampura,
Tehsil Rajsamand (Udaipur) (Raj.)
Phone : 162, 117, 129

ASSOCIATES—

- Mars Enterprises, Pasoond.
- Shri Mahalakshmi Marble & Stones Co Kankroli.
- Ashoka Marble Co. Kankroli (Raj.)
- Arihant Marble & Iranite Pvt. Ltd. Bombay Branch, Kankroli.
- Shri Lakshmi Marble & Tiles Co., Mokhampura (Raj.)

सिंहाना अमर बनने को हमें, शुभ मुक्ति साफ दिखलाता है ।
मरना नहीं बल्कि मृत्यु को, मारना हमें सिखलाता है ॥

॥ जय महावीर ॥

आचार्य सम्राट 1008 श्री आनन्द ऋषि जी म सा की 87 जन्म
जयन्ति के एव मधुर वक्ता प र मूल मुनि जी म सा के
धुलिया चातुर्मास उपलक्ष में हार्दिक धर्मनन्दन—

फोन नं 60357

महेन्द्र सेव भण्डार

सभी प्रकार के श्रेष्ठनमकीन के लिये विश्वसनीय स्थान

प्रो. गंगाधर भंवर लाल जैन

63, मालगज चोराहा इन्दौर 452002 (म प्र)

सहयोगी प्रतिष्ठान—

महेन्द्र सेव भण्डार

177/8 वैष्णव स्टेडियम मार्केट, लावरिया भेरु,
घार वस स्टेण्ड, इन्दौर 452002 (म प्र)

भाग—षष्ठम्

* अन्य जानकारीयां

॥ जय गुरु नाथ ॥

ममता विमूर्ती धर्मपान प्रनिरोधरु समीक्षा ध्यान योगी पूज्य गुरुदेव आचार्य प्रवर श्री 1008
श्री नानालाल जी म मा आदि ठाणा 9 व एन महामतीजी श्री नवरकुंजर जी म मा आदि
ठाणा 8 का जलगांव वातुर्मासि ज्ञान दर्शन जाग्रि एन तप री आराधना मे मोल्लास
पूर्ण वातावरण में सम्पन्न होने की शुभ मान सामाग्री रहे साथ—

हार्दिक शुभकामनाओ सहित—



माणकचन्द साँखला

जेठाणा वाले

अजमेर (राज०)

रतनलाल साँखला

कमल साँखला

बालकेशवर-वम्बई (महाराष्ट्र)

PIN 400 006

अ. भा. स्थानकवासी जैन पत्र-पत्रिकाएँ

क्र.स	पत्रिका का नाम व पता	वर्ष	भाषा	वार्षिक शुल्क
(अ) मासिक पत्रिकाएँ				
1.	जिनवाणी :-- सम्पादक :-श्री नरेन्द्र भानावत सम्यग् ज्ञान प्रचारक मण्डल दुकान न. 181-82 के ऊपर वापू बाजार, जयपुर 302003 (राज.) फोन न. 75997-67954	43	हिन्दी	21-00
2.	आत्म रश्मि : सम्पादक :-श्री तिलकधर शास्त्री आत्म रश्मि कार्यालय जैन स्थानक, लुलियाना-141008 (पंजाब) फोन नं. 28797	16	हिन्दी	21-00
3.	सम्यग दर्शन:- सम्पादक-श्री माणक चन्द जैन वकील, अ. भा. साधुमार्गी जैन संस्कृति रक्षक संघ मु. पो. सैलाना-457550 जिला-रतलाम (म. प्र)	37	हिन्दी	20-00
4.	अमर भारती :- सम्पादक-श्री कुण्जानन्द शास्त्री विरायतन कार्यालय मु. पो. राजगृही-803116 जिला नालंदा (बिहार) फोन नं 49	23	हिन्दी	20-00
5.	जैन सौरभ : सम्पादक-श्री रमणिकमान एम. मेठ उपा- प्रिन्टरी, मानवा चोक नरेशिया कुमा रोड, राजमोट-360001 (गुजरात)	9	गुजराती	20-00

कृत पत्रिका का नाम व पता	पृष्ठ	भाषा	शोधित मूल
6 स्थापनासो जन सम्पादक—श्री जीवनलाल सपवी स्थान—राष्ट्रीय जैन कायानय, पंच भार्तिनी पान, अहमदाबाद (गुजरात) 380001	51	गुजराती	15-00
7 जन जागृति सम्पादक—श्री कान्तिशाल चौरडिया 146 नाना पठ, पूना—411002 (महाराष्ट्र) कानन 35583	17	मराठी	25-00
8 श्रमण सम्पादक—डा. श्री सागरमल जन श्री पास्वनाथ विद्याश्रम मोघ सम्मान जैन इन्स्टिट्यूट, आइ टी आर रोड वाराणसी-221005 (उ.प्र.)	37	हिन्दी	15-00
9 सुधम प्रवचन सम्पादक—डॉ. श्री महेशचन्द्र जन सिटी पुलिस जाधपुर (राज.) 342001	9	हिन्दी	15-00
10 सुधर्मा सम्पादक—डॉ. श्री चन्द्रमूषण मणि त्रिपाठी सुधर्मा कार्यालय बहुङगाव रोड अहमदनगर-414001 (महाराष्ट्र)	27	हिन्दी	15-00
11 धम ज्योति सम्पादक—श्री उमसीलाल जैन वरील फव्वारा संस्कृत भोलवाडा (राज.) 311001	13	हिन्दी	15-00
12 अहिंसा वनन डॉ. आ. अहिंसा प्रचारसंघ 412ए तीसरा ब्लॉक त्यागराजनगर बैंगलोर-560028 (कर्नाटक)	7	हिन्दी	21-00

क्र.स.	पत्रिका का नाम व पता	वर्ष	भाषा	वार्षिक शुल्क
13.	जय गुंजार : अ.भा. जय गुंजार प्रकाशन समिति श्रुताचार्य चौथी स्मृति भवन 39 विनोदनगर, व्यावर-305901 जिला-अजमेर (राज.)	7	हिन्दी	25-00
14.	वीर उपासिका : संपादक--श्रीमती लीला सुराना वकील अ.भा. महावीर जैन श्राविका समिति 128 मिन्ट स्ट्रीट, मद्रास--600079 (तमिलनाडु)	13	हिन्दी	निःशुल्क
15.	झालावाड़ स्थानकवासी जैन : झालावाड़ जैन पत्रिका मासिक 47 डॉ. एम.वी.केलकर स्ट्रीट, 1 माला कालवा देवी रोड़-400002 (महा.)		गुजराती	20-00
16.	झालावाड़ दशा श्रीमाली स्था. पत्र : श्री शान्तीनाल चिमनलाल सेठ रायपुर दरवाजा बाहर, आश्रम बिल्डिंग अहमदाबाद-380022 (गुज.)		गुजराती	25-00
17.	जीत की भेरी : संपादक-श्री जीतमल चौपड़ा प्रधान कार्यालय 42/225 शान्ती कुज रामनगर, पुष्कर रोड़, अजमेर-305001 ग्राम आफिस-- जीत की भेरी कार्यालय, 3/12 नन्देज भवन श्री महाराणा प्रताप रोड़, भाईन्दर (वेन्ट) 101101 जिला ठाणा (महा.)	4	हिन्दी	10-00
18.	जोसवाल हितेयी : जोसवाल हितेयी कार्यालय त्रिपोलिया बाजार जोधपुर (राज.) 312001	13	हिन्दी	25-00

उपयुक्त

क्र.सं.	पत्रिका का नाम व पता	वर्ष	भाषा	वार्षिक मूल्य
19	तपोधन तपोधन मासिक कार्यालय संपादक-भगोकर छटकर राजस्थानी शीतल स्वाध्याप भवन काशीपुरा-भोतवाडा-311001 (राज)	5	हिन्दी	20-00
20	नूतन जन पत्रिका सम्पादक-श्री राजेन्द्रपाल छावड़ा बी VIII H N 426 नया मोहल्ला लुधियाना-141008 (पंजाब)	3	हिन्दी	20-00
21	आनन्द दीप आनन्द दीप कार्यालय 2285 आडल बाजार जहमदनगर-414031 (महाराष्ट्र)	6	हिन्दी	15-00
22	न्यूज लेटर जहम फाउंडेशन, अहिंसा विहार, पी. आ. बाघत 3834 नई दिल्ली-110049	5	हिन्दी	नि:शुल्क
23	श्रमण महावीर संपादक-श्री राजकुमार जन 'राजन' राकेट प्रकाशन आकोला-312205 जिला चित्तौड़गढ़ (राज)	3	हिन्दी	15-00
24	धर्म प्रगति कलकत्ता जैन मुक्ता मण्डल संपादक-जयन्तीभार्गव सप्रेम लकी प्रेस, 119 लावर चीतपुर राड नाज सिनमा के पास कलकत्ता-700073	10	गुजराती	30-00 (द्विवार्षिक)
25	पोरवाज समाज दर्पण संपादक-श्री जयचन्द्र कुमार गुप्ता, C-78A-सिवाड एरिया, बापू बाजार 302003 जयपुर-(राज)	5	हिन्दी	10-00

क्र.सं.	पत्रिका का नाम व पता	वर्ष	भाषा	वार्षिक शुल्क
26.	जैन परम्परा : संपादक—श्री फूलचन्द कटारिया, 469. अजना हाउसिंग सोसायटी, ब्लॉक न. 14, गुल टेकडी पुणे-411001 (महा.)	7	हिन्दी-मराठी (संयुक्त)	30-00
27.	आगम आलोक : प्रकाशक—आगम अनुयोग ट्रस्ट (अहमदाबाद) प्राप्ति स्थल—वर्धमान महावीर केन्द्र आबू पर्वत 307501 (राज.)	3	हिन्दी	निःशुल्क

(ब) त्रैमासिक :

1.	भ्रातसभा पत्रिका : भ्रात सभा पत्रिका श्री काशीराम स्मृति जैन अहिंसा भवन 15-ए रोड़, खार (वेस्ट) बंबई 400052 फोन-562509	2	हिन्दी	15-00 (आजीवन)
2.	ओसवाल जगत : ओसवाल जगत-स श्री वसन्तीलाल कुचेरिया, 59, जाली मेकर, चेम्बर्स न. 2, नरीमन प्वाइंट, बंबई-100021 (महा.)	6	हिन्दी	151-00 (आजीवन)

(स) पाक्षिक पत्रिकाएं :

1.	जैन प्रकाश संपादक—श्री अजितराव गुराजा ज. भा. रंग, जैन कान्ठेन्त, जैन नगर, 12 गह्वर नगरान्ह भागं, नरेंद्रिनी-110001 फोन नं. 313729 नगर जैन धर्म	73	हिन्दी	20-00
----	---	----	--------	-------

क्र.सं.	पत्रिका का नाम व पता	पृष्ठ	भाषा	वार्षिक मुद्रा
2	जन प्रकाश संपादक—श्री एम जे दत्तात्रेय ज भा इव जैन काफ़ेन, 1, विजय वल्लभ चाक, त्रिभुवन बिन्डिंग, ए बी एन बक ऊपर, 4 माला, पायधुनी बबई 400003 (महाराष्ट्र) फोन नं 322927 तार जैन मेष	71	गुजराती	20-00
3	धर्मशोपासक संपादक—श्री जुगलराज मठिया ज भा माधुमार्गी जन मेष, समता भवन, रामपुरिया सडक बीकानेर-334001 (राजस्थान) फोन नं 5027 तार—माधुमार्गी	21	हिन्दी	20-00
4	जन क्रांति संपादक—श्री रवींद्र लाल पारख 31/36 करणपुरा, राजकाट-360001 (गुजरात)	5	मराठी	20-00
5	जन ज्योति संपादक—श्री प्रकाश चापडा जैन ज्योति कार्यालय नया बाजार, अजमेर-305001 (राजस्थान) फोन 22135	10	हिन्दी	20-00
6	मुनिघाष संपादक—श्री मोहन कुमार पुनमिया, मुनिघाष कार्यालय मु पो सादडी मारवाड-306702 जिला पाला (राजस्थान) फोन नं 9	6	हिन्दी	25-00

क्र.स	पत्रिका का नाम व पता	वर्ष	भाषा	वार्षिक शुल्क
7.	समता युवा सन्देश : मचिव श्री मणिलाल घोटा अ. भा. माधुमार्गी जैन समता युवा संघ, 2 चौमुखी पुल रतनाम-457001 (म.प्र.)	3	हिन्दी	निःशुल्क
8.	महावीर मिशन : संपादक-श्री जे. डी. जैन दिल्ली प्रदेशीय श्री व.स्था. जैन महासंघ जैन स्थानक 10326 मोतीया खान, नईदिल्ली-110055	13	हिन्दी	31-00
(द) साप्ताहिक पत्र :				
1.	तरुण जैन : संपादक-श्री फतहसिंह जैन तरुण जैन कार्यालय त्रिपोनिया बाजार जोधपुर (राज.) 342001	34	हिन्दी	50-00
2.	जैन तपस्या : जैन तपस्या कार्यालय रविवार पेठ-मुन्नर-120502 जिला पूना (महा.)	5	मराठी	25-00
3	दिवाकर दिप्ती . संपादक-श्री मोतीलाल बाफना 33 बीम चौक, रतनाम-457001 (म.प्र.)	2	हिन्दी	25-00

क्र स	पत्रिका का नाम व पता	पृष्ठ	भाषा	वार्षिक शुल्क
-------	----------------------	-------	------	---------------

(इ) दैनिक जैन पत्र

1	जैन समाज	5	हिन्दी	125-00 वार्षिक
---	----------	---	--------	-------------------

जैन समाज हिन्दी दैनिक

संपादक—श्री जिनैन्द्रकुमार जैन,

2073 घी वाला का रास्ता

जीहरी बाजार, जयपुर-302003

(राज) फोन 40582

(नोट—जैन समाज पत्र—समग्र जैन समाज का

एक भाग हिन्दी दैनिक पत्र है।)

(एफ) वार्षिक जैन पत्र

1	श्री समग्र जैन चातुर्मास सूची	8	हिन्दी	10-00
---	-------------------------------	---	--------	-------

संपादक—श्री बाबूलाल जैन 'उज्जवल'

अ भा समग्र जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिषद्

तिरुपति अपार्टमेंट्स, ब्लॉक न 105,

आकूली कास रोड न 1

कादिवली (पूव)

बवई-400101 (महाराष्ट्र) फोन न 681278

कुल स्थानकवासी जैन पत्र-पत्रिकाएं 42

मासिक	त्रैमासिक	वार्षिक
27	2	8
साप्ताहिक	दैनिक	वार्षिक
3	1	1



अन्य जैन पत्र-पत्रिकाएँ

दिगम्बर---तेरापथी एवं मूर्तिपूजक सम्प्रदाय

1. जैन गजट (हिन्दी साप्ताहिक)
भा. दिगम्बर जैन महासभा
रगमहल अजमेर (राजस्थान)
2. अणुव्रत (हिन्दी पाक्षिक)
अ. भा. अणुव्रत समिति
210, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग,
नई दिल्ली-110 001
3. अनेकान्त (हिन्दी त्रैमासिक)
वीर सेवा मंदिर, 21, दरियागंज
नई दिल्ली-110 002
4. अरिहंत (हिन्दी मासिक)
अरिहंत प्रकाशन मन्दिर
मोतीचौक, जोधपुर (राजस्थान)
5. आगमपथ (हिन्दी मासिक)
3023, बहादुरगढ़ मार्ग,
नई दिल्ली-1100 06
6. आत्मधर्म (हिन्दी मासिक)
टोडरमल स्मारक भवन
ए-4 वापुनगर
जयपुर-30200 1 (राज.)
7. जैन जर्नल (इंग्लिश त्रैमासिक)
जैन भवन पी 25 कलाकार स्ट्रीट
कलकत्ता-700 006
8. जैन जागरण (हिन्दी मासाहिक)
रायपुर न. दिगम्बर जैन,
गोलापूर नभा, नदर बाजार रायपुर
9. जैन दर्पण (हिन्दी मासिक)
नारदा भवन के नामने
नयाँ-भारत-रोड जयपुर 30 2003
10. जैन दर्शन (हिन्दी मासिक)
भा. दिगम्बर जैन सिद्धान्त संरक्षणी सभा
30/12 ए/ रामनगर स्ट्रीट 5
गांधीनगर, दिल्ली,
11. जैन भारती (हिन्दी साप्ताहिक)
श्री जैन श्वे. तेरापथी महासभा
3, पोर्तूगीज चर्च गेट
कलकत्ता-700 001
12. जैन पथ प्रदर्शक (हिन्दी मासिक)
सुभाष पथ, विदिशा 464001 (म. प्र.)
13. जैन मित्र (साप्ताहिक)
दिगम्बर जैन प्रातः सभा,
ग्रुपाटिया चकला,
गांधी चौक सूरत-3 (गुजरात)
14. जैन संस्कृति (हिन्दी मासिक)
दिगम्बर जैन संस्कृति सेवक समान
चौरासी, मथुरा (उ. प्र.)
15. जैन संदेश (हिन्दी मासाहिक)
भा. दिगम्बर जैन मध
चौरासी मथुरा (उ. प्र.)
16. जैन संदेश (हिन्दी मासाहिक)
जैन सेवा मंडल रामकोट राज गाँव
हैदराबाद (आंध्रप्रदेश)
17. तिर्यकर (हिन्दी मासिक)
55 पथकार लानोनी, रत्नाग्रिया मार्ग,
इन्दौर-15200 1 (म. प्र.)
18. तुलसी प्रज्ञा (हिन्दी त्रैमासिक)
अ. ना. तेरापथी समान
जैन विद्या नारनी बाइलू (राज.)

- 19 तेरापथी (हिन्दी भाषित)
दिन्ती प्रदा धारा उच,
4482, तलागदान, पहाडाया
दिन्ती 110006
- 20 तेरापथ भारती (हिन्दी भाषित)
ज भा तेरापथ ममात्र
206-368 साग काल
32 दमरा म्हाड,
कनता 700 001
- 21 दिगम्बर जन (हिन्दी भाषित)
दिगम्बर जन भाषित
मेठाया, जाग (उ प्र)
- 22 दिगम्बर जन (हिन्दी भाषित)
त्राटियावता भाषा भाग
मूल-3 (गुगला)
- 23 दिगम्बर जन महाभूमि (कुलेटिन) (हिन्दी भाषित)
वा 45/47 दिन्ती मजिन,
कनाट पनेम नद दिन्ता-
- 24 दिगम्बर (हिन्दी भाषित)
566 जागी मजिन 1 मागिन
मनिहारा वा गन्ता, जयपुर-3(ग.)
- 25 महावीर मदेस (हिन्दी भाषित)
दिगम्बर जैन प्रतिगद्य वेग
मी महावीरजी भा (गन्धवान)
- 26 महावीर सदेस (हिन्दी भाषित)
दिगम्बर जैन भाग मदेस,
बादनी चौक, दिन्ता-1100 06
- 27 मगत ज्योति (हिन्दी भाषित)
थी दिगम्बर जन केरजिन
2, मर हरिधाम भागन भा म्हाड
कनता-700 007
- 28 पल्लम सदेस (हिन्दी भाषित)
गाड मजिन उमरा भा
मी न्दीम जयपुर 30 2002 (ग.)
- 29 मोर (हिन्दी भाषाहिन्दी)
ज भा दिगम्बर जैन भाषित
मेरठ (उ प्र)
- 30 मोरवाणी (हिन्दी भाषित)
मनिहारा वा गन्ता
जयपुर 30-003 (गन्धवान)
- 31 मारजन धम (हिन्दी भाषित)
ज भा भा गरीज जयपुर भाषित
मन्तार (म प्र)
- 32 श्वेताम्बर जन (हिन्दी भाषाहिन्दी)
भागी रदता भाषित (उ प्र)
- 33 धमरा (गन्ता भाषित)
जैन मजिन पी-25 कनाट म्हाड
कनता-700 007
- 34 समीत सदेस (हिन्दी भाषित)
435 भागी भाग, दिन्ती 110 031
- 35 गमनिवाणी (हिन्दी भाषित)
था दिगम्बर जन भागवा प्रातिक मभा,
गाग मजिन 11 हुकुमन्द भाग,
मन्तार-202 002 (म प्र)
- 36 सम्यजान (हिन्दी भाषित)
दिगम्बर जन भागवा भाग मन्तार
श्वेताम्बर (मेरठ उ प्र)
- 37 धमरा भारती (हिन्दी भाषित)
ज्या गता लाडा, वाग मुजकन भाग,
एट दी कम्पाउण्ड
भाग-2, 282002
- 38 मरुत (हिन्दी भाषित) मूर्तिपूजक
मभासक थी प्रवीण जे सालन,
मु भा वाडाय त मीडवी कच्छ (ग.)
- 39 ज विश्व जन मिशन (भाषित)
थी तारावन्द जन कन्ती,
कन्ता मजिन न्यू बालानी जयपुर-302003

41. बालस्मृति (गुजराती मासिक)

मयूर पब्लिशिंग, 16 मर्कटा मेन्शन नं 1
सहार रोड, अधेरी (पूर्व) बम्बई-400 068
फोन नं. -634 4027

सम्प्रदायों की देने का हमारा विचार था लेकिन सभी पत्र-पत्रिकाओं के बारे में हमारे पास उपलब्ध जानकारी नहीं होने के कारण हम सिर्फ उपयुक्त सक्षिप्त सूची ही दे पाये हैं एवं सभी पत्र-पत्रिकाओं के माननीय सम्पादकों से नम्र निवेदन है कि वे अपने अपने पत्र की एक प्रति हमें अवश्य भिजवाने की कृपा करें ताकि भविष्य में सभी की जानकारियों व्यवस्थित ढंग से आपके सम्मुख प्रस्तुत कर सकें।

आशा है आप अवश्य ध्यान देने की कृपा करेंगे।
इसी आशा के साथ।

—यादूलाल जैन 'उज्जवल'
सम्पादक,

नोट—इसके जलावा भी कई जैन पत्र-पत्रिकाएँ प्रकाशित होती हैं जिस तरह स्थानकवासी पत्र पत्रिकाओं की व्यवस्थित सूची हमने यहाँ दी है उसी तरह की अलग-अलग सूची सभी



हार्दिक शुभकामनाओं सहित

फोन : 22693
21097

निधी टेक्सटाइल्स

49, घो का झण्डा, पाली-मारवाड़ (राज०)

306401

सम्बन्धित फर्म—

सूरज इन्डस्ट्रीज

1-22, 8A मटिया रोड, पाली-मारवाड़ (राज.) 306401

मोबा. नं. 98261 11111, 98261 11111, 98261 11111

—मेघराज केवलचन्द गुलेच्छा—

सम्बन्धित फी पार्टी, पाली मारवाड़ (राज.) 306401

सुख की अभिलाषा रख करके जो दूषित कम कमाते हैं
वे मधुर आम्र खाने के हित, वो कर बबूल हर्षते हैं ॥

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ :

मारवाड़ के प्रसिद्ध पापड़ श्री वर्धमान पापड़ भण्डार

14, महावीर गली, गुन्दोचिया बास,
पाली-मारवाड़-306401 (राजस्थान)

स्टाफिस्ट

नानजी खिमजी

2 रा भाईवाडा (पापड़ वाला)
भूलेश्वर, बम्बई 400002
फोन-367477

एम. शान्तिलाल एण्ड क,

101, मामूल पेट,
बैंगलोर 560002 (कर्नाटक)
फोन-74347

चिमनलाल भीखाभाई

मोरिया पारसनाथ की खिडकी, पाजरा पोल्,
रिलिफ रोड, अहमदाबाद-380001 (गुज)

अखिल भारतवर्षीय स्थानकवासी जैन स्वाध्याय संघों की सूची

जिन-जिन क्षेत्रों में पूज्य सत-सतियाँ जी म.सा. का चातुर्मास नहीं हुआ हो वे क्षेत्र पर्यूपण पर्व में शास्त्र वाचन व्याख्यान प्रतिक्रमण आदि धार्मिक, प्रवृत्तियाँ कराने हेतु निम्नलिखित स्वाध्याय संघ में पत्र व्यवहार कर स्वाध्यायीयों को नि.गुल्क बुला सकते हैं। पत्र व्यवहार करते समय क्षेत्र में पहुंचने का मार्ग व जैन घरों की कुल संख्या का उल्लेख अवश्य करें। लीजिये आपके सामने उन सभी स्वाध्याय संघों के नाम पता, आदि का विवरण यहाँ प्रस्तुत किया जा रहा है।

क्र.सं. स्वाध्याय संघों के नाम व पता

क्र.सं. स्वाध्याय संघों के नाम व पता

(क) आचार्य प्रवर श्री हस्तीमल जी म.सा. की प्रेरणा से:-

1. स्वाध्याय संघ-जोधपुर (राज.)

संयोजक - श्री सम्पतराज डोशी
स्वाध्याय संघ, घोडो का चौक,
जोधपुर (राज.) 342001

2. स्वाध्याय संघ-शाखा-सवाई माधोपुर (राज.)

संयोजक:- श्री रूपचन्द जैन
श्री श्वे. स्था जैन स्वाध्याय संघ,
स्टेशन बजरिया, आदर्श नगर रोड़,
सवाई माधोपुर (राज.) 322001

3. कर्नाटक स्वाध्याय संघ-बंगलोर

संयोजक:- श्री शानराज जी मेहता,
कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ,
21/25, एम. पी. लेन, चिकेपेट काम,
बंगलोर (कर्नाटक) 560053

4. महाराष्ट्र स्वाध्याय संघ-जलगाव

संयोजक:- श्री प्रकाश चन्द जैन
महाराष्ट्र जैन स्वाध्याय संघ,
नवजीवन मंगल कार्यालय,
अपक्रियन बाग, जलगाव-425001 (महारा.)

5. मध्यप्रदेश स्वाध्याय संघ-उन्नाव -

संयोजक:- श्री फकीर चन्द मेहता
मध्यप्रदेश जैन स्वाध्याय संघ,
महाराष्ट्र भवन, उन्नाव बाजार
उन्नाव-201001 (म.प्र.)

6. महाराष्ट्र विदर्भ स्वाध्याय संघ-नागपुर

संयोजक - श्री मोहनलाल कटारिया
महाराष्ट्र विदर्भ स्वाध्याय संघ,
इतवारी अनाज बाजार,
नागपुर-440 002 (महारा.)

7. तमिलनाडु स्वाध्याय संघ-शाखा

संयोजक - श्री गजराज मेहता
तमिलनाडु स्वाध्याय संघ,
संयोजक श्री उमराव मल गुराना
1, कलाशी पिलार्ट स्ट्रीट
मद्रास-600 001 (तमिलनाडु)

8. पल्लीवाल क्षेत्र स्वाध्याय संघ-शाखा

संयोजक:- श्री मूरजमलजी मेहता -
पल्लीवाल क्षेत्र स्वाध्याय संघ,
मु. पो अलवर (राजस्थान)

(ख) प्रवर्तक श्री कुन्दनमलजी म.सा. की प्रेरणा से:-

9. स्वाध्याय संघ-गुलाबपुरा

संयोजक - श्री श्वे. स्था. जैन स्वाध्याय संघ,
गुलाबपुरा-311 021
जिन्ना-मीननाग (राज.)

(ग) सुधर्म प्रचार मण्डल द्वारा-

10. सुधर्म प्रचार मण्डल-जोधपुर

संयोजक - श्री नर्मोत्तम दास,
श्री सुधर्म प्रचार मण्डल,
मिर्जापुरा नगर के सामने
जोधपुर (राज.) 342 001

क्र स	स्वाध्याय सघों के नाम व पता	क्र स	स्वाध्याय सघों के नाम व पता
11	सुधम प्रचार मण्डल-गुजरात शाखा संयोजक—श्री प्रदीप कुमार सठ रुद्रमणी भवन, मुद्रा चक्र, मांठा पला अहमदाबाद-380 006 (गुज) प्रमुख—श्री जयवंत लाल एम जाई वायक्वे फामा इन्स्टीट्यूट, पा जा वासिम न 2217 1 अर्बि तालाब, उम्बई-400 002	19	अ भा स्या जन स्वाध्याय सघ शाखा-सवाई माधपुर संयोजक—श्रीमाणिक चन्द्र जन अध्यापक श्री अ ना स्या जैन स्वाध्याय सघ आनन्द भवन, जैन म्यानक सवाई माधपुर (राज) -322 021 (च) अ श्री नाना लाल चार्यजी म सा की प्रेरणा से—
12	सुधम प्रचार मण्डल-छत्तीसगढ़-शाखा संयोजक—श्री नीकिम चन्द पाठिया, सुधम प्रचार मण्डल, गज लाइन, राजनान्दगाव-491 441 (म प्र)	20	समता प्रचार सघ-उदयपुर संयोजक—श्री गणेशलाल बया, या समता प्रचार सघ 48, भुषानपुरा उदयपुर (राज) 313001
13	सुधम प्रचार मण्डल, मेवाड़-शाखा संयोजक—श्री नाथूलाल बाफना, सुधम प्रचार मण्डल, भापाल मांगर, उदयपुर (राज)	21	समता प्रचार सघ शाखा सवाई माधपुर क्षेत्र संयोजक—श्री पदम बाबू जैन, ईएम जाई हाम्पीटन वे मासिन प्रजिया, रेल्व स्क्वैर, सवाई माधपुर (राज) -322 001
14	सुधम प्रचार मण्डल, महाराष्ट्र शाखा, संयोजक—श्री सुधम प्रचार मण्डल, मु पा यकला जिना नामिक (महा)	22	समता प्रचार सघ शाखा-मालवा क्षेत्र संयोजक—श्री जाल्नीलाल मुगात समता भवन, 81 नालाडपुरा खतलाम-457 001 (म प्र)
15	सुधम प्रचार मण्डल, क्षालावाड शाखा संयोजक—श्री मार्गीलाल जैन, सुधम प्रचार मण्डल मु पा डग जिना पालागाड (राज)	23	आध्या जन स्वाध्याय सघ संयोजक—श्री शान्तीलाल गूदचा 2-2-1167/2 ई-तिलक नगर हैदराबाद-500 041 (आध्या प्रदश)
16	सुधम प्रचार मण्डल, मालवा शाखा संयोजक—श्री शान्तीलाल सुराना सुधम प्रचार मण्डल, 124 तिलक नगर इन्दौर-452 001 (म प्र)	(छ) उपाध्याय श्री पुष्कर मुनि जी म सा की प्रेरणा से—	
17	सुधम प्रचार मण्डल पाली शाखा संयोजक—श्री पन्नालाल बाठिया, सुधम प्रचार मण्डल, मु पो पाली मारवाड (राज)	24	दक्षिण भारत जन स्वाध्याय सघ-मद्रास मन्त्री—श्री नैवरलाल गांठी, श्री दक्षिण भारत जज्ञ स्वाध्याय सघ, 348, मोन्ट स्ट्रीट मद्रास-600 079 (तमिऴनाडू)
(घ) आचार्य सप्ताह श्री आनन्द ऋषि जी म सा की प्रेरणा से—		25	वधमान जन स्वाध्याय सघ-सायरा संयोजक—श्री वधमान जैन स्वाध्याय सघ, मु पा सायरा-313 701 जि उदयपुर (राज)
18	अ भा स्या जन स्वाध्याय सघ अहमद नगर संयोजक—अ भा स्या जैन स्वाध्याय सघ बण्ड गाव राड अहमदनगर (महा)-414 001	26	श्री जन दिवाकर स्वाध्याय सघ संयोजक—श्री वधमान जैन स्वाध्याय सघ नयावास समदडी (गडमेर) 314 021 27 संयोजक—श्री जैन दिवाकर स्वाध्याय सघ, यरबडा-पूना-411 006 (महाराष्ट्र) शाखा-अहिमा नगर चित्तौडाड़ (राज)

अ. भा. स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड सूची

1. श्री त्रिलोक रत्न स्था. जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड
पता—श्री त्रिलोक रत्न स्था. जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड
बहड़ गाँव रोड, अहमदनगर,
(महाराष्ट्र)-114 001
2. श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड
पता:—श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड,
समता भवन, रामपुरिया मडक
बीकानेर (राज)-334 001
फोन न. 1527 ग्राम-“साधुमार्गी”
3. श्री विराणी शिक्षण संघ धार्मिक परीक्षा बोर्ड
पता:—श्री विराणी शिक्षण संघ धार्मिक परीक्षा बोर्ड,
6 दीवानपुरा, राजकोट-360 001 (गुज.)
4. श्री पार्वती बाई महासती जो सिद्धान्त शाला
पता—श्री लक्ष्मीचन्द जवेरचन्द स्था जैन उपाध्य, 4,
स्थानकवासी जैन सोमायटी
नारायणपुरा कोमिंग के पास,
अहमदाबाद-380 013 (गुज)
5. श्री श्रमणी विद्यापीठ-भचाऊ
पता—श्री स्थानकवासी जैन श्रमणी विद्या पीठ,
मु. पो. भचाऊ-360 110 (रुच्छ)
जिला भुज (गुज)
6. श्री श्रमणी विद्यापीठ, घाटकोपर-बम्बई
पता—श्री श्रमणी विद्यापीठ,
होम भाला वेन, घाटकोपर (पूर्व)
बम्बई-400 077 (म.ग.)
7. श्री प्रियायिका सिद्धान्त शाला
पता—श्री गुलाबराव मूरजि. प्रियायिका सिद्धान्त शाला
अहमद निसा जमने (राज)
8. श्री जैन सिद्धान्त शिक्षण संस्थान
पता—श्री कन्हैयालाल लोढा ‘अधिष्ठाता’
साधना भवन, 9-ए, महावीर उद्यान पथ,
बजाज नगर, जयपुर-302017 (राज)
9. महावीर जैन स्वाध्याय विद्यापीठ
पता—प्राचार्य-श्री महावीर जैन स्वाध्याय विद्यापीठ,
महेण हाऊमिंग सोमायटी,
आकाशवाणी के मामले, जनगाँव-455 001
(महा)
10. श्री सुधर्म प्रशिक्षण संस्थान
पता:—प्राचार्य—सुधर्म प्रशिक्षण संस्थान,
जैन पाठशाला भवन,
मिटी पुलिम, जोधपुर
(राज) 342 001
11. श्री श्वे. स्था. जयमल जैन शिक्षण संस्थान
पता—श्री श्रुताचार्य चौध म्मृति भवन,
39 विनोद नगर,
व्यावर-305901
जिला अजमेर (राज)
12. श्री अ. भा. विद्वत् परिषद् जयपुर
पता—मो. 235 ए, दयानन्द मार्ग
निलक नगर-जयपुर-302001 (राज)
फोन न. 67951
13. श्री ज. ना. गजेन्द्र जैन स्वाध्याय पीठ
10-11 बगवन्त निवास राड,
उन्दीर-152 001
14. श्री ज्ञानन्द मन्त्रुन प्राकृत प्राच्य विद्यापीठ
बहड़ गाँव राड, अहमदनगर
(म.ग.)-114 001

15 श्री वधमान जन सिद्धान्त शाला

पता—श्री व स्वा जैन आनक मध

शान्ती भवन,

भूपानाज, भीलवाडा (राज)-311 001

16 श्री मालवमणि श्रमणी चानपोठ

श्रीकृष्ण स्मृति भवन, राजभीहल्ला

द्वार-152 001 (म प्र)

17 श्री पुष्कर विद्यापीठ

तारक गुरु जन ग्रन्थालय,

शान्ती सक्ल, उदयपुर (राज)

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

फोन

दुकान 37993

निवास 36066

अनूपचन्द

कमलचन्द कोठारी

आदरितया एव कमोशन एजेन्ड

42 नई अनाजमण्डी, सयोगितागज

इन्दौर-452002 (म प्र)

नाट—इसके अलावा श्वे मति पूजक, श्वे तरापीठी एवं दिगम्बर सम्प्रदाय में भी कई तरह धार्मिक परीक्षा जोड़ देने हुए हैं लेकिन हमारे पास नहीं जानकारीया उपलब्ध नहीं होने के कारण सिर्फ हम इतना ही दे पा रहे हैं। सभी पूज्य साधु-माध्विया, महानुभावा, व्यवस्थापका से नम्र निवेदन है कि वे अपने अपने क्षेत्रों की जानकारीया हमें भिजवाते रहें ताकि भविष्य में सभी की जानकारीया देने की कानिग करें।

—सम्पादक,

ॐ

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

फोन न

दुकान 22639

निवास 23096

विश्व शान्ति के लिए

आचार्य श्री नानेश जो की अमूल्य देन

समता दर्शन

- समता मित्रता दर्शन
- समता जीवन दर्शन
- समता ग्राम दर्शन
- समता पंचात्मदर्शन
- समता समाज रचना

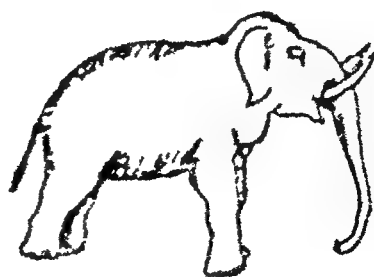
कटारिया सेल्स
एजेन्सी7/1, महारानी रोड, सियागज इन्दौर,
452001 (म प्र)अधिकृत विक्रेता—जो के सिमेंट, डायमंड सिमेंट,
चेतक सिमेंट-सतना सीमेंट

अ. भा. स्थानकवासी जैन छात्रालयों की सूची

1. श्री एस.एस. मरुधर केशरी जैन छात्रावास
मु.पो. जेतारण
जिला-पाली मारवाड़ (राज.)
2. श्री जैन छात्रावास,
मु.पो. कुचेरा, जिला-नागौर (राज.)
3. श्री जैन रत्न छात्रालय,
मु.पो. भोपालगढ़ (राज.)
4. श्री जैन दिवाकर छात्रावास स्मारक,
सागोद रोड, मु.पो. रतलाम (म.प्र.)
5. श्री व. स्था. जैन छात्रावास स्मारक,
मु.पो. राणावास, जिला-पाली (राज.)
6. श्री कानजी शिवजी ओसवाल जैन वोटिंग,
जिला-पेठ जलगाव (महा.)
7. श्री आनन्द यशजैन छात्रावास,
मु.पो. फूतिया कला, जिला-भीलवाडा (राज.)
8. श्री श्वे. स्था. जैन छात्रावास,
श्री चादमलजी बी. नाहर, मानदमयी,
मु.पो. छोटी मादडी, (राज.) 312604
9. श्री पारम मन मिताय चंद जैन सेवा ट्रस्ट, छात्रावास,
नवानक, चांदीहान
जोधपुर (राज.) 31001
10. श्री श्रीराम जैन छात्रावास,
नमोजक श्री नरहरनमन पटवारी
गिर्नोड़गढ़-(राज.)
11. श्री नानिनाथ जैन सेवा छात्रावास,
राणा राम-नारायण
गिर्नोड़गढ़ (राज.)
12. श्री जैन ज्ञान छात्रालय,
कपड़ा मार्केट, जोधपुर (राज.)
13. श्री सयुक्त जैन विद्यार्थी गृह,
प्लॉट नं. 64, डॉ. गडे हॉस्पिटल के पीछे,
सायन (वेस्ट) बम्बई-400052
14. श्री लोकाशाह जैन गुरुकुल,
सादडी-मारवाड़, जिला-पाली (राज.)
15. श्री तलमाणिया अजमशी ओधवजी स्थानक जैन
विद्यार्थी गृह, स्टेशन रोड, मु.पो. लिम्बडी
लिम्बडी (सीराट्ट) 363421.
16. श्री स्थानकवासी जैन वोटिंग,
बड़वाड रोड, सुरेन्द्रनगर-360001 (गुज.)
17. श्री दशा श्री माली स्थानक जैन वोटिंग, सुरेन्द्रनगर
18. श्री खर्जीलालजी छावडा बीशा ओसवाल जैन वोटिंग
भचाऊ-कच्छ (गुज.) 370140.

इनके अलावा नैकड़ों जगह न्या एवं अन्य जैन छात्रा
वास बने हुये हैं लेकिन हमारे पास कोई सूचना नहीं
होने से हम आपके माध्यम से प्रस्तुत नहीं कर सके
हैं, क्षमा करें।

गन्तारक



जैसे जल के बाहर मछली, पानी के हेतु तड़पती है ।
तैसे दुख द्वन्द्व मलिन आत्मा, आनन्द ढूँढती फिरती है॥

हार्दिक शुभकामनाओ सहित

सुरेश एम० तालेरा

Talera Hoteliers Pvt. Ltd.

**13, Wilson Garden,
Motilal Talera Marg
POONA-411001 (Mh.)**

Tel No 61414
61616

अ. भा. शिक्षा—छात्र वृत्तियां देने वाली जैन संस्थाएँ

1. सेठ हीराचन्द गुलाब चन्द स्कॉलरशिप ट्रस्ट,
148, लेमिंग्टन रोड-बम्बई-7
2. जैन श्वेताम्बर काफ़ेस गौडीजी बिल्डिंग,
20, पायधुनी, बम्बई-2.
3. महावीर जैन विद्यालय, गोवलिया टैंक, अगस्त
क्रान्ति मार्ग, बम्बई-26.
4. बालचन्द चेरिटी कन्स्ट्रक्शन हाऊस, बम्बई-1
5. श्री घोषारी बीसा ओसवाल शुभच्छुक मण्डल,
76, सुतार चाल, बम्बई.
6. श्री विजय केशरमूरि स्मारक स्कॉलरशिप ट्रस्ट,
फण्ड कान्तिलाल नर्गनदास झवेरी,
44/46, धनजी स्ट्रीट, बम्बई-3.
7. वर्धमान जैन सेवा सदन,
21, गौडीजी की चाल दूसरा माला बम्बई-2.
8. वर्धमान स्थानक वासी जैन श्रावक सघ,
170, कांदावाड़ी, बम्बई-4
9. धेमचन्द वोरा शिष्य वृत्ति अ.भा. स्थानक,
वासी जैन काफ़ेस पायधुनी, बम्बई-2
10. जालावाड़ स्थानक वासी जैन सभा, कोल भाट
लेन' बम्बई-2
11. श्री मोरारजु दशा श्री माली मेवा सघ दूसरा माला,
शमोलकर बाड़ी, कालवा देवी, बम्बई-2
12. श्री जैन कोलवाड़ी मण्डल, 11, मजधान रोड,
बम्बई-1
13. गिरधारा नान प्यार रान एज्युकेशन फण्ड,
31, नाली कोट, देहली-6
14. श्री मुदना किरण कपूर ट्रस्ट,
1999, नाली कोट देहली-6.
15. श्री जिन दत्त सूरि मण्डल, दादावाडी, अजमेर,
16. श्री जैन गुरुकुल शिक्षण सघ व्यावर (राजस्थान)
17. सी.पी. एण्ड, बेरा ओसवाल शिक्षक संस्था,
सुराना भवन नागपुर-1 (महाराष्ट्र)
18. खानदेश ओसवाल शिक्षण संस्था, जामनेर,
जामनेर, (महाराष्ट्र)
19. अ.भा. श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कान्फ़ेस,
12, लेडी हार्डिंग रोड, नई दिल्ली.
20. अचल जैन सेवा ट्रस्ट, 32, भागवती देवी जैन,
मार्ग सदर, आगरा-1.
21. श्रीमती बनारसी देवी ओसवाल पब्लिक चोरटेवर
ट्रस्ट.
22. वर्धमान स्पनिंग एण्ड जनरल मिल्स लि. लुधियाना
चण्डीगढ़ रोड, जमालपुर,
(पंजाब) 141111.
23. श्री सूरजमल श्री माल मेमोरियल ट्रस्ट
4ए-2 (ए) कोर्ट चैम्बर,
35, न्यू मेरिन लार्डन, बम्बई-20.

नोट:—उपरोक्त जनावा भी कई नमूनाएं हैं लेकिन सभी के बारे में पूर्ण जानकारी नहीं होने के कारण यहाँ सभी के नाम नहीं दे पा रहे हैं। सभी महाशुभाओं से नम्र निवेदन है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जानकारी प्राप्त करके भी भेज सकते हैं।

—नमो १६



धन प्राण ग्यारहवा जग में, प्राणो से भी प्यारा है।
 धन तो नित्य रहे तिजोरी में, अरुप्राण बने रखवारा है।

हार्दिक शुभकामनाओ सहित :



तार-‘पापडवाला’

फोन 21597

श्री जैन उद्योग पापड़ भण्डार

असली कगन, सज्जी व उच्चकोटि की दालो द्वारा निर्मित स्वादिष्ट
 व जायकेदार पापड़ के निर्माता एवं निर्यातक

गुन्दोचिया वास, पाली-मारवाड-306401 (राज)

राजस्थान के दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र

राजस्थान न तो कोई सिद्ध क्षेत्र है और न ही कोई कल्याणक क्षेत्र ही। यहाँ अतिशय क्षेत्र हैं। राज्य के प्रमुख और प्रसिद्ध दिगम्बर अतिशय क्षेत्रों के नाम स्थान एवं जिले का विवरण इस प्रकार है।

क्र.स.	नाम	स्थल	जिला
1.	श्री ऋषभ देव केशरिया जी	धुलेव	उदयपुर
2.	श्री नागफली पार्श्वनाथजी	वीछीवाडा	झुगरपुर
3.	श्री आदेश्वर पार्श्वनाथ जी	कुशलगढ,	वासवाडा
5.	श्री शातिनाथजी	वामोतर	चित्तौडगढ़
6.	श्री पार्श्वनाथजी	विजोलिया	भीलवाडा
7.	श्री चम्बलेश्वर पार्श्वनाथजी	पारौली	भीलवाडा
8.	श्री पद्मप्रभुजी	पुद्मपुरा	जयपुर
9.	श्री चूलगिरी पार्श्वनाथजी	जयपुर	जयपुर
10.	श्री महावीरजी	श्रीमहावीरजी	सवाई माधोपुर
11.	श्री चमत्कारजी	आलनपुर	सवाई माधोपुर
12.	श्री चन्द्रप्रभुजी	तिजारा	अलवर
12.	श्री शाति नाथजी	वघेरा	अजमेर
13.	श्री मुनि सुव्रतनाथजी	केशवराय पाटन	बून्दी
14.	श्री ऋषभ देवजी	चादखेड़ी	झालावाड
15.	श्री शातिनाथजी	पाटन	झालावाड

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

फोन—21677

के. एम. टेक्सटाइल्स मिल्स

ई-5 मण्डिया रोड़, पाली मारवाड़ (राज) 306401

शाह उमगराज गुणवन्तराज

एम. डी. फैब्रिक्स

रंगीन व प्रिण्ट वायलों व साड़ियों के विक्रेता

त्रिड़लो का वास, पाली-मारवाड़ (राज)

फोन—6516

जव हाकिम से मिलने के लिए, बढ़िया पोशाक सजाते हों।
तो मालिक से मिलने के लिए, क्यों रुह न पाक बनाते हों।

With Best Compliments From :

Jain Provision Stores

" Jain Buildings "

129 Usman Road

T. Nagar, MADRAS-600 017. (T.N.)

PH • 441479



S. Mahaveerchand

PARTNER

BINNY

Approved Show Room Jain Buildings,

129, Usman Road, Madras-600 017

Tel 441479 442626 Gram SUGAN

अ. भा. समग्र जैन आचार्यों, पन्थास गणि प्रवर्तक आदि की सूची—

(1) श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय के आचार्य

1. श्रमण संघ के श्री आनन्द ऋषिजी म.सा
2. रत्नवंश सम्प्रदाय के श्री हस्तीमल जी म. सा
3. जयमल सम्प्रदाय के श्री जीतमलजी म.सा.
4. साधुमार्गी सम्प्रदाय के श्री नानालालजी म.सा.
5. दरियापुरी सम्प्रदाय के श्री शान्तिलालजी म सा
6. कच्छ आठकोटी मोटा पक्ष सम्प्रदाय के श्री छोटालाल जी म.सा

7. कच्छ आठ कोटी छोटा पक्ष सम्प्रदाय के श्री रामजी स्वामी म सा
8. खंभात सम्प्रदाय के श्री काती ऋषिजी म सा
9. वरवाला सम्प्रदाय के श्री चम्पक मुनिजी म सा

कुल आचार्य 9

श्वे. स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय के कुल आचार्य 9



With Best Compliments From :

M/s. Moolchand Mehta

37, Ghee-Ka-Zanda, PALI-Marwar (Raj.) 306401

Phone : 21191

Phone : 21191

M/s. Morning Centre

M/s. Morning Dyeing

Mandia Road, PALI Marwar (Raj.)

(2) श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन सम्प्रदाय के आचार्य

(1) तपागच्छ समुदाय

1 आचार्यश्री विजय प्रेम भूरीश्वरजी म सा का समुदाय

- 1 आचार्य श्री विजय रामचन्द्र भूरीश्वरजी म सा
- 2 " श्री विजय वर्जमान भूरीश्वरजी म सा
- 3 " श्री विजय भुवन भूरीश्वरजी म सा
- 4 " श्री विजय सुदशन भूरीश्वरजी म सा
- 5 " श्री विजय जयत मोक्षर भूरीश्वरजी म सा
- 6 " श्री विजय रेवत भूरीश्वरजी म सा
- 7 " श्री विजय हिमाशु भूरीश्वरजी म सा
- 8 " श्री विजय नवरत्न भूरीश्वरजी म सा
- 9 " श्री विजय राजतिलक भूरीश्वरजी म सा
- 10 " श्री विजय महोदय भूरीश्वरजी म सा
- 11 " श्री विजय भुवनमानु भूरीश्वरजी म सा
- 12 " श्री विजय भानतु भूरीश्वरजी म सा
- 13 " श्री विजय रा भूरीश्वरजी म सा
- 14 " श्री विजय गुणानंद भूरीश्वरजी म सा
- 15 " श्री विजय प्रधान भूरीश्वरजी म सा
- 16 " श्री विजय मित्रानंद भूरीश्वरजी म सा
- 17 " श्री विजय धनपान भूरीश्वरजी म सा
- 18 " श्री विजय त्रयधाप भूरीश्वरजी म सा

कुल आचार्य 18

10 आचार्य श्री विजय प्रसाध चंद्र भूरीश्वरजी म सा

- 10 आचार्य श्री विजय चंद्रादय भूरीश्वरजी म सा
- 11 आचार्य श्री विजय कीर्तिचंद्र भूरीश्वरजी म सा
- 12 आचार्य श्री विजय महिमा प्रभ भूरीश्वरजी म सा
- 13 आचार्य श्री विजय सूर्योदय भूरीश्वरजी म सा
- 14 आचार्य श्री विजय हंसचंद्र भूरीश्वरजी म सा
- 15 आचार्य श्री विजय जगन्नाथ भूरीश्वरजी म सा
- 16 आचार्य श्री विजय विशालनेन भूरीश्वरजी म सा
- 17 आचार्य श्री विजयनय प्रभ भूरीश्वरजी म सा
- 18 आचार्य श्री विजय जयचंद्र भूरीश्वरजी म सा
- 19 आचार्य श्री विजय सदागुण भूरीश्वरजी म सा

कुल आचार्य 19

3 आचार्य श्री आनंद सागर भूरीश्वरजी म सा का समुदाय

- 1 आचार्य प्रवर श्री देवेन्द्र सागर भूरीश्वरजी म सा
- 2 आचार्य श्री दर्शन सागर भूरीश्वरजी म सा
- 3 आचार्य श्री चितानंद सागर भूरीश्वरजी म सा
- 4 आचार्य श्री कचन सागर भूरीश्वरजी म सा
- 5 आचार्य श्री सूर्योदयसागर भूरीश्वरजी म सा

कुल आचार्य 5

4 पन्यास श्री धर्मविजयजी म सा (डेहलावाला) का समुदाय

- 1 आचार्य श्री विजयराम भूरीश्वरजी म सा
- 2 आचार्य श्री विजय अशोक चन्द्र भूरीश्वरजी म सा
- 3 आचार्य श्री विजय मद्रसन भूरीश्वरजी म सा
- 4 आचार्य श्री विजय महानन्द भूरीश्वरजी म सा
- 5 आचार्य श्री विजय जयदेव भूरीश्वरजी म सा
- 6 आचार्य श्री यशोभद्र भूरीश्वरजी म सा
- 7 आचार्य श्री विजय अभयचन्द्र भूरीश्वरजी म सा

कुल आचार्य 7

2 आचार्य श्री विजय नेमिभूरीश्वरजी म सा का समुदाय

- 1 आचार्य श्री विजय भद्र प्रभ भूरीश्वरजी म सा
- 2 आचार्य श्री विजयदत्त भूरीश्वरजी म सा
- 3 आचार्य श्री विजयदेव भूरीश्वरजी म सा
- 4 आचार्य श्री विजय गुणोत्तम भूरीश्वरजी म सा
- 5 आचार्य श्री विजय जयानन्द भूरीश्वरजी म सा
- 6 आचार्य श्री विजय प्रियकर भूरीश्वरजी म सा
- 7 आचार्य श्री भुमकर भूरीश्वरजी म सा
- 8 आचार्य श्री विजय कुमुद चन्द्र भूरीश्वरजी म सा

5. आचार्य श्री विजय वल्लभ सूरेश्वरजी म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री विजय इन्द्र दिन्न सूरेश्वर जी म सा
2. " श्री विजय जनकचन्द्र सूरेश्वर जी म सा
3. " श्री विजय हीकार सूरेश्वर जी म सा

कुल आचार्य 3

6. आचार्य श्री बुद्धि सागर सूरेश्वर जी म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री सुबोध सागर सूरेश्वर जी म सा.
2. आचार्य श्री दुर्लभ सागर सूरेश्वर जी म सा
3. आचार्य श्री मनोहर सागर सूरेश्वर जी म सा
4. आचार्य श्री कल्याण सागर सूरेश्वर जी म सा
5. आचार्य श्री पद्मसागर सूरेश्वर जी म सा
6. आचार्य श्री भद्र सागर सूरेश्वर जी म.सा

कुल आचार्य 6

7. आचार्य श्री विजय निती सूरेश्वर जी म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री विजय अरिहंत मित्र सूरेश्वर जी म सा
2. आचार्य श्री विजय भानुचन्द्र सूरेश्वर जी म सा
3. आचार्य श्री विजय रामरत्न सूरेश्वर जी म सा
1. आचार्य श्री विजय पदम सूरेश्वर जी म सा

कुल आचार्य 4

8. आचार्य श्री विजय लब्धि सूरेश्वर जी म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री विजय विनय सूरेश्वर जी म सा
2. आचार्य श्री विजय कीर्ति चन्द्र सूरेश्वर जी म सा
3. आचार्य श्री विजय नवीन सूरेश्वर जी म सा
1. आचार्य श्री विजय नरहर सूरेश्वर जी म सा

कुल आचार्य 4

9. आचार्य श्री विजय नक्ति सूरेश्वर जी म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री विजय नक्ति सूरेश्वर जी म सा

2. आचार्य श्री विजय सुबोध सूरेश्वर जी म सा.

3. आचार्य श्री विजय विनय चन्द्र सूरेश्वर जी म.सा
4. आचार्य श्री विजय चक्र चन्द्र सूरेश्वर जी म सा
5. आचार्य श्री विजय प्रसन्नचन्द्र सूरेश्वर जी म सा.
6. आचार्य श्री विजय लब्धि सूरेश्वर जी म सा.
7. आचार्य श्री विजय कल्पजय सूरेश्वर जी म सा.

कुल आचार्य 7

10. आचार्य श्री विजय सिद्धि सूरेश्वर जी (वापजी) म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री विजय भद्रकर सूरेश्वर जी म सा.
2. आचार्य श्री विजय कलापूर्ण सूरेश्वर जी म सा.
3. आचार्य श्री विजय ऊँकार सूरेश्वर जी म सा
4. आचार्य श्री विजय विबुध प्रभ सूरेश्वर जी म सा.
5. आचार्य श्री विजय जिनचन्द्र सूरेश्वरजी म.सा

कुल आचार्य 5

11. आचार्य श्री विजय शांतीचन्द्र सूरेश्वर जी म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री विजय कनकप्रभ सूरेश्वर जी म सा
2. आचार्य श्री विजय भुवन जेठार सूरेश्वर जी म सा
3. आचार्य श्री विजय मोनचन्द्र सूरेश्वर जी म सा
1. आचार्य श्री विजय राजेन्द्र सूरेश्वर जी म सा

कुल आचार्य 4

12. आचार्य श्री विजय मोहन सूरेश्वर जी म.सा. का समुदाय

1. आचार्य श्री विजय मनोहर सूरेश्वर जी म सा
2. आचार्य श्री विजय नवीनचन्द्र सूरेश्वर जी म सा
3. आचार्य श्री विजय नरहर सूरेश्वर जी म सा

कुल आचार्य 3

13 आचार्य श्री विजय जम्त सूरेश्वर जी म ना का समुदाय

- 1 आचार्य श्री विजय चिन्मय मुरीश्वर जी म ना

कुल आचार्य 1

14 आचार्य श्री विजय केशर सूरेश्वर जी म ना का समुदाय

- 1 आचार्य श्री विजय भुवन रत्न मुरीश्वर जी म ना
2 आचार्य श्री विजय स्वयं प्रभ मुरीश्वर जी म ना

कुल आचार्य 2

15 श्री मोहनलालजी म ना का समुदाय

- 1 आचार्य श्री चिदानन्द सूरेश्वर जी म ना

कुल आचार्य 1

इसे मूर्ति पूजन तथा गच्छ के कुल आचार्य 89

(2) अचलगच्छ समुदाय

श्री अचल गच्छ सम्प्रदाय के आचार्य

- 1 आचार्य श्री पुन मातर मुरीश्वर जी म ना
2 आचार्य श्री पुन मातर मुरीश्वर जी म ना

कुल आचार्य 2

(3) धरतरगच्छ समुदाय

श्री धरतरगच्छ सम्प्रदाय के आचार्य

- 1 आचार्य श्री जिन उदय सागर मुरीश्वर जी म ना

कुल आचार्य 1

(4) पारवचन्द्रगच्छ समुदाय

एक भी आचार्य नहीं है।

(5) विमलगच्छ समुदाय

विमलगच्छ सम्प्रदाय के आचार्य

- 1 आचार्य श्री रण विमल सूरेश्वर जी म ना

कुल आचार्य 1

(6) त्रिस्तुतीगच्छ समुदाय

त्रिस्तुती गच्छ सम्प्रदाय के आचार्य

- 1 आचार्य श्री हृमन्त सूरेश्वर जी म ना
2 आचार्य श्री जयन्त विजय जी म ना 'मवुकर'

कुल आचार्य 2

(7) अन्यगच्छ समुदाय

अन्य गच्छ सम्प्रदाय के आचार्य

- 1 आचार्य श्री विजय हिमाचल सूरेश्वर जी म ना
2 आचार्य श्री विजय आनन्दधन सूरेश्वर जी म ना

कुल आचार्य 2

स्वेताम्बर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के कुल आचार्य

- | | |
|----------------------------------|----|
| 1 श्री तथागच्छ सम्प्रदाय | 89 |
| 2 श्री अचल गच्छ सम्प्रदाय | 2 |
| 3 श्री धरतरगच्छ सम्प्रदाय | 1 |
| 4 श्री पारवचन्द्र गच्छ सम्प्रदाय | 1 |
| 5 श्री विमल गच्छ सम्प्रदाय | 1 |
| 6 श्री त्रिस्तुती गच्छ सम्प्रदाय | 2 |
| 7 अन्य गच्छ सम्प्रदाय | 2 |

कुल आचार्य

97

(3) श्री श्वेताम्बर तेरापंथी जैन सम्प्रदाय के आचार्य

1. श्री श्वेताम्बर तेरापंथी सम्प्रदाय

युगप्रधान आचार्य श्री तुलसीजी म.सा.

कुल आचार्य

1

2. श्री श्वेताम्बर नव तेरापंथी सम्प्रदाय

कोई आचार्य नहीं है।

कुल आचार्य

—

(4) श्री दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के आचार्य

1. आचार्य श्री धर्मसागरजी म.सा.
2. „ श्री विमलसागरजी म.सा.
3. „ श्री निर्मलसागरजी म.सा.
4. „ श्री विद्यासागरजी म.सा.
5. „ श्री सीमंधरसागरजी म.सा.
6. „ श्री सुधर्मसागरजी म.सा.
7. „ श्री सुवाहुसागरजी म.सा.
8. „ श्री सुबलसागरजी म.सा.

9. आचार्य श्री देणभूपणजी म.सा.
10. „ श्री सन्मतिसागरजी म.सा.
11. „ श्री सन्भवसागरजी म.सा.
12. „ श्री दर्शनसागरजी म.सा.
13. „ श्री सन्मतिमागरजी म.सा.

कुल आचार्य

13

अ. भा. समग्र जैन सम्प्रदाय के कुल आचार्य तालिका 1986

क्रम संख्या

सम्प्रदाय का नाम

कुल आचार्य

- | | | |
|----|----------------------------------|----|
| 1. | श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय | 97 |
| 2. | श्वेताम्बर स्थानस्वामी सम्प्रदाय | 9 |
| 3. | श्वेताम्बर तेरापंथी सम्प्रदाय | 1 |
| 4. | दिगम्बर सम्प्रदाय | 10 |

कुल आचार्य

120

अ. भा स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय की उपप्रवर्तिनीयो की सूची

1 धमण सघ

- 1 महा श्री सज्जन कुवरजी म सा
- 2 महा श्री नानुकुवरजी म सा
- 3 महा श्री प्रेमकुवरजी म सा
- 4 महा श्री कमलावतीजी म सा
- 5 महा श्री मानकुवरजी म सा
- 6 महा श्री सत्यावतीजी म सा
- 7 महा श्री कैलाशवतीजी म सा
- 8 महा श्री कौशल्याजी म सा
- 9 महा श्री सुभाषवतीजी म सा
- 10 महा श्री केशरदेवीजी म सा
- 11 महा श्री जगदीशमतीजी म सा
- 12 महा श्री स्वणकाताजी म सा
- 13 महा श्री शशीकाताजी म सा
- 14 महा श्री सुन्दरदेवीजी म सा
- 15 महा श्री सीताजी म सा
- 16 महा श्री मगनश्रीजी म सा

- 17 महा श्री जाज्ञावतीजी म सा
- 18 महा श्री सुशीलाकुमारीजी म सा
- 19 महा श्री भागवन्तीजी म सा
- 20 महा श्री अमयकुमारीजी म सा
- 21 महा श्री सरिताजी म सा

कुल उप प्रवर्तिनिया 21

2 स्वतन सम्प्रदाय

- 1 महा श्री वदनकुवरजी म सा

कुल उप प्रवर्तिनीयां 1

3 बृहद गुजरात सम्प्रदाय

एक भी उपप्रवर्तिनी नहीं है

कुल उपप्रवर्तिनीया 22

॥ श्री वीतरागाय नम ॥



20333
22062
फा 20222
22330

हादिक शुभकामनाओ सहित—

महावीर टेक्सटाईल मिल्स

पाँवरलूम वस्त्रो के निर्माता एव विक्रेता

सुराणा मार्केट पाली-भारवाड (राजस्थान) 306101

अ. भा. श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के उपाध्याय, पन्थास, गणि प्रवर्तक, प्रवर्तिनियों, की सूची

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के उपाध्याय

कुल उपाध्याय—6

नोट—पूरी सूची प्राप्त नहीं हो सकी

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के पन्थास

कुल पन्थास—51

नोट—पूरी सूची प्राप्त नहीं हो सकी

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के गणि

कुल गणि—27

नोट—पूरी सूची प्राप्त नहीं हो सकी

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय के प्रवर्तक

कुल प्रवर्तक—3

नोट—पूरी जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय की प्रवर्तिनीयां

कुल प्रवर्तिनीयां 6

नोट—पूरी सूची प्राप्त नहीं हो सकी



अ. भा. स्थानकवासी सम्प्रदाय के वर्तमान गादीपती एवं आचार्यों कीतालिका

क्रम संख्या सम्प्रदाय का नाम

वर्तमान आचार्य का नाम/चातुर्माण स्थान

1. श्रमण सघ के प्रथम आचार्य श्री आत्मा रामजी म. सा. के पट्टधर }
2. आचार्य श्री रतनचंद्रजी म. सा. की सम्प्रदाय के
3. आचार्य श्री जयमलजी म. सा. की सम्प्रदाय के
4. आचार्य श्री हुकमीचन्दजी म. सा. की सम्प्रदाय के
5. निम्बजी मोटा पक्ष सम्प्रदाय के
6. दरियापुरी जाठ कोटी सम्प्रदाय के
7. कच्छ जाठ कोटी मोटा पक्ष सम्प्रदाय के
8. कच्छ जाठ कोटी छोटा पक्ष सम्प्रदाय के
9. चनास सम्प्रदाय के
10. परमाना सम्प्रदाय के
11. श्री गान कच्छ सम्प्रदाय के

- आचार्य सम्राट श्री आनन्द कृपिजी म. सा. (पुना)
आचार्य श्री हस्तीमनजी म. सा. (पिपाड)
आचार्य श्री जीतमलजी म. सा. (नागौर)
आचार्य श्री नानालालजी म. सा. (जयगढ़)
गादीपति श्री चुन्नीलालजी म. सा. (तेलपुर)
आचार्य श्री गान्धिवानजी म. सा. (अहमदाबाद)
आचार्य श्री छोटावानजी म. सा. (नवसारी-कच्छ)
आचार्य श्री रामजी स्वामी म. सा. (रामनगर-कच्छ)
आचार्य श्री लालि कृपिजी म. सा. (सूरत)
आचार्य श्री चम्पक भुनिजी म. सा. (अहमदाबाद)
गन्ताधिपति तपस्वी राज श्री चामलालजी म. सा. (गोधपुर)

श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन सम्प्रदाय मे राजस्थान के सरक्षण आचार्य और प्रमुख सत

क्रम स	शाखाएँ	भूतपूर्व सरक्षण	वर्तमान सरक्षण आचार्य और प्रमुख सत
1	आचार्य श्री कुशलचंदजी म सा के	स्व आचार्य श्री शोभाचंदजी म सा	आचार्य श्री हस्तीमलजी म सा
2	" श्री रघुनाथजी म सा के	" प्रवक्त मरु के श्री मिश्रीमलजी म सा	प्रवक्त श्री रुपचंद जी म सा 'रजत'
3	" श्री जयमलजी म सा के	" युवाचार्य श्री मणुकर मुनिजी म सा	युवाकवि श्री विनय मुनिजी म सा 'मीम'
4	गच्छा० श्री ज्ञानचंदजी म सा के	" बहुश्रुत श्री समयमलजी म सा	गच्छाधिपति त० श्री चणालालजी म सा
5	आचार्य श्री धर्मरसिंहजी म सा के	" प्रवक्त श्री ताराचंदजी म सा	उपाध्याय श्री पुंकर मुनिजी म सा
6	" श्री स्वामीदासजी म सा के	" प्रवक्त श्री फतेहराजजी म सा	अनुयाय प्रवक्त श्री कहेयालालजी म सा 'कमल
7	" श्री शीतलदासजी म सा के	" आचार्य श्री वजीरलालजी म सा	प्रवक्त मे के श्री मोहनलालजी म सा
8	" श्री पृथ्वीराजजी म सा के	" आचार्य श्री एकलिंगदासजी म सा	प्रवक्त मे म मि श्री बदालालजी म सा
9	" श्री नानकरामजी म सा के	" प्रवक्त श्री पनालालजी म सा)	प्रवक्त आसुबवि श्री सहनलालजी म सा
10	" श्री मन्नालालजी म सा के	" " " हगामीलालजी म सा)	उपाध्याय कवि श्री देवल मुनिजी म सा
		" जैन दिवाकर चौमलजी म सा	

अ. भा. स्थानकवासी जैन नई दीक्षा सूची 1986

दि. 1-8-85 से 31-7-86 तक

1. श्रमण संघ

1. आचार्य सद्गुरु श्री आनन्द ऋषि जी म मा के नेत्राय मे-

मत	-
मतियांजी	8
कुल	8

2. उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म.मा. के नेत्राय मे-

मत	2
मतियांजी	5
कुल	7

मेवाड मध शिरो प्रवर्तक -

3. मे. सं. शि. प्रवर्तक श्री अम्बालाल जी. म मा के नेत्राय मे-

मत	1
मतियांजी	-
कुल	1

6 प स्तन प्रवर्तक श्री उमेश मुनिजी म सा के नेत्राय मे-

मत	1
मतियांजी	1
कुल	2

7 दक्षिण केशरी श्री मिश्रीलालजी म सा 'गृहधरधारी के नेत्राय मे-

मत	-
मतियांजी	1
कुल	1

श्रमण मंघ मे कुल नई दीक्षाएं

मत	10
मतियांजी	38
कुल	48

2. स्वतंत्र सम्प्रदायें

1. उभा. प्रवर्तक श्री पदम चन्दजी म मा के नेत्राय मे-

मत	6
मतियांजी	21
कुल	27

2. मेवाड केशरी प्रवर्तक श्री मोहनसायजी म मा के नेत्राय मे-

मत	-
मतियांजी	2
कुल	2

1. आचार्य प्रवर श्री टुन्नीमन जी म मा की नेत्राय मे-

मत	-
मतियांजी	2
कुल	2

2. आचार्य प्रवर श्री नानकसाय जी म मा के नेत्राय मे-

मत	-
मतियांजी	6
कुल	6

अ. भा. स्थानकवासी जैन नई-दीक्षा-संक्षिप्त-तालिका

क्र. न	सम्प्रदाये	1986			1985	1984	1983	1982	1981
		संत	सतियाजी	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल
1.	श्रमण संघ	10	38	48	35	42	21	41	40
2.	स्वतंत्र संप्रदायें	9	21	30	24	55	24	41	19
3.	बृहद् गुजरात संप्रदायें	3	27	30	42	45	43	45	42
	कुल--	22	86	108	101	142	98	127	101

नोट:—परिपद के सभी सदस्यों की ओर से—सभी नव-दीक्षित श्रमण श्रमणियों का संयमी जीवन ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य एवं तप की उन्नति कर जैन शासन की शोभा बढ़ाता रहे, प्रभु महावीर स्वामी का मदेश दुनिया में पहुंचाते रहे। यही अभिलाषा एवं मंगल कामना करता है।

—सम्पादक



अ. भा. श्वे. तेरापंथी सम्प्रदाय नई दीक्षा सूची 1986

कुल नई दीक्षा	
श्रमण	1
श्रमणी	9
	<hr/> 10
समर्पण दीक्षा	2
	<hr/> 12

नोटः—श्री स्वं मूर्ति पूजक सम्प्रदाय एवं श्री दिगम्बर नम्रशय को नरै दीक्षाओं को मूर्ती हम प्राप्त नहीं कर सकें
 अतः हम यहां पर कुछ भी जानकारी नहीं दे पाए
 हैं। हमें क्षमा करें। आप मनी में नम्र निवेदन
 है कि जब भी कोई नरै दीक्षा का कार्यक्रम हो कम में
 कम एक क्षमता हमें भी निमंत्रण हो गुना करायें
 या सूचना निम्नायें तो मैं भी स्वयं में कुछ जान-
 कारियां आपसे सम्मुख प्रस्तुत कर सकूँ। समयानाथ
 गुरु सन्मानार्थ के कारण यहां नरै दीक्षा से का
 जानकारी नहीं दे रहा हूँ। मनी के नाम
 नानमोन स्वयं में दिखे गये हैं।

45716

। जय गुरु हस्ती ।

इतिहास मार्तण्ड, सामायिक स्वाध्याय के प्रेरक, महामहिम पूज्य गुरुदेव, आचार्य प्रवर श्री 1008 श्री हस्तीमलजी म सा आदि ठाणा एव महासतीर्या जी म सा श्री शान्ता कुवर जी म सा आदि ठाणाओं का 1986 वर्ष का चातुर्मास पिपाड सिटी में हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन चारित्र्य तप की प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत सफल बने ऐसी शुभ मंगल कामनाएं करते हैं—

गुरु हस्ती के दो फरमान ।
सामायिक स्वाध्याय महान ॥

Umraomal Surana

FINANCIERS

Jain Constructions, Hyderabad Umraomal Surana & Sons

'Surana Castle' 1 Kalathipillai Street,
MADRAS 600 079 South India

Cable, SURANA

Tel. 37822, 34748, 34049

अ.भा. स्थानकवासी जैन संत सतीयाँ जी म.सा. महाप्रयाण (कालधर्म) सूची 1986

दिनांक 1-8-85 से 31-7-86 तक

क्र.सं.	संत सतियों के नाम	स्थल	सम्प्रदाय	तारीख
संत समुदाय				
1.	श्री नूतनचंद जी म.सा.	जोधपुर	स्वतंत्र सम्प्रदाय	9-9-85
2.	श्री गणेश मुनि जी म.सा.	चित्तौड़गढ़	श्रमण संघ	29-9-85
3.	उपा. श्री कस्तूरचन्दजी म.सा.	रतलाम	श्रमण संघ	22-10-85
4.	श्री प्रेममुनिजी म.सा.	अहमदाबाद	गोंडल मोटा सम्प्रदाय	30-5-86
5.	श्री सुमेरुमुनिजी म.सा.	गोहाटी	श्रमण संघ	6-7-86
6.	श्री प्रेममुनिजी म.सा.	रतलाम	श्रमण संघ	दिसम्बर-85
महासतीयाँजी समुदाय				
7.	महा. श्री हीर कुंवरजी म.सा.	बड़ी सादड़ी	श्रमण संघ	जनवरी-85
8.	" " नगीनाकुंवरजी म.सा.	व्यावर	साधुमार्गी संघ	अगस्त-85
9.	" " कंचनकुंवरजी म.सा.	बम्बई	गोंडल सम्प्रदाय	29-9-85
10.	" " तुलसीजी म.सा.	दिल्ली	श्रमण संघ	10-11-85
11.	" " चतरकुंवरजी म.सा.	किशनगढ़	श्रमण संघ	23-12-85
12.	महा. श्री सत्यावतीजी म.सा.	अम्बाला-छावनी	श्रमण संघ	12-1-86
13.	" " मणीवाई म.सा. (95 वर्ष)	भुजपुर कच्छ	आठ कोटी मोटापक्ष	28-2-86
14.	" " ललिताबाई म.सा.	शाहपुर-अहमदाबाद	दरियापुरी सम्प्रदाय	28-2-86
15.	" " जडावकुंवरजी म.सा.	विजय नगर	स्वतंत्र सम्प्रदाय	10-3-86
16.	" " शारदाबाई म.सा.	बम्बई	पभात सम्प्रदाय	14-3-86
17.	" " शहरीबाई म.सा.	अहमदाबाद	दरियापुरी सम्प्रदाय	15-3-86
18.	" " दीक्षिताबाई म.सा.	समाधोघा कच्छ	लिम्बड़ी मोटापक्ष	16-3-86
17.	" " विनादकुंवरजी म.सा.	देवलाही	श्रमण संघ	3-4-86
18.	महा. श्री सुन्दरकुंवरजी म.सा.	जोधपुर	स्वतंत्र सम्प्रदाय	7-4-86
19.	महा. श्री बलभवतीजी म.सा.	दिल्ली	श्रमण संघ	9-4-86
20.	मुगनकुंवरजी म.सा.	पाचरोड	श्रमण संघ	23-1-86
21.	" " नोनायकुंवरजी म.सा.	उदयपुर	श्रमण संघ	5-5-86
22.	महा. श्री विमलकुंवरजी म.सा.	जाधपुर	कच्छ सम्प्रदाय	10-5-86
23.	" " प्रभापकुंवरजी म.सा.	रावपुर-मारवाड़	श्रमण संघ	17-5-86
24.	" " श्यामकुंवरजी म.सा.	इसनाह	कच्छ सम्प्रदाय	17-6-86
25.	" " गृमानकुंवरजी म.सा.	जाधपुर	"	18-6-86
26.	" " राधाकुंवरजी म.सा.	रतलाम	"	22-6-86
27.	" " बलकुंवरजी म.सा.	सादल कच्छ	कच्छ मोटापक्ष	जन 86
पृष्ठ (21)				
पृष्ठ (22)				

अ. भा. श्वेताम्बर जैन तेरापथ सम्प्रदाय महाप्रयाण (कालधर्म) सूची / 986

(दिनांक 1-8-85 से 31-7-86 तक)

श्रमण श्रमणिया के नाम	कालधर्म स्थल	दिनांक
1 मुनिश्री मानमलजी (अग्रणी)	आसाहोली (भीलवाडा) राजस्थान	15-9-85
2 मुनिश्री गगारामजी (तपस्वी)	गगाशहर (वीकानेर) (राज)	25-10-85
3 मुनिश्री जसकरणजी	छोटी घाट (नागौर) राजस्थान	6-1-86
4 मुनिश्री अजुनलालजी (तपस्वी)	कुठवा (उदयपुर) राजस्थान	21-3-86
5 शासन स्तम्भ मुनिश्री नयमलजी	सुजानगढ़ (चूरु) राजस्थान	24-4-86
6 मुनिश्री चारित्रप्रकाशजी	श्रीङ्गरगढ़ (चूरु) राजस्थान	20-6-86
7 साध्वी श्री केशरजी (अग्रगण्या)	आमेठ (उदयपुर) राजस्थान	15-8-85
8 साध्वी श्री मुदशनजी	देशनोक (वीकानेर) राजस्थान	19-9-85
9 साध्वी श्री झमकूजी (अग्रगण्या)	देशनोक (वानानेर) राजस्थान	27-12-85
10 साध्वी श्री गणेशजी ()	राजतदेसर-सेवा केन्द्र (चूरु)	7-1-86
11 साध्वी श्री लिछमाजी	साङ्गू सवा केन्द्र (नागौर) राजस्थान	8-1-86
12 साध्वी श्री हुलासाजी	वीदासर समाधि केन्द्र (चूरु) राजस्थान	2-5-86
13 साध्वी श्री किस्तूराजी (अग्रगण्या)	सुजानगढ़ (चूरु) राजस्थान	17-6-86

कुल श्रमण 6 श्रमणिया 7 कुल 13

नोट—श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय एवं दिगम्बर सम्प्रदाय में कितने सत सनियों कालधर्म प्राप्त हुए इसकी हमने कोई सूचनाएँ आदि नहीं मिल सके अतः हम यहाँ कुछ भी जानकारीया प्रस्तुत नहीं कर सके। हमें क्षमा करें। आप सभी से नम्र निवेदन है कि भविष्य में हमें पूरी जानकारीया सूचनाएँ भिजवाने की कृपा करें ताकि भविष्य में आपके सम्मुख सूची प्रस्तुत कर सकें।

—सम्पादक

नोट—परिपक्व व सभी मद्दसा की ओर से दिवंगत सभी पूज्य मुनिवरा महासतियाजी में सा के प्रति हार्दिक शोक व्यक्त कर वीर प्रभु से प्रायना करता है कि सभी पूज्यवरा को चिर शान्ति प्रदान करें एवं इस समाज का हम वष जा अपूर्णीय क्षति हुई है उसकी पूर्ति शीघ्र करें।

—परिषद के सभी सदस्य गण

चातुर्मास सूची 1985 पर प्राप्त अभिमत

पूज्य संत-सतीगण की ओर से

अ.भा. स्थानकवासी जैन चातुर्मास सूची प्रकाशन परिपद बम्बई की ओर से प्रकाशित "श्री स्थानकवासी जैन चातुर्मास सूची 1985" नामक पुस्तक एवं चार्ट का गत वर्ष भी प्रकाशन किया गया था। कई पूज्य मुनिराजों/पूज्या महा-सतिया जी म.सा की ओर से चातुर्मास सूची के बारे में शुभ मन्देश, बधाई सन्देश, अमूल्य-मुझाव, शिकायतें आदि प्राप्त हुए हैं। सभी पूज्य मुनिराजों/महामतियाँ जी म.सा एवं धर्म प्रेमी बंधुओं ने पुस्तक को काफी मराहा है। सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। मुझाव भेजे हैं इन्होंने मुझावों को ध्यान में रखकर उसमें ज्यादा से ज्यादा निगार लाने का प्रयत्न किया गया है। हमारे पास काफी तादाद में पत्र-सन्देश-मुझाव आदि प्राप्त हुए हैं जिनमें मुख्य—आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषि जी म.सा (अहमदनगर) आचार्य श्री काति ऋषि जी म.सा (बम्बई) आचार्य श्री छोटा लाल जी म.सा. (बाकी) आचार्य श्री चपक मुनिजी म.सा (अहमदाबाद) उपाध्याय श्री केवल मुनिजी म.सा. उपाध्याय श्री पुष्कर मुनि जी म.सा. उ.भा. प्रवर्तक श्री पदमचन्द्र जी म.सा., प्रवर्तक श्री रमेश मुनिजी म.सा. सचिव डॉ. श्री शिव मुनि जी म.सा. सचिव श्री देवेन्द्र मुनिजी म.सा. "शान्धी" मर. रत्न प्रवर्तक श्री रूपचन्द्र जी म.सा "रत्न" उपप्रवर्तक कवि चक्र चूडामणि कवि रत्न श्री चन्दन मुनिजी म.सा (पंजाबी) श्री भास्कर मुनि जी म.सा. श्री निरिण मुनि जी म.सा (हिन्दी) श्री नृसिंह मुनिजी म.सा श्री नरीन ऋषिजी म.सा श्री रामनि साग जी म.सा श्री गणेश मुनिजी म.सा 'शान्धी' महात्मनीजी कमलावती जी म.सा., महात्मनीजी श्री मानहू टा जी म.सा महात्मनीजी श्री प्रेमवती जी म.सा. महात्मनीजी श्री प्रीति मृधाजी म.सा. महात्मनीजी श्री कमल कुमारी जी म.सा. महात्मनीजी श्री उमराव कुंवरजी

वह भी समयाभाव से नहीं कर पा रहा हूँ। आशा है आपका इसी तरह का हार्दिक सहयोग भविष्य में भी हमें मिलता रहेगा। इसी आशा के साथ उपप्रवर्तक कवि चक्र चूडामणि कवि सम्राट श्री चन्दन मुनि जी म.सा (पंजाबी) ने गिदड़वाहा (पंजाब) से एक अभिमत भेजा है जिसमें परिपद के सभी सदस्यों का साहम बढ़ाने की कविता लिख कर भेजी है। अतः परिपद के सदस्यों का साहम बढ़ाने के लिए यहाँ उस कविता को प्रस्तुत किया जा रहा है—

कविचक्र चूडामणि, कवि सम्राट, उपप्रवर्तक श्री चन्दन मुनि जी म.सा. (गिदड़वाहा)

1. चौमामों की सूची सब में
मुन्दर यही निकाली है।
ऐसी सूची उसमें पहले
देखी है न भाली है ॥
2. जितने भी पंचामी मन में
जहाँ-जहाँ चौमान हूँ।
नई तर्ज ने दर्ज मनी है
उसमें है मोल्मान हूँ ॥
3. सपोजक भी-सम्पादक भी
उनके "उज्ज्वल साधना"।
मनमूच उनको गुन-वृत्त है
अजब निगरी और रभाव ॥
4. पता नहीं वह कहा-कहा में
जैसे है सब श्लाघना।
पाठकगण को गाने-गाने
बाने ऐसे रत्न रत्ना ॥
5. पढ़ें तो है पढ़ें ने भी,
रुख रस गायन-प्रमाण।
नन्दन-नन्दन और नन्दन है
रिजना रिजना रत्ना रिजना ॥

- 6 ग्रन्थ रूप यह सूची है जो !
या कह दें इनको इतिहास ।
वडे प्रेम से सदा-नवदा
रखना हमका पाठक । पाम
- 7 चामामा का चाटर भी इक
छपा अलग से उसके साथ ।
सगता है दीवारा पर वह
क्या पूछा उसकी बात ॥
- 8 गन्ध नहर में सब चौमामे
हा जात है घट मालम ।
टर्मोलिय सूची में उमरी
राइ रमती कुछ न धूम ॥
- 9 उज्ज्वलजी' ही नहीं जवने
माधुवाद के अधिकारी ।
साथ 'प्रकाशन परिपद' भी है
नगर बम्बई की सारी ॥
- 10 'बाठरी मुखलाल सगेवे
मुनने जिनके हैं अध्याप ।
उनकी 'सूची परिपद' का है
सुन्दर मत्र के काम समस्त ॥
- 11 उपाध्यक्ष है 'गन्ध महता'
बकरनाल बेताला जी' ।
बहिय कैस न फिर हस्ता
ऐसा काय निगना जी ॥
- 12 मन्त्री अमृत बावटियाजी'
बुद्धि विलक्षण व' भण्डार ।
राधा मुल्लालान 'मनन' जी
महा मन्त्रि है गुण-आगार ॥
- 13 श्री प्रताप भाई जी' इसक
कापाध्यक्ष वटे है नव ।
सम्प्रति-दाता 'जे० देसाई'
मरन 'गुराना' सीजे देख ॥
- 14 'हरिचन्द्र' 'बजरगलाल जी'
'नानरानजी' 'मठ फकीर' ।
'डामा' 'दुग्गट' 'बेलावत' की
सुन्दर साथ छपी तस्वीर ॥
- 15 'ज्वानीजी' नेमनाथ जी'
'कण्ठकान्त' 'कन्हैयालाल'

'श्री मुणोत जी' 'फूलचन्दजा'
'शादीनाल' सदस्य बमाल ।

16 चन्दन मुनि 'पंजाबी' कहता
सब है बहुत प्रशंसा या
उक्त सभीका सूची में है
मन्त्रमुच बड़ा बहुत सहयोग ।

पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादकों की ओर से

सना पत्र-पत्रिकाओं के धर्मप्रेमा माननीय सम्पादकों का ता हम उत्तमा हादिक सहयोग प्राप्त हुआ है कि हम उनका बर्णन ही नहीं कर सकें । आप सभी सम्पादकों की जितना प्रशंसा करें उनका ही कम है क्योंकि आपके सहयोग के बिना हमारी गाड़ी चलता तो दूर हिल भी नहा सकती है एव यह सूची पुस्तक इतनी मात्र-मन्त्रों के साथ ठाम मामूरी पूरा नहा बन पाती ।

अपकी ओर से व्यक्तिगत रूप में भी ओर पत्र-पत्रिकाओं में भी "चातुर्मास सूची 1985" के बारे में काफी समीक्षाएं सभी ने बहुत ही मुंदर ढंग से समीक्षाएँ प्रकाशित की हैं एव हमारा काफी उत्साह बढ़ाया है । पत्र-पत्रिकाओं में जो समाक्षाएँ प्रकाशित हुई हैं वह आप सबने पढ़ी हों होंगी समयाभाव एव स्थानाभाव से जिन जिन का नाम यहां नहीं दे पाया उन सभी माननीय सम्पादकों में मैं क्षमा चाहता हूँ । सभी माननीय सम्पादकों का जोभार प्रगट करना हुआ जाता करता हूँ कि भविष्य में भी इसी तरह का हादिक सहयोग प्रदान करें रहने की कृपा करें रहेंगे ।

श्री सधो एव धावक-धाविका की ओर से

प्रिय धर्मप्रेमी वधुजा आपकी ओर मैं भी यह प्रिय महानु भावा के लभभग 1781 पत्र हम प्राप्त हुए हैं । सभी का बहुत-बहुत प्यार-आशीष, धन्यवाद, साधुवाद, मंगल आशीष, शुभावा, गन्तियों जादि बहुमूल्य सुपाव प्राप्त हुए हैं ।

बलमतो उद्वन की तैयारी मैं तैयार है लेकिन समयाभाव, स्थानाभाव के कारण सभी को स्थान नहीं दे पा रहा हूँ । जत आप सबसे क्षमा चाहता हूँ । आप मन में यह विचार न करें कि बाह । हमारा तो नाम लिखा ही नहीं हम आपका विश्वास दिलात है कि भविष्य में आप सभी का भी स्थान दन की कोशि करेंगे ।

अन्त में सभी प्रिय मुनिराजा/महासत्तियोंजी मैं सा, सभी सम्पादकों, प्रिय पाठकगण, धर्मप्रेमी वधुजा का हृदय से बहुत 2 जोभार प्रगट करता हुआ जाता करता हूँ कि भविष्य में भी आप इसी तरह का हादिक सहयोग इसी आशा के साथ हम प्रदान करते रहने की कृपा करें । —वाटालाल जैन 'उज्ज्वल' (सम्पादक)

नया साहित्य समीक्षा

श्रमण ज्योति	(हिन्दी)	समर्थ प्रकाश	(हिन्दी)
सम्पादक— श्री मुव्रत मुनिजी 'गान्धी'	पृष्ठ 115	लेखक— श्री घोंसूनाल पीतलिया	{ मूल्य 25/- पृष्ठ 912
प्रकाशक— श्री व. स्वा. जैन श्रावक मध, अम्बाला गहर (हरियाणा)	मूल्य 10/-	प्राप्ति स्थान— श्री जैन ज्ञान पाठशाला भवन मिटो पुलिम, जोधपुर (राज)	
मोक्ष-पुरुषार्थ (हिन्दी)			
महासती मयणरेहानी सज्जाय ढाल (गुजराती)		लेखक— श्री उमेश मुनि जी म सा 'अणु'	
मदन रेखा चरित्र		प्रकाशक— (1) श्री धर्मदाम जैन मित्र मंडल	पृष्ठ 244
जैन सौरभ कार्यालय से सप्रेम भेंट		80 नीलार्डपुरा, रतनाम (म प्र)	
प्रकाशक— उमरशी केशवजी, धनानी बडाला बम्बई (महा.)		फोन नं 157 001	
2. श्री पूज्य नंद जैन साहित्य समिति थान्दला पिन— 157 777 (म. प्र.)			
चिराम ओर आराम	(हिन्दी)	गुरुदेव योगीराज की कहानियाँ (हिन्दी)	
सम्पादक— श्री मोतीलाल सुराना		लेखक— श्री मुव्रत मुनिजी म सा	{ पृष्ठ— 201 र 10-00
प्रकाशक— नेतीक जीवन ग्रन्थमाला 17/3 3 न्यू पनासिया रन्दार— 450002		प्रकाशक— श्री योगीराज जैन ग्रन्थालय दिल्ली	
आत्म साधना के सोपान	(हिन्दी)	आगम दर्पण (हिन्दी)	
सम्पादक— वदन बाई बोरुन्दिया		लेखक— श्री कपिल भाई कोटडिया	{ पृष्ठ 322 मूल्य 10-00
प्रकाशक— गार्ह श्री तेजवन्द मोहनलाल बोंदरा लपड़े के व्यापारी रायपुर (कर्नाटक)		प्रकाशक— कपिल भाई कोटडिया	
गन्ध और मोन	(हिन्दी)	विधातिनो बडलो (गुजराती)	
लेखक— श्री मोतीलाल सुराना	{ पृष्ठ— 65 र 2-00	लेखक— महा. श्री नीलाचली बाई म. सा.	{ पृष्ठ— 18 र 10-00
प्रकाशक— नेतीक जीवन ग्रन्थमाला 17/3 3 न्यू पनासिया		प्रकाशक— श्री मधवी धारणी स्वा भाई स्वा जैन मध मधवी व्यापक, ठाकुरपुरा नरसिंह— 1001121 (गुजरात)	
भक्तान्तर स्त्रोत (मूल) गुडरा (गुजराती)			
लेखक— श्री नारायण म. सा	{ पृष्ठ— 600 र 10-00	प्रकाशक— श्री नारायण म. सा	{ पृष्ठ— 600 र 10-00
प्रकाशक— श्री नारायण म. सा			
लेखक— श्री नारायण म. सा			

ज्वर रुकता औषधि सेवन में, जन्म की क्रिया न जानता है ।
 जो वधते कर्म न दिखते हैं, परिणाम देख पहिचानता है ॥

हार्दिक शुभ कामनाओं सहित—

भँवरलाल सियाल

H. Nemichand Electric Stores

359, Chickpet, P B No 7947, BANGALORE-560053

Phones Off 24895
 258989

Resi 24895
 258989

DEALERS IN —

Electrical Products

ORIENT Fans

BACKER Red Rings

THEETA COOKING COILS

- ☐ H T Materials
- ☐ Lightning arrestors
- ☐ G O S , D O L O Cut Outs
- ☐ Testing Instruments
- ☐ SIEMENS, LT, LK
- ☐ ENGLISH ELECTRIC,
- ☐ CUTTLER HAMMER
- ☐ Starters Switches,
- ☐ Contractors' Kits etc
- ☐ BHEL KWH Meters

SYLVANIA Lamps Tubes Fixtures

Cables, Nichrome and Eufrekha Wires and Up to End Products

50 से अधिक वर्षों तक आचार्य पद पर सुशोभित रहने वाले आचार्यों की सूची एवं अन्य जानकारीयाँ

समग्र जैन समुदाय में वर्तमान में 120 आचार्य विराजमान हैं जिनमें श्वे. मूर्तिपूजक में 97 आचार्य, श्वे. स्थानकवासी में 9 आचार्य, श्वे. तेरापंथी में 1 आचार्य एवं दिगम्बर समुदाय में 13 आचार्य हैं। इन 120 आचार्यों में सबसे दीर्घायु आचार्य निम्न लिखित हैं जो आज जिन ज्ञान की शान बढ़ाने में अपना पूरा योगदान दे रहे हैं। आइये आपको इन आचार्यों के बारे में कुछ नई जानकारियाँ दें ज्यादा जानकारी तो मेरे पास उपलब्ध नहीं है कारण मैं इतने वर्षों तक सिर्फ स्थानकवासी सम्प्रदाय से सम्बन्धित था और अब विशाल समुदाय के बीच में आ गया हूँ यानि अब समग्र जैन समुदाय से सन्बन्ध जुड़ गया है। श्वे. मूर्तिपूजक, श्वे. तेरापंथी एवं दिगम्बर समुदाय के आचार्यों साधु-साध्वियों के बारे में मुझे बिल्कुल भी ज्ञान नहीं है यहाँ तक कि दो महीने पहले तक मैं यह भी नहीं जानता था कि आचार्य के बाद उपाध्याय फिर पन्थास गणि होते हैं फिर प्रवर्तक होते हैं या आचार्यों के नाम के आगे ही सिर्फ सूर्यस्वरजी लगाते हैं अन्य किसी के आगे नहीं। तो यह ज्ञान भी मुझे बिल्कुल नहीं है अब बोल बोल प्रयत्न कर रहा हूँ। हाँ तो मैं आपको आचार्यों के बारे में कुछ जानकारियाँ देने जा रहा था वह यहाँ प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा हूँ जितनी जानकारी उपलब्ध हो गयी है वह यहाँ दी जा रही है सभी पूज्य आचार्यों गुरुश्री / महत्सनियाजी म. ना. ने नम्र निवेदन है कि वे भी अपनी जानकारी हमें गोप्य भिजाने की कृपा करें ताकि मैं आपको अधिक से अधिक जानकारी देने का प्रयत्न कर सकूँ।

जिनमें आपके सम्मुख दर्जाने गुण धारक परम श्रेष्ठ आचार्यों की कुछ जानकारी प्रस्तुत कर रहा हूँ — ताकि सभी को मसी ही हो जहाँ करेणों जानकारी देने का मैं मेरा प्रथम प्रयास है।

1. आचार्य पद के 50 वर्ष

वर्तमान में समग्र जैन समाज में कुल 120 आचार्य हैं जिनमें से 50 वर्षों से अधिक समग्र जैन आचार्य पद प्राप्त करने वाले आचार्य निम्न हैं—

श्वे. स्थानकवासी समुदाय में रत्न वंशीय आचार्य श्री हस्तीमनजी म. ना. ही एकमात्र प्रथम आचार्य आज समग्र जैन समाज में हैं जिनका वर्तमान में आज आचार्य पद प्राप्ती का 59 वाँ वर्ष चल रहा है। उनको आचार्य की पदवी 19 वर्ष की अल्पायु में प्रदान किया गया है और वे आज 78 वर्ष के आचार्य हैं जिनका चातुर्मास इस वर्ष अपनी जन्मभूमि पीपड (राजस्थान) में है। आपका समग्र जैन समाज एवं स्थानकवासी समुदाय में आचार्य पद प्राप्ति में प्रथम क्रमांक है।

इसके बाद समग्र जैन समुदाय में 50 वर्ष आचार्य पद प्राप्ती का दूसरा क्रमांक श्वे. तेरापंथी के आचार्य श्री तुलसीजी म. ना. का आता है आपको भी आचार्य पद प्राप्ती का 51 वाँ वर्ष चल रहा है। तेरापंथी सम्प्रदाय में आप ही एक आचार्य हैं जिनकी नेत्राय में आज 699 साधु-साध्वियाँ विचरण कर रहे हैं। आपका चातुर्मास इस वर्ष अपनी जन्मभूमि लाडन (राज.) में है।

उसके बाद समग्र जैन समुदाय में 50 वर्ष आचार्य पद प्राप्ती का तृतीय क्रमांक श्वे. मूर्तिपूजक तपागच्छ के गच्छाधिपति आचार्य श्रीमद् विजय रामचन्द्रसूर्यस्वरजी म. ना. का आता है आप आचार्य पद के 50 वर्ष पूर्ण कर 51 वें वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं, एवं समग्र मूर्ति पूजक समुदाय में आप ही एक ऐसे आचार्य हैं जो अपने दिव्य नेत्रों द्वारा 50 वर्ष आचार्य पद प्राप्ती करने वाले परमान आचार्य हैं।

2. आज्ञानुवर्ती साधु-साध्वियाँ

समग्र जैन समाज में लगभग 10,000 परमार्थ साधु-साध्वियाँ जी. म. ना. हैं जिनमें से 1000 से अधिक साधु-साध्वियाँ आज्ञानुवर्ती हैं, जो 72 वर्ष की उम्र में आचार्य पद प्राप्ती कर चुके हैं।

2 श्व मूर्तिपूजक तथाच्छ समुदाय मे गच्छाधिपति आचाय श्री रामचन्द्र मुरीश्वरजी म सा के कुल (806) जानुवर्ती साधु-साध्विया ह ।

3 श्वे तारापथ सम्प्रदाय मे मुगप्रधान आचाय श्री तुलसी जी म मा के कुल (699) जानुवर्ती सत मतिथी जी म मा ह उनके बाद फिर कई समुदाया म विज्ञान सख्या मे जानुवर्ती साधु-साध्विया विद्यमान ह अधिक जानकारी के लिए आप प्रारम्भ म प्रती तालिकाओं देखिये वहाँ आपका कुल टाणाजा की सख्या व प्रसंटेज (टकावारी%) आदि की जानकारी मिल जावेगी ।

3 जाचार्या के सानिध्य मे सर्वाधिक नई दीक्षाएँ होना —
समग्र जैन समुदाय म वसते ता हर वष कई जाचार्यों के सानिध्य न राय म नई दीक्षाएँ हाती हैं परन्तु—

समग्र जन समुदाय मे एक माघ 10 या 10 म अधिक सख्या म भागवती दीक्षाएँ कहा अब सम्भन हुइ उमकी जानकारी यहाँ दी जा रही ह ।

(1) श्वे स्थानकवासी सम्प्रदाय —

(1) समता विमूर्ति आचाय श्री नानालालजी म सा के नेधाय मे —

(सन्-संवत् वि)	दीक्षा स्थल एवं सख्या
(1) सन् 1972-(2029)	मीनार (राज) 12
(2) सन् 1979-(2036)	व्यावर (राज) 15
(3) सन् 1981-(2039)	अहमदाबाद (गुज) 15
(4) सन् 1984-(2041)	खलाम (मप्र) 25

(2) श्वे तारापथी सम्प्रदाय —

(1) आचाय श्री तुलसीजी म सा के नेधाय मे —

सन्—(वि संवत्)	दीक्षा स्थल एवं सख्या
(1) — (संवत् 1994)	वीरानर (राज) 31
(2) — (संवत् 1998)	राजदेशपुर (राज) 27
(3) — (संवत् 1999)	चूरू (राज) 28

नाट—श्वनाम्न्य मूर्तिपूजक सम्प्रदाय एवं दिगम्बर जन सम्प्रदाय की पूरा जानकारी मालूम नहीं हा सकी । निम्ना जानकारी मालूम हा कृपया सूचना निजवान की कृपा करायें ।

4 सबसे कम उम्र मे आचाय पद प्राप्त होना

समग्र जैन समुदाय म वसते ता कुल 120 आचार्य ह उनम मे यदि सबसे कम उम्र मे आचाय पद दिया आचाय श्री को प्रदान किया गया हो ता वे ह श्व स्थानकवासी सम्प्रदाय मे रहन वसीय आचाय श्री हस्तीमलजी म सा जिनकी दीक्षा 10 वष मे पूज्य माताजी के साथ हु ए 19 वष की अल्पायु म आचाय पद पर सुशोभित हुय ऐसे कम उम्र म आचाय पदवा वाने समग्र जैन समुदाय म एकमात्र आचार्य ह ।

(5) गच्छाधिपति आचाय की आत्मा मे सर्वाधिक आचार्य—

समग्र जन समुदाय मे 120 आचार्य ह स्थानकवासी सम्प्रदाय मे ता अपनी अपनी जो सम्प्रदाय हे उनम एक हा आचार्य हाते ह परन्तु मूर्तिपूजक सम्प्रदाय म जला जना समुदाया म जिस सम्प्रदाय मे एक आचार्य हैं उनके माय मा कई आचाय विद्यमान हैं अधिक जानकारी के लिए आप आचाय सूची देखिये फिर भी अब साधारण की जानकारी व लिए यहाँ मैं सजिप्त हूँ विवरण देना चाहता हूँ हा ता सबल यह हे कि एक सम्प्रदाय म एक आचाय क माय जर कितन आचार्य ह । इसका जवाब यह ह कि—

मूर्तिपूजक सम्प्रदाय म सबसे सर्वाधिक आचार्य शासन सम्राट आचाय श्री विजय नेमी मुरीश्वरजी म सा के समुदाय मे (19) आचाय श्री विजय प्रेम मुरीश्वरजी म सा के समुदाय म (18) आचाय विद्यमान हैं फिर -4-5-7 ता कई समुदाया मे हे ।

(पृष्ठ 34 का शेष)

नाट—हमने गत वष स्थानकवासी जन साहित्य का पत्र पत्रिकाया की ममीक्षा पुस्तक म प्रकाशित की था ख वष भी समीक्षा देने का विचार था ममीक्षा भी तैयार कर सा थी लेकिन समयभाव के कारण यहा निक सम्भत पुस्तक क नाम सम्पादक नाम मूल्य एवं प्राप्ति स्थल के बारे म हा यहाँ जानकारीया दी गयी ह । कृपया धमा करो सभी पूज्य मुनि राजा/माध्वियाजी म मा श्री मया, साहित्य सत्पात्रा क सम्पादना एवं महानुभावा स नम्र निवेदन ह कि वे अपन साहित्य की दा दा प्रतियाँ परिपद् के पत पर निब वान की कृपा करें ताकि अधिक्य म हम सभी का समाधा दन का प्रयास करेंगे

—सम्पाक

प्रश्नोत्तरी

हम विगत पाँच वर्षों से एक नया अध्याय प्रश्नोत्तरी का प्रस्तुत करते आ रहे हैं जिसमें सम्पूर्ण साधु-माध्वियों एवं समाज की सभी गतिविधियों की जानकारी सक्षिप्त में सभी को ज्ञात हो सके। इस प्रश्नोत्तरी को समाज के हर वर्ग ने खूब सराहा है एवं इस वर्ष भी हमसे अनुरोध किया है कि यह विभाग इस वर्ष भी यथावत अवश्य चालू रखे। समन्वयभाव व स्थानाभाव के कारण हम इसे बन्द कर रहे थे परन्तु समाज के प्रिय पाठकों का आग्रह था कि विस्तृत नहीं तो संक्षिप्त में ही सही लेकिन कुछ न कुछ प्रस्तुत अवश्य करें। जो जानकारीयाँ हम विगत वर्षों में आपके सन्मुख प्रस्तुत कर चुके हैं वे जानकारीयाँ दुबारा यहाँ नहीं दी जा रही हैं जो नयी 2 जानकारीयाँ हे उन्हीं को यहाँ प्रस्तुत किया गया है। आशा है आपको हमारा यह प्रयास काफी अच्छा लगा होगा आपके सुझाव, अभिमत, शिकायते, गलतियाँ, प्रश्न आदि हमें अवश्य भिजवाने की कृपा करें। यह अध्याय धार्मिक स्कूल की पढाई में भी आप काम में ले सकते हैं ताकि धार्मिक ज्ञान के साथ समाज व साधु-माध्वियों के बारे में भी छात्रों को कुछ ज्ञान मिल सके। तो लीजिये आपके सन्मुख प्रस्तुत कर रहे हैं प्रश्नोत्तरी—

प्रश्न. वर्तमान में समग्र जैन समुदाय में कितने 2 सम्प्रदाय में कितने 2 आचार्य हैं ?

उत्तर. वर्तमान में समग्र जैन सम्प्रदाय में निम्नलिखित आचार्य हैं—

श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय में 97, श्वे. स्थानकवासी सम्प्रदाय में 9, श्वे. तैरापथी सम्प्रदाय में 1, एवं दिम्बर सम्प्रदाय में 13, इस तरह कुल 120 आचार्य विराजमान हैं। विस्तृत विवरण अन्यत्र देखें—

प्रश्न —उन सभी सम्प्रदायों के आचार्यों के नाम बताओ ?

उत्तर. समग्र जैन सम्प्रदायों में कुल 120 आचार्य विद्यमान हैं। उन सभी आचार्यों के नाम 'आचार्य की सूची' में पुस्तक में उल्लेख दिये गये हैं। बता देंगे।

प्रश्न. सबसे ज्यादा आचार्य किस सम्प्रदाय में एवं समुदाय में हैं ?

उत्तर. सबसे ज्यादा आचार्य श्वे. मूर्तिपूजक सम्प्रदाय में 97 आचार्य हैं एवं उस समुदाय में आचार्य श्री विजय प्रेम सूरेश्वरजी म.मा के समुदाय में 18 एवं आचार्य श्री नेमि सूरेश्वरजी म.मा के समुदाय में 19 आचार्य विद्यमान हैं।

प्रश्न : समग्र जैन समुदाय में क्या कोई ऐसा आचार्य है जो वय में सबसे ज्यादा उम्र का है ?

उत्तर. समग्र जैन समुदाय में वर्तमान में सबसे ज्यादा वय के यदि कोई आचार्य है तो वह मूर्तिपूजक तपागच्छ में आचार्य श्री विजय रामचन्द्र सूरेश्वर जी म.मा ही हैं जिनकी आयु 94 वर्ष की है।

प्रश्न. क्या समग्र जैन सम्प्रदाय में ऐसा कोई आचार्य है जो सबसे अधिक वर्षों तक आचार्य पद पर शुषांभित रहा है। उनके नाम बताओ ?

उत्तर : समग्र जैन समाज में वर्तमान में कुल 120 आचार्य हैं। प्रायः करीबनी काफी बयोवृद्ध आचार्य हैं। किन्तु यह है कि सबसे ज्यादा लम्बी आचार्य पदवी वाले तीन 2 में आचार्य हैं तो वर्तमान में समग्र जैन सम्प्रदायों में श्वे. स्थानकवासी सम्प्रदाय में आचार्य प्रवर श्री हर्षनामजी म.मा ही एक मात्र ऐसे आचार्य हैं जिनकी आचार्य पदवी 59 वर्ष की है। इसमें लम्बी पदवी वाला तीसरा आचार्य वर्तमान में समग्र जैन समाज में नहीं है।

प्रश्न. हमने तो बम्बई समाचारपत्र (सम्बई) में पढ़ा है कि विगत 300 वर्षों के जैन इतिहास में आचार्य श्री विजय रामचन्द्रसूरेश्वर जी म.मा एक मात्र ऐसे आचार्य हैं जो 50 वर्षों तक लगातार आचार्य पद पर शुषांभित रह चुके हैं। बता देंगे ?

उत्तर. आपकी बात सही है। समग्र जैन समाज में सदैव ज्ञान, धर्म, सत्य, समग्र जैन सम्प्रदाय में सबसे लम्बी पदवी वाले आचार्य पदवी वाले आचार्य म.मा के आचार्य श्री विजय रामचन्द्रसूरेश्वर जी म.मा ही एक मात्र ऐसे आचार्य हैं जो 59 वर्षों तक प्रायः लगातार आचार्य पद पर शुषांभित रह चुके हैं। आचार्य श्री विजय रामचन्द्रसूरेश्वर जी म.मा के आचार्य पद पर शुषांभित रह चुके हैं।

जाना है मूर्तिपूजक तपागच्छ सम्प्रदाय के आचार्य श्री विजय रामचन्द्र मुरीश्वर जी म सा का लेकिन यदि सम्पूर्ण मूर्ति पूजक सम्प्रदाय में देखा जावे तो आचार्य श्री विजय रामचन्द्र मुरीश्वरजी म सा का प्रथम क्रमांक आता है। यह 300 वर्षों की बात मिक मूर्तिपूजक सम्प्रदाय में ही गण्य होती है। समग्र जैन सम्प्रदाय में नहीं।

प्रश्न क्या समग्र जैन समाज के 2500 वर्षों में कोई ऐसा आचार्य ही हुआ है जिनका मिक 20 वर्ष से कम आयु में ही आचार्य पद प्रदान किया गया हो। यदि हाँ तो उनके नाम बताइये ?

उत्तर समग्र जैन सम्प्रदाय में विगत 2500 वर्षों में यदि किसी आचार्य का मिक 20 वर्ष से कम आयु में ही आचार्य पद प्रदान किया है ऐसा पहले तो कभी सुना नहीं है। परन्तु उतमान में श्व स्थानकवासी सम्प्रदाय में आचार्य श्री हस्तमलजी म सा ही एकमात्र ऐसा आचार्य हैं जिनका मिक 19 वर्ष में ही आचार्य पद प्रदान किया गया है। जीर जाज 59 वर्षों तक चला रहा है। इस वर्ष उनका चातुर्मास पिपाट सिटी (राज) में है। इसके अलावा आर एम्मे वाड भी दूसरे आचार्य नहीं हैं।

प्रश्न समग्र जैन समुदाय में ऐसे काल 2 से आचार्य हैं जिनके मयम ज्यादा आत्मिकारी सत-सतिया हैं।

उत्तर उतमान में समग्र जैन समुदाय में सबसे ज्यादा आत्मिकारी सत-सतियाजी जिनकी आज्ञा में विचरण कर रहे हैं वे निम्नलिखित हैं—

1. स्थानकवासी सम्प्रदाय में धर्मगण संधीय आचार्य श्री आनन्द मृगपिजी म सा (कुल 11 समुदाय) के कुल ठाणा 926

२. मूर्तिपूजक तपागच्छ समुदाय में आचार्य श्री विजय रामचन्द्र मुरीश्वरजी म सा के कुल ठाणा 807

३. मूर्तिपूजक तपागच्छ सम्प्रदाय में आचार्य श्री देवदत्त सागर मुरीश्वरजी म सा के कुल ठाणा 688

4. मूर्तिपूजक तपागच्छ सम्प्रदाय में आचार्य श्री विजय मधुसूदन मुरीश्वरजी म सा के कुल ठाणा 501 आदि।

प्रश्न क्या समग्र जैन समुदाय में ऐसा भी कोई क्षेत्र है जहाँ दस वर्षों में किसी एक स्थान पर दो आचार्यों का चातुर्मास

एक साथ है आर वे दोनों ठाणा ही आचार्य हैं, बताइये ?

उत्तर समग्र जैन समाज में मूर्तिपूजक सम्प्रदाय में जूनागढ़ में ऐसा चातुर्मास है जहाँ मिक दो ही ठाणा हैं आर वे दोनों ही आचार्य हैं।

प्रश्न क्या समग्र जैन समाज में इस वर्ष किसी कान्ठा आचार्य पद प्रदान किया गया है ? यदि हाँ तो उनके नाम बताइये ?

उत्तर समग्र जैन समाज में इस वर्ष किसी का भी नया आचार्य पद प्रदान नहीं किया है खामकर स्थानकवासी व तरापथी सम्प्रदाय में मूर्तिपूजक व दिगम्बर सम्प्रदाय के वार में हम कोई जानकारी नहीं मिली है।

प्रश्न समग्र जैन सम्प्रदाय में कितने युवाचार्य हैं उनके नाम बताइये ?

उत्तर समग्र जैन समाज में कुल (1) ही युवाचार्य हैं आर वह तरापथी सम्प्रदाय में हैं उनका नाम है— युवाचार्य श्री महाप्रज्ञ जी म सा इन्हें अलावा आर किसी भी सम्प्रदाय में कोई युवाचार्य नहीं है।

प्रश्न हमने सुना है कि स्थानकवासी सम्प्रदाय में नम युवाचार्य बना दिया गया है। क्या यह बात सच है। यदि हाँ तो उनका नाम भी बताइये ?

उत्तर स्थानकवासी सम्प्रदाय में अभी तक किसी को भी युवाचार्य नहीं बनाया है। हाँ गत वर्ष इस बार में जबस्य बात चली थी लेकिन मामला सुलझा नहीं आर युवाचार्य वचन का मामला आगे के लिए सुरक्षित रखते हुए धर्मगण सभ में 4 मंचों पर नियुक्त कर दिये, भविष्य में इन विचारों में से एक का युवाचार्य बनाया जावेगा।

प्रश्न हमने पत्र-पत्रिकाओं में पढ़ा है कि जैन स्थानकवासी सम्प्रदाय में स्वतन्त्र सम्प्रदाय के तपस्वीराज श्री चणालालजी म सा के आगे आचार्य पद लगाने लगे हैं सो क्या यह बात सही है उनका आचार्य पद क्या जार कहाँ प्रगट किया है बताइये ?

उत्तर श्रीमानजी यह तो हमने भी कई पत्र-पत्रिकाओं में एवं हमारे पास जो पत्र आते हैं उन सभी में लिखा हुआ आता है कि उनके नाम के आगे आचार्य पद लगा हुआ है।

[illegible]

प्रश्न समग्र जैन समुदाय में इस वर्ष समग्र ज्यादा चातुर्मास किन जाह ह।

उत्तर समग्र जैन समुदाय में सबसे ज्यादा चातुर्मास महाराष्ट्र में सम्बन्धित नहर में है जहाँ लगभग 1800 माधु-माश्रिया विराजमान हैं एवं चारों ही सम्प्रदायों के माधु माश्रिया विराजमान हैं।

प्रश्न भारत में इस वर्ष समग्र जैन समुदाय में एक ही स्थान पर ज्यादा से ज्यादा किन्तु ठाणा का चातुर्मास है उन स्थानों के नाम बताओ ?

उत्तर भारत में इस वर्ष लगभग 2100 स्थानों पर लगभग 10 हजार जैन माधु-माश्रिया के चातुर्मास हैं। उन ही स्थान पर ज्यादा से ज्यादा ठाणा का यदि कहीं पर चातुर्मास है तो प्रथम सम्प्रदाय तराय सम्प्रदाय में जाचार्य धीतु नवी ने मा मा का लाटून का जाता है जहाँ एक जगह 66 श्रमणों 33 श्रमण कुल ठाणा 99 विराजमान हैं। यह पूरे भारत में सर्वाधिक ठाणा का नाम कीर्तिमान है। दूसरा क्रमांक मुक्तिपूजक तथागच्छ सम्प्रदाय में जाचार्य श्री रामचन्द्र भूरीनर श्री मा मा का बम्बई नाल बाग का जाता है। जहाँ 49 मुनिराज एक ही जगह विराजमान हैं। माश्रिया की मध्या अनी जन्म है। वेम स्थानकवासों सम्प्रदायों में यह मध्या 18 को पार नहीं कर पायी है।

प्रश्न -वर्तमान में स्थानकवासों सम्प्रदाय में कौन कौन से सत-सतिया हैं जिनका 2 महीने में श्रमिक का संचार पूरा हुआ है ?

उत्तर -स्थानकवासों सम्प्रदाय में वर्तमान सतिया के 1-1- माह के संचार पूरा हुए हैं लेकिन उसमें भी ज्यादा दिन का संचार गत वर्ष माधुमास सम्प्रदाय की महा श्री बल्लभ दुर्गर जी मा मा का नीनामर में 73 दिन का संचार पूरा हुआ था।

प्रश्न -समग्र जैन सम्प्रदाय में आज तक सबसे ज्यादा जैन क्याए किम 2 सत-सतिया न मिली है ? वह भी चार भाषाओं में ?

उत्तर -समग्र जैन सम्प्रदाय में आज तक सबसे ज्यादा जैन क्याए स्थानकवासों सम्प्रदाय के श्रमण संधाय उपाध्याय श्री गुप्तरमुनि जी मा मा नहीं 108 भाषा लिखी है जिनका अनुवाद हिन्दी, गुजराती, मराठी एवं संस्कृति में है।

प्रश्न क्या समग्र जैन समुदाय में ऐसा कोई माधु-माश्रिया है जो विदेशी भाषा में भी आकर जैन मुनि बना हो और अपनी माधना में उपाध्याय पद तक पहुँचा हो तो उनका नाम बताओ ?

उत्तर समग्र जैन समाज में वर्तमान में ऐसे एक ही सत हैं जो विदेशी हैं यानी नेपाल के रहने वाले हैं वे हैं स्थानकवासों सम्प्रदाय में श्रमण सर्वाय उपाध्याय श्री विनाल मुनि जी मा मा हैं जो हैं उन्हें ही इस वर्ष श्रमण संधाय उपाध्याय बनाया गया है। उनकी और कोई सत-सतिया विदेशी नहीं हैं।

प्रश्न -क्या आप बता सकते हैं कि स्थानकवासों सम्प्रदाय में उन्नत एवं उच्च में सबसे कम आयु के कोई सत-सतिया हैं उनका नाम बताओ ?

उत्तर -सूतिपूजक सम्प्रदाय में तो सबसे कम आयु के कोई सत-सतिया मिल जायेंगे लेकिन स्थानकवासों सम्प्रदाय में ऐसे सत-सतिया कम ही मिलेंगे फिर भी सम्पूर्ण स्थानकवासों सम्प्रदाय में सबसे कम उम्र के सत-सतिया यदि कोई हैं तो वह हैं जाचार्य श्री हस्तीमलजी मा मा का जाणा महासती श्री मुक्ति प्रभाजी मा मा जिनकी उम्र लगभग 12 वर्ष की है जिनका उम्र लगभग 4 फुट के लगभग का है। इसमें कम आयु एवं उम्र के और कोई सत-सतिया स्थानकवासों सम्प्रदाय में नहीं हैं। सूतिपूजक सम्प्रदाय में सबसे कम उम्र के सत बहुत मिलेंगे जो 6-7-8 वर्ष की उम्र के हैं। पूरी जानकारी प्राप्त करने की सूचित कर दिया जावेगा।

प्रश्न क्या आप बता सकते हैं कि समग्र जैन सम्प्रदाय में 2500 वर्षों के इतिहास में ऐसा कोई सत-सतीया हुआ था जो उच्च शिक्षा प्राप्त किया हुआ हो एवं सम्पूर्ण भारत में सा ए की परीक्षा में प्रथम डिबीजन में प्रथम स्थान पर आया हो एवं आत्म कल्याण हेतु सभी को छाड़कर सत-सतीया बनने का रास्ता चुना हो ?

उत्तर समग्र जैन सम्प्रदायों में विगत 2500 वर्षों के जैन इतिहास में देखा जावे तो ऐसा भी सत-सतीया नहीं है जिनमें उच्च शिक्षा प्राप्त की हो किन्तु एक सत जल्द है और वह है स्थानकवासों सम्प्रदाय में जाचार्य धी हस्तीमलजी मा मा के सुश्रिय धीप्रसाद मुनिजी मा मा जो सी ए चाटइएकॉन्टेंट की परीक्षा में सम्पूर्ण भारत में प्रथम डिबीजन में प्रथम स्थान में उत्तीर्ण हुए एवं आत्म कल्याण हेतु 1983 में जयपुर में

दीक्षा ग्रहण कर मुनि बने ह । और इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है ।

प्रश्न - क्या आप बता सकते हैं कि गत वर्ष सवत्सरी का प्रतिक्रमण बिना माडक में सम्पन्न हुआ हो एवं उस श्री मध का 50 वर्षों का रिकार्ड टूटा हो ? उस क्षेत्र का नाम बताओ ?

उत्तर - वैसे तो कई श्री मधों में बिना माडक के ही प्रतिक्रमण होता है । आप राजस्थान में जाकर देखो वहाँ बिना माडक के ही प्रतिक्रमण होता है लेकिन प्रश्न ऐतिहासिक रिकार्ड टूटने का हो तो ऐसी ही घटना गतवर्ष स्थानकवामी सम्प्रदाय में बम्बई के घाटकोपर श्री सध में घटित हुई वहाँ साधुमार्गी जैन संघ के आचार्य श्री नानालालजी म सा का गत वर्ष चातुर्मास था वहाँ विगत 50 वर्षों से सवत्सरी का प्रतिक्रमण माडक से ही होता चला आ रहा है । लेकिन गत वर्ष आचार्य श्रीजी के आह्वान पर बिना प्रतिक्रमण माडक में सवत्सरी का हुआ है । लगभग 12 हजार श्रावक श्राविकाओं ने बिना माडक के प्रतिक्रमण जाति में किया और एक नया रिकार्ड स्थापित हुआ है । अब यह बात अलग है कि वहाँ 35 वर्षों फिर माडक चालू हो जाये या नहीं भी होवे ।

प्रश्न - क्या समग्र जैन समाज में ऐसा कोई क्षेत्र है जहाँ पर चारों सम्प्रदायों के श्रावक श्राविकाएँ एक ही धर्म स्थान पर आकर धर्मध्यान करें और नया ऐतिहासिक रिकार्ड स्थापित करें ।

उत्तर : समग्र जैन सम्प्रदाय में नागौर ही एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ गत वर्ष चारों जैन सम्प्रदायों के श्रावक श्राविकाओं ने एक ही धर्म स्थान में आकर धर्म ध्यान किया हो वहाँ गत वर्ष आचार्य श्री हस्तीमनजी म सा के मुनिप्रिय श्री मुनेन्द्र मुनिजी म सा का चातुर्मास था । वहाँ पर चातुर्मास में सभी सम्प्रदाय के श्रावक-श्राविकाओं की ओर से लगभग 1000 सामूहिक अठाइयों का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जो एक ऐतिहासिक रिकार्ड है । चारों सम्प्रदायों को एक मंच पर गौर करने दिया और यह जान भी लाग्य है ।

प्रश्न - क्या आप बता सकते हैं कि इस वर्ष सवत्सरी का प्रतिक्रमण में सबसे ज्यादा दीक्षाएँ किस ही नेत्राय में हुईं ?

उत्तर : इस वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाय में कई नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुईं । मुनिप्रिय पर दिगम्बर सम्प्रदाय की दीक्षा

सूची हमें उपलब्ध नहीं हुई फिर भी स्थानकवामी सम्प्रदाय की जो सूची प्राप्त हुई है उसके मुताबिक इस वर्ष सबसे ज्यादा नई दीक्षाएँ श्रमण संघीय उत्तर भारतीय प्रवर्तक श्री पदम चंदजी म सा, भण्डारी की नेत्राय में 27 नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुईं हैं । उसके बाद तपस्वीराजजी चणालालजी म सा की नेत्राय में नई दीक्षाएँ हुई हैं ।

प्रश्न - स्थानकवामी सम्प्रदाय में आचार्य श्री नाना लाल जी म सा के पास तो काफी नई दीक्षाएँ होती रहती हैं । आप सूची में अपनी मर्जी से उनकी दीक्षाओं की ख़बरें जान-बूझकर नहीं देते हो क्योंकि यह हो ही नहीं सकता कि विगत दो वर्षों में उनके पास नई दीक्षाएँ नहीं हुई हो मंच बान क्या है बताओ ?

उत्तर - आपने फर्माया वैसी कोई बात नहीं है । यहाँ हमारी परिपद में किसी तरह का साम्प्रदायिकता का काम नहीं है । हम सभी को एक निगाह में देखते हैं । यहाँ मारा कार्य असाम्प्रदायिकता में होता है । यह बात सही है कि आचार्य श्री नानालाल जी म सा के पास उद्घाटन दीक्षाएँ काफी होती रहती हैं । 25-25 दीक्षाएँ जिनके नेत्राय में हो चुकी हैं । लेकिन विगत 2 वर्षों में उनकी नेत्राय में ज्यादा नई दीक्षाएँ नहीं हुई हैं । अब, जब नई दीक्षाएँ हो रही हैं तो हम झूठी खबरें थोड़े ही लिखेंगे ।

प्रश्न : इस वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाय में कितनी नई दीक्षाएँ हुई हैं ।

उत्तर - इस वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाय में काफी मात्रा में नई दीक्षाएँ हुई हैं । अन्य सम्प्रदायों की तो हमें जानकारी नहीं मिली लेकिन स्थानकवामी एवं नेत्रायी सम्प्रदाय की जानकारी हमें जम्मा मिली है । स्थानकवामी सम्प्रदाय में 108 एवं नेत्रायी सम्प्रदाय में 12 दीक्षाएँ हुई हैं ।

प्रश्न - समग्र जैन सम्प्रदायों में इस वर्ष कितने 2 मास-सन्ध्या का प्रारंभ हुआ ।

उत्तर - समग्र जैन सम्प्रदायों की पूरी जानकारी तो हमारे पास उपलब्ध नहीं है लेकिन सारा सारा सम्प्रदाय में 27 नेत्रायी सम्प्रदाय में 14 सम्प्रदायों में इस वर्ष प्रारंभ हुआ ।

प्रश्न - क्या आप बता सकते हैं कि इस वर्ष 2 वर्षों में स्थानकवामी सम्प्रदाय में कितनी नई दीक्षाएँ हुई हैं ।

उत्तर—स्थानकवासी सम्प्रदाय में विगत 5 वर्षों में निम्न निश्चित नई दीक्षाएँ हुई हैं।

सम्प्रदाय	1986			1985	1984	1983	1982	1981
	सत	मतिया	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल
श्रमण सघ	10	38	48	35	42	21	41	40
स्वतन्त्र सम्प्रदाय	9	21	30	24	55	24	41	19
बृहद गुजरात सम्प्रदाय	3	27	30	42	45	43	45	42
कुल	22	86	108	101	142	98	127	101

प्रश्न—क्या आप बता सकते हैं कि विगत 6 वर्षों में स्थानकवासी सम्प्रदायों में कितने सत-मतिया कालधर्म प्राप्त हुए हैं ?
उत्तर—स्थानकवासी सम्प्रदाय में विगत 5 वर्षों में निम्न सत-मतियाँ काल धर्म प्राप्त हुए।

सम्प्रदाय	1986			1985	1984	1983	1982
	सत	मतिया	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल
1 श्रमण सघ	5	7	12	11	21	15	10
2 स्वतन्त्र सम्प्रदाय	—	7	7	9	5	11	6
3 बृहद गुजरात सम्प्रदाय	1	7	8	3	7	7	9
कुल	6	21	27	23	33	33	25

प्रश्न—क्या समग्र जन समुदाय में देश की रक्षा के लिए किसी साधु-साध्विया या जैन धर्म प्रचारक को कोई राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। यदि हाँ तो किसे।

उत्तर—पंजाब समस्या के हल के लिए स्थानकवासी सम्प्रदाय के अहत सघ के जाचार्य एवं जैन धर्म प्रचारक श्री मुणील कुमारजी ने जो भारत सरकार की ओर से लागावान पुरस्कार मिला है।

प्रश्न—गत वर्ष समग्र जैन समाज में सबसे ज्यादा तपस्या किस सत-मतिया या श्रावक-आविका ने की और कितनी ?

उत्तर—गत वर्ष सम्पूर्ण जैन समाज में सबसे ज्यादा तपस्या स्थानकवासी सम्प्रदाय में श्रमण सघीय श्री सहज मुनिजी ने मा. ने दिल्ली में 104 दिन की तपस्या की है।

प्रश्न—क्या आप बता सकते हैं कि समग्र जन समुदाय में भावान महावीर भवानी के शासन से आज तक 2500 वर्षों के रिकार्ड में सबसे ज्यादा लम्बी तपस्या किस 2 न की है। उनका नाम एवं तपस्या के उपवासों की संख्या बताओ।

उत्तर—समग्र जैन सम्प्रदाय में हर वर्ष काफी संख्या में तपस्याएँ हाती रहती हैं लेकिन सवाल यह है कि सबसे लम्बी तपस्या वह भी 2500 वर्षों के रिकार्ड में तो जहाँ तक मरा ब्यास है। भगवान महावीर भवानी के शासन के बाद यदि किसी ने सबसे लम्बी तपस्या की है तो सबसे प्रथम नमाव स्थानकवासी सम्प्रदाय की जयपुर की श्रीमती इच्छर बाई लुणावत का जाता है जिन्होंने 1975 में 165 दिन की तपस्या की थी जिसके पूरे की अध्यक्षता भूतपूर्व इपि मंत्री स्व. श्री जगजीवनराम ने जयपुर में की थी। उसके बाद बैंगलोर की श्रीमती गालेछा जी का जाता है जिन्होंने 121-151 दिन का तपस्या की है एवं तृतीय क्रमांक भूतपूर्वक सम्प्रदाय में एक मुनि जी ने 108 की तपस्या महु (गुजरात) में की थी तथा चौथा क्रमान स्थानकवासी सम्प्रदाय के श्रमण सघीय श्री सहज मुनिजी ने मा. का 104 उपवास की तपस्या का जाता है फिर उसके बाद तो बाकी तपस्याएँ हा चुकी हैं।

प्रश्न—क्या स्थानकवासी सम्प्रदाय में कोई ऐसी समुदाय है जहाँ पर केवल साधुजा की ही दीक्षित किया जाता है। सतिया

को नहीं एव जिनमें आचार्य, उपाध्याय प्रवर्तक आदि कोई पद नहीं होते।

उत्तर.—स्थानकवासी सम्प्रदाय में प्रायः सभी सम्प्रदायों में सत् सांत्यों को दीक्षित किया जाता है परन्तु एक सम्प्रदाय ऐसा भाह जहाँ केवल साधुओं को ही दीक्षा दी जाती है और वह सम्प्रदाय है श्री सुदर्शन मुनिजी म सा. की सम्प्रदाय जहाँ केवल सत्तों को ही हा दीक्षित किया जाता है एव उस सम्प्रदाय में काउ पद आदि भा नहीं होते ह।

प्रश्न.—क्या समग्र जैन समुदाय में ऐसी धार्मिक पाठशाला है जो सुबह से रात तक धार्मिक पराक्षा चालू हा रहता है?

उत्तर.—समग्र जैन समुदाय में ऐसे तो सभी जगह धार्मिक स्कूल हैं जहाँ राज पड़ाई हाता रहता है लेकिन (सफ 1-2-3 घट बस) याना सुबह से शाम तक अनन्तर धार्मिक पढ़ाई ही चल ऐसा सम्पूर्ण भारतवर्ष में एक हा स्थान है और वह है बंगलौर का स्थानकवासी समाज का धार्मिक पाठशाला जहाँ सुबह से रात तक धार्मिक पढ़ाई हाता रहता है याना बच्चे बूढ़े जवान बालकाए गृहोपया जब भा वक्त मिले पढ़ाई करने पाठशाला जात है जहाँ अध्यापक पूरे दिन धार्मिक पढ़ाई पढ़ाते रहते ह। ऐसा अनूठा स्कूल हमने पूरे भारत में कहा नहीं देखा जत्र जायों तत्र प्रातःक्रमण सामायक आदि की बलासे चलती हा रहती है।

प्रश्न.—क्या समग्र जैन समाज में ऐसा कोई क्षेत्र है जहाँ लगभग 1200 छात्र एक साथ बैठकर धार्मिक पढ़ाई करते हैं?

उत्तर.—बंगलौर चिकपेठ जैन मंदिर बंगलौर में एक ऐसी धार्मिक पाठशाला है जहाँ एक साथ लगभग 1200 विद्यार्थी बैठकर धार्मिक पढ़ाई करते हैं।

प्रश्न.—स्थानकवासी सम्प्रदाय में ऐसी कौनसी पत्र-पत्रिका है जिसमें 1000 से अधिक आजीवन सदस्य हैं?

उत्तर.—स्थानकवासी सम्प्रदाय में कई पत्र-पत्रिकाएँ प्रकाशित होती हैं परन्तु पत्र-पत्रिकाओं के बाह्य मंडल में आजीवन सदस्यों की संख्या में सबसे अधिक सदस्य संख्या प्राप्त की गयी है। यही पत्रिका जैन मण्डल नामिक है 1000 से अधिक आजीवन सदस्य प्राप्त है।

प्रिय महानुभावों इसके अलावा भी लगभग 68 तरह की प्रश्नोत्तरी और प्रकाशित करने का विचार था लेकिन स्थानाभाव समयाभाव के कारण कलम को विश्राम देना उचित समझा। सोचता हूँ कि प्रश्नोत्तरी की एक अलग से ही प्रकाशित करवा दू कारण पुस्तक का शाराश इसमें आ जाता लेकिन विवश हूँ। विवशता के लिए क्षमा करें एव आपको विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में पूरी प्रश्नोत्तरी देने का पूरा प्रयत्न करने की कोशिश करूंगा।

—सम्पादक

मुनि नाथूलाल जैन साहित्य विभाग द्वारा प्रकाशित साहित्य

दिवाकर देन भाग 1 से 6 तक
दिवाकर पर्व चिन्तन
महकते गीत-धिरकते स्वर
चन्दन भजनावली
त्रय चरित्र
यशवन्त चरित्र
पदम कुमार चरित्र
एक आलोक पुज जैन दिवाकर
स्वप्न और ससार (धार्मिक उपन्यास)
संकल्प और सिद्धि (" ")
राही रुका नहीं (" ")
सबक (नामाजिक नाटक)
जैन मन्दुति परिचय पृष्ठ 1 से 10 तक
शरीर
गुलदस्ता
स्वर बाने
16 नवी चानिना
गोतम चानिना
आचार्य नृकर्मचन्द चानिना (प्रेम में)
मोक्ष मार्ग (प्रेम में)
आदर्श समाज
प्राप्ति स्थान
मुनि नाथूलाल जैन साहित्य विभाग,
मोक्षरी मोक्षरत, मोक्षरी जिल्हा,
जिल्हा-मन्डला (म.प्र.)

नीम्बू इसली का नाम लेने से, मुह में पानी भर आता है।
 त्योही प्रभु का स्मरण करने से, तब पाप कर्म टल जाता है॥

हार्दिक शुभकामनाओ सहित



मद्रास शहर में 47 वर्ष से व्यापार करने वाली पुरानी और सुप्रसिद्ध

फर्म

हिन्द बोटल स्टोर्स

हर प्रकार की बोतलें, कार्क, लेबल, पीपी, केप व केप की हर
 तरह की शीलिंग मशीनों के प्रसिद्ध विक्रेता

115, नाइन्थ नाइक स्ट्रीट, पी टी

मद्रास—600003 (तमिलनाडू)

फोन

{ कार्यालय—31227

{ निवाग—38906

बाबूलाल मेहता सादड़ी वाला

मेहता भवन, 14, रगुनाडकन स्ट्रीट, मद्रास-3 (तमिलनाडू)

प्राणायामादिक क्रिया से भी मन, श्रेष्ठ नहीं बन पाता है ।
जो आत्म रूप का मनन करे, वह जीवन मुक्त कहलाता है ॥

॥ जय गुरु आनन्द ॥

आचार्य सम्राट पूज्य गुरुदेव श्री आनन्द ऋषिजी म.सा. की 87वीं जन्म जयन्ती के शुभ अवसर पर एवं मधुरवक्ता प रत्न श्री मूलचंदजी म.सा. के धूलिया चातुर्मास की मंगल कामना करते हुए—

पोरवाल सेव भण्डार

47, मौलाना आजाद मार्ग (लोहार पट्टी)

इन्दौर-452002 (म.प्र.)

1/2, सीतला माता बाजार, गोरकुण्ड चौराहा, इन्दौर-452002 (म.प्र.)

फोन : 32103

नोट:—शुद्ध मृगफल तैल से तैयार किया हुआ—स्पेशल रतलामी सेव, लोंग की सेव, कन्तूरी सेव, दान मोठ स्पेशल मिक्सचर, आलू चिवड़ा आलू पपड़ी तथा श्रेष्ठ नमकीन के निर्माता एवं विक्रेता ।

प्रोप्राईटर-बदरीलाल जैन (पोरवाल)

इन्दौर

वाणी सयम रसना सयम, निद्रा-सयम अद्भुत है ।
कमल तुल्य निलेप हृदय है, श्रुत-सेवा में अनिरत है ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—



फूलचन्द लुणिया
जे० किशनलाल फूलचंद

न 19-डो० एस० लेन, चिकपेट,

बंगलूर-560053

(कर्नाटक)

फोन न -72609

दीक्षा ग्रहण कर मुनि बने हैं । और इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है ।

प्रश्न : क्या आप बता सकते हैं कि गत वर्ष सवत्सरी का प्रतिक्रमण बिना माइक से सम्पन्न हुआ हो एवं उस श्री सघ का 50 वर्षों का रिकार्ड टूटा हो ? उस क्षेत्र का नाम बताओ ?

उत्तर : वैसे तो कई श्री संधो में बिना माइक के ही प्रतिक्रमण होता है । आप राजस्थान में जाकर देखो वहाँ बिना माइक के ही प्रतिक्रमण होता है लेकिन प्रश्न ऐतिहासिक रिकार्ड टूटने का हो तो ऐसी ही घटना गतवर्ष स्थानकवासी सम्प्रदाय में बम्बई के घाटकोपर श्री सघ में घटित हुई वहाँ साधुमार्गी जैन संध के आचार्य श्री नानालालजी म.सा. का गत वर्ष चातुर्मास था वहाँ विगत 50 वर्षों से सवत्सरी का प्रतिक्रमण माइक से ही होता चला आ रहा है । लेकिन गत वर्ष आचार्य श्रीजी के आन्धान पर बिना प्रतिक्रमण माइक से सवत्सरी का हुआ है । लगभग 12 हजार श्रावक श्राविकाओं ने बिना माइक के प्रतिक्रमण गाति से किया और एक नया रिकार्ड स्थापित हुआ है । अब यह बात अलग है कि वहाँ 3 म वर्ष फिर माइक चालू हो जावे या नहीं भी होवे ।

प्रश्न : क्या समग्र जैन समाज में ऐसा कोई क्षेत्र है जहाँ पर चारों सम्प्रदायों के श्रावक श्राविकाएँ एक ही धर्म स्थान पर आकर धर्म ध्यान करें और नया ऐतिहासिक रिकार्ड स्थापित करें ।

उत्तर : समग्र जैन सम्प्रदाय में नागौर ही एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ गत वर्ष चारों जैन सम्प्रदायों के श्रावक श्राविकाओं ने एक ही धर्म स्थानक में आकर धर्म ध्यान किया हो वहाँ गत वर्ष आचार्य श्री हर्म्तीमलजी म.सा. के मुजिप्य श्री सुभेद्र मुनिजी म.सा. का चातुर्मास था । वहाँ पर चातुर्मास में सभी सम्प्रदाय के श्रावक-श्राविकाओं की ओर से लगभग 1000 सांस्कृतिक अठार्यों का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जो एक ऐतिहासिक रिकार्ड है । चारों सम्प्रदायों की एक मंच पर भाव व्यक्तियाँ और पूजा आदि का कार्यक्रम ।

प्रश्न : क्या आप बता सकते हैं कि इन वर्ष स्थानकवासी सम्प्रदायों में सबसे ज्यादा दीक्षाएँ किसने नेश्राय में हुईं ?

उत्तर : इन वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाय में कई नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुईं हैं । मुक्तिपूजा एवं शिग्राव सम्प्रदाय की दीक्षा

सूची हमें उपलब्ध नहीं हुई फिर भी स्थानकवासी सम्प्रदाय की जो सूची प्राप्त हुई है उसके मुताबिक इस वर्ष सबसे ज्यादा नई दीक्षाएँ श्रमण संघीय उत्तर भारतीय प्रवर्तक श्री पदम चंदजी म.सा. भण्डारी की नेश्राय में 27 नई दीक्षाएँ सम्पन्न हुई हैं । उसके बाद तपस्वीराजश्री चंपालालजी म.सा. की नेश्राय में नई दीक्षाएँ हुई हैं ।

प्रश्न : स्थानकवासी सम्प्रदाय में आचार्य श्री नानालाल जी म.सा. के पास तो काफी नई दीक्षाएँ होती रहती हैं । आप सूची में अपनी मर्जी में उनकी दीक्षाओं की खबरे जान-बूझकर नहीं देते हो क्योंकि यह हो ही नहीं सकता कि विगत दो वर्षों में उनके पास नई दीक्षाएँ नहीं हुई हो मंच बात क्या है बताओ ?

उत्तर : आपने फर्माया वैसी कोई बात नहीं है । यहाँ हमारी परिपद में किसी तरह का साम्प्रदायिकता का काम नहीं है । हम सभी को एक निगाह में देखते हैं । यहाँ सारा कार्य अमास्रदायिकता में होता है । यह बात गही है कि आचार्य श्री नानालाल जी म.सा. के पास उकट्टी दीक्षाएँ काफी होती रहती हैं । 25-25 दीक्षाएँ उनके नेश्राय में हो चुकी हैं । लेकिन विगत 2 वर्षों में उनकी नेश्राय में ज्यादा नई दीक्षाएँ नहीं हुई हैं । अब जब नई दीक्षाएँ ही नहीं हुई हैं तो तो हम झूठी खबरे बोटे ही निगेंगे ।

प्रश्न : इस वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाय में कितनी नई दीक्षाएँ हुई हैं ।

उत्तर : इस वर्ष समग्र जैन सम्प्रदाय में काफी मात्रा में नई दीक्षाएँ हुई हैं । अन्य सम्प्रदायों की तो हमें जानकारी नहीं मिली लेकिन स्थानकवासी एवं नेश्राव सम्प्रदाय की जानकारी हमें जरूर मिली है । स्थानकवासी सम्प्रदाय में 108 एवं नेश्राव सम्प्रदाय में नई 12 दीक्षाएँ हुई हैं ।

प्रश्न : समग्र जैन सम्प्रदायों में इस वर्ष कितने 2 सप्ताह तक धर्म प्रारंभ हुए ।

उत्तर : समग्र जैन सम्प्रदायों में पूरे जैन समाज की भाँति पांच उपसंस्थानों में लेकिन समग्र जैन सम्प्रदाय में पूरे 27 नेश्राव सम्प्रदाय में 1 सप्ताह तक धर्म प्रारंभ हुआ ।

प्रश्न : क्या आप बता सकते हैं कि विगत 1 वर्षों में समग्र जैन सम्प्रदाय में कितनी नई दीक्षाएँ हुई हैं ।

उत्तर—म्यानकवासी सम्प्रदाय में बिना 5 वर्षों में निम्न निश्चित नई दोक्षाएँ हुई हैं।

सम्प्रदाय	1986			1985	1984	1983	1982	1981
	मन	सतियाँ	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल
श्रमण मध	10	38	48	35	42	21	41	40
स्वतंत्र सम्प्रदाय	9	21	30	24	55	24	41	19
बृहद गुजरात सम्प्रदाय	1	27	30	42	45	43	45	42
कुल	22	86	108	101	142	98	127	101

प्रश्न—क्या आप बता सकते हैं कि बिना 6 वर्षों में म्यानकवासी सम्प्रदाय में कितने सत-सतियाँ कालधर्म प्राप्त हुए हैं ?

उत्तर—म्यानकवासी सम्प्रदाय में बिना 5 वर्षों में निम्न सत-सतियाँ काल धर्म प्राप्त हुए।

सम्प्रदाय	1986			1985	1984	1983	1982
	सत	सतियाँ	कुल	कुल	कुल	कुल	कुल
1 श्रमण मध	5	7	12	11	21	15	10
2 स्वतंत्र सम्प्रदाय	—	7	7	9	5	11	6
3 बृहद गुजरात सम्प्रदाय	1	7	8	3	7	7	9
कुल	6	21	27	23	33	33	25

प्रश्न—क्या समग्र जन समुदाय में देश की रक्षा के लिए किसी माधु-माधविया या जैन धर्म प्रचारक को कोई राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। यदि हाँ तो बिने।

उत्तर—पूजा समुदाय में हल के लिए म्यानकवासी सम्प्रदाय में अहत मध के आचार्य एवं जैन धर्म प्रचारक श्री मुनील कुमारजी म का भारत सरकार की ओर म लातावाल पुरस्कार मिला है।

प्रश्न—क्या आप समग्र जन समुदाय में सबसे ज्यादा तपस्या बिना 2 सत-सतियाँ या श्रावण-श्राविका में की और कितनी ?

उत्तर—क्या आप समग्र जन समुदाय में सबसे ज्यादा तपस्या म्यानकवासी सम्प्रदाय में श्रमण संधीय श्री महेश मुनिजी म सा न दिल्ली में 104 दिन की तपस्या का है।

प्रश्न—क्या आप बता सकते हैं कि समग्र जन समुदाय में भाषान महावीर स्वामी के शासन में जब तक 2500 वर्षों के रिवाज में सबसे ज्यादा लम्बी तपस्या बिना 2 न की है।

उत्तर—क्या आप बता सकते हैं कि समग्र जन समुदाय में भाषान महावीर स्वामी के शासन में जब तक 2500 वर्षों के रिवाज में सबसे ज्यादा लम्बी तपस्या बिना 2 न की है।

उत्तर—समग्र जन समुदाय में हर वर्ष काफी लम्बी तपस्या होती रहती है लेकिन सवाल यह है कि सबसे लम्बी तपस्या वह भी 2500 वर्षों के रिवाज में ता जहाँ तक मर स्याल है। भगवान महावीर स्वामी के शासन के बाद यदि किसी ने सबसे लम्बी तपस्या की है ता सबसे प्रथम कमाक म्यानकवासी सम्प्रदाय की जयपुर की श्रीमती इचरज बाई लुणावत का जाता है जिन्होंने 1975 में 105 दिन की तपस्या की थी जिसमें पूर की जयक्षता भूतपूर्व कृषि मंत्री स्व श्री जगजीवनराम ने जयपुर में की थी। उसके बाद बैंगलोर की श्रीमती गलेछा जी का जाता है जिन्होंने 121-151 दिन की तपस्या की है एवं तृतीय कमाक भूतिपूजक सम्प्रदाय में एक मुनि जी न 108 की तपस्या महे (गुजरात) में की थी तथा चौथा कमाक म्यानकवासी सम्प्रदाय के श्रमण संधीय श्री सहज मुनिजी म सा का 104 उपवास की तपस्या का जाता है। फिर उसके बाद ता काफी तपस्याएँ हो चुकी हैं।

प्रश्न—क्या म्यानकवासी सम्प्रदाय में कोई ऐसी समुदाय है जहाँ पर केवल साधुजी का ही दीक्षित किया जाता है। सतिया

को नहीं एव जिनमें आचार्य, उपाध्याय प्रवर्तक आदि कोई पद नहीं होते।

उत्तर—स्थानकवासी सम्प्रदाय में प्रायः सभी सम्प्रदायों में सत् सातथों को दीक्षित किया जाता है परन्तु एक सम्प्रदाय ऐसा भी है जहाँ केवल साधुओं को ही दीक्षा दी जाती है और वह सम्प्रदाय है श्री सुदर्शन मुनिजा म.सा. की सम्प्रदाय जहाँ केवल सत्तों को ही दीक्षित किया जाता है एवं उस सम्प्रदाय में काइ पद आदि भी नहीं होते हैं।

प्रश्न.—क्या समग्र जैन समुदाय में ऐसी धार्मिक पाठशाला है जो सुबह से रात तक धार्मिक परीक्षा चालू हो रहता है?

उत्तर.—समग्र जैन समुदाय में ऐसे तो सभी जगह धार्मिक स्कूल हैं जहाँ राज पढ़ाई होता रहता है लेकिन (सर्क 1-2-3 घट बस) यानी सुबह से शाम तक अनन्तर धार्मिक पढ़ाई ही चल एसा सम्पूर्ण भारतवर्ष में एक ही स्थान है और वह है बंगलौर का स्थानकवासी समाज का धार्मिक पाठशाला जहाँ सुबह से रात तक धार्मिक पढ़ाई होता रहता है यानी बच्चे बूढ़े जवान बालकाए गृहाणया जब भी वक्त मिले पढ़ाई करने पाठशाला जाते हैं जहाँ अध्यापक पूर्ण दिन धार्मिक पढ़ाई पढ़ाते रहते हैं। ऐसा अनुठा स्कूल हमने पूरे भारत में कहा नहीं देखा जब जाया तब प्रातःक्रमण सामायक आदि को मिलाते चलता ही रहता है।

प्रश्न.—क्या समग्र जैन समाज में ऐसा कोई क्षेत्र है जहाँ लगभग 1200 छात्र एक साथ बैठकर धार्मिक पढ़ाई करते हैं?

उत्तर.—बंगलौर चिकपेठ जैन मंदिर बंगलौर में एक ऐसी धार्मिक पाठशाला है जहाँ एक साथ लगभग 1200 विद्यार्थी बैठ कर धार्मिक पढ़ाई करते हैं।

प्रश्न.—स्थानकवासी सम्प्रदाय में ऐसी कानसी पथ-पाठशाला है जो वर्ष 1900 में अधिक छात्रों को नदर में है?

उत्तर.—स्थानकवासी सम्प्रदाय में कई पथपाठशालाएँ प्रचलित हैं जो वर्ष 1900 में अधिक छात्रों को नदर में है। जिनमें से एक है स्थानकवासी धार्मिक पाठशाला जहाँ लगभग 1200 छात्र एक साथ बैठकर धार्मिक पढ़ाई करते हैं।

प्रिय महानुभावों इसके अलावा भी लगभग 68 तरह की प्रश्नोत्तरी और प्रकाशित करने का विचार था लेकिन स्थानाभाव समयाभाव के कारण कलम को विश्राम देना उचित समझा। सोचता हूँ कि प्रश्नोत्तरी की एक अलग से ही प्रकाशित करवा दूँ कारण पुस्तक का शाराण इसमें आ जाता लेकिन विवश हूँ। विवशता के लिए क्षमा करें एवं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में पूरी प्रश्नोत्तरी देने का पूरा प्रयत्न करने की कोशिश करूँगा।

—सम्पादक

मुनि नाथूलाल जैन साहित्य विभाग द्वारा प्रकाशित साहित्य

दिवाकर देन भाग 1 से 6 तक
दिवाकर पर्व चिन्तन
महकते गीत-विरकते स्वर
चन्दन भजनावली
त्रय चरित्र
यशवन्त चरित्र
पदम कुमार चरित्र
एक आलोक पुत्र जैन दिवाकर
स्वप्न और सत्तार (धार्मिक उपन्यास)
संकल्प और मिद्धि (" ")
राही हूँ नहीं (" ")
मन्त्रक (नामाजिक नाटक)
जैन संस्कृति परिचय पुष्प 1 में 10 तक
जरोद्या
गुलदस्ता
स्वर बोले
16 मनी चानिमा
गोतम चानिमा
आचार्य हर्षाचरण चानिमा (प्रेम में)
मोक्ष मार्ग (प्रेम में)
आदर्श रामायण
प्राप्ति स्थान
मुनि नाथूलाल जैन साहित्य विभाग,
श्रीधरी माण्ड्या, नवल पार्क,
जिन्ना-बन्सगोर (न.प्र.)

इनसे सीखो

(1) श्री जयपुर स्या जन श्री सध—जयपुर से

(1) जहाँ न थाव न थाविकार किनी भी ठम गुरु का माना हा लेखिनवा भी मत मतीया जहाँ आत है उनकी वही सच्ची रूढ़ा में सेवा करते हैं।

(2) जहाँ के सध का नाम—श्री वधमान स्थानकवासी जन थावक मध (रजि) है।

(3) चाह मन मताया विज्ञा भी सम्प्रदाय व हा चाह छटे हा या उडे मभी का चातुर्मास गरी-वारी म हर वष करया जाता है।

(1) वहाँ दो स्थानक है जहाँ एक म साधुजी एव दूसरे म माध्वियाजी विराजत है। जा वनी जदना बदली नहा हान यानी राह गगनार स्थानक म साध्विया ही विराजेंगी वही साधु नहा विराजेंगे चाह खाली पडा हा तेम हा नान भवन म सत विराजेंगे चाह माध्विया क ध्यान्मान अवश्य हागे पर व विराजेंगी नहा।

(5) वहाँ मधपति व मंत्री का चुनाव सर्व सम्मति स निर्वि-गध मन्त्र हात जा रह है।

नाट—चातुर्मास म बारिया का प्रचलन अय भी चातु है।

(2) श्री स्थानकवासी जन श्री सध बंगलोर से—

बंगलोर म लगभग 8 स्थाना पर जन स्थानक वन हुए हैं। जहाँ पर चातुर्मास वाल म प्रत्येक रविवार का विचार गणान्ता का कार्यक्रम रखा जाता है। काद एक नियम चुन दिया जाता है जहाँ मनी 7। मच पर उडे हाकर बुलाया जाता है। स्थान एक एक जाह हा वारा-वारा म चुना जाता है। 777 आन धम वृद्धि की जाता है।

(3) श्री पदमावती पोरवाल जन सभान तवाई माधापुर से—

राजस्थान राज्य 8 सबसे माधापुर, बाटा एव उन्दार गभाग 8 जिन ना पयावती पाग्यात जन परिवार ह व

मभी शाम का खाना सूर्यास्त के आधा घटे पहले कर लेते हैं। उनके घरों में मुरास्त के बाद रमाई में ताले लग जाते हैं। यह धम कई पीढ़िया से चला जा रहा है। एव मभी का अनिवार्य जग बना हुआ है एव यह क्रम 12 महिना हावसता है कभी किसी क जीमण जादि भी होता है ता सूर्यास्त पहले-पहल पूरा खाना खा लेते हैं।

(4) श्री स्या जन श्रीसध बंगलौर (चिकपेट) से

श्री व स्या जन थावक सध चिकपेट बंगलौर द्वारा संचालित जन पाठशाला का जा सुबह 9 बजे रात तक चलता है। बीच म कभी बन्द नहीं होती जहाँ सामायिक प्रतिनमन पच्चीस वाल आदि का कोस पढाया जाता है। वच्चे बूढ़े जवान युवक-युवतिया गृहणिया मन चाह जब टाइम मिल पाठशाला म पढाई हनु चले जाते हैं। जितना चाह उतना पढकर बापिम काम म लग जाते हैं। ऐसी पाठशाला भारत म कहीं भी नहीं है।

(5) गुजरात प्रात से—

गुजरात के अकाल पीडित क्षेत्रा में भगवान महावार कल्याण क्षेत्र, बम्बई न प्रारम्भ म साराष्ट्र कच्छ की 64 पाजगपाना एव पशु कम्पा का सात लाख रुपया का महया दिया। उसके बाद भरुच जिल के 22 ग्रामा के 250 किमाना क जता म 1240 एकड जमीन म हरा धान पदा किया गया। इससे तीन महाना तक सोराष्ट्र, कच्छ जादि अकाल पीडित क्षेत्रा म एक हजार वा टुक कम दामा म तथा 102 टुक मुक्त पास वितरण किया गया।

(6) श्री बृहद बम्बई जन महा सध-बम्बई से

बम्बई म जितन भी 42 स्थानक है वहाँ स्थानक भवन पर एव ही नाम निर्रा हुआ है—श्री वधमान स्थानकवासी जन थावक मध—फिर उपनगर का पता यानी स्थानक पर किसी गच्छ या सम्प्रदाय का नाम नहीं होता है। मिक वधमान न जागम्भ होता है। जवाब बलग 2 जेना म जात्र सम्प्रदाय गच्छ म उपाश्रय का नाम जुडा हुआ वधन का भिनगा।

—सम्पादक

अधिक लालच की भावना के साथ मुक्ति का मार्ग प्रशस्त कर पाना
कठिन ही नहीं पूर्णतः दुष्कर है

समग्र जैन समुदाय के सभी पूज्य मुनिवरों एवं महासतीयाँजी म.सा. का 1986 वर्ष का चातुर्मास
हर्षोत्सास वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य, तप की प्रवृत्तियों से ओत प्रोत सफल बने
ऐसी शुभकामनाएँ करते हुए--

With best compliments from :

Grams : 'BHUMISONS'

Phone { Offi 76320
71568
Resi. 366534

Sha Bhuthaji Misrimal & Sons

Manufacturers & Wholesale Dealers of :

SUMAN BRAND STAINLESS STEEL WARES

No 169, Avenue Road, BANGALORE-560 002
(KARNATKA)

Shah Parasmall Bagrecha

नीम्बू इमली का नाम लेने से, मुह में पानी भर आता है।
 त्योही प्रभु का स्मरण करने से, सब पाप कर्म टल जाता है॥

हार्दिक शुभकामनाओ सहित



मद्रास शहर में 47 वर्ष से व्यापार करने वाली पुरानी और सुप्रसिद्ध

फर्म

हिन्द बोटल स्टोर्स

हर प्रकार की बोटलें, कार्क, लेवल, पीपी, केप व केप की हर
 तरह की शीलिंग मशीनो के प्रसिद्ध विक्रेता

115, नाइनप्पा नाइक स्ट्रीट, पी टी,

मद्रास—600003 (तमिलनाडू)

फोन { कार्यालय— 31227
 { निबाम— 38906

बाबूलाल मेहता सादड़ी वाला

मेहता भवन, 14, रगुनाइकन स्ट्रीट, मद्रास—3 (तमिलनाडू)

प्राणायामादिक क्रिया से भी मन, श्रेष्ठ नहीं बन पाता है ।
जो आत्म रूप का मनन करे, वह जीवन मुक्त कहलाता है ॥

॥ जय गुरु आनन्द ॥

आचार्य सम्राट् पूज्य गुरुदेव श्री आनन्द ऋषिजी म.सा. की 87वीं जन्म जयन्ती के शुभ अवसर पर एवं मधुरवक्ता प.रत्न श्री मूलचंदजी म.सा. के धुलिया चातुर्मास की मंगल कामना करते हुऐ—

पोरवाल सेव भण्डार

47, मौलाना आजाद मार्ग (लोहार पट्टी)

इन्दौर-452002 (म.प्र.)

1/2, मीनला माता बाजार, गोरकुण्ड चौराहा, इन्दौर-452002 (म.प्र.)

फोन 32103

नोट:-शुद्ध मुगकली तेल से तैयार किया हुआ-स्पेशल रत्नामी सेव, लोग की सेव, कस्तूरी सेव, दान मोठ स्पेजल मिक्सचर, आलू चिबडा आलू पपड़ी तथा श्रेष्ठ नमकीन के निर्माता एवं विक्रेता ।

प्रोप्राईटर-बदरीलाल जैन (पोरवाल)

इन्दौर

वाणी समय रसना समय, निद्रा-समय अद्भुत है ।
कमल तुल्य निर्लेप हृदय है, श्रुत-सेवा में अभिरत है ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—



फूलचन्द लुणिया
जे० किशनलाल फूलचंद

न 19-डी० एस० लेन, चिकपेट,

बेंगलूर-560053

(कर्नाटक)

फोन न -72609

जो खुद अपना सहन करके, औरो की विपद मिटाता है ।
वह अपना हित करता है, जग मे अनुपम सुयश कमाता है॥

With Best Compliments From :

P D R

VIDEOTRONICS (INDIA) PVT. LTD.

99, Old Prabhadevi Road
BOMBAY-400 025

Cable : Sagarexpo

Phone : 42264949 ☐ 4226536, 4223565,
☐ Factory : 681681

Pukhraj Lunkad
D. P. Lunkad
R. P. Lunkad

भव्य बीज पलटें नही, जावे जुग अनन्त ।
 ऊँच कुल गृहे अवतरे, अन्त सन्त को सन्त ॥

समग्र जैन समाज के सभी पूज्य मुनिराजो महासतियोजी म सा का वर्ष 1986 का
 चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य तप की
 प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत बने ऐसी शुभ मंगल
 कामनाएँ करते हैं ।

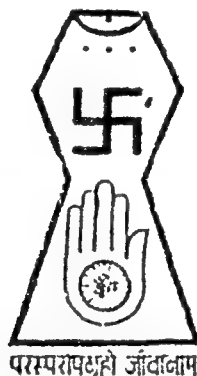
**कामदार मीठालाल, नेमीचन्द,
 सुगनराज तालेड़ा
 (चावण्डिया-राजस्थान वाले)**

M. M. TEXTILES CORPORATION
 5/6 B V K IYENGAR ROAD, OPP ABHINAV TALKIES
 BANGALORE-560053 (KARNATAKA)

Tel OFF 29016
 Resi 222475

जो रूप ही रूप को भजता है, तो फेर रूप को जाता है ।
जो रूपापीत का ध्यान करें, तो रूपापीत हो जाता है ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित....



चन्दनमल बोहरा

Ms. Chandan Engineering Industries,

Manufacturers of : ALL KINDS OF STEEL FURNITURES,

2,2, MALLIKARJUNA TEMPLE STREET, B. V. K. Iyengar Road Cross,
Bangalore-560 053 (KARNATAKA)

Tel. No. Off. 72539, 74223
Res. 220161

अज्ञानी जैन शास्त्र को निशि दिन, नास्तिक कृत बतलाते हैं ।
जैन धर्म तो जास्तिक है, अज्ञान भेद नहीं पाते हैं ॥

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ :

भँवर लाल गोटावत गोटावत सिल्क एम्पोरियम

14, राजा मार्केट, चिकपेट,
बैंगलूर—560002
(कर्नाटक)



गोटावत इलेक्ट्रीकलस

जैन धर्मशाला भवन, बैकु, सहजी लेन, चिकपेट—बैंगलूर-560 053

समग्र जैन सम्प्रदाय एक नजर में

प्रिय महानुभावो आप विगत 7 वर्षों से सिर्फ स्थानक-वासी सम्प्रदाय की ही सूची पुस्तक पढते चले आये है इस वर्ष हमने समग्र जैन सम्प्रदायों की एक बृहद् सूची, पुस्तिका रूप में प्रकाशित की है आप सोचते होंगे कि जैन सम्प्रदायों में साधु-साध्वियों के कौन-2 से पद होते हैं, कितने गच्छ हैं, क्या 2 उनकी गतिविधियाँ है किस 2 सम्प्रदाय में कितने आचार्य पन्थास गणि शुल्लक, शुल्लिकाएँ श्रमण श्रमणियाँ हैं। आचार्य के आगे पीछे कौन सा सम्माननीय पद बोला जाता है। सूर्येश्वर किसके आगे लगता है श्रीमद् विजय सागर आदि किसके साथ लगाया जाता है आदि ये अनेक बातें हैं जो हर किसी के ध्यान में नहीं है। एक सम्प्रदाय के लोगो को दूसरे सम्प्रदाय के संत सतीयों के बारे में थोड़ा सा भी ज्ञान हो तो वे उनके सम्पर्क में आने की ज्यादा नहीं तो कुछ तो तैयारी अवश्य करेंगे ही क्योंकि वे उनके पास जाने से घबराते हैं। सोचते है। वे साधु-साध्वी हम में कुछ सवाल पृष्ठ न लेवे वन्दना करना भी नहीं आवे कौन से सम्प्रदाय में कैसे 2 वन्दना करते है आदि 2 बातें तो बहुत है। लेकिन इन मारी बातों का मुझे भी ज्ञान नहीं है आज में 4 माह पूर्व मेरा भी यही हाल था जैसा पहली कक्षा के विद्यार्थी का मत्र का पहला दिन होता है फिर भी विगत 4 माहों से मैं सभी सम्प्रदायों के, संत सतियों के सम्पर्क में आया हूँ बहुत कुछ बातें सीखी हैं जानी है, देखी है, सुनी है। सभी बातों का उल्लेख तो समय-भार-रवानाभाव के कारण नहीं कर सकता हूँ फिर भी मन्त्रों में आप सभी को एक दूसरे सम्प्रदाय के बारे में कुछ जानकारी प्रस्तुत करने का यत्न है उसमें भी हो सकता है। बहुत सी बातें यह गई हों परन्तु मेरे पहले वर्ष का पहला प्रयास समझकर आप समझ लेंगे। एवं नियोजन है कि इन बारे में कुछ मुताबिक जानकारी हो तो अवश्य सूचित करावें। आपने ज्ञान अधिकांश ज्ञानदायिनी होना है, जो निजसिद्धि साधक के रूप में इन साधक ने अधिक ज्ञानदायिनी साधक के रूप में है। जो साधक अपने सम्पूर्ण मर्म पर समझेंगे।

स्थानकवासी सम्प्रदाय की कुछ जानकारीयाँ—

(1) स्थानकवासी सम्प्रदाय—

स्थानकवासी सम्प्रदाय में कुल तीन सम्प्रदाय हैं (1) श्रमण सध (2) स्वतंत्र सम्प्रदाय (3) बृहद् गुजरात सम्प्रदाय। श्रमणसध में एक ही आचार्य सम्राट है। स्वतंत्र सम्प्रदाय 3 आचार्य एवं बृहद् गुज. सम्प्रदाय में 5 आचार्य विराजमान हैं। श्रमण सध में (926) ठाणा, स्वतंत्र सम्प्रदाय में (736) ठाणा एवं बृहद् गुजरात सम्प्रदाय में (987) ठाणा इस तरह कुल ठाणा (2649) हैं जो समग्र जैन सम्प्रदाय का (28% है। इस सम्प्रदाय में पद इस तरह होते हैं आचार्य, युवाचार्य उपाध्याय, प्रवर्तक, उपप्रवर्तक, प्रवर्तिनी, उप प्रवर्तिनी मन मतियाँ आदि। सभी पदों की सूची आप अन्यत्र देख सकते हैं

(2) श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सम्प्रदाय—

श्वे मूर्ति पूजक सम्प्रदाय में वर्तमान में लगभग (5700) साधु साध्विया विद्यमान हैं जो समग्र जैन सम्प्रदाय का (60)% है यह बहुत ही विज्ञान साधु-साध्वियों का सम्प्रदाय है। इस सम्प्रदाय में 7 गच्छ हैं जिनके नाम इस प्रकार हैं (1) तपागच्छ (2) अचलगच्छ (3) धम्मगच्छ (4) पार्श्वचन्द्रगच्छ (5) विमलगच्छ (6) त्रिभुवनीगच्छ (7) अन्य गच्छ उनमें भी तपागच्छ मंत्र में विज्ञान गच्छ जो सम्पूर्ण मूर्तिपूजक सम्प्रदाय का (85)% है एवं तपागच्छ सम्प्रदाय में भी लगभग (15) सम्प्रदाय हैं जिन

जाता है। बाकी के जाने मुनि ही लगाया जाता है। विजय तपागच्छ सम्प्रदाय में भी सब से ज्यादा आचार्य श्री विजय प्रेम सूरेश्वरजी म सा एव श्री विजय नमि सूरेश्वरजी म सा के समुदाय में तमश 18 एव (19) आचार्य विद्यमान है। सभी आचार्यों के नाम दर्शना चाहें तो आचार्यों की सूची में पुस्तक में अन्यत्र देखें।

मूर्ति पूजक सम्प्रदाय में मन सत्तियाँ इस प्रकार हैं।

- (1) तपागच्छ सम्प्रदाय कुल ठाणा (4859) 85%
- (2) अन्नल गच्छ कुल ठाणा (224) 4%
- (3) खरतरगच्छ कुल ठाणा (212) 4%
- (4) पाशवचन्द्र गच्छ (78) 1%
- (5) विमल गच्छ कुल ठाणा (76) 1%
- (6) विस्तुती गच्छ आदि कुल ठाणा (121) 2%

3 श्वे तेरापथी सम्प्रदाय

यह सम्प्रदाय जब दा भाग में विभक्त हो चुका है तबिम प्रमुख भाग आचार्य श्री तुलसीजी म सा का है तबिम कुल ठाणा (699) है जो समग्र तेरापथी सम्प्रदाय का 97% होता है। एव दूसरा भाग मय प्रमुख श्री चन्दन मलजी म सा का नव तेरापथी सम्प्रदाय है जिसकी स्थापना लगभग 8 10 वष पहले हुई है तबिम कुल ठाणा (22) है जो सम्पूर्ण तेरापथी समुदाय का 3% है।

इस सम्प्रदाय में पद इस प्रकार होते हैं—आचार्य, युवा-आचार्य, उपाध्याय, प्रवक्तृ, श्रमण, श्रमणी समण समणी आदि। यह सम्प्रदाय स्थाननगामी सम्प्रदाय में मिलता जुलता है इसमें मुहपत्ती चौडाई की अपेक्षा तम्बाई में ज्यादा होती है जब कि स्थाननगामी सम्प्रदाय में मुहपत्ती जितनी चौडाई में हागी उतनी ही लम्बाई में भी तम्बी होती है।

4 विगम्बर सम्प्रदाय

इस सम्प्रदाय में वर्तमान में कुल (13) आचार्य हैं। एव कुल ठाणा (366) के लगभग है तबिम नग्न मुनिराज ता निफ (97) के नाम पाम ही हागे। इसमें पद इस प्रकार होते हैं आचार्य युवाचार्य उपाध्याय, प्रवक्तृ प्रवर्तिनी, गुल्लक, एलक, आर्यानी, गुल्लिकाएँ ब्रह्मचारी, ब्रह्मचारिणीयाँ आदि।

ममय जैन सम्प्रदाय का 1% भाग साधु माध्वीयाँ इस समुदाय में है इसमें भी कई गच्छ विद्यमान हैं पूण जानकारी नविष्य म दी जावगी।

नोट—प्रिय पाठना हम जैन सम्प्रदाय के धार में अधि-तानरागिया का पान नहीं है यह तो कुछ स्फरेखा आपने तामन इसलिए रख दी है ताकि जो सम्प्रदाय एक दूसरे के जाने में कुछ भी नहीं ममवे वह इसे पदकर ज्यादा नहीं तो कुछ तो ग्रहण कर सकें हम पूण जानकारी प्राप्त करने की पूरी काशिश कर रहे हैं यह मरा प्रयाम की तो पहला ही है ममयाभाय स्थानाभाय से आगे कलम भी तो नहा बढाना चाह रहा हूँ स्याचि थोडा थोडा करत 2 भी कितना मीटर 600 पार कर ही गया अब इस जानकारी में किसी तरह की बाई रात विचन में छूट गई है पूण नहीं लिखी हा या गत विच दो गयी हा ता मेरा पहला प्रयाम ममय कर मुये वमा कर दवें एव जाना करता हूँ कि आप मुये इस बार में अपन बहुमूल्य मुद्राव जानकारीयाँ जवण भिजवान की टपा करें।

—आपका

बायूसाल जन 'उज्जवल'

—मम्पादक

समग्र जैन संप्रदायों में 50 से अधिक वर्षों तक आचार्य पद शुपोभित करने वाले आचार्य

- (1) स्थाननवासी सम्प्रदाय के आचार्य प्रवर श्री हस्तीमलजी म सा का आचार्य पद प्राप्ति का यह (59)वा वष है।
- (2) तेरापथी सम्प्रदाय के आचार्य प्रवर श्री तुलसीजी म सा का आचार्य पद प्राप्ति का यह (51)वा वष है।
- (3) मूर्तिपूजक तपागच्छ सम्प्रदाय के आचार्य प्रवर श्रीमद् विजय रामचन्द्र सूरेश्वरजी म सा का आचार्य पद प्राप्ति का यह (50)वा वष है।

शुद्ध नय से आत्म विज्ञान एक, द्रव्य नाम कई जाता है ।
सर्वांग लखी निज ध्यान करे, वह सिद्ध स्वरूप हो जाता है॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :--

तेजराज पन्नालाल सुराना

आटो फाइनेन्सियर्स

सुराना टायर्स

सुराना भवन, 17, कन्दप्पा मुदाली स्ट्रीट,

साहूकार पंथ, मद्रास-600079

(तमिलनाडू)

फोन नं. 34790-37310

जे स्वस्थ समझ्या विना, भटक्यो काल अनन्त ।
ते सद्गुरु ना चरण माँ, बन्दन वार अनन्त ॥

With best compliments from .

SURENDRA M MEHTA
(Trustee)

BAPALAL & CO.
(Jewellers)

(Govt Approved Valuers)

- ☐ Diamonds Merchant
- ☐ Jewellers
 - ☐ Goldsmiths and Silversmiths Dealers in Precious
 - ☐ & Semi Precious Stones

Exporters & Importers

29, RATAN BAZAR,
MADRAS-600003 (T N) INDIA

Tel No 564397-564398
GRAM-'BAPALALCO'-MADRAS

हार्दिक शुभकामनाओं सहित--



भोपाल चन्द पगारिया
एस० भोपाल चन्द

इलेक्ट्रीकल्स सामान के निर्माता एवं विक्रेता

9, वी. वी. के. अयंगर रोड़,
बैंगलोर-560053 (कर्नाटक)

फोन नं. ऑफिस : 71503
घर : 29475

भोपालचंद पगारिया
पगारिया मार्केट, माम्बल पेठ, बैंगलोर-560053 (कर्नाटक)



स्व सेठ श्री प्रेमराजजी श्री श्रीमाल (दुर्ग-म. प्र.)

जीवन परिचय

आपका जन्म स 1961 बंगाल मुर्शि 3 न गजस्थान क जाधपुर जिले क मुप्रसिद्ध ग्राम तीवरी म हुआ, आपके पिताजी का नाम था राजमल जी एवं माताजी का नाम श्रीमती धातुवादी या। आपका विवाह जाधपुर म तावरी ग्राम क ही पारत्र परिवार में भावराज जी कानमल जी क यहाँ श्रीमती जयमती बाई स हुआ।

आ (म प्र) की वर्तमान स्थानवासी जन भावक सध, दुा क प्रथम श्री भवरलाल जी श्री श्रीमाल दुा नराफा क प्रमुख व्यवसायी श्री माहलाल जी श्री श्रीमाल एवं दुा जिला भारतीय जनता पार्टी क प्रथम श्री ताराचंद जी श्री श्रीमाल क प्रथम पिताजी धर्मनिष्ठ मुभावक श्री प्रमराज जी श्री श्रीमाल का 81 वर्ष की आयु म दिनांक 13-1-86 क दिन म 10.15 बजे स्वाध्याय मुनित-मुनित हृदयगति म जान न देहावमान है। आ। आपक निधन का समाचार सुनते ही सबके शोक की लहर छा गई, नगर क कौन-कौन से प्रतिम दिन क लिए अपार जन समूह जमड़ पड़ा। समस्त सराफा बाजार एवं समाज की दुःखान व सिंघप सस्थान बढ़ गई।

जन्म भूमि तीवरी ग्राम क प्रति आपक हृदय म अगाध प्रेम था, वहाँ की हाइस्कूल न्यायालया, गाँवला, स्थान एवं अस्पताल आदि म आपका प्रमुख सहयोग रहा है।

अंतिम समय म आपक बहुते ही उच्च भाव न, स्वाध्याय ध्वज उरत करत तत पच्छिवाण म प्रहलान है। स्वर्गीय भावक जा का पुण्य स्मृति म परिवार क नभी सदस्यों क मानस म समाजी-पयोगी कदम काय करत की शून भावना है। आप अग्रत पीछे तीन पुत्र एवं भग पूरा समय परिवार छाउर स्वर्ण निगर। आपक पात्र में भक्त जन मध्यप्रदेश युवा संघस क मनुष्य तबिय व पुन नगर निगम क स्थायी समिति क अध्यक्ष है।

एन धर्मनिष्ठ उदारमना समाज सेवा आत्मा भावक जी क निधन म समाज की अपूरणीय गति हुई, ह जिनकी प्रति हुना मुश्किल है। जिनपर देव से प्रायना है कि, स्वर्गस्थ आत्मा की म तब शानि प्रदान कर आक सतप परिवार का उनक रहन दुःख सहन कर्म की शक्ति दें।



स्व. श्रीमती मोहनबाई मेहता (बम्बई)

जीवन परिचय

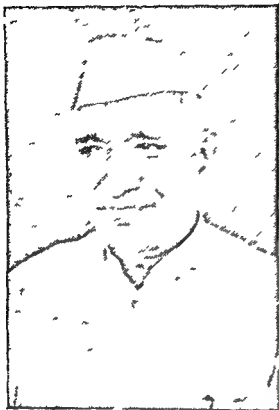
बम्बई—श्र भा साधुमार्गी जैन सघ के उदीयमान अध्यक्ष श्रेष्ठीवर्य श्री. चुन्नीलाल जी एच मेहता की धर्मपत्नि सुश्राविका श्रीमती मोहनबाई मेहता का 57 वर्ष की आयु में दिनांक 10-12-1985 दिन मंगलवार को साय 5-00 बजे हृदयगति रूक जाने से असामयिक देहावसान हो गया। आपके स्वर्गस्थ होने के समाचारों को सुनते ही सर्वत्र शोक की लहर छा गयी। देश के कौने कौने से अग्निम दर्शन के लिए अपार जन समूह उमड़ पड़ा।

आप बहुत ही समाजसेवी, दयालु एवं उदारमना थी। किसी भी व्यक्ति को किसी भी स्थान पर आपके सहयोग की आवश्यकता होती तो आप सदैव उदार हृदय में सहयोग करती थी। जीवदया में आपकी विशेष रुचि थी। परिवार से सभी सदस्यों के लिए आप धर्मगुरु के रूप में मार्गदर्शक थी। आप धार्मिक एवं नैतिक सस्कारों पर विशेष बल देती थी। आपकी मद्प्रेरणा में ही श्रीमान् मेहता नाहव के व्यस्त व्यवसायी जीवन में धार्मिक जागृति आई एवं पूरे परिवार में धार्मिक वातावरण बन गया।

आप बहुत ही लग्नशील और कर्मठ कार्यकर्ता थी। आपकी लगन, धार्मिक निष्ठा एवं सेवाभक्ति बहुत ही अनुकरणीय थी। परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर श्री 1008 श्री नानाभाजी न ना. के वीरचित्ती एवं घाटकोपर चातुर्मास में आपका अविस्मरणीय योगदान रहा है। आपने ही नदप्रयागों में घाटकोपर में 6 बहिनों की ऐतिहासिक दीक्षाओं का भव्य आयोजन हो पाया।

आप अपने पीछे दो पुत्र एवं तीन सुपुत्रियों का जरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

ऐसी धर्मनिष्ठ, समाजसेवी, नदगृहिणी, उदारमना, आदर्श सुश्राविका के देहावनान में समाज की परमणीय क्षति हुई है। आपके देहावनान पर देश के अनेक गणमान्य नेताओं, राज्यों के मुख्यमंत्रियों, मानस, विद्वानों, चण्डि प्रतिष्ठानों, समाज व नगर प्रभुओं, अनेक समाजसेवी संस्थाओं, गौरवार्थक संस्थाओं व कई महान् नातों ने भी आदिकृत्य व्यक्त किया है।



स्व श्री पुखराजजी कावडिया [सादडी-बम्बई]

जीवन परिचय

आप सादडी मारवाड के मूल निवासी थे। आप श्री वर्तमान स्थानकवासी जन आबक सघ, सादडी (मारवाड) एवं जन गुरुकुल सादडी (मारवाड) के मंत्री भी रह चुके थे। आप बम्बई में मेमम न्यू राजमणि ट्रांसपोर्ट कार्पो के नाम से ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय करते थे। आपकी मेमम राजस्थान, गुजरात में कई जगह गांव आफिस है। आप बहुत ही मृदुभाषी, हसमुख मिलन, कमल भोज सेवी कार्यकर्ता हैं। सामाजिक धार्मिक कार्यों में मदद अग्रसर रहते थे। आपके तानिधर में सादडी मारवाड में अत्यंत चिकित्सा ४ शिविर में लगभग 350 से अधिक आपरेशन भी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए हैं। आप अपने पीछे 3 पुत्र, 4 पुत्रियां एवं 100 वर्षीया पत्नीजी एवं भरे-पूरे परिवार को 13-9-85 को छोड़कर स्वा प्यारे हैं। इस वय आपने पुत्रों न प्रानु पत्नी पर लगभग 200 सेता प्रायश्चित्त दानियां भी आयोजन करवाया है।

आपकी धार्मा का बिग प्रानि मिने रही प्रार्थना है।

— विनीत —

अमृतलाल कावडिया

सम्पत राज कावडिया

एवं मेमस्त परिवार एवं न्यू राजमणि ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन के कमचारी सदस्य

भाग सप्तम्

विज्ञापन

समन्वय संगठन और एकता जैन शासन की
त्रिवेणी है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ खार, बम्बई

3रा रास्ता, रेल्वे स्टेशन के सामने, खार रोड,
बम्बई-400052 (महाराष्ट्र)



सुखलाल कोठारी
अध्यक्ष

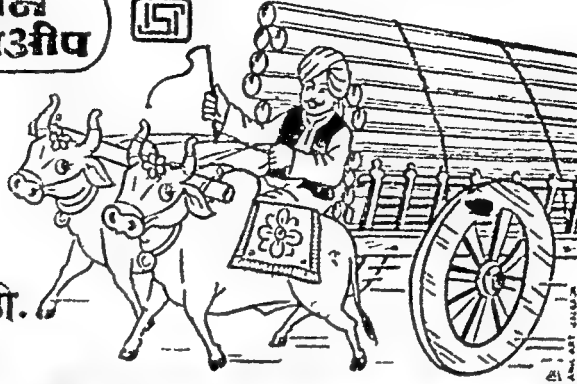
रमणीकलाल देसाई
सूत्री

प्रायः प्रायः प्रायः

4 रिजिड पी.व्ही.सी ▶ 40 वर्षाहून अधिक गॅरंटी असतेले-



शेतात किंवा
नागरी व
ग्रामीण
पाणी पुरवठ्यासाठी.



उत्पादक - जैन पाओप मॅन्युफॅक्चरिंग कंपनी
जैन अल्टरप्राइड्स
जैन फार्म अँड जन्सीज

पो. बा. 20 फोन 3209
जलगांव 425002

भारतात सर्वप्रथम

- ❖ रिफाईन्ड पेपेनचे अग्रगण्य उत्पादक 100 टक्के पाश्चिमात्य देशात निर्यात करणारी व कृषि प्रधान सह व्यवसायी संस्था
- ❖ देशाला परकीय चलन मिलवून देवून देशाचा आर्थिक विकासाला हातभार

उत्पादक — जैन प्लॅस्ट्रीक अँड केमीकल प्रा० लि० जलगांव

152, पोलन पेठ, पो. बा. न. 20, जलगांव-125002 (महा.)

उत्तम गुणवत्ता आणी मन पसत स्वाद याचा मुखेख सगम ! उत्तम गुणवत्तेच्या फ्रुट कॅंडीचे उत्पादक

जैन फुड्स

152, पोलन पेठ, पो. बा. नं. 20,
जलगांव-425002 (महा.)
फोन : 3209-5, फॅक्टरी-3132

ट्रॅक्टर जगातील चमत्कार 1977-78 पामुन भारताम सर्वाधिक विक्री ज्ञानेने जत्याधुनिक सुधारीत व आकर्षक एस्काटं ट्रॅक्टरचे नविल मॉडेल अधिक माहिती घालीन पत्तावर भेटा—

- ❖ फिटक नाशके
 - ❖ रासायनिक खते
 - ❖ सुधारीत वियाणे
 - ❖ ले लॅंड ट्रक
 - ❖ मोटर सायकल या वस्तुचे अधिक विक्री करणारी जैन ब्रदर्स व त्याचे व्यवसायी संस्था
- अधिक माहिती करीता भेटा—

जैन ब्रदर्स, जलगांव

192, पोलन पेठ, पो. बा. न. 20, जलगांव-125002 (महा.)

चाहे चन्द्र से आग बरसने लगे और पृथ्वी जलट जाय, किन्तु सत्य पुरुष झूठ कदापि नहीं कह सकते ।

With best compliments from :

卐

Phone 27581

A. R. POWERLOOM TEXTILES

HAND LOOM & POWER LOOM CLOTH MERCHANTS

No 21-A Mohan Market, 1st floor
GAUHATI-781 001 (ASSAM)

॥ धी ॥

एक अहिंसावादी मर भले ही जाय पर अन्यायपूर्वक किसी का प्राण या धन हरण नहीं करता ।
चातुर्मास्य विराजमान सभी सत सतियों को वन्दना अर्ज है हार्दिक शुभकामनाओं सहित-

शशीकांत पूनावाला

श्री रामदेव कोकोनट सप्लायर्स

नारियल तथा साबुदाना व्यापार के लिए एकमेव विश्वसनीय स्थान

67, देवागम पल्लियार कार्देल स्ट्रीट, सेवा पेठ, सेलम (SALEM)-636 002

(S Rly) (वभिलनाडू)

(पता अंग्रेजी में ही लिखें)

सम्बन्धित फ़ोन—

फ़ोन 50941, 50764

तार "SUYOG"

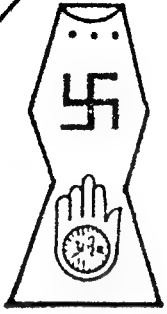
कनकमल चुन्नीलाल गुगलिया

373-A शनिवार पेठ,

कन्याभाला प्लेग्राउण्ड के पास,

पूना-411 030 (महाराष्ट्र) फ़ोन 30569

श्री महावीराय नमः



मार्गेश

नमकीन मंडार

न
म
की
न

मि
ठा
इ
याँ



नित्य प्रेमिंग

वजन १ किलो

उत्तम सामग्री से निर्मित

निर्माता व विक्रेता :- जमनालाल कस्तूरचन्द जैन
२८, बडा सराफा, इन्दौर
ब्रांच :- ८, सोवसतीगली, (भांग चोटे के सामने, इन्दौर)

हार्दिक अभिनन्दन—

मेवाड़ भूषण प्रतापमुनि श्रमण सेवा समिति उदयपुर (राजस्थान)

कन्हैयालाल नागोरी
अध्यक्ष

इन्द्रासह बाबेल
मन्त्री

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

संगीत पेलेस

165, जेलरोड इंदौर

बी सी पी , बेल टेक , बी सी आर, केसेटस् इलेक्ट्रानिक गस, सायटर, एष,
इलेक्ट्रानिक जायटम के प्रमुख विक्रेता

सहयोगी प्रतिष्ठान

जैन सेव भण्डार

13, सुभाष माग, (चिमन बाग)-इंदौर

श्रेष्ठ नमकीन के निर्माता एवं विक्रेता

प्रो तेजमल मुलचन्द जैन

आचार्य प्रवर परम पूज्य गुरुदेव श्री 1108 श्री जीतमलजी म. सा. आदि
ठाणा का चातुर्मास नागोर में हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र,
तप की प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत सफल बने ऐसी शुभमंगल कामनाएं करते हैं:-

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

F. Pukhraj Jain
Pukhraj Gyanchand
Munot

301/-D, Velechery Road, Tambaram (East) Madras-600059 (IN)

Tel 48407

श्रमणापासक घन्य व, जो देते शुभ दान
दयालुता को दे दिया, जिमने ऊँचा स्थान ।

हादिक शुभकामनाओं सहित

मोतीचन्द चौरड़िया

फायनेन्सियर्स

१

79, जनरल मुथिया मुदलई स्ट्रीट, साहूकार पेट
मद्रास -9600079 (तमिलनाडू)

फोन आफिस-33270 निवास 33279

श्रमण सुधीय प रत्न महान सबामावी शात-नूर्तो श्री रूपन्द्र मुनिजी म मा प्रवक्तक प रत्न श्री उमेय
मुनि जा म मा 'बणु' जदि ठाणा का मघनगर (मध्यप्रदेश) म 1986 चातुर्मास पान दशन
चारिन तप की धार्मिक प्रवृत्तिया से सम्पन्न हा ऐसी मंगल वामनाजो क साथ—

हादिक शुभकामनाओं सहित—

रमेशचन्द्र तलेसरा

चौपडा मेहरू रोड,
कुशलगढ़ (म प्र)

रमेश चन्द्र तलेसरा
C/o किशन कृषि मन्शालय
कुशलगढ़ (म प्र)

उपप्रवर्तिनी पंजाब सिंहनी परम विदुषी महासती जी श्री केशर देवी जी म. सा.
आदि ठाणाओं का 1986 वर्ष का चातुर्मास खार बम्बई में सभी
धार्मिक प्रवृत्तियों के साथ सौल्लासपूर्ण वातावरण में
सम्पन्न होने की मंगलकामनाएं करते हुए

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

पंजाब जैन भ्रातृ सभा

काशीराम स्मृति भवन,
अहिंसा भवन, अहिंसा मार्ग
खार रोड़ (वेस्ट)
बम्बई—400052 (महाराष्ट्र)

फोन : 542509

समग्र जैन समाज के पूज्य मुनिराजों महासतीयां जी
म सा के मंगलमय चातुर्मास की
हार्दिक सफलताओं की मंगल
कामना करते हुए -
हार्दिक शुभकामनाओं सहित -

फोन — 26276

रेडीमेट क्लॉथ स्टोर

कपड़े के थोक विक्रेता

36, मोहन मार्केट गुवाहाटी (आसाम) 781001

संस्थापक — रिघकरण भुरट

पटित रत्न पुज्य गुरुदेव श्री विनोद मुनिजी म सा
का 1986 का चातुर्मास गुवाहाटी नगर
में होने एव उनके स्वास्थ्य की
मंगल कामना करते हुए -

हार्दिक शुभकामनाओं सहित -

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ

गुवाहाटी (आसाम)

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन भवन
ए वी राठ गुवाहाटी (आसाम) 781001

उपाश्रय ऐदले

आध्यात्म ज्ञान नो भंडार छे ।
रिद्धि-सिद्धि नो अंवार छे ।
शुभ ध्यान नो शृंगार छे ।
शान्ति रसनो शृंगार छे ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

भीखालाल वृजलाल दोशी
मनसुखलाल वृजलाल दोशी

86, त्र्यंबक भुवन

भाऊ दाजी स्ट्रीट

किंग्स सर्कल

वम्बई-400019 (महाराष्ट्र)

“जय गुरुदेव नाना”

नमो विभक्ति, समीक्षण, ध्यानयोग, धर्मपान प्रतिवाक्य, वान ब्रह्मचारा परम उपकारी, धर्म पूज्य गुरुदेव
यो नानालातजी म ना जादि टागा 8 एब परन विदुषी महामनी यो नगर कुँरवी म मा
आदि टागा 9 वाइस वष का चानुर्मसि 1986 ब्रगाव (महा) म ज्ञान दधन चारित्र,
तप की जाराधना म परियुष हान नी मान कामना करते हुए —

हार्दिक शुभकामनाओ सहित —

राजमल खटोड

प्रमाणिक स्टोर्स

बनाज, बिराना, सूखे मेवे के थोक व्यापारी

203/4, सान्नि निम्नन, पानिम स्टेशन के पार कुर्वा (वेस्ट)

बम्बई—400070 (महा) फोन न 5/29108

मेघ की तरह दानी भी चार प्रकार के होते हैं —

कुछ वासते हैं, देते नहीं । कुछ देते हैं, कभी बोलत नहीं ।

कुछ बोलत भी है और देत भी हैं । और कुछ न बोलते हैं, न देत हैं ।

With Best Compliments From :

Kamal Chand Jain & Co.

Motor financiers & commission agents

Chand Market (2nd floor) A T GUWAHATI-781001 (Assam)

□ Gram shreekamal Phone 32783

पुन. लौट नहीं आ सकती जी, बीत चुकी स्वर्णिम घड़ियाँ ।
टहनी से जो टूट चुकी है, खिल नहीं सकती वे कलियाँ"॥

With Best Compliments From :



Grams : JAINMEDICO

Phone : Off. 258749 Res. 223649

Mercury Agencies

13, B.V.K. Iyengar Road, 1st Floor Mahaveer Mansion,
P. B. No. 7639 BANGALORE-560 053

इतिहास मातण्ड, सामायिक स्वाध्याय प्रणेता प रत्न महामहिम आचार्य प्रवर पूज्य श्री हस्तीमलजी
म सा की सुशिष्याएँ परम विदुषी कोकिल कठी प्रभावी व्याख्याणी महासतीजी श्री मैना सुन्दरीजी
म सा आदि ठाणा 6 का इस वष रायचूर चातुर्मास ज्ञान दर्शन चारित्र्य
तप की आराधना से परिपूण सौल्लास वातावरण से सम्पन्न होने
की मंगल कामना करते हुए -

हार्विक शुभकामनाओ सहित —

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ

जैन स्थानक, महावीर चौक,
रायचूर—584101 (कर्नाटक)

सधपति
पीरचन्द बोहरा

फोन 8055

"जय गुरु हस्ती"

सामाजिक स्वाध्याय के प्रणेता, आचार्य प्रवर श्री हस्तीमल जी म सा आदि ठाणा 1॥ एव विदुषी
महासती श्री शांती कुवरजी म सा ठाणा 7 पीपाह सिटी में चातुर्मास इस वष
1986 में ज्ञान, दर्शन चारित्र्य, तप की आराधना से परिपूण होने
की मंगल कामना करते हुए—

हार्विक शुभकामनाओ सहित—

भूरालाल रामदयाल सराफ

सराफा बाजार, opp नगर पालिका

सवाई माधोपुर—(राज) 322021 (राज) फोन न 407

सम्बन्धित फर्म—

- ❖ जैन अम्ब्रेला फैक्ट्री—सवाई माधोपुर
- ❖ नमोकार ट्रेडर्स वजरिया स्टेशन सवाई माधोपुर
- ❖ भूरालाल रामदयाल जैन, सवाई माधोपुर

ते गुरु मेरे मन बसो, जे भव जलधि जहाज ।
आप तिरे पर तारहिं, ऐसे श्री मुनिराज ॥



हार्दिक शुभ कामनाओं सहित

गजराज मेहता

शाह चम्पालाल गजराज मेहता

बैंकर्स

46, एगमोर हाई रोड,
मद्रास-600008 (तमिलनाडू)

फोन नं. 567782

युग प्रधान आचार्य प्रवर श्री तुलसीजी म सा एव युवाचार्य श्री महाप्रज्ञजी म. सा
आदि ठाणाओ का लाडनू (राज) में 1986 चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण
में ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तप की प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत सफल बने ऐसी शुभ
मंगल कामनाएं करते हैं ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

Phone 76667 Res 73956, 74152

Tulsi Corporation

Pharmaceutical Distributors

Mohan Dhariwal

P B No 7922, 2nd Floor,
Mahavir Mansion,
13, B V K Iyengar Road,
Bangalore-560 053 (Karnataka)

मेवाड संघ शिरोमणी प्रवर्तक पूज्य गुरुदेव श्री अम्बालाल जी म.सा. प्रवचन भूषण, थमण
संघीय सचिव श्री सौभाग्य मुनि जी म.सा. कुमुद आदि ठाणाओं का चातुर्मास
भादसौड़ा (राज.) एवं राजस्थान सिंहनी विदुषी महासती जी श्री प्रेमवतीजी
म.सा. आदि ठाणाओं का उदयपुर चातुर्मास ज्ञान दर्शन चारित्र्य तप
एवं साधना से ओत-प्रोत रहे ऐसी मंगल कामनाएँ करते हुए

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

प्यारेलाल जैन शाह आर. पी. जैन

डीलर्स—तांबा, पीतल, स्टील; हिण्डालियम, एल्युमिनियम, युटिनसील्स, प्रेसर
कूकर, एवं गृहोपयोगी वस्तुओं का एक मात्र विश्वसनीय स्थान (प्रेसर
कूकर, एवं मिक्सर स्पेयर पार्ट्स एवं रिपेयर्स)

न्यू शान्ती भुवन, स्टेशन रोड़,
कांदिवली (वेस्ट)
बम्बई-400067 (महा.)
फोन-697367

With best compliments from :

ALPA TEX

Cotton Sarees Merchant

26/28, Old Hanuman Galli
Kalbadevi Road
Bombay-400 002

त्रिनका मन धृत-मेवा लीन, प्रता प्रतिमा-प्रखर प्रवीण ।
इन्द्रिय-सयम, निद्रा त्याग, उन चरण मे धर अनुराग ॥

Ph 73009

Shri Nakoda Trading Co. Mahaveer Textile Agencies

Whole Sale Cloth Merchant

3-3-431 2nd Floor
Opp Mahakali Temple
Secunderabad-500003

Textile Indenting Agents

3-3-431, 2nd Floor
Opp Mahakali Temple
Secunderabad-500003

Surana Agencies

Textile Indenting Agent

3 3-431, 2nd Floor Opp Mahakali Temple
Secunderabad-500003

卐 “श्रमण भगवान महावीर का अमर संदेश” 卐

जिओ और जीने दो

—भगवान महावीर

LIVE AND LET LIVE

—Bhagavan Mahaveer

पिछले 44 वर्षों से लगातार राष्ट्रीय प्रगति के पथ पर

हम पिछले 44 वर्षों से देश के एक कोने से दूसरे कोने तक जन जीवन की मूल आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु सक्रिय हैं। आम जनता के साथ-साथ हम राष्ट्र सेवा में भी रत हैं। हम लम्बे समय से गतिशील हैं.....

44 वर्षों तक के कठिन परिश्रम से हमने अपनी उपलब्धियों का कीर्तिमान स्थापित किया है।

आज देश भर में हमारे 351 कार्यालय हैं।

सदैव, दिन और रात, सवानी ट्रान्सपोर्ट के ट्रक निरन्तर अपने पथ पर गतिशील हैं। हमें मीलो लम्बा पथ तय करना है... ..

लक्ष्य प्राप्ति हेतु, और अपने राष्ट्र की उन्नति के लिए आने वाले वर्षों तक, सवानी ट्रान्सपोर्ट अनवरत उस पथ पर अग्रसर होता रहेगा।



★ शीघ्र एवं सुरक्षित व्यवस्था से डिलीवरी करने वाली एकमात्र विश्वसनीय कम्पनी ★

सवानी ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड

Savani Transport Private Limited

प्रशासकीय एवं प्रधान कार्यालय :

ब्राडवे शॉपिंग सेन्टर, दूसरी मजिल

अ. अम्बेडकर रोड

वाडर, बम्बई-400014

फोन . 8825610-41



क्षेत्रीय कार्यालय :

66, यम्बुचेट्टी स्ट्रीट

मद्रास-600001 (तमिळनाडू)

फोन : $\begin{cases} 514123 \\ 511111 \\ 510830 \end{cases}$

ग्राहक-“LUGGAGE”

एस.एम.एस. जैन

जोनल मैनेजर, तमिळनाडू

पूरे भारत में माल की बुकिंग हेतु आज ही हमारे से सम्पर्क कीजिए ग्राहकों की इच्छा पूरी करना ही हमारा उद्देश्य है।

—सवानी ट्रान्सपोर्ट

With best compliments from

Shantilal Chhotalal & Co

Stationers, Printers & Paper Merchant

32, BOMBAY SAMACHAR MARG, FORT, BOMBAY-1

Tel 271906 / 272515

AND

Associates Concern

C. K. Steel Traders

Iron & Steel Merchant

254, S T Road, Iron Market, Bombay-9

Tel 343427 326278

With best compliments from



Quick Clearing Agency

Clearing & Forwarding Agents

Custom House Agent Lic No 11/145

211, Shahid Bhagatsingh Road, Fort, Bombay-400 038

Telephones 260434 261766

Gram QUICKAGENT

समग्र जैन समाज के सभी पूज्य मुनिवरों, महासतियाँजी म. सा. के चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण
में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य, तप की प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत सफल बने ऐसी शुभ
मंगल कामनाएँ करते हैं ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

**PRINCE
PLASTICS**



**Mfrs. & Exporters of Plastic Household,
Gift, School & Stationary Item**

Factory :

Prince House, 51 (3), Marol Co-op. Industrial Estate,
M V. Road Andheri (E), Bombay-400 059 INDIA.

Phones : 632 38 87/632 38 88

Gram : HOUSEWARE-400 059

Office : 312, Churchgate Chambers, 5, New Marine Lines, Churchgate
Bombay-400 020 (India)

Phones : 29 49 33/25 56 72 Gram : HOUSEWARE-400 020 Telex : 011 6332 PEXO IN

With best compliments from .

Panchratna Printing Press

29, Ghanshyam Industrial Estate, Veera Desai Road, Andheri (West)

BOMBAY 400 058

Tel Off 620204, 629863 Res: 576177

Pan. Progress Printing Press

34, Cawasji Patel Street, 1st Floor, Fort, Bombay 400001

Off 252740 Res: 576177

With Best Compliments From :

Phone Off 591496 Res: 5126566

Ramniklal Brothers

Dealers, Stockists & Suppliers of

Super, Enamelled, D C C, S C C Coper Wires, Leatheroid, Presphan
Papers Insulating Varnish, Empire Cloth Tape, Sleeving All Types
of Capacitors & Ball Bearings

Pahilaj Kunj, Lohar Ali, Station Road, THANE (Mh)

परशंसक हो बहुत पर, निन्दक एक न होय ।
वह मनुष्य संसार में, गफलत में रहे सीय ॥

With best compliments from :



N. J. Shah & Bros.

66, Vaju Kotak Street,
Room No. 25, 2nd Floor
Fort
Bombay-400 001

With best compliments from :

Hello 313287



New India Optical Co

Sun-n-Spects Boutique & Contact Lens Clinic

416, Kalbadevi Road, Opp Vasantwadi, BOMBAY-400 002

With best compliments from .

Tele Office 322918, 336644 Res 474194

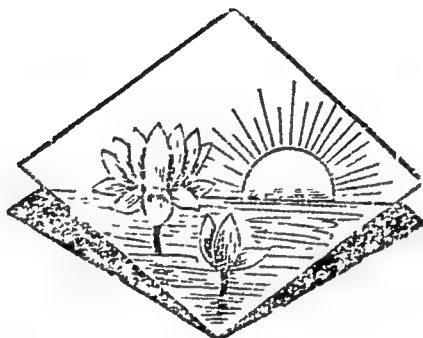
MAHAVIR ENTERPRISES

Stockist & Suppliers

Iron * Steel * Hardware * Pipes

**254, Sant Tukaram Road, Carnac Bunder,
Iron Market BOMBAY-400 009**

With best compliments from :



Parag Print Process

36, Western India House, Sir P.M. Road, Fort
BOMBAY 400 001

Specialised in :

**Printing of Annual Reports, Share Certificates,
Dividend Warrants, Continuous Stationery
and other corporate jobs.**

4

With best compliments from :

Phone 253008

CHHAGANLAL KESHAVJEE

Stationery & Drawing Materials

22-A, S A Brelvi Rd Bombay 400 001

With best compliments from :

NIYATI ELECTRICALS

DEALERS IN

Electrical Goods & Electronics Equipments

Ranveer Building, Samaldas Gandhi Marg, Bombay-400 002

Tel C/o 31 71 93

With Best Compliments From :



Coelho Refrigeration Services

□ Airconditioning □ Refrigeration
□ Engineers

Work Shop—Spray Painting

Thukral Mansion, Plot No, 18 Adarsh Society, Ramchandra Lane
Malad (West) BOMBAY-400 064

Tel. : 364869 c/o. 695446

जो साधक गुरु के समक्ष अपने दोषों को स्पष्ट रूप से बता और उनकी आलोचना
तथा प्रायश्चित्त लेकर शुद्ध हो जायेगा वही ध्यान के क्षेत्र में प्रगति कर सकेगा ।

With Best Compliments From :

I. KAMDAR & CO.

126/128, Nagdevi Street Bombay-400 003
(INDIA)

With best compliments from

Ashwin Shah
DHARMESH ENTERPRISES

Dealers in Chemical Plant & machinery

**Har: Om Apts, C 3 Bldg 2nd Floor, Block No 210 S V Road,
Borivli (W), Bombay-400 092**

Tele 8727231 892459

समग्र जैन समुदाय के पूज्य मुनिराजो एवं महासतीयांजी म. सा. के 1986 वर्ष के
चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान दर्शन चारित्र्य तप की प्रवृत्तियाँ से
ओत-प्रोत सफल बने ऐसी शुभ मंगल कामनाएँ करते हैं

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

J. Roopchand Vardia **SILVER-SHOP**

(JEWELLERS)

235, Triplicane High Road.
Madras-600 005 (T.N.)

Tel. Phone. 845519



संबंधित फर्म--

फकीरचंद रूपचंद वरडिया

हर प्रकार के वर्तनों के व्यापारी

चौ का मण्डा, पातो-मारवाड (राज.) 306401

Tel. P.P. 6792

With best compliments from :

Tel 254631

M/S. ASIAN ENTERPRISE

Siemens & L T / L K Switchgears

Sales Offices

52/54 Popatwadi,
Saroj Bhuvan, 2nd Floor,
Bombay-400 002

Residance

12, Kirtivihar 2nd Floor,
L B Shastri Marg,
Near Sarvoday Hospital,
Ghatkopar, Bombay-86

With best compliments from

Phone 313475
Res: 623654

SHROFF & COMPANY B R H BROTHERS

Specialist For

Spring Steel Strips, Band Saw Blades, Circular Saws,
Emery Wheels & Engineering Tools
95/A, Dhurubhai Parikh Marg, (Old Hanuman Lane), Bombay-400 002

अहम्

श्री वर्धमान महावीर बाल निकेतन

आबू पर्वत (राजस्थान)

आप अपने प्यारे नन्हे मुन्ने के जीवन को उन्नत एवं आधुनिक बनाना चाहते हैं तो इंग्लिश के अध्ययन के साथ-साथ नैतिक तथा धार्मिक शिक्षण प्राप्त कराने के लिए 'श्री वर्धमान महावीर बाल निकेतन' में ही प्रवेश दिलवावे

यहाँ पर यही एकमात्र जैन बच्चों का छात्रावास (होस्टल) है जहाँ विनय विवेक का प्रशिक्षण दिया जाता है.

- ❖ इंग्लिश का शुद्ध एवं शीघ्र उच्चारण तथा लेखन.
- ❖ आरोग्यवर्धक शुद्ध व सात्त्विक भोजन.
- ❖ रहने की उत्तम व्यवस्था.
- ❖ खेल एवं मनोरंजन के आधुनिक सभी साधन.

प्रवेश पत्र के लिए सम्पर्क करें —

व्यवस्थापक,

श्री वर्धमान महावीर बाल निकेतन

"श्री वर्धमान निकेतन", देलवाड़ा रोड, आबू पर्वत (राजस्थान)

पिन कोड—307 501

फोन न. 58

हादिक शुभकामनाओ सहित — ॥ जयमहावीर ॥

महावीर के नमकीन

नमकीन के नायक

विक्रय केंद्र

महावीर सेव भण्डार

विदवड माग (बठवालो चौकी) इंदौर 452 002

महावीर नमकीन सेंटर

मरवटे बस स्टैंड मेन गेट के सामने, इन्दौर

प्रो० राजमल रामनिवास जैन

हादिक अभिनन्दन

सुन्दरम् विअर

रेडिमेड वस्त्रों के थोक एवं खेरीबी यापारी

22, सुभाष चौक, इन्दौर-2 (म प्र)

प्रो० सुनील छिगावत

सहयोगी प्रतिष्ठान -- अरिहन्त इन्टरप्राइजेसेस

केसर दीप मार्केट, इमली बाजार, इन्दौर 452002 (म प्र)

हादिक शुभकामनाएँ—

फोन दुकान-260872

घर-266270

माणकचन्द जैन गोटे वाले

2045, मिनारी बाजार दिल्ली-110006

“जयभिक्षु”

“जय तुलसी”

युग प्रधान आचार्य प्रवर श्री तुलसीजी म. सा., युवाचार्य श्री महाप्रज्ञ जी
म. सा. आदि ठाणाओं एवं महासतीयों जी म. सा. आदि ठाणाओं
का इस वर्ष 1986 का लाडन् (राज.) में 'चातुर्मास हर्षोल्लास
वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र तप की प्रवृत्तियों से
ओत-प्रोत सकल बने ऐसी शुभ मंगल कामनाएं
करते हैं

हादिक शुभकामनाओं सहित

**A. Parasmal, Shantilal Jain
Dhariwal**

**2-B police Station Road
Pallavaram, Madras-600043**

(T N.)

Phone . 467111

हादिक शुभकामनाय-

जैन श्वेताम्बर सेव भण्डार

श्रेष्ठ नमकीन के निर्माता एवं विप्रेता

15, छत्रीपुर मेन राड, इंदौर-452002

प्रो० सरजमल तिलोक चन्द जैन

Jai Bhiksu

Jai Tirthi

With Best Compliments From —

Kamal Sev Bhandar

BEST NAMKIN MANUFACTURES AND SCALES

266, Jawahar Marg (Raj Mohalla) Indore, (M P)

Phone No 38287 P P

PR—Kanhya Lal Jain

सदैव याद रखिए —

फोन नं 30725



कमल सेव प्रिन्टर्स

विगपताएँ — • बहुरंगी एवम कृत्रिमक छपाई का एउमान स्थान • विलंबक • लेटरपड • ननपविका

• निमंत्रण काड • विनिर्दिता काड एवम समस्त प्रकार की छपाई की जाता है

6/1, नार्थ राजमोहल्ला, इंदौर 452002

हादिक शुभकामनाय-

सवेरा टाफी

216, जवाहर मार्ग, (राजमोहल्ला) इंदौर 452002

उच्चतम क्वालिटी के गोली विस्कुट के विप्रेता

प्रो० रूपन कुमार जन

With best compliments from :

Marudhar Electricals

50, Lawyers Chamber, 3rd Floor, 26, Picket Road,
BOMBAY-400 002

Phone : 256507

Dealers For :

Everything in Electricals

Specialist For :

PVC. Wires, Cables & Flourescent Lighting Fixtures

Authorised Stockists :

"POLYCAB" Submerssible Cables "MONARCH" Lighting
Fixtures "KING COBRA" PVC Wires & Cables

Sole Distributors for Karnataka & Goa—

POLYCAB

P.V C. Power &
Control Cables
Multicore Fixible
& Submerssible
Cable

SOLAY

Electrical
Accessories

MONARCH

Luminaires

काम चाहे छोटा हो, चाहे बड़ा हो, उसकी सिद्धि के लिए सध शक्ति की परमावश्यकता है
अगर आपके पास धन है तो उसे पराधकार में लगाया
धन आपके साथ जाने वाला नहीं है धन के माह में मत पड़ो

With best compliments from :

HANSRAJ RAJENDRAKUMAR

19 A, Mohan Market, GUWAHATI-781001

Phone 28682

Mukesh Trading Co.

Hand Loom Cloth Merchants and Commission Agents

Krishna Talkies Road, ERODE 638003 (T N)

Phone 72078

तमे थाम एगे जाई

जाई थाम एगे तमे

—समदान महावीर

कभी-कभी अधकार (अज्ञानी मनुष्य) में भी उद्योति सदाचार का प्रकाश जल उठती है ।
और कभी-कभी ज्याति (ज्ञाना हृदय पर) भी अधकार (असदाचार) हावी हो जाता है ।

With best compliments from :

BHANWARLAL GOTHI

GHOTI GEMS

Financier & Diamond Merchant

161, Mint Street, (first floor) Sowcarpet,

Madras-600 079 (T N)

Phone Off 36425 Res 31154

॥ जय गुरु हस्ती ॥

इतिहास मार्तण्ड सामायिक स्वाध्याय के प्रणेता परम पूज्य गुरुदेव श्री 1008
श्री हस्तीमलजी म. सा. आदि ठाणाओ का पिपाड सिटी (राज.) 1986 वर्ष
का चातुर्मास ज्ञान दर्शन चारित्र्य तप की साधना से सोल्लासमय वातावरण
में सम्पन्न होने की मंगल कामना करता हुआ

गुरु हस्ती [के दो फरमान ।
सामायिक स्वाध्याय महान ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :



नेमीचन्द बोथरा

34, गाइड बिल्डिंग, 16 नेपियन रोड, बालकेश्वर बम्बई 400006

फोन-Resi-8125615

हार्दिक शुभकामनाएं—

आनन्द सेव भण्डार

श्रेष्ठ नमकीन के निर्माता एवं विक्रेता
393, महात्मा गांधी मार्ग
बड़ा गणपति चौराहा, इबौर (म प्र)
प्रो लड्डूलाल सजय कुमार जैन

हार्दिक अभिनन्दन—

पारस नमकीन केन्द्र

श्रेष्ठ नमकीन के विक्रेता
801, जल राह, इबौर
प्रो कमलेश चन्द नेमोचन्द जैन
सहयोगी प्रतिष्ठान
पारस नमकीन सेटर
सातलामाता बाजार (ननिया बाखल) इबौर (म प्र)

हार्दिक शुभकामनाएं—

फोन नं दुकान — 39038 पी पा
निवास — 22789

चोरड़िया पेटीकोट हाऊस

अनक डिजाइन एवं हज़ारों मंचिंग रंगों में होल सेल निमाना एवं विक्रेता
पेटीकोट के जघिकृत थोक एवं खेरीची विक्रेता
45/1, धनकर बाजार (सराफा थान के पास)
इबौर—452002 (म प्र)

हार्दिक शुभकामनाएं—

फोन नं 63343

सत्कार टेन्ट हाऊस

प्लावर डेकोरेटर्स
199, जवाहर मार्ग (मानगज) इबौर 452002 (म प्र)
== किराये पर लीजिये ==

शादी एवं पार्टी में लगन वाले समस्त सामान टेन्ट बनात दरी गादी सट स्टोल सट कुर्सी टवल
शक्ती बतन साफ़े एवं फूला का साज-सज्जा के साथ

卐 ॐ श्री जैन दिवाकराय नमः 卐

संघ सेवाभावी तपस्वी मुनि श्री मोहनलालजी म०सा० आदि ठाणाओं
का उज्जैन चातुर्मास ज्ञानदर्शन, चारित्र एवं तप की साधना
से सौल्लासपूर्ण वातावरण में सफल बने ऐसी
हार्दिक मंगल कामनाएं करते हुए

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

श्री मोहन भक्त मंडल

जैन दिवाकर स्मारक, सांगोद रोड,
रतलाम (मध्यप्रदेश) 457001

टेलीफोन नम्बर 1993

द्वारा संचालित

- (१) श्री जैन दिवाकर छात्रावास आवास व भोजन की समुचित व्यवस्था
- (२) श्री जैन दिवाकर चिकित्सालय (निशुल्क)
- (३) श्री जैन दिवाकर बाल मंदिर
- (४) श्री जैन दिवाकर पुस्तकालय

अध्यक्ष
हीरालाल मेहता

कीर्षाध्यक्ष
शांतीलाल रांका

मंत्री
मांगीलाल कटारिया

हादिक शुभकामनाएँ—

फोन नं दुकान —35558~22249
निवाय —64392

दलाल

जादव जी एण्ड कम्पनी

केवासीग एजेंट

15, मयोगिताग, इंदौर—452001 (म प्र)

चाम्बे ○ नीमच ○ इंदौर

हादिक शुभकामनाएँ—

इंदार के सुप्रसिद्ध मसाल क थाक एव खेरची विनेता

श्री अरिहन्त ट्रेडर्स

चिरोपताएँ —हल्दी, मिर्ची, धनिया, नमक, शक्कर, काली, मिर्ची मिलने का एक मात्र स्थान

प्रो नरेन्द्र कुमार हरकचन्द पटवारी श्यामपुरा वाले

187, जनता कालानी (दुबेजी का मकान) सुभाष मार्ग, इंदौर (म प्र)

हादिक अभिनन्दन—

फोन नं 39168

रमेश नमकीन भण्डार

54, इमली बाजार, इंदौर (म प्र)

श्रेष्ठ नमकीन एव मिठाई के निर्माता एव विक्रेता

नोट—हमार यहा पर शुद्ध ताजा नमकीन एव मिठाइया और साथ ही ताजा गरमा गरम इमरती
एव जलेबी हर वक्त तयार मिलती हैं ।

प्रो लक्ष्मी नारायण जैन

हादिक शुभकामनाया सहित—

फोन नं दुकान 39186 P P
निवाय 61724

अरिहन्त फर्निचर्स

आलमारा, चयर, पन्ग, साफामट, टेबलरूम स्टाल एव बुदन फर्निचर क निमाता एव विक्रेता

प्रो सुरेश जैन

209/14 जवाहर मार्ग राजमाहल्ला

परसराम पुरिया खुल, इन्दौर 452002 (म प्र)

With best compliments from :

Mandot Corporation

Distributors for: **Worsted Suitings for South India**

B 11-12, 1st Floor, S. P. market, A.m. Lane, Chickpet Cross,
BANGALORE-560 053

Phone 72891, 77726



Mandot Distributors

Distributor for : **Vimal Suitings & Shirtings**

No. 7, Gowraih Market, D K Lane, Chickpet Cross.
BANGALORE-460 053

Phone 77726, 72891

हार्दिक शुभकामनाओ सहित -

Phone 35296

C. Jabarchand Bokdia
FINANCIER

24, Chandrappa Mudali St Sowcarpet
MADRAS-600 079 (T N)

With best compliments from

Amrish Shah
H. Jagmohandas & Co.

176, Lohar Chawl, Bombay 400002

Phone 319832 297572

Gram BLOCK WOOD

With best compliments from :

Tel 563675

G. Bhikamchand Jugraj Jain

67/2, Polyar Kolu Street,
Ashok Nagar Shoolay,
Bangalore 560025 Karnataka

With best compliments from

Phones Office 33270
Res 33279

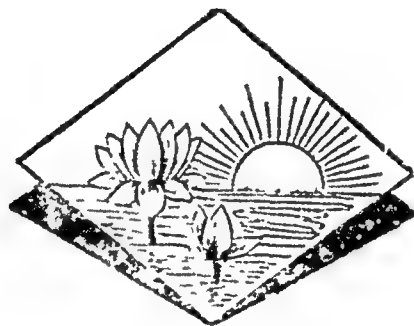
MOTICHAND CHORDIA

Financiers

49, General Muthia Mudali Street,
Sowcarpet,
MADRAS-600 079 (T N)

मानव की पूजा कौन करें, मानवता पूजी जाती है,
साधक की पूजा कौन करे, साधकता पूजी जाती है !

हार्दिक शुभकामनाओं सहित



शाह रतनचन्द दलीचन्द सराफ

सोने चाँदी आभूषणों के व्यापारी

406, रविवार पेठ, पुना 400003 (महाराष्ट्र)

जल अग्नि न सुख दुख के दाता, सेवन से ही इनको पाता ।
त्यो ही प्रभु भक्ति तथापमान है, अशुभ तथा शुभ फलदाता॥

With best compliments from



CHANDRAKANT GOSALIA

Architect & Consulting Engineer

R D Building
Station Road Malad (W)
BOMBAY 400064

Tel Office 68 20 46
Residence 69 21 56

M.L.A. Maharashtra Bombay

अमृत जल बिन्दु सर्प मुख में पड़ते ही विष बन जाता है।
सीपी में मुक्ता में दूध, यह पुष्प-भेद दिखलाता है ॥

‘जय गुरु नाना’

कुशल कुम्भकार मिट्टी से कुम्भ बना देते हैं
कुशल शिल्पी, इंट-पत्थर से भव्य भवन बना देते हैं
तप-तेज से शोभित है जीवन जिसका, ऐसे
समता योगी नास्तिणु को भी आस्तिणु बना देते हैं ॥

वन्दन शत-शत, वन्दन ॥

सुन्दरलाल संपतलाल तातेड़

दस्मानियों का चौक, ब्रीकानेर 334001 (राजस्थान)

खा-पीकर के हम पडे रहें, यह जीवन का है सार नहीं ।
बस जीव दया के तुल्य जगत में, अन्य धर्म व्यापार नहीं ॥

‘जग गुरु नाना’

अकुरण के लिये बीज में मिट्टी में मिलना जरूरी है
मूल्य पाने के लिये पानी को दूध में मिलना जरूरी है
ज्ञान को पाने के लिये अस्तित्व को, नयों
गुरु चरणों में विलीन करना जरूरी है ॥

वन्दन, शत, शत, वन्दन,

भँवरलाल नथमल तातेड़

C/o. आस करण कन्हैयालाल तातेड़

कपड़े के व्यापारी

एम एम रोड, करीमगंज (आसाम)

जो लोग शत्रुता करते हैं, वह खुद को नीच बनाते हैं ।
इसके समान नहीं अन्य पाप, यह बात न ध्यान में लाते हैं ॥

With Best Compliments From :



P.D. Builders
P.D. Construction
ENGINEERS & CONTRACTORS

Bharat Apartments, Juhu Lane, Andheri (West)

Bombay-400 058

62 91 42

Phone : Offi :

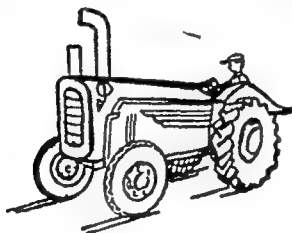
62 83 06

लेने ही लेने में खुश हो, देने में जो पबराता है ।
बिन दिये नहीं पावोगे, तुम जो देता है सो पाता है ॥

॥ श्री महावीराय नमः ॥

हार्दिक शुभकामनाया सहित—

रतलाम अम्ब्रेला फेक्ट्री



उच्च कोटि के 'ट्रेक्टर छाप' छातों के निर्माता
दोलतगज, रतलाम (म प्र) 457001

चांदमल मुणोत

फोन 683

समग्र जैन सम्प्रदायों के सभी पूज्य मुनिवरों महासतीयाँजी म.सा.का.इस वर्ष 1986 का
चातुर्मास हर्षोल्लास वातावरण में ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य तप की प्रवृत्तियों से ओत-प्रोत
सफल बने ऐसी शुभमंगल कामनाएँ करते हैं

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :-

चम्पालाल प्रेम चन्द भयानी (बापा)

दौंड-413801 जिला पूना (महा.)
(C.RLY)

With Best Compliments From :

Phone : 25571

SAMPAT FINANCE CORPORATION

(MOTOR FINANCIER)

JAIN GALI, KEDAR ROAD, GUWAHATI-781001 (ASSAM)

1. M/s. HIRALAL DINESH KUMAR
P.O. BAHARIHAT, Dist-BARPETA (ASSAM)
2. M/s SURESH & COMPANY
B-10 NEW KRISHI MANDI, P O NAGPUR (RAJ.)
3. LUNAWAT AUTO FINANCE LTD.
KEDAR ROAD, GUWAHATI (ASSAM)

कल्पना से मन की भूत बनें, जिससे रोता चिल्लाता है ।
मनकी कल्पना से नरक मिलें, मन से ही स्वर्ग में जाता है ॥

With best compliments from



Sudhir S. Shah

FAVOURITE ELECTIRCALS

Bombay Mutual Building, above City Bank, 59, 1st Floor,
Sir P M Road, Fort,
BOMBAY-400001

Phones 25 19 50

29 92 59

25 65 16

Resi 54 18 59

॥ जय महावीर ॥

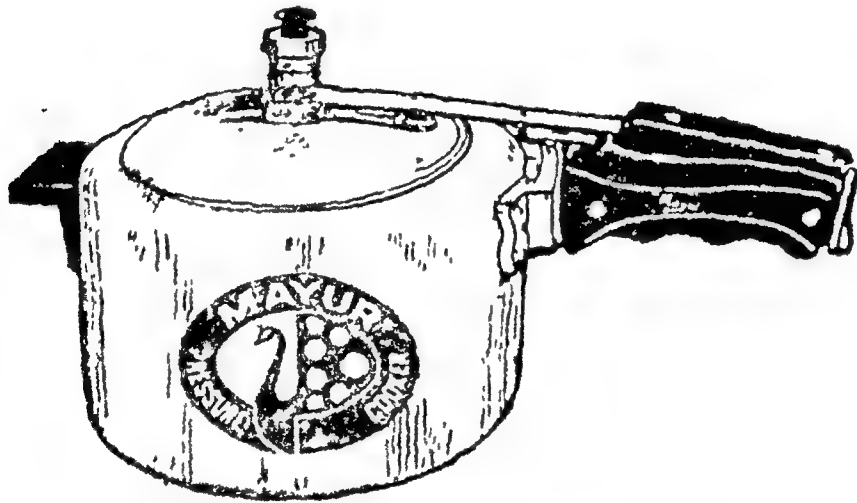
हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

एम. डी. ए. इण्डिया

नई दिल्ली

निर्माता

मयूर प्रेशर कुकर एवं गैस तंदूर



10 वर्ष की गारन्टी के साथ

विनम्र

रामेश्वर किशनलाल माहेश्वरी
(कुडाना वाला)

1- कल्याण नगर इन्डोरा (म.प्र.) 452002

17 नवम्बर 1979
18 नवम्बर 1979

आगम अनुयोग प्रवर्तक प रत्न श्री कन्हैयालालजी म स 'कमल'
 आदि ठागाओ का धानेरा (गुजरात) मे 1986 का चातुर्मास
 हर्षोल्लास वातावरण मे ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य तप
 की प्रवृत्तियो से ओत-प्रोत सफल बनें ऐसी
 शुभ भगल कामनाएं करते है -

With Best Compliments From :



KEWALCHAND PHOOLCHAND MANOHAR PHARMA

PHARMACEUTICAL DISTRIBUTORS

BRD 3RD FLOOR, MAHAVEER MANSION,
 P B NO 7129, 13, B V K IYENGAR
 ROAD, BANGALORE-560053
 Phone 77681

पारस वह कैसा पारस जो, लोहे को नहीं पारस कर दें ।
यह शक्ति है उस भगवान में, जो आत्मा को परमात्मा कर दें ॥

With Best Compliments From :

SHANTILAL M. SHAH & SONS

**Clearing, Forwarding, Shipping &
Air Cargo Agents**

12, Sethi Mansion (Aloo Mansion),
2nd Floor, Room No. 13,
Kumptha Street,
Bombay-400038.

Tele. Off : 260150
Resi. : 594705

Niranjan Shah

नित खाओ पिजो ओर भोज करो, तो भी तो शांति नहीं मिलती है ।
जिमि बर्फ का सेवन ठंडा है, पर अन्त में गर्मी ही बढ़ती है ॥

With Best Compliments From .

WOOD PACKERS

जे. के. ट्रेडर्स

80, Bombay Timber Market Ltd
Signal Hill Avenue, Reay Road,
BOMBAY-400 010

PHONE 8723146
8720392
GRAM JITKIT

चाहे तो जमाना पलट जाए, पर धर्म नहीं पलटता है।
जो पलट जाय वह धर्म नहीं है, धर्म तो ध्रुव कहलाता है ॥

With best compliments from :

ESTD. 1919

CHHOTALAL KESHAVJEE & CO.

**IRON STEEL & GENERAL
METAL MERCHANTS**

254, Sant Tukaram Road
Iron Market, Carnac Bunder
BOMBAY- 400 099.

Phones : 323767 337895.
Grams : IRONBARS (Mandi)
Telex : CKSN-11-5431

हादिक शुभकामनाओं सहित—

प्रेमराज भँवरलाल श्री श्रीमाल

दुग (म प्र) 491001

भवरलाल प्रवीण कुमार

श्री श्रीमाल निवास, गवलीपारा दुग (म प्र) 191001

फोन—RCSI 3051 p p दूरान 2489/12

सम्बन्धित—सस्यान

प्रेम एण्ड कम्पनी

बादी एम बादी आभूषणा व
विनेता, जवाहर चौक, दुग

प्रकाश एण्ड कम्पनी

बादी एम बादी जेवर के
विनेता, गांधी चौक, दुग

प्रवीण ज्वेलर्स

आधुनिक आभूषणा के विनेता
जवाहर चौक, दुग

“पकज”

आधुनिक चमड़ा काणक माथ के
जवाहर चौक, दुग

प्रवीण एण्ड कम्पनी

बस्त्रा वा मुरम्य स्वग
जवाहर चाक, दुग

सहेली

बस्त्रा वा मुरम्य स्वा
महावीर चाक, दुग

जय ज्वेलर्स

100 टच बादी जेवर के विनेता
गवलीपारा, दुग

जय ट्रेडर्स

पैमा चमड़ा व विनेता
गवलीपारा, दुग

प्रेमराज श्री श्रीमाल

दुग (म प्र) द्वारा संचालित धार्मिक सस्याएं

श्री प्रेम जयमाला ट्रस्ट, दुग (रजि)

श्री प्रेम पुन्याथ फड, दुग

श्री आयम्बिल एकासना ट्रस्ट, दुग

श्री आयम्बिल वर्षगाठ निधि ट्रस्ट, दुग

श्री निब्ली तप निधी ट्रस्ट, दुग

श्री प्रेम जयमाला ज्ञान भवन, दुग

श्री प्रेम जयमाला होमियोपैथिक

जोषधालय, दुग (रजि)

आचार्य श्री जयमल जैन

वाचनालय एव ग्रथालय, दुग

श्री सार्वजनिक प्याऊ राम मन्दिर

गांधी चौक, दुग

भवरलाल श्रीश्रीमाल

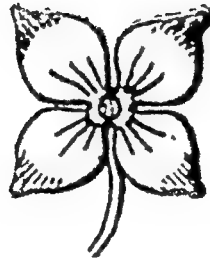
अध्यक्ष

श्री यदमान स्थानकबासी जैन आर्य सघ दुग (म प्र) 491001

यों गुरु जगत में बहुत मिलें, पर गुरुन मन का पाया है।
जब मन का गुरु मिलेगा तब तो, आप में आप सभाया है ॥

आचार्य सम्राट श्री आनन्द ऋषि जी म. सा. 2043 के पूना चातुर्मास
में धर्म, ध्यान, त्याग, तपस्या का पूर्ण ठाठ रहे इस हेतु हमारी-

हार्दिक शुभकामनाएँ-



एल. केवल चन्द धनराज जैन

पान ब्रोकर न. 201, ट्रीपली केन हाई रोड

मद्रास-600005 (तामिलनाडु)

० श्री गुम्देवायनम ०

हार्दिक शुभकामनाओ सहित

टेलीफोन नं 288

कटारिया मिश्रीमल मांगीलाल

193/, पेलेस रोड, रतलाम (मध्यप्रदेश) 457001

सम्बन्धित प्रतिष्ठान

□ फ्रेन्ड्स आटोमोबाइल्स

इंडियन आईल पेट्रोल पंप

महू राट, सासाखेडी जिला, रतलाम टेलीफोन नं 443

□ श्री शक्ति आटोमोबाइल्स

अधिकत विक्रेता -इण्डो सुजिकी मोटर साईकिल एव टी बी एस मोपेड
आधुनिक मशीनो एव कम्पनी द्वारा प्रशिक्षित मेकेनिक द्वारा रिपेरींग व सर्विस
एम्पावावर काम्पेनेम महू रोड रतलाम 457001 टेलीफोन नं 2281

□ दिवाकर मोटर्स

न्यू रोड, रतलाम (टेलीफोन नं 750)

□ श्री महावीर आटोमोबाइल्स

इंडियन पेट्रोल पम्प, वदनावर जिला धार टेलीफोन नं 62

शुभेष्टक

मांगीलाल कटारिया

अहम्

श्री वर्धमान ध्यान साधना केन्द्र, आबू पर्वत

(जैन धर्म स्थानक— उपाश्रय)

आबू पर्वत पर मुनिराजो महासतियाजी का एवं साधको का आवागमन होता ही रहता है प्रतिवर्ष चैत्र मास में आयम्बिल ओली तप का भव्य आयोजन होता है। अनेक साधक भी साधना हेतु आते हैं वर्तमान में भी जामनगर के एक साधक आए हुए हैं जो मोन के साथ अठम (तेला) तप का वर्षी तप कर रहे हैं। वह पूरे स्वाध्याय आदि प्रवृत्ति ही रहते हैं। साधक हेतु एकान्त आवश्यक है। प्राचिनकाल में भी महापुरुषो ने प्रवृत्तीय स्थलों पर ही साधनाएँ की हैं।

श्री महावीर केन्द्र में भी जो स्वाध्याय सदन वह छोटा पड़ता है। व केन्द्र में आवागमन बहुत रहता है अतः साधक को स्वाध्याय या ध्यान की प्रवृत्ति करनी होती तो शांति नहीं रहती है। इस दृष्टिकोण को लक्ष रखकर “वर्धमान ध्यान साधन केन्द्र” का ट्रस्ट बना हुआ है। केन्द्र के समीप ही जमीन ले ली गई है, नक्शा बन चुका है अब शीघ्र ही ध्यान केन्द्र का कार्य होनेवाला है उसमें निम्न आयोजन है—

1. श्री वर्धमान ध्यान साधना केन्द्र
2. श्री वर्धमान ज्ञान भण्डार
3. श्रमणसूर्य श्री मरुधरकेसरी-प्रवचन हॉल
4. युवाचार्य श्री मधुकर मुनि स्मृति स्वाध्याय सदन
5. महासती श्री माणिकुंवरजी स्मृति अष्ट प्रवचन माता सदन

उपाश्रय एवं ध्यान केन्द्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य आत्मसाधना की सभी प्रकार की प्रवृत्तियों में अधिक सहयोग करना तथा साधको को साधना के उपयुक्त स्थान आदि की सुविधा प्रदान करना है।

धर्म साधना के लिए स्थान दान करना या इसमें सहयोगी बनना महान् पुण्योपाजन का कार्य है।

आबू पर्वत पर बननेवाले साधना स्थल का अखिल भारतीय महत्व है यहाँ अनेक प्रान्तों से साधना करने के दृष्टिकोण आते रहते हैं, साम्प्रदायिक भेदभाव बिना मेवा सुश्रूपा की जाती है।

ध्यान केन्द्र के आप सहयोगी बनें आपका सहयोग प्राप्त होने पर ही हम आगे प्रगति कर सकेंगे। ध्यान केन्द्र निर्माण पर लगभग 15,00,000/र. (पन्द्रह लाख रुपये) की आवश्यकता रहेगी ऐसा अनुमान है यह विज्ञान कार्य आप सभी के सहयोग से सम्भव है कम से कम 1111/-र. प्रदान कर अपना नाम बोर्ड पर अंकित करावे। कमरे आदि पर भी नाम देने की योजना है।

उदार धर्म पेशी महान् भावों से निवेदन है कि इस कार्य में अधिक से अधिक सहयोग प्रदान कर योजना को सम्पन्न करने में सहयोगी बनें।

विशेष जानकारी के लिए सम्पर्क करें—

गोपालानन्द जैन (मनी)

आपका सहयोगान्वितापी

दृष्टी मण्डल

भारतीय राष्ट्रीय भण्डार, नरही नेक,

आबू पर्वत—307 501 (राजस्थान)

या ज्ञानमन्त्री जूहारनन्दा नागरिया

या. पी. डी. धान न. 105 के नाम से,

सुनार मार्ग, बरही, पम्बई—13

श्री वर्धमान ध्यान साधना केन्द्र,

आबू पर्वत 307 501

अहम्

श्री वर्धमान महावीर केन्द्र

सब्जी मण्डी के सामने, जाबू पर्वत-307501 (राज)

- ☐ जाबू पर्वत सारे विश्व का पर्यटन केन्द्र है
- ☐ यहाँ अहिंसा में जटिल आस्था रखनेवाले सभी वर्गों के भाई बहन हजारों की तादाद में प्रति वर्ष आत रहते हैं। उनके आवास एवं शुद्ध व सात्विक भोजन आदि की व्यवस्था के लिए सर्वोत्तम यो एक केन्द्र है।
- ☐ यहाँ पर आदिनाथ भोजनालय, वर्धमान नान भण्डार, हाम्योपेथिक औषधालय, प्रतिवर्ष मेला, जाली, नेत्र शिविर व मानव राहत की बहुत सी प्रवृत्तियाँ चलती हैं।
- ☐ गुजरात व राजस्थान से भी मुनिराज महासतिनाजी पधारते ही रहते हैं जैन स्थानक ध्यान केन्द्र का निर्माण प्रारम्भ हो ही रहा है।
- ☐ आप जब भी जाबू पर्वत पधारें तब केन्द्र में अवश्य पधारें। सस्था को इकम टेलर माफी का प्रमाण पत्र प्राप्त है।

सहयोग के तोपान -

- 1 2500/-रु प्रदान करने वाले का भोजन शाला हाल में फोटो
- 2 1100/-रु भोजन शाला में जाजीवन कायमी तिथी
- 3 1000/-रु भवन निमाण के बोर्ड पर नाम
- 4 251/-रु प्रदान करने वाले का हाम्योपेथिक औषधालय के बोर्ड पर नाम।
- 201/-रु वैयावच्छ, साधारण, जीवदया, मानव राहत, राम पाठ, प्याउ आदि प्रत्येक की जाजीवन कायमी तिथी।

केन्द्र में पधारिये, कल्याणकारी प्रवृत्तियाँ सहयोग दीजिए।

यम्बई में सम्पक सूत्र -

हस्तीमल जुहारमलजी साकरिया
(मन्त्री)

वी डी डी चालन 105 के सामने,

अमरावती मार्ग,

बस्ती बम्बई-13

फोन नं 4927437

विनीत-

ट्रस्टी मण्डल

श्री वर्धमान महावीर केन्द्र

अहम्

आगम अनुयोग ट्रस्ट,

15, स्थानकवासी सोसायटी, नारणपुरा क्रॉसिंग
अहमदाबाद—380 013

शुभ-सूचना

योगीराज श्री आनन्दधनजी ने ठीक ही कहा था—
“अवसर वेर वेर नहीं आवे”

अतः आप भी याद रखिये, धर्मकथानुयोग एवं गणितानुयोग सानुवाद प्रकाशित हो गये हैं आपने प्राप्त कर लिए होंगे। आपको यह ज्ञात हो कि—गणधर गौतमस्वामी की 2500 वीं निर्वाण शताब्दी के उपलक्ष में अनुयोग का पूरा सेट जो कि 1200/-रु में भी प्राप्त होना मुश्किल है वह प्रचार की दृष्टि से एवं सधारण व्यक्ति भी स्वाध्याय लाभ उठा सके इसी दृष्टिकोण से अनुयोग का सेट घर बैठे 500/-रु. में ही प्राप्त कर सकते हैं।

हजारों वर्षों से जिस कार्य के लिए प्रयत्न किया जा रहा था वह महान् कार्य अनुयोग प्रवर्तक प. मुनि श्री कन्हैयालालजी “कमत” ने उठाया, लगभग वे 50 बरस से निरंतर इसी कार्य में सलग्न हैं। जैनगमों को विषयानुक्रम से संकलन करना बहुत ही श्रमसाध्य कार्य है। कुछ वर्षों से स्वास्थ्य अनुकूल नहीं चल रहा है फिर भी वे प्रयत्नशील हैं। उनकी भावना को मूर्तरूप देने के लिए विदुषी महासतीजी महाराष्ट्र श्रमणी रत्न श्री मुक्तिप्रभाजी, प्रवचनसिंहजी श्री दिव्यप्रभाजी भी अपनी सुयोग्य शिष्याओं के साथ लगे हुए हैं। इस वर्ष मुनि श्री के सान्निध्य में चरणानुयोग का कार्य कर रही है चरणानुयोग का प्रकाशन म. ग्वीर ज. त. तक हो जायेगा ऐसी सम्भावना है। निम्न अनुयोग प्रकाशित हो चुके हैं।

धर्मकथानुयोग (भाग— 1-2)

दोनों भागों के पृष्ठ संख्या 1800 मूल्य 300/-रु.

जैनगमों में वर्णित समस्त धर्मकथाओं का मूलपाठ एवं सरल मूलानुलदी हिन्दी अनुवाद के साथ संकलन। प्रतिष्ठित साहित्यकार श्री देवेन्द्रमुनिजी शास्त्री की विशाल भूमि तथा डॉ. प्रेमसुमन जैन की भूमिका शब्दकोश आदि परिशिष्टों से युक्त महापुरुषों के जीवन चरित्र।

गणितानुयोग (सम्पूर्ण) मूल्य 200/-रु. पृष्ठ संख्या 1100

जैनगमों में वर्णित, अधोलोक, मध्यलोक, ज्योतिष, चन्द्र, नक्षत्र आदि भूगोल, खगोल संबंधी समस्त विषयों का मूल एवं अनुवाद के साथ विषयानुक्रम से संकलन अनेक रंगीन मानचित्रों से युक्त डॉ. लक्ष्मीचंदजी जैन एवं डॉ. रामलालजी शास्त्री विशाल भूमिका, शब्दकोष आदि परिशिष्टों से युक्त।

ऐना जनमाल ग्रंथ प्राप्त होना बहुत कठिन होता है अतः श्री सधों ने एवं स्वाध्याय प्रेमीयों से निवेदन है कि ऐना जनमाल ग्रंथ को मंगवाकर ज्ञान भंडार में रखें मुनिराज महासतियाजी को प्रदान करें। क्योंकि प्राचीन ग्रंथों में लिखा है कि— “जिनगमों की पुस्तक का दान करता है वह सार्वविद होता।”

पुनः कि ऐना भी अनुयोग के सेट मंगवाकर देव-विदेव में प्रचार-प्रसार करने अनुन्य योगदान दें। 500/-रु. का यह ही याचना दी जाती है। ज. ग्वीर आगम अनुयोग ट्रस्ट अहमदाबाद के नाम पर ट्रस्ट नेज कर पर के द्वारा अनुयोग प्राप्त करें।

जयंतिनाल चन्दुलाल संघवी
(भ. ग.)

वल्लदेवभाई डोसाभाई पटेल
(अध्यक्ष)

आगम अनुयोग ट्रस्ट—अहमदाबाद

अहम्

श्री वर्धमान महावीर बाल निकेतन

आबू पर्वत (राजस्थान)

आप अपने प्यारे नन्हें मुन्ने के जीवन को उन्नत एवं आधुनिक बनाना चाहते हैं
तो इंग्लिश के साथ-नैतिक तथा धार्मिक शिक्षण प्राप्त कराने के लिए
'श्री वर्धमान महावीर बाल निकेतन' में ही प्रवेश दिलावें

यहाँ पर एकमात्र जैन बच्चों का छात्रावास (होम्लै) है यहाँ विनय
विवेक का प्रशिक्षण दिया जाता है।

- ❖ इंग्लिश का शुद्ध एवं शीघ्र उच्चारण तथा लेखन
- ❖ आरोग्यवर्धक शुद्ध व सात्विक भोजन
- ❖ रहने की उत्तम व्यवस्था
- ❖ खेल एवं मनोरंजन के आधुनिक सभी साधन
प्रवेश पत्र एवं विशेष जानकारी के लिए सम्पर्क करें—

कृष्णकांतभाई एच. मेहता

(अध्यक्ष)

श्री वर्धमान निकेतन चैरीटेबल ट्रस्ट
1002 प्रसाद चैम्बर्स, अगिरा हाउस,
बम्बई-400004

गोपालसिंह जैन

(कार्याध्यक्ष)

श्री वर्धमान निकेतन,
दलवान रोड
आबू पर्वत (राजस्थान)
पिन कोड न 307 501
फोन न 58

अहम्

श्री वर्धमान महावीर सेवा केन्द्र

देवलाली, जिला नासिक (महाराष्ट्र)



यही हमारा प्यारा नारा ।

सेवा करना धर्म हमारा ॥

सेवा से असीम पुण्योपार्जन होता है ।

- ☐ स्वास्थ्य सुधारने के लिए महाराष्ट्र में नासिक रोड़ के समीप "देवलाली" सर्वोत्तम स्थान है। यहां अनेक "स्वास्थ्य सुधार केन्द्र" हैं।
- ☐ अ.प्र. मुनी श्री कन्हैयालालजी "कमल" तथा श्री विनय मुनी जी (वागीश) की प्रबल प्रेरणा में "श्री वर्धमान महावीर सेवा केन्द्र" स्थापित है।
- ☐ इसमें अतिवृद्ध, अपंग, अशक्त, भन्धे, असाध्य रोग ग्रस्त अकेले साधु-साध्वी चाहे वे स्थानिकवासी हों या श्रेष्ठ मूर्तिपूजक हों, उन्हें यहां भोजन की व्यवस्था करें।
- ☐ अथवा केन्द्र को नूतन करें—केन्द्र के कार्यकर्ता आपके वहां पहुंचकर योग्य कार्यवाही कर लेंगे।

विनीत :

प्रबन्धक,

श्री वर्धमान महावीर सेवा केन्द्र

देवलाली केन्द्र 422401 जिला-नासिक (म.प्र.)

जितने ऊँचे पद पर चढ़ते, चरित्र ने उतने गिरते है ।
मन्कार के फल भोगन हिय, लखचौरामी फिरते है ॥

हार्दिक शुभकामनाओ सहित

लिफाफो के अग्रणी निर्माता अन्तर्देशीय पत्रों के निर्माता

एसोसिएटेड मेन्सूफ़ेचरर्स

पेपर कन्सट्रक्शंस एण्ड प्रिन्टर्स



रवर की मोहरों का बड़ा कारखाना

लग्न पत्रिका, निमन्त्रण कार्ड, विजिटिंग कार्ड के
निर्माता एव प्रिन्टर्स

रीगल इन्डस्ट्रीज

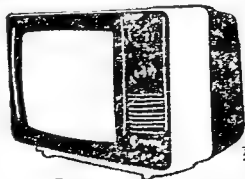
37/1 नार्थ राज मोहल्ला, इन्दौर-452002 (म प्र)

फोन न 36534



सॅफायर
टेलीविजन्स

एक उत्तम टेलीविजन
एक बेहतरीन टेलीविजन
कीमत में कम
एरियल की आवश्यकता नहीं
कहीं भी रखकर देखिये



सॅफायर इलेक्ट्रोविजन प्रा० लि०

1/ जवाहर नगर इन्दौर टेली 378

समग्र जैन समाज के पूज्य मुनिराजों/महासतीयाँजी म. सा. के मंगलमय
चातुर्मासों की हार्दिक सफलताओं की
मंगल कामना करते हुए

हार्दिक शुभकामनाओं सहित—

सभी संत संतियों के चातुर्मास की हार्दिक सफलता चाहते हैं

Shri Keshariaji Dyeing Works

An Equipped Process house known for Quality

Manufacturers of
Fast Colour Dyed Rubia

Jalori Darwaja, PALI-MARWAR-306401
(Rajasthan)

Phone Office 20711
Resi 22021

With Best Compliments From :

Tel No 70

Gadia Hirachand Jadaochand

18 Kasara Bazar RATLAM-457001 (M P)

Gadia Metal Industries

Manufacturers of CIRCLES UTENSILS & DECORATIVE ARTICLES

5, Sunar Baodi Marg, RATLAM 457001 (M P) India

Phone Works 376

Res 70

Gadia Wires

**Mers of Super Enamelled Copper Wire
Wire Drawing Machines & Enamelling Plants**

5/8 AMRITSAGAR TALAB, TRIPOLIA GATE,

RATLAM 457001 (INDIA)

Phone Works 770, Res 70

V. D. M Wire Industries

Manufacturers of Super Enamelled Copper Wires

AMRITSAGAR TALAB, TRIPOLIA GATE, RATLAM 457001 (M P)

Phone Works 740, Res 70

With best compliments from :

Pavan Fabrics & Pavan Industries

Powerloom Cloth Dealers

456 Veer Durgadas Nagar, Pavankunj,
PALI-MARWAR 306401 (Raj)

Tel No 20527

Head Office :
1368 Lale Plot, Pavankunj, Sangli (Mah)
Phone No : 4379

SISTER CONCERN :

Subhash Fabrics
R. K. Brothers
Powerloom Bleached Dhoti Malls Wholesale
Cloth Merchant
Raviwar Peth, Madhavnagar
Dist. Sangli (Maharashtra)

ममग्र जन सम्प्रदाया न पतन् मृतिगता।

महायन्त्रीयाता म ना का 1951 उप आनुमात्र

प्रान्तात्त आश्रित एव नत न माध्या त मो-तन्मप

मानावत्त। म नमन्त हान ना मात कामा न-त हए—

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

मनोहर ब्रदर्स

स्टोरिङ—ए सो मो मिनेन्ट

911, मियागन, इन्दौर 452002 (म प्र)

फ न न 31671

प्रो. शातिलाल धाकड़

मन्धरा तन् शास्त्रपम्बा प्रदाक था न्यन्त जा म ता का प्रवक् 'प' विभिन्न हानि के उपलक्षम,

Kanthed Textiles

Dyed Printed Voils & Rubia merchant

Jun market (1st Floor)

PALI MARWAR 306411 (Rajasthan)

22454 P P

Shree Prem Fabrics

Proctan Saree Manufacturers

Sumerpur Road PALI MARWAR (Raj) 06401

Phone 22484

दलाल चम्पालालजी काठेड़

सोना चांदी व हीराणा के दलाल

81 बाबागन गल (बामम-1) पाली-मारवाड 306401 (राजस्थान)

Phone Office 22484
Resi 20014

ॐ श्री महाश्री गाय नमः ॐ

With best compliments from :

Phone 21633 Office
20633 Rest

Shah Manakchand Inderchand

95, Udaipuria Bazar,
PALI-MARWAR 306 401 (Rajasthan)

Trusted Name For Quality Rubia

Our Concern :

M. B. Textiles

M. B. Textile Mills

PALI-Marwar (Raj.)

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

Gram BOHARA

Phone Offi 22180 Resi 22183

BOHARA COTTON MILLS

Mfg & Dealers - Coloured, Printed, Voiles & Rubia
17 Guljar Chok PALI MARWAR 306 401 (Rajasthan)

CHUNNILAL SOHANLAL

Mfg & Dealers Dyed Rubia & Printed Sarces

97 Udaipuria Bazar PALI MARWAR 306401 (Raj)

Phone Offi 20728
Resi 22183

हार्दिक शुभकामनाया उद्दिष्ट-

Phone 21421
21674

शाह सीरेमल एण्ड कम्पनी

कपडा व आइटम के व्यापरी

25, उदयपुरिया बाजार, पाली-मारवाड 306401 (राज)

सम्पादित कम-

दिलीप ट्रेडिंग कम्पनी

जयलक्ष्मी टेक्सटाईल

रंगीन रुबिया, पोपलीन व केसमेन्ट के निर्माता एव विक्रेता

25, उदयपुरिया बाजार, पाली-मारवाड

306101 (राजस्थान)

श्री महावीरायनम

सच्चे सरल सुशील हो, करुणा वन्त विनित ।
वनकर "चन्दन" लीजीये, जीवन बाजी जीत ॥

समग्र जैन चातुर्मास सूची को हार्दिक अभिनन्दन--

शे. अशोककुमार लखमीचन्द

"अशोक ड्रेसेस" के निर्माता

हर प्रकार के रेडीमेड वस्त्रों के थोक विक्रेता

बोड़ाना मार्केट (सराफा कार्नर), इन्दौर-452002 (म.प्र.)

सम्बन्धित प्रतिष्ठान

सम्बन्धित प्रतिष्ठान

शे. अशु मारनेन्ट्स

शे. शीतल मारनेन्ट्स

बोड़ाना मार्केट, इन्दौर-452002 (म.प्र.)

बोड़ाना मार्केट, इन्दौर (म.प्र.)-452002

⁴ जय नानज

म उस एकता को पसन्द करता हूँ -

- जिसका निमाण चर्चागत प्रगति पर होगा प्रगति मतानु विद्वान्ता का गुरोमत रखा गया है।
- निमक निमाण म निद्राता का भीम समवाता न रिया गया है।
- निमका निमाण चर्चित निष्ठा एवं अनुपातिन प्रत्यक्षा व जाग्रत का हुआ है।
- निमका निमाण दिशावृत्ति न है निमक प्रगति म प्रसारणक मुद्र भावना छपी हुई न है निमका अवगक एवं बाध्य प्रत्यक्ष तद्वत् न।
- पैमी अन्ता व हिमावृत्ति परम थड्ड चर्चित चर्चर्ती ज्ञान सम्राट समता विभूता आचार आनाता व जगताव चानुमाव का हादित प्रमत्तावता ---

मे. प्यारेलाल अँण्ड कपनी

“दिनगज” त्रिलोक, अर्लाया ।

जि रायगढ PIN 402201 (महा)

TEL 175

जय महावीर ।

जय गुरु दृष्टा ॥

८५ अथ गणेश (नामन मण्डा) कनाट्ट म विगणित परम विदुषी महामाया श्री १०५
नामना मूर्त्ती जीम सा आदि आणा ६ ता उर्थावाय तात्तुनद मय्यन् ७१-

Gautam Bankers

No 310 Motippa Palyom Indira Nagar BANGALOR 560058

पर जम का किया मिना अब कग बहाकिपाभाग । जा गफन म समय गया ता, मिश बहानपठताभाग ॥

मदस्य वनित्र आर वनार्दये (यव। र्गं की अनुपम मन्था)

Phone 360533

अखिल भारतीय श्री जैन रत्न नव युवक सेवा सघ

-प्रबन्धित कार्यालय-

80 ची न दनवी स्ट्रीट, जलसर बैलान-560008 (कर्नाटक)

रेमचंद जैन
(नानाध्याप)

गौतमचर्य ओस्तवाल
(महामर्षी)

(महामंत्री)

मन अगर कृपथ में जावे तो, तनको काबू में रखना तुम ।
मन सत्पथ में जावेगा ही, अभ्यास एक यह रखना तुम ॥

मेवाड सिंहनी, भारत कोमिता, अहिंसा की उतासिका जिन शायक चन्द्रिका
परम विदुषी महासतीजी श्री जमकुंवरजी से ना आदि ठाणा 8 का
डूगला (गज.) में 1986 वर्ष का चानुमणि ज्ञान, दर्शन, चारित्र्य,
एवं तप की आराधना से मौल्यवान् हर्ष वानावरण में सम्पन्न
होने की मंगल कामना करते हुये—

हादिक शुभ कामनाओं सहित—

ओम शास्त्री जीजीजन एण्ड जनरल स्टोर्स

प्रेम नगर नं. 2, पोप नं. 6, मंडेवर रोड, बोरीवली (पश्चिम)

दम्बरई-400092(महा.) फोन नं. 661673

३ सनेच्छक ३६

पूनमचन्द्र दुगड

शास्त्रीजीजन दुगड

नामी जाता न दाना न न ममान ।
नामी नन ममना रे न करे जमान ॥

हार्दिक शुभकामनाओ सहित

ॐ 286

इन्दरमल समरथमल

॥ रग सामान के व्यापारी ॥

चादनी चौक, राताम (म प्र) 457001

पुगावतारी महापुरुष श्रद्धेय महा भगवन्त पूज्य गुरुदेव आचार्य प्रवर श्री 1008
श्री हस्तीमल जी म सा आदि ठाणाओ का इन वर्ष का पीपाट शहर का
चातुर्मास सानव सकल हो—

शा. राजमल गौतमचन्द औस्तवाल

नया बास, भीपालगढ-342603 (राजस्थान)

नय भिन्दु

नय आत्मा पर विग्राम नही, परमात्मा पर सब जाजाये ।
नाही ममाना नने न कर, भय निघु म गान बाजाये ॥

जय तुमना

हार्दिक शुभकामनाओ सहित —

MAHAVIR AUTO PARTS

Mahavir Bhawan SILIGURI-(WEST BENGAL) 734401

श्री मध्य प्रदेश जैन स्वाध्याय संघ

कार्यालय

महावीर भवन, इमली बाजार, इन्दौर-452001 (म. प्र.)

उद्देश्य

1. संत सतियोंजी महाराज के चातुर्मास लाभ से वंचित क्षेत्रों में पर्युपण पर्वाराधना हेतु स्वाध्यायियों को भेजना ।
2. आध्यात्मिक शिक्षण शिविरों का आयोजन करना ।
3. विभिन्न क्षेत्रों में स्वाध्याय संघ एवं सामायिक संघ की स्थापना करना ।
4. विभिन्न क्षेत्रों में स्वाध्याय शालाओं की स्थापना करना ।
5. नैतिक व धार्मिक जागृति के लिए मासिक पत्रिका एवं अन्य पत्रिकाओं का प्रकाशन करना ।

- विनम्र अनुरोध:-
1. यदि आपके यहाँ संत सतियोंजी म. सा. का चातुर्मास न हो तो कृपया उपरोक्त पते पर एक माह पूर्व सम्पर्क कर स्वाध्यायी आमन्त्रित कीजिए ।
 2. यदि आप पर्युपण पर्वाराधन हेतु अपनी सेवाएं प्रदान करना चाहते हैं तो उपरोक्त पते पर सम्पर्क कीजिये ।

सम्पर्क सूत्र

बाबल चन्द मेहता
अध्यक्ष

अशोक मण्डलिक
प्रबन्ध मंत्री
नवरत्नमल जैन
प्रबन्धक

फतीरचन्द मेहता
महामंत्री

कूप खने मिट्टी मिले, पुनी पानी वह पाय
धर्म करे जघनाश है, आत्म सुख प्रकटाय



हार्दिक शुभकामनाओ सहित--

याद रखिये

राजेन्द्र होटल

सूरज पोल, पाली मारवाड (राज) 306401

Tale Rajendra Hotel

Phone

21349 P P

21907

आधुनिक, स्वच्छ एवं आराम दायक कमरे ठहरने के लिए

नोट वारात ठहराने की व्यवस्था भी है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित--

श्री मगन मुनि जैन ज्ञानाचार प्रचार समिति

कंचन विहार, न्यू पलासिया, इन्दौर द्वारा संचालित

जैन दिवाकर फाउंडेशन

प्रेरक--स्वर्गीय कवि श्री अशोक मुनि जी महाराज

उद्देश्य--

- (1) समाज के बालकों को स्थानकवासी श्रद्धानुसार ज्ञान एवं आचार-चरित्र का शिक्षण देना तथा संस्कृत एवं प्राकृत के पण्डित तैयार करना ।
- (2) समाज में चरित्रवान व्यक्ति तैयार करना जो देश विदेशों में जाकर धर्म का प्रचार करे ।
- (3) चतुर्विध सव की सेवा सुश्रूषा करना ।
- (4) दर्शन, ज्ञान, चरित्र के प्रसार के लिए साहित्य एवं पत्र का प्रकाशन करना ।
- (5) स्थानकवासियों को अधिक सहयोग देना
- (6) कोई श्रावक या श्राविणी दीक्षा लेना चाहे तो उसकी दीक्षा की व्यवस्था करना एवं दीक्षा के पूर्व उसके शिक्षण सहायता करना ।
- (7) उपरोक्त कार्यों के लिए भवन आदि बनाना, क्रय-विक्रय करना और उसकी समुचित व्यवस्था करना ।

फकीरचंद मेहता

अध्यक्ष

शिरोमणि चन्द जैन

सं. नि.

सागरमल बेताला

उपाध्यक्ष

बापू लाल बोधरा

महामंत्री

शान्ति लाल धाकड़

सोपाध्यक्ष

जैन धर्म दिवाकर, राष्ट्र सत्त, थमग सघ के हितिय पट्टधर, महामहिम आचार्य सम्राट, पूज्य
 श्री आनन्द, ऋषि म सा आदि ठाणा 13 का चातुर्मास पूना (महा) में एव
 प रत्न श्री मुलमुनिजी म सा का धूलिया में चातुर्मास ज्ञान, दर्शन,
 चारित्र तप की आराधना से परिपूर्ण होने की मंगल कामना करते हुए ।

हार्दिक शुभकामनाओ सहित --

अरिहन्त नमस्कीन सेन्टर

रानी सराय, बस स्टैंड, इन्दौर (म प्र) 452002

- ☐ दाल मोठ ☐ लोग की सेव ☐ चिवड़ा
☐ स्पेशल मिक्चर ☐ ए-वन मसाले की सेव

हमारी विशेषताएँ

अरिहन्त के नमस्कीन उत्तम खाद्य सामग्री से निर्मित

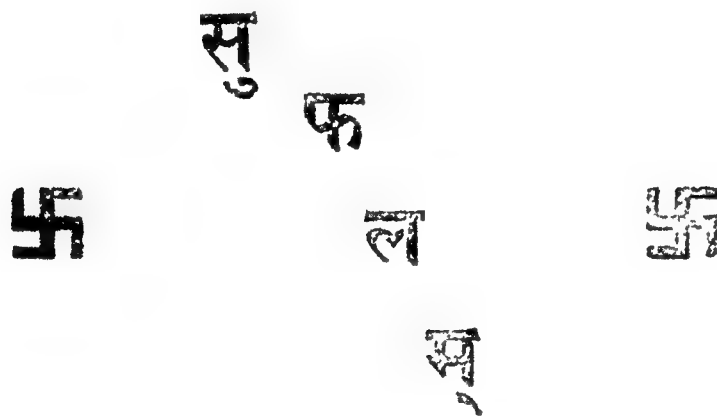
प्रो. -- राधेश्याम धूलीलाल जैन

नमस्कीन के निर्माता एवं विक्रेता

37, नील कठ कालोनी, इन्दौर (म प्र) 452002

दया रूप अमृत को तजकर, क्रोध जहर को खाता है।
फिर भी सुख की इच्छा रखता, तरस इसी पर आता है ॥

हार्दिक शुभकामनाओं सहित



आधुनिक वस्त्रों का केन्द्र

प्रोपराइटर—श्रेणिक लाल अभय कुमार चाणोदिया

42, नोलाईपुरा, धनजी भाई का नोहरा, रतलाम (म.प्र.) 457001

सम्बन्धित फर्म

मेसर्स मोतीलाल बागमल

कपड़े के व्यापारी

म.पो. पेटनावद, स्टेशन वामनिया 157773 (W. R.)

जिला—सावरा (म.प्र.)

चाँदी की आलम मे विश्वसनीय नाम

Silver House

चाँदी के प्रजेन्टेशन आर्टीकल, कलात्मक, नक्शादार कृतियों
का एकमात्र भट्य शो रूम

शुभ प्रसंगों के अवसर पर स्नेही जनो को भेंट स्वरूप देने के लिए एब घर में बसाने के लिए चाँदी
के ए-वन नम्बर कलात्मक नक्शादार कृतियों के 100% 24 चाँदी के बर्तन, फेन्सी
अलकारो शुद्ध 999 टच चाँदी के तथा लगडियो 51 भगवान के सिक्के
5-10-15-20-25-40-50 100 ग्राम में तयार मिलते हैं।

पुराना सोना, चाँदी, वाज्यो भाव से खरीदा जाता है। चाँदी के बर्तन सिर्फ मजदूरी से
बनाकर देने की व्यवस्था है।

Anything & Every Thing in Silver

प्रताप एण्ड ब्रदर्स चाँदी वाला

जवेरी बाजार, बम्बई 400002 (महाराष्ट्र)

फोन नं ऑफिस 330833, 324066
निवास 8228511, 8121491

प्रो प्रतापभाई चाँदीवाला एण्ड ब्रदर्स

हार्दिक शुभकामनाओं सहित :

मानमल घीसुलाल चौपड़ा

पो वा.नं. 18, चुडी बाजार, पाली-मारवाड़ (राज.) 306 401

पोलीथीलीन टियूब, शीट, बेगस व वंगड़ी के निर्माता व विक्रेता

सम्बन्धित फर्म :-

जितेन्द्र इन्डस्ट्रीज

F-207, मंडियारोड, पाली-मारवाड़ (राज.)

फोन न. 20302

मयूर प्लास्टीक्स

पोलीथीलीन पाइप के निर्माता व विक्रेता

1044, IV, M, Block, राजाजी नगर, राजकुमार मिल्स के पीछे

बंगलोर-560010 (कर्नाटक)

फोन Loc 453635 Resi 354679

आगम अनुयोग प्रवर्तक प रत्न, जागम रत्नाकर, पूज्य गुरुदेव श्री कन्हैयालालजी
 म सा "कमल" जादि ठाणाओ एव महासतीयांजी श्री दिव्यप्रभाजी
 म सा श्री मुक्ति प्रभाजी म सा आदि ठाणाओ का 1986 का
 चातुर्मास धानेरा (गुज) में पूर्ण होने एव पूज्य गुरुदेव के
 स्वास्थ्य की मंगल कामना करते हुए—

हादिक शुभकामनाओ सहित—

कुन्दनमल मूलचन्द साकरिया
 (साण्डेराय वाले)

पी. के. प्लास्टिक्स

प्लास्टिक सामान के थोक विक्रेता एव वितरक

5, छातीपुरा, इन्दौर- 452001 (मध्यप्रदेश)

फोन न निवास 35451

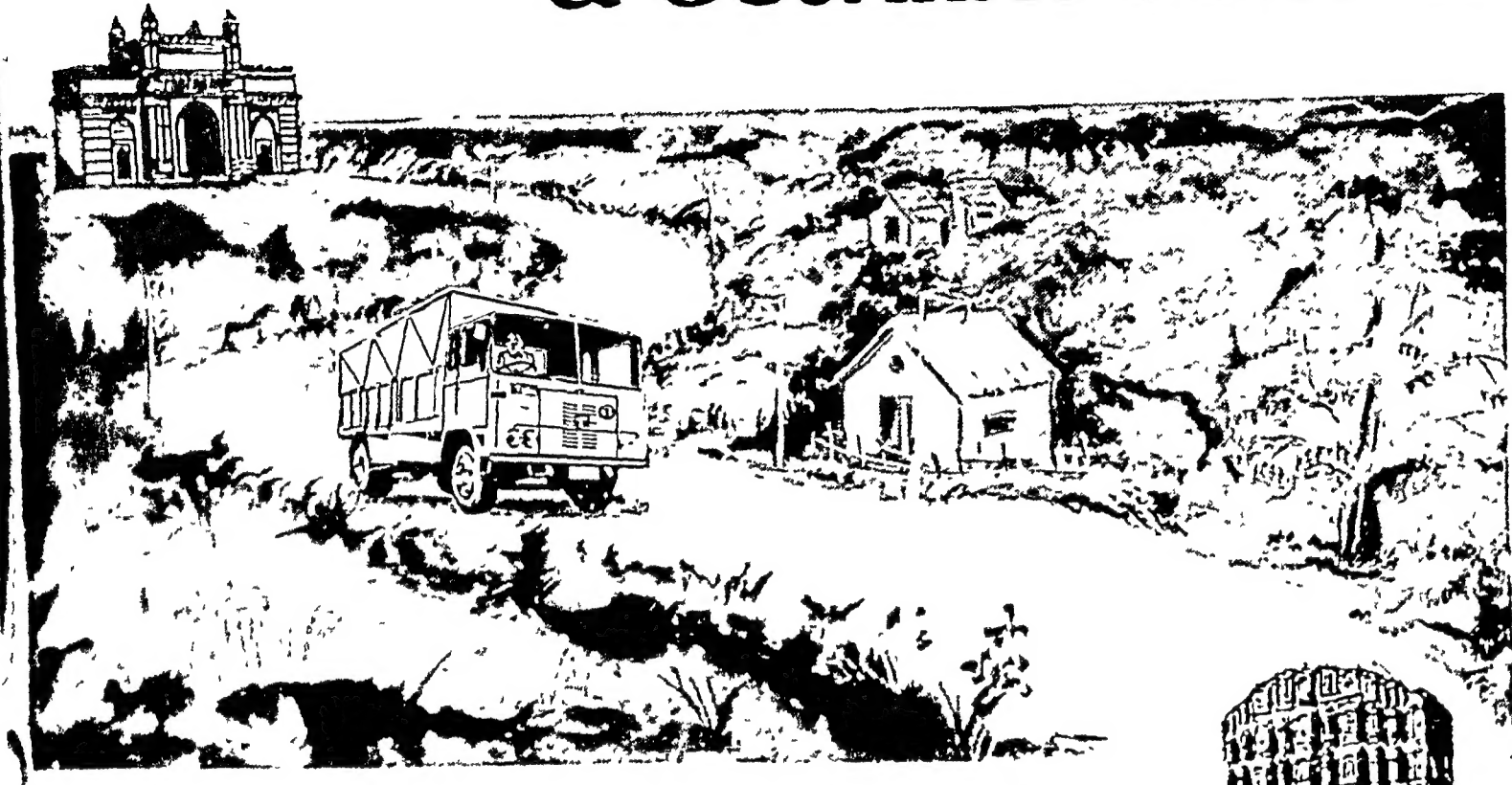
मध्यप्रदेश के वितरक

(1) भारवल प्लास्टिक्स प्रा लि

(2) ब्राइट ब्रदर्स लि

(3) कूल किंग-आइस बोक्स

TRANSPORT YOUR GOODS FROM BOMBAY TO RAJASTHAN & GUJARAT STATES



JAIPUR - TEL: 65155
JODHPUR - TEL: 25990
UDAIPUR - TEL: 24180
BALOTRA - TEL: 476
PALI-MARWAR - TEL: 7020
AHMEDABAD - TEL: 52394.

NEW
RAJUMANI
TRANSPORT
CORPORATION

DAILY CHETAK SPEED PARCEL SERVICE. PHONES: 32 89 69. 34 77 09.
Telegraph: "NEWRAJAMAN"

HEAD OFFICE AND BOOKING

DHOBLE BHAVAN,
14 CARNAC ROAD,
BOMBAY-400 003.

THANE BOOKING OFFICE

SOLANKI PLOTS,
LEWIS WADI,
THANE 400602.
PHONE: 503095 501163

BHIWANDI BOOKING OFFICE

GODOWN NO B/41,
B G T A GODOWN, RAHNAL
VILLAGE, ANJUR PHATA,
BHIWANDI. DIST THANA.